

BOOKS ON INDOLOGY

भारतीय संस्कृति

और

साहित्य

16.3

१९६८



चौखम्बा विद्याभवन
वाराणसी

(शोधपूर्ण द्वितीय संस्करण)

सम्पादक : श्रीकीर्त्यानन्द आनन्द जेदन्ताचार्य

पाण्डुलिपि की प्राचीनतावश जो त्रुटियाँ प्रथम संस्करण में रह गई थी वे इसमें सभ्यतापूर्वक दूर कर दी गई हैं। निराल उदाहरणों के बिना, बड़े अनुच्छेद, प्रत्येक खण्डान्त में 'विद्युत्प्रकाश' चूड़छिन्नाएँ एवं निष्पत्तिविधान के रूप में परिशिष्ट तथा पाण्डित्यपूर्ण भूमिका आदि से सम्पन्न तथा सर्वथा नवीन संस्करण है। सम्पूर्ण ग्रन्थ शीघ्र प्राप्त होगा। भूमिका, परिशिष्ट आदि से सुसज्जित आरम्भिक १-२ खण्ड तिहन्वाग्रप्रकरणान्त १२-५०

हिन्दी व्याख्या सहित

('शाङ्करी' व्याख्या सहित)

व्याख्याकार—स्वामी हनुमानदास षट्शायी

इस ग्रन्थ की उपयोगिता और कठिनाता दोनों जगद्विख्यात हैं। दार्शनिक जटिलता होते हुए भी व्याख्या स्पष्ट एवं सरल है। कोई पद अव्याख्यात नहीं रह पाया। ग्रन्थ लगाने तथा आशय समझने के लिये भी इस व्याख्या का क्रम एवं प्रवाह प्रशंसनीय है। पाण्डित्यपूर्ण विचारों से ओतप्रोत समालोचनात्मक भूमिकादिसहित सर्वोत्तम संस्करण। शीघ्र प्राप्त होगा

अमरकोश-रामाश्रमी

सटिप्पण 'प्रकाश' नामक हिन्दी व्याख्या सहित

(क्षेपक श्लोकों सहित शोधपूर्ण संस्करण)

इसके मूल में सब क्षेपक श्लोक भी दे दिए गए हैं तथा उनकी भी हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है। प्रमाण तथा उदाहरण के लिये उद्धृत वक्तव्यों में मूल ग्रन्थ के अध्याय-श्लोकांक आदि भी जोड़े गए हैं। साथ ही यथास्थान उपयुक्त टिप्पणियाँ, पाठभेद, अकारादिक्रम से संबन्धनुक्रमिका आदि देकर इस संस्करण को पूर्णतया शुद्ध एवं परमोपयोगी बना दिया गया है। शीघ्र प्रकाशित होगा

प्राप्तिस्थान—चौखम्बा विद्याभवन, चौक, वाराणसी-१

॥ श्रीः ॥

BOOKS ON INDOLOGY

NO. 10

230

भारतीय संस्कृति और साहित्य



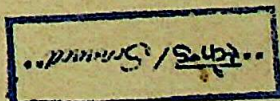
THE

CHOWKHAMBA VIDYABHAWAN

PUBLISHERS AND-ORIENTAL-& FOREIGN BOOK-SELLERS

CHOWK, POST BOX 69, VARANASI-1. U. P. (India)

1968



❀ आवश्यक निवेदन ❀

(१) कृपया अपने प्रत्येक पत्र व्यवहार में—
'भारतीय संस्कृति और साहित्य' संख्या १०, के अंग्रेजी या
संस्कृत विभागों एवं उनके अन्तर्गत क्रम संख्या का भी उल्लेख
अवश्य करें।

(२) पुस्तकें भेजते समय उनके वर्तमान मूल्य के अनुसार ही
मूल्य चार्ज किए जाते हैं।

MOST IMPORTANT

(1) In each and every correspondence kindly quote—
'Books on Indology' No. 10, English or Sanskrit Section
and Serial Numbers too.

(2) Prices are charged at the current rates of the
publishers at the time of supply.

कि सी भी अवसर पर काशी में पधारते समय

चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस

(गोपाल मन्दिर के उत्तर फाटक के पास)

के० ३७/६६, गोपाल मन्दिर लेन

वाराणसी में अवश्य पधारने की कृपा करें

KINDLY PAY A VISIT TO

The Chowkhamba Sanskrit Series Office

(Near North Gate of Gopal Mandir)

K. 37/99, Gopal Mandir Lane
Varanasi

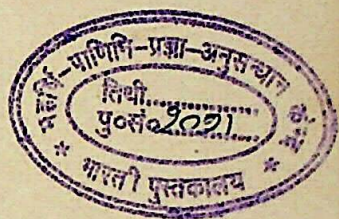
Whenever you come here in this Holy City of Varanasi.

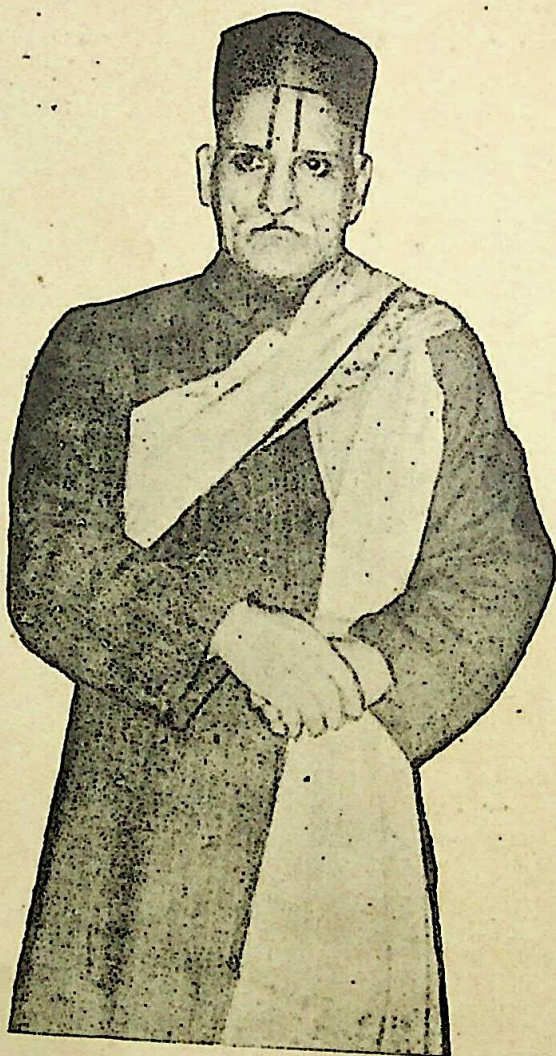
अत्यन्त शोकपूर्वक हम आपको सूचित करते हैं कि इस संस्था के संचालक श्री बाबू कृष्णदास जी गुप्त ६३ वर्ष की अवस्था में ८ जून, १९६७ को तथा श्री बाबू जयकृष्णदास जी गुप्त ७५ वर्ष की अवस्था में १३ अगस्त, १९६७ को गोलोकवासी हो गए।

व्यवस्थापक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वं भूतं सर्वं जगत् सर्वं भूतं सर्वं जगत्
सर्वं भूतं सर्वं जगत् सर्वं भूतं सर्वं जगत्
सर्वं भूतं सर्वं जगत् सर्वं भूतं सर्वं जगत्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥





श्री बाबू कृष्णदास जी गुप्त

उपाध्यक्ष

जन्म २६-११-१९०४]

[गोलोकवास ८-६-१९६७

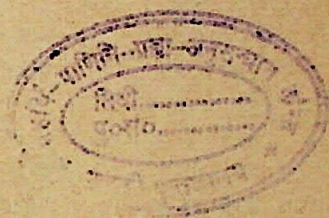


श्री बाबू जयकृष्णदास जी गुप्त

अध्यक्ष

जन्म २२-११-१८९२]

[गोलोकवास १३-८-१९६७



तीन ही सहीनों के अन्तर्गत संस्था के संचालक-द्वय के आकस्मिक गोलोकवास पर अपनी सान्त्वना तथा सहानुभूति द्वारा हमें धैर्य एवं बल प्रदान करने वाले देश एवं विदेश के सभी विद्वानों तथा स्नेही जनों के प्रति हम हृदय से आभारी हैं।

व्यवस्थापक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा
सर्वकलहर्त्रा सर्वद्वन्द्वहर्त्रा
सर्वदुष्टहर्त्रा सर्वदुर्गाहर्त्रा
सर्वदुर्गहर्त्रा सर्वदुर्गाहर्त्रा
सर्वदुर्गाहर्त्रा सर्वदुर्गाहर्त्रा
सर्वदुर्गाहर्त्रा सर्वदुर्गाहर्त्रा

CONTENTS

१ सम्मति एवं विभिन्न विज्ञापन	i-xxxi	३४ तन्त्रादि आगम	११६-१२५
२ न्याकरण	१-१९	३५ अष्टादश पुराण	१२५-१२८
३ न्याय	१९-२५	३६ उपपुराण	१२८-१२९
४ बौद्धन्याय	२५	३७ भाषा पुराण	१२९
५ मीमांसा	२५-२७	३८ भारतादि इतिहास	१२९-१३२
६ सांख्य	२८-२९	३९ भाषा इतिहास	१३२-१३४
७ योग	२९-३०	४० समालोचनात्मक इतिहास	१३४-१५८
८ योग (भाषा)	३०-३२	४१ दृष्टान्त	१५८
९ वैशेषिक	३२-३३	४२ ज्योतिष	१५८-१७१
१० दर्शन-संग्रह	३३-३५	४३ छन्द	१७१-१७२
११ वेदान्त	३५-४६	४४ काव्य	१७२-१८८
१२ वेदान्त-विशिष्टाद्वैत	४७-४८	४५ गद्यकाव्य	१८८-१९७
१३ श्री राधाचार्यजी के ग्रन्थ	४८-४९	४६ अलङ्कार	१९७-२०३
१४ स्वामी भगवदाचार्य वेदान्त- रामानन्द	५०-५१	४७ सुभाषित	२०४-२०५
१५ वेदान्त-द्वैताद्वैत	५१	४८ चम्पू	२०५-२०६
१६ वेदान्त-शुद्धाद्वैत	५१-५५	४९ भाण-प्रहसन	२०६-२०७
१७ वेदान्त-माध्व	५५	५० नाट्य-नाटक	२०७-२१६
१८ वेदान्त (भाषा)	५५-५९	५१ कोश	२१६-२२१
१९ स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती के ग्रन्थ	५९	५२ हिन्दी कोश	२२१-२२३
२० मधुसूदन विद्यावाचस्पति ग्रन्थ	६०	५३ नीति-अर्थशास्त्र	२२४-२२७
२१ वैदिकतत्त्वशोध संस्थान ग्रन्थ	६०-६१	५४ संगीत	२२७-२३३
२२ गोरक्ष-संप्रदाय	६१-६२	५५ पाकशास्त्र	२३३
२३ शैवदर्शन-काश्मीरग्रन्थावली	६३-६५	५६ शिल्पशास्त्र	२३३
२४ भगवद्गीता	६५-६८	५७ कामशास्त्र	२३४-२३५
२५ विविध गीता	६८	५८ बौद्ध	२३५-२४३
२६ उपनिषद्	६९-७२	५९ जैन	२४३-२५४
२७ वैदिक	७२-८८	६० सारामार्ज नबाब के प्रकाशन	२५४-२५५
२८ कर्मकाण्ड	८८-९७	६१ पंचाङ्ग	२५५-२५६
२९ धर्मशास्त्र	९७-१०६	६२ तुलसीकृत रामायण	२५६-२५८
३० मयूख	१०६	६३ मानस संघ के ग्रन्थ	२५८-२५९
३१ स्तोत्र	१०६-११४	६४ कबीरपन्थी ग्रन्थ	२५९-२६०
३२ व्रत-कथा	११४-११५	६५ स्वसंवेद कार्यालय कबीरपन्थी ग्रन्थ	२६०
३३ माहात्म्य	११५-११६	६६ मैथिल ग्रन्थ	२६१-२६५
		६७ हिन्दी ग्रन्थ	२६६-३०२
		६८ चिकित्सा (आयुर्वेद) ग्रन्थ	३०३-३१२

अमरकोश-रामाश्रमी

सटिप्पण 'प्रकाश' नामक हिन्दी व्याख्या सहित
(क्षेपक श्लोकों सहित शोधपूर्ण संस्करण)

इसके मूल में सब क्षेपक श्लोक भी दे दिए गए हैं तथा उनकी भी हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है। प्रमाण तथा उदाहरण के लिये उद्धृत वचनों में मूल ग्रन्थ के अध्याय-श्लोकांक आदि भी जोड़े गए हैं। साथ ही यथास्थान उपयुक्त टिप्पणियाँ, पाठभेद, अकारादिक्रम से शब्दानुक्रमणिका आदि देकर इस संस्करण को पूर्णतया शुद्ध एवं परमोपयोगी बना दिया गया है।

यन्त्रस्थ

ह मारे विमिश्र सूचीपत्र

(१) 'भारतीय संस्कृति और साहित्य'

[देश-विदेश में छपी संस्कृत, हिन्दी, अँगरेज़ी, जर्मन, फ्रेंच आदि भाषाओं की लगभग १३५०० पुस्तकों का विवरण]

(२) 'चौखम्बा साहित्य'

[हमारे द्वारा प्रकाशित १५०० तथा कुछ अन्य पुस्तकों का भी विवरण]

(३) 'चिकित्सा साहित्य'

[आयुर्वेदिक, यूनानी, एलोपैथिक, होमियोपैथिक आदि लगभग २००० पुस्तकों का विवरण]

(४) 'हिन्दी साहित्य और वाङ्मय'

[राष्ट्रभाषा हिन्दी की स्व-प्रकाशित तथा अन्य प्रकाशित ९००० पुस्तकों का विवरण]

मँगवाकर अवलोकन करें।

THE

CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES OFFICE

PUBLISHERS AND ORIENTAL & FOREIGN BOOK-SELLERS

Post Box No. 8. Varanasi-1 (India) Phone : 3145

**PATRONISING
INDIA'S ANCIENT LITERATURE
MEANS
PATRONISING
INDIAN NATIONAL CULTURE
&
HERITAGE**

We have the pleasure of drawing the kind attention of all lovers of Sanskrit learning to the fact that this concern, founded at the holy city of Varanasi on the sacred bank of the Ganga in 1892, by Late Babu Haridasji Gupta, publishes the following thirteen *Series* of both ancient and modern works :

1. CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES.
2. CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES.
3. CHOWKHAMBA RASHTRABHASHA SERIES.
4. BANARAS SANSKRIT SERIES.
5. KASHI SANSKRIT SERIES.
6. HARIDAS SANSKRIT SERIES.
7. VIDYABHAWAN SANSKRIT GRANTHAMALA.
8. VIDYABHAWAN AYURVEDA GRANTHAMALA.
9. VIDYABHAWAN RASHTRABHASHA GRANTHAMALA.
10. VIDYA VILAS GRANTHAMALA.
11. CHOWKHAMBA STOTRA GRANTHAMALA.
12. SRI KRISHNA GRANTHAMALA.
13. MITHILA GRANTHAMALA.

More than one thousand titles of different branches of Sanskrit Literature, viz., the Vedas, Vyakarana, Mimamsa, Vedanta, Nyaya, Kavya, etc., etc., as well as of Ayurveda and Hindi (India's official language), have already been published and new titles are added at frequent intervals.

This concern has earned a repute not only in India, but in foreign countries, as England, Germany, France, Italy, Japan, America, Russia, China, etc., etc., A few of the renowned scholars who being satisfied with its selfless service to the cause of Sanskrit and allied branches of learning, have ex-

tended their cooperation and bestowed upon this concern their unstinted praises and blessings, are mentioned below :

- M. M. Gangadhara Sastri, C. I. E.**
 „ **Bapudev Sastri, C. I. E.**
 „ **Haraprasad Sastri, C. I. E.**
 „ **Sivakumar Sastri**
 „ **Lakshman Sastri Dravida**
 „ **Nityananda Pant Parvatiya**
 „ **Vamacharan Nyayacharya**
 „ **Sudhakar Dvivedi**
 „ **Harihar Kripalu Dvivedi**
 „ **Ganganath Jha**
 „ **Gopinath Kaviraj**
 „ **Giridhar Sharma Chaturveda**
 „ **Narayan Sastri Khiste**
Acharya Goswami Damodar Sastri
Panditaraja Rajeswar Sastri Dravida
Dr. Sarvapalli Radhakrishnan
Sri K. M. Munshi
 „ **Sriprakash**
 „ **Adityanath Jha, I. C. S.**
Dr. Sampurnananda
Sri Ananda Sankar Dhruva
Rai Bahadur K. V. Rangaswami Aiyangar
Baba Sri Raghavadasji
Dr. S. N. Dasgupta
Pandit Iswardatta Daurgadatti Sastri
 „ **Brajabihari Choube**
 „ **Kamalapati Tripathi**
Dr. A. B. Keith (England)
Dr. Hermann Jacobi (Germany)
 „ **Wolfgang Voight (Germany) .**
 „ **K. L. Janert (Germany)**
 „ **F. K. Lee (China)**
 „ **G. Tucci (Italy)**
 „ **R. Gnoli (Italy)**

Now we take the pleasant opportunity to express our indebtedness to all our patrons in India and abroad, viz., scholars, educationists, professors and students; universities, societies, public and private libraries; religious teachers and preachers, nobility and gentry, booksellers and suppliers, for their active encouragement in the way of accepting our publications for their respective works. We do thankfully look forward for their kind and valuable cooperation in future.

We remain,

Always in the Service of

Sanskrit and Sanskritists

Chowkhamba Sanskrit Series Office.

OUR DIFFERENT BRANCHES OF PUBLICATIONS

1. SANSKRIT PUBLICATION
2. ENGLISH PUBLICATION
3. HINDI PUBLICATION
4. MEDICAL (Indian & Western) PUBLICATION
5. MAITHILI PUBLICATION

FOR DIFFERENT BRANCHES OF OUR
PUBLICATION CONSULT DETAILS FROM OUR
FOLLOWING DIFFERENT SERIES :

1. CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES.
2. CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES.
3. CHOWKHAMBA RASHTRABHASHA SERIES.
4. BANARAS SANSKRIT SERIES.
5. KASHI SANSKRIT SERIES.
6. HARIDAS SANSKRIT SERIES.
7. VIDYABHAWAN SANSKRIT GRANTHAMALA.
8. VIDYABHAWAN AYURVEDA GRANTHAMALA.
9. VIDYABHAWAN RASHTRABHASHA GRANTHAMALA.
10. VIDYA VILAS GRANTHAMALA.
11. CHOWKHAMBA STOTRA GRANTHAMALA.
12. SRI KRISHNA GRANTHAMALA.
13. MITHILA GRANTHAMALA.

THE
CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES OFFICE
PUBLISHERS

Post Box 8, Varanasi-1 (India) Phone: 3145

(iii)

tended their cooperation and bestowed upon this concern their unstinted praises and blessings, are mentioned below :

M. M. Gangadhara Sastri, C. I. E.

„ **Bapudev Sastri, C. I. E.**

„ **Haraprasad Sastri, C. I. E.**

„ **Sivakumar Sastri**

„ **Lakshman Sastri Dravida**

„ **Nityananda Pant Parvatiya**

„ **Vamacharan Nyayacharya**

„ **Sudhakar Dvivedi**

„ **Harihar Kripalu Dvivedi**

„ **Ganganath Jha**

„ **Gopinath Kaviraj**

„ **Giridhar Sharma Chaturveda**

„ **Narayan Sastri Khiste**

Acharya Goswami Damodar Sastri

Panditaraja Rajeswar Sastri Dravida

Dr. Sarvapalli Radhakrishnan

Sri K. M. Munshi

„ **Sriprakash**

„ **Adityanath Jha, I. C. S.**

Dr. Sampurnananda

Sri Ananda Sankar Dhruva

Rai Bahadur K. V. Rangaswami Aiyangar

Baba Sri Raghavadasji

Dr. S. N. Dasgupta

Pandit Iswardatta Daurgadatti Sastri

„ **Brajabihari Choube**

„ **Kamalapati Tripathi**

Dr. A. B. Keith (England)

Dr. Hermann Jacobi (Germany)

„ **Wolfgang Voight (Germany)**

„ **K. L. Janert (Germany)**

„ **F. K. Lee (China)**

„ **G. Tucci (Italy)**

„ **R. Gnoli (Italy)**

Now we take the pleasant opportunity to express our indebtedness to all our patrons in India and abroad, viz., scholars, educationists, professors and students; universities, societies, public and private libraries; religious teachers and preachers, nobility and gentry, booksellers and suppliers, for their active encouragement in the way of accepting our publications for their respective works. We do thankfully look forward for their kind and valuable cooperation in future.

We remain,

Always in the Service of

Sanskrit and Sanskritists

Chowkhamba Sanskrit Series Office.

OUR DIFFERENT BRANCHES OF PUBLICATIONS

1. SANSKRIT PUBLICATION
2. ENGLISH PUBLICATION
3. HINDI PUBLICATION
4. MEDICAL (Indian & Western) PUBLICATION
5. MAITHILI PUBLICATION

FOR DIFFERENT BRANCHES OF OUR
PUBLICATION CONSULT DETAILS FROM OUR
FOLLOWING DIFFERENT SERIES :

1. CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES.
2. CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES.
3. CHOWKHAMBA RASHTRABHASHA SERIES.
4. BANARAS SANSKRIT SERIES.
5. KASHI SANSKRIT SERIES.
6. HARIDAS SANSKRIT SERIES.
7. VIDYABHAWAN SANSKRIT GRANTHAMALA.
8. VIDYABHAWAN AYURVEDA GRANTHAMALA.
9. VIDYABHAWAN RASHTRABHASHA GRANTHAMALA.
10. VIDYA VILAS GRANTHAMALA.
11. CHOWKHAMBA STOTRA GRANTHAMALA.
12. SRI KRISHNA GRANTHAMALA.
13. MITHILA GRANTHAMALA.

THE
CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES OFFICE
PUBLISHERS

Post Box 8, Varanasi-1 (India) Phone : 3145

(iii)

GOVERNOR



UTTAR PRADESH

GOVERNOR'S CAMP,
UTTAR PRADESH.

Lucknow,

April 12, 1962.

I have great pleasure in testifying to the excellence of the work of publication of Sanskrit Series which the famous 'Chowkhamba' of Varanasi has been doing during the last seventy years. Many eminent scholars of Sanskrit and Indology in India and abroad have commended this noble endeavour in glowing terms. This selfless venture, motivated by pure love of the heritage of Sanskrit learning in the country, was undertaken by *Shri Haridas Gupta* as long ago as 1892 and is being carried on with devotion and enthusiasm by his son *Shri Jaya Krishna Das Gupta*. The Series has over a thousand publications in Sanskrit, Hindi and English to its credit, and recently it has undertaken the stupendous work of publishing '*Sabda Kalpadruma*' and the '*Vachaspathyam*', both Sanskrit lexicons, which are invaluable additions to any library or centre of learning and culture.

All this noble work has so far been carried on by the family without any assistance from Government. But under present condition, it is difficult to carry on this work without public patronage and Government assistance. There is absolutely no doubt about the value of these publications for the preservation and promotion of Indian culture and learning. I hope the Publishers of this Series will receive every encouragement at the hands of the public as also of the State and Central Governments. I wish the Series every success.

A handwritten signature in dark ink, reading 'B. Ramakrishna Rao'.

(B. Ramakrishna Rao)
Governor of Uttar Pradesh.

स्थानाभाव से अनेक सम्मतियों में से केवल एक सम्मति दिग्दर्शन मात्र के लिये प्रकाशित की जा रही है।

‘चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला कार्यालय’ के संस्थापक स्वर्गीय बाबू हरिदासजी गुप्त तथा वर्तमान संचालक बा० जयकृष्णदासजी गुप्त एक साधारण पारिवारिक गृहस्थ होते हुए भी आज पचासों वर्ष से प्राचीन से प्राचीन दुष्प्राप्य संस्कृत ग्रन्थों का उद्धारकार्यरूपी प्रकाशन करते चले आ रहे हैं यह सभी विद्यानुरागी सज्जनों को विदित है और इसके लिये इनकी जितनी भी प्रशंसा की जाय थोड़ी है।

यों तो स्कूली पुस्तक व्यवसायियों की सभी जगह भरमार है परन्तु प्राचीन से प्राचीन ग्रन्थ जो किसी भी परीक्षा आदि में निर्धारित न हों और न जिनके प्रकाशन से अधिक लाभकी कोई संभावना ही हो उन ग्रन्थों का प्रकाशन कार्य इनके ही द्वारा अथवा भारतवर्ष की इनी-गिनी राजसंस्थाओं तथा गवर्नमेंट द्वारा होता है। मगर इनमें भी ‘गुप्त’ महोदय की जैसी सच्ची लगन के साथ अनेक प्रकार की आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हुये प्रकाशन कार्य को निरन्तर चलानेवाला किसी को नहीं पाया। काशी की ‘पंडित’ तथा ‘विजयनगर’ ग्रन्थमाला इन्हीं कारणों से अल्प समय में स्थगित हो गई।

गुप्त महोदय के निःस्वार्थ प्रेम तथा अद्भुत परिश्रम के फलस्वरूप ही हम लोगों को संस्कृत साहित्य, दर्शन आदि विविध विषयों के सैकड़ों ग्रन्थ जो लुप्तप्राय थे, देखने को मिल रहे हैं। इनके कार्य की प्रशंसा के लिये इनके द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ ही पर्याप्त प्रमाण है।

मगर इतनी बात तो माननी ही होगी कि इस संस्था को जिस प्रकार की सहायभूति मिलनी चाहिये, नहीं मिली, यह अत्यन्त खेद का विषय है। अस्तु, संस्कृतानुरागी सभी आचार्यों, साधु-महन्तों, विद्वानों तथा राजा-महाराजा एवं धनीमानी दानी सज्जनों, अध्यापकों तथा सभी गवर्नमेंट व सार्वजनिक संस्थाओं का पूर्ण कर्तव्य है कि वे अब भी इनके द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों को अधिकाधिक मात्रा में खरीद कर तथा अन्य प्रकार से भी इनकी सहायता करें जिससे ये और भी उत्साह तथा प्रेम के साथ अधिक से अधिक ग्रन्थों का प्रकाशन कर सुरभारती की सेवा करते रहें।

म० म० पण्डित गोपीनाथ कविराज,

संवत् २०१४

एम० ए० डी० लिट्०,

सुपरिंटेण्डेण्ट आफ संस्कृत स्टडीज़, उत्तरप्रदेश।

Presentation Ceremony
of
SHABDA-KALPADRUM

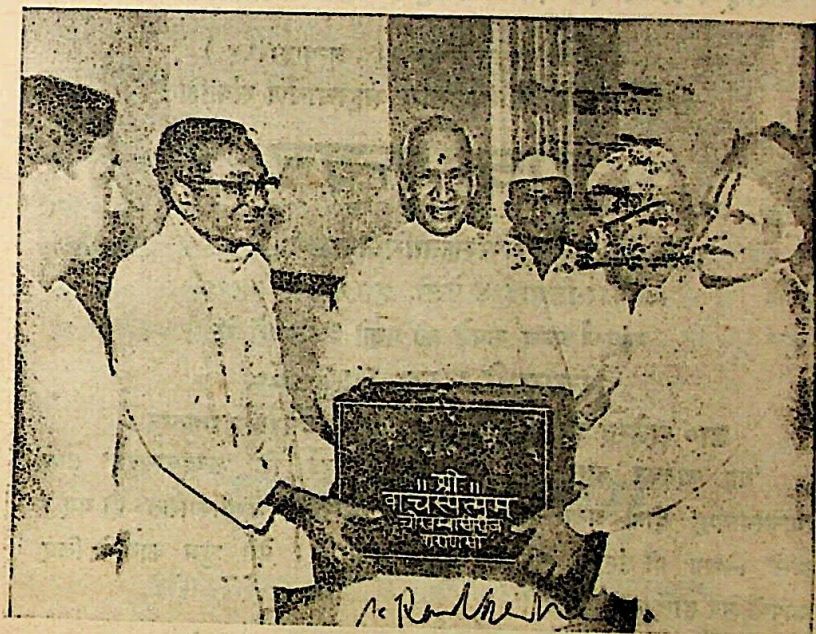


The President remarked that the 'Chowkhamba'
Publications have made immortal contribution
in the field of Sanskrit, and therefore
their endeavour deserves
highest appreciation.

Presentation Ceremony

Q4

VACHASPATHYAM



Dr. S. Radhakrishnan, President of India remarked that it is a remarkable achievement of the publishers. It is a monumental and appreciable work and such works were needed for the propagation of Sanskrit. President further appreciated the bold step taken by the publishers and appreciated the work done by the 'Chowkhamba Series' during the past 70 years. He advised 'Chowkhamba' to publish more and more books in Sanskrit to enrich the literature.

(vii)

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः ९३)

राजा राधाकान्तदेव विरचितः

शब्दकल्पद्रुमः

(बृहत् संस्कृताभिधानग्रन्थः)

आकार-डिमाई ४ पेजी, पृष्ठ संख्या ३२१८

संपूर्ण ग्रन्थ १-५ भाग तृतीय संस्करण १५०-००

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः ९४)

तर्कवाचस्पति श्रीतारानाथ भट्टाचार्येण संकलितं

वाचस्पत्यम्

(बृहत् संस्कृताभिधानग्रन्थः)

आकार-डिमाई ४ पेजी, पृष्ठ संख्या ५५००,

संपूर्ण ग्रन्थ कपड़े की पक्की ६ जिल्दों में

रियायती मूल्य २७५-००

डा० राजेन्द्र प्रसाद जी, प्रथम राष्ट्रपति, भारतीय गणतन्त्र :

‘यह जानकर वास्तव में बड़ी प्रसन्नता हुई कि ‘शब्दकल्पद्रुम’ तथा ‘वाचस्पत्यम्’ दोनों ग्रन्थ संपूर्ण ‘चौखम्बा सोरीज’ में प्रकाशित हो गए। इससे निश्चय ही संस्कृत साहित्य समृद्ध हुआ है। ऐसे शुभ कार्य के लिए आपको मेरे हार्दिक धन्यवाद !’

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः १०१)

शब्दस्तोममहानिधिः

श्री तर्कवाचस्पति-तारानाथ-भट्टाचार्य-विरचितः

आकार-डिमाई ४ पेजी, पृष्ठ संख्या ५३२

प्रायः एक शताब्दी से दुर्लभ यह ग्रन्थरत्न संस्कृत का उत्तम कोशग्रन्थ है। इसमें संस्कृत के प्रायः सभी शब्दों के पर्यायों के साथ आवश्यक व्युत्पत्ति-विवरण-धातु-प्रत्यय, विग्रहवाक्यादि, प्रयोगस्थल आदि—भी दिए गए हैं। विवरण संक्षिप्त होने से बहुसंख्यक शब्दों का समावेश हो गया है। संस्कृत भाषा के प्रचार एवं प्रसार कार्य में इस कोश का प्रथम स्थान है।

मूल्य ४५-००

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः ११)

ऋग्वेद संहिता

सायणभाष्य सहित

सम्पादक : भट्ट मोक्ष मूलर

आकार-डिमाई ४ पेजी पृष्ठ संख्या ३६०० भाग १-४ मूल्य १४०-००

ऋग्वेद का प्रस्तुत संस्करण अब तक के छोटे अन्य संस्करणों की अपेक्षा सर्वाधिक ग्रामाणिक माना गया है। इसके प्रख्यात सम्पादक ने अपने जीवन का अधिकांश समय इसे पूर्ण करने में ही व्यतीत किया जिसके कारण यह संस्करण आज भी अद्वितीय माना जाता है। इसके बाद छोटे सभी अन्य संस्करण प्रायः पूर्णतया इसी पर आधारित हैं। इधर अनेक वर्षों से यह सर्वथा दुष्प्राप्य था। अतः चार भागों में छोटे मूल संस्करण के आधार पर फोटो आफ सेट पद्धति से इसका नवीन संस्करण अत्युत्तम विदेशी (जर्मनी) टिकाऊ कागज पर मुद्रित कराकर इस संस्था द्वारा प्रस्तुत किया गया है। जिससे इसकी दुष्प्राप्यता दूर होकर प्रत्येक वैदिक विद्वान् इसे सुलभ मूल्य में प्राप्त कर अपनी आकांक्षा पूर्ण कर सके।

(चौखम्बा संस्कृत ग्रन्थमाला : ग्रन्थाङ्कः १६)

श्रीशुक्लयजुर्वेदे

शतपथब्राह्मणम्

श्रीमत्सायणाचार्यहरिस्वामिद्विवेदगङ्गकृत-

भाष्येभ्यः सारमुद्धृत्य

डा० अल्बर्टेन वेबेरेण शोधितम्

संपूर्ण ग्रन्थ डिमाई ४ पेजी पृष्ठ संख्या १२१०

मूल्य रु० १००-००

(The Chowkhamba Sanskrit Studies Vol. XIII)

ENGLISH-SANSKRIT DICTIONARY

By

Monier Williams

Sturdy & Cloth-bound-Big Size, Double Demy octavo pp. 850.

Price : Library Edition Rs. 75-00. Cheap Edition Rs. 32-00

(ix)

हमारे सन् १९६६-६८ के कतिपय प्रमुख प्रकाशन :—

- 1 A Critical Study of the Philosophy of Ramanuja : By Dr. Anima Sen Gupta. 20—00
- 2 A Manual of Buddhism : In its Modern Development. Translated from Singhalese Mss. By R. Spence Hardy. 30—00
- 3 Agni Puranam : A prose English Translation with Annotations : By Manmatha Nath Dutt. 2 Vols. 60—00
- 4 Hymns of The Atharvaveda (Translated into English with a Popular Commentary) By Ralph T. H. Griffith. 2 Vols. 40—00
- 5 The Hunas in India : By Dr. Upendra Thakur. 25—00
- 6 Three Lectures on the Vedanta Philosophy : By F. Maxmuller. 7—50
- 7 Trade And Commerce in Ancient India : By Dr. Balram Srivastava. With A Foreword By Dr. A. L. Basham. With Plates. 30—00
- ८ अग्निपुराणम् । आलोचनात्मक विशद हिन्दी भूमिका, परिशिष्ट सहित ।
सम्पादक—आचार्य बलदेव उपाध्याय २०—००
- ९ अमरुशतकम् । अमरक विरचित । अर्जुन वर्म देव प्रणीत 'रसिक संजोविनी'
संस्कृत तथा श्री प्रबुद्ध पाण्डेय कृत हिन्दी व्याख्या सहित ३—५०
- १० कामकुञ्जलता । पंडितराज श्री दुण्डिराज शास्त्री सम्पादित २०—००
- ११ हिन्दी काव्यालङ्कार । रुद्रट विरचित । (नमिसाधु कृत—संस्कृत टीका सहित)
व्याख्याकार—श्री रामदेव शुक्ल १०—००
- १२ कृतिरत्नसंग्रहः । पं० तूफानी शर्मा ८—००
- १३ गदनिग्रह । शोढल विरचित । श्री इन्द्रदेव त्रिपाठी कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी
टीका सहित । प्रथम भाग १५—००
- १४ गौतमधर्मसूत्राणि । हरदत्त विरचित 'मिताक्षरा' संस्कृत वृत्ति तथा
श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी व्याख्या सहित १०—००
- १५ चन्द्रकला नाटिका । विश्वनाथ कविराज प्रणीत । श्री बाबूलाल शुक्ल
शास्त्री कृत 'प्रभावलो'-हिन्दीव्याख्या सहित ६—५०
- १६ चैतन्यचन्द्रोदय नाम नाटकम् । कवि कर्णपूर विरचित । श्री रामचन्द्र
मिश्र कृत हिन्दी व्याख्या सहित ७—००
- १७ चौखम्बा-चिकित्सा-विज्ञान-कोश । सम्पादक—डा० गंगासहाय पाण्डेय । २०—००
- १८ त्रिपुरारहस्यम्-ज्ञानखण्डम् । स्वामी सनातनदेव जी महाराज कृत
'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित १३—००
- १९ देववाणी प्रवेशिका । (सचित्र) १-३ भाग । श्री अनसूया प्रसाद मट्ट । ३—२०
- २० हिन्दी नलचम्पू । (चण्डपाल प्रणीत 'प्रकाश' व्याख्या सहित) व्याख्याकार—
श्री कैलासपति त्रिपाठी । प्रथम उच्छ्वास २—००
१—२ उच्छ्वास ३—०० सम्पूर्ण ११—००

- २१ नारीजागरण-नाटकम् । पं० गोपाल शास्त्री दर्शनकेसरी ४—००
- २२ निबन्धादर्शः । संपादक म० म० पं० श्री गिरिधर शर्मा चतुर्वेदः २—५०
- २३ प्रबन्धरत्नाकरः । डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल १६—५०
- २४ हिन्दी ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य । व्याख्याकार—स्वामी हनुमानदास पट्टशास्त्री
१—२ भाग सम्पूर्ण ३०—००
- २५ हिन्दी ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (चतुःसूत्री) । व्याख्याकार—आचार्य विश्वेश्वर
सिद्धान्तशिरोमणि ५—००
- २६ हिन्दी भामिनीविलास । पंडितराज जगन्नाथ विरचित । व्याख्याकार—श्री
राधेचर्याम मिश्र । अन्योक्ति विलास मात्र ४—०० सम्पूर्ण १०—००
- २७ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । विश्वानेश्वर कृत् 'मिताक्षरा' संस्कृत तथा डॉ० उमेशचन्द्र
पाण्डेय कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । आचाराध्याय मात्र ४—००
सम्पूर्ण २०—००
- २८ राजमार्तण्डः । भोजराज विरचित । हिन्दी टीका सहित २—५०
- २९ हिन्दी वक्रोक्तिजीवित । व्याख्याकार—श्री राधेचर्याम मिश्र १५—००
- ३० विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः । डॉ० महेशतिवारी कृत् हिन्दी टीका सहित ६—००
- ३१ विद्यापरिणयनम् । आनन्दराय मखि विरचित । श्री रामचन्द्र मिश्र कृत
'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित ४—५०
- ३२ हिन्दी वैशेषिकदर्शन । (प्रशस्तपाद भाष्य सहित) व्याख्याकार—पंडितराज
श्री दुण्डिराज शास्त्री १५—००
- ३३ व्याकरणमहाभाष्यम् । कैयट विरचित 'प्रदीप' संस्कृत तथा श्री मधुसूदन प्रसाद
मिश्र कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । प्रथम आह्निक पस्पशाह्निक २—००
१—४ आह्निक ८—०० १—५ आह्निक १०—००
- ३४ शब्दकल्पद्रुमः । राजा राधाकान्तदेव बहादुर विरचित । तृतीय संस्करण
१—५ भाग सम्पूर्ण १५०—००
- ३५ शब्दस्तोममहानिधिः । तारानाथ तर्कवाचस्पति मट्टाचार्य विरचित ४५—००
- ३६ शुक्रसप्ततिः । श्री रमाकान्त त्रिपाठी विरचित 'विनोदिनी' संस्कृत-हिन्दी
व्याख्या सहित १०—००
- ३७ शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम् (वाजसनेयि-प्रातिशाख्यम्) कात्यायन प्रणीत ।
श्रीमती इन्दु रस्तोगी कृत आंगलानुवाद सहित १०—००
- ३८ समयमातृका । क्षेमेन्द्रकृत । डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी कृत हिन्दी व्याख्या
सहित ४—००
- ३९ सिद्धान्तनिदानम् । गणनाथसेन कृत । १—२ भाग १४—००
- ४० सूक्तिमञ्जरी । आचार्य बलदेव उपाध्याय ८—००
- ४१ हनुमन्नाटकम् । पं० जगदीश मिश्र कृत 'विमा' संस्कृत-हिन्दी टीका
सहित ६—५०

४२ औचित्य सम्प्रदाय का हिन्दी-काव्य-शास्त्र पर प्रभाव ।

डॉ० चन्द्रहंस पाठक	२५—००
४३ कृष्णभक्ति-काव्य में सखीभाव । डॉ० शरणविहारी गोस्वामी	२५—००
४४ सच्चित्र क्रियात्मक औषधि परिचय विज्ञान । श्री विश्वनाथ द्विवेदी	१२—००
४५ त्रिदोषविज्ञान । श्री उपेन्द्रनाथदास	४—००
४६ पुरुषार्थ । भारतरत्न डॉ० भगवानदास	१२—५०
४७ प्रत्यक्ष शारीर । गणनाथ सेन कृत । हिन्दी । १-२ भाग	२५—००
४८ भारतीय इतिहास के स्रोत, सिक्के । ई० जे० रैपसन । अनुवादक— डॉ० रामकुमार राय	१२—००
४९ भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधिसिद्धान्त । श्री राजवंश सहाय 'हीरा'	१५—००
५० महाकविशूद्रक (शूद्रक और मृच्छकटिक) डॉ० रमाशंकर तिवारी	१२—५०
५१ महाभारतकोश । डॉ० रामकुमार राय । १-२ भाग	४०—००
५२ मूल संस्कृत उद्धरण (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) प्रो० जे मूर । हिन्दी अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय । १-४ भाग	८०—००
५३ राजतरंगिणी कोश । डॉ० रामकुमार राय	१५—००
५४ लौकिक संस्कृत साहित्य । ९० बी० कीध । अनुवादक— श्री चारुचन्द्र शास्त्री	७—५०
५५ लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । डॉ० गौरीनाथ शास्त्री । अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय	९—००
५६ विष्णुपुराण का भारत । डॉ० सर्वानन्द पाठक	२०—००
५७ वेदकालीनसमाज । डॉ० शिवदत्त शानी	२५—००
५८ वेदार्थ-चन्द्रिका । डॉ० मुंशीराम शर्मा	६—००
५९ वैदिक योग सूत्र । श्री हरिशंकर जोशी	२०—००
६० व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास । श्री रमाकान्त मिश्र	४—००
६१ शक्यप्रदीपिका । डॉ० मुकुन्द स्वरूप वर्मा	१५—००
६२ शृङ्गाररस का शास्त्रीय विवेचन । डॉ० इन्द्रपाल सिंह	१०—००
६३ संस्कृत के विद्वान और पण्डित । श्री रामचन्द्र मालवीय	१—७५
६४ साहित्यशास्त्रसार । श्री हंसराज अग्रवाल-श्रुतिकान्त जी	४—५०
६५ स्मृतियाँ और कृतियाँ । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी	४—००
६६ स्वतन्त्रकलाशास्त्र । डॉ० कान्तिचन्द्र पाण्डेय । प्रथम भाग—भारतीय	३५—००
६७ हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका । डॉ० शम्भुनाथ सिंह	७—५०
६८ हेमचन्द्राचार्य जीवन चरित्र । डॉ० जी० बूहर । अनुवादक श्री कस्तूरमल बांठिया	७—००

Just Published**Just Published***A pioneering work on the philosophy of Ramanuja*

(Chowkhamba Sanskrit Studies Vol. LV)

**A CRITICAL STUDY OF THE PHILOSOPHY
OF RAMANUJA**

By

Dr. Anima Sen Gupta**Size Demy 8 Vo****Total Pages 296****Rs. 20-00**

- **** The book has been dedicated to Dr. S. Radhakrishnan who says : "A valuable piece of work. It is a systematic exposition of the philosophy of Ramanuja done with care and discrimination."
- **** Prof. O. Lacombe, University of Paris : "Her contribution is critical and constructive..... Her treatment of the Ramanujiya epistemology as compared with other realistic schools in India is specially praiseworthy."
- **** Prof. R. Ramanujachari, Dean, Faculty of Philosophy and Education, Annamalai University..... "A very valuable addition to the books on Visistadvaita Siddhanta."
- **** The Pioneer, Lucknow..... "There is no doubt that the book will attract the earnest attention of both Eastern and Western philosophers who are keenly interested in the philosophy of Ramanuja. The book will also be read and made use of by those persons who will be doing research work on Ramanuja."

This book is fit for being made a text book by all Universities and for placing in every Library—Says Governor Ayyangar.

******* Mr. A. S. Ayyangar, Governor of Behar and Chancellor of the Patna University in an appreciation of the book says 'interalia' :—"Dr. Anima Sen Gupta has entered into the spirit of Sri Ramanuja's philosophy.....hope and trust that the book will receive great appreciation amongst the learned men and will find a place in every Library and that it will be adopted as a text book on Ramanuja's philosophy."

Mr. Ayyangar adds : "I congratulate Dr. Anima Sen Gupta on the excellent work that she has produced and made Ramanuja better known in Northern India. I convey my great sense of appreciation of her book and of the knowledge and study that she has brought to bear on the subject."

Just Published

Just Published

(Chow. Sans. Studies Vol. LIX)

TRADE AND COMMERCE IN ANCIENT INDIA*By***Dr. Balram Srivastava***With A Foreword By Dr. A. L. Basham*

The present work needs no justification. Uptill now there have been only a few sporadic attempts on some particular aspect or period of the history of trade activity in ancient India. There is no single work presenting a connected account of the different aspects of trade and commerce in ancient India. The present work attempts the task and has received the approval of several scholars for its singular success. The author gives an account of the history of trade and commerce in ancient India from the earliest times upto c. 300 A.D. The material used in the study is mainly literary, but archaeological sources also have been tapped, not only to supplement literary evidence, but significantly enough, also to illumine trade and commerce of such remote past, for which literature is silent. Through a judicious handling of diverse source material the author has been able to narrate the fascinating story of a much neglected but vitally important aspect of ancient Indian life. The work consists of twelve chapters dealing with different aspects of trade, such as geographical factors conducive to trade; pre-commercial stages; society and trade; trade-routes (proto historic and historic periods, internal and external); journey condition; means of transport; history of balances, weights and measures; medium of exchange; business organisations; commercial conventions, and commodities. Some additional questions connected with trade and commerce discussed in the appendices relate to barter, conventional names of routes and the geography of the Pāṇḍavas' digvijaya. 30-00

(Chow. Rashtrabhasha Series No. I)

SVATANTRAKALĀ S'ĀSTRA

(Science and Philosophy of Independent Arts)

Vol. I. BHĀRATĪYA : By Dr. Kanti Chandra Pandey. 35-00

(xiv)

THE CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES

(Started in 1935)

- Vol. I. ABHINAVAGUPTA : An Historical and Philosophical Study by Dr. Kanti Chandra Pandey, M. A., Ph. D., D. Litt., M. O. L., Shastri, With a Foreword by Dr. Ganganath Jha. Second Edition, Revised and Enlarged. 1963. 45-00.
- Vol. II. COMPARATIVE ÆSTHETICS :
Vol. I. INDIAN ÆSTHETICS : By Dr. Kanti Chandra Pandey, M. A., Ph. D., D. Litt., M. O. L., Shastri. With a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. Second Edition. Revised and Enlarged. 1959. 30-00
- Vol. IV. COMPARATIVE ÆSTHETICS :
Vol. II. WESTERN ÆSTHETICS : By Dr. Kanti Chandra Pandey, M. A., Ph. D., D. Litt., M. O. L., Shastri, 1956. 30-00
- Vol. III. YUGANADDHA : The Tantric View of Life by Dr. Herbert V. Guenther, Ph. D. Second Revised Edition. In the Press
- Vol. V. VEDĀNTA DEŚIKA : A Study of His Life, Works and Philosophy : By Dr. Satya Vrata Sinha, M. A., Ph. D., D. Litt. 1958. 20-00
- Vol. VI. LIGHTS ON VEDĀNTA : A Comparative Study of the various views of Post-Sankarities, with special emphasis on Suresvara's doctrines by Dr. Veermani Prasad Upadhyaya, M. A., B. L., D. Litt., With a Foreword by Dr. B. N. Jha. 1959. 15-00
- Vol. VII. THE FALL OF THE MOGUL EMPIRE : By Sidney J. Owen, M. A. Reprint. 1960. 8-00
- Vol. VIII. HISTORY OF INDIAN LITERATURE : By Albercht Weber. Translated from the Second German Edition by John Mann, M. A., and Theodor Zachariae, Ph. D. Reprint. 1961. 25-00

CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES

- Vol. IX. MEGHADŪTA OR CLOUD MESSENGER : A**
Poem in the Sanskrit Language by Kalidas. Translated
into English Verse, with notes and Illustrations by
H. H. Wilson, M. A., F. R. S., etc., Reprint. 1961. 7-50
- Vol. X. SARVA-DARŚANA-SAMGRAHA : or Review of**
the different systems of Hindu Philosophy by Madhava
Acharya. Translated by E. B. Cowell, M. A. and A. E.
Gough, M. A. Reprint. 1961. 15-00
- Vol. XI. AN INTRODUCTION TO THE GRAMMAR OF**
THE SANSKRIT LANGUAGE : For the use of Early
Students by H. H. Wilson, M. A., F. R. S. etc.,
Reprint. 1961. 20-00
- Vol. XII. SAKUNTALA : or the Lost Ring. A Sanskrit**
Drama, in Seven Acts, by Kalidasa. The Deva-Nagari
Recension of the Text Edition with Literal English
Translation of all the metrical passages, schemes of the
metres and Notes, Critical and Explanatory, by
Monier Williams, M. A., D. C. L. Reprint. 1961. 15-00
- Vol. XIII. ENGLISH-SANSKRIT DICTIONARY : By Sir**
M. Monier Williams, M. A., K. C. I. E. Reprint. 1965.
Library Edition. 75-00
Cheap Edition. 32-00
- Vol. XIV. LAWS & PRACTICE OF SANSKRIT DRAMA :**
(An Investigation into the canons of Sanskrit Drama-
turgy and their application to some principal plays in
Sanskrit) By Prof. Surendra Nath Shastri, M. A.,
D. Phil, L. L. B. Vol. I. 1963. 25-00
Vols. II-VI. In the Press.
- Vol. XV. HISTORY OF ANCIENT SANSKRIT LITERA-**
TURE : By F. Max Muller. Reprint. 25-00
- Vol. XVI. THE SIX SYSTEMS OF INDIAN PHILOSOPHY :**
By The Right Hon. Prof. Max Muller. Reprint. 1962. 15-00
- Vol. XVII. EPISTEMOLOGY OF THE BHATTA SCHOOL**
OF PURVA MIMANSA : By Dr. Govardhan P. Bhatt,
M. A., Ph. D. 1962. 20-00

CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES

- Vol. XVIII. DRAMAS : Or A Complete Account of the
Dramatic Literature of The Hindus : By H. H. Wilson.
Reprint. 1962. 4-00
- Vol. XIX. THE PURĀṆA TEXT OF THE DYNASTIES OF
THE KALI AGE : With Introduction and Notes by F.E.
Pargiter, M. A. Reprint. 1962. 20-00
- Vol. XX. THE ATHARVA-VEDA PRĀTISĀKHYA or
SAUNAKĪYA CATURĀDHYĀYIKĀ : Text, Translation
and Notes by William D. Whitney. Reprint. 1962. 20-00
- Vol. XXI. A PRACTICAL GRAMMAR OF THE SANSKRIT
LANGUAGE : Arranged with reference to the classical
Languages of Europe for the use of English Students by
Monier Williams, M.A. Reprint. 1962. 20-00
- Vol. XXII. VAISESHIKA PHILOSOPHY : According to the
Dasapadartha-Sastra. Chinese Text with Illustration,
Translation and Notes by H.Ul. Edited by F.W. Thomas.
Reprint. 1962. 16-00
- Vol. XXIII. HISTORICAL AND LITERARY INSCRIP-
TIONS : By Dr. Rajabali Pandeya, M.A., D.Litt., 1962. 15-00
- Vol. XXIV. VISNUDHVAJA or QUTB MANĀR : By Dr.
D. S. Trivedi, M.A., Ph.D. With a Foreword by Sir C.P.
Ramaswami Aiyar. Introduction by Sri Birbal Singh.
1962. 5-00
- Vol. XXV. RELIGIONS OF INDIA : By A. Barth. Authori-
sed English Translation by Rev. J. Wood. Reprint.
1963. 15-00
- Vol. XXVI. BUDDHIST PHILOSOPHY IN INDIA AND
CEYLON : By A. B. Keith. Reprint. 1963. 15-00
- Vol. XXVII. MYTHOLOGY OF THE ĀRYAN NATIONS :
By The Rev. Sir George W. Cox, Bart., M. A. Reprint.
1963. 30-00
- Vol. XXVIII. HYMNS OF THE SĀMA-VEDA : Translated
into English with a popular Commentary by Ralph
T. H. Griffith, M. A., C. I. E. Reprint. 1963. 20-00

- Vol. XXIX. **VĀLMIKI RĀMĀYANA** : Translated into English Verse by Ralph T. H. Griffith, M. A., C. I. E. With a Memoir by M. N. Venkataswami, M. R. A. S. Reprint. 1963. 25-00.
- Vol. XXX. **SUSHRUTA SAMHITĀ** : Based on original Sanskrit Text, English Translation, with a full and comprehensive Introduction, additional texts, different readings, notes, comparative views, index, glossary and plates. Translated and edited by Kaviraj Kunjalal Bhishagratna M. R. A. S. In three Volumes. Reprint. 1963. 60-00.
- Vol. XXXI. **UNIVERSAL HISTORY OF MUSIC** : Compiled from Diverse Sources. Together with various original Notes on Hindu Music by Raja Sir Sourindra Mohan Tagore. Reprint. 1963. 20-00.
- Vol. XXXII. **STUDIES IN VEDIC INTERPRETATION** : (On the Lines of Sri Aurobindo) By A. B. Purani. 1963. 20-00.
- Vol. XXXIII. **ON THE ORIGIN OF THE INDIAN BRAHMA ALPHABET** : By Georg Bühler. Second Revised Edition of Indian Studies, No. III. Together with two Appendices on the origin of the Kharosthi Alphabet and of the so-called Letter Numerals of the Brahmi, with three Plates. Reprint. 1963. 10-00.
- Vol. XXXIV. **SAMKHYA APHORISMS OF KAPILA** : With Illustrative Extracts from the Commentaries. Translated by James R. Ballantyne, LL. D. Reprint. 1963. 20-00.
- Vol. XXXV. **HYMNS OF THE R̥GVEDA** : Translated into English with a popular Commentary by Ralph T. H. Griffith, M. A., C. I. E. Complete in 2 Vols. Reprint. 1963. 40-00.
- Vol. XXXVI. **INDIAN WISDOM** : or Examples of the Religious, Philosophical and Ethical Doctrines of the Hindus : With a brief History of the chief Departments of Sanskrit Literature and Some Account of the Past and Present Condition of India, Moral and Intellectual, by Monier Williams, M. A. Reprint. 1963. 30-00.

CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES

- Vol. XXXVII. A FUNCTIONAL ANALYSIS OF INDIAN THOUGHT AND ITS SOCIAL MARGINS : By Swami Agehananda Bharati. 1964. 15-00**
- Vol. XXXVIII. THE VRATYAS IN ANCIENT INDIA : By Radha Krishna Choudhary, M. A. 1964. 15-00**
- Vol. XXXIX. THE SOCIO-RELIGIOUS CONDITION OF NORTH INDIA : (700-1200 A. D.) Based on Archaeological Sources by Dr. Vasudeva Upadhyay, M. A., Ph. D. 1964. 25-00**
- Vol. XL. SURGICAL ETHICS IN AYURVEDA : By Dr. G. D. Singhal M. S., F. R. C. S. & Pt. Damodar Sharma Gaur, A. M. S. 1963. 5-00**
- Vol. XLI. STUDIES IN THE DEVELOPMENT OF ORNAMENTS AND JEWELLERY IN PROTO-HISTORIC INDIA : By Dr. Rai Govind Chandra, M. A. 1964. 75-00**
- Vol. XLII. AGNI-PURANA : A STUDY : By Dr. S. D. GYANI, M. A. 1964. 25-00**
- Vol. XLIII. STUDIES IN JAINISM AND BUDDHISM IN MITHILA : By Dr. Upendra Thakur, M. A., D. Phil. 1964. 15-00**
- Vol. XLIV. WOMEN IN ANCIENT INDIA : Moral and Literary Studies by Clarisse Bader. Translated by Mary E. R. Martin. Reprint. 1964. 20-00**
- Vol. XLV. BUDDHISM : In its Connection with Brahmanism and Hinduism and in its Contrast with Christianity by Sir M. Monier-Williams, K. C. I. E. Reprint. 1964. 35-00**
- Vol. XLVI. AN INTRODUCTION TO BUDDHIST ESOTERISM : By Dr. Benoytosh Bhattacharyya, M. A., Ph. D. Reprint. 1964. 30-00**
- Vol. XLVII. CONCEPT OF POETIC BLEMISHES IN SANSKRIT POETICS : By Dr. Bechan Jha, M.A., D.Litt. 1965. 15-00**
- Vol. XLVIII. PANINI : His Place in Sanskrit Literature, An Investigation of some Literary and Chronological Questions which may be settled by a study of his work. By Theodor Goldstucker. First Indian Edition edited by Dr. Surendra Nath Shastri, M. A., D. Phil., L.L. B., F. R. A. S. 1965. 16-0**

CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES

Vol. XLIX. HINDU MUSIC FROM VARIOUS AUTHORS :

Compiled by Raja Sir Sourindro Mohun Tagore.
Reprint. 1965. 25-00

Vol. L. TRIPURA RAHASYA : (Jñānakhaṇḍa) English

Translation and a Comparative Study of the Process of
Individuation by A. U. Vasavada, M. A., D.Litt. 1965. 15-00

Vol. LI. INDO-ARYAN LITERATURE AND CULTURE

(Origins) : By Nagendranath Ghose, M. A., B.L.
Advocate, High Court, Calcutta. Reprint. 1965. 20-00

Vol. LII. THE BHAKTI CULT IN ANCIENT INDIA :

By M. M. Dr. Bhagabat Kumar Goswami, Shastri,
M. A., Ph. D. Professor, Hooghly College. Reprint.
1965. 25-00

Vol. LIII. NALOPAKHYANAM : Story of Nala. An Episode

of the Maha-Bharata. The Sanskrit Text, with a
Copious Vocabulary and An Improved Version of Dean
Milonan's Translation by Monier Williams, M.A., D.C.L.
Indian Edition. 1965. 25-00

Vol. LIV. AGNI PURANAM—Edited with a Prose English

Translation by Manmatha Nath Dutt (Shastri), M. A.,
M. R. A. S. 2 Vols. Reprint. 1967. 60-00

Vol. LV. A CRITICAL STUDY OF THE PHILOSOPHY OF

RAMANUJA : By Dr. Anima Sen Gupta. 1967. 20-00

Vol. LVI. A MANUAL OF BUDDHISM, In its Modern

Development. Translated from Singhalese Mss.
By R. Spence Hardy. Reprint. 1967. 30-00

Vol. LVII. THREE LECTURES ON THE VEDANTA

PHILOSOPHY : By F. Max Muller. Reprint. 1967. 7-50

Vol. LVIII. THE HUNAS IN INDIA : By Upendra Thakur.

With A Foreword by D. C. Sircar. 1967. 25-00.

Vol. LIX. TRADE AND COMMERCE IN ANCIENT

INDIA : By Sri Balaram Srivastava. With a Foreword
by Dr. A. L. Basham. 1968. 30-00

THE STUDENT'S GUIDE TO SANSKRIT COMPO-

SITION : A Treatise on Sanskrit Syntax for the use
of Schools and Colleges by Vāman Shivarām Āpte. 4-75

CHOWKHAMBĀ RĀSHṬRABHĀSHĀ SERIES

A Collection of Serious Studies in Hindi on Various Branches of Indian Learning. Edited by Various Scholars.

Work Nos. 1-4. 1967.

85-00

No. 1. **SVATANTRAKALĀ SĀSTRA** (Science and Philosophy of Independent Arts) by Dr. Kantichandra Pandey. Vol. I. Bharatiya. 35-00

2. **VISHNUPURĀNA KĀ BHĀRATA** (India as Depicted in the Vishnupurana) by Dr. Sarvananda Pathak. 20-00

3. **VAIDIKA YOGASUTRA** (An Abstract Yoga Philosophy or Metaphysics as in the Vedic Literature) with Hindi Commentary by Pt. Hari-sankar Joshi. 20-00

4. **SRIṆGĀRA RASA KĀ S'ASTRĪYA VIVECHANA** (A Critical Discussion of the Sentiment of Love) by Dr. Indrapala Singh. 10-00

VIDYĀBHAWAN RĀSHṬRABHĀSHĀ GRANTHAMĀLĀ

This Series is published, keeping a two-fold object in view viz., popularising various branches of Indian thought by publishing authentic translations of, and critical studies on Sanskrit works in Hindi, and enriching the Hindi Literature by publishing Hindi translations of valuable works in other Indian and foreign languages and thereby bringing within the easy reach of Hindi knowing public, the store of human knowledge to which they have no access. Works Nos. 1-114 Price Rs. 1097-00 have hitherto been published and new titles are added at frequent intervals. A few important titles are quoted below to enable the readers to realize the vastness of the scope of this series :

1 KĀDAMBARI : EKA SĀNSKRITIK ADHYAYAN

(A Cultural Study of the Kādambari of Bāṇabhaṭṭa) by Dr. V. S. Agrawal. (V. R. G. 14) 15-00

2 HINDU SANSKĀRA (Socio-Religious Study of the Hindus' Sacraments) by Dr. Raj. Bali Pandeya.

(V. R. G. 12) 16-00

- 3 **PRĀKRIT SĀHITYA KĀ ITIHĀS** (History of Prākṛit Literature) by Dr. Jagadish Chandra Jain, M.A., Ph.D. (V. R. G. 42) 20-00
- 4 **VEDIC INDEX** (Index of Vedic Names and Subjects by A. A. Macdonell and A.B. Keith) Hindi Translation by Prof. Ram Kumar Rai, M. A. 2 Vols. (V. R. G. 46) 40-00
- 5 **KAUTILĪYA ARTHASĀSTRA** (Arthasāstra of Kautilya) Hindi Translation by Sri Vachaspati Sastri Gairola. (V. R. G. 58) 10-00
- 6 **VYĀVAHĀRIKA MANOVIJNĀNA** (Applied Psychology) by Dr. Ramkumar Rai.(V. R. G. 64) 8-00
- 7 **JAINA ĀGAMA SĀHITYA ME BHĀRATĪYA SAMĀJA** by Dr. Jagadish Chandra Jain. (V.R.G. 93) 25-00
- 8 **BHĀRATĪYA ITIHĀSA KE SROTA : SIKKE.** (Sources of Indian History : Coins. By E. J. Rapson). Hindi Translation by Dr. Ramkumar Rai. (V. R. G. 100) 12-00
- 9 **SANSKRIT BHĀSHĀ** (Sanskrit Language) by T. Burrow. Hindi Translation by Dr. Bhola Sankar Vyasa. (V. R. G. 81) 30-00
- 10 **SANSKRIT SĀHITYA KĀ ITIHĀSA** (History of Sanskrit Literature) by Shri Vachaspati Gairola. (V. R. G. 28) 20-00
- 11 **MADHYAKĀLIN SĀHITYA ME AVATĀRVĀD** (Theory of Incarnation in Medieval Indian Literature : An Interpretation) by Dr. Kapildeo Pandey. (V.R.G. 60)30-00
- 12 **MOOLA SANSKRIT UDDHARANA** (Original Sanskrit Texts by J. Muir) Hindi Translation by Ram Kumar Rai. Vol. I-IV. (V. R. G. 67) 80-00
- 13 **CHĀRVĀKA DARSHAN KĪ SHĀSTRĪYA SAMĪKSHĀ** (A Critical Study of Charvak Philosophy) by Dr. Sarvananda Pathak. (V. R. G. 76) 12-50
- 14 **SOMESHWAR KRIT MĀNASOLLĀSA : EKA SĀNSKRITIK ADHYAYAN** (Mansollāsa of Somesvara : A Cultural Study) by Dr. Shiva Shekhar Mishra. (V. R. G. 99) 25-00
- 15 **LAUKIKA SANSKRIT SAHITYA KĀ SAMKSHIPTA ITIHĀSA** (A Concise History of Classical Sanskrit Literature by Gauri Nath Shastri) Hindi Translation by Dr. Ram Rumar Kai. (V. R. G. 114) 9-00

Second Edition.

Just Published.

THE
ÆSTHETIC EXPERIENCE ACCORDING
TO
ABHINAVAGUPTA

By

Raniero Gnoli

Second Edition, Thoroughly Revised and Enlarged

In India, the study of Aesthetics has a long and glorious history. The most ancient text that has come down to us is the *Nāṭyaśāstra* of Bharata, which was, of course, not written in abstract or disinterested desire for knowledge but in motives of a purely empirical order. It is conceived that a poem or a play arouses in the reader or a spectator a state of consciousness which is called *Rasa* or a flavour. Aesthetic experience is, therefore, the act of tasting of this *Rasa*, of immersing oneself in it to the exclusion of all else. Bharata, in his famous aphorism '*vibhāvānubhāvavyabhicārisaṃyogād rasanīṣpattiḥ*' explains the way in which that Aesthetic experience originates and the commentary by Abhinavagupta on this *sūtra* constitutes the most important text in the whole of Indian æsthetic thought. A great part of Indian poetics, in fact, draws its inspiration in the matter of Æsthetic experience, from this commentary. This important portion of the commentary of Abhinavagupta who is one of the most profound and keenest minds that India has ever known, has been very ably edited, translated, commented upon and elucidated by Dr. Raniero Gnoli, who is himself a keen student of Sanskrit Literature and philosophy, a renowned scholar of considerable erudition and above all a *sahṛdaya* to the true sense of the term. The learned introduction contains all possible informations regarding the various Indian and western theories on æsthetic experience and in the copious notes the readers will find authentic materials quoted from numerous allied texts in justification of the interpretation of the difficult passages.

Rs. 45-00

(xxiii)

MITHILĀ IN THE AGE OF VIDYĀPATI*(C. 1330-1525 A. D. : A Study in Cultural History)***Prof. Radhakrishna Choudhary**

Prof. Choudhary, the author of the present work can surely claim an unprecedented originality in his skill of reconstructing the cultural history of a nation from its literary records. With this Particular angle of vision he has made a thorough study of the poems of Vidyāpati. The readers will find, with interest and admiration, in the present volume a very detailed description of every-day life of the Maithila people of the middle ages; their food habits, dresses, religious beliefs and superstitions, joys and sorrows of the womenfolk, social institutions, customs and manners etc. etc., as depicted by Vidyāpati. This study is as interesting as a novel, being at the same time authentic with references to the original sources.

Shortly

HISTORY OF MUSLIM RULE IN TIRHUT*(1206-1765 A. D.)***Prof. Radhakrishna Choudhary**

The broad outlines of the central administration of Muslim rulers of India are now not unknown to us, but we really know very little of the detailed political and social history of the *provinces* during that period and of the interesting tale of changes of power which took place very frequently. It is certainly interesting to note that Mithilā was the only country in North-eastern India having an independent Hindu kingdom, though surrounded on all sides, by muslim powers. Prof. Choudhary has laboured much to record the obscured history of muslim rule in Tirhut. His statements are factual, not conjectural and based on rare but trustworthy materials, his judgements are unprejudiced and rational, and his diction is lucid and combined with literary flavour.

Shortly

(xxiv)

KAUTILYA'S POLITICAL IDEAS AND INSTITUTIONS

(*A Study in Ancient Indian Polity*)

Prof. Radhakrishna Choudhary

The *Arthashastra* of Kautilya represents a definite stage in the history of Indian political thought. In spite of so much importance, *Arthashastra* of Kautilya is a very difficult work, and more so to the average readers. Even good translations prepared by renowned scholars are of little help to understand it. Taking these difficulties into consideration and noticing the ever increasing interest in its study of the educated public, the author has prepared this beautiful treatise which will make the ordinary readers acquainted with the political ideas of the great Indian thinker. Shortly

A COMPARATIVE STUDY OF THE CONCEPTS OF SPACE AND TIME IN INDIAN THOUGHT

Dr. Kumar-Kishore Mandal

Time and Space are two fundamental data of science and philosophy. There is of course, grave difference of opinion among philosophers regarding the reality of these two entities. The arguments and counter-arguments put forward by the exponents of various schools of thought really form a labyrinth from which it is difficult to come out. The learned author has endeavoured to give a survey of their arguments and conclusions and the present work is the outcome of his hard labour of intensive study of original texts carried on for several years. The speciality of his work lies in the fact that it gives a survey of the views and the opinions of different philosophers beginning from the dawn of the first speculation in the Vedic period down to the recentest theories of scientific philosophers. Rs. 15-00

(xxv)

THE DHVANI THEORY IN SANSKRIT POETICS

Prof. Mukunda Madhav Sarma

It can safely be said that the science of poetics reached its culmination in the theory of Dhvani (resonance) first so nicely propounded by the celebrated Indian Rhetorician ANANDA-VARDHANA and then so magnificently explained and elaborated by his successor ABHINAVA GUPTA. The theories forwarded by other Ālaṅkārikas to refute the former are also not less interesting and intelligent. The learned author of the present work, has very ably brought into the compass of one single handy volume written in lucid beautiful English, authenticated with apt quotations from the original sources and their faithful expositions, all the essence of such a vast literature developed in this wide country, by her most intelligent writers, during several centuries.

Rs. 20-00

SRI AUROBINDO AND THE THEORIES OF EVOLUTION

(A Critical and Comparative Study)

Dr. Rama Sankar Srivastava

This monograph is an excellent exposition of Sri Aurobindo's theory and principles of Divine evolutionism. By clear, connected and comprehensive account of Sri Aurobindo's philosophy of evolution, and by a comparison with Samkhya, Advaita Vedanta and Kashmir Saivism the author has shown how far the former has made a distinct improvement over them. The learned author has very ably shown that the biological theories of the western authorities like Darwin, Spencer, Lamarck etc., explain but little of the many sided directions of evolution-process. He gives a clear and critical account of Sri Aurobindo's integral theory of evolution and throws light on many other problems connected with it.

Shortly

(xxvi)

A CRITICAL STUDY OF THE BHĀGAVATA PURĀṆA

With Special Reference to Bhakti

Dr. T. S. Rukmani

The Bhāgavata Purāṇa is the most famous among the Purāṇas and its influence on the religion of the people is profound. It enjoys its privileged position in the Indian mind as a gospel of *Bhakti*, and it has been responsible for the rise of many sects of Vaiṣṇavas. But such an important work has not been properly studied by modern scholars and its intrinsic value has never been placed before the reading public. Our authoress, in this learned work, endeavours to present a comprehensive study on the Bhāgavata Purāṇa with special reference to Bhakti, and discusses very ably the development of this particular way of religious life through the vast Indian scriptures. Shortly

CONCEPTS OF AGNI IN AYURVEDA

With

Special reference to Agnibala Parīkṣa

Dr. Bhagavan Das

The concepts of 'Agni' i.e., the latent heat in the human physique occupies a very important place in the medical literature in India. The ancient authors and their compilers of medical treatises of India had never failed to judge 'Agni' with all its importance and bearings on the system of diagnosing the various diseases and their remedy. Their discussions at places go far beyond the limited scope of medical science and become philosophical. The present author, critically examines the concepts in the back ground of Indian philosophies who accept Agni as one of the primary elements of the universe, and in the light of modern scientific researches as well. He explains his subject matter very exhaustively with the help of many diagrams and charts. Shortly

(xxvii)

KĀLIDĀSA KOSA**Prof. S. C. Banerji**

This interesting work is a cyclopaedic Index of all the Zoological, Botanical, Geographical and other terms used by Kālidāsa. The author has spared no pain to select, arrange and explain those terms noting the references to the places of their occurrence in Kālidāsa's works. In every case he gives their technical names (Latin names) as used by modern scientists and quotes modern authorities as well. In this handy volume the interested reader may find how many Sanskrit names of lotus or water lily have been used by Kālidāsa, what is the botanical name of *Kurabaka* or the zoological term for *cakora* etc. etc. Such an informative and interesting work must be consulted by every student of Sanskrit literature.

Shortly

**THE POLITICAL AND SOCIO-RELIGIOUS
CONDITION OF BIHAR**

(185 B. C. to 319 A. D.)

Dr. Hari Kishore Prasad

Our knowledge of the history of the period between the fall of the Mauryan Empire and the rise of the Imperial Guptas, is of a very limited character. Naturally, a detailed and comprehensive history of Bihar for the period did not exist. The learned author of the present work has, therefore, endeavoured to present before the students of history a connected record of that period. His thinking is independent and he has very ably discussed knotty problems as the relation of Pusyamitra Sunga with the Buddhists, whether Pusyamitra was a Sunga, etc., etc. He has reconstructed for the first time the history of the revival and development of Brahmanical religion in the period. Every student of Indian history will be much benefitted from this work.

Shorly

(xxviii)

HYMNS OF THE ATHARVAVEDA

(Translated into English with a Popular Commentary)

By

Ralph T. H. Griffith

While the Ṛgveda contains the ancient most religious writings of mankind and reveals various aspects of the life and culture of Aryan people, the Atharvaveda contains interesting and important records regarding the popular beliefs, folk-religion and elements of ancient thinking in medical science.

The present work is an attempt to bring within the easy reach of English knowing readers who are not much accustomed with Vedic Sanskrit, a faithful English translation of the Atharvaveda, mostly based on the commentary of Sayanacharya.

2 Vols. Complete. Rs. 40-00

A

HISTORY OF VEDIC LITERATURE

By

Prof. S. N. Sharma Shastri, M. A., M. O. L.

The History of Vedic Literature forms a part of the Sanskrit M. A. Syllabus in almost all universities; but unfortunately our students have so long been compelled to consult works of foreign scholars like, Weber, Winternitz, Macdonell etc. Their treatment of the subject is either too general or too exhaustive, besides their views may not always be palatable to Indian minds.

The present work is an attempt to place at the disposal of the students and teachers alike, a brief but authentic work from the pen of an Indian scholar, which, though refers to all important views of previous authorities, can be deemed to be an independent original contribution in the field. Shortly

THE ARCHAEOLOGY OF KUMAON

(Including Dehradun)

Dr. K. P. Nautiyal

Physically, Kumaon occupies the extreme north-west corner of Northern India. This part of our mother land, though not much known to the rest, is one whole political and cultural entity. Unfortunately, the history of this region, not being properly and laboriously studied by able historians, remains nothing more than a pack of disjointed facts; the actual records are sporadic and the early part of the history is yet a vexed problem. The learned author of this work has, however, spared no pain to examine all available materials and to exploit every possible sources to reconstruct the political and cultural history, as well as to offer a systematic and scientific study of the archaeology of this region. His treatment of the subject is based on first hand knowledge of epigraphic and architectural materials.

Shortly

A STUDY OF HINDU ART AND ARCHITECTURE

With Special Reference to Terminology

Lalit Kumar Sukla

Much has been studied and written in both East and West on the monuments of Art and Architecture still existent in India, but very little has been done to study the theoretical principles on which such a great tradition of practical art was based. The present author endeavours here to present a systematic study of such theoretical records, on the basis of his original researches into the most difficult treatises as "Māna Sāra," "Samarāṅgaṇa Sūtradhāra," "Aparājita Pṛcchā," etc. The present work which explains almost every technical term used in those works, can be deemed as an Encyclopaedia of Ancient Indian Art and Architecture.

Shortly

(xxx)

(Chow, Sans. Studies Vol. LIV)

AGNI PURANAM

(*A Prose English Translation*)

By

Manmatha Nath Dutta Shastri.

Agnipurāṇa occupies an important place among the extant Purāṇas, nay, among the most popular works in the Sanskrit language, exceptionally for its scientific tracts. Besides, 'it possesses an antiquity far beyond the reach of historical computation.' It can very well be called an Encyclopaedia of Hinduism for the great variety of matter of which it is composed.

Such an important work was translated into English by the celebrated translator M. N. Dutta to facilitate its study by readers not much accustomed with Sanskrit.

The present edition is the only one ever published in English. This reprint in particular, contains a detailed biography of the translator, a comprehensive Index both of which features were absent in the original edition. 2 Vols. 60-00

PURANA PANCALAKSANA

Edited By

W. Kirfel.

Rendred into Devanāgarī Script with an English

Translation of the German Introduction

By

Dr. Suryakant

The present work is the result of a long and endearing research work of a renowned German scholar in the vast literature of the Purāṇas. The original edition being printed in Roman characters, and the exhaustive scholarly Introduction being in German language, such an important work could not be much utilised by most of the Indian Scholars. So the present editor has prepared this Devanāgarī edition which will be, it is hoped, of immense help to Indian scholars engaged in research works in the Puranic literature. Shortly

(xxxi)

INTRODUCTION
TO
ARCHAEOLOGICAL REMAINS
IN MADHYA PRADESH

(*in Hindi*)

[मध्यप्रदेश के पुरातत्त्व की रूपरेखा]

By

Dr. Moreswar G. Dikshit, Ph. D.,

The central region of India, now known as Madhya Pradesh, has been more or less ignored as unimportant by historians and archaeologists. So the archaeological and other remains of this province has never been properly studied in the wider perspective of Indian History.

The learned author of the present treatise has given a chronological description of those remains in a brief but exhaustive manner, collecting materials from a very wide field of his study. Not only in Hindi or other vernaculars of India, but even in European languages, this work will find very little match for it.

6-00

PAÑCADASĪ

of

Śrīmad Vidyāraṇya Muni

With a Sanskrit Commentary of

S'ri Rāmakṛṣṇa

The importance of the celebrated work "PAÑCADASĪ" in the study of Advaita Vedānta can not be too emphasised. The present edition contains a critical Text, a lucid and valuable Commentary which explains every intricate place of the original with copious citations from the scriptural and other philosophical works, an important gloss, different readings, an exhaustive Introduction and Indices.

6-50

(xxxii)

भारतीय संस्कृति एवं साहित्य

व्याकरण-ग्रन्थाः

- *१ अनुवादचन्द्रिका । लोकमणि जोशी (अष्टम संस्करण) १—२५
- २ अंग्रेजी हिन्दी शिक्षा । हरिदास वैद्य । १-५ भाग ११—००
- ३ अच्छी हिन्दी । रामचन्द्र वर्मा ६—००, ८—००
- ४ अनुवादकला । चारुदेव शास्त्री २—५०
- ५ अनुवादकौमुदी । गुरुप्रसाद शास्त्री । प्रथम भाग मात्र ०—७५
- ६ अनुवादचन्द्रिका । गणपतिदेव शास्त्री । अभिनव संस्करण २—२५
- *७ अनुवादप्रभा । गौरीशंकर शास्त्री (अष्टम संस्करण) रफ १—२५, ग्लेज १—५०
- ८ अपभ्रंशप्रकाश । देवेन्द्रकुमार ३—००
- ९ अपभ्रंश प्रवेश । डा० विपिनबिहारी त्रिवेदी ६—७५
- १० अपभ्रंश व्याकरण । हेमचन्द्र । अनुवादक—शालिग्राम उपाध्याय ५—५०
- *११ अभिनव निबन्धावली । ले० श्री श्यामलकान्त वर्मा । इसमें लगभग १०० परीक्षोपयोगी हिन्दी निबन्धों का संग्रह है । छात्रों के लिये इसी प्रकार के वर्गीकरण की आवश्यकता थी । विभिन्न पाठ्यक्रमों में यह निर्धारित है ४—५०
- १२ अभिनव प्राकृत-व्याकरण । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री १५—००
- १३ अभिनव शब्दरूपावली । एन० आर० रानाडे १—००
- १४ अर्थप्रकाशिका । १—०२
- १५ अर्थप्रकाशिका (सिद्धान्तकौमुदीगत उदाहरणों के अर्थ एवं विशिष्ट शब्दों का परिचय) राधारमण पाण्डेय १५—००
- १६ अष्टाध्यायीप्रकाशिका । देवप्रकाश पातंजल शास्त्री ८—००
- १७ अष्टाध्यायी (भाष्य) । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग २२—००
- १८ अष्टाध्यायीशब्दानुक्रमणिका । श्रीधर शास्त्री पाठक १२—००
- *१९ अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । पाणिनिमुनि विरचित ०—७५
- २० अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । सवासिक-गणाष्टाध्यायीसूत्रपाठ १—५०
- २१ अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । गुरुप्रसाद शास्त्री कृत सरल टीका २—५०
- २२ अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । संस्कृत व्याख्या । गुरुकुल कांगड़ी १४—००
- *२३ आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री इसमें शब्दानुशासन-सम्बन्धी हेमचन्द्र की विशेषताओं, उपलब्धियों और अभावों पर प्रकाश डाला गया है तथा पाणिनि एवं तदितर अनेक व्याकरणों के साथ अनेक दृष्टियों से उनकी तुलना करते हुए विशद आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । अभिनव संस्करण १५—००

२ चौखम्बा विद्याभवन, चौक, वाराणसी-१

- २४ आदर्शलघुकौमुदी । मथुराप्रसाद दीक्षित १-२५
- २५ English Idioms, Phrases, Proverbs, Allusions and Quotations with their Explanations for Indian Students by M. Macmillan and A. Barrett 6-00
- २६ उच्चतर संस्कृत अनुवाद व्याकरण तथा रचना । श्रीनिवास शास्त्री-
गोपाल गौड़ ३-००
- २७ उणादिकोषः । दयानन्दसरस्वती कृत व्याख्या सहित १-८०
- २८ उणादिकोशः । वेदान्ति महादेव विरचित । डा० कुञ्जरराज संपादित ११-२५
- *२९ उत्तरपक्षावली । सपरिष्कृत ०-२५
- *३० उपसर्गवृत्तिः । प्राद्युपसर्गार्थोदाहरणसंग्रह ०-१०
- ३१ ऋजुपाणिनीयम् । (संक्षिप्त अष्टाध्यायी) ले० गोपालशास्त्री
दर्शनकेशरी । ०-५०
- ३२ एम० ए० संस्कृत-व्याकरण । हिन्दी टीका सहित ६-००
- ३३ कच्चायन व्याकरण । (पालि व्याकरण) हिन्दी टीका सहित १५-००
- ३४ कतिपयानाम् अव्ययानां आभिधानिकवैचित्र्याणि-द्वितीयपर्यायः ।
निबन्धकः तारापद चौधरी १-५०
- *३५ COMPARATIVE GRAMMAR OF THE GAUDIAN
LANGUAGES by A. F. Rudolf Hoernle. Shortly
- *३६ COMPARATIVE GRAMMAR OF THE MODERN
ARYAN LANGUAGES OF INDIA by John
Beams. Three Vols. Shortly
- *३७ COMPARATIVE GRAMMAR OF THE SANSKRIT,
ZEND, GREEK, LATIN, LITHUANIAN, GOTHIC,
GERMAN AND SLAVONIC LANGUAGES: By Prof.
Bopp. Translated from the German by Edward B.
Eastwick. 3 Vols. Shortly
- ३८ कविकल्पद्रुमः । हर्षकुलविरचित ०-२५
- ३९ कविकल्पद्रुमः । बोपदेव कृत । गजानन बालकृष्ण पलसुले कृत टीका सहित ६-००
- ४० कातंत्ररूपमाला । श्रीमच्छर्ववर्मप्रणीत । भावसेन कृत रूपमाला प्रक्रियायुक्त २-५०
- ४१ कारकवादायः । ०-३६
- ४२ कारकसंबन्धोद्योतः । रमसनन्दप्रणीत १-७५
- ४३ कारकस्वरूपप्रकाशः । हिन्दी टीका सहित १-०२
- ४४ कारकोद्भासः । भरतमल्लिककृत ०-२५
- ४५ काशकृत्त्रधातुव्याख्यानम् । (चन्नवीर कविकृत कर्णाटीटीकायाः संस्कृत-
रूपान्तरम् ।) संपादक—श्री युधिष्ठिर मीमांसक ६-२५
- ४६ Kasa Kritsna Sabda Kalapa Dhatupatha of Canna-
virakavi edited by A. N. Nara Simbia 5-00
- *४७ काशिकावृत्तिः । पाणिनिविरचितव्याकरणसूत्राणां वृत्तिः वामन-
जयादित्यविनिर्मिता । सटिप्पण विस्तृतभूमिकादि सहित १५-००
- ४८ काशिकावृत्तिः । काशिका विवरण पञ्चिका, पदमञ्जरी व्याख्या सहित ।
१-६ भाग १२०-००, १५०-००

- ४९ कृदन्तरूपमाला । श्री श० राम सुब्रह्मण्य शास्त्री । प्रस्तुत ग्रन्थ में अकारादिक्रम से दशगणी-पठित धातुओं तथा उनके सन्नन्त-यङन्त रूपों से होने वाले सभी कृदन्त प्रत्ययों से निष्पन्न रूपों का स्वरूप प्रदर्शित है । टिप्पणी में सूत्र और सूत्र कार्य का भी उल्लेख है । संस्कृत व्याकरण का परमोपयोगी संग्रहणीय ग्रन्थ रत्न है ।
१-२ भाग २०-००
- ५० कौविदानन्दः । आशाधर भट्ट विरचित । स्वोपज्ञ कादम्बिनी व्याख्यायुत १-५०
- *५१ कौमुदी-कथाकल्लोलिनी । आचार्य रामशरणशास्त्री एम० ए० । गद्यकथानक के माध्यम से सिद्धान्तकौमुदी की तरह संस्कृत व्याकरण का सरल रूप से ज्ञान कराने वाला अभूत पूर्व मौलिक संस्कृत ग्रंथ ८-७५
- ५२ गणपाठः । ०-६२
- ५३ गणरत्न महोदधि । वर्द्धमानकृत । सव्याख्या । एंगेलिंग सम्पादित १५-००
- ५४ गीर्वाणपदमञ्जरी । वरदभट्ट कृत तथा गीर्वाणवाङ्मञ्जरी । दुण्डिकवीश्वर विरचित ८-००
- ५५ गुजरातीस्वरव्यंजनमाला । १-७५
- ५६ गुरुप्रसादं तथा गुरुप्रसादशेषम् । तातासुब्बाराय शास्त्रीकृत १-२ भाग १९-७५
- *५७ गूढाशुद्धिप्रदर्शनं-व्युत्पत्तिप्रदर्शनम् (मध्यमा परीक्षोपयोगी) ०-५०
- ५८ गैरिकसूत्राणि । ज्योत्सुनामक गङ्गारामोन्नति वृत्ति, रघुनाथ शर्मा विरचित विवरण समेत १-००
- ५९ गौरी व्याकरण । मथुराप्रसाद दीक्षित १-२५
- *६० GRAMMAR OF THE SANSKRIT LANGUAGE (INTRODUCTION TO THE) by H. H. Wilson (Chow. Sans. Studies Vol. XI) 20-00
- ६१ चान्द्रव्याकरणम् । चन्द्रगोमिन् कृत । १-२ भाग २७-००
- ६२ चित्रप्रभा । लघुशब्दरत्नव्याख्या । हरिशास्त्री कृत ४-००
- ६३ जैनेन्द्रव्याकरणम् । आचार्य अभयनन्दाचार्य प्रणीत महावृत्ति सहित १५-००
- ६४ जैनेन्द्रव्याकरणम् । अभयनन्दिसूरिकृत वृत्ति सहित ५-००
- ६५ तन्त्राधिकारनिर्णयः । मट्टोजिदीक्षित कृत ०-५०
- ६६ तिङन्तमञ्जरी । धातुपाठ सहित ०-५६
- ६७ तिङन्तार्णवतरणिकोशः । (सिद्धान्तकौमुदी के धातुओं का अकारादि-क्रमेण प्यन्तादि सहित धातुरूप संग्रहः) दुष्प्राप्य ५०-००
- ६८ त्रिविधगोष्टी ०-५०
- *६९ देववाणी प्रवेशिका । कक्षा १-३ के बालक-बालिकाओं के लिए । रंग-विरंगे चित्रों से सुसज्जित । सम्पादक—अनसूयाप्रसाद भट्ट । १-३ भाग ३-२०
४-५ भाग शीघ्र प्रकाशित होंगे
- ७० धर्मदीपिका । व्याकरण-मङ्गलविजयकृत वृत्ति सहित ४-००
- ७१ धातुपाठः । पाणिनिमुनि विरचित । सटिप्पण ०-६२

७२ धातुप्रदीप । मैत्रेय रक्षित विरचित	...
७३ धातुमञ्जरी । सटिप्पण	२—००
७४ धातुरत्नाकरः । १-२, ४-५ व ७-८ भाग	३६—००
७५ धातुरूपचन्द्रिका । धातुपाठ सहित	६—००
७६ धातुरूपमञ्जरी । टिप्पणी सहित	१—२५, २—००
७७ धातुरूपसंग्रहः । (मध्यसिद्धान्तकौमुदी के धातुओं के रूपों का संग्रह)	५—५०
*७८ धातुरूपावली । गोपालशास्त्री नेने परिष्कृत	०—५०
*७९ नन्दिकेश्वरकाशिका । उपमन्युकृत टीका सहित । शोधपूर्ण संस्करण	०—२५
८० नागेशगूढार्थ दीपिका (परिभाषेन्दुशेखरस्य व्याख्या) । पेरि वेङ्कटेश्वर शास्त्री विरचित	३०—००
८१ नागेशाशयनिर्णयः । (परिभाषेन्दुशेखरस्य व्याख्या) १-३ भाग	१—१२
८२ निबन्ध चन्द्रिका । कृष्णदेव उपाध्याय	३—००
*८३ निबन्धप्रकाशः । ले० कृष्णकुमार अवस्थी । इसमें ५० से अधिक सरल संस्कृत निबन्धों का संग्रह है	२—००
*८४ निबन्ध-सौरभ । (बालकोपयोगी चुने हुए हिन्दी निबन्ध) ले० श्री बाबूलाल मिश्र बी० ए०	१—२५
*८५ निबन्धादर्शः । म० म० श्री गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः । इसमें वस्तुवर्णनात्मक, वृत्तान्तवर्णनात्मक तथा विचारात्मक निबन्धों के अतिरिक्त पत्रलेखन, ताग्रपत्रादिलेखन, गरुड-जीवनचरितादिलेखन तथा अन्य अनेक विषयों पर भी उपयोगी निबन्ध हैं ।	२—५०
*८६ न्यासकल्पलता । (पाणिनीयसूत्रन्यासशास्त्रार्थः)	१—००
८७ पतञ्जलिकालीन भारत । डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री	११—५०
*८८ पदार्थदीपिका । कौण्डभट्ट कृत	समाप्त
*८९ परमलघुमञ्जूषा । अर्थदीपिका टीका म० म० श्री नित्यानन्द पन्त कृत टिप्पणी सहित	समाप्त
९० परमलघुमञ्जूषा । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	२—५०
९१ परमलघुमञ्जूषा । कालिकाप्रसाद शुक्ल कृत ज्योत्स्ना व्याख्या सहित	६—२५
*९२ परमलघुकला । (परमलघुमञ्जूषाप्रश्नोत्तरी)	१—००
९३ परिभाषापाठः ।	०—१०
९४ परिभाषेन्दुप्रभा । व्यासावटङ्क अमृतलाल शास्त्री कृत भावप्रकाशिका व्याख्या सहित	५—००
*९५ परिभाषेन्दुशेखरः । मैरवी-तत्त्वप्रकाशिका व्याख्या द्वय सहित	समाप्त
*९६ परिभाषेन्दुशेखरः । बृहत् शास्त्रार्थकलाटीका प्रश्नोत्तरी सहित	४—००
९७ परिभाषेन्दुशेखरः । विजया टीका	६—००
९८ परिभाषेन्दुशेखरः । भूतिटीका	५—५०
९९ परिभाषेन्दुशेखरः । गदाटीका	३—५०
१०० परिभाषेन्दुशेखरः । वासुदेव शास्त्रि अभ्यंकर कृत तत्त्वादर्थ व्याख्या-डा० किलहार्न कृत आंग्लानुवाद सहित । १-२ भाग	२७—००

- *१०१ परिभाषेन्दुप्रश्नपञ्चिका (परिभाषेन्दुशेखर प्रश्नोत्तरी) ०—६५
 १०२ परिभाषेन्दुदीपिका । हरिशंकर झा ०—७५
- *१०३ परिष्कारदर्पणः । शास्त्रार्थकला सहित । वेणीमाधवशास्त्रीकृत सटिप्पण २—००
- *१०४ PANINI : His Place in Sanskrit Literature. An Investigation of some Literary and Chronological Questions which may be settled by A Study of His Work by Theodor Goldstucker. (Chow. Sans. Studies Vol. XLVIII) 16-00
- *१०५ पाणिनिकालीन भारतवर्ष । (पाणिनिकृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक अध्ययन) डा० वासुदेवशरण अग्रवाल
 अष्टाध्यायी के साथ हा महर्षि पाणिनिकालीन भारतीय जीवन तथा संस्कृति का भी विस्तृत प्रामाणिक अध्ययन । ग्रन्थान्त में ३००० शब्दों की अकारादि क्रमसूची । १५—००
 १०६ पाणिनि-परिचय । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ४—५०
 १०७ पाणिनिसूत्रव्याख्या (सोदाहरणश्लोका) बोरराववाचार्यकृत । १-२ भाग ३१—७५
 १०८ पाणिनीय धातुपाठ समीक्षा । डा० मंगीरथप्रसाद त्रिपाठी (वागीशशास्त्री) १८—५०
 १०९ पाणिनीयप्रदीपः । १-२ भाग १—२४
 ११० पाणिनीयप्रबोधः । गोपाल शास्त्री दर्शनकेशरी कृत । १-२ भाग २—५०
 १११ पाणिनीय प्रवेशिका । गिरिधरलाल व्यास १—५०
 ११२ पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन । डॉ० रामशंकर भट्टाचार्य १२—००
- *११३ पाणिनीयव्याकरणवादरत्नम् । श्री सूर्यनारायणशुक्ल कृत ।
 न्यास-परिष्कार प्रकरण १-२ भाग ५—०८
- *११४ पाणिनीयशिक्षा । पञ्जिका भाष्य सहित समाप्त
- *११५ पाणिनीयशिक्षा । सूर्यनारायणशुक्ल कृत प्रदीप व्याख्या तथा स्वरवैदिकप्रक्रियास्थ फक्तिकाविवरण ०—४०
 ११६ पाणिनीयसिद्धान्तकौमुदी । मथुराप्रसादकृत हिन्दीटीकासहित । प्रथमभाग २—००
 ११७ पालि-प्राकृत-व्याकरणम् । मथुराप्रसाद विरचित १—५०
 ११८ पालि-महाव्याकरण । मिश्र जगदीश काश्यप १०—००
 ११९ पालिव्याकरण । मिश्र धर्मरक्षित २—५०
- *१२० पूर्वपक्षावली । सुपरिष्कृता ०—२५
 १२१ पूर्वपाणिनीयम् । ०—२५
 १२२ प्रक्रियाकौमुदी । रामचन्द्र कृत प्रसाद टीका सहित । संपूर्ण । १-२ भाग २०—००
 १२३ प्रक्रियाकौमुदीविमर्शः । डॉ० आषाप्रसाद मिश्र विरचित ८—००
 १२४ प्रक्रियासर्वस्वम् । नारायणभट्ट कृत । सटीक । ३-४ भाग ६—५०
 १२५ प्रक्रियासर्वस्वम् । कुन्हेनराजा सम्पादित ३—६२
- *१२६ प्रथमा-शब्द-धातुरुपसंग्रहः । प्रथमा परीक्षा स्वीकृत शब्द-धातुरुपों का संग्रह ०—५०
- *१२७ प्रबन्धपारिजातः । प्रो० रामचन्द्र मिश्र कृत (प्रबन्धोपयोगी) १—७५
 १२८ प्रबन्धप्रकाशः । डा० मंगलदेव शास्त्री कृत । १-२ भाग ९—००

- १२९ प्रबन्धप्रदीपः । हंसराज अग्रवाल । सुलभ संस्करण ५—०० राजसंस्करण ७—५०
- *१३० प्रबन्धरत्नाकरः । [शास्त्री, आचार्य, बी० ए०, एम्० ए० आदि परीक्षोपयोगी शताधिक महत्त्वपूर्ण निबन्धों का संग्रह] डा० रमेशचन्द्र शुक्ल ।
प्रस्तुत ग्रन्थ में उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों के लाभ की दृष्टि से दार्शनिक, साहित्यिक, भावात्मक, सामयिक आदि अनेक प्रकार के निबन्धों का गुम्फन किया गया है । प्रचलित निबन्ध-ग्रन्थों में माध्यमिक स्तर के निबन्ध ही प्रायः पाए जाते हैं अतः इसमें उच्च कक्षा के छात्रों के बौद्धिक स्तर के अनुरूप वर्ण्य विषय, भाषा, शैली, आकार आदि सभी में यत्किञ्चित् प्रौढ़ता रखी गई है । लेखन कला में छात्रों के लिये सहायक होने वाले प्रायः सभी तत्त्व इस निबन्ध-ग्रन्थ में प्राप्त हो जाते हैं । यह अपनी कोटि का प्रथम ग्रन्थ है । १६—५०
- *१३१ प्रबन्धामृतम् । आचार्य रमाकान्त ठकुर । संस्कृत व्याकरण के महत्त्वपूर्ण एवं विवादग्रस्त विषयों पर विचारपूर्वक लिखे गये ये परमविद्वत्तापूर्ण उत्कृष्ट निबन्ध हैं । १—५०
- १३२ प्रबोधचन्द्रिका । ३—००
- *१३३ प्रयोगशास्त्रार्थकला । वेणीमाधवशास्त्रीकृत ०—२५
- *१३४ प्रस्तावतरङ्गिणी (निबन्धोपयोगी ग्रन्थ) चारुदेव शास्त्री कृत ४—००
- १३५ प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव । रामसिंह तोमर ८—००
- १३६ प्राकृतकल्पतरुः । रामशर्माकृत । मनमोहन घोष संपादित १०—००
- *१३७ प्राकृतप्रकाश । वररुचिकृत । भामहकृत 'मनोरमा' तथा म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित कृत 'चन्द्रिका' नामक संस्कृत-हिन्दी व्याख्या में ग्रंथ का आशय इतना सुस्पष्ट हो गया है कि उच्च कक्षा के छात्र स्वयं ग्रंथाशय का अनुशीलन कर सकते हैं ५—००
- १३८ प्राकृतप्रकाशः । रामपाणिवादकृत वृत्ति सहित १०—००
- *१३९ प्राकृतप्रबोध । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री । हिन्दी माध्यम से प्राकृत व्याकरण के ज्ञान के लिए सर्वांगपूर्ण यह संस्करण प्रस्तुत किया गया है । अनुवाद और निबन्ध के लिए यह ग्रन्थ सर्वोत्तम है । ८—००
- १४० प्राकृतप्रवेशिका । कोमलचन्द्र जैन ४—००
- १४१ प्राकृत भाषाओं का व्याकरण । रिचर्ड पिश्ल । अनुवादक—
डॉ० हेमचन्द्र जोशी २०—००
- १४२ प्राकृतमणिदीपः । अप्पय दीक्षित प्रणीत व्याख्या सहित ७—५०
- १४३ प्राकृत मार्गोपदेशिका । बेचरदास (हिन्दी) १०—००
- *१४४ प्राकृतव्याकरण । आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र । प्राकृत के सभी अंगों पर प्रकाश डालने वाला राष्ट्रभाषा में प्रकाशित मौलिक ग्रन्थ ५—००
- १४५ प्राकृतव्याकरणम् । हेमचन्द्राचार्य विरचित ६—००

- *१४६ प्राकृतव्याकरणवृत्तिः । त्रिविक्रमदेव निर्मित सपरिशिष्ट ६—००
- १४७ प्राकृतशब्दानुशासनम् । परशुरामशर्मा संपादित १०—००
- १४८ प्राकृतानन्द । रघुनाथ कवि विरचित ४—२५
- १४९ प्रारम्भिकपाणिनीयः । विश्वनाथशास्त्री कृत १—००
- १५० प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी । कपिलदेव द्विवेदी १—५०
- १५१ प्रारम्भिक संस्कृत व्याकरण । बाबूराम सक्सेना विरचित १—००
- *१५२ A PRACTICAL GRAMMER OF THE SANSKRIT LANGUAGE : By Monier Williams, M. A., D. C. L. (Chow, Sans. Studies Vol. XXI.) 20—00
- *१५३ प्रौढमनोरमा । भट्टोजिदीक्षित कृत । शब्दरत्न-ज्योत्स्ना-कुचमर्दिनी व्याख्या-प्रभा-विभा टिप्पणी सहित । अव्ययीभावान्त १-३
- भाग एक जिल्द ५—००.
- पञ्चसन्धिप्रकरणान्त प्रथम भाग ३—००.
- अजन्त पुंलिङ्गादि स्त्रीप्रत्ययान्त द्वितीय भाग ३—००.
- कारकादि अव्ययीभावान्त तृतीय भाग ३—००.
- *१५४ प्रौढमनोरमा । शब्दरत्न-मैरवी-भावप्रकाश-सरला टीका सहित अव्ययीभावान्त । पं० श्री गोपालशास्त्री नेने सम्पादित १४—००.
- *१५५ प्रौढमनोरमा । शब्दरत्न-मैरवी व्याख्या माधवशास्त्री भण्डारी कृत प्रभा टिप्पणी सहित । अव्ययीभावान्त समाप्त
- *१५६ प्रौढमनोरमा । शब्दरत्न सहित । तत्पुरुषादि तिङन्तसम्बन्त-प्रक्रिया पर्यन्त १०—००
- १५७ प्रौढमनोरमा । शब्दरत्नसहित । उत्तरार्ध । प्राचीन संस्करण-जीर्ण कागज-कुछ दीमक लगी २५—००.
- १५८ प्रौढमनोरमा । भट्टोजिदीक्षित विरचित । बृहच्छब्दरत्न-लघुशब्दरत्न व्याख्या सहित । संपादक-डा० सीताराम शास्त्री । प्रथम भाग ३०—००
- १५९ प्रौढमनोरमाखण्डनम् । चक्रपाणिदत्तकृत २—००.
- १६० प्रौढमनोरमा-शब्दरत्नम् । हरिदीक्षित विरचित । सं० वैकटेश लक्ष्मण जोशी । प्रथम भाग ३०—००.
- १६१ प्रौढमनोरमा-शब्दरत्न-परिशिष्टम् । सं०—श्री वैकटेश लक्ष्मण जोशी ४—००.
- *१६२ प्रौढमनोरमा-शब्दरत्न-प्रश्नोत्तरावली तथा व्याकरण-शास्त्री प्रभावली । राजनारायण शास्त्रीकृत । अव्ययीभावान्त १—५०
- १६३ प्रौढ रचनानुवादकौमुदी । डॉ० कपिलदेव द्विवेदी १०—००.
- १६४ फक्किदादर्शः । विश्वनाथ झा १—२५
- *१६५ फक्किप्रकाशः । (पङ्क्तिव्याख्यानम्) १—५०
- *१६६ फक्किप्रश्नोत्तरी । परीक्षोपयुक्त पङ्क्तिव्याख्यानरूप ग्रन्थ १—५०
- *१६७ फक्किारत्नमंजूषा । ” ” कनकलालठाकुरकृत प्रथम भाग २—००
- द्वितीय भाग समाप्त
- *१६८ फक्किासरलार्थः । सदाशिवशास्त्रीकृत प्रभा टिप्पणी सहित १—००

१६९ बंगला पहिली पुस्तक । गोपालचन्द्र चक्रवर्ती	०—६०
१७० बंगला दूसरी पुस्तक । गोपालचन्द्र चक्रवर्ती	०—८५
१७१ बंगलापाठमाला । गोपालचन्द्र चक्रवर्ती	०—६०
१७२ बटुतोषिणी । हरिशङ्कर झा	१—००
*१७३ बनारस प्रथमा सोत्तरा प्रभावली ।	२—५०
१७४ बालव्याकरणम् । सी० ईश्वर शास्त्री	१—५०
१७५ बालसंस्कृतप्रभा (बालोपयोगी)	०—५०
*१७६ बिहार सोत्तरा प्रथमा प्रभावली ।	२—००
१७७ बी० ए० संस्कृतप्रश्नोत्तर (सन् १९५६ से १९६५) प्रथम वर्ष	५—००
	द्वितीय वर्ष ५—५०
१७८ बृहच्छब्देन्दुशेखरः । डॉ० सीताराम शास्त्री संपादित । १-३ भाग	४५—००
१७९ बृहद् अनुवादचन्द्रिका । चक्रधर हंस नौटियाल	१५—००
*१८० भट्टिकाव्यम् । शेषराजशास्त्रीकृत विद्योतिनी संस्कृत-हिन्दीटीका सहित १-६ सर्ग ४—००, ७-११ सर्ग ४—००, १-११ सर्ग ८—००, १२-२२ सर्ग ५—५०, १-२२ सर्ग संपूर्ण १३—५०	
१८१ भागवृत्ति-संकलनम् । भर्तृहरि (विमलमति) विरचित अष्टाध्यायी की प्राचीनवृत्ति । युधिष्ठिर मीमांसक संकलित	३—००
१८२ भाषाशास्त्रप्रवेशिनी	२—५०
१८३ भूषणसारचन्द्रिका । हरिशंकर झा	०—७५
१८४ भूषणसारप्रकाश । शुक्रदेव झा	०—७५
१८५ मंगोल भाषा का व्याकरण । (डॉ० रघुवीर सम्पादित मञ्जोलपिटक आराजिबोजि की भूमिकारूप मंगोल भाषा का व्याकरण—और उसका नवीन शैली से विवेचन)	३५—००
*१८६ मध्यमा व्याकरण सोत्तरा प्रभावली । संज्ञाप्रकरणादि-स्त्रीप्रत्ययान्त प्रथम खण्ड १—७५, कारकादि-चातुरर्थिकान्त द्वितीय खण्ड १—७५, शैषिकादि-जुहोत्याद्यन्त तृतीय खण्ड २—२५, दिवाद्यादि उत्तरकृदन्त पर्यन्त चतुर्थ खण्ड २—७५, संपूर्ण १-४ खण्ड ८—५०	
*१८७ मध्यसिद्धान्तकौमुदी । सुधा-इन्दुमती संस्कृत हिन्दी टीका सहित	५—००
१८८ मध्यसिद्धान्तकौमुदी । मूलमात्र	३—००
*१८९ मध्यकौमुदीरहस्यम् । (मध्यकौमुदी प्रश्नोत्तरी)	२—५०
१९० मनोरमारत्नविवेक । हरिशङ्कर झा	१—५०
१९१ मराठी सीखो । श्री निवास वाला जी हर्दोकर	१—४०
१९२ महर्षि दयानन्द की पद-प्रयोग शैली । (महर्षि दयानन्द द्वारा प्रयुक्त पदों का साधुत्व विवेचन) युधिष्ठिर मीमांसक	१—५०
*१९३ महाभाष्यम् (पातञ्जल) । म० म० श्री गिरिधरशर्मा सम्पादित व्याकरणशास्त्र इतिहासात्मक विस्तृत भूमिका सहित प्रदीप-उद्धृत-तत्त्वालोक टीकात्रय विभूषित । नवाह्निकम्	१५—००
१९४ महाभाष्य पस्पशाह्निक । के० राय संपादित । आंग्लानुवाद सहित	५—००

१९५ महाभाष्यम् । प्रदीप-उद्योत व्याख्या सहित । संपूर्ण ।

१-५ भाग में सजिल्द ८०-००

१-१० भाग में अजिल्द ७५-००

नवाह्निक १५-००, प्रथमाध्याय (३ से ४ पाद) ८-००

द्वितीयाध्याय ७-००, तृतीयाध्याय ८-००, चतुर्थाध्याय ७-००

पञ्चमाध्याय ७-००, षष्ठाध्याय ९-००, सप्तमाध्याय ७-००

अष्टमाध्याय ७-००

१९६ महाभाष्य-प्रदीपोद्योत । प्रथमाह्निक से तृतीयाध्याय चतुर्थपाद

प्रथमाह्निक तक ३१-५०

१९७ महाभाष्यं नवाह्निकम् । कीलहार्न संस्करण । के० बी० अभ्यंकर संपादित ।

मूलमात्र ४-००

१९८ महाभाष्य । एफ० किलहार्न सम्पादित । सटिप्पण । १-२ भाग ४०-००

१९९ महाभाष्यम् । कैयटकृत प्रदीप अश्रमद्विकृत प्रदीपोद्योतन टीका सहित

(नवाह्निक) १-२ भाग २०-७५

२०० महाभाष्यम् । मूल तथा वासुदेव शास्त्री अभ्यंकर प्रणीत मराठी टीका सहित ।

१ से ६ भाग १००-००

२०१ महाभाष्य-अङ्गाधिकारः । प्रदीप-उद्योत सहित । १-२ भाग ६-५०

२०२ महाभाष्य । हिन्दी टीका सहित । १-५ आह्निक १०-००

५-९ आह्निक १७-०० नवाह्निक १-२ भाग २७-००

*२०३ महाभाष्यम् । सप्रदीप 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतम् ।

आचार्य युधिष्ठिरमीमांसक सम्पादित ऐतिहासिक

वृहद् भूमिकादि सहित । महाभाष्य सरल संस्कृत

भाषा का निदर्शन होते हुए भी आशय की दृष्टि

से गंभीर ग्रन्थ है । प्रस्तुत संस्करण में भाषान्तर करते

हुए भी भाष्याशय को सुस्पष्ट करने का सर्वत्र प्रयास किया

गया है । पूर्वापर संगति तथा भाष्यकार के अभिप्राय के

स्पष्टीकरण के लिए प्रदीप (कैयट) संस्कृत व्याख्या

सहित महाभाष्य की विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या की गई

है । क्लिष्ट पदों का सुविस्तृत अर्थनिर्देश तथा विग्रह भी

दिया गया है । अतः यह संस्करण विशेष रूप से उपयोगी

है । ग्रन्थगत कोई भी अभिप्राय अविदित नहीं रह

जाता । संस्कृत व्याकरण के छात्रों तथा अध्यापकों के

हित की दृष्टि से महाभाष्य १-९ आह्निक का यह

संस्करण सर्वोत्तम है । प्रथम आह्निक (पस्पशाह्निक) मात्र २-००

१-४ आह्निक ८-००, १-५ आह्निक १०-००

६-९ आह्निक भी शीघ्र प्राप्त होंगे

प्रथमाध्याय द्वितीयपादादि से अष्टमाध्याय पर्यन्त यन्त्रस्थ

२०४ महाभाष्य टीका । भर्तृहरि विरचित । संपादक बी० स्वामिनाथन् ।

१-४ आह्निक - प्रथम भाग ७-००

- *२०५ महाभाष्यप्रकाशः । (प्रश्नोत्तरी) ०—७५
- २०६ महाभाष्यकुञ्जिका । हरिशंकर झा १—५०.
- २०७ महाभाष्य-शब्दानुक्रमणिका । श्रीधरशास्त्री पाठक कृत १५—००
- २०८ महाभाष्यादर्शः । शुक्रदेव झा १—२४.
- *२०९ माधवीयधातुवृत्तिः । सायणाचार्य कृत १०—००
- २१० माध्यमिक संस्कृत रूपावलिः । रमेशकुमार भट्ट १—००
- *२११ मानक हिन्दी व्याकरण । आचार्य रामचन्द्र वर्मा । इस व्याकरण का उद्देश्य राष्ट्रभाषाप्रेमियों को बहुत सहज में और मनोरंजक ढंग से शुद्ध हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना है २—००
- २१२ मुग्धबोधव्याकरणम् । वोपदेव कृत । रामतर्कवार्गाश कृत व्याख्या सहित । १—७ खंड ५—२५.
- २१३ रचनानुवादकौमुदी । कपिलदेव द्विवेदी ३—८०.
- २१४ राजोपदेशः । (सचित्र) हंसराज अग्रवाल २—००.
- *२१५ राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण । (प्रथम परीक्षोपयोगी) १—२५
- *२१६ रूपचन्द्रिका । (लघुकौमुदी में आए हुए तथा उनके समान और भी शब्दों तथा धातुओं की रूपावली) २—५०
- २१७ रूपमाला । शिवदत्त मिश्र विरचित । १-३ व ५ भाग ३—३०
- २१८ रूपावतारः । धर्मकीर्ति प्रणीत । १—२ भाग ११—२५.
- *२१९ लघुजूटिका । (अभिनव परिभाषेन्दुशेखरपरिष्कृति) ०—५०
- २२० लघुधातुरूपसंग्रहः ०—३७.
- २२१ लघुनिबन्धमणिमाला । श्रुतिकान्त विरचित १—५०.
- २२२ लघुभाष्यम् । सरस्वतीकृत ६—००
- *२२३ लघुशब्देन्दुशेखरः । नागेशभट्टकृत । श्रीखुद्दीप्ताकृत नपदान्तपर्यन्त नागेशोक्तिप्रकाश टीका सहित ३—००
- *२२४ लघुशब्देन्दुशेखरः । म० म० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय कृत शेखरदीपक टीका सहित । अव्ययीभावान्त १२—००
- *२२५ लघुशब्देन्दुशेखरः । भैरवी टीका । सम्पूर्ण समाप्त
- *२२६ लघुशब्देन्दुकला (शब्देन्दुशेखर प्रश्नोत्तरी) । प्रबन्धलेख परिशिष्टसहित १—२५
- २२७ लघुशब्देन्दुशेखरः । गुरुप्रसाद सम्पादित अव्ययीभावान्त षट्कोपेतः समाप्त
- *२२८ लघुशब्देन्दुशेखरव्याख्या—सदाशिवभट्टी । समाप्त
- *२२९ लघुसारस्वतव्याकरणम् । (बिहार, संस्कृत विश्वविद्यालय 'प्रवेशिका' परीक्षा पाठ्यपुस्तक) सं० गणेशदत्त मिश्र ०—५०.
- *२३० लघुसिद्धान्तकौमुदी । कनकलाल कृत बालबोधिनी टीका सहित ०—७५
- *२३१ लघुसिद्धान्तकौमुदी । इन्दुमती संस्कृत-हिन्दीटीका नोट्स तथा १२ प्रकार के बालकोपयोगी परिशिष्टों से विभूषित । उत्तम संस्करण २—००.

- *२३२ लघुसिद्धान्तकौमुदी । सुधा संस्कृतटीका प्रत्येक प्रयोग शब्द-धातुरूप साधनिका, परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर लेखनप्रकार परिशिष्ट सहित
अजिल्द ३—०० सजिल्द ३—७५
- *२३३ लघुसिद्धान्तकौमुदी । नवीन शिक्षण पद्धति पर आधारित वैज्ञानिक विवेचनात्मक एवं विशद 'माहेश्वरी' नामक हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार : महेशसिंह कुशवाहा । पुस्तक की व्याख्या बहुत ही सुबोध और आधुनिक शैली में प्रस्तुत की गई है । विशेषता यह है कि व्याख्या में वृत्ति का अर्थ न देकर सूत्र का अर्थ दिया गया है । प्रत्येक सूत्र का विभक्तिनिर्देश कर पहले शब्दार्थ और फिर अनुवृत्ति देकर उसका भावार्थ दिया गया है । अन्त में उपयुक्त उदाहरण देकर उस अर्थ को पुष्ट किया गया है । सूत्र में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों और प्रत्याहारों को प्रचलित शब्दों में प्रकट किया गया है । अनेकों आलोचनात्मक, विवेचनात्मक टिप्पणियाँ दी गई हैं । व्याख्या सरल होने के साथ ही प्रामाणिक भी है क्योंकि उसका आधार वृत्ति न होकर महाभाष्य, काशिका आदि आर्षग्रन्थ हैं । संपूर्ण ग्रंथ-आलोचनात्मक भूमिकादि सहित १२—५०
- संज्ञाप्रकरणादि विसर्गसन्ध्यन्त (सन्धिप्रकरण) भूमिका सहित ३—००
- २३४ लघुसिद्धान्तकौमुदी । वैलेण्टाइन कृत आंग्लानुवाद सहित १२—००
- *२३५ लघुकौमुदीप्रयोगसूची । अमृता टिप्पणी सहित ०—३५
- *२३६ लघुकौमुदी सोत्तराप्रयोगसूची । प्रयोगार्थसहित इन्दुमती टिप्पणी विभूषित ०—६५
- *२३७ लघुकौमुदी-सोत्तरा-प्रभावली २—००
- *२३८ लघुसिद्धान्तचन्द्रिका । (बिहार, संस्कृत विश्वविद्यालय 'प्रवेशिका' परीक्षा पाठ्यपुस्तक) सं० गणेशदत्त मिश्र ०—५०
- २३९ लिङ्गबोधव्याकरणम् ०—२४
- २४० लिङ्गवचनविचारः । दीनबन्धु कृत ४—००
- २४१ लिङ्गानुशासनम् । दुर्गासिंह कृत ८—००
- २४२ लिङ्गानुशासनम् । वामन कृत । स्वोपज्ञवृत्ति सहित २—००, ३—५०
- २४३ लिङ्गानुशासनवर्गः । मुकुन्द शर्मा विरचित । 'विमला' संस्कृत व्याख्या-टिप्पणी सहित १२—००
- *२४४ लौकिकन्यायशास्त्रार्थकला तथा कूटशास्त्रार्थकला । ०—७५
- *२४५ वाक्यपदीयम् । ब्रह्मकाण्ड । सूर्यनारायणशुक्लकृत संस्कृत-हिन्दी टीका ५—००

- २४६ वाक्यपदीय । वृत्ति वृषभदेव कृत पद्धति सहित । के० ए० सुब्रह्मण्य
आख्यर संपादित । प्रथम काण्ड २५—००
- २४७ वाक्यपदीयम् । प्रथमो भागः (ब्रह्मकाण्डम्) रघुनाथशर्मणा
विरचित अम्बाकर्वी व्याख्या सहित १०—००
- *२४८ वाक्यपदीयम् । तृतीयकाण्ड । हेलराज टीका सहित । ४-८ खण्ड,
कालसमुद्देश से वृत्तिसमुद्देश पर्यन्त १०—००
- २४९ वाक्यपदीयम् । हेलराजकृत व्याख्या । तृतीय काण्ड । द्वितीय भाग मात्र ३—२५
- २५० वाक्यपदीयम् । हेलराज कृत व्याख्या सहित । तृतीय काण्डस्य प्रथम-
भागः । के० ए० सुब्रह्मण्य आख्यर सम्पादित २५—००
- २५१ वाक्यपदीयम् । भर्तृहरि विरचितम् । काशीनाथ वासुदेव अभ्यङ्कर-विष्णु
प्रभाकर लिमये सम्पादित । संपूर्ण २५—००
- २५२ वाक्यमुक्तावली । चारुदेव शास्त्री । हिन्दी टीका सहित ३—००
- २५३ वादार्थसंग्रहः । १-४ भाग ४—५०
- *२५४ विभक्त्यर्थनिर्णयः । म. म. श्री गिरिधरोपाध्याय कृत ५०—००
- २५५ वृत्तिदीपिका । मौनी श्रीकृष्ण भट्ट कृत । पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी २—००
- २५६ वेदाङ्गप्रकाशः । सन्धिविषय १—०० नामिक ०—७५ कारकीय ०—६२
सामासिक ०—६२ आख्यातिक ५—०० सौवर ०—३७ पारिभाषिक ०—७५
अव्ययार्थ ०—२५ धातुपाठ ०—६२ वर्णोच्चारण शिक्षा ०—२०
लैणतद्धित १—९० उणादिकोश १—८० गणपाठ ०—६२
निघण्टु १—२५
- *२५७ हिन्दी वैदिक व्याकरण । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय । बी० ए०
तथा एम० ए० पाठ्यक्रमानुसार इस ग्रंथ में वेद के सुबोध
व्याकरण, स्वरचिह्न, पद-पाठ आदि के विषय में समाधान
तथा क्रियारूपों का एक लघुकोश भी प्रकाशित किया गया है २—००
- २५८ वैदिक व्याकरण । डॉ० रामगोपाल । प्रथम भाग १५—००
- २५९ वैदिक-व्याकरण-भास्कर । गोविन्दलाल वंसीलाल-रुद्रमिश्र शास्त्री
विरचित । हिन्दी टीका सहित अजिल्द ५—०० सजिल्द ६—००
- *२६० वैयाकरणभूषणनिबन्धसंग्रह नामतिङ्गर्थवादसार तथा
भूषणव्याख्या । ०—२५
- *२६१ वैयाकरणभूषणसारः । गोपालशास्त्री नेने कृत अभिनव सरला-
सुबोधिनी टीकाद्वय सहित २—५०
- *२६२ वैयाकरणभूषणसारः । दर्पण-भैरवी (परीक्षा टीका) द्वयसहित १५—००
- *२६३ वैयाकरणभूषणसारः । प्रभा-दर्पणव्याख्याद्वयोपेत । श्री सभापति
शर्मोपाध्याय सम्पादित यन्त्रस्थ
- २६४ वैयाकरणभूषणसारः । शांकारी व्याख्या सहित ८—५०
- २६५ वैयाकरणसिद्धान्तकारिका । भट्टोजिदीक्षित कृत १—००

*२६६ वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा । 'रत्नप्रभा' व्याख्योपेता ।

व्याख्याकार-पं० श्री सभापति शर्मोपाध्याय

इस दुरूह ग्रन्थ की रत्नप्रभा व्याख्या में समस्त मतमतान्तरों का हृदय-
स्पर्शी मानिक युक्ति-प्रमाणों द्वारा जो निराकरण तथा विवेचन किया
गया है वह अभूतपूर्व है । तात्पर्यनिरूपणान्त भाग । नवीन संस्करण १२-००

*२६७ वै० सि० लघुमञ्जूषारहस्यम् । (वै० सि० लघुमञ्जूषा प्रश्नोत्तरी) १-००

*२६८ व्यवहार्यशब्दसरोवरः । प्रथमा परीक्षोपयोगी ०-६२

२६९ व्याकरण-कारिकाप्रकाश । सुदर्शनदेव शास्त्री विरचित १-२५

२७० व्याकरणतत्त्वप्रकाश । रामनारायण दास शास्त्री ४-५०

२७१ व्याकरण दर्शन पीठिका । रामाज्ञा पाण्डेय विरचित ४-००

२७२ व्याकरणदर्शन भूमिका । रामाज्ञा पाण्डेय ५-००

२७३ व्याकरणप्रदीप (Sanskrit Grammar and Composition
Made Easy) पम. के. सरकार—सन्त गोकुल चन्द्र शास्त्री ३-००

*२७४ व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास । श्री रमाकान्त मिश्र ।

वैदिक काल से लेकर व्याकरण शास्त्र का इतिहास क्रमशः पूर्वपाणिनि-काल,
त्रिमुनि-काल, व्याख्या-काल और प्रक्रिया-काल के क्रम से सुव्यवस्थित रूप
से वर्णित है । प्रायः सभी सम्प्रदायों का वर्णन इसके अन्तर्गत हो गया है ।
अत्युपयोगी संस्करण है । ४-००

२७५ व्याकरण-साहित्य-प्रकाश (व्याकरण अनुवाद-निबन्ध-पत्र और छन्द
अलङ्कारों की पुस्तक) नारायण शास्त्री काङ्कर १५-००

*२७६ व्याकरणसिद्धान्तमुधानिधिः । (पाणिनीय अष्टाध्यायी भाष्य-
व्याख्यानरूपा) श्री विश्वेश्वरसूरि विरचित ३७-५०

*२७७ व्युत्पत्तिप्रदर्शन-गूढाशुद्धिप्रदर्शनम् । मध्यमापरीक्षोपयोगी ०-५०

*२७८ व्युत्पत्तिवादः । वेणोमाधवशास्त्री कृत (शास्त्रार्थ परीक्षोपयोगी)
शास्त्रार्थकला टीका सहित यन्त्रस्थ

२७९ व्युत्पत्तिवादः । जयदेवमिश्र कृत जया टीका ५-००

२८० व्युत्पत्तिवादः लकारार्थविचारः । विवरणयुक्त सुब्रह्मण्यशास्त्री कृत ७-५०

२८१ व्युत्पत्तिवादतरणिः । (व्युत्पत्तिवाद प्रश्नोत्तरी) ०-८७

*२८२ शक्तिवादः । गदाधरभट्टाचार्यकृत । हरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्यकृत
हरिनाथी टीका सहित ५-००

*२८३ शक्तिवादः । टीकात्रय सहित । कृष्णभट्टकृत मञ्जूषा, माधवभट्टकृत
विद्युति, गोस्वामी दामोदरशास्त्री कृत विनोदिनी व्याख्या ५-००

२८४ शक्तिवादः । सुदर्शनार्थकृत आदर्शटीका ५-४०

*२८५ शब्दकौस्तुभः । भट्टोजिदीक्षितकृतः । (पतञ्जलिप्रणीतमहामाष्यस्या-
नामंशानां युक्तिप्रयुक्तिभिः साधनाय प्रणीतोऽतिविस्तृतग्रन्थः) ३०-००

*२८६ शब्दकौस्तुभः । " " नवाहिक मात्र १२-००

२८७ शब्दतत्त्व प्रबोधिनी । अजन्त शब्दमाला-समासमालात्मिका ०-४४

२८८ शब्दमञ्जरी । मल ०-८५

- २८९ शब्दमञ्जरी । शब्दार्थ कोश सहित १—१५
- *२९० शब्दरूपावली । (१०० शब्दों की रूपावली) एकाक्षरीकोशसहित ०—३५
- २९१ शब्दानुशासनं । आचार्य मलयगिरि विरचित । स्वोपज्ञ वृत्ति युत ।
सं० बेचरदास जीवराज दोशी ३०—००
- २९२ शब्दापशब्दविवेकः । चारुदेव शास्त्री कृत ५—००
- २९३ शब्देन्दुसुधा । हरिशंकर झा १—५०
- २९४ शाकटायनव्याकरणम् । यक्षवर्मकृत टीका सहित समाप्त
- २९५ शास्त्रार्थ रत्नावली । जयदेव मिश्र कृत ३—००
- २९६ शिचासूत्राणि । आपिशलि-पाणिनि-चन्द्रगोमिहकृत १—५०
- २९७ संचित हिन्दी व्याकरण । कामता प्रसाद २—५०
- २९८ संशोधन मुक्तावली । वा० वी० मिराशी । १-५ भाग ३१—००
- २९९ संशोधन लेख संग्रह (पहिला भाग) ले० हरिनारायण नेने (मराठी) ४—००
- ३०० संशोधनाञ्जलि । (मराठी) देवीदास गोविंद लांडगे ५—००
- ३०१ संस्कृत अनुवाद । व्याकरण तथा रचना । यदुनन्दन मिश्र-आशुतोष
पाण्डेय । भाग चतुर्थ मात्र २—७५
- ३०२ संस्कृत अनुवाद-रचना-प्रबोध । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री २—००
- ३०३ संस्कृत एम० ए० प्रश्नपत्र । ३—५०
- ३०४ संस्कृतगद्यमञ्जरी । चन्द्रशेखर पाण्डेय २—५०
- ३०५ संस्कृतनिबन्धमाला । सी० मिश्रा । १-२ भाग ४—००
- ३०६ संस्कृत निबन्धावली । डा० रामजी उपाध्याय ३—५०
- ३०७ संस्कृत पठनपाठन की अनुभूत सरलतम विधि । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु १—५०
- ३०८ संस्कृतपत्रप्रबोधः ०—२५
- *३०९ संस्कृत-पाठमाला । महापण्डित राहुलसांकृत्यायन । १-५ भाग ४—१५
प्रथम भाग ०—६० द्वितीय भाग ०—८५ तृतीय भाग
०—८५ चतुर्थ भाग ०—८५ पञ्चम भाग १—००
- ३१० संस्कृतपाठमाला । १-२४ भाग । सातवलेकर कृत १४—४०
- *३११ संस्कृतप्रकाश । श्री कुबेरनाथ द्विवेदी । इलाहाबाद बोर्ड द्वारा
हाइस्कूल एवं इंटर परीक्षा में निर्धारित संस्कृत व्याकरण का
अत्यन्त सरल, सुबोध एवं परीक्षोपयोगी पाठ्य ग्रंथ २—५०
- *३१२ संस्कृत-प्रथम पाठ—Sanskrit First Lessons :
By Dr. J. R. Ballantyne.
हिन्दी अनुवाद सहित । अनु०—श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय एम० ए०
मूल अंग्रेजी के साथ सरल हिन्दी अनुवाद युक्त यह संस्करण संस्कृत
में प्रवेश चाहने वालों के लिए अतीव उपयोगी है । संस्कृत व्याकरण
और रचना का प्रारम्भिक ज्ञान इसमें सुविचारित वैज्ञानिक विधि से
युक्त है । ३—००
- ३१३ संस्कृत प्रथम पुस्तक । रामविहारीलाल २—००
- ३१४ संस्कृत द्वितीय पुस्तक । रामविहारीलाल ३—५०
- ३१५ संस्कृतप्रथमा-सोपानम् । चौधरी रामचन्द्र प्रसाद प्रणीत १—५०

- ३१६ संस्कृतप्रबन्धप्रदीपः । हंसराज अग्रवाल विरचित ५—००
- ३१७ संस्कृतप्रवेशिनी । मद्रास मुद्रित ०—५०
- ३१८ संस्कृतप्रौढपाठावलिः । महालिङ्ग शास्त्री ०—७५
- ३१९ संस्कृतबालादर्शः । ०—९० संस्कृतप्रथमादर्शः । १—१५ द्वितीयादर्श १—२५
तृतीयादर्श १—५०
- ३२० संस्कृतबोध । पल्लू झा । प्रथम भाग समाप्त ३—५० द्वितीय भाग १—५०
- ३२१ संस्कृतमध्यमपाठावलिः । महालिङ्ग शास्त्री ०—७५
- *३२२ संस्कृत रचना । 'Students' Guide to Sanskrit
Composition श्री आपटे रचित का हिन्दी रूपान्तर ।
अनुवादक-श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय एम० ए०
शुद्ध एवं मुहावरेदार संस्कृत बोलने और लिखने की क्षमता अनायास
प्राप्त कराने में यह पुस्तक बेजोड़ है । संस्कृत रचना के क्षेत्र में इस जैसी
अन्य कोई पुस्तक नहीं है । ४—००
- *३२३ संस्कृतरचनानुवादशिक्षकः । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि
(सन्धि, धातुरूप आदि से परिवर्द्धित नवीन तृतीय संस्करण) २—००
- *३२४ संस्कृतरचनाप्रकाशः । प्रो० रमाकान्त द्विवेदी एम. ए. १—६५
- ३२५ संस्कृत लेखमुक्तावली । बलवन्त कृत । १-५ भाग १—५०
- ३२६ संस्कृत व्याकरण । डा० कपिलदेव द्विवेदी आचार्य १२—५०
- *३२७ संस्कृतव्याकरणम् । (दरभंगा तथा वाराणसी उभय विश्वविद्यालय
परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) पं० रामचन्द्र झा । सरल सुबोध संस्कृत-
हिन्दी भाषा में संस्कृत व्याकरण की अद्वितीय सरलतम पुस्तक ।
रचनानुवाद खण्ड तथा संस्कृत-हिन्दी निबन्ध खण्ड सहित
परिवर्द्धित बृहत् संस्करण ३—००
- ३२८ संस्कृत व्याकरण कल्पलता । पं० महेन्द्र झा १—५०
- *३२९ संस्कृत व्याकरण की उपक्रमणिका । ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ।
सम्पादक : गोपालचन्द्र शास्त्री । घर बैठे सरल रूप में संस्कृत
व्याकरण का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यह पुस्तक अद्वितीय है १—२५
- *३३० संस्कृत-व्याकरणकौमुदी । (बिहार की मध्यमा परीक्षा पाठ्य
स्वीकृत) १-४ भाग । ईश्वरचन्द्र विद्यासागर । सम्पादक :
गोपालचन्द्र शास्त्री । सांगोपांग संस्कृत व्याकरण जानने वालों
के लिये यह ग्रन्थ अद्वितीय है । ८—००
- *३३१ संस्कृतव्याकरणप्रबोध । प्रथम भाग २—०० द्वितीय भाग ३—५०
१-२ भाग ५—५०
- ३३२ संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका । अनन्तरामशास्त्री कृत ०—७५
- ३३३ संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका । बाबूराम सक्सेना ५—५०
- ३३४ संस्कृत व्याकरण में गणपाठ की परम्परा और आचार्य पाणिनि ।
श्री कपिलदेव साहित्याचार्य ८—००

३३५ संस्कृत व्याकरण रचना तथा अन्य निबंध । डॉ० रामजी उपाध्याय

६—००, १०—००

३३६ संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास । युधिष्ठिर मीमांसक ।

प्रथम भाग । परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण १५—००

द्वितीय भाग १५—०० १-२ भाग ३०—००

*३३७ संस्कृत-व्याकरणोदयः । श्री जयमन्त मिश्र । बिहार के विश्व-विद्यालयों की विभिन्न परीक्षाओं में स्वीकृत । परिष्कृत

परिवर्द्धित नवीन संस्करण

४—५०

३३८ संस्कृतशब्दरूपकोशः । कृष्णाजी भास्कर वीरकर

१—००

३३९ संस्कृत शिक्षण । रामसकल पाण्डेय

४—५०

३४० संस्कृतशिक्षा । जीवारामकृत । १-६ भाग

३—६२

*३४१ संस्कृतशिक्षावाटिका । द्वितीय भाग ०—६५ तृतीय भाग

०—६५

चतुर्थभाग ०—७५

२-४ भाग

२—००

३४२ संस्कृतशिक्षाविधिः । गौरीशंकर

३—२५

३४३ संस्कृतसरलप्रबन्धप्रकाशः । वी० अनन्ताचार्य

१—००

*३४४ संस्कृतस्वर्यशिक्षकप्रभा । गौरीशंकर शास्त्री कृत

०—७०

३४५ संस्कृत-हिन्दी-व्याकरणसार । (दस दिन में संस्कृत) रचना और शब्दकोश के साथ । श्री जगदीश झा

१—७५

३४६ संस्कृतानुवाद निबन्धादर्शः । पूर्णानन्द कृत

१—५०

*३४७ संस्कृतालोकः । (सचित्र) पं० रामबालक शास्त्री । बालकों के मानसिक स्तर, पाठ्यक्रम आदि अनेक बातों का विमर्श करके अनोखी शैली में लिखित प्रस्तुत पुस्तक द्वारा बालकों को संस्कृत का सद्यः बोध हो जाता है । प्रथम किरण ०—६०

द्वितीय किरण ०—६० तृतीय किरण ०—७५ १—३ किरण १—६५

३४८ संस्कृतोपक्रमपाठावलिः । महालिङ्ग शास्त्री

०—६२

*३४९ सज्जनेन्द्रप्रयोगकल्पद्रुमः । धर्माधिकारी कृष्णपण्डितकृत

२—५०

*३५० सन्धिचन्द्रिका । कारक, समास, कृदन्त, तिङन्त, व्युत्पत्तिप्रदर्शन सहित १—००

३५१ समास कुवलयकर । गोविन्द शास्त्री

०—५४

३५२ समास कुसुमाञ्जलि ।

०—३७

३५३ समास दर्पण ।

०—२५

३५४ संभोट व्याकरण (तिङ्बन्ती भाषा का व्याकरण) । के० अङ्गरूप लाडली कृत । हिन्दी अनुवाद सहित

१२—००

३५५ सन्धि-समास-मञ्जूषा । मथुराप्रसाद दीक्षित

२—००

*३५६ समासचक्रम् । ब्रह्मदत्तमिश्रकृत टिप्पणी सहित

०—२०

३५७ सरलप्रबन्धप्रकाशः । डा० मंगलदेव शास्त्री कृत

१—५०

३५८ सरल बंगला शिक्षा । गोपालचन्द्र चक्रवर्ती

२—००

३५९ सरल संस्कृतशिक्षा । प्रथम भाग । रामदत्त त्रिपाठी

०—५०

३६० सरल संस्कृत शिक्षा । मोहनलाल जैन शास्त्री । १-४ भाग

२—३३

- ३६१ सरस्वतीकण्ठाभरण-व्याकरण । भोजदेवकृत । नारायणदण्डनाथकृत टीका ।
चतुर्थ भाग मात्र ४—५०
- *३६२ साहस्यशास्त्रार्थकला । लःकर्मशास्त्रार्थकला ०—२०
- ३६३ सारस्वतपूर्वपञ्चावली । ०—२५
- ३६४ सारस्वतव्याकरणम् । अनुभूति स्वरूपाचार्य कृत । वृत्तित्रयात्मक ३—२५
- *३६५ सारस्वतव्याकरणम् । 'बालबोधिनी' 'इन्दुमती' संस्कृत-हिन्दी
टीका सहित । पूर्वार्द्ध १—००
- *३६६ सारस्वतव्याकरणम् । चन्द्रकीर्तिसुरिप्रणीत चन्द्रकीर्तिनाम्नी सुबोधिका,
वासुदेवभट्टकृत प्रसाद टीका, नवकिशोरशास्त्रीकृत मनोरमा विवृति
तथा सटीक लिङ्गायुशासन सहित पूर्वार्ध ८—०० उत्तरार्ध ५—००
१-२ भाग संपूर्ण १३—००
- ३६७ सारस्वतव्याकरणम् । माधवी टीका ५—१०
- ३६८ सारस्वतव्याकरणम् । सुबोधिनी भाषा टीका । पूर्वार्ध ६—००
- *३६९ सिद्धान्तकौमुदी । भट्टोजिदीक्षितकृत । गोपालशास्त्री नेने संपादित
सूत्राङ्क-धात्वङ्क-सूच्यादि सहित (मूल जेबी गुटका) ३—५०
- *३७० सिद्धान्तकौमुदी-बालमनोरमा व्याख्या । गोपालशास्त्री नेने कृत
परीक्षोपयोगी रूपलेखनप्रकार-पङ्क्तिरेखनप्रकार आदि विविध परिशिष्ट
सहित । कारकान्त प्रथम भाग ३—५० समासादि द्विरुक्तान्त
द्वितीय भाग ३—५० भ्वाद्यादि चुराद्यन्त तृतीय भाग ३—००
प्यन्तादि समाप्त्यन्त चतुर्थ भाग ३—५०
पूर्वार्द्ध ७—०० उत्तरार्द्ध ६—५० संपूर्ण ग्रन्थ १३—००
- ३७१ सिद्धान्तकौमुदी । तत्त्वबोधिनी टीका सटिप्पण १२—००
- ३७२ सिद्धान्तकौमुदी । मीमांसक गिरधर कृत संस्कृत टीका सहित (इको गुण-
वृद्धी सूत्र पर्यन्त) १—००
- ३७३ (वैयाकरण) सिद्धान्तकौमुदी । सभापति शर्मोपाध्याय कृत लक्ष्मी व्याख्या
सहित । १-२ भाग ३५—००
- ३७४ सिद्धान्तकौमुदी प्रतिसंस्कृता । विशेषविवृत्तिसहिता । सोमनाथ शर्मा
विरचिता १७—००
- *३७५ सिद्धान्तकौमुदीपङ्क्तिपदार्थविवरणरूपा भावबोधिनीनाम्नी
विस्तृत टीका । २—००
- ३७६ सिद्धान्तकौमुदी-परिशिष्टसंग्रहः । ०—५०
- *३७७ सिद्धान्तकौमुदीरूपलता [सौत्तरा] (सिद्धान्तकौमुदी के ३६७
शब्दों की बृहत्तम शब्दरूपावली) १—५०
- *३७८ सिद्धान्तकौमुदी—शैषिकादिद्विरुक्तान्ततद्धितप्रयोगसूची ।
अमृता टिप्पणी सहित ०—२०
- *३७९ सिद्धान्तकौमुदी—भ्वाद्यादिचुरादिगणान्तप्रयोगसूची । अमृता
टिप्पणी सहित ०—६५

- *३८० सिद्धान्तकौमुदी-कारकप्रकरणम् । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय (छात्रो-
पयोगी संस्करण) इसमें काशिका के आधार पर सूत्रों की
हिन्दी-व्याख्या, पदकृत्य, व्युत्पत्ति और प्रयोगों की साधनिका
भी आधुनिक सरल सुबोध हिन्दी भाषा में दी गई है १—५०
- *३८१ सिद्धान्तकौमुदी-वैदिकीप्रक्रिया । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्या-
कार श्री उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' एम. ए. । व्याख्या में समास-
विग्रह, व्युत्पत्ति, प्रयोगों की साधनिका तथा परीक्षोपयोगी
विवरण भी दिये गए हैं ४—००
- *३८२ सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा प्रयोगसूची । परीक्षोपयोगी पङ्क्तिलेखन
प्रकारात्मक इन्दुमती टिप्पणी सहित कारकान्त ०—६५
कारकादि शैषिकान्त १—०० विकारार्थकादि चुराद्यन्त १—१५
प्यन्तादि उत्तरकृदन्तान्त उणादिकोश सहित १—२५
स्वरवैदिकी लिङ्गानुशासनप्रकरणान्त ०—९०, संपूर्ण ४—६०
- *३८३ सिद्धान्तकौमुदी-प्रश्नोत्तरी । १-४ भाग ८—५०
- *३८४ सिद्धान्तकौमुदी-स्वरवैदिकप्रक्रियाप्रश्नोत्तरी । १—२५
- *३८५ सिद्धान्तचन्द्रिका । रामाश्रमप्रणीत । बालबोधिनी टीका सहित
पूर्वार्द्ध १—५० उत्तरार्द्ध २—०० संपूर्ण ३—५०
- *३८६ सिद्धान्तचन्द्रिका । सदानन्दकृत सुबोधिनी, लोकेशकरकृत तत्त्वदीपिका,
नवकिशोरकरकृत चक्रधरा टिप्पणी अव्ययार्थमाला लिङ्गानुशासन
उणादिकोष सहित पूर्वार्द्ध ७—०० उत्तरार्द्ध ७—०० संपूर्ण १४—००
- ३८७ सुगलार्थमाला । पेरुन्नानम् नारायण नम्बूतोरी प्रणीत । डॉ० दामोदर
पिपारोडी कृत दीपिका व्याख्या सहित २—५०
- ३८८ सुलभ धातुरूप कोष । कृष्णाजी भास्कर वीरकर । तृतीय भाग मात्र १—५०
- *३८९ STUDENT'S GUIDE TO SANSKRIT COMPOSITION
(THE); A Treatise on Sanskrit Syntax for the use of
Schools and Colleges. By Vaman Shivaram Apte. 4-75
- ३९० सूत्र शैली और अपभ्रंश व्याकरण । डा० परममित्र शास्त्री ८—००
- ३९१ स्फोटनिर्णयः । कोण्डभट्ट विरचित । आंग्लानुवाद सहित ।
एस. डी. जोशी संपादित २५—००
- ३९२ स्फोटवादः । नागेशकृत १०—००
- ३९३ स्मालर संस्कृत ग्रामर । (हिन्दी) एम० आर० काले ४—५०
- ३९४ स्वर-व्यञ्जन । डा० रघुवीर १०—००
- ३९५ हम संस्कृत भाषा क्यों पढ़ें ? स्वामी वेदानन्द ०—५०
- ३९६ हाई स्कूल संस्कृत व्याकरण । बाबूराम सक्सेना १—६५
- ३९७ हायर संस्कृत ग्रामर । एम० आर० काले (अंग्रेजी) १२—५०
- ३९८ हायर संस्कृत ग्रामर । (बृहत् संस्कृत-व्याकरण) धातुकोश सहित ।
परिमार्जित हिन्दी संस्करण । मूल लेखक-महेश्वर रामचन्द्र काले ।
अनुवादक-डॉ० कपिलदेव द्विवेदी आचार्य ७—५०

३९९ हायर संस्कृत ग्रामर । काले । हिन्दी संस्करण । धातुकोश रहित	६—५०
४०० हिन्दी कन्नड तेलुगु शिक्क । वि० एम० पंचाक्षर शर्मा	२—५०, ३—००
४०१ हिन्दी कौमुदी । अश्विकाप्रसाद वाजपेयी	१—५०
४०२ हिन्दी व्याकरण । कामताप्रसाद गुरु	९—००
४०३ हिन्दी शब्दानुशासन । शिवप्रसाद शास्त्री	२—००
४०४ हिन्दी शब्दानुशासन । किशोरी दास वाजपेयी	१५—००



न्याय-ग्रन्थाः

४०५ अनुमानदीधितिप्रसारिणी । कृष्णदास सार्वभौम कृत । १-३ खण्ड	२—२५
४०६ अनुमितेर्मानसत्त्वविचाररहस्यम् । हरिरामतर्कवागीश विरचितम् । सरलाख्यया टीकया समेतम्	८—००
*४०७ आत्मतत्त्वविवेकः । उदयनाचार्यविरचितः । श्री नारायणाचार्य निर्मितात्मतत्त्व व्याख्या (नारायणी) सहित	१५—००
*४०८ आत्मतत्त्वविवेकः । (बौद्धन्यायखण्डनम्) श्रीमदुदयनाचार्यविर- चितः । श्रीरामतर्कालङ्कारभट्टाचार्यकृतटिप्पण्या, तार्किकशिरोमणि- श्रीरघुनाथकृतदीधितिरिति प्रसिद्धया विवृत्या, श्रीशङ्करमिश्रविर- चितात्मतत्त्वविवेककल्पलतया च विभूषितः । १-६ खण्डाः	१८—००
४०९ आरम्भवादः । ले० आचार्य बदरीनाथ शुक्ल । सृष्टि के विषय में न्याय-वैशेषिक दर्शन के दृष्टिकोण की व्याख्या करने वाला सर्वाङ्गसम्पन्न अभिनव मौलिक संस्कृत ग्रन्थ	२—००
*४१० कारकचक्रम् । माधवी टीका-प्रदीप टिप्पणी सहित	१—२५
*४११ कारिकावली-मुक्तावली । न्यायचन्द्रिका टीका, परीक्षोपयोगी टिप्पणी सहित	समाप्त
*४१२ कारिकावली-मुक्तावली । मयूखटीकासहिता । टीकाकार- न्यायव्याकरणाचार्य श्री सूर्यनारायण शुक्ल । संपूर्ण	२—५०
*४१३ कारिकावली-मुक्तावली । मयूख संस्कृत टीका-प्रकाश हिन्दी व्याख्या सहित । प्रत्यक्षखण्डान्त	१—२५
*४१४ कारिकावली-मुक्तावली । श्री सूर्यनारायण शुक्ल विरचित मयूख संस्कृत हिन्दी टीका सहित । शब्दखण्ड मात्र	०—५०
*४१५ कारिकावली-मुक्तावली-दिनकरी-रामरुद्री । पण्डितराज- श्रीराजेश्वरशान्निप्रपूरित-रामरुद्री-दिनकरीभ्यां संवलिता ।	१०—००
४१६ कारिकावली-मुक्तावली । प्रभा-मञ्जूषा-दिनकरीय-रामरुद्रीय-गंगाराम- जटीय व्याख्या युक्त	१२—००
*४१७ का० मुक्तावली तत्त्वालोकः । (मुक्तावली प्रश्नोत्तरी) गुणनिरूप- णान्त-परिवर्धित संस्करण । श्री रुद्रधर झा शर्मा विरचित	१—२५
४१८ कुसुमाञ्जलिकारिका । रामभद्रसार्वभौमकृत कुसुमाञ्जलि कारिका व्याख्या सहित	३—००

- ४१९ केवलान्वयिप्रकरणम् । दीधिति जागदीशी नारायणी टीका समन्वित ४—००
- *४२० क्रोडपत्रसंग्रहः । श्री कालीशङ्करप्रणीतानि अनुमान-जागदीशी-
अनुमान-गादाधरी-क्रोडपत्राणि । सम्पूर्णोऽयं ग्रन्थः १-८ खण्डाः समाप्त
(१) जागदीशी-क्रोडपत्रम् । १-४ खण्डाः समाप्त
(२) गादाधरी-क्रोडपत्रम् । ५-८ खण्डाः १२—००
- ४२१ गणकारिका । आचार्य भासर्वज्ञ विरचित ७—००
- *४२२ गादाधरी । अनुमानचिन्तामणि तथा शिरोमणिकृत दीधिति
मूलग्रन्थ सहित । सम्पादक तथा टिप्पणीकार श्रीकांत्यानन्द झा न्याय-
वेदान्ताचार्य । पाण्डुलिपि की प्राचीनतावश जो छुटियौ प्रथम संस्करण
में रह गई थीं वे इसमें सर्वथा दूर कर दी गई हैं । विराम-उद्धरणादि के
विह्व, नये अनुच्छेद, प्रत्येक खण्डान्त में 'विवृत्तिप्रकाश' नामक टिप्पणी
एवं विषयविभाजन के रूप में परिशिष्ट, तथा पाण्डित्यपूर्ण भूमिका
आदि से सम्पादित यह सर्वथा नवीन संस्करण है । सम्पूर्ण ग्रन्थ
शीघ्र प्राप्त होगा । भूमिका परिशिष्ट आदि से सुसज्जित आरम्भिक
१-२ खण्ड सिंहव्याघ्रप्रकरणान्त १२—५०
- ४२३ गादाधरी अवयव । १—५०
- ४२४ गादाधरी-अवयवप्रकरणम् । ज्वालाप्रसाद गौड़ कृत विलासिनी
संस्कृत टीका सहित ८—००
- ४२५ गादाधरीसव्यभिचारप्रकरणम् । वामाचरण भट्टाचार्यकृत व्याख्यासहित ५—४८
- *४२६ गादाधरी-सामान्यनिरुक्ति-गूढार्थतत्त्वालोकः । श्री धर्मदत्त
[बच्चाभा] शर्म विरचित ३—००
- *४२७ गादाधरी-सामान्यनिरुक्तिः । न्यायाचार्य श्री शिवदत्तमिश्र विरचित
परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित समाप्त
- ४२८ गादाधरी-सामान्यनिरुक्तिः । चन्द्रकला-विलासिनी टीकाद्वय सहित ६—००
- ४२९ गादाधरी सिद्धान्तलक्षण । १—५६
- ४३० चतुर्दशलक्षणी । गादाधरकृत । कृष्णभट्ट-रघुनाथ-पट्टाभिरामकृतव्याख्यासहित १०—००
- *४३१ जागदीशी । अनुमानचिन्तामणिव्याख्या, शिरोमणिकृतदीधिति-
विवृतिः । (सम्पूर्ण ग्रन्थ १-१३ खण्ड समाप्त) फुटकर प्रत्येक खण्ड ३—००
- ४३२ जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः । मूलमात्र ०—३१
- *४३३ जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः । न्यायाचार्य पं० शिवदत्तमिश्र विरचित
परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित ३—००
- *४३४ जा० पक्षता । न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र विरचित परीक्षोपयोगी
गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित समाप्त
- *४३५ जा० पञ्चलक्षणी-सिंहव्याघ्रलक्षण-क्रोडपत्रम् । ०—२०
- *४३६ जागदीशी-पञ्चलक्षणी-सिंहव्याघ्रलक्षणम् । गङ्गानिर्मरिणी
व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ
- *४३७ जा० व्यधिकरणम् । न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र विरचित
परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ

- ४३८ जा० व्यधिकरणम् । स्वामिरामप्रपञ्चाचार्यकृतदीपिकाटीकोपेतम् ४—५०
- *४३९ जा० व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावस्य कालीशङ्करी । ०—५०
- ४४० जा० सामान्यलक्षणाप्रकरणम् । काशिकानन्दो व्याख्या सहित ४—५०
- ४४१ जागदीशी सिंहव्याम्रलक्षणम् । वामाचरण भट्टाचार्यकृत व्याख्यासहित २—४८
- *४४२ जा० सिद्धान्तलक्षणम् । शिवदत्त मिश्र कृत गंगा व्याख्या सहित समाप्त
- *४४३ जा० सिद्धान्तलक्षणस्य क्रोडपत्रम् । ०—६५
- ४४४ ज्ञानलक्षणाविचाररहस्यम् । हरिराम तर्कवागीश कृत । अनन्तकुमार
भट्टाचार्य कृत विमर्शिनी सहित ९—००
- *४४५ तत्त्वचिन्तामणि । गंगेशोपाध्याय विरचित । मथुरानाथतर्कवागीश-
जयदेव मिश्र कृत व्याख्या सहित यन्त्रस्थ
- ४४६ तत्त्वचिन्तामणिः । गंगेशोपाध्याय कृत । प्रत्यक्षखण्ड प्रथमभाग व्याख्या १—२५
- ४४७ तत्त्वचिन्तामणिः । गंगेशोपाध्यायविरचितः । आलोक-दर्पण-व्याख्याद्वय-
सहितः । प्रत्यक्षखण्डे प्रामाण्यवादान्तः १२—००
- ४४८ तत्त्वचिन्तामणि-दीधितिप्रकाशः । भवानन्द सिद्धान्तवागीश कृत प्रथम भाग ४—५०
- ४४९ तत्त्वचिन्तामणि दीधिति प्रकाश । द्वितीय भाग । अनुमान-खण्डे तर्क-
प्रकरणात् पक्षताप्रकरणम् यावत् । कालीपद तर्काचार्य सम्पादित २०—००
- ४५० तत्त्वसारः । राखालदास न्यायरत्न कृत १—००
- ४५१ तर्कताण्डवम् । व्यासतीर्थकृत । राघवेन्द्रतीर्थकृत न्यायदीप व्याख्यायुत
१-४ भाग ११—५०
- ४५२ तर्कपधरत्नावली । बाजपेय सुन्दराचारियर प्रणीत १—५०
- *४५३ तर्कभाषा । केशवमिश्र प्रणीत । मूलमात्र ०—६५
- *४५४ तर्कभाषा । [उत्तरप्रदेशीय सरकारद्वारा पुरस्कृत] आचार्य विश्वेश्वर
सिद्धान्त शिरोमणि कृत तर्करहस्यदीपिका हिन्दी व्याख्या सहित ।
संशोधित तृतीय संस्करण ७—००
- *४५५ तर्कभाषा । 'तत्त्वालोक' संस्कृत हिन्दी टीका सहित १—५०
- ४५६ तर्कभाषा । चिन्मट्ट विरचित व्याख्या सहित २—२५
- *४५७ तर्कभाषारहस्यम् । (तर्कभाषा-प्रश्नोत्तरी) ०—४०
- *४५८ तर्कमकरन्दः । (दीपिका प्रश्नोत्तरी) समाप्त
- ४५९ तर्कशास्त्रप्रवेशिका । लेखक-एक अनुभवी प्रोफेसर २—५०
- *४६० तर्कसंग्रहः । लक्षण टिप्पणी सहित ०—२५
- *४६१ तर्कसंग्रहः । पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष अनिवार्य प्रथम पत्र निर्धारित-
'पदकृत्य' (लक्षण-टिप्पणी इन्दुमती हिन्दी टीका) सहित ।
परीक्षोपयोगी संस्करण ०—५०
- *४६२ तर्कसंग्रहः । न्यायबोधिनी-पदकृत्य-विरला संस्कृत टीका इन्दुमती
हिन्दी टीका सहित १—००
- *४६३ तर्कसंग्रहः । 'दीपिका' संस्कृत व्याख्या 'इन्दुमती' हिन्दी टीका सहित ०—५०
- ४६४ तर्कसंग्रहः । मास्करोदय-दीपिका प्रकाश व्याख्या सहित २—००
- ४६५ तर्कसंग्रहः । सुखप्रवेशिनी व्याख्या समेत १—००

- ४६६ तर्कसंग्रहः । सिद्धान्त चन्द्रोदय व्याख्या सहित १—००
- ४६७ तर्कसंग्रहः । कृष्णकल्याण गणि विरचित फक्किका व्याख्या दीपिका
व्याख्या सहित ३—००
- ४६८ तर्कसंग्रहः । अन्नमट्ट विरचित । स्वकृत दीपिका, गोवर्धन कृत न्याय-
बोधिनी, अठवले कृत नोटस्-बोडस कृत आंगलानुवाद सहित ।
पुसलकर कृत संशोधित-परिवर्धित १५—००
- *४६९ तर्कसंग्रह-रहस्यम् । (तर्कसंग्रह-प्रश्नोत्तरी) श्रीकीर्त्यानन्द झा ०—७५
- *४७० तर्कामृत । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका 'परीक्षासेतु' परिशिष्ट सहित ०—७५
- ४७१ त्रितलावच्छेदकतावाद । शशिनाथ झा विरचित ४—५०
- ४७२ ध्वंसजन्याभावयोः कार्यकारणभावरहस्यम् । हरिरामतर्कवागीश ५—००
- ४७३ 'न च' रत्नमालिका । शास्त्र शर्मा विरचित । स्वोपज्ञ नूतनालोक व्याख्या
सहित । सटिप्पण ६—५०
- *४७४ न्यायकुसुमाञ्जलिः । श्रीमदुदयनाचार्यप्रणीतः । मेघठकुरविरचित-
'प्रकाशिका' (जलद), रुचिदत्तोपाध्यायकृत 'मकरन्द', वर्द्धमानो-
पाध्यायकृत 'प्रकाश', वरदराजकृत 'बोधिनी' टीकाचतुष्टयोपेतः, सर्व-
तन्त्रस्वतन्त्र पं० बच्चामानिर्मितटिप्पणीविभूषितश्च । पण्डितराज-
श्रीराजेश्वरशास्त्रिप्रणीतभूमिकादिसहितः २०—००
- *४७५ हिन्दी न्यायकुसुमाञ्जलि । हरिदासी टीका सहित । व्याख्याकारः
आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि । इसकी विमर्शाख्य हिन्दी
व्याख्या में शास्त्रार्थ के दुरूह स्थलों पर इतना गंभीर विवेचन
किया गया है कि यह व्याख्या न्यायकुसुमाञ्जलि की हिन्दी में
एक मौलिक रचना बन गई है । ६—००
- ४७६ न्यायकौस्तुभः । महादेव पुणतामकर विरचित । १-२ भाग १३—२५
- ४७७ न्यायचन्द्रिका । केशव मट्ट विरचित ०—६०
- ४७८ न्यायदर्शनविन्दुः । म० म० कालीपद तर्काचार्य २—००
- *४७९ न्याय(सूत्रपाठः) दर्शनम् । श्री गौतममहासुनि प्रणीत ०—२०
- *४८० न्यायदर्शन-वात्स्यायनभाष्यम् । म० म० डा० गङ्गानाथ झा
प्रणीतेन खद्योतेन, नैयायिकबूडामणिरघूत्तमविरचितेन भाष्य-
चन्द्रेण च समन्वितम् । म० म० श्री अम्बादासशास्त्रिकृतया
भाष्यचन्द्रानुगामिन्या टिप्पण्या च समेतम् २०—००
- *४८१ न्यायदर्शनम् । वात्स्यायनभाष्य सहित समाप्त
- ४८२ न्यायदर्शनम् । वात्स्यायन भाष्य-विश्वनाथ वृत्ति समेत ६—७५
- *४८३ हिन्दी न्यायदर्शन । (वात्स्यायनभाष्य सहित) व्याख्याकार—
पं० डुंढिराज शास्त्री । इस ग्रन्थ में सरल हिन्दी भाषा में मूल
ग्रन्थ तथा भाष्य की जो व्याख्या की गई है उससे न्याय
दर्शन में प्रथम बार ही इतनी सरलता आ सकी है । यन्त्रस्थ
- ४८४ न्यायदर्शन । श्री रामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४—००

४८५ न्यायदर्शनम् । दर्शनानन्द सरस्वतीकृत हिन्दी टीका सहित	३—२५
*४८६ न्यायपरिचय । श्री किशोरनाथ झा	यन्त्रस्य
४८७ न्यायप्रकाशः । (न्यायशास्त्र) स्वामी चिद्धनानन्दकृत । भाषा	१४—४०
४८८ न्यायप्रकाश । (न्यायशास्त्र) हरिपुष्पाचार्य विरचित	०—७५
४८९ न्यायप्रदीपः । गङ्गासहाय विरचित	२—१०
*४९० न्यायबिन्दुः । बौद्धाचार्य श्रीधर्मकीर्ति प्रणीत । संस्कृत टीका हिन्दी अनुवाद सहित	५—००
४९१ न्यायबिन्दुटीका । (धर्मोत्तरप्रदीप)	२—००
*४९२ न्यायमञ्जरी । जयन्तभट्ट कृत । टिप्पणी समेत	२०—००
४९३ न्यायरत्नम् । मणिकण्ठमिश्रकृत । नृसिंहयज्वकृतद्युतिमालिकाटीकासहित	१०—००
*४९४ न्यायलीलावती । मूलमात्र	१—००
*४९५ न्यायलीलावती । श्रीभगीरथठक्कुरकृत 'विद्युति' सनाथेन श्रीवर्धमानोपाध्यायकृत 'प्रकाशेन' समुद्रासिता, श्रीशङ्करमिश्र-रचित 'कण्ठाभरणेन' च समन्विता	२७—००
*४९६ न्यायवार्तिकतात्पर्यटीका । श्री वाचस्पति मिश्र विरचित	समाप्त
४९७ न्यायसारः । महादेव पण्डित विरचित	३—००
४९८ न्यायसारः । आचार्य भासर्वज्ञकृत । न्यायसारपदपत्रिका व्याख्या सहित	४—००
४९९ न्यायसारः । भासर्वज्ञकृत । अपरार्क देव कृत न्यायमुक्तावली व्याख्या-आनन्दानुभवाचार्य कृत न्यायकलानिधि व्याख्या सहित	१८—००
५०० न्यायसिद्धान्तमञ्जरी । जानकीनाथ विरचित । यादवाचार्य कृत न्याय-मञ्जरीसार व्याख्या सहित	३—००
५०१ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली । स्वामी गोविन्दसिंह कृत हिन्दी टीका सहित	६—००
५०२ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली । धर्मेन्द्रशास्त्रिप्रणीत हिन्दीटीकासहित प्रत्यक्षखण्ड	५—२५
५०३ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली । विलासिनी हिन्दी टीका सहित	१५—००
५०४ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (कुञ्जिका) । देवदत्त शास्त्री कृत	०—७५
५०५ न्यायेन्दुशेखरः ।	०—२५
५०६ पदवाक्यरत्नाकरः ।	३—२५
५०७ पदवाक्यरत्नाकरः । गोकुलनाथोपाध्याय-विरचितः । यदुनाथ मिश्र रचित गूढार्थदीपिका व्याख्या सहित	१५—००
५०८ पदार्थशास्त्र । (हिन्दी) श्री आनन्दझा न्यायाचार्य	२—५०
५०९ पदार्थयदिव्यचक्र । उमापति उपाध्याय विरचित	२—५०
५१० पारिभाषिकपदार्थ संग्रह । श्रीराम शास्त्री	२—५०
५११ पाश्चात्य तर्कशास्त्र । जगदीश काश्यप । १-२ भाग	११—५०
५१२ प्रमाणमंजरी । सर्वदेव कृत	०—२५
५१३ प्रमाणमंजरी । प्रियवालाशाह संपादित	२—५०
५१४ प्रमाणमंजरी । सर्वदेव विरचित । बलभद्र मिश्र-अद्वयारण्य योगि-नामनभट्ट विरचित व्याख्यात्रय समन्वित	६—००
५१५ प्रमाणविनोदः । चित्रधर मिश्र विरचित	१—५०
५१६ प्रमेयकमलमार्तण्डः । प्रभाचन्द्राचार्य प्रणीत	८—००

- ५१७ प्रमेय-परिज्ञातः । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी कृत ३—००
- ५१८ ग्रामाण्यवादः । गदाधर भट्टाचार्यकृत ४—००
- ५१९ ग्रामाण्यवादः । हरिरामतर्कवागीश कृत । विश्वबन्धु भट्टाचार्य कृत प्रभा
न्याख्या सहित ५—००
- ५२० ग्रामाण्यवाद-दीपिका । श्री वामाचरण भट्टाचार्य विरचित ०—८०
- ५२१ भारतीय तर्कशास्त्र । उमेश मिश्र ५—००
- ५२२ भारतीयदर्शनशास्त्र । (न्याय-वैशेषिक) धर्मेन्द्रशास्त्री कृत (हिन्दी) ३—००
- ५२३ भारतीयन्याय-शास्त्र : एक अध्ययन । डा० ब्रह्ममित्र अवस्थी १८—००
- ५२४ भाषा-परिच्छेदः । (कारिकावली) पञ्चानन भट्टाचार्य शास्त्रि विरचित
मुक्तावलीसंग्रहाख्य-मुक्तावली व्याख्योपेत न्यायसिद्धान्तमुक्तावली
टीका सहित ५—००
- ५२५ आस्करोदयः । नीलकण्ठ भट्ट विरचित तर्कसङ्ग्रह दीपिका-प्रकाश-
नीलकण्ठी व्याख्यायुत २—००
- ५२६ मणिकणः । आंगलानुवाद सहित १०—००
- *५२७ माथुरानाथीय-व्याप्तिपञ्चकटीकायाः क्रोडपत्रम् । ०—२०
- *५२८ माथुरी-तर्कप्रकरणम् । न्यायाचार्य वामाचरण भट्टाचार्य विरचित
'विवृति' सहित १—००
- ५२९ माथुरीपञ्चलक्षणी । सिंहव्याघ्रलक्षण सहित । मूलमात्र ०—२५
- *५३० माथुरीपञ्चलक्षणी । श्री उमानाथाज्यलकृतव्याख्यासहिता तथा
माथुरीसिंहव्याघ्रलक्षणम् श्रीहरिरामशुक्लविरचितव्याख्यासहितं तथा
श्रीहरिहरशास्त्रिसङ्कलितमाथुरीपञ्चलक्षणीक्रोडपत्राणि ०—५०
- *५३१ माथुरीव्याप्तिपञ्चकरहस्यं, सिंहव्याघ्रलक्षणरहस्यम् । श्री शिव-
दत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गानिर्भरिणी व्याख्या सहित २—००
- *५३२ मुक्तिवादः । चन्द्रिकाख्य विवृति समलंकृत ०—५०
- ५३३ लक्षणमाला । उदयनाचार्य कृत । शशिनाथ झा कृत व्याख्या सहित ३—००
- ५३४ लौकिकन्यायाञ्जलिः । १-२ भाग २—५०
- *५३५ वादवारिधिः । श्रीगदाधरभट्टाचार्यादिविपश्चिद्वरैर्विरचितः प्रत्यक्षा-
नुमान-शब्दपरिशिष्टाख्यकल्लोलचतुष्टयात्मकः । १-२ खण्ड ६—००
- *५३६ विषयतावादः । श्री ढुण्डिराज शास्त्रि कृत टिप्पणी सहित ०—२५
- *५३७ व्युत्पत्तिवादः । पण्डितराज श्री वेणीमाधवशास्त्री रचित (शास्त्रार्थो-
पयोगी तथा परीक्षोपयोगी) शास्त्रार्थ कला टीका सहित यन्त्रस्थ
- ५३८ व्युत्पत्तिवादः । जया व्याख्या सहित ५—००
- ५३९ व्युत्पत्तिवादः-लकारार्थविचारः । विवरणयुक्त । सुब्रह्मण्य शास्त्री विरचित ७—५०
- ५४० व्युत्पत्तिवादतरणिः । (व्युत्पत्तिवाद-प्रश्नोत्तरी) उमानन्दभाकृत ०—८७
- *५४१ शक्तिवादः । कृष्णभट्टकृतया मञ्जूषया-माधवभट्टाचार्यनिर्मितया
विवृत्या गोस्वामिदामोदरशास्त्रिरचितया विनोदिन्या च समेतः ५—००
- *५४२ शक्तिवादः । पण्डितप्रवर श्रीहरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्य विरचित
विवृति (हरिनाथी टीका) सहित ५—००

बौद्धन्याय-मीमांसा-ग्रन्थाः

२५

५४३ शक्तिवादः । सुदर्शनाचार्य प्रणीत आदर्श व्याख्या सहित	५—४०
५४४ शतकोटिः ।	९—५०
५४५ शतकोटिखण्डनम् । अनन्ताचार्यकृत	१—००
५४६ शतकोटिमण्डनम् । विजयराघवाचार्यकृत	१—२५
*५४७ शब्दशक्तिप्रकाशिका । श्रीजगदीशतर्कालङ्कारविनिर्मिता ।	
श्रीकृष्णकान्तविद्यावागीशकृतकृष्णकान्तिटीकया श्रीमद्रामभद्रसिद्धान्तवागीशविरचितया प्रबोधिनीटीकया च समलंकृता सटिप्पणा	यन्त्रस्थ
५४८ शब्दशक्तिप्रकाशिका । प्रथम भाग	१—७५
५४९ सङ्गमेश्वरक्रोडम् । (जागदीशीसिद्धान्तलक्षणक्रोडपत्रम्) सङ्गमेश्वरशास्त्री	१—००
५५० सत्प्रतिपक्षग्रन्थः । गदाधरभट्टाचार्य कृत	१—१२
५५१ सत्प्रतिपक्षग्रन्थः । गदाधर भट्टाचार्यकृत । गंगेशोपाध्याय विरचित तत्त्व- चिन्तामणि-रघुनाथशिरोमणि कृत दीधिति-ज्वाला प्रसाद गौड़ कृत संस्कृत व्याख्या सहित	७—००
५५२ सप्तपदार्थी । शिवाद्रित्य विरचित । जिनवर्धन सूरि कृत टीका सहित । सं० डा० जितेन्द्र सुं० जेतली	४—००
५५३ सिद्धान्तलक्षण-गूढार्थ-तत्त्वालोकः । वच्चा झा कृत	३—००

बौद्धन्याय-ग्रन्थाः

*५५४ आत्मतत्त्वविवेकः । (बौद्धन्यायखण्डनम्) श्रीमदुदयनाचार्य- विरचितः । श्रीरामतर्कालङ्कारभट्टाचार्यकृतटिप्पण्या, तार्किक- शिरोमणिश्रीरघुनाथकृतदीधितिरितिप्रसिद्धया विवृत्या, श्रीशङ्कर- मिश्रविरचितात्मतत्त्वविवेककल्पलतया च विभूषितः १-६ खण्डः १८-००	
*५५५ आत्मतत्त्वविवेकः । उदयनाचार्यविरचितः । श्री नारायणाचार्य निर्मितात्मतत्त्वव्याख्या (नारायणी) सहित	१५—००
*५५६ न्यायबिन्दुः । बौद्धाचार्य श्रीधर्मकीर्ति प्रणीत । संस्कृत-टीका हिन्दी अनुवाद सहित	५—००
५५७ न्यायबिन्दुटीका । (धर्मोत्तर प्रदीप)	२—००
५५८ न्यायबिन्दुसूची । संस्कृत-तिब्बती । सतीशचन्द्र विद्याभूषण संकलित	२—००
५५९ रत्नकीर्तिनिबन्धावली ।	४—००
५६० हेतुतत्त्वोपदेशः । जितारिविरचित	१—८७
५६१ हेतुबिन्दुटीका । श्री मदचर्चविरचित । दुर्वेक मिश्र कृत आलोकटीका सहित	२०—००

मीमांसा-ग्रन्थाः

*५६२ अधिकरणकौमुदी । श्री देवनाथठक्कुर कृत	२—००
५६३ अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्तिः । वासुदेव दीक्षित विरचित	१०—००
५६४ अर्थसंग्रहः । मीमांसार्थकौमुदी व्याख्या सहित	२—००
*५६५ अर्थसंग्रहः । दीपिका हिन्दी व्याख्या भूमिकादि सहित	१—२५

- ०५६६ EPISTEMOLOGY OF THE BHATTA SCHOOL OF
PURVA MIMANSA: By Dr. G.P. Bhatt. M. A., Ph. D.
(Chow. Sans. Studies Vol. XVII) 20—00
- ५६७ कर्ममीमांसादर्शनम् । संस्कृत भाष्य एवं सूत्रार्थ सहित २—२५
- ५६८ कर्ममीमांसादर्शनम् । भरद्वाज विरचित । हिन्दी टीका सहित १-३ भाग ९—२५
- ५६९ कर्ममीमांसादर्शनम् । (क्रियापादमोक्षपादौ) संस्कृत भाष्य सहित ३—००
- ५७० कल्पकलिका । (शाबरभाष्यव्याख्या तर्कपादान्त) म० म० हरिहरकृपालु
द्विवेदी कृत ४—००
- ५७१ गुरुसम्मत्तपदार्थाः । कौमारिलमतोपन्यास । नारायण प्रणीत ०—८५
- *५७२ जैमिनीयन्यायमाला । श्रीमन्माधवाचार्यविरचिता, तद्विरचितेन
विस्तरेण विभूषिता । तृतीयाध्यायान्त ५—००
- ५७३ जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः । प्रथम-द्वितीयाध्यायात्मकः । सुखमय
भट्टाचार्य कृत संस्कृत टिप्पणी बंगानुवाद सहित । बंगाक्षर ५—५०
- ५७४ जैमिनीयसूत्रार्थसंग्रहः । ऋषिपुत्र परमेश्वर विरचित । प्रथम भाग ७—७५
- ५७५ तन्त्ररत्नम् । पार्थसारथिमिश्र कृत । तृतीय भाग मात्र ५—५०
- ५७६ तन्त्ररहस्य । रामानुजाचार्य विरचित १०—००
- ५७७ तन्त्रसिद्धान्तरत्नावली । म० म० चिन्नस्वामी शास्त्रिकृत ४—००
- ५७८ तौतातितमततिलकम् । भवदेव विरचित । १-३ भाग ६—१२
- ५७९ नीतितत्त्वाविर्भावः । चिदानन्द पण्डित प्रणीत ४—५०
- ५८० न्यायविन्दुः । मीमांसा । भट्ट वैथनाथकृत । सटिप्पण २—२५
- *५८१ न्यायरत्नमाला । श्रीमत्पार्थसारथिमिश्र विनिर्मित समाप्त
- ५८२ न्यायरत्नाकरः । सम्पादक—म० म० श्री उमेश मिश्रः । जैमिनीय
मीमांसा सूत्र (अध्याय ११) पर म० म० चन्द्रविरचित संस्कृत व्याख्या ७—००
- *५८३ न्यायसुधा । तन्त्रवार्तिक व्याख्या । श्रीमद्भट्टसोमेश्वर कृत ४०—००
- *५८४ पूर्वमीमांसाधिकरणकौमुदी । रामकृष्णभट्टाचार्य विरचित ३—००
- ५८५ पूर्वमीमांसाप्रवेशिका । जयदत्त शास्त्री (गुजराती) ३—००
- *५८६ प्रकरणपञ्चिका । महामहोपाध्याय श्री शालिकनाथ मिश्र विरचित
तथा मीमांसासारसंग्रहः । श्री शङ्करभट्टकृत दुष्प्राप्य
- ५८७ प्रकरणपञ्चिका । शालिकनाथ मिश्र विरचित । जयपुरी नारायण भट्ट
कृत न्यायसिद्धि व्याख्या सहित । ९० सुब्रह्मण्य शास्त्री संपादित २५—००
- ५८८ प्रभाकरविजयः । (प्रभाकरमत) नन्दीश्वर कृत २—५०
- *५८९ बृहती । प्रभाकरमिश्र विरचित (शाबरभाष्य व्याख्या), म० म०
शालिकनाथ मिश्र कृत 'ऋजु विमला' व्याख्याद्वययुत ६—००
- ५९० बृहती । प्रभाकर मिश्र विरचित । ऋजु विमला व्याख्या सहित ।
२-३ भाग । मद्रास २४—००
- *५९१ भाट्टचिन्तामणिः । म० म० श्री गागामह विरचित ६—००
- ५९२ भाट्टदीपिका । खण्डदेव कृत । प्रभावली सहिता । निवितान्त भाग ८—००
- ५९३ भाट्टदीपिका । खण्डदेव कृत । शम्भुभट्टकृत प्रभावली व्याख्या सहित ।
अध्याय ३ के चतुर्थपाद से १२ अध्याय समाप्ति पर्यन्त । भाग १-४ ६४—००

- *५९४ भाट्टभाषाप्रकाशः । श्रीनारायणतीर्थमुनि विरचित ०—६५
 ५९५ मानमेयोदयः । नारायण कृत । आंग्लानुवाद समेत ४—००
 ५९६ मीमांसाकोषः । केलवानन्द सरस्वती संपादित । १-७ भाग २५०—००
 *५९७ मीमांसाकौस्तुभः । (मीमांसासूत्रोपरि काचन विस्तृतटीका)
 श्रीखण्डदेव विरचित ३६—००
 ५९८ मीमांसादर्शन । (मीमांसाशास्त्र का इतिहास-हिन्दी) मंडन मिश्र शास्त्री ५—००
 ५९९ मीमांसादर्शन-सूत्रपाठः । जैमिनिप्रणीतम् । थडनी संपादित २—५०
 ६०० मीमांसादर्शनम् । तन्त्रवार्त्तिक व्याख्या संवलित शावरभाष्य समेतम् ।
 (प्रथमाध्यायस्य प्रथमः तर्कपादः, चतुर्थाध्यायारभ्य समाप्तिपर्यन्तम्) २०—७५
 ६०१ मीमांसादर्शनम् । भाषा टीका सहित । १-३ अध्याय ५—००
 ६०२ मीमांसादर्शनम् । हिन्दी टीका सहित ६—००
 ६०३ मीमांसादर्शन । श्री रामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ५—००
 *६०४ मीमांसानुक्रमणिका । श्रीमण्डनमिश्रकृता । महामहोपाध्याय
 गङ्गानाथ झा रचित 'मीमांसामण्डनेन' मण्डिता १५—००
 *६०५ मीमांसान्यायप्रकाशः । मूलमात्र ०—५०
 *६०६ मीमांसान्यायप्रकाशः । म० म० पण्डित चिन्नस्वामिशालिविरचित
 सारविवेचिनीव्याख्या सहित सुपरिष्कृत परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण ६—००
 *६०७ मीमांसान्यायप्रकाशः । श्री अनन्तदेव विरचित भाट्टालङ्कार
 व्याख्या सहित ७—५०
 *६०८ मीमांसापरिभाषा । म. म. पं. श्रीनित्यानन्द पन्त कृत टिप्पणी
 तथा हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
 ६०९ मीमांसा परिभाषा । हिन्दी टीका सहित १—००
 ६१० मीमांसापाहुका । ०—६२
 *६११ मीमांसाबालप्रकाशः । श्रीमद्विश्वरूप विरचित ६—००
 ६१२ मीमांसाऽभ्युदयः । श्री शैलताताचार्य शिरोमणि कृत १—२५
 ६१३ मीमांसाशास्त्रसारम् । १—५०
 *६१४ मीमांसाश्लोकवार्त्तिकम् । न्यायरत्नाकर व्याख्या सहित १-३ खण्ड ६—००
 ६१५ मीमांसाश्लोकवार्त्तिकम् । सुचरितमिश्र कृत काशिकाव्याख्या सहित तृतीय भाग ३-२५
 ६१६ यज्ञतत्त्वप्रकाशः । म० म० पं० श्री चिन्नस्वामि शास्त्रि प्रणीत ४—००
 ६१७ वाक्यार्थरत्नम् । अहोबलसूरि विरचित । सुवर्णमुद्रिका व्याख्या सहित १—२५
 *६१८ विधिरसायनम् । श्रीमदप्पयदीक्षित विरचित ६—००
 ६१९ विधिरसायनदूषणम् । श्रीशङ्करभट्ट प्रणीत १—५०
 ६२० विभ्रमविवेकः । मण्डनमिश्र विरचित १—००
 *६२१ वेदप्रकाशः । श्री सत्यज्ञानानन्दतीर्थ विरचित ३—००
 *६२२ शास्त्रदीपिका । श्री पार्थसारथिमिश्रप्रणीत । पण्डितप्रवर श्रीरामकृष्ण
 विरचित 'शुक्तिस्नेहप्रपूर्णी' व्याख्या सहित । तर्कपाद समाप्त
 ६२३ सेश्वरमीमांसा । २—५०

सांख्य-ग्रन्थाः

- ६२४ तत्त्वसमाससूत्रम् । भावागणेश कृत । तत्त्वयाथार्थ्यदीपन टीका सहित १—००
- ६२५ युक्तिदीपिका (सांख्यकारिका विवृतिः) अज्ञात कर्तृक ।
सं० रामचन्द्र पाण्डेय २५—००
- *६२६ SANKHYA APHORISMS OF KAPILA. With Illustrative Extracts from the Commentaries. Translated by J. R. Ballantyne. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXIV) 20-00
- *६२७ सांख्यकारिका । माठराचार्य विरचित वृत्ति सहित यन्त्रस्थ
- *६२८ सांख्यकारिका । श्री नारायणतीर्थ कृत चन्द्रिका टीका, पं० ढुण्डिराज शास्त्री कृत टिप्पणी, हिन्दी भाषानुवाद सहित । तृ० संस्करण १—००
- *६२९ सांख्यकारिका । श्री गौडपाद कृत भाष्य, पं० ढुण्डिराज शास्त्री विरचित टिप्पणी हिन्दी भाषानुवाद सहित । तृ० संस्करण १—२५
- ६३० सांख्यकारिका-सांख्यतत्त्वकौमुदी । ज्योतिष्मती व्याख्या-हिन्दी अनुवाद सहित ८—००
- *६३१ सांख्यतत्त्वकौमुदी । न्यायाचार्य श्रीहरिरामशुक्ल विरचित सुषमाख्य कौमुदी व्याख्या समलंकृत समाप्त
- *६३२ सांख्यतत्त्वकौमुदी । षड्दर्शनकृद्वाचस्पतिमिश्र विरचित । पण्डित-राजवंशीधरमिश्र विरचित 'तत्त्वविभाकर' टीकासहित समाप्त
- ६३३ सांख्यतत्त्वकौमुदी । स्वामीबालरामोदासीन व्याख्या सहित ४—००
- ६३४ सांख्यतत्त्वकौमुदी । सारबोधिनी व्याख्या युक्त ७—००
- ६३५ सांख्यतत्त्वकौमुदी । आद्याप्रसाद मिश्र कृत प्रभा हिन्दी व्याख्या सहित ७—५०
- ६३६ सांख्यतत्त्वकौमुदी । हिन्दी टीका सहित ३—००
- ६३७ सांख्यतत्त्वचिन्ता । व्यास लक्ष्मीनारायण रेवाशंकर कृत (गुजराती) ०—५०
- ६३८ सांख्यदर्शन । श्री रामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
- ६३९ सांख्यदर्शन । स्वामी ब्रह्ममुनि कृत भाषा भाष्य सहित ३—००
- ६४० सांख्यदर्शन । भूपेन्द्रनाथ भट्टाचार्य कृत (बंगाक्षर) १५—००
- ६४१ सांख्यदर्शन का इतिहास । लेखक-उदयवीर शास्त्री (हिन्दी) ३०—००
- ६४२ सांख्यदर्शन की ऐतिहासिक परम्परा । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र १५—००
- ६४३ सांख्यदर्शनम् । दर्शनानन्दकृत हिन्दी व्याख्या सहितम् २—००
- ६४४ सांख्यदर्शनम् । उदयवीर शास्त्री कृत विद्योदय भाष्य सहित ८—००
- *६४५ सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार । (सांख्य योगदर्शन का पाण्डित्यपूर्ण सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन) ले०-श्री हरिशङ्कर जोशी १५—००
- *६४६ सांख्यसंग्रहः । (विमानन्द [जेमेन्द्र] विरचित सांख्यतत्त्व-विवेचन, वैकुण्ठयतिशिष्य कविराजयति विरचित सांख्यतत्त्व-प्रदीप आदि ९ ग्रन्थों का संग्रह) यन्त्रस्थ
- ६४७ सांख्यसार । विज्ञानमिश्र विरचित १—००
- ६४८ सांख्यसिद्धान्त । (हिन्दी) उदयवीर शास्त्री १६—००

६४९ सांख्यसूत्रम् । भिक्षुविज्ञान कृत सांख्यप्रवचन भाष्य-तत्त्वसमाससूत्र- सांख्यसार सहित	१०—००
६५० सांख्यसूत्रम् । अनिरुद्ध वृत्ति सहित	२—००

योग-ग्रन्थाः

६५१ गोरक्षपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	१—२०
६५२ वेरण्डसंहिता । भाषानुवाद-सरल व्याख्या सहित	२—००
६५३ वेरण्डसंहिता । हिन्दी टीका सहित	१—२०
६५४ ध्यानयोगप्रकाश । लक्ष्मणानन्द स्वामी कृत । हिन्दी टीका सहित	३—२५
६५५ पातञ्जलयोगदर्शनम् । पदचन्द्रिका व्याख्या युक्त	०—५०
६५६ पातञ्जलयोगदर्शनम् । अनन्तपण्डित प्रणीत व्याख्या युक्त	०—५०
६५७ पातञ्जलयोगदर्शनम् । भोजवृत्ति सहित	२—००
६५८ पातञ्जलयोगदर्शनम् । व्यासभाष्य तथा स्वामी ब्रह्मलीन मुनि विरचित हिन्दी विवृति	१०—००
*६५९ पातञ्जलयोगदर्शनम् । व्यासभाष्य-भोजवृत्तिसहितम् । श्री कीर्त्यानन्द ज्ञान्यावेदान्तार्चकृत व्यासभाष्य की 'सुबोधिनी' तथा भोजवृत्ति की सविमर्श शब्दार्थ-भावार्थ हिन्दी व्याख्या एवं सारगर्भित विस्तृत भूमिकादि सहित ।	यन्त्रस्थ
६६० पातञ्जलयोगदर्शन । व्यासभाष्य-भोजवृत्ति-हिन्दी टीका सहित	७—००
६६१ पातञ्जलयोगदर्शनम् । तत्त्ववैशारदी संवलित-व्यास भाष्य समेत	१०—००
६६२ पातञ्जलयोगदर्शनम् । चन्द्रशेखर शुक्ल कृत बुद्धिबोधिनी हिन्दी टीका सहित	४—००
६६३ पातञ्जल योगदर्शन । स्वामी विष्णु तीर्थ कृत हिन्दी टीका सहित	१—५०
६६४ पातञ्जलयोगदर्शनविवेक । स्वामी विवेकानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित	१—३७
६६५ पातञ्जलयोगसूत्रभाष्यविवरणम् । शङ्करभगवत्पाद प्रणीत	१२—७५
६६६ पूर्णताप्रत्यभिज्ञा । सर्वतन्त्रस्वतन्त्र योगिराज श्री रामेश्वर ज्ञा । म० म० श्रीगोपीनाथ कविराज द्वारा प्रशंसित । अद्वितीय ग्रंथ	५—००
६६७ बिन्दुयोगः । हिन्दी टीका सहित	०—७२
६६८ ब्रह्मविद्या । स्वामी कृष्णानन्द । भाषा	६—००
६६९ भारतीय साधनार धारा । म० म० डा० गोपीनाथ कविराज	१०—००
६७० मन्त्रयोग संहिता । हिन्दी टीका सहित	१—००
६७१ योगतत्त्वम् । हिन्दी टीका सहित	२—००
*६७२ योगदर्शनम् । नारायणतीर्थकृत 'योगचन्द्रिका' विस्तृत व्याख्या तथा तत्कृत संक्षिप्त-सूत्रार्थबोधिनी सहित	समाप्त
६७३ योगदर्शन । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	४—००
६७४ योगदर्शन । व्यासभाष्य-हिन्दीभाष्य-भावार्थ सहित	६—००
६७५ योगदर्शन । डॉ० सम्पूर्णानन्द । हिन्दी	६—००
६७६ योगदर्शनम् । हिन्दी टीका सहित	०—९०, १—२५, ३—००

६७७ योगदर्शन-समीक्षा । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका सहित	०—७५
६७८ योगसन्ध्या । हिन्दी टीका सहित	२—४०
*६७९ योगसारसंग्रहः । श्री विज्ञानमिश्र विरचित	०—५०
६८० योगसारसंग्रहः । हिन्दी टीका सहित	२—००
*६८१ योग(सूत्रपाठः)दर्शनम् । श्री पतञ्जलि मुनि विरचित	०—१०
*६८२ योगसूत्रम् । योगसूत्रप्रदीपिका व्याख्या सहित सटिप्पण	१—००
६८३ वैज्ञानिकप्राणकल्पः । हिन्दी टीका सहित	१—००
*६८४ वैदिक योगसूत्र । श्री हरिशंकर जोशी ।	

प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद्-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त उस प्राचीन योगदर्शन का चूडान्त विवेचन किया गया है सोमयोग, अश्रियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं । अकाट्य तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकर-ग्रन्थों के वचन भी प्रमाणत्वेन उपन्यस्त हैं ।

२०—००

६८५ शिवसंहिता । हिन्दी टीका सहित

३—००

६८६ शिवस्वरोदयः । हिन्दी टीका सहित

१—२०

*६८७ सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार । (सांख्यदर्शन का पाण्डित्यपूर्ण सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन) आचार्य

हरिशङ्कर जोशी

१५—००

*६८८ साङ्गयोगदर्शनम् अर्थात् पातञ्जलदर्शनम् । व्यासभाष्य-वाचस्पति

टीका (तत्त्ववैशारदीय) पातञ्जलरहस्य-योगवार्त्तिक-भास्वतीवृत्ति

दुष्प्राप्य

६८९ हठयोगप्रदीपिका । स्वात्माराम योगीन्द्र विरचित । ब्रह्मानन्द प्रणीत

ज्योत्स्ना व्याख्या समलंकृत

३—००

६९० हठयोगप्रदीपिका । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित

३—६०

योग-ग्रन्थ भाषा

६९१ अध्यात्मदर्पण । सन्तचतुर्जुज सहाय

१—५०

६९२ अध्यात्मदर्शन । स्वामी कृष्णानन्द

४—००

६९३ अभ्यासयोग । भूपेन्द्रनाथ सान्याल

२—२५

६९४ अभ्यासियों के कर्तव्य ।

०—२५

६९५ आत्मपथ । स्वामी कृष्णानन्द

२—००

६९६ आत्मानुसन्धान और आत्मानुभूति । भूपेन्द्रनाथ सान्याल

१—५०

६९७ आश्रमचतुष्टय । भूपेन्द्रनाथ सान्याल

१—२५

६९८ उमेशयोगदर्शन । उमेशचन्द्र । प्रथम खण्ड

१५—००

६९९ कर्म और योग । स्वामी कृष्णानन्द

२—५०

७०० कर्मयोग । स्वामी विवेकानन्द

१—७५

७०१ कालपुरुषदर्शन ।

०—१३

७०२ गुरुवाणी अथवा शतोपदेश । पुरुषोत्तम तीर्थ स्वामी

१—५०

७०३ जपसाधना । पुरुषोत्तमतीर्थ स्वामी

१—५०

७०४ ज्ञानयोग । स्वामी विवेकानन्द

३—६०

७०५ दर्शन और उसके दो उपाय । सन्तचतुर्जुज सहाय

०—३१

७०६ दिनचर्या । भूपेन्द्रनाथ सान्याल	२—७५
७०७ दीक्षा और गुरुतत्त्व । भूपेन्द्रनाथ सान्याल	०—७५
७०८ ध्यान अभ्यास और परिणाम । डारार्कोड । अनु०—रामचन्द्र शुक्ल	०—५०
७०९ ध्यानमाला । एनीवेसेंट	१—५०
७१० ध्यानयोग । मिश्रीलाल	०—५०
७११ पातञ्जलयोग मूलसूत्र भावानुवाद । योगि शङ्करनाथ	०—५०
७१२ पार होने की कुंजी । १-२ भाग	०—६२
७१३ प्रेमयोग । स्वामी विवेकानन्द	२—००
७१४ बहिरङ्गयोग । यम-नियम-आसन-प्राणायाम-प्रत्याहार-सम्बन्धी पुरातन व पूर्ण विज्ञान । स्वामी व्यासदेव	१०—००
७१५ विष्वदल । भूपेन्द्रनाथ सान्याल । १-२ भाग	६—००
७१६ भक्तियोग । स्वामी विवेकानन्द	२—००
७१७ भक्तियोग । अश्विनीकुमारदत्त	३—२५
७१८ भक्तियोगरहस्य । स्वामी रामतीर्थ	२—००
७१९ भक्तिसागरादि सत्रह ग्रन्थ । स्वामी चरणदास	७—२०
७२० भावनायोग । अनुवादक—पण्डित वैजनाथ	१—१२
७२१ मन की शक्तियाँ तथा जीवन गठन की साधनाएँ ।	०—५०
७२२ मनोविज्ञान तथा शिवसंस्कल्प । स्वामी आत्मानन्द	३—५०
७२३ मुद्राएँ एवं उपचार । भद्रशील शर्मा	२—००
७२४ मेरे गुरुदेव ।	०—२०
७२५ मोक्ष साधन या योगाभ्यास । भूपेन्द्रनाथ सान्याल	०—५०
७२६ योग की सरलता	०—२५
७२७ योग के चमत्कार । रामनाथ 'सुमन'	२—००
७२८ योग फिलासफी और नवीन साधना । सन्तचतुर्भुज सहाय	१—७५
७२९ योगबीज । गोरक्षनाथ	१—००
७३० योगवाणी या सिद्धयोगोपदेश । बंगला से अनूदित	४—००
७३१ योगवासिष्ठ और उसके सिद्धान्त । भीखनलाल आत्रेय	१०—००
७३२ योगसिद्धि आणि ईश्वर साक्षात्कार । डा० विष्णु महादेव भट	१०—००
७३३ योगी गुरु या योग साधनपद्धति । स्वामी निगमानन्द	३—७५
७३४ राजयोग । स्वामी विवेकानन्द	३—४०
७३५ राजयोग । राजाराम सखाराम भागवत	२—५०
७३६ लारेंसगीता अर्थात् भगवत्साम्निध्यसाधन	०—५०
७३७ वेद का स्वाध्याय । राजाराम । १-२ भाग	१—५०
७३८ वैदिक योगपरिचय । स्वामी विष्णुतीर्थ	३—५०
७३९ व्यावहारिक धर्म ।	०—३७
७४० शक्तिपात (कुण्डलिनी महायोग) स्वामी विष्णुतीर्थ	१—५०
७४१ शिव और रुद्र । सन्तचतुर्भुज सहाय	०—३७
७४२ सन्त और सूफियों में गुरु प्रतिष्ठा । सन्तचतुर्भुज सहाय	०—३१
७४३ सरलराजयोग । स्वामी विवेकानन्द	०—६०
७४४ साधकों का मार्ग ।	०—५०
७४५ साधनचन्द्रिका । स्वामी दयानन्द	१—७५

७४६ साधनपथ । शिवोम् प्रकाश	१—००
७४७ साधनसंकेतः । स्वामी विष्णुतीर्थ	०—५०
७४८ साधन सोपान ।	०—२५
७४९ साधना । रवीन्द्रनाथठाकुर	२—००
७५० साधना के अनुभव । सन्तचतुर्भुज सहाय । १-७ भाग	१३—२५
७५१ हमारा जीवन । ब्रह्मदत्त त्रिपाठी	०—७५
७५२ हमारा सिद्धान्त ।	०—३७
७५३ हिमालय का योगी । स्वामी योगेश्वरानन्द	८—००

वैशेषिक-ग्रन्थाः

- ७५४ कणादगौतमीयम् 'पदार्थानुशासनम्' । आचार्य विद्वनाथ शास्त्री ।
हिन्दी टीका सहित ५—०० मूलमात्र १—५०
- ७५५ किरणावलीप्रकाश-गुण । वर्द्धमान प्रणीत । १-२ भाग ३—००
- ७५६ किरणावलीप्रकाश-दीधितिः । रघुनाथ शिरोमणि प्रणीत १—८५
- ७५७ न्यायसिद्धान्ततत्त्वामृतम् । श्रीनिवास कृत २—५०
- ७५८ पदार्थरत्नमञ्जूषा । कृष्णमिश्र विरचित । मुनि जिन विजय संपादित ३—७५
- ७५९ प्रशस्तपादभाष्यम् (पदार्थधर्म संग्रहरूपम्) श्रीधर भट्ट प्रणीत
व्याख्या समेत-दुर्गाधर झा अनुवादित हिन्दी टीका सहित २५—००
- *७६० प्रशस्तपादभाष्यटीकासंग्रहः । कणादरहस्यं शङ्करमिश्रकृतं-
प्रशस्तपादभाष्यसमालोचनं, कैलाशचन्द्रशिरोमणिकृता
तर्कालङ्कारभाष्यपरीक्षा च ६—००
- ७६१ लक्षणावली । उदयनाचार्यकृत । भट्टकेशवकृत प्रकाश व्याख्या सहित २—७५
- *७६२ वैशेषिकदर्शन । सूत्रोपस्कार तथा हिन्दी अनुवाद सहित ।
व्याख्याकारः पण्डितराज श्रीदुण्डिराजशास्त्री ।
परम प्रामाणिक एवं प्राचीन संस्कृत टीका के साथ वैशेषिक दर्शन के प्रतिपद
के हिन्दी अनुवाद सहित यह सर्वप्रथम छात्रोपयोगी संस्करण है । यन्त्रस्थ
- *७६३ हिन्दी वैशेषिकदर्शन । (प्रशस्तपादभाष्य सहित) व्याख्याकार,
पण्डितराज श्री दुण्डिराज शास्त्री
इस संस्करण में मूलग्रन्थ तथा भाष्य के प्रतिपद का विभागशः अतिसरल
अनुवाद तथा विशद हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है । हिन्दी जगत् में
इस व्याख्या का यह सर्वथा प्रथम अवतार है । छात्रों तथा अध्यापकों को
अवश्य ही इससे यथेष्ट लाभ होगा । १५—००
- ७६४ वैशेषिकदर्शनम् । प्रशस्तपादभाष्यम् । सूक्ति व्याख्या-कालीपद तर्काचार्य
कृत सूक्तिदीपिका व्याख्या-बंगला भाष्य सहित । द्रव्यप्रकरण ४—२५
- *७६५ वैशेषिक दर्शन : एक अध्ययन । प्रो० नारायण मिश्र ।
इस ग्रन्थ में वैशेषिक दर्शन के सभी पदार्थों का, प्राचीन आकर ग्रन्थों
के आधार पर, सरल भाषामें स्पष्ट प्रतिपादन किया गया है । न्याय
वैशेषिक दर्शन के मर्म को समझने के लिए यह ग्रन्थ अत्यन्त
उपादेय है । ३—००

- *७६६ वैशेषिकदर्शन-प्रशस्तपादभाष्यम् । जगदीशतर्कालङ्कारविरचितया
 'सूक्तिटीकया' पद्मनाभमिश्रकृतया 'सितुव्याख्याया' विद्वच्चूडामणि-
 व्योमशिवाचार्यनिर्मितया 'व्योमवत्या' च समन्वितम् समाप्त
 ७६७ वैशेषिकदर्शनम् । अविशत कर्तृकप्राचीन व्याख्या समलंकृतम् । ६—५०
 ७६८ वैशेषिकदर्शनम् । किरणावलीव्याख्या सहित । चतुर्थ खण्ड मात्र २०—००
 ७६९ वैशेषिकदर्शनम् । उदयनाचार्यप्रणीत किरणावली टीका सहित २-५ खण्ड १२—००
 ७७० वैशेषिकदर्शनम् । वैशेषिक रसायन सहित ७—००
 ७७१ वैशेषिकदर्शन । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
 ७७२ वैशेषिकदर्शनम् । दर्शनानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
 ७७३ VAISESHIKA PHILOSOPHY : According to the
 Dasapadārtha Sastra : Chinese Text with Introduction,
 Translation and Notes by H. UI. Professor in the
 Sotoshu College Tokyo. Edited by F. W. Thomas.
 (Chow. Sans. Studies Vol. XXII.) 16—00
 ७७४ वैशेषिकसूत्र । मुनि जन्वू विजयजी सम्पादित २५—००

दर्शन-संग्रहः

- ७७५ अद्वैतदर्शन अर्थात् एकसत्तावाद । स्वामी गोविन्दानन्द सरस्वती २-५०
 *७७६ ABHINAVAGUPTA. An Historical and Philosophical
 Study by Dr. Kanti Chandra Pandeya (Chow. Sans.
 Studies. Vol. I) Revised Edition. 45—00
 ७७७ अमरीकी दर्शन और दार्शनिक । जोसेफ एलब्लो । अनुवादक-
 राधेदयाम शर्मा १०—००
 ७७८ आधुनिक दर्शन को भूमिका । संगमलाल पाण्डेय ७—५०
 *७७९ INDIAN AESTHETICS by Dr. Kanti Chandra Pandeya
 M. A., Ph. D., M. O. L. Shastri. (Chow. Sans.
 Studies. Vol. II.) Revised Edition. 30—00
 *७८० A FUNCTIONAL ANALYSIS OF INDIAN THOUGHT
 AND ITS SOCIAL MARGINS by Swami A. Bharati,
 (Chow. Sans. Studies Vol. XXXVII) 15—00
 *७८१ काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी । श्री भैरवलाल जोशी यन्त्ररूप
 *७८२ चार्वाकदर्शन की शास्त्रीय समीक्षा । डॉ० सर्वानन्द पाठक
 चार्वाकदर्शन पर यह सर्वप्रथम अनुसंधानात्मक ग्रन्थ है जो प्रत्येक विश्ववि-
 द्यालय के एम० ए० परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक है । १२—५०
 ७८३ दर्शन अनुचिन्तन । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ३—००
 ७८४ दर्शन का प्रयोजन । डा० भगवानदास ३—५०
 ७८५ दर्शन की कहानी । विलहूरेन्ट । अनुवादक कैलाशनारायण चौधरी १०—००
 ७८६ दर्शन के उपयोग । इरविन एडमन । संपादक चार्ल्स फ्रैक्ल ४—५०
 ७८७ दर्शन दिग्दर्शन । राहुल सांकृत्यायन १५—००
 ७८८ दर्शन संग्रह । डा० दीवानचन्द ४—५०

७८९ दर्शन सर्वस्व ।	२-५०
७९० दर्शनोदयः । (सकलदर्शनमूलसारसंग्रहरूपः)	१०-००
७९१ धर्म और दर्शन । बलदेव उपाध्याय	४-००
७९२ पश्चिमी दर्शन । डा० दीवानचन्द	४-००
७९३ पश्चिमीदर्शन । जे० एन० सिन्हा	५-५०
७९४ पाश्चात्यदर्शन । चन्द्रधर शर्मा	६-००
७९५ पाश्चात्य दर्शनों का इतिहास । गुलाब राय	४-००
७९६ पूर्वी और पश्चिमी दर्शन । डा० देवराज	३-५०
७९७ भारतीयदर्शन । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । पूर्वार्द्ध	२५-००
७९८ भारतीयदर्शन । डा० उमेश मिश्र (हिन्दी)	८-००
७९९ भारतीय दर्शन । डॉ० यदुनाथ सिन्हा	८-५०
८०० भारतीयदर्शन । वानस्पति गैरोला (हिन्दी)	११-००
८०१ भारतीयदर्शन । बलदेव उपाध्याय (हिन्दी)	१६-००
८०२ भारतीय दर्शन । दत्त-चटर्जी । हिन्दी संस्करण	१०-००
८०३ भारतीयदर्शन (प्रश्नोत्तर रूप में) वद्रीनाथ सिंह	३-५०
८०४ भारतीय दर्शन का परिचय । रामानन्द तिवारी	३-५०
८०५ भारतीय दर्शन की कहानी । संगमलाल पाण्डेय	५-००
८०६ भारतीय दर्शन की भूमिका । रामानन्द तिवारी	७-००
८०७ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । डॉ० वात्स्यायन	६-५०
८०८ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । हरेन्द्रप्रसाद सिन्हा	५-२५
८०९ भारतीयदर्शन की रूपरेखा । उमेश मिश्र	२-००
८१० भारतीय दर्शन की रूपरेखा । एम० हिरियन्ना । अनु०—डॉ० गोवर्धन भट्ट-श्रामती मंजु गुप्त-सुखवीर चौधरी	१२-००
८११ भारतीय दर्शन परिचय । १-२ खंड-न्याय-वैशेषिकदर्शन । हरिमोहन शा	१५-००
८१२ भारतीय दर्शनशास्त्र । (न्याय-वैशेषिक) धर्मेन्द्र शास्त्री	३-००
८१३ भारतीयदर्शनशास्त्र का इतिहास । देवराज तथा रामानन्द तिवारी	६-५०
८१४ भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास । डॉ० हरिदत्त शास्त्री	१०-००
८१५ भारतीय दर्शन : सरल परिचय । डा० देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय	६-००
८१६ भारतीय दर्शन-सार । बलदेव उपाध्याय	५-५०
८१७ भारतीय विचारधारा । मधुकर	२-००
८१८ भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका । फतह सिंह	७-५०
८१९ मनोविज्ञान मीमांसा । विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि	८-००
८२० मानमेयरहस्यश्लोकवार्त्तिकम् । (सकलशास्त्रसारसंग्रहरूपम्)	१२-००
८२१ यूरोपीयदर्शन । रामावतार शर्मा	३-२५
८२२ राजनीति और दर्शन । विश्वनाथप्रसाद शर्मा	१४-००
८२३ विश्वधर्मदर्शन । सौवलिया विहारी लाल वर्मा	१३-५०
८२४ WESTERN AESTHETICS by Dr. Kanti Chandra Pandeya M. A., Ph. D., M. O. L. Shastri (Chow. Sanskrit Studies, Vol. IV.)	३०-००
८२५ वैदिकदर्शन । डा० फतहसिंह । हिन्दी	७-००
८२६ वैष्णवदर्शन । स्वामी सीताराम शरण	०-५०

वेदान्त-ग्रन्थाः

३५

- ८२७ वैष्णवदर्शन में जीववाद । बंगाक्षर ३—००
- ८२८ शाक्तदर्शनम् । हयग्रीव विरचित । काशीनाथ वासुदेव अभ्यङ्कर कृत संस्कृत व्याख्या सहित १०—००
- ८२९ षड्दर्शनरहस्य । रत्ननाथ पाठक ५—००
- *८३० षड्दर्शनसमुच्चयः । जैन श्रीहरिभद्रसूरिरचित । मणिभद्रकृत लघुवृत्तिसमाख्य व्याख्या सहित ३—००
- ८३१ समकालीन दार्शनिक चिन्तन । डॉ० हृदयनारायण मिश्र १५—००
- ८३२ समकालीन भारतीय दर्शन । के० सच्चिदानन्द मूर्ति १२—००
- ८३३ सर्वदर्शनसङ्ग्रहः । सायणाचार्यप्रणीत । मूलमात्र ६—००
- *८३४ सर्वदर्शनसंग्रहः । उमाशंकरशर्मा 'ऋषि' कृत हिन्दी व्याख्या सहित दर्शन ग्रन्थ पर इतनी सरल तथा विशुद्ध प्रामाणिक व्याख्या प्रथम बार ही छपी है । शास्त्रीय विषयों तथा पाण्डित्यपूर्ण विचारों से युक्त यह अपने विषय का विशिष्ट संस्करण है २५—००
- *८३५ SARVA-DARSANA SAMGRAHA or Review of the Different Systems of Hindu Philosophy by Madhava Acharya. Translated by E. B. Cowell, M. A., and A. E. Gough, M. A. (Chow. Sans. Studies Vol. X) 15—00
- ८३६ सांख्ययोगदर्शन । (दर्शन) म० म० उमेश मिश्र ४—००
- *८३७ सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार । (सांख्य योगदर्शन का पाण्डित्यपूर्ण सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन) ले०— श्री हरिशङ्कर जोशी । इस ग्रन्थ में दर्शनों के मूलस्रोत का विशद विवेचन, स्मृति, पुराण, धर्मशास्त्रादि साहित्य तथा वर्तमान दर्शनों में सांख्यदर्शन का प्रभाव, सृष्टिप्रवाह की पूर्ण झांकी तथा ज्ञानोत्पत्ति प्रकार आदि महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रामाणिक, तर्कपूर्ण एवं अश्रुतपूर्व विचार देखने को मिलेंगे १५—००
- ८३८ साधुदर्शन तथा सत्प्रसंग । म० म० डा० गोपीनाथकविराज । प्रथम भाग १०—००
- *८३९ THE SIX SYSTEMS OF INDIAN PHILOSOPHY : By F. MAX MULLER (Chow. Sans. Studies Vol. XVI) 15—00
- *८४० स्याद्वादमञ्जरी । श्रीमल्लिषेणनिर्मिता । श्रीमदार्हतधुरन्धर श्री सिद्धहेमचन्द्रनिर्मितवीतरागस्तुति व्याख्या समाप्त
- ८४१ स्याद्वादमञ्जरी । श्रीमल्लिषेण निर्मिता । हेमचन्द्रसूरि निर्मित अन्ययोग' व्यवच्छेद-द्वात्रिंशिकास्तवन टीका सहित । ९० वी० भुव सम्पादित ११—००

वेदान्त-ग्रन्थाः

- ८४२ अद्वैतचन्द्रिका । सुदर्शनाचार्य प्रणीत १—००
- ८४३ अद्वैततत्त्वसुधा । अनन्तकृष्ण शास्त्री कृत । दूसरा भाग, २ खिल्द में इस नवीन ग्रन्थ में प्राचीन विचार शैली के अनुसार अद्वैतसिद्धान्त का स्थापन तथा अन्यान्य विरुद्ध सिद्धान्तों का निरसन ऐसा सरल अथ च मार्मिक ढंग से किया गया है जो कि नव्य न्याय में प्रविष्ट नहीं होने से भी वेदान्त दर्शन की विचार-शैली तथा अज्ञान शास्त्र सिद्धान्त का ज्ञान प्राप्त हो जायगा । ३५—००

- ८४४ अद्वैतदीपिका । श्री नृसिंहाश्रम विरचित । सटीक २५—००
- ८४५ अद्वैतनवनीतम् । कृष्णावधूत पण्डित विरचित । के० टी० पाण्डुरंगी संपादित । १—००
- ८४६ अद्वैतपञ्चरत्नम् । शङ्कराचार्य प्रणीत । बालकृष्णानन्द सरस्वती विरचित किरणावली व्याख्या सहित ०—६०
- ८४७ अद्वैतमकरन्दः । लक्ष्मीधर रचित । स्वयंप्रकाशयतिकृत सं० हि० व्याख्या युक्त २—००
- ८४८ अद्वैतमकरन्दः । स्वयंप्रकाशयति व्याख्या सहित ०—५०
- ८४९ अद्वैतमार्तण्डः । अनन्तकृष्ण शास्त्री सम्पादित ६—००
- ८५० अद्वैतरत्नाकरः । अमरदास प्रणीत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—७२
- ८५१ अद्वैतरसमञ्जरी । सदाशिवब्रह्मेन्द्र कृत । लघुविवरण व्याख्यासहित ०—६०
- ८५२ अद्वैतविद्यातिलकम् । समरपुङ्गवदीक्षितप्रणीत । धर्मव्यदीक्षित विरचित व्याख्या सहित । प्रथम भाग १—२५
- ८५३ अद्वैतवेदान्तविन्दुः । म० म० अनन्तकृष्ण शास्त्री २—००
- ८५४ अद्वैत वेदान्ते प्रत्यक्ष प्रेमस्वरूप विचार । मिनातीकर । वंगाक्षर १०—००
- ८५५ अद्वैतसिद्धान्तवज्रयन्त्री । ज्यम्बकशास्त्री प्रणीत ०—७५
- ८५६ अद्वैतसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः । ०—७५
- ८५७ अद्वैतसिद्धिः । लघुचन्द्रिका-गौडब्रह्मानन्दी विट्टलेशीय व्याख्या सहित ३०—००
- ८५८ अद्वैतसिद्धिः । मधुसूदन सरस्वती कृत । ब्रह्मानन्द सरस्वती कृत गुरुचन्द्रिका व्याख्या सहित । तीसरा भाग मात्र २—८०
- *८५९ अद्वैतसिद्धिसिद्धान्तसारः । श्री सदानन्द व्यास प्रणीत । तत्कृत व्याख्या सहित ६—००
- ८६० अद्वैतामोदः । वासुदेवशास्त्री प्रणीत ३—००
- ८६१ अध्यात्मभागवतसङ्ग्रहः । हिन्दी टीका २—५०
- ८६२ अध्यात्मविद्योपदेशविधिः । शङ्कराचार्यप्रणीत ०—३७
- ८६३ अपरोक्षानुभूतिः । हिन्दी टीका सहित ०—२०
- ८६४ अपरोक्षानुभूतिः । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—९०
- *८६५ अमृत-मन्थन अथवा जीवन का दिव्य पक्ष । डॉ० मंगलदेव शास्त्री । सुबोध हिन्दी अनुवाद के साथ ४—५०
- ८६६ अवैदिकदर्शनसङ्ग्रहः । गङ्गाधर वाजपेययाजी प्रणीत ०—२५
- ८६७ आत्मबोधः । सान्वय हिन्दी टीका सहित ०—५०
- ८६८ आत्मबोधः । शंकराचार्यकृत । कृष्णानन्दयति विरचित प्रदीपिका व्याख्या-आंगलानुवाद सहित ४—५०
- ८६९ आत्मबोध-प्रकरणम् । शंकराचार्य कृत । मधुसूदन सरस्वती कृत व्याख्या सहित । दीनेशचन्द्र भट्टाचार्य शास्त्री संपादित ५—००
- ८७० आत्मविद्याविलासः । सदाशिवब्रह्मेन्द्र प्रणीत ०—२०
- ८७१ आभोगः । वाचस्पति मिश्र कृत भामती की टीका कल्पतरु की व्याख्या । लक्ष्मी नृसिंह विरचित २०—००
- ८७२ उपदेशसाहस्री । भगवत्पादाचार्य विरचित, सव्याख्या ३—००
- ८७३ उपदेशसाहस्री । हिन्दी अनुवाद सहित २—००
- ८७४ उपेन्द्रविज्ञानसूत्रम् । उपेन्द्रदत्त विरचित । सव्याख्या १—००
- *८७५ काथबोधः । साजनीकृतटीकोपेतः । दत्तात्रेय सम्प्रदायाऽनुगत १—५०

- ८७६ कायपरिशुद्धिः । अश्वक्कर वासुदेवशास्त्री प्रणीत २—०६
- ८७७ क्रियासारः (वीरशैव मतानुयायी) नीलकण्ठ शिवाचार्य विरचित १-३ भाग २०-७५
- *८७८ खण्डनखण्डखाद्यम् । आनन्दपूर्णरचितया खण्डन-फक्कि विभजनाख्यया विद्यासागरीटीकासमेतम् । यन्त्रस्थ
- *८७९ खण्डनखण्डखाद्यम् । चित्सुखाचार्यकृत खण्डनभावप्रकाशिका, शङ्करमिश्रकृत शाङ्करी, रघुनाथभट्टाचार्यप्रणीत खण्डनभूषामणि, प्रगल्भमिश्रविरचित खण्डनदर्पण, सूर्यनारायणशुक्लप्रणीत खण्डनरत्नमालिका व्याख्या पञ्चकोपेत । १-२ खण्ड ६—००
- *८८० हिन्दी खण्डनखण्डखाद्य । शङ्कर मिश्र की 'शाङ्करी' व्याख्या तथा तत्त्वबोधिनी हिन्दी व्याख्या सहित । हिन्दी व्याख्याकार-स्वामी हनुमान दास षट्शास्त्री । दार्शनिक जटिलता होते हुए भी व्याख्या स्पष्ट एवं सरल है । कोई पद अव्याख्यात नहीं रह पाया है । ग्रन्थ लगाने तथा आशय समझने के लिये भी इस व्याख्या का क्रम एवं प्रवाह प्रशंसनीय है । पाण्डित्यपूर्ण विचारों से ओतप्रोत समालोचनात्मक-भूमिकादिसहित सर्वोत्तम संस्करण । शीघ्र प्राप्त होगा
- ८८१ खण्डनखण्डखाद्य । हिन्दी टीका सहित ८—००
- *८८२ खण्डनपरिशिष्टम् । पण्डित श्री ताराचरणशर्मा विरचित ०—५०
- ८८३ चतुर्भुतसामरहस्यम् । पोलहम् मु० श्रीराम शास्त्रि प्रणीत १—२५
- ८८४ चित्सुखी । श्री चित्सुखाचार्यकृत नयनप्रसादिनी व्याख्या, सटिप्पण, भाषानुवाद सहित १२—००
- ८८५ जीवनज्योतिः । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री २—५०
- *८८६ जीवनदर्शन । डॉ० मुंशीराम शर्मा । जीवन क्या है ? वह कैसे विकसित होता है ? जीवनपथ में कैसे-कैसे मोड़ आते हैं ? आदि प्रश्नों का प्रामाणिक समाधान । ३—००
- *८८७ जीवनमुक्तिविवेकः । श्रीमद्विद्यारण्यकृत समाप्त
- ८८८ जीवनमुक्तिविवेक । मराठी टीका सहित ५—००
- ८८९ ज्ञानरत्नमाला । हिन्दी टीका सहित १—७५
- ८९० ज्ञानाङ्कुशम् । सविवरणम् । मनीषापञ्चकम् । तात्पर्यदीपिकासहितम् १—२५
- ८९१ तत्त्वकौस्तुभः । मट्टोजिदीक्षित विरचित । प्रथम भाग १—५०
- ८९२ तत्त्वदर्शनम् । ज्वालाप्रसाद प्रणीत मनोरमा व्याख्या सहित । प्रमाण प्रमेय स्वरूप प्रथम भाग ६—००
- *८९३ तत्त्वदीपनम् । श्रीअखण्डानन्दमुनिकृतम् (पञ्चपादिका विवरणस्य व्याख्यानम्) २४—००
- ८९४ तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या भावबोधः । रघूत्तमयति कृत १५—००
- ८९५ तत्त्वबोधः । हिन्दी टीका सहित ०—३२
- ८९६ त्रिदण्डमतविभेदिनी । श्रीशङ्कराश्रमस्वामिप्रणीत ३—००

- ८९७ त्रिपुरारहस्यम्-ज्ञानखण्डम् । 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित ।
व्याख्याकार-स्वामी सनातनदेवजी महाराज
महर्षि हारितायनप्रणीत प्रस्तुत ग्रन्थ भारतीय आगम-समुद्र का
अनोखा रत्न है । जीव-जगत्-शुद्धचित्ति, ध्यान-धारणासमाधि, अष्ट-
पाश आदि के विवरणपूर्वक जीवनमुक्ति प्राप्त करने के साधन आदि
काव्यापक, प्रामाणिक एवं युक्तियुक्त विवेचन इस ग्रन्थ का विषय
है । मूल के भावों का अधिकल बोध होना इस व्याख्या की सही
विशेषता है । १३-००
- ८९८ त्रिपुरारहस्यम् । (ज्ञानखण्डम्) श्री निवासबुध विरचित तात्पर्य दीपिका
व्याख्या सहित ९-००
- *८९९ TRIPURA-RAHASYA (Jnanakhanda) English Trans-
lation and a Comparative study of the Process of
Individuation by A. U. Vasavada (Chow. Sans. Studies Vol. L) 15-00
- *९०० त्रिपुरारहस्यम् (माहात्म्यखण्डम्) भूमिकाध्यायानुक्रमणिकाभ्यां च
सहितम् १२-००
- *९०१ THREE LECTURES ON THE VEDANTA PHILOSOPHY
by F. Max Muller. (Chow. Sans. Studies Vol. LVII) 7-50
- ९०२ दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, दक्षिणामूर्ति-उपनिषदादयः । ४-००
- ९०३ दहरविद्याप्रकाशिका । परमशिवेन्द्रसरस्वती विरचित ०-५०
- ९०४ दैवीमीमांसादर्शनम् । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ८-५०
- ९०५ नयमञ्जरी । (ब्रह्मसूत्रस्य व्याख्या) अप्पयदीक्षित कृत २-००
- ९०६ नैष्कर्म्यसिद्धिः । श्रीज्ञानोत्तममिश्रकृत चन्द्रिकाव्याख्या सहित,
काशी संस्करण । जीर्ण कागज १-४ खण्ड समाप्त
- ९०७ न्यायचन्द्रिका । आनन्दपूर्णमुनीन्द्र प्रणीत । स्वरूपानन्दमुनीन्द्र कृत न्याय-
प्रकाशिका व्याख्या सहित १८-७५
- *९०८ न्यायभास्करखण्डनम्-मध्वचन्द्रिकाखण्डनम् । म० म० श्री
रामसुब्रह्मण्यशास्त्रि विरचित ३-००
- *९०९ न्यायमकरन्दः । आनन्दबोधमश्वरकाचार्य संगृहीतः । आचार्य चित्सुख-
मुनिकृतव्याख्योपेतः तथा प्रमाणमाला न्यायदीपावली च ग्रन्थस्थ
- ९१० न्यायरत्नदीपावलिः । आनन्दानुभव पूज्यपाद विरचित । सटिप्पण २-५०
- ९११ न्यायरत्नदीपावलिः । आनन्दानुभव विरचिता । आनन्दज्ञान विरचित
वेदान्त विवेक व्याख्या समेता ११-२५
- ९१२ न्यायेन्दुशेखरः । हरिहर शास्त्री विरचित २-५०
- ९१३ पञ्चदशी । रामकृष्णव्याख्या सहित ६-५०
- ९१४ पञ्चदशी । पीताम्बरजी कृत हिन्दी टीका सहित ८-००
- ९१५ पञ्चदशी । मिहिरचन्द्र प्रणीत हिन्दी टीका सहित ७-२०
- ९१६ पञ्चपादिका । संस्कृतव्याख्याद्वयोपेत तथा पञ्चपादिकाविवरण ।
संस्कृतव्याख्या द्वयोपेत २८-७५

- ९१७ पञ्चप्रक्रिया । सर्वज्ञात्ममुनि विरचित । सव्याख्या ३—००
- ९१८ पञ्चरत्नकारिका । (उपदेशपंचक-शंकरभगवत्पादाचार्यस्य व्याख्या)
सदाशिव कृत ०—७५
- ९१९ पञ्चीकरणम् । पट्टीकोपेत ३—००
- ९२० पदार्थतत्त्वनिर्णयः । आनन्दानुभव पूज्यपाद विरचित । सटिप्पण २—००
- *९२१ परमतत्त्वमीमांसा (मतिप्रशिक्षशास्त्रम्) । ले०—विद्याभूषण
श्रीकृष्ण जोशी । पाश्चात्य तत्त्वज्ञानियों के मत में परमतत्त्व
का स्वरूप क्या है यह बतलाने के लिये विद्वान् लेखक
ने आरंभक्रम से पाश्चात्य दार्शनिकों का इतिहास प्रस्तुत
करते हुए उनकी प्रमुख विचार धाराएँ भी उपन्यस्त
की हैं । पाश्चात्य आध्यात्मिक दर्शन तथा दार्शनिकों का
एकत्र क्रमबद्ध वर्णन प्राप्त करने के लिये संस्कृत में लिखा
यह अकेला ही सर्वप्रथम तथा सर्वथा नवीन ग्रंथ है ४—५०
- ९२२ परमार्थप्रकाशिका । (अद्वैतामोदविमर्श) २—००
- ९२३ परमार्थसारः । शेषविरचित । विवरणसमेत ०—५०
- ९२४ परलोकविज्ञान । परलोक-पुनर्जन्म-आदिकर्म का महत्त्व १—५०
- ९२५ पुरुषार्थसुधानिधिः । सायणाचार्य विरचित । टी० चन्द्रशेखरन् सम्पादित १४—००
- ९२६ पूर्वोत्तरमीमांसावादनचन्द्रमाला । अप्पयदीक्षित विरचित ३—००
- ९२७ प्रकटार्थविवरणम् । ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य व्याख्यान । द्वितीय भाग मात्र ८—००
- ९२८ प्रकरणपञ्चकम् । हिन्दी टीका सहित ०—७५
- ९२९ प्रकीर्णप्रकरणद्वादशग्रन्थाः । ०—५०
- *९३० प्रज्ञानानन्दप्रकाशः । भावार्थकौमुदीटीका-हिन्दी अनुवाद सहित ३—००
- *९३१ प्रणवकल्पः । (स्कन्दपुराणान्तर्गत) श्री गङ्गाधरेन्द्र सरस्वती
प्रणीत प्रणवकल्पप्रकाशाख्यभाष्य समलंकृत ३—००
- ९३२ प्रत्यक्तत्त्वचिन्तामणिः । सदानन्दकृत । सोपञ्चव्याख्या सहित १-२ भाग ५—००
- ९३३ प्रबोध सुधाकर । शङ्कराचार्य रचित । गुजराती अनुवाद सहित १—००
- ९३४ प्रमाणमाला । आनन्दबोधाचार्य विरचित २—५०
- ९३५ प्रमेयरत्नावली । बलदेवविद्याभूषण विरचित २—५०
- ९३६ प्रस्थानभेदः । मधुसूदनसरस्वती विरचित ०—३१, ०—३७
- ९३७ प्रेमपत्तनम् । सव्याख्या १—२५
- *९३८ बृहदारण्यकवार्तिकसारः । विद्यारण्यस्वामिविरचित । महेश्वरतीर्थ
कृत लघुसंग्रह व्याख्या सहित । श्रीमच्छुद्धानन्दमुनिवर शिष्य
श्रीउत्तमश्लोक्यति विरचित-वेदान्तसूत्रलघुवार्तिक श्लोकबद्ध २०—००
- ९३९ बोधपञ्चदशिका-परमार्थचर्चा । अभिनवगुप्त विरचित ०—५०
- *९४० बोधसारः । श्रीनरहरिकृतः । तच्छिष्य पण्डित श्रीदिवाकर कृत
टीका सहित ३०—००
- ९४१ बोधैक्यसिद्धिः । अच्युतरायप्रणीत । अद्वैतात्मप्रबोधव्याख्यासहित प्रथम भाग ६—००
- ९४२ ब्रह्मतर्कस्तवः । पञ्चरत्नस्तुति । अप्पयदीक्षित विरचित । स्वकृत टीका सहित १—२५

- १४३ ब्रह्ममीमांसात्रिंशतिः (ब्रह्मसूत्रार्थसङ्ग्रहात्मिका) १—२५
- १४४ ब्रह्मसिद्धान्तः । मधुसूदन ओझा विरचित । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी
रचित सिद्धान्तप्रकाशिनी व्याख्या सहित १२—००
- १४५ ब्रह्मसिद्धिः । मण्डनमिश्र कृत । शङ्खपाणिकृत व्याख्या सहित ७—७५
- १४६ ब्रह्मसिद्धि व्याख्या । आनन्दपूर्णमुनि विरचित भावशुद्धिः-चित्सुख
मुनि विरचित अभिप्राय प्रकाशिका व्याख्या द्वय सहित २४—००
- *१४७ ब्रह्मसूत्रम् । सुषमा हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार : स्वामी
श्री हनुमानदास जी षट्शास्त्री । सम्पूर्ण शांकरभाष्य का गूढ़
तत्त्व इस हिन्दी व्याख्यान में प्रतिफलित हो उठा है । संस्कृत
की ससन्दर्भ वेदान्त-सूक्तियां पदे-पदे अनुस्यूत हैं । भाषा
बड़ी सरल और प्रवाहपूर्ण है । इसे ब्रह्मसूत्र पर अन्य सब
भाष्यों का सार ही समझना चाहिए । ५३० पृष्ठों के पुस्तक का मूल्य नाम मात्र ४—००
- १४८ ब्रह्मसूत्रम् । स्वामी हरिप्रसाद वैदिकमुनि कृत संस्कृत व्याख्या सहित ७—५०
- *१४९ ब्रह्मसूत्रदीपिका । श्रीमच्छङ्करानन्दभगवद्विरचिता तथा
तत्त्वानुसन्धानं-श्रीमहादेवानन्दसरस्वतीप्रणीतम् ६—००
- १५० ब्रह्मसूत्रपाठः । बादरायण प्रणीत । शाङ्करभाष्यानुसारी वर्णानुक्रम सूची
सहित १—२५
- *१५१ ब्रह्मसूत्रप्रमुखभाष्यपञ्चकसमीक्षणम् । शांकर-रामानुज-
निम्बार्क-मध्व-वल्लभभाष्याणां तुलनात्मकं समालोचनात्मकं
चाध्ययनम् । श्रीरामशरणशास्त्री यन्त्रस्थ
- *१५२ ब्रह्मसूत्रभास्करभाष्यम् । श्रीभास्कराचार्य कृत समाप्त
- १५३ ब्रह्मसूत्रभाष्यम् । शिवार्कमणि दीपिका व्याख्या सहित ३०—००
- १५४ ब्रह्मसूत्रभाष्यनिर्णयः । आचार्य शंकर-भास्कर-रामानुज-निम्बार्क-मध्व-
श्रीकर-वल्लभ-विज्ञानभिक्षु-बलदेव प्रणीत भाष्यानुसारी । चिद्विना-
नन्दपुरी विरचित ६—५०
- १५५ ब्रह्मसूत्रभाष्यसार । त्रिष्णुदेव सांकलेश्वर कृत । गुजराती टीका सहित २—५०
- १५६ ब्रह्मसूत्रभाष्यसिद्धान्तसङ्ग्रहः । ब्रह्मयोगी २—५०
- १५७ ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थरत्नमाला । सुब्रह्मण्य प्रणीत ६—२५
- *१५८ ब्रह्मसूत्रविज्ञानभिक्षुभाष्यम् । (बादरायणप्रणीतवेदान्तसूत्राणां
यतीन्द्रश्रीमद्विज्ञानभिक्षुविरचितं विज्ञानामृतव्याख्यानम्) समाप्त
- १५९ ब्रह्मसूत्र-विद्योदय भाष्यम् । उदयवीर शास्त्री विरचित २०—००
- १६० ब्रह्मसूत्र-वैदिकभाष्यम् । स्वामी श्री भगवदाचार्य कृतम् । १-२ भाग १८—००
- १६१ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । अद्वैतमञ्जरी व्याख्या सहित १—००
- १६२ ब्रह्मसूत्रवृत्ति-मिताक्षरा । अन्नमट्ट कृत ७—००
- १६३ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । सदाशिवेन्द्रसरस्वती प्रणीत ३—००
- १६४ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । हरिदीक्षित विरचित ३—७५
- १६५ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । पदसूची सहित । बालगंगाधर तिलक ३—५०
- १६६ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । मूलमात्र ८—००

*१६७ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । 'ब्रह्मतत्त्वविमर्शिनी' हिन्दी व्याख्या तथा डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय विरचित प्राच्य-पाश्चात्य-उभय-मत-समन्वयात्मक सुविशद भूमिकादि सहित । व्याख्याकार—स्वामी हनुमानप्रसाद षट्शाली ।

प्राचीन विद्वत्ता तथा कठोर तपस्या के साधिकार योग से प्रसूत प्रस्तुत व्याख्या बड़ी सहज तथा सरल है । ऐसा कोई पद नहीं छूटा है जिसकी स्पष्ट व्याख्या न हुई हो । ग्रन्थ लगाने के लिये यह सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है । छात्र, अध्यापक, जिज्ञासु, मुमुक्षु सभी वर्ग के व्यक्तियों के लिये अत्यन्त उपयोगी है । विश्वविद्यालयीय परीक्षार्थियों के लिए इसकी भूमिका मात्र ही पर्याप्त है ।

प्रथम भाग १-२ अध्याय १५—००

द्वितीय भाग ३-४ अध्याय १५—०० संपूर्ण १-२ भाग ३०—००

*१६८ ब्रह्मसूत्र-शाङ्करभाष्यम् । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि कृत सविमर्श 'ब्रह्मतत्त्व प्रकाशिका' हिन्दी व्याख्या सहित ।

चतुःसूत्र्यन्त भाग

५—००

*१६९ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । चतुःसूत्र्यन्त-पूर्णानन्दीयव्याख्यासहितया श्रीगोविन्दानन्दप्रणीतया रत्नप्रभया च समन्वितम् ।

प्रथमाध्यायादारभ्य द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयपादपर्यन्तम् ८—००

*१७० ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । चतुःसूत्र्यन्त-पूर्णानन्दीयव्याख्याया श्रीगोविन्दानन्दप्रणीतरत्नप्रभाव्याख्याया च समेतम् तथा श्रीमद्वा-चस्पतिमिश्रकृतभामतीव्याख्याया च सहितम् । प्रथमाध्यायदारभ्य द्वितीयाध्यायद्वितीयपादपर्यन्तम् । सटिप्पण

११—००

१७१ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । भामती टीका तथा हिन्दी भाषानुवाद सहित ।

चतुःसूत्रो

९—००

१७२ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । रत्नप्रभा-भामती-न्यायनिर्णय व्याख्या सहित

२४—००

१७३ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । भामती-कल्पतरु-परिमल व्याख्या सहित ।

१-२ भाग

६—५०

१७४ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । भामती-कल्पतरु-परिमलव्याख्यासहितम्

३५—००

१७५ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । पञ्चव्याख्या सहित । अनन्तकृष्ण शास्त्री संपादित ।

तृतीय भाग मात्र २५—००

१७६ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । नारायणतीर्थ विरचित सुबोधिनी, बोधेन्द्र

सरस्वती विरचित अद्वैतभूषण व्याख्या सहित । चतुस्सूत्रपर्यन्त

३—००

१७७ ब्रह्मसूत्रसिद्धान्तमुक्तावली । वनमालिमिश्र रचित

३—७५

१७८ ब्रह्मसूत्राणि । आनन्दगिरि व्याख्या-शाङ्करभाष्य समेत । द्वितीय भाग मात्र

९—००

१७९ ब्रह्मसूत्राणि । ब्रह्माश्रितवर्षिणी-शंकरानन्द कृत दीपिका सहित

६—७५

१८० ब्रह्मसूत्रानुगण्यसिद्धिः । कृष्ण शास्त्री विरचित

४—००

*१८१ ब्रह्माश्रुतम् । श्रीमज्जयकृष्ण ब्रह्मतीर्थ विरचित

समाप्त

१८२ ब्रह्माद्वैतप्रकाशिका । भाववागीश्वर विरचित

१—७०

*१८३ भक्ति का विकास । डॉ० मुंशीराम शर्मा । परम पुरुषार्थ रूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में यथावत् ज्ञेय सामग्री का एकत्र संकलन

२०—००

- १८४ भक्तिचन्द्रिका । नारायणतीर्थ विरचित । दूसरा भाग मात्र १-५०
- *१८५ भक्ति-तरङ्गिणी । डा० मुंशीराम शर्मा । भक्ति-भाव से ओत-प्रोत वेदमन्त्रों का सरस हिन्दी गीतों में अनुवाद । भक्ति-तरङ्गिणी अध्यात्म-पथ के यात्रियों के लिये अनुपम सम्बल सिद्ध होगी ३-००
- १८६ भक्तिदर्शन । शाण्डिल्य । भाषा भाष्यसहित १-५०
- १८७ भक्तिरसामृतसिन्धु । इयामनारायण पाण्डेय १-५०
- १८८ भक्तिरसामृतसिन्धु । रूपगोस्वामी कृत । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी टीका सहित २५-००
- *१८९ भक्तिरसायनम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
- १९० भक्तिरसायनम् । हिन्दी टीका सहित ३-००
- १९१ भक्तिशास्त्र । स्वामी भगवदाचार्य (गुजराती) ४-००
- १९२ भक्त्यधिकरणमाला । नारायणतीर्थ प्रणीत १-२५
- १९३ भगवच्चरणोत्प्रेक्षा । मथुराप्रसाद दीक्षित । सव्याख्या २-००
- १९४ भगवन्नामकौमुदी । लक्ष्मीधर विरचित । अनन्तदेवकृत व्याख्या सहित ०-७५
- १९५ भागवतवेदस्तुतिः । श्रीधरीव्याख्यादि सहित २-४०
- *१९६ भामती । ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य व्याख्या । वाचस्पतिमिश्र विरचित । श्रीढुण्डिराजशास्त्रिसङ्कलित विषमस्थल टिप्पणी समलङ्कृत प्रथम भाग ३-००
- १९७ भाष्यभानुप्रभा । ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य व्याख्या १-१९ सूत्रस्थ २-५०
- १९८ भास्करी । (ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी की व्याख्या) प्रथम—द्वितीय भाग समाप्त तृतीय भाग अंग्रेजी अनुवाद ७-९४
- *१९९ भेदधिकारः । तृप्तिहाश्रममुनिकृत । श्रीनारायणशर्म कृत व्याख्या सहित । तथा उपक्रमपराक्रमः । अप्पयदीक्षित कृत ६-००
- १००० भेदरत्नम् । शङ्करमिश्र विरचित १-५०
- १००१ भध्वतन्त्रमुखमर्दनम् । व्याख्या सहित । श्रीमदप्पयदीक्षितेन्द्र कृत २-००
- १००२ महाभारततात्पर्यप्रकाशः । श्रीसदानन्द व्यास प्रणीत ६-००
- १००३ महावाक्यरत्नावली । मूलभाषा ०-३७, ०-३०
- १००४ महावाक्यविवरणम् । हिन्दी टीका सहित १-३२
- १००५ माध्वमुखमङ्गलः । सूर्यनारायण शुक्ल विरचित १-००
- १००६ मानमाला । अच्युत कृष्णानन्दतीर्थकृत । रामानन्दकृत व्याख्या सहित ३-००
- *१००७ मिताक्षरा । श्रीगौडपादाचार्य कृत माण्डूक्यकारिकाव्याख्या-श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य स्वयम्प्रकाशानन्द सरस्वती स्वामि कृता । शङ्करानन्द कृत माण्डूक्योपनिषद्दीपिका च २-००
- १००८ मूलविद्यानिरासः (श्री शंकरहृदय) सुब्रह्मण्यशर्मा विरचित २-८१
- १००९ युगाचार्य विवेकानन्द । स्वामी अपूर्वानन्द (संस्कृत) ३-००
- १०१० योगवाशिष्ठः । वाशिष्ठमहारामायणतात्पर्यप्रकाशव्याख्यासहित । पत्रात्मक ३०-००
- १०११ योगवाशिष्ठः । हिन्दी टीका सहित । ४-५ भाग १८-००
- १०१२ योगवाशिष्ठ । भाषा मात्र । १-२ भाग ३०-००
- १०१३ योगवासिष्ठसार । बी० एल० आत्रेय (अंग्रेजी-हिन्दी-संस्कृत) १-००
- १०१४ रामायणरहस्य । विद्यारण्य विरचित ०-२०

- १०१५ रामायणसारसङ्ग्रहः । भारतसारसंग्रह । अप्ययदीक्षित विरचित । सव्याख्या १-००
- १०१६ लघुप्रकरणानि । ०-३१
- १०१७ लघुयोगवाशिष्ठः । आत्मसुख विरचित । वशिष्ठचन्द्रिका व्याख्या सहित ८-००
- १०१८ लघुवाक्यवृत्तिः । शंकराचार्य प्रणीत । पुष्पाञ्जलि संस्कृत टीका सहित ०-७५
- १०१९ लघुवासुदेवमनन । १-५०
- *१०२० LIGHTS ON VEDANTA. A Comparative Study of the
Various Views of Post Sankarities, with special
Emphasis on Sureswara's Doctrines by Dr. Veeramani
Prasad Upadhyaya. (Chow. Sans. Studies Vol. VI) 15-00
- १०२१ वाक्यवृत्तिः । शङ्कराचार्यप्रणीत । सव्याख्या ०-७५
- १०२२ वाक्यवृत्तिः । हिन्दी टीका सहित १-१२
- १०२३ वाक्यसुधा । स्वामी योगानन्द कृत हिन्दी टीका विवेचन सहित १-५०
- १०२४ विचारसागर । वासुदेव ब्रह्मेन्द्र सरस्वती स्वामी विरचित ।
पि० पञ्चापगेश शास्त्री-कल्याणसुन्दर शास्त्री संशोधित १५-००
- १०२५ विज्ञानदीपिका । पञ्चपादाचार्य कृत । विवृति सहित ५-००
- १०२६ विवरणप्रमेयसङ्ग्रहः । मूलमात्र । शास्त्री-सेन सम्पादित ८-५०
- १०२७ विवरणप्रमेयसङ्ग्रहः । हिन्दी टीका सहित ६-५०
- *१०२८ विवरणादिप्रस्थानविमर्शः । पं० बीरमणि उपाध्याय एम० ए०
रचित । शंकराचार्य के अद्वैतवाद के ऊपर अवान्तर मतभेद-
रूपप्रतिविम्बवाद, आभासवाद तथा अवच्छेदवाद का एकत्र
संकलित अनुपम ग्रन्थ १-००
- *१०२९ विवरणोपन्यासः । श्रीरामानन्द सरस्वती विरचितः विवरणतात्पर्यस्य
व्याख्यानम् तथा-वाक्यसुधा, श्रीशङ्कराचार्य विरचिता, ब्रह्मानन्द
भारती कृत व्याख्या सहित ६-००
- १०३० विवेकचूडामणिः । शंकर भगवत्पाद प्रणीत । चन्द्रशेखर भारती स्वामी
कृत व्याख्या सहित ७-५०
- १०३१ विवेकचूडामणिः । हिन्दी टीका सहित ०-४०
- १०३२ विवेकानन्द संस्कृत विद्वदगोष्ठी स्मरणाञ्जलिः । स्वामी अपूर्वानन्द
(संस्कृत) २-००
- १०३३ वेदमूर्ति श्रीरामकृष्णः । स्वामी अपूर्वानन्द (संस्कृत) ३-००
- १०३४ वेदान्तकल्पलतिका । मधुसूदन सरस्वती विरचित । आर० डी०
करमरकर कृत आंगलानुवाद सहित ५-००
- १०३५ वेदान्तकौमुदी । रामादयाचार्य प्रणीत १३-५०
- १०३६ वेदान्तडिण्डिमः । ०-२०
- १०३७ वेदान्तडिण्डिमः । नृसिंह सरस्वती तीर्थ विरचित । भावबोधिनी
व्याख्या सहित ०-७८
- १०३८ वेदान्ततत्त्वविवेकः । नृसिंहाश्रमविरचितः । तत्त्वविवेकदीपनव्याख्या सहित १८-७५
- १०३९ वेदान्तदर्शन । न्यास प्रणीत । स्वामी भगवदाचार्य कृत रामानन्द नामक
संस्कृत हिन्दी भाष्य सहित (श्रीरामानन्द सिद्धान्तानुसारि ब्रह्मसूत्र
भाष्य) ६-००

- १०४० वेदान्तदर्शन पर पर्याय ब्रह्मदर्शन । भगवत्पाद वेदव्यास प्रणीत ।
स्वामी भगवदाचार्य कृत वैदिक भाष्य सहित । १-२ अध्याय ।
१-२ भाग १०-००
- *१०४१ वेदान्तदर्शनम् । श्रीरामानन्द सरस्वती कृत ब्रह्माभूतवर्षिणी नामक
विस्तृत सूत्रार्थनिर्णायिका टीका सहित १२-००
- *१०४२ वेदान्त(सूत्रपाठः)दर्शनम् । भगवद्वासमहामुनि कृत ०-१०
- १०४३ वेदान्तदर्शन । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ४-००
- १०४४ वेदान्तदर्शनम् । स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित ४-५०
- १०४५ वेदान्तदर्शनम् । हिन्दी व्याख्या सहित २-५०
- *१०४६ वेदान्तपरिभाषा । शिवदत्तकृत अर्थदीपिका टीका, वेदान्ताचार्य
व्यम्बकराम शास्त्रिकृत परीक्षोपयोगि बृहद् टिप्पणी सहित ३-००
- १०४७ वेदान्तपरिभाषा । पञ्चानन भट्टाचार्य शास्त्री कृत परिभाषा संग्रह
व्याख्या सहित ६-००
- १०४८ वेदान्तपरिभाषा । आनन्द झा कृत भगवती संस्कृत व्याख्या सहित १४-५०
- *१०४९ हिन्दी वेदान्त-परिभाषा । व्याख्याकार-श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर
वेदान्त शास्त्र के अध्ययन में प्रधान साधनभूत इस ग्रन्थ की प्रस्तुत
व्याख्या पाण्डित्य को केवल परिपुष्ट ही नहीं करती अपितु उसे जन्म
भी देती है । व्याख्या इतनी उत्तम है कि सम्प्रदाय-पुरस्सर अध्ययन
करने का ही लाभ प्राप्त होता है । अभिनव संस्करण १०-००
- १०५० वेदान्तप्रक्रियाप्रत्यभिज्ञा । श्री सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती संयमी विरचित १६-००
- १०५१ वेदान्तप्रबोध । हिन्दी टीका सहित २-००
- १०५२ वेदान्त बालबोधिनी । 'प्रातः स्मरण स्तोत्र' व्याख्या ०-९४
- १०५३ वेदान्तरहस्यम् । ०-२५
- १०५४ वेदान्तविद्वद्बोधिनी । ३-२५
- १०५५ वेदान्तसंज्ञा । हिन्दी टीका सहित १-०२
- १०५६ वेदान्तसंज्ञावली । सव्याख्या १-००
- *१०५७ वेदान्तसारः । प्रो० रामशरणशास्त्री एम. ए. कृत 'भावबोधिनी'
संस्कृत हिन्दी व्याख्या, 'समालोचनादि' सहित सुसंस्कृत
परिवर्द्धित चतुर्थ संस्करण २-५०
- १०५८ वेदान्तसारः । आपदेव कृत व्याख्या सहित १-७५
- १०५९ वेदान्तसारः । सुशोधिनी-विद्वन्मनोरञ्जनी व्याख्याद्वय सहित ४-००
- १०६० वेदान्तसार-वार्त्तिकराजसंग्रह-पंचीकरणवार्त्तिक । ०-२५
- १०६१ वेदान्तसिद्धान्तकल्पवल्ली । हिन्दी टीका सहित ०-७५
- १०६२ वेदान्तसिद्धान्तादर्शः । २-५०
- १०६३ वेदान्त-सुधा । ब्रह्मलीन मुनि कृत संस्कृत व्याख्या सहित ५-००
- १०६४ वेदान्तसूत्रमुक्तावली । ब्रह्मानन्दसरस्वती विरचित ३-५०
- १०६५ वेदान्तस्तोत्रसंग्रहः । १-००
- १०६६ व्यासकन्यायमाला । भारती तीर्थ मुनि प्रणीत ४-००
- *१०६७ वैराग्यशतकम् । श्रीमर्तुहरिविरचित । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या
तथा हिन्दी पद्यानुवाद सहित १-२५

- १०६८ वैराग्यशतकम् । हरिदास वैद्य कृत हिन्दी टीका सहित ७—००
- १०६९ शङ्कर दिग्विजय । विद्यारण्य विरचित । एन० एस० अनन्तकृष्ण शास्त्री
सम्पादित । मूलमात्र ३—५०
- १०७० शङ्कर-दिग्विजय-सारः । श्रीनिवास केदलाय रचित ०—२५
- १०७१ शंकराचार्यग्रन्थावली (ईशादिदशोपनिषद्-भगवद्गीता-ब्रह्मसूत्र) शङ्कर
भाष्य सहित । १-३ भाग ११—७५
- १०७२ शङ्कराचार्यविरचितप्रकरणग्रन्थाः । १२—५०
- १०७३ शतश्लोकी । वोपदेव कृत । सव्याख्या २—००
- १०७४ शङ्करग्रन्थावली । शङ्कराचार्य विरचित उपनिषद् भाष्य १-४ भाग २४—००
गीता भाष्य ६—०० लघु भाष्य ६—००
प्रकरणानि ६—०० स्तोत्राणि ६—००
- १०७५ शङ्करपादभूषणम् । रघुनाथसूरि विरचित । १-२ भाग १२—५०
- १०७६ शाण्डिल्यभक्तिसूत्रम् । नारायण तीर्थ विरचित भक्तिचन्द्रिका व्याख्या-
स्वप्नेश्वर भाष्य-नारद भक्तिसूत्र-भक्तिमीमांसा सहित १०—००
- १०७७ शारीरकमीमांसा । आनन्दभाष्य अर्थात् संग्रहभाष्यम् (ब्रह्मसूत्र पर
स्वामी भगवताचार्य कृत भाष्य) ४—००
- १०७८ शारीरकमीमांसा । भाष्य-वार्तिक-विवरण सहित ६—२५
- १०७९ शास्त्रदर्पणम् । अमलानन्द प्रणीत ३—००
- १०८० शास्त्रसिद्धान्तलेशसंग्रह । अप्पयदीक्षित कृत । कृष्णालंकार व्याख्या
सहित । प्रथम भाग ३—५०
- १०८१ शिवस्तुतिः । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—६२
- १०८२ शिवानन्दलहरी । ०—२५
- १०८३ शुद्धशङ्करप्रक्रियाभास्करः । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत । १-३ भाग २—००
- १०८४ शेषसमुच्चयः । शंकर प्रणीत विमर्शिनी व्याख्या युक्त ४—५०
- १०८५ शैवपरिभाषा । शिवाग्रयोगीन्द्र प्रणीता ३—७५
- १०८६ श्रीचैतन्यचरितामृत । कृष्णदास कविराज गोस्वामी विरचित । हिन्दी
टीका सहित । १-४ भाग ३३—५०
- १०८७ श्री जानकीकृपाभाष्यस्य संक्षिप्तसारः (ब्रह्मसूत्र के १-४ अध्याय पर
श्री रामप्रसादाचार्य कृत भाष्य का सार) स्वामी भगवदाचार्य विरचित ५—००
- १०८८ श्री पद्यावली । श्रीरूपगोस्वामी । वनमालिदास शास्त्री कृत हिन्दी
टीका सहित २—२५
- १०८९ श्रीप्रभुदेववचनामृत । (वीरशैवसिद्धान्त) अनुवादक-शिवकुमारदेव ९—५०
- १०९० श्रुतिमतोद्योतः । ज्यम्बकशास्त्री प्रणीत ०—८७
- १०९१ श्रुतिसारसमुद्धरणम् । सच्चिदानन्द योगी प्रणीत व्याख्या सहित १—००
- १०९२ श्रुतिसारसमुद्धरणम् । तोटकाचार्य प्रणीतम् । तत्त्वदीपिकाव्याख्या सहित १—२५
- १०९३ षट्संदर्भे तत्त्वसंदर्भः । व्याख्या द्वय सहित १—५०
- *१०९४ संचोपशारीरकम् । रामतीर्थस्वामीकृत अन्वयार्थप्रकाशिका टीका
(रामतीर्थी) सहित १३—००
- *१०९५ संचोपशारीरकम् । मधुसूदनसरस्वतीकृत मधुसूदनी टीका सहित समाप्त
- १०९६ संचोपशारीरकम् । सुबोधिनी-अन्वयार्थप्रकाशिकाव्याख्यायुक्त १-२ भाग १३—५०

- १०९७ संचेपशारीरकम् । हिन्दी टीका सहित १०—००
- १०९८ सदाशिवेन्द्र कृत प्रकरणग्रन्थाः । ०—५६
- १०९९ सद्विद्याविजयम् । २—००
- *११०० सनत्सुजातीयम् । श्रीमच्छङ्करभगवत्पादविरचितभाष्येण
नीलकण्ठीव्याख्यया च संवलितम् २—००
- ११०१ सनत्सुजातीय । शाङ्करभाष्य-हिन्दी टीका सहित २—५०
- ११०२ सर्ववेदान्तसारसंग्रहः । पं० श्यामसुन्दरज्ञा रचित अभिनव ग्रन्थ २—००
- ११०३ सर्वसिद्धान्तसंग्रहः । श्रीमच्छङ्कराचार्य विरचित समाप्त
- ११०४ सारसंग्रहः । रूप कविराज विरचित । सव्याख्या (गौडीय वैष्णव दर्शन) ६—००
- ११०५ सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः । गोरक्षनाथ विरचित । श्रीमती कल्याणी
मल्लिक सम्पादित १०—००
- ११०६ सिद्धान्ततत्त्वं नाम वेदान्तप्रकरणम् । श्रीमदनन्तदेव निरूपित १—५३
- ११०७ सिद्धान्तदर्शनम् । विश्वदेवाचार्य विरचित निरञ्जनभाष्यसमेत २—००
- *११०८ सिद्धान्तविन्दुः । श्रीगौडब्रह्मानन्दकृत न्यायरत्नावली-नारायणतीर्थ
कृत लघुव्याख्या (नारायणी) द्वयोपेत समाप्त
- ११०९ सिद्धान्तविन्दुः । मधुसूदन सरस्वती प्रणीत । वासुदेव शास्त्रि अभ्यंकर
कृत व्याख्या सहित ७—००
- १११० सिद्धान्तविन्दुः । हिन्दी टीका सहित २—७५
- ११११ सिद्धान्तलेशसंग्रहः । हिन्दी टीका सहित ६—००
- १११२ सुखबोधदर्शन । सरयूप्रसाद शास्त्री 'द्विजेन्द्र' २—५०
- १११३ सुगमा । शाङ्करीयाध्यासभाष्य की नवीन व्याख्या १—८७
- १११४ सूतसंहिता । श्रीविद्यारण्य प्रणीत तात्पर्य दीपिका सहित १-३ भाग पूना १७—२५
- १११५ सूतसंहिता । तात्पर्यदीपिका व्याख्या सहित ८—००
- १११६ सौन्दर्यलहरी । मूलमात्र ०—२५
- १११७ सौन्दर्यलहरी । पद्यानुवाद सहित १—००
- १११८ सौन्दर्यलहरी परपर्यायम् आनन्दलहरी स्तोत्रम् । शंकराचार्य
विरचितम् । श्री रामकवि कृत छिण्डिमभाष्यम्-नरसिंह स्वामी कृत
श्री गोपालसुन्दरी टीका सहितम् २—२५
- १११९ सौन्दर्यलहरी । लक्ष्मीधरी-सौभाग्यवर्धनी-अरुणामोदिनी व्याख्या सहित ३—५०
- ११२० सौन्दर्यलहरी । लक्ष्मीधर व्याख्या-भावनोपनिषद-भास्करराय भाष्य सहित ३—७५
- ११२१ सौन्दर्यलहरी । हिन्दी अनुवाद तथा श्री विद्यातत्त्वकुण्डलिनी रहस्य सहित ५—००
- ११२२ स्वराज्यसिद्धिः । हिन्दी टीका सहित १—५०, १—८७
- *११२३ स्वानुभवादर्थः । माधवाश्रमविरचितः । स्वकृतटीकाविभूषितश्च
तथा अनुभूतिलेशः । वामनपण्डितविरचितः ६—००
- *११२४ हरिलीलामृतम् । विद्वच्छिरोमणिश्रीबोपदेवप्रणीतम् ।
श्रीमत्परमहंसमधुसूदनसरस्वतीप्रणीतटीकासहितम् ।
तत्प्रणीतपरमहंसप्रियाव्याख्यायुतं श्रीमद्भागवतस्याऽऽद्यपद्यं च यन्त्रस्थ
- ११२५ हरिहराद्वैतभूषणम् । बोधेन्द्रसरस्वती कृत । कारिकासहित ६—६२

वेदान्त-विशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

११२६ अष्टादशरहस्यम् । सुदर्शनाचार्य प्रणीत हिन्दी टीका सहित	१—०२
११२७ आगमप्रामाण्यम् । यामुनाचार्य स्वामी प्रणीत	२—००
*११२८ A CRITICAL STUDY OF THE PHILOSOPHY OF RAMANUJA by Dr. Anima Sen Gupta. (Chow. Sans. Studies, Vol. LV.)	20—00
११२९ कार्याधिकरणतत्त्वम् ।	१—२५
*११३० तत्त्वत्रयम् । श्रीमल्लोकाचार्यप्रणीतम् । सभाष्यम्	समाप्त
११३१ तत्त्वमुक्ताकलपः । वेदान्ताचार्य विरचित । सर्वार्थसिद्धि-आनन्ददायिनी व्याख्या द्वय सहित । २-४ भाग	१९—७५
*११३२ तत्त्वशेखरः । श्रीलोकाचार्य विरचित । तथा-तत्त्वत्रयचुलुक- संग्रहः । श्री कुमारवेदान्ताचार्य श्रीवरदगुरु विरचित	दुष्प्राप्य
११३३ तत्त्वशेखरः । लोकाचार्य विरचित	१—००
११३४ तत्त्वसारः । रत्नसारिणी व्याख्या सहित	६—००
११३५ नयद्युमणिः । मेघनादारि सूरि विरचितः	९—७५
*११३६ न्यायपरिशुद्धिः । सटीक । श्रीवेदान्ताचार्य प्रणीत	१५—००
११३७ न्यायभास्करः । अनन्तार्य विरचित	१—८७
११३८ न्यायसिद्धाञ्जनम् । वेदान्तदेशिक विरचित । नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	२५—००
११३९ परमार्थभूषणम् ।	२५—००
११४० पाराशर्यविजयः । (प्रथमाध्याय प्रथमपाद)	५—००
११४१ प्रपञ्चपारिजातः । वरदगुरु विरचित	०—३१
११४२ ब्रह्मसूत्र । रामानुजाचार्य प्रणीत श्रीभाष्य व्याख्या-हिन्दी टीका सहित । प्रथम अधिकरणान्त भाग	४—००
११४३ भेदवादः-तत्कृतनयविचारः । अनन्तार्यवर्य विरचित	०—३१
११४४ मोक्षकारणतावादः-इश्वरत्वानुमाननिरासवादः । अनन्ताचार्य विरचित	०—३१
११४५ यतिलिङ्गसमर्थनम् । वरदगुरु विरचित । यतिलिङ्गभेदभङ्गवादः । वेदान्ताचार्य विरचित	०—३१
११४६ यतीन्द्रमतदीपिका । श्रानिवासदास प्रणीत । प्रकाश व्याख्या समेत	२—००
*११४७ रामानुज-वेदान्तसारः । सटिप्पण 'अधिकरणसारावली' सहित	२—५०
११४८ रामानुजसिद्धान्तसारः	१—२५
११४९ विशिष्टाद्वैतदर्शनम् । स्वामी भगवदाचार्य प्रणीत	२—००
११५० विशिष्टाद्वैतमतविजयवादः । नरहरि पण्डित विरचित	०—२५
११५१ विशिष्टाद्वैताधिकरणमाला । सुदर्शनाचार्य विरचित	१—००
११५२ विषयवाक्यदीपिका । रङ्गरामानुजप्रणीत टिप्पणीयुत	६—००
११५३ विष्णुतत्त्वदीपिका । तिमण्णाचार्य विरचित	२—००
११५४ वेदान्तकारिकावली । बुची वेंकटाचार्य विरचित, कृष्णमाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित	८—००
*११५५ वेदान्तदीपः । श्रीभगवद्रामानुजाचार्य विरचित । ब्रह्मसूत्रव्याख्या	६—००

- ११५६ वेदान्तदीप । रामानुज प्रणीत । ब्रह्मसूत्र व्याख्या आंगलानुवाद सहित ।
१-२ भाग १५-००
- ११५७ वेदान्तदीपः । रामानुज विरचित । स्वामी नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका
सहित । १-२ भाग ६-५०
- *११५८ VEDĀNTADESIKA. A Study of His Life, Works and
Philosophy by Dr. Satya Vrata Singh. M. A., Ph. D.
(Chow. Sans. Studies. Vol. V) 20-00
- ११५९ वेदान्तरचामणिः । श्रीभाष्यसमालोचनम् । अनन्त कृष्ण शास्त्री संपादित ।
प्रथम भाग ६-००
- ११६० वेदार्थसंग्रहः । श्रीरामानुजाचार्यकृत । सटीक ६-००
- ११६१ वेदार्थसंग्रहः । सुदर्शन कृत तात्पर्यदीपिका टीका सहित १०-००
- ११६२ वेदार्थसंग्रहः । रामानुज कृत । आंग्लभूमिका आंगलानुवाद सहित २०-००
- ११६३ वैष्णवमतदूषणोद्धारः । अनन्ताचार्य विरचित १-२५
- ११६४ शतदूषणी । वैकटनाथ वेदान्ताचार्य प्रणीत । १-२ खण्ड १-५०
- ११६५ श्रीभाष्यम् । वेदान्तदीप-वेदान्तसार । रामानुज मुनि विरचित । सुदर्शन
सूरि कृत श्रुतप्रकाशिका, वेदान्त देशिक कृत अधिकरण सारावली, महा-
देशिक कृत गूढार्थ संग्रह व्याख्या सहित । जिज्ञासाधिकरण १-१-१ तक ३०-००
- ११६६ श्रीभाष्यम् । भाष्यार्थ दर्पण टीका सहित । १-२ भाग । सम्पूर्ण ३०-००
- ११६७ श्रीभाष्यम् । रामानुज विरचित । आंग्लभाषानुवाद टिप्पण्यादि समेत
आर० डी० करमरकर सम्पादित । १-३ भाग ४८-००
- ११६८ श्रीभाष्यप्रकाशिका । श्रीनिवासाचार्य विरचित ६-५०
- *११६९ श्रीभाष्यवार्तिकं यतीन्द्रमतदीपिका च । श्रीनिवासाचार्य कृता
तथा सकलाचार्यमतसंग्रहश्च ६-००
- ११७० श्रौतसिद्धान्तचालीसा । हिन्दी टीका सहित ०-३१
- ११७१ सिद्धिद्वयविजयः । वेदान्तविजय भट्टाचार्य विरचित २-२५
- ११७२ सिद्धान्तचिन्तामणिः । १-००
- ११७३ सिद्धान्तसिद्धाञ्जनम् । कृष्णानन्द सरस्वती विरचित । भास्कर दीक्षित
प्रणीत रत्नतूलिका व्याख्या सहित । प्रथम भाग १८-७५
- ११७४ सिद्धित्रयम् । यामुनाचार्य कृत । सिद्धाञ्जन व्याख्या सहित ३-५०
- ११७५ सुदर्शनमीमांसा । लक्ष्मणाचार्य विरचित ०-७८
- श्री राघवाचार्य जी के ग्रन्थ**
- ११७६ अर्थपञ्चक । अनुवादक-राघवाचार्य ०-१५
- ११७७ ईशोपनिषद् काव्य । ०-३७
- ११७८ ऊर्ध्वपुण्ड्र मीमांसा । राघवाचार्य कृत ०-३०
- ११७९ ऊर्ध्वपुण्ड्र विवेचन । रतनलाल जोशी (संकर्षणाचार्य) ०-२५
- ११८० कार्तिक माहात्म्य । राघवाचार्य ०-०६
- ११८१ गद्यत्रय (शरणागतिगद्य-श्रीरङ्गाद्य-श्रीवैकुण्ठगद्य) रामानुज मुनिन्द्र
विरचित । हिन्दी टीका-अनुशीलन सहित । अनुवादक-राघवाचार्य ०-५०
- ११८२ गीतालोकः एक झलक । 'चन्द्रमणि' ०-१०
- ११८३ चतुःश्लोकी व्याख्या । अम्बिल वे० गोपालाचार्य विरचित ०-७५

वेदान्त-विशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

४६

११८४ तत्त-शंख-चक्र-धारण । रतनलाल जोशी (संकर्षणाचार्य)	०—१५
११८५ तिरुप्पावै । गोदा विरचित । वी० एस० रंगनाथाचार्य कृत हिन्दी टीका	१—००
११८६ नारायणकवच ।	०—२०
११८७ नित्यानुष्ठान-विधिः । सं० नि० खगेन्द्राचार्य	२—००
११८८ न्यासतिलक । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी टीका सहित	१—५०
११८९ न्यासदशक । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक रचित । नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	०—८०
११९० न्यासविंशति । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी टीका सहित	१—००
११९१ परतत्त्वसूत्रम् । हिन्दी टीका सहित । डॉ० कृष्णदत्त भारद्वाज	०—३७
११९२ परमपदसोपान । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी टीका सहित	४—००
११९३ प्रधानशतक । वेदान्तदेशिक विरचित । अनु०—श्री श्रीनिवास राघवाचार्य	०—१९
११९४ भगवत्पूजाविधिः । दीक्षित वेङ्कटाचार्य स्वामी संगृहीत	०—५०
११९५ मुकुन्दमाला । कुलशेखर विरचित । भोलानाथ शर्मा 'हरिचक्र शरण' कृत हिन्दी टीका सहित	०—२५
११९६ यतिराजससतिः । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी टीका सहित	४—००
११९७ रहस्यशिखामणिः । वेङ्कटनाथ (वेदान्त) देशिक विरचित । हिन्दी अनुवाद । सं० राघवाचार्य	०—१९
११९८ विवाहमीमांसा । राघवाचार्य	०—२५
११९९ विष्णुसहस्रनाम स्तोत्र । राघवाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	२—००
१२०० विष्वक्सेन पूजाविधि । दीक्षित वेङ्कटाचार्य स्वामी संगृहीत	०—१२
१२०१ वेदार्थ-संग्रह । रामानुज विरचित । स्वामी नीलमेघाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	६—००
१२०२ श्रीअहोबिलमठ-एक परिचय ।	०—१२
१२०३ श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः । वर्गीकरण-अध्ययन समेत	०—१२
१२०४ श्रीनिवास । राघवाचार्य	०—१२
१२०५ श्रीपञ्चमुखी हनुमत्कवचम् ।	०—१०
१२०६ श्रीबालमुकुन्दसन्देश । स्वामी बालमुकुन्दाचार्य । हिन्दी टीका सहित	०—०५
१२०७ श्री ब्रह्मतन्त्र परकालमठ-एक परिचय । राघवाचार्य कृत	०—१५
१२०८ श्रीवेदान्तदेशिक । राघवाचार्य	०—५०
१२०९ श्रीसूक्तम् । राघवाचार्य कृत हिन्दी टीका तथा अनुशीलन सहित	०—१५
१२१० श्रीस्तुतिः । वेदान्तदेशिक विरचित । अन्वयार्थ-भावार्थ-अध्ययन सहित । अनुवादक-राघवाचार्य	०—३७
१२११ सनातन-धर्मसार-संग्रह । (मतसार संग्रह) डि० टी० ताताचार्य कृत । अनुवादक-के० वि० नीलमेघाचार्य	०—५०
१२१२ सांख्य-दर्शन । विद्यासागर शास्त्री	१—००
१२१३ होली । राघवाचार्य	०—१९

स्वामिभगवदाचार्य-श्रीरामानन्दसम्प्रदायविशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

- १२१४ ईशादयो दशोपनिषदः । स्वामी भगवदाचार्य कृत संस्कार भाष्य सहित ८—००
- १२१५ क्रान्ति के इतिहास की एक झलक (श्रीरामानन्द सम्प्रदाय में संवत् १९७८ की) प्रथम भाग । स्वामी भगवदाचार्य ०—७५
- १२१६ तत्त्वार्थपञ्चक । स्वामी भगवदाचार्य ०—५०
- १२१७ दशरथमोक्षः । ०—१६
- १२१८ दिव्यस्तोत्रकलापः । १—५०
- १२१९ भक्तकल्पद्रुमः । ०—२५
- १२२० भगवत्पूजनपद्धतिः । ०—५६
- १२२१ भारत-परिजातम् (श्रीमहात्मा-गान्धि-चरितम्) स्वामी भगवदाचार्य । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग १८—००
- *१२२२ ब्रह्मसूत्रीयवेदान्तवृत्तिः । श्री भगवद्रामानन्दमुनीन्द्रप्रसादित्वा श्रीमदानन्दभाष्यानुसारिणी, स्वामीरघुवराचार्यवेदान्तकेसरिणा कृता १—२५
- १२२३ यतिधर्मसमुच्चयः । ०—५०
- १२२४ यतीन्द्रविंशतिः । ०—१२
- १२२५ रामपटल । भगवदाचार्य कृत रहस्यप्रकाशिका व्याख्या सहित १—५०
- १२२६ विशिष्टाद्वैतदर्शनम् । २—००
- १२२७ वेदान्तदर्शन । व्यास प्रणीत । रामानन्द नामक संस्कृत-हिन्दी भाष्य सहित (श्रीरामानन्द सिद्धान्तानुसारी ब्रह्मसूत्र भाष्य) ६—००
- १२२८ वेदान्तदर्शनापरपर्याय ब्रह्मदर्शन । भगवत्पाद वेदव्यास प्रणीत । वैदिकभाष्य सहित । १-२ अध्याय । १-२ भाग १०—००
- १२२९ वैष्णवमताब्जभास्करः । ०—७५
- १२३० शारीरकमीमांसा । आनन्दभाष्य अर्थात् संग्रह भाष्य सहित (ब्रह्मसूत्र पर स्वामी भगवदाचार्य का भाष्य) ४—००
- १२३१ श्रीजानकीकृपाभाष्यस्य संचिससारः । ब्रह्मसूत्र पर श्रीरामप्रसादाचार्य कृत भाष्य का सार) ५—००
- १२३२ श्रीभगवद्गीता-तत्त्व-विमर्श । १—००
- १२३३ श्रीभगवद्गीता । भगवद्भाष्य सहित । १-६ अध्याय २—५०
- १२३४ सामवेद और यजुर्वेद भाष्य की प्रस्तावना । ३—००
- १२३५ सामवेद संहिता । सामसंस्कार नामक संस्कृत-हिन्दी भाष्य सहित १-३ भाग १७—००
- १२३६ स्वामी भगवदाचार्य । प्रथम भाग । बालकाण्ड-अयोध्याकाण्ड-गुर्जरकाण्ड ७—००
- १२३७ स्वामी भगवदाचार्य । द्वितीय खण्ड । वेद विषयक प्रश्नोत्तर १—२५
- १२३८ स्वामी भगवदाचार्य । तृतीय भाग । रहस्यसिद्धांत-श्रीराममन्त्रराज परम्परा-तत्त्वोद्बोधनमीमांसा-श्रीपरम्परापरित्राण-प्रस्तुतप्रसङ्गमङ्गल-तत्त्वप्रकाश-श्री सम्प्रदाय और अस्पृश्यस्पर्श-त्रिरत्नी-श्रीसम्प्रदायरक्षा-श्रीविभूतिधारण-विचार-आर्यावर्त का गुरुत्व ग्रन्थों का संग्रह) ७—००
- १२३९ स्वामी भगवदाचार्य । चतुर्थ भाग । भगवद्गीता के २, १२, १३, १५ अध्याय-गुजराती टीका सहित ५—२५

वेदान्त-शुद्धाद्वैतग्रन्थाः

५१

- १२४० स्वामी भगवदाचार्य । पञ्चम भाग (स्वामी भगवदाचार्य के जीवन चरित
से सम्बन्धित पूर्व अफ्रिका के प्रवचन) ४—००
१२४१ स्वामी भगवदाचार्य । षष्ठ भाग (प्रश्नोत्तर रत्नमाला) ५—५०
१२४२ स्वामी भगवदाचार्य । सप्तम भाग (लेखरत्नमञ्जूषा) १०—००

वेदान्त-द्वैताद्वैतग्रन्थाः

- *१२४३ क्रमदीपिका । जगद्विजयित्रीकेशवभट्टाचार्यप्रणीता । विद्याविनोद-
श्रीगोविन्दभट्टकृतविवरणोपेता । पुरुषोत्तमप्रसाद कृतगुरुभक्तिमन्दा-
किनीव्याख्यायुत-श्रीनिवासाचार्य कृत लघुस्तवराजस्तोत्र सहिता ६—००
१२४४ निम्बार्क सम्प्रदाय और उसके कृष्ण-भक्त हिन्दी कवि । डॉ० नारायण
दत्त शर्मा । प्रथम भाग-सिद्धान्त खंड ७—८५
*१२४५ ब्रह्ममीमांसाभाष्यम् । (वेदान्तपारिजातसौरभनामक व्याख्यानम्) ३—००
*१२४६ ब्रह्मसूत्रम् । (श्रीनिम्बार्कभाष्यम्) दुष्प्राप्य
*१२४७ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । श्रीदेवाचार्यप्रणीत सिद्धान्तजाह्नवी, श्रीसुन्दरभट्ट
विरचित सिद्धान्तसेतु व्याख्या तथा श्रीगिरिधरप्रपन्न रचित
लघुमञ्जूषा युक्त दशश्लोकी सहित ६—००
*१२४८ वेदान्तरत्नमञ्जूषा । श्रीपुरुषोत्तमाचार्यविनिर्मिता तथा-
वेदान्ततत्त्वबोधः ६—००
*१२४९ वेदान्तसिद्धान्तसंग्रहः । श्रुतिसिद्धान्तापरनामकः श्रीवनमालिमिश्र-
ब्रह्मचारिकृतः, स्वकृतस्यैव कारिकारूपमूलग्रन्थस्य व्याख्यात्मकः
तथा वेदान्तकारिकावली पण्डितश्रीपुरुषोत्तमप्रसादकृता ।
मूलकृतैव कृतया अध्यात्मसुधातरङ्गिणीटीकया सहिता ६—००
*१२५० श्रुत्यन्तकल्पवल्ली । श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसाद विरचित ६—००
*१२५१ श्रुत्यन्तसुरदुमः । श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसादविरचितः । तथा
श्रीब्रजेश्वरप्रसादकृता श्रुतिसिद्धान्तमञ्जरी च ६—००

वेदान्त-शुद्धाद्वैतग्रन्थाः

- *१२५२ गूढार्थदीपिका । धनपतिसूरिकृता । श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धस्थ-
रासपञ्चाध्यायीव्याख्या, भ्रमरगीतव्याख्या तथा जगन्नाथ-
सुधिविनिर्मिता रसव्याख्या च १२—००
*१२५३ प्रस्थानरत्नाकरः । गोस्वामि श्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचित ६—००
*१२५४ ब्रह्मवादसंग्रहः । [गोस्वामिश्रीहरिरायजीविरचितब्रह्मवादः-
गोपालकृष्णभट्टविरचितविवरणसहितः । गोस्वामिश्रीब्रजनाथ-
विरचित-ब्रह्मवादः । श्रीरामकृष्णभट्टविरचितशुद्धाद्वैत-
परिष्कारः-श्रीरघुनाथशास्त्रिविरचितशुद्धाद्वैतपरिष्कारतात्पर्य-
व्याख्यानसहितः । हिन्दीभाषानुवादसमेतब] २—००

- १२५५ ब्रह्मसूत्र और वैष्णव भाष्य । सं०-डॉ० रामकृष्ण आचार्य १-२५
- *१२५६ ब्रह्मसूत्रवृत्ति:-मरीचिका । (अणुभाष्यानुसारि) श्रीब्रजनाथभट्ट कृत ६-००
- १२५७ ब्रह्मसूत्रों के वैष्णव भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० रामकृष्ण आचार्य १०-००
- *१२५८ शुद्धाद्वैतमार्तण्डः । गोस्वामिश्रीगिरिधरजीमहाराजविरचितः ।
श्रीरामकृष्णभट्टविरचितप्रकाशव्याख्यासंवलितः । तथा—
प्रमेयरत्नार्णवः । श्रीबालकृष्णभट्टविरचितः समाप्त
- १२५९ शुद्धाद्वैतमार्तण्डः । गोस्वामी गिरिधर जी महाराज विरचित । श्रीरामकृष्ण भट्ट विरचित प्रकाश व्याख्या सहित । प्रमेयरत्नार्णवः लाल भट्ट उपनाम श्रीबालकृष्ण भट्ट विरचित तथा श्रीहरिराय विरचित ब्रह्मवाद सहित ५-००
- १२६० शुद्धाद्वैतमार्तण्डः । भावार्थ-हिन्दी विवेचन सहित २-५०
- *१२६१ श्रीमदगुणाध्यायम् । गोस्वामि श्री पुरुषोत्तमजी महाराज विरचित प्रकाश व्याख्या समेत ४५-००
- *१२६२ श्रीविद्वन्मण्डनम् । श्रीविद्वलनाथदीक्षितकृतम् । गोस्वामि-
श्री पुरुषोत्तमजी महाराज कृत सुवर्णसूत्र व्याख्या सहित ७-५०
- *१२६३ श्रीसुबोधिनी । श्रीवल्लभाचार्यविनिर्मिता । श्रीमद्भागवतस्य दशमस्कन्धजन्मप्रकरणे प्रथमाध्यायान्तं व्याख्या । गोस्वामि-
श्रीविद्वलनाथ दीक्षित विरचित टिप्पणी तथा गोस्वामि-
श्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचित प्रकाश व्याख्या समेत ६-००
- १२६४ अनुग्रह मार्ग । हिन्दी ०-३७
- १२६५ अन्याश्रय असमर्पित त्याग । गुजराती ०-५०
- १२६६ अष्टछाप काव्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन । डॉ० मायारानी टण्डन २५-००
- १२६७ अष्टछाप-परिचय । सं० प्रमुदयाल मीतल ५-००
- १२६८ अष्टछाप वार्तारहस्य । हिन्दी ३-००
- १२६९ अष्टसखान की वार्ता । हिन्दी ३-००
- *१२७० अष्टाक्षरटीका । ब्रजभाषा ०-२५
- १२७१ अष्टाक्षरमन्त्रमाला । ०-४०
- १२७२ अष्टाक्षरमहामन्त्र । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी १-००
- १२७३ उपदेशविषयशङ्कानिरासवाद । अनुवादक-माधव शर्मा ०-५०
- १२७४ कविताकुसुमाकर । ०-५०
- १२७५ कविवर परमानन्द दास और वल्लभ सम्प्रदाय । डॉ० गोवर्धननाथ शुक्ल १२-००
- १२७६ कांकरोली का इतिहास । कण्ठमणि शास्त्रि प्रणीत ६-००
- १२७७ कांकरोली दिग्दर्शन । भाषा ०-२५
- १२७८ कीर्तन प्रणाली । हिन्दी १-००
- १२७९ कीर्तन प्रणाली के पद संग्रह । श्री ब्रजभूषणलाल संपादित ९-००
- १२८० कुम्भनदास पदसंग्रह । ब्रजभूषण शर्मा संपादित ३-००
- १२८१ कृष्णदास पद-संग्रह । गोस्वामी श्री ब्रजभूषण शर्मा संपादित ।
प्रस्तावना-जीवनी-भावविश्लेषण सहित १०-००

१२८२ गोपीगीत । श्रीमद्वल्लभाचार्य विरचित श्रीसुशोभिनी जी का हिन्दी भाषान्तर । सं० माधव शर्मा	१—२५
१२८३ गोपी प्रेम पीयूष प्रवाह । नवनीत रचित	१—००
१२८४ गोपूजाविधि तथा गोव्रतविधान ।	०—१२
१२८५ गोवर्द्धनलीला । सं० ब्रजभूषण शर्मा	०—२५
१२८६ गोविन्दस्वामी पदसंग्रह । ब्रजभूषण शर्मा सम्पादित	३—००
१२८७ गो० हरिराय जी का पद-साहित्य । सं० प्रमुदयाल मीतल	५—००
१२८८ घनाचारी नियम रत्नाकर । जगन्नाथप्रसाद रत्नाकर रचित	०—२५
१२८९ चतुर्भुजदासपदसंग्रह ।	३—००
१२९० चौरासी वैष्णवन की वार्ता । सरल ब्रज भाषा में	५—४०
१२९१ चौरासी वैष्णवन वार्ता । गोस्वामी श्री हरेदास प्रणीत । द्वारकादास पारोक्ष सम्पादित	८—००
१२९२ छीतस्वामी । जीवनी-पद संग्रह	२—००
१२९३ जगतानन्द । कवि जगतानन्द कृत	१—७५
१२९४ जगद्गुरु श्री वल्लभाचार्य । संक्षिप्त जीवन चरित्र । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी	०—४०
१२९५ दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता । १-३ भाग	२८—००
१२९६ ध्यान मंजूषा ।	०—२५
१२९७ नवधाभक्तिविवेचन । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी	०—५०
१२९८ पदसंग्रह । १-३ भाग	०—४४
१२९९ परमानन्द सागर । सं०-डॉ० गोवर्धन नाथ शुक्ल	१२—००
१३०० पुरुषोत्तमसहस्रनामस्तोत्रम् । हिन्दी टीका सहित	२—००
१३०१ पुष्टिमार्ग । (गुजराती)	१—२५
१३०२ पुष्टिमार्गीयस्तोत्ररत्नमाला । १-२ भाग	२—५०
१३०३ प्राचीनवार्तारहस्य । तीसरा भाग मात्र	१—५०
१३०४ बालक बालिकाओं को पुष्टिमार्गीय शिक्षार्थ पाठ्यपुस्तक	
प्रथम वर्ष के हेतु	०—२५
द्वितीय वर्ष के हेतु	०—२५
१३०५ ब्रज और ब्रजयात्रा । सं० सेठ गोविन्ददास-रामनारायण अग्रवाल	५—५०
१३०६ ब्रज का सांस्कृतिक इतिहास । प्रमुदयाल मीतल	३२—००
१३०७ ब्रजपरिक्रमा । (हिन्दी)	१—५०
(गुजराती)	१—२५
१३०८ ब्रजभाषा साहित्य का ऋतु-सौन्दर्य । संस्कृत प्रमुदयाल मीतल	४—००
१३०९ ब्रजसाहित्य का इतिहास । डा० सत्येन्द्र	२५—००
१३१० ब्रजसुधा । श्रीब्रजप्रिया बहू जी अहमदाबाद । हिन्दी	०—४०
१३११ भक्त-कवि व्यासजी । वासुदेव गोस्वामी	६—००
१३१२ भक्तिरसायन (रासपंचाध्यायी) संस्कृत हिन्दी हरिप्रिया टीका सहित । हरिवल्लभ जोशी कृत	९—००
१३१३ भजन । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी	०—४०
१३१४ भट्टपदावली । हिन्दी	०—२५
१३१५ भागवत सुरसागर । हिन्दी	०—२५
१३१६ भावभावना । हिन्दी	१—२५
१३१७ अमरगीत । हिन्दी	१—२५

१३१८ मञ्जरी पञ्चक पर एक दृष्टि निक्षेप । सम्पादक-कण्ठमणि शास्त्री	०—५०
१३१९ महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्य और पुष्टिमाग । सीताराम चतुर्वेदी	५—००
१३२० मोहनमाधुरी । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी	०—४०
१३२१ रसिक रसाल । कुमारमणि शास्त्री प्रणीत	२—००
१३२२ राधाकृष्णतत्त्व । सत्यनारायण शास्त्री	२—००
१३२३ रासलीला : एक परिचय । सं० सेठ गोविन्ददास-रामनारायण अग्रवाल	२—५०
१३२४ रासलीला विरोध-परिहार । रमानाथ शास्त्री	०—२५
१३२५ वल्लभवंशवृत्त । तथा आन्ध्रजातीय (तैलङ्ग) भट्ट वंशवृक्ष	१२—००
१३२६ वार्ता साहित्य : एक वृहत् अध्ययन । डॉ० हरिहर नाथ टंडन	१५—००
१३२७ वार्तासाहित्य सीमांसा । (गुजराती)	०—५०
१३२८ विरहनिवेदन । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी	०—४०
१३२९ विविध स्तोत्राणि ।	०—४०
१३३० वेणुगीत । श्रीमद्वल्लभाचार्य विरचित श्रीसुबोधिनी जी का हिन्दी भाषान्तर । सं० माधव शर्मा	१—२५
१३३१ वैष्णवाह्निक । (गुजराती)	०—२५
१३३२ शुद्धाद्वैत पुष्टिमागीय संस्कृत वाक्यांश । १-२ खण्ड । हिन्दी	१०—००
१३३३ श्रीकृष्णचरित । सुदर्शन । प्रथम भाग	१०—००
१३३४ श्री गोवर्धनवासी । मूलपुरुष सर्वोत्तम जी का धोल इत्यादि । श्रीकृष्ण-प्रिया बेटी जी	०—४०
१३३५ श्रीतृतीयगृहकीर्तनप्रणालिका । गोस्वामी श्री ब्रजभूषण लालजी महाराज	१—००
१३३६ श्रीद्वारकाधीश की प्राकट्यवार्ता । गोस्वामी ब्रजभूषणजी महाराज प्रणीत	२—००
१३३७ श्रीनारायणकवच ।	०—१९
१३३८ श्रीपुरुषोत्तमसहस्रनाम । श्रीवल्लभाचार्य	०—१९
१३३९ श्रीमद्भक्तभगीता अर्थात् षोडश ग्रन्थ । मूल, पदच्छेद, हिन्दी अन्वयार्थ तथा सरल भावार्थ सहित । माधव शर्मा	१—५०
१३४० श्रीमद्भक्तभगीता एवं विविध स्तोत्राणि । परमानन्द शर्मा	०—६२
१३४१ श्रीमद्वैष्णव-सिद्धान्त रत्नसंग्रह । हिन्दी टीका सहित	२—५०
* १३४२ श्रीमदाचार्यचरितम् ।	०—१५
१३४३ श्री महाप्रभु जी की वृज्यात्रा ।	०—५०
१३४४ श्रीमोहनभजनमाला । १-३ भाग । श्रीकृष्णप्रिया बेटीजी	१—२०
१३४५ श्रीयमुनाजी के ४० पद-चल्लभाख्यान व नित्यलीला । श्रीकृष्ण-प्रिया बेटी जी	०—२५
१३४६ श्रीयमुनाष्टकम् । श्रीमद्वल्लभाचार्य विरचित । पदच्छेद-हिन्दी अन्वयार्थ-भावार्थ-एवं हिन्दी विवेचन सहित	०—७५
१३४७ श्रीयमुनाष्टक एवं श्रीयमुनाजी के ४० पद । परमानन्द शर्मा	०—३७
१३४८ श्रीयुगलगीत-सुबोधिनीजी । सं० माधव शर्मा	१—२५
१३४९ श्रीरासपञ्चाध्यायी : सांस्कृतिक अध्ययन । रसिक विहारी जोशी	१०—००
१३५० श्रीवल्लभदिग्विजय । ब्रजभाषा	१—००
१३५१ श्रीविट्ठलेश लभगीत । (गुजराती)	०—२५
१३५२ श्रीवृन्दावनचन्द्र-शिख-नख-ध्यान-मञ्जूषा । दामोदरदेव भट्टाचार्य	०—२५

१३५३ श्रीधृन्दावन-महिमाश्रुतम् । प्रबोधानन्द सरस्वती विरचित । हिन्दी टीका सहित । १-१७ शतक । १-४ भाग	५-३५
१३५४ श्रीस्तवकल्पद्रुमः । पुरुषोत्तमदास कृत (संस्कृत)	७-००
१३५५ पट् ऋतुवार्ता । हिन्दी	१-००
१३५६ षोडश ग्रन्थ । महाप्रभु श्रीवल्लभाचार्य विरचित	०-४०
१३५७ समस्या कुसुमाकर । १-२ भाग	१-००
१३५८ समस्या पूर्ति संग्रह । दूसरा भाग मात्र	१-००
१३५९ सिद्धान्तरहस्य । ब्रह्मसम्बन्ध अर्थात् आत्मनिवेदन विचार अष्टाक्षर मन्त्र महिमा सहित	०-४०
१३६० स्वामी हरिदास जी की जीवनी और वाणी तथा अष्टाचार्यों एवं भक्त-कवियों की जीवनी रचनाएँ । प्रभुदयाल मीतल	३-००
१३६१ स्वामी हरिदास जी की वाणी । प्रभुदयाल मीतल	१-००
१३६२ हिन्दी साहित्य और पुष्टि मार्ग ।	०-२५

माध्ववेदान्त-ग्रन्थाः

१३६३ उपाधिखण्डनम् । श्रीनिवासतीर्थीयसहितम् । व्याख्या सहित	२-०६
१३६४ द्वैताध्वकण्टकोद्धारः । नागराजशर्मा विरचितः	२-५०
१३६५ न्यायामृतलहरी । नागराजशर्मा प्रणीत	१-२५
१३६६ ब्रह्मसूत्रभाष्यम् । मध्वाचार्य कृत । जयतीर्थ-व्यासतीर्थ-राघवेन्द्रतीर्थ टीका सहित । चतुर्थे भाग मात्र	४-३७
१३६७ मध्वमन्त्ररत्नाकरः । सन्याख्यानः । त्रयस्तरङ्गाः	६-८८
१३६८ मध्वमुखालङ्कारः । वनमालि मिश्र कृत	१-५०
१३६९ मायावादखण्डनम् । श्रीनिवासतीर्थीयसहितम् । सटिप्पण	१-०६
१३७० वादावली । जयतीर्थ विरचित । आंगलानुवाद सहित	१५-००
१३७१ सूत्रार्थामृतलहरी । कृष्णावधूत पण्डित विरचित	३-२५

वेदान्त-ग्रन्थ-भाषा

१३७२ अद्वयसहायक । अनुवादक-पंड्या वैजनाथ	२-५०
१३७३ अद्वय प्रबोधानन्द मार्तण्डविहार । मन्त्रानन्द प्रणीत । रामानन्द कृत हिन्दी टीका सहित	१-५०
१३७४ द्वैतदर्शन अर्थात् एकसत्तावाद । स्वामी गोविन्दानन्द सरस्वती	२-५०
१३७५ अध्यात्मदर्शन । कृष्णानन्द सरस्वती कृत	४-००
१३७६ अध्यात्म प्रकाश । शुक्रदेव प्रणीत	०-४२
१३७७ अध्यात्म योग और चित्त विकलन । व्यंकटेश्वर शर्मा	७-५०
१३७८ अध्यात्मविकास । स्वामी विष्णु तीर्थ	१-५०
१३७९ अनुभवप्रकाश । वनानाथ कृत । (मारवाड़ी भाषा)	२-१०
१३८० अन्तरात्मा । स्वामीरामतीर्थ	२-००
१३८१ अन्तःकरणविज्ञान ।	०-७५
१३८२ अमरविद्या । स्वामी पारसनाथ	३-००
*१३८३ अमृतमन्थन । (जीवन का दिव्य पक्ष) डॉ० मंगलदेव शास्त्री	४-५०
१३८४ अरण्यसंवाद । स्वामी रामतीर्थ	२-००

१३८५ आत्मचिन्तन । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । श्रीमती लक्ष्मी देवदास गांधी	
अनुवादित	२—४०
१३८६ आत्मतत्त्वप्रकाश । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती	१—५०
१३८७ आत्मपथ । कृष्णानन्द सरस्वती	२—००
१३८८ आत्मप्रबोध ।	१—००
१३८९ आत्मबोध । जगद्रामराय कृत । बंगला का हिन्दी पद्यानुवाद तथा	
उत्तरगीता । हिन्दी रूपान्तर । भूपेन्द्रनाथ सान्याल संकलित	२—५०
१३९० आत्मविकास । आनन्दकुमार	६—००
१३९१ आत्मविद्या । स्वामी सत्यानन्द प्रणीत	१—५०
१३९२ आत्मविद्या । माधवराव सप्रू	४—००
१३९३ आत्मविज्ञान । स्वामि व्यासदेव । सचित्र	१५—००
१३९४ आत्मविलास । स्वामी आत्मानन्द	२—५०
१३९५ आत्मसाक्षात्कार की कसौटी । बाबा नगीनासिंह बेदी	३—००
१३९६ आत्मानुभव । स्वामीरामतीर्थ	३—००
१३९७ आत्मानुभूति । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती	२—००
१३९८ आत्मानुभूति तथा उसके मार्ग । स्वामी विवेकानन्द ।	१—७५
१३९९ आत्मोद्धार । रामचन्द्र वर्मा	१—५०
१४०० आदर्श जीवन । रामचन्द्र शुक्ल	१—५०
१४०१ आध्यात्मिक जीवन । अनुवादिका-कौशल्यादेवी मोहता	४—५०
१४०२ आध्यात्मिक-विषय-मीमांसा । चतुर्भुज सहाय । १-२ भाग	४—७५
१४०३ आनन्दमार्ग । स्वामी कृष्णानन्द	२—००
१४०४ आभास और सत् । एफ० एच० ब्रेडले । अनुवादक डॉ० फ़तह सिंह	११—००
१४०५ इन्द्रशक्ति का विकास	०—७५
१४०६ ईश्वर का साक्षात्कार । सातवलेकर	३—००
१४०७ ईश्वरस्वरूपदर्शन हीराप्रकाश । स्वामी हीरानन्द	७—२५
१४०८ उपदेशमञ्जरी । दयानन्द सरस्वती	३—००
१४०९ एकत्वदर्शन । निर्मलचन्द्र	१—५०
१४१० ओङ्कारनिर्णय । शिवशङ्कर	१—५०
१४११ कर्तव्य । रामचन्द्र वर्मा	३—००
१४१२ कर्तव्य दर्पण । महात्मा नारायण स्वामी	१—२५
१४१३ कर्म और योग । स्वामी कृष्णानन्द	२—५०
१४१४ कर्मयोग । स्वामी विवेकानन्द	२—००
१४१५ कर्मवाद और जन्मान्तर । ललिताप्रसाद पाण्डेय	३—७५
१४१६ कल्याण का मार्ग । स्वामी योगानन्द	२—२५
१४१७ कल्याण किरणावली । स्वामी शिवगिरि (गुजराती)	०—७५
१४१८ ज्ञानी गुरु अर्थात् ज्ञान और साधन पद्धति । स्वामी निगमानन्द	
सरस्वती प्रणीत	५—००
१४१९ चन्द्रकान्त (वेदान्त) । सर इच्छाराम देसाई । १-३ भाग	३०—००
१४२० चरित्रनिर्माण । सत्यकाम विद्यालङ्कार	२—५०
१४२१ चिट्ठिलास (हिन्दी) श्रीसम्पूर्णानन्द	५—००
१४२२ चैतन्यचरितावली । १-५ भाग	५—६५

१४२३ जगजीतप्रज्ञा । बाबा नगीनासिंह वेदी	१—००
१४२४ जीवन का सद्व्यय । हरिभाऊ उपाध्याय	३—००
१४२५ जीवन की पहली । एनी बेसेंट । अनुवादक-जलेश्वरप्रसाद	०—७५
१४२६ जीवन की भूलें । स्वामी वेदानन्द तीर्थ	०—५०
*१४२७ जीवन-दर्शन । डॉ० मुंशीराम शर्मा	
जीवन क्या है ? वह कैसे विकसित तथा उन्नत होता है ? जीवनपथ पर कैसे मोड़ आते हैं ? आदि पर विस्तृत विवेचन	२—००
१४२८ जीवनधर्म । निर्मलचन्द्र	१—५०
१४२९ ज्ञान-माला (भाषा वार्तिक)	०—४२
१४३० ज्ञानवैराग्य छुन्दावली । १-२ भाग	१—२५
१४३१ तत्त्वचिन्तामणि । जयदयाल गोयनका । १-७ भाग । स्थूलक्षर ।	९—५०
१४३२ तत्त्वज्ञान । डा० दीवानचन्द्र	४—००
१४३३ तत्त्वज्ञान । महात्मा आनन्दस्वामी	३—००
१४३४ तत्त्वज्ञान-महाज्ञान । हिन्दी अनुवाद सहित	३०—००
१४३५ तत्त्वसार (मराठी) चांगदेव बटेश्वर कृत	१—००
१४३६ तत्त्वानुसन्धान । स्वामी चिद्वनानन्द	८—४०
१४३७ दर्शनानन्द ग्रन्थ संग्रह । १-२ भाग	५—००
*१४३८ दिव्य जीवन दर्शन । ले०-पथिक । ज्ञान, भक्ति और कर्मयोग का समन्वय जिसके जीवन में हुआ हो ऐसे ज्ञानी भक्तयोगी द्वारा सरल, मौलिक शब्दों में कपिल के सांख्य, भगवान श्रीकृष्ण की गीता तथा विविध शास्त्रों के सिद्धान्तों का सारभूत सङ्गुपदेश इस पुस्तिका में निहित है ।	०—५०
१४३९ पञ्चापात रहित अनुभव प्रकाश । विशुद्धानन्द कालीकमलीवाले	९—६०
१४४० पञ्चकोश और सूक्ष्म जगत् । गङ्गाप्रसाद	०—८८
१४४१ पञ्चीकरण । श्रीराम विरचित । जयकृष्ण कृत हिन्दी व्याख्या	३—००
१४४२ परमात्मा अनुभव । शिवनारायण पनपालिया	०—७५
१४४३ परलोकतत्त्व ।	०—८७
१४४४ पारसमणि (पारस भाग का हिन्दी अनुवाद) स्वामी आत्मानन्द । स्वामी सनातनदेव संशोधित	६—००
१४४५ पूजातत्त्व । म० म० गोपीनाथ कविराज	४—००
*१४४६ प्रज्ञानानन्द प्रकाश । भावार्थकौमुदी हिन्दी अनुवाद सहित	३—००
१४४७ प्रपञ्चपरिचय । विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि	२—००
१४४८ प्रभुदर्शन । महात्मा आनन्दस्वामी	२—५०
१४४९ प्राणतत्त्व । स्वामी विष्णु तीर्थ	१—५०
१४५० प्रेमयोग ।	२—००
१४५१ ब्रह्मज्ञान अपूर्व भण्डार । स्वामी आत्मदेव	६—००
१४५२ ब्रह्मविज्ञान । योगेश्वरानन्द सरस्वती	१४—००
१४५३ ब्रह्म विद्या । कृष्णानन्द सरस्वती	६—००

*१४५४ भक्ति का विकास । डॉ० सुंशीराम शर्मा

परम पुरुषार्थ रूप में प्राप्य 'भगवत्' और भक्ति' तत्त्व के विषय में
यथावत् ज्ञेय सामग्री का एकत्र संकलन

२०—००

*१४५५ भक्तिरङ्गिणी । डॉ० सुंशीराम शर्मा

भक्ति-भाव से ओत-प्रोत वेदमन्त्रों का सरस हिन्दी गीतों में अनुवाद
भक्ति-तरङ्गिणी अध्यात्म-पथ के यात्रियों के लिये अनुपम सम्बल
सिद्ध होगी

३—००

१४५६ भगवद्ज्ञान के विचित्र रहस्य । बाबा नगीनासिंह वेदी

२—००

१४५७ भारतीय तत्त्वचिन्तन । श्री ब्रजभूषण पाण्डेय । इस पुस्तक में विद्वान्
लेखक ने शास्त्रीय जटिलताओं से दूर रह कर अत्यन्त बोधगम्य भाषा
एवं शैली में भारतीय मनीषियों के चिन्तनों को पल्लवित किया है ।
दर्शन के गूढ़ सिद्धान्तों की सुन्दर एवं मार्मिक व्याख्या ही इस ग्रन्थ
की अपनी विशेषता है

३—५०

१४५८ महावाक्य । परमहंस स्वामी योगानन्द

१—५०

१४५९ मार्ग की खोज । रोहित महेता । अनुवादिका—देवी महेता

१—५०

१४६० मोक्ष प्राप्ति के दो विभिन्न मार्गों की अमरूपता । स्वामी आत्मानन्द

०—५०

१४६१ युगप्रवर्तक विवेकानन्द । स्वामी अपूर्वानन्द

२—५०

१४६२ युगाचार्य विवेकानन्द । स्वामी अपूर्वानन्द

०—९२

१४६३ योग रसायन ।

१—२५

१४६४ योगवासिष्ठ—भाषा । सम्पूर्ण १-२ भाग

३०—००

१४६५ योगवासिष्ठ (दो प्रकरण भाषा)

०—७५

१४६६ योगवासिष्ठ आणि संत वाङ्मय । डॉ० यशवन्त विठ्ठल परांजपे (मराठी)

१०—००

१४६७ योगवासिष्ठकथा । रघुनाथ सिंह

१५—००

१४६८ रुहानी सात मञ्जिलें (प्रवचन पूज्य गुरुदेव) हरीशचन्द्र प्रसाद

०—२०

१४६९ विचारचन्द्रोदय । पीताम्बर कृत । निगमानन्द अनुवादित

२—००

१४७० विचार चन्द्रोदय—पीताम्बरी

३—००

१४७१ विचारप्रदीपिका । शिवगिरि

२—००

१४७२ विचार माला । स्वामी गोविन्ददास

२—४०

१४७३ विचार सागर । स्वामी निश्चल दास कृत । मूल

१—७५

१४७४ विचार सागर । निश्चलदास तथा पीताम्बर कृत

१२—००

*१४७५ विचारसागर । व्याख्याकार—स्वामी श्री हनुमानदास जी षट्शास्त्री ।

ब्रह्मनिष्ठ श्री स्वामी निश्चलदास विरचित हिन्दी का यह
प्रसिद्ध गूढ़ ग्रन्थ सुविशद हिन्दी भाष्य के साथ प्रकाशित
किया गया है । हिन्दी-संस्कृत की विचार-पोषक सूक्तियों भी
व्याख्यान में यत्र-तत्र पिरोई हुई हैं

३—००

१४७६ विचारसागरदर्पण और दृष्टि-सृष्टि । स्वामी मनोहरदास

४—००

१४७७ वृत्तिप्रभाकर । निश्चलदास

८—४०

१४७८ वृत्तिप्रभाकर । स्वामी निश्चलदास । अनुवादक—स्वामी आत्मानन्द

६—००

१४७९ वेदान्त । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित	१—००
१४८० वेदान्त और अद्वैतवाद । स्वामी गणेशदास	२—००
१४८१ वेदान्त छन्दावली । १-५ भाग	२—५०
१४८२ वेदान्तदीपिका । स्वामी योगानन्द (आलू वाले बाबा)	२—५०
१४८३ वेदान्तरहस्य । स्वामी योगानन्द	१—००
१४८४ वेदान्त सिद्धान्त और व्यवहार । स्वामी शारदानन्द	०—५०
१४८५ व्यावहारिक आत्मविद्या । एच. पी. ब्लवेडस्की । अनुवादक-रविशरणवर्मा	१—२५
१४८६ व्यावहारिक जीवन में वेदान्त । स्वामी विवेकानन्द	१—१५
१४८७ शङ्कराचार्य । श्री बलदेव उपाध्याय	१०—००
१४८८ शङ्कराचार्य का आचार दर्शन । डा० रामानन्द तिवारी	५—००
१४८९ शान्ति की ओर । जगदीशप्रसाद गोयल	१—२५
१४९० श्रीनारायण-उपदेशाश्रित । शिवोम्प्रकाश ब्रह्मचारी	१—७५
१४९१ श्रीब्रह्मसंकीर्तन । (डोगरी वेदान्त) स्वामी ब्रह्मानन्द तीर्थ	८—२५
१४९२ श्रीशङ्कराचार्य का मायावाद । डॉ० बी० एल० आत्रेय	१—००
१४९३ श्रुति की टेर । 'भोला'	०—७५
१४९४ सत्य की खोज में । पारसनाथ सहाय	२—००
१४९५ सत्यदर्शन । कालिकानन्द स्वामी । गोपालचन्द्र वेदान्त शास्त्री अनुवादित	५—००
१४९६ समता क्या है । स्वामी आत्मानन्द	०—७५
१४९७ स्वतन्त्र चिन्तन । कर्नल इंगरसोल । भदन्त आनन्द कौसल्यायन	१—५०
१४९८ स्वरूपानुमत । द्वितीयचन्द्र चक्रवर्ती	२—५०
१४९९ स्वर्ग का विमान	६—००
१५०० हृदय के सिद्धान्त । एनी बेसेंट । अनुवादक-रविशरण वर्मा	१—२५



स्वामी अखण्डानन्द संरस्वती जी के ग्रन्थ

१५०१ आनन्दवाणी । १-९ भाग	८—००
१५०२ ईशावास्य-प्रवचन	१—२५
१५०३ चरित्रनिर्माण आणि ब्रह्मज्ञान । अनु०-शरद द्वारकानाथ हजारे (मराठी)	१—००
१५०४ नारदभक्तिदर्शन ।	७—००
१५०५ भक्तियोग । श्रीमद्भगवद्गीता का बारहवाँ अध्याय पर प्रवचन	४—५०
१५०६ भगवान के पाँच अवतार	२—००
१५०७ महाराजश्री का एक परिचय	०—२५
१५०८ माण्डूक्य प्रवचन ।	६—००
१५०९ मोहन नी मोहिनी । (गुजराती)	०—५०
१५१० श्रीपुरुषोत्तम योग	२—५०
१५११ श्री मन्नागवत महापुराण में गोपीगीत ।	३—५०
१५१२ श्रीमद्भागवत रहस्य	२—५०
१५१३ सत्संग, साधन और फल	२—००
१५१४ सांख्ययोग (गीता का द्वितीय अध्याय)	५—००
१५१५ सुगम भक्ति मार्ग	२—००

श्री पं० मधुसूदन-विद्यावाचस्पति-कृत-ग्रन्थाः

१५१६ अत्रिख्यातिः ।	२-००	१५४४ भगवद्गीता-विज्ञानभाष्यम् ।	
१५१७ अहोरात्रवादः ।	१-५०	द्वितीयं मूलकाण्डम्	४-२५
१५१८ आधिदैविकाध्यायः ।	३-५०	१५४५ " तृतीयं आचार्यकाण्डम्	६-८७
१५१९ आशीचपञ्जिका ।	३-५०	१५४६ " चतुर्थं हृदयकाण्डम्	६-२५
१५२० इन्द्रविजयः ।	६-२५	१५४७ मन्वन्तर-निर्धारः ।	२-५०
१५२१ ऐतरेयोपनिषद् ।	०-७५	१५४८ महर्षिकुल वैभव । हिन्दी	
१५२२ कादम्बिनी । हिन्दी टीका		भाषानुवाद सहित	४-००
सहित	६-००	१५४९ महर्षिकुलवैभवम् । प्र.भा. १०-७५	
१५२३ कौषीतकोपनिषद् ।	०-७५	१५५० साधवख्यातिः ।	२-००
१५२४ छन्दोभ्यस्ता ।	३-१२	१५५१ यज्ञसरस्वती । (सोमकाण्ड-	
१५२५ जगद्गुरुवैभवम् ।	२-२५	अग्निचयनकाण्ड)	७-५०
१५२६ दशवादरहस्यम् ।	१-२५	१५५२ यज्ञोपकरणाध्याय-यज्ञविटपा-	
१५२७ देवतानिवित् ।	२-५०	ध्याय-कर्मनुक्रमणिकाध्याय	२-८७
१५२८ धर्मपरीक्षापञ्जिका	०-५०	१५५३ रजोवाद ।	६-००
१५२९ निघण्टु मणिमाला अर्थात्		१५५४ वस्तुसमीक्षा ।	०-६२
वैदिककोषः ।	१-५०	१५५५ विज्ञानविद्युत् ।	१-५०
१५३० निरुद्धपशुबन्धः ।	१-००	१५५६ वेदधर्मव्याख्यान ।	४-२५
१५३१ पञ्चभूतसमीक्षा ।	०-६२	१५५७ वैज्ञानिकोपाख्यानम्-	
१५३२ पदनिरुक्तम् ।	१-५६	वैदिकोपाख्यानम् ।	१-५६
१५३३ पितृसमीक्षा ।	१-५०	१५५८ ज्योमवाद-अपरवाद-	
१५३४ पुराणनिर्माणाधिकरणम् ।	१-५०	आवरणवाद-अम्भोवाद ।	२-५०
१५३५ पुराणोत्पत्तिप्रसङ्गः ।	१-८७	१५५९ शारीरकविज्ञानभाष्यम् ।	
१५३६ प्रत्यन्तप्रस्थानमीमांसा ।	१-००	१-२ भाग	६-००
१५३८ ब्रह्मविज्ञान ।	५-००	१५६० शारीरकविमर्शः ।	७-००
१५३९ ब्रह्मविज्ञानप्रवेशिका ।	२-००	१५६१ संध्योपासनरहस्यम् । हिन्दी	
१५४० ब्रह्मविनय । सं० वासुदेवशरण		टीका सहित	२-७५
अग्रवाल	५-००	१५६२ संशयतदुच्छेदवादः ।	२-७५
१५४१ ब्रह्मसमन्वयः ।	३-००	१५६३ संस्कृतरत्नाकरः (वेदाङ्कः)	६-००
१५४२ ब्रह्मसिद्धान्तः ।	१२-००	१५६४ सदसद्वादः ।	१-००
१५४३ भगवद्गीता-विज्ञानभाष्यम् ।		१५६५ स्मार्तकुण्डसमीक्षाध्याय ।	२-००
प्रथमं रहस्यकाण्डम्	४-००	१५६६ स्वर्गसन्देशः ।	१-००

राजस्थान-वैदिकतत्त्वशोध-संस्थान-ग्रन्थाः

पं० मोतीलाल शर्मा शास्त्री कृत

१५६७ ईशोपनिषद् । विज्ञान भाष्य । १-२ खण्ड	३०-००
१५६८ उपनिषद्विज्ञानभाष्य भूमिका । प्रथम खंड	२०-००
१५६९ उपनिषद्विज्ञानभाष्यभूमिका । द्वितीय खंड	१५-००

गोरक्षसम्प्रदाय-ग्रन्थाः

६१

१५७० उपनिषद्विज्ञानभाष्यभूमिका । तृतीय खंड	१५—००
१५७१ गीताविज्ञानभाष्यभूमिका । प्रथम खण्ड । बहिरङ्ग परीक्षा	१५—००
१५७२ गीताविज्ञानभाष्यभूमिका । पञ्चम खण्ड । बुद्धियोग परीक्षा । पूर्वखंड	२०—००
१५७३ गीताविज्ञानभाष्य भूमिका । भक्तियोग परीक्षा । १-२ खंड	४०—००
१५७४ गीताविज्ञानभाष्य भूमिका । ज्ञानयोग परीक्षा	३—००
१५७५ भारतीय दृष्टि से विज्ञान शब्द का समन्वय के ज्ञानसत्र से सम्बद्ध प्रश्नोत्तरी विमर्शात्मक वक्तव्य ।	१—५०
१५७६ भारतीय हिन्दू मानव और उसकी भावुकता । प्रथम खंड	१५—००
१५७७ 'मानवाश्रम' पाक्षिक सप्ताह समष्टि	३—००
१५७८ वेद का स्वरूप विचार ।	२—००
१५७९ वेदस्य सर्वविद्याविधानत्वम् ।	१—५०
१५८० शतपथब्राह्मण विज्ञान भाष्य । प्रथमकाण्डान्तर्गत प्रथम अध्यायात्मक प्रथम खण्ड	२५—००
१५८१ शतपथब्राह्मण विज्ञान भाष्य । प्रथमकाण्डान्तर्गत द्वितीय, चतुर्थ-पंचम-षष्ठ अध्यायात्मक द्वितीय खण्ड	३०—००
१५८२ शतपथब्राह्मण विज्ञानभाष्य । चतुर्थ वर्ष अंक १, ३-४	७—५०
१५८३ शतपथब्राह्मण विज्ञानभाष्य । पञ्चम वर्ष अंक १ से ३	७—५०
१५८४ श्राद्धविज्ञानोपनिषत् । (सापिण्ड्य) तृतीय खंड	१५—००
१५८५ श्वेत क्रान्ति का महान् सन्देश ।	३—००
१५८६ सत्ता निरपेक्ष-‘संस्कृति’ शब्द, एवं सत्तासापेक्ष-‘सम्भ्यता’ शब्द का चिरन्तन इतिवृत्त तथा भारतीय-‘सांस्कृतिक’ आयोजनों की रूपरेखा	२५—००
१५८७ सांस्कृतिक व्याख्यानपञ्चक ।	६—००



गोरक्षसम्प्रदाय-ग्रन्थाः

१५८८ अमृतमंजरी-अजीर्णमंजरी । ०-२५	१५९८ गोरक्षशब्द की निरुक्ति । ०-५०
१५८९ अवधू जोगी । चन्द्रनाथ कृत ०-३७	१५९९ गोरक्षसिद्धान्त संग्रहः । हिन्दी टीका सहित २-५०
१५९० आदेशार्थप्रकाशः । योधपुरा-धिराज मानसिंह संगृहीत ०-३७	१६०० गोरक्षस्तुतिमञ्जरी । (मूल संस्कृत, हिन्दी अनुवाद) संग्रहकर्ता-नरहरिनाथ १-५०
१५९१ इतिहासप्रकाशः । संग्राहक-योगी नरहरिनाथ । १-३ भाग १७-००	१६०१ गोरखनाथ अवतार कथा । गोरक्षनाथाष्टक-पात्रदेवताष्टक ०-५०
१५९२ कदलीमञ्जुनाथमाहात्म्यम् । भारद्वाज संहितायाम् ५-२५	१६०२ गोरखनाथ और उनका युग । डा० राणिय राघव ८—००
१५९३ कल्याणवंशावली । ०-३१	१६०३ गोरखालीहस्तको सैनिक इतिहास ०-३०
१५९४ कवितानिकोपलः । लक्ष्मणकृत ०-५०	१६०४ गोरखा सैनिक इतिहास । ०-४५
१५९५ कुलचन्द्रिका । केशरी कृत ०-२५	१६०५ गोर्खा वंशावली । (निपाली भाषा) २-००
१५९६ गकारादि गोरक्षसहस्रनाम । योधपुराधिराज मानसिंह संगृहीत १-००	
१५९७ गोरक्षशतकम् । आंगलानुवाद-सहितम् ३-७५	

१६०६ जगदम्बा श्री पाटेश्वरी स्तोत्र ०-१३	१६३१ शावरचिन्तामणिः । मत्स्येन्द्र- नाथ कृत । हिन्दी अनुवाद सहित १-२५
१६०७ ज्वालापुराण भाषाश्लोक । ०-३७	१६३२ श्रीचर्पटशतकम् । सिद्ध- चर्पटनाथनिर्मित ०-३७
१६०८ ज्ञानदीप-बोध (गुरु दत्तात्रेय- गोरक्षनाथ संवाद) व्याख्याकार- योगनाथ स्वामी ३-००	१६३३ श्रीत्रिभुवनवंशमाला । ०-२५
१६०९ दक्षिणाविभूतिस्तवराजः । ०-५०	१६३४ श्रीनाथकथासारः । सिद्धद्वारका- नाथ योगी विरचित १-००
१६१० दिव्य उपदेश । (राष्ट्रपिता श्री पृथ्वीनारायण साहदेव को दिव्य उपदेश) ०-५०	१६३५ श्रीनाथग्रन्थसूची । ०-५०
१६११ दुल्लज्ज्वालापुराण । विशाखरकृत १-००	१६३६ श्रीनाथशतकम् । श्रीनाथ पृथ्वीस्तव ०-२५
१६१२ देवमालावंशावली । २-००	१६३७ श्रीनाथस्तोत्रभूतिः । ०-२२
१६१३ धनुर्वेदः । १-००	१६३८ श्री पाटेश्वरीशतकम् । म० शङ्करनाथ ०-३१
१६१४ नवनाथकथा । (गुजराती) ०-७५	१६३९ श्रीपात्रदेवकदलीयान्ना । २-००
१६१५ प्रशस्तिरत्नम् । रामभद्र कृत ०-४४	१६४० श्रीशान्तिचरित्रम् । नरहरिनाथ रचित ०-७५
१६१६ भक्तविजयकाव्यम् । कवि ललिता बल्लभ विरचित सं० टीका सहित ०-६३	१६४१ श्रीसिद्धधीरजनाथचरित्रम् । नरहरिनाथ विरचित हिन्दी टीका सहित १-००
१६१७ भर्तृहरिनिर्वेदनाटकम् । हरिहरो- पाध्यायकृत । हिन्दीटीका सहित १-००	१६४२ संस्कृतपारसीकपदप्रकाशः । १-००
१६१८ भविष्यवाणीसञ्चय । चन्द्रनाथ सैन्धव १-००	१६४३ सत्यनाथतीर्थ । ०-५०
१६१९ महार्थमञ्जरी । भगवद्गोरक्षनाथ ०-५०	१६४४ सांख्यवसन्तः । नरहरिनाथ ०-५०
१६२० मेरा उपक्रम । शङ्करनाथ ०-३१	१६४५ सिद्धभगवन्तनाथाष्टकम् । ०-१२
१६२१ योगबीजम् । गोरक्षनाथ भाषित १-००	१६४६ सिद्धरत्ननाथः । ०-२५
१६२२ योगसारावली-नाथ सिद्धान्त डिंडिम-गोरक्षरक्षास्तोत्र ०-७५	१६४७ सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः । नाथ- निर्वाण व्याख्या सहित । योगी नरहरिनाथ शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित । संपादक-कडवः शम्भुशर्मा १०-००
१६२३ योगसाहस्री । योगिपञ्चमानन्द नाथ संगृहीत ०-५०	१६४८ सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः । श्रीमती कल्याणी मल्लिक संपादित १०-००
१६२४ योगिप्रेमनाथचरित्रम् । ०-३१	१६४९ सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित ३-२५
१६२५ योगीगोरक्षनाथ सत्यधर्म । १-००	१६५० स्वात्मयोगप्रदीपः । १-००
१६२६ रतन बोध । ०-०६	१६५१ हिमवत्खण्ड । हिमालय को पौरा- णिक इतिहास १५-००
१६२७ रुद्राक्षारण्यमाहात्म्यम् । २-७५	
१६२८ विवेकमार्तण्डः । योगतोषिणी व्याख्या सहित १-५०	
१६२९ वृत्तमालास्तुतिः । श्रीमित्र कृत ०-७५	
१६३० वैश्वानरपुराणम् । हिन्दी टीका सहित १-००	

शैव-ग्रन्थाः तथा काश्मीर-शैव-ग्रन्थावली

- *१६५२ ABHINAVAGUPTA—An Historical and Philosophical Study by Dr. K. C. Pandeya. (Chow. Sans. Studies Vol. I) 45—00
- १६५३ अजितागमः । सं० एन० आर० मट्ट । प्रथम भाग । शोधपूर्णं संस्करण २५—००
- १६५४ ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी । उत्पलदेवाचार्यकृत । अभिनवगुप्त कृत व्याख्या सहित । १-२ भाग ७—००
- १६५५ ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविवृतिविमर्शिनी । अभिनवगुप्त कृत । १-३ भाग ८—००
- १६५६ उड्डामरेश्वरतन्त्र । मूल १—७५
- *१६५७ COMPARATIVE AESTHETICS:—
Vol I. Indian Aesthetics by Dr. K. C. Pandeya.
(Chow. Sans. Studies Vol. II) 30—00
Vol II. Western Aesthetics by Dr. K. C. Pandeya.
(Chow. Sans. Studies Vol. IV) 30—00
- १६५८ कर्मकाण्डक्रमावलि । सोमशंभु विरचित १—५०
- १६५९ कामकलाविलासः । पुण्यानन्द विरचित । सटीक १—२५
- १६६० गणपतितत्त्व । मूलसंस्कृत श्लोकों की इन्डोनेशीय कविभाषा में व्याख्यान । मूल, देवनागरी तथा रोमन लिपियों में पृथक्-पृथक् पाठ तथा हिन्दी अनुवाद । टिप्पणी सहित । श्रीमती डॉ० सुदर्शना (डॉ० रघुवीर) सम्पादित ३०—००
- १६६१ गिलगित बौद्धग्रन्थावलिः । डॉ० रघुवीर-लोकेशचन्द्राभ्यां संपादिता (मुर्जपत्राणां भाषित्राणि) पार्ट १-४ १२०—००
- १६६२ घटकपरिकाव्य । अभिनवगुप्त कृत विवृति सहित ०—५०
- १६६३ जन्ममरणविचार-अमरौवाचानुशासन-तन्त्रवदधानिका । १—२५
- १६६४ तन्त्रसारः । अभिनवगुप्त कृत २—५०
- १६६५ तन्त्रालोकः । अभिनवगुप्तकृत । जयरथकृतव्याख्या सहित । १ तथा ३ से १२ भाग ३६—००
- १६६६ देवीनामविलास । साहिब कौलकृत २—५०
- १६६७ देशोपदेशनर्ममाला । क्षेमेन्द्रकृत १—५०
- १६६८ नरेश्वरपरीक्षा । षड्योतिकृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित २—००
- १६६९ नेत्रतन्त्रम् । क्षेमराजकृत व्याख्या सहित । १-२ भाग ६—००
- १६७० परमार्थसारः । अभिनवगुप्तकृत । योगराज व्याख्या सहित २—५०
- १६७१ परार्त्रिशिका (आगमशास्त्र) अभिनव गुप्त कृत व्याख्या सहित ३—३८
- १६७२ परार्त्रिशिका लघुवृत्तिः । परार्त्रिशिका विवृति सहित १—००
- १६७३ परार्त्रिशिकातात्पर्यदीपिका शाक्तविज्ञानम् । १—००
- १६७४ प्रत्यभिज्ञाहृदयम् (शाक्तदर्शन) : हिन्दी टीका सहित । पट्टत्रिंश-तत्त्वसन्दोहः—परामर्शिका । क्षेमराजाचार्य विरचित । १—२५

*१६७५ प्रत्यभिज्ञाहृदयम् । राजानक क्षेमराजाचार्य विरचितम् ।
सविमर्शहिन्दीव्याख्याविभूषितम् । व्याख्याकार-प्रो० शिवशंकर
अवस्थी

प्रत्यभिज्ञादर्शन का प्रवेशद्वार यह संक्षिप्त किन्तु जटिल अवतक
अव्याख्यात ही रहा । अतः विद्वानों के आग्रह पर सुयोग्य तन्त्र-
व्याख्याता विद्वान् द्वारा सुविचारित एवं निर्णीत पाठान्तर एवं उन्हीं
द्वारा विरचित शुद्ध प्रामाणिक तथा सुबोध हिन्दी व्याख्या आवश्यक
स्थलों पर विशद विमर्श तथा गम्भीर शास्त्रीय विचारों से पूर्ण
भूमिकादि के साथ यह संस्करण किया गया है । अपनी कोटि का
सर्वप्रथम श्रेष्ठ संस्करण है ।

यन्त्रस्थ

१६७६ Pratyabhijñāhṛdayam. Text and English Translation by
K. F. Leidecker. 10—00

१६७७ प्रासादमण्डन । (शिल्पशास्त्र) १—००

१६७८ बोधपञ्चदशिका । परमार्थचर्चा । अभिनव गुप्त विरचित । सविवरण ०—५०

१६७९ भगवद्गीता । रामकण्ठ कृत व्याख्या सहित २—००

१६८० Bhaskari. Vol. III. An English translation of the Īśvara
Pratyabhijñāvimarśini in the light of the Bhāṣkari. 7—94

१६८१ महानयप्रकाशः । राजानकशितिकण्ठकृत १—७५

१६८२ महार्थमञ्जरी । महेश्वरानन्दकृत स्वोपज्ञ व्याख्या सहित १—७५

१६८३ मालिनीविजयतन्त्र । (आगम शास्त्र) ३—५०

१६८४ मालिनीविजयवार्तिक । अभिनवगुप्त कृत ३—००

१६८५ मृगेन्द्रतन्त्र (विद्यापाद-योगपाद) । नारायण कण्ठ कृत व्याख्या सहित ३—००

१६८६ रौरवागमः । ० एन० आर० मट्ट । प्रथम भाग (शोधपूर्ण संस्करण) १८—००

१६८७ लोकप्रकाशः । क्षेमेन्द्रकृत १—००

१६८८ लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि । देवपालकृत भाष्य सहित । १-२ भाग ५—५०

१६८९ वातूलनाथसूत्राणि । अनन्तशक्तिकृत वृत्ति सहित १—००

१६९० वामकेश्वरीमतविवरण । जयरथ कृत १—००

१६९१ विज्ञानमैरव । क्षेमराज-शिवोपाध्याय-आनन्दमण्डकृत व्याख्या सहित २—५०

१६९२ शिवदृष्टि । सोमानन्दविरचित । उत्पलदेवकृत वृत्ति सहित २—५०

१६९३ शिवसूत्रवार्तिकम् । वरदराजकृत १—००

१६९४ शिवसूत्रवार्तिकम् । राजानकभास्करवृत्तिः तथा स्पन्दवृत्तिः कल्लटविरचिता २—५०

१६९५ शैवदर्शनबिन्दुः । डॉ० कान्तिचन्द्र पाण्डेय २—००

१६९६ शैवपरिभाषा । शिवाग्रयोगीन्द्रकृता ३—७५

१६९७ श्री प्रभुदेव वचनामृत । (वीरशैवसिद्धान्त) अनुवादक-शिवकुमार देव ९—५०

१६९८ षट्त्रिंशत्तत्त्वसन्दोह-भावोपहार-बोधपञ्चदशिका-अनुत्तरप्रकाशपञ्चा-
शिका-पराप्रवेशिका १—४४

१६९९ सोमशम्भुपद्धति । संस्कृत मूल तथा फ्रांसीसी अनुवाद । सं० हेलेन
ब्रूनार लाचाव २५—००

१७०० स्तवचिन्तामणिः । मट्टनारायण कृत क्षेमराज व्याख्या सहित २—२५

१७०१ स्पन्दकारिका । रामकण्ठाचार्यकृत वृत्ति सहित २—७५

१७०२ स्पन्दनिर्णयः । क्षेमराज कृत	३—५०
१७०३ स्पन्दसंदोहः । क्षेमराजकृत	०—५०
१७०४ स्वच्छन्दतन्त्रम् (आगम शाल) क्षेमराजकृत व्याख्या सहित १-७ भाग	१६—५०
१७०५ सिद्धिन्नयम् । प्रत्यभिज्ञाकारिकावृत्ति सहित	३—००

श्रीमद्भगवद्गीता

१७०६ गीता के प्रधान विषय का अङ्गभूत । स्वामी आत्मानन्द मुनि	०—१६
१७०७ गीता के प्रधान विषय तथा गीताप्रेस गोरखपुर के प्रति विनयपत्रिका । (भक्तशिरोमणि श्री जयदयालु जी गोयन्दका के साथ लेखक का खुला पत्र व्यवहार) स्वामी आत्मानन्द मुनि	१—२५
१७०८ गीतातत्त्व । स्वामी शारदानन्द कृत	२—८०
१७०९ गीतातत्त्वप्रदीप । (विभूतियोग) सिद्धिनाथ मेहरोत्रा	८—००
१७१० गीतातत्त्ववादः । श्री राम कृष्ण हिन्दी-आंग्लानुवाद सहित	०—७५
१७११ गीता-दर्पण अर्थात् श्रीमद्भगवद्गीता पर श्री रामेश्वरानन्दी अनुभवार्थ- दीपक भाषा-भाष्य । ले०—श्री स्वामी आत्मानन्द मुनि	५—००
१७१२ गीतादर्शनम् । समाख्यं-सगुर्जरानुवादम् । भाष्यकार-प्रा० नलिन म० मट्ट । अनुवादिका-मालती श्राफ	६—००
१७१३ गीता नवनीत । (श्रीमद्भगवद्गीता की नवीन व्याख्या) मूल और भाषानुवाद-वासुदेवशरण अग्रवाल	५—००
१७१४ गीताप्रवचन गीताव्याख्यानमाला । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी १-३ भाग	३४—५०
१७१५ गीता-मर्म । कृष्णस्वरूप विद्यालंकार कृत हिन्दी टीका सहित	७—५०
१७१६ गीताऽमृत । शिवकुमार मिश्र 'मयूर'	३—०
१७१७ गीतामृत । कृष्णदत्त पालीवाल	३—५०
१७१८ गीतामृत तरंगिणी । मूल श्लोक हिन्दी पद्यानुवाद सहित । राजेन्द्रप्रसाद कृत	१—५०
१७१९ गीतामृतम् । सं० डॉ० सत्यनारायण पाण्डेय	१—५०
१७२० गीता में कहा है । बाबूलाल ओसवाल	०—३७
१७२१ गीता रहस्य । लोकमान्य तिलकप्रणीत (हिन्दी)	१२—००
१७२२ गीतारहस्य । लोकमान्य तिलक प्रणीत (अंग्रेजी)	२०—००
१७२३ गीतार्थसंग्रहः । रक्षया सहितः	०—५०
१७२४ गीतार्थ संग्रहः । भगवत् यामुन कृत । श्रीवेदान्तदेशिक कृत गीतासार सहित । संस्कृत-तामिल आंग्लानुवाद सहित	३—५०
१७२५ गीतोपदेश । (गीतावाणी का हिन्दी) अनिलवरण राय कृत	३—००
१७२६ गीर्वाण ज्ञानेश्वरी । १-२ भाग	५—००
१७२७ ज्ञानेश्वरी । (पहिला अध्याय) केतकी-शब्दार्थ जाह्नवी सहित	३—२५
१७२८ पञ्चरत्नगीता । मध्यमाक्षर । सजिल्द	१—५०
१७२९ पञ्चरत्नगीता । हिन्दी टीका सहित । गुटका	१—००
१७३० पञ्चरत्नगीता-कोमल गीता । नेपाली टीका सहित	४—५०
१७३१ भगवद्गीता । श्लोकार्थ सूची । सातवलेकर कृत	०—५०

१७३२ भगवद्गीता । स्थूलाक्षर । मूलमात्र अजिल्द	०—३१	सजिल्द	०—५३
१७३३ भगवद्गीता । हिन्दी टीका । गुटका	०—२०	सजिल्द	०—३५
१७३४ भगवद्गीता । साधारण हिन्दी टीका	०—६०	सजिल्द	१—००
१७३५ भगवद्गीता । अन्वय-पदच्छेद, स्वामी आत्मानन्द मुनि कृत सारबोधिनी टीका सहित			१—५०
१७३६ भगवद्गीता । मूल-पदच्छेद-अन्वय-हिन्दीटीका द्योटा टाईप सजिल्द			१—००
१७३७ भगवद्गीता । मूल-पदच्छेद-अन्वय साधारण हिन्दी टीका बड़ा टाईप			१—२५
१७३८ भगवद्गीता । प्रत्येक अध्याय माहात्म्य युक्त । हिन्दी	०—८७	सजिल्द	१—२५
१७३९ भगवद्गीता । सातवलेकर कृत हिन्दी अर्थ सहित			०—५०
१७४० भगवद्गीता । ज्ञानेश्वरी-हिन्दी			५—५०
१७४१ भगवद्गीता । डा० वेलवेलकर संशोधित । डा० वासुदेवशरणअग्रवाल कृत हिन्दी अनुवाद सहित			६—००
१७४२ भगवद्गीता । अर्थप्रकाशिका हिन्दी टीका सहित			२—००
१७४३ भगवद्गीता । सुबोधकौमुदी हिन्दीटीका			१—००
१७४४ भगवद्गीता । अमृततरङ्गिणी हिन्दी टीका			२—४०
१७४५ भगवद्गीता । तत्त्वविवेचनी हिन्दी टीका सहित			४—००
१७४६ भगवद्गीता । कविराज हरिवरुण जोशी कृत हिन्दी हरि भाष्य सहित			६—००
१७४७ भगवद्गीता । सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार कृत धारावाही हिन्दी टीका सहित			१२—००
१७४८ भगवद्गीता । सातवलेकर कृत पुरुषार्थबोधिनी हिन्दी टीका सहित			३०—००
१७४९ भगवद्गीता । बाल गंगाधर तिलक कृत हिन्दी टीका सहित			१—५०
१७५० भगवद्गीता । गणेशानन्द कृत । प्रथम भाग			१—००
१७५१ भगवद्गीता । डा० एस. के. वेलवेलकर संपादित			७—५०
१७५२ भगवद्गीता । बालबोधिनी संस्कृत-गीतार्थचन्द्रिका हिन्दी टीका सहित			१—५०
१७५३ भगवद्गीता । शाङ्करभाष्य सहित । गोखले सम्पादित			७—५०
१७५४ भगवद्गीता । शाङ्करभाष्य सहित			४—५०
१७५५ भगवद्गीता । शांकरभाष्य-आंग्ल भूमिका नोट्स सहित । मोदी संपादित			४०—००
१७५६ भगवद्गीता । आनन्दगिरि-शाङ्करभाष्य व्याख्याद्वयोपेत			९—२५
१७५७ भगवद्गीता । आनन्दगिरि । हिन्दी टीका सहित			८—४०
१७५८ भगवद्गीता । आनन्दवर्धन विरचित टीका सहित । शांकर-काश्मीरपाठ तुलनापत्र सहित । एस० के० वेलवेलकर संपादित			८—५०
१७५९ भगवद्गीता । तात्पर्यचन्द्रिका टीका समेत रामानुज भाष्य सहित			११—२५
१७६० भगवद्गीता । रामानुजाचार्य प्रणीत भाष्य सहित			३—००
१७६१ भगवद्गीता । शांकर-रामानुज-मध्व भाष्य सहित			१६—२५
१७६२ भगवद्गीता । श्रीधरी संस्कृत व्याख्या सहित			२—००
१७६३ भगवद्गीता । श्रीधरस्वामिकृत व्याख्या तथा हिन्दी टीका सहित			३—००
*१७६४ भगवद्गीता । मधुसूदनी संस्कृत व्याख्या हिन्दी अनुवाद सहित			
अनु०—स्वामी श्री सनातनदेव जी महाराज । सर्वाधिक प्रामाणिक मधुसूदनी संस्कृत व्याख्या के प्रतिपद के अत्युत्तम अनुवाद के द्वारा हिन्दी-ज्ञाताओं को भी गीतामृत सुलभ कराया गया है तथा वयोवृद्ध मुमुक्षुओं के लिये बड़े टाईप में सुस्पष्ट मुद्रण किया गया है ।			
			१५—००

- १७६५ भगवद्गीता । पैशाचभाष्योपेत २—२५
- १७६६ भगवद्गीता । राजानक अभिनवगुप्तटीका । लक्ष्मणरैनाब्रह्मचारी संपादित २—००
- १७६७ भगवद्गीता । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित । कश्मीर २—५०
- १७६८ भगवद्गीता । रामकण्ठाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित । मद्रास ६—५०
- १७६९ भगवद्गीता । राजानकरामकवि प्रणीत सर्वतोमद्र व्याख्यायुत । पूना ४—५०
- १७७० भगवद्गीता । प्रतिपदार्थ विवरण सहित २—६२
- १७७१ भगवद्गीतार्थप्रकाशिका । ब्रह्मयोगी कृत १५—००
- १७७२ भगवद्गीता । सदानन्द स्वामि प्रणीत मात्रप्रकाश श्लोकवद्ध व्याख्या ६—००
- १७७३ भगवद्गीता । विशिष्टाद्वैतमतानुयायी सुदर्शनाचार्य प्रणीत तत्त्वार्थसुदर्शनी व्याख्या—हिन्दी टीका सहित ८—४०
- १७७४ भगवद्गीता । रामानन्दाचार्य प्रणीत आनन्दभाष्य-अनुभवानन्दाचार्य कृत गीतार्थ सुधा-रघुवराचार्य कृत अर्थचन्द्रिका-वैष्णवाचार्य कृत गुणार्थ-दीपिका व्याख्या सहित ७—००
- १७७५ भगवद्गीता । रामानुजभाष्य तथा व्याख्या—महागुरुप्रणीत तात्पर्यचन्द्रिका—शाङ्करभाष्य—आनन्दतीर्थभाष्य—जयमुनि कृत तट्टाख्या । २-३ भाग १२—००
- १७७६ भगवद्गीता (निम्बार्कभाष्याद्यन्याष्टटीकोपेता) १ केशवकाश्मीरी भट्टाचार्य २ मधुसूदन सरस्वती, ३ शङ्करानन्द ४ श्रीधरस्वामि ५ सदानन्द ६ धनपतिसूरि ७ दैवज्ञपण्डितसूर्य तथा ८ राघवेन्द्रकृत टीका सहित २५—००
- १७७७ भगवद्गीता (एकादशटीकोपेता) १ शाङ्करभाष्य २ आनन्दगिरि ३ रामानुज. ४ वेङ्कटनाथ ५ आनन्दतीर्थ ६ जयतीर्थ ७ हनुमत्, ८ ब्रह्मानन्दगिरि ९ वल्लभाचार्य १० पुरुषोत्तमजी ११ नीलकंठ टीका सहित २५—००
- १७७८ भगवद्गीता । वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्कर प्रणीत अद्वैताङ्कुरा व्याख्या सहित । प्रथम द्वितीयाध्याय मात्र ३—२५
- १७७९ भगवद्गीता । अध्याय २, १२, १३ व १५ । स्वामी भगवदाचार्य कृत गुजराती टीका ५—२५
- १७८० भगवद्गीता । अन्वय—श्रीधरी संस्कृत टीका, उसकी हिन्दी तथा श्यामा-चरण लाहिड़ीकृत आध्यात्मिकदीपिका हिन्दी टीका एवं भूपेन्द्रनाथ सान्यालकृत आध्यात्मिकदीपिका की विशद हिन्दी व्याख्या । १-२ भाग १८—००
तृतीय भाग यन्त्रस्थ
- १७८१ भगवद्गीता । स्वामी हरिप्रसाद वैदिक मुनि कृत व्याख्या सहित २—५०
- १७८२ भगवद्गीता । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । अनुवादक विराज १२—००
- १७८३ भगवद्गीता । भगवदाचार्य कृत भगवद्भाष्य सहित । १-६ अध्याय २—५०
- १७८४ भगवद्गीता । संक्षिप्त तथा सटीक । राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित १—५०
- १७८५ भगवद्गीता । बंगाली बाबा द्वारा अंग्रेजी व्याख्यान का हिन्दी अनुवाद । कु० बृजरानी देवी अनुवादित ५—००
- १७८६ भगवद्गीता । डॉ० एस० के० वेलवलकरकृत आंग्लानुवाद सहित १२—००
- १७८७ भगवद्गीता । भगवदाश्वानुसरणाभिधान भाष्य सहित । भास्कराचार्य विरचित । डा० सुभद्रोपाध्याय सम्पादित ५—५०
- १७८८ भगवद्गीता । श्रीनारायणस्वामी कृत बृहद् हिन्दी व्याख्या १-३ भाग २१—००

१७८९ भगवद्गीता और आधुनिक जीवन ।	२-५०
१७९० भगवद्गीता का आशय और उद्देश्य । डा० भगवानदास	०-५०
१७९१ भगवद्गीता का सार । चन्द्रमाल	०-७५
१७९२ भगवद्गीता-गीतार्थचन्द्रिका । स्वा० दयानन्द कृत	३-००
१७९३ भगवद्गीता-चित्रमय । संस्कृत आंग्लानुवाद सहित । पी० एस० मेहरा	२५-००
१७९४ भगवद्गीता-चित्रमय । (हिन्दी) पी० एस० मेहरा	६०-००
१७९५ भगवद्गीता-तत्त्वविमर्श । स्वामी भगवदाचार्य	१-००
१७९६ भगवद्गीता-ज्ञानेश्वरी । हिन्दी पद्यानुवाद । अनु०-गणेशप्रसाद अग्रवाल	१५-००
१७९७ भगवद्गीता-ध्यानयोग । (गीता का छठवा अध्याय) मूल श्लोक- पदच्छेद पदान्वय-भाषानुवाद सहित । मिश्रीलाल	०-५०
१७९८ भगवद्गीता-ज्ञानयोग । (गीता के अध्याय १३-१४-१५ के) मूल श्लोक-पदच्छेद-पदान्वय और भाषानुवाद सहित । मिश्रीलाल	१-००
१७९९ भगवद्गीता भारतीयदर्शनानि । अनन्तकृष्णशास्त्रि प्रणीत	४-४१
१८०० भगवद्गीता में शरणागति । शिवनारायण पनपालिया	०-६१
१८०१ भगवद्गीता-विवेचनात्मक शब्दकोष । रायबहादुर पी. सी. दीवान	१२-००
१८०२ भगवद्गीता सप्तश्लोकी ।	०-०६
१८०३ भगवद्गीतानुक्रमणिका ।	०-१२

विविध गीता

१८०४ अवधूत गीता ।	०-३७	१८१७ धीश गीता । हिन्दी टीका सहित	१-५०
१८०५ अष्टावक्रगीता । हिन्दी टीका	१-५०	१८१८ पाण्डवगीता । मूलमात्र	०-१२
१८०६ अष्टावक्रगीता । हिन्दी टीका	४-००	१८१९ पाण्डवगीता । हिन्दी टीका	०-२५
१८०७ ईश्वरगीता । हिन्दी टीका	१-५०	१८२० ब्रह्मगीता । हिन्दी टीका सहित	२-००
१८०८ उत्तरगीता । गौड़पादाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित	०-२५, ०-६२	१८२१ रामगीता । माहात्म्य सहित	०-१२
१८०९ उत्तरगीता । गौड़पादाचार्य विरचित व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित	१-५०	१८२२ रामगीता । हिन्दी अनुवाद	३-००
१८१० उत्तरसत्याग्रहगीता । क्षमाराव	६-७५	१८२३ रामगीता-पितृसंहिता- पितृकल्पः ।	०-७५
१८११ गणेशगीता । मूल मात्र	०-५०	१८२४ विष्णुगीता । भाषानुवाद	२-००
१८१२ गणेशगीता । नीलकण्ठीव्याख्या	३-००	१८२५ शक्तिगीता । हिन्दी अनुवाद	२-००
१८१३ गान्धी गीता । श्रीनिवासविरचित	३-७५	१८२६ शम्भुगीता । भाषानुवाद	२-००
१८१४ गोपी गीता । सव्याख्या	१-००	१८२७ शिवगीता । मूलमात्र	०-७५
१८१५ गोपी गीता । हिन्दी टीका	०-२४	१८२८ शिवगीता । लक्ष्मी नरहरि सुत प्रणीत बालानन्दिनी व्याख्या	१-२५
१८१६ वनश्यामगीता (तत्त्वखनिः) वनश्यामशर्मा शास्त्री रचित हिन्दी टीका सहित	८-५०	१८२९ सत्याग्रहगीता । क्षमाराव	२-५०
		१८३० संन्यासगीता । भाषानुवाद	२-००
		१८३१ सप्तशतीगीता ।	३-००
		१८३२ सूर्यगीता । हिन्दी अनुवाद	१-५०

उपनिषद्-ग्रन्थाः

- १८३३ अप्रकाशित सामान्य [७१] उपनिषद् : । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित २०—००
- १८३४ अष्टाविंशत्युपनिषत् । मूलमात्र २—४०
- १८३५ अष्टादश उपनिषद् : । अर्थव्याकरणावबोधक टिप्पणी सहित ।
लिमये-वाडेकर संपादित । प्रथम खण्ड २०—००
- १८३६ अष्टाविंशत्युपनिषद् । मूलमात्र ३—००
- १८३७ अष्टोत्तरशतोपनिषत् । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग २६—२५
- १८३८ ईश-ऐतरेय-कठ-केन-छान्दोग्य-तैत्तिरीय-प्रश्न-माण्डूक्य-
मुण्डकोपनिषद् : । शाङ्करभाष्य सहित १०—००
- १८३९ ईशकेनकठोपनिषत् । दिगम्बरानुचर विरचितार्थप्रकाश व्याख्या समेत १—५०
- १८४० ईशकेनकठप्रश्नमुण्डकमाण्डूक्यानन्दवल्लीभृगूपनिषद् : । रंगरामानुज-
विरचित प्रकाशिकोपेताः ३—७५
- १८४१ ईशादयो दशोपनिषद् : । स्वामी भगवदाचार्य कृत संस्कार भाष्य सहित ८—००
- १८४२ ईशादिनवोपनिषद् । हिन्दी व्याख्या सहित २—५०
- १८४३ ईशादिपञ्चोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि-शङ्करानन्दी व्याख्या सहित ६—००
- १८४४ ईशावास्य रहस्य । सत्यदेव शास्त्री २—५०
- १८४५ ईशावास्यवृत्ति । विनोबा भावे १—००
- १८४६ ईशावास्योपनिषत् । कूरनारायण प्रणीत प्रकाशिका-श्रीधरशास्त्रि कृत
बालबोधिनी व्याख्या समेत २—५०
- १८४७ ईशावास्योपनिषत् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—२५
- १८४८ ईशावास्योपनिषद् । शांकरभाष्य-सुब्रह्मण्य शास्त्री कृत टिप्पणी सहित ०—६२
- १८४९ ईशावास्योपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि टीका युक्त १—५०
- १८५० ईशावास्योपनिषद् । बालकृष्ण शास्त्री कृत मनस्विनी व्याख्या सहित १—५०
- १८५१ ईशावास्योपनिषद्-दर्पण । सत्यदेव १—००
- १८५२ ईशावास्योपनिषद्भाष्य । आचार्य भाष्य तात्पर्य सहित १—८७
- १८५३ ईशोपनिषद् । व्याख्याकार-मिश्रीलाल ०—५०
- १८५४ ईशोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित २—००
- १८५५ ईशोपनिषद् । आंगलानुवाद-व्याख्या सहित ३—००
- १८५६ उपनिषद् । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित १—२५
- १८५७ उपनिषद् आर्यभाष्य (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-ऐतरेय-
तैत्तिरीयोपनिषद् :) आर्यमुनि कृत ६—००
- १८५८ उपनिषद्-दिग्दर्शन । डा० दीवानचंद । हिन्दी २—७५
- १८५९ उपनिषत्पीयूष । (ईश-केन-कठ-मुण्डकोपनिषद्) राजेन्द्र प्रसाद कृत
पद्यात्मक अनुवाद अन्वय सहित २—००
- १८६० उपनिषत् प्रकाश । (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्योपनिषद्) दर्शना-
नन्द सरस्वती । अवधविहारीलाल अनुवादित ४—५०
- १८६१ उपनिषद् मन्त्रवाक्य महाकोश (२२३ उपनिषदों का कोश) २५—००
- १८६२ उपनिषदसंग्रह । (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-ऐतरेय-तैत्तिरीय-
छान्दोग्योपनिषद्) जयदेव विद्यालङ्कार अनुवादित ६—००
- १८६३ उपनिषद्-व्याकरण-पदसूची । विश्वबन्धु सम्पादित ५५—००

- १८६४ उपनिषदां समुच्चयः । शङ्करानन्द नारायण विरचित दीपिका संवलित १०-००
- १८६५ उपनिषदों की शिक्षा प्रणाली । विद्यासागर शर्मा ३-००
- १८६६ एकादशोपनिषत् । सत्यव्रत सिद्धान्तालंकारकृत धारावाही हिन्दी अनुवाद १२-००
- १८६७ एकादशोपनिषदः । अमरदास विरचित उपनिषन्मणिप्रभा-भिताक्षरा-
दीपिका सहित १५-००
- १८६८ ऐतरेयोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युक्त २-००
- १८६९ ऐतरेयोपनिषत् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०-४५
- १८७० ऐतरेयोपनिषत् । भाष्य-टिप्पण-खण्डार्थ सहित ११-२५
- १८७१ ऐतरेयोपनिषत् । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ०-७५
- १८७२ औपनिषदिक जीवन सौख्य । ले० डॉ० केशव लक्ष्मण दफ्तरी (मराठी) ४-००
- *१८७३ हिन्दी कठोपनिषद् । ('शाङ्करभाष्य' सहित)
इसकी हिन्दी व्याख्या अपने बृहद् आकारवश महाभाष्य ही बन गई है । भाषा एवं शैली अत्यन्त सुबोध है । पाण्डित्यपूर्ण सुविस्तृत समालोचनात्मक भूमिका तथा 'नोट्स' आदि परीक्षोपयोगी सभी आवश्यक सामग्री से संवलित सर्वोत्तम संस्करण । यन्त्रस्थ
- १८७४ कठोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित १-५०
- १८७५ कठोपनिषद् । डॉ० नरेन्द्रदेवशास्त्री कृत संस्कृत-हिन्दी आंगलानुवाद सहित २-२५
- १८७६ कठोपनिषद् । मन्त्र-अन्वय-मन्त्रार्थ-शाङ्करभाष्य-भाष्यानुवाद-
उपनिषत्सुबोधिनी टीका सहित ३-००
- १८७७ कठोपनिषद् । (चित्रमय) श्लोक हिन्दी टीका-आंगलानुवाद सहित १५-००
- १८७८ कठोपनिषद् । (पद्य) श्रीमती विद्यावती । हिन्दी ०-८१
- १८७९ कठोपनिषद्-दर्पण । सत्यदेव । हिन्दी १-३१
- १८८० काठकोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत २-००
- १८८१ काठकोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि-हिन्दी टीका सहित १-५०
- १८८२ काठकोपनिषत् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०-७०
- १८८३ केनोपनिषत् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०-६०
- १८८४ केनोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत १-५०
- १८८५ केनोपनिषत् । शाङ्कर-रामानुजभाष्य-श्रीधरशास्त्री प्रणीत बालबोधिनी
व्याख्या सहित २-५०
- १८८६ केनोपनिषद् । बालकृष्ण शास्त्री कृत मनस्विनी व्याख्या सहित २-००
- १८८७ केनोपनिषद् । मन्त्र-पदच्छेद-अन्वय-शब्द-शब्दार्थ-भावार्थ-व्याख्या और
आंगलानुवाद । अनुवादक आहिताग्नि यमुनाप्रसाद त्रिपाठी ४-००
- १८८८ केनोपनिषद् । मन्त्र-अन्वय-मन्त्रार्थ-शाङ्करभाष्य-उपनिषत्सुबोधिनी
हिन्दी टीका सहित ०-७५
- १८८९ केनोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित १-७५
- १८९० केनोपनिषद्-दर्पण । सत्यदेव । हिन्दी ०-७५
- १८९१ केनोपनिषद्भाष्यम् । शांकरभाष्य-सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत
टिप्पणी सहित २-५०
- १८९२ छान्दोग्योपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित ८-००
- १८९३ छान्दोग्योपनिषद् । रामस्वरूप शर्मा कृत अन्वय-पदार्थ-हिन्दी भाषार्थसहित ३-००

१८९४ छान्दोग्योपनिषद् । नित्यानन्द प्रणीत मितक्षरा व्याख्या सहित	३—००
१८९५ छान्दोग्योपनिषद् । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित	१०—००
१८९६ छान्दोग्योपनिषद् । रंग रामानुज प्रणीत प्रकाशिका सहित	५—५०
१८९७ सलवकारोपनिषद् । भाष्य टिप्पण-खंडार्थ सहित	१—४०
१८९८ तैत्तिरीय उपनिषद् भाष्य ।	२—००
१८९९ तैत्तिरीय भाष्यार्थ विमर्शिनी । आनन्दबल्ली भृगुबल्ली सहित	९—७५
१९०० तैत्तिरीयैतरेयोपनिषद् । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित	७—५०
१९०१ तैत्तिरीयोपनिषद् । ब्रह्मभेद सहित । सस्वर	१—३७
१९०२ तैत्तिरीयोपनिषद् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित	१—००
१९०३ तैत्तिरीयोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत	२—७५
१९०४ तैत्तिरीयोपनिषद् । भाष्य-टिप्पण-खण्डार्थ सहित	५—००
१९०५ तैत्तिरीयोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित	१—५०
१९०६ तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम् । कृष्णानन्दतीर्थ प्रणीत वनमाला व्याख्या सहित	५—५०
१९०७ तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम् । कूरनारायण मुनि विरचित	३—७५
१९०८ तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यवार्तिक । सुरेश्वराचार्यकृत । आनन्दगिरिव्याख्यायुत	३—२५
१९०९ दशोपनिषदः । मूलमात्र	३—००
१९१० दशोपनिषदः । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित । १-२ भाग	३०—००
१९११ दशोपनिषदः । रंगरामानुज स्वामी भाष्य परिष्कार सहित । २-६ भाग	३८—७५
१९१२ नवोपनिषदः (ईश-येतरेय-कठ-केन-छान्दोग्य-तैत्तिरीय-प्रश्न-माण्डूक्य- सुण्डक उपनिषद्) शांकर भाष्य सहित	१०—००
१९१३ नारायणोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित	२—४०
१९१४ नृसिंह पूर्वोत्तरतापनीयोपनिषद् । सन्याख्या	२—५०
१९१५ पञ्चत्रिंशदुपनिषद् । गुटका	२—४०
१९१६ पञ्चोपनिषद् । वनखण्ड श्री पीताम्बरापीठस्थस्वामि विरचित प्रकाश भाष्य सहित	२—२५
१९१७ प्रश्न-सुण्डक-माण्डूक्यभाष्यम् । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित	५—००
१९१८ प्रश्नोपनिषद् । शाङ्कर भाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत	१—५०
१९१९ प्रश्नोपनिषद् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित	०—५५
१९२० प्रश्नोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित	१—५०
१९२१ बृहदारण्यकोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित	१६—००
१९२२ बृहदारण्यकोपनिषद् । नारायण स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित	३—००
१९२३ बृहदारण्यकोपनिषद् । रङ्गरामानुज प्रणीत प्रकाशिका व्याख्या सहित	४—७५
१९२४ बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिकम् । सुरेश्वराचार्य विरचित । आनन्दगिरि व्याख्या युत । प्रथम भाग	४—७५
१९२५ बृहदारण्यकोपनिषद् मितक्षरा । नित्यानन्द मुनि प्रणीत	४—००
१९२६ भवसन्तारणोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित	१—२०
१९२७ महानारायणोपनिषद् ।	०—७०
१९२८ माण्डूक्यरहस्यविवृतिः । गौडपादकारिका व्याख्या । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती संयमि विनिर्मित	१३—५०
१९२९ माण्डूक्योपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्यायुत	३—५०

१९३०	माण्डूक्योपनिषद् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित	१—२५
१९३१	माण्डूक्योपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित	०—५०
१९३२	माण्डूक्योपनिषद् । सान्वय हिन्दी व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित । सं० आहिताग्नि यमुनाप्रसाद त्रिपाठी	४—००
१९३३	मुक्तिकोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित	०—३०
१९३४	मुण्डकोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत सभाष्य	२—८१
१९३५	मुण्डकोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्यायुत	१—००
१९३६	मुण्डकोपनिषद् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित	०—५५
१९३७	मुण्डकोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-श्रीधरशास्त्रीप्रणीत बालबोधिनी सहित	२—५०
१९३८	मुण्डकोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित	१—५०
१९३९	याज्ञिक्युपनिषद्विचरणम् । पुरुषोत्तमतीर्थकृत	४—००
१९४०	रामकृष्ण उपनिषद् । राजगोपालाचार्य । लक्ष्मी देवदास गांधी अनुवादित	३—००
१९४१	वैष्णवोपनिषद् । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित (१४ उपनिषद्)	२०—००
१९४२	शाक्तोपनिषद् । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (८ उपनिषद्)	८—००
१९४३	शैवोपनिषद् । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (१५ उपनिषद्)	१२—००
१९४४	श्रुतिसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः । अष्टोत्तरशतोपनिषद् सारसंग्रह	६—००
१९४५	श्वेताश्वतरादि उपनिषद् । विशिष्टाद्वैतभाष्य सहित	७—५०
१९४६	श्वेताश्वतरोपनिषद् ।	५—००
१९४७	श्वेताश्वतरोपनिषद् । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित	१—०५
१९४८	श्वेताश्वतरोपनिषद् । हिन्दी-अन्वय-पदार्थ-भावार्थ सहित	१—२०
१९४९	संन्यासोपनिषद् । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (१७ उपनिषद्)	१६—००
१९५०	सामान्यवेदान्तोपनिषदः । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित (२४ उपनिषद्)	२०—००

वैदिक-ग्रन्थाः

१९५१	अग्निदेवता । हिन्दी	०—५०
१९५२	अग्निदेवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकर संपादित	६—००
१९५३	अथर्व-प्रातिशाख्यम् । विश्वबन्धु सम्पादित । प्रथम भाग	२५—००
* १९५४	ATHARVA-VEDA PRĀTIS'ĀKHYA or S'AUNAKĪYA CATURĀDHYĀYIKĀ : Text, Translation and Notes : By W. D. Whitney. (Chow. Sans. Studies Vol. XX)	20—00
* १९५५	अथर्ववेद संहिता (शोधपूर्ण संस्करण) विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार डॉ० रामकृष्ण शास्त्री । सम्पादक-आचार्य विश्वनाथ शास्त्री वेदाचार्य	ग्रन्थस्थ
१९५६	अथर्ववेदः । (शौनकीयः) पदपाठ-सायणभाष्य-पाठभेद-टिप्पण सहित । १-४ भाग ५ जिल्द में ।	२२५—००
* १९५७	अथर्ववेद एवं गोपथब्राह्मण । (M. Bloomfield संपादित संस्करण का अविकल हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक । डा० सूर्यकान्त शास्त्री	२५—००

- १९५८ अथर्ववेद की अनुक्रमणिका । ०—८५
- १९५९ अथर्ववेद-पदपाठानुक्रमणी (अकारादि-वर्णक्रमानुसारिणी) २५—००
- १९६० अथर्ववेदपदानामकारादिवर्णक्रमानुक्रमणिका । स्वामी विश्वेश्वरानन्द-
स्वामी नित्यानन्द ...
- १९६१ अथर्ववेद-वैयाकरण-पदसूची । (A Grammatical Word-Index to
Atharvaveda) विश्व-धु संपादित ६०—००
- १९६२ अथर्ववेद ब्राह्मणकाण्ड । श्रीसंपूर्णानन्द संपादित ३—००
- १९६३ अथर्ववेद शतक । १—००
- *१९६४ अथर्ववेदसंहिता । मूलमात्र । सम्पादक-आचार्य ऋषिशंकर
अग्निहोत्री यन्त्रस्थ ६—००
- १९६५ अथर्ववेदसंहिता । मूलमात्र । सजिन्द ६—००
- *१९६६ अथर्ववेदसंहिता । सायणभाष्य सहित । सम्पूर्ण यन्त्रस्थ
- १९६७ अथर्ववेदसंहिता । सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भावार्थ सहित ।
१-२ भाग । श्रीराम शर्मा आचार्य १३—५०
- १९६८ अथर्ववेदसंहिता । जयदेवविद्यालङ्कारकृत भाषाभाष्य सहित । १ से ४ भाग ३२—००
- १९६९ अथर्ववेदसंहिता । सातवलेकरप्रणीत सुबोधहिन्दीभाष्य सहित १-२, ४-५ भाग ४८—००
- १९७० अथर्ववेदीयकौशिकगृह्यसूत्रम् । हारिलकेशवयोरसङ्क्षिप्तटीकया
हिन्दीभाषानुवादेन च सहितम् समाप्त
- १९७१ अथर्ववेदीयज्यौतिषम् (काश्यप-प्रजापति संवाद) हिन्दी टीका सहित १—००
- १९७२ अथर्ववेदीय बृहत् सर्वानुक्रमणिका । विश्व-धु सम्पादित १५—००
- १९७३ अथर्ववेदीया पैपलादसंहिता । प्रथम काण्ड । उपोद्घात, अपेक्षित
टिप्पणी समेत । दुर्गामोहन भट्टाचार्य सम्पादित १०—००
- १९७४ अथर्ववेदे शान्तिपुष्टि कर्माणि॥ डा० माया मालवीया विरचित ८—००
- १९७५ अदितिः, आदित्याश्च । मंत्रसंग्रह सातवलेकर संपादित ३—००
- १९७६ अश्विनौदेवता का मंत्रसंग्रह । हिन्दी टीका सहित सातवलेकर संपादित ५—००
- १९७७ अश्विनौदेवतामंत्रसंग्रह । सातवलेकर संपादित । मूलमात्र ३—००
- १९७८ अस्य वामस्य सूक्तम् । सायण-आत्मानन्द भाष्य सहित १२—००
- १९७९ आनोभद्रीयं सूक्तम् । पदपाठ-वैकटमाधव-स्कन्दस्वामि-महीधर-
सायण-काश्यप भाष्य सहित ३—००
- *१९८० आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् । श्रीहरदत्तप्रणीत-अनाकुला, श्रीसुदर्शनाचार्य
प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय तथा हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
- १९८१ आपस्तम्बशुक्लसूत्रम् । कपर्दिस्वामि-करविन्द-सुन्दरराजकृत व्याख्या सहित ३-४४
- १९८२ आपस्तम्बश्रौतसूत्रम् । धूर्तस्वामिभाष्योपेतं रामाभिचिद्वृत्तिसहितम्
(१-३ सम्पुटानि १-१० प्रश्नाः) २८—००
- १९८३ आपस्तम्बश्रौतसूत्रं । धूर्तस्वामिभाष्य । १-२ भाग । चित्रस्वामीशास्त्रीसंपादित ३२—००
- १९८४ आयुर्वेदप्रकरणम् मंत्रसंग्रहः । सातवलेकर संपादित ५—००
- १९८५ आश्वलायनगृह्यपरिशिष्टम् । सं० के० परमेश्वर पैथल ३—२५
- १९८६ आश्वलायनगृह्यसूत्रम् । नारायण-प्रणीतवृत्तिः गृह्यपरिशिष्टम्,
कुमारिलभट्ट विरचितगृह्यकारिका च ४—२५
- *१९८७ आश्वलायनसूत्रप्रयोगदीपिका । भट्टमञ्जनाचार्य विरचित ६—००

१९८८ उग्ररथशान्तिप्रयोगः ।	५-००
१९८९ उदकशान्तिः । आपस्तम्बीय । प्रयोग सहित	०-५०
१९९० उदकशान्तिः । शौनकीय । (ऋग्वेदीय) प्रयोग सहित	०-५०
१९९१ उपनिदानसूत्रम् । (सामगानां छन्दाः)	१-००
१९९२ उरुज्योति । वैदिक अध्यात्मसुधा । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	३-००
१९९३ उषादेवता । हिन्दी टीका सहित । सातवलेकर संपादित	४-००
१९९४ उषादेवता मंत्रसंग्रह । सातवलेकर संपादित	१-७५
१९९५ ऋक्संहिता । स्कन्दस्वामिभाष्य वेंकट माधवाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित तीसरा भाग मात्र	१-६९
१९९६ ऋक्-सूक्त-रत्नाकरः (मुख्यतः सायण और पीटर्सन की व्याख्याओं पर आधारित) सं० रामकृष्ण आचार्य	६-००
१९९७ ऋक्सूक्तवैजयन्ती । १०८ सूक्तों का संहितापाठ-पदपाठ-सटिप्पण-अनुवाद सहित । सम्पादक—वेलणकर, पराङ्कर, जोशी	२५-००
१९९८ ऋक्सूक्तसंग्रहः । सायणभाष्यानुसारी-पीटर्सन की हिन्दी व संस्कृत व्याख्या सहित	७-००
१९९९ ऋक्सूक्तसुधा । मंत्र-पदपाठ-सायण-भाष्य-हिन्दी आंगलानुवाद सहित	५-००
२००० ऋगर्थसारः । दिनकरभट्ट कृत । आर्येन्द्रशर्मा-के० सीतारामैय्या संपादित । प्रथम भाग	२-५०
२००१ ऋगभाष्यसङ्ग्रहः । सायण-स्कन्दस्वामी-वेंकट माधव भाष्य-आंगलानुवाद	१०-००
२००२ ऋगवर्णक्रमलक्षणम् । नरसिंहसूरि विरचित । सव्याख्या	२-००
२००३ ऋगवेद । रामगोविन्द कृत हिन्दी अनुवाद मात्र	१२-००
२००४ ऋगवेदः । पदपाठ । स्कन्द स्वामि कृत उद्गीथ-भाष्य, वेङ्कटमाधव कृत व्याख्या, सायणभाष्यानुसारिणीमुद्रणीयवृत्ति सहित । विश्वबन्धु सम्पादित । १-८ भाग, संपूर्ण	३६०-००
२००५ ऋगवेद-ऋषिदेवता छन्दोनुक्रमणिका । विश्वबन्धु संपादित	७-००
२००६ ऋगवेद कथा । रघुनाथ सिंह	१३-००
२००७ ऋगवेदकाल में पारिवारिक सम्बन्ध । डॉ० एस० आर० शास्त्री	२७-५०
२००८ ऋगवेदकालीन सांस्कृतिक इतिहास । चि. ग. काशीकर	२-५०
२००९ ऋगवेद का धर्म तथा अन्य लेख । सुधीर कुमार गुप्त	४-५०
२०१० ऋगवेद की अनुक्रमणिका ।	१-००
२०११ ऋगवेद की ऋक्संख्या । युधिष्ठिर मीमांसक	०-५०
२०१२ ऋगवेद के अग्नि सूक्त ।	२-००
२०१३ ऋगवेद के ऋषि और उनका सन्देश और दर्शन । डा० सुधीर कुमार गुप्त	२-५०
२०१४ ऋगवेद-पदपाठानुक्रमणिका । विश्वबन्धु संपादित	४५-००
२०१५ ऋगवेद पर एक ऐतिहासिक दृष्टि । विश्वेश्वरनाथ रेड्ड	१५-००
२०१६ ऋगवेदप्रतिशाख्यम् । डा० मङ्गलदेव शास्त्री सम्पादित । प्रथम भाग	२०-००
२०१७ ऋगवेदभाषाभाष्य । युधिष्ठिरमीमांसककृत (ऋषिदयानन्द भाष्य का) अनुवाद सहित । प्रथम भाग	२-५०

*२०१८ ऋग्वेद भाष्यभूमिका । सायणाचार्य विरचित ।

छात्रोपयोगी संस्करण राष्ट्रभाषा में प्रथम बार प्रकाशित
यह हुआ है । इसमें शब्दार्थ और भावार्थ देकर मूल ग्रंथ को
अधिक से अधिक सुबोध बनाने का प्रयत्न किया गया है ।

हिन्दी व्याख्याकार-आचार्य जगन्नाथ पाठक ३—००

२०१९ ऋग्वेदभाष्यभूमिका । दयानन्द सरस्वती कृत संस्कृतटीका-भाषाटीका २—५०

२०२० ऋग्वेदभाष्यम् । स्कन्दस्वामि प्रणीत । प्रथम अष्टक ६—७५

२०२१ ऋग्वेदमन्त्रसंहिता । १—५०

२०२२ ऋग्वेद-मन्त्रानुक्रमणिका । विश्वबन्धु संपादित १२—००

२०२३ ऋग्वेदमन्त्राणां वर्णानुक्रमः । २—००

२०२४ ऋग्वेद में रुद्र देवता । हिन्दी ०—६२

२०२५ ऋग्वेद-वैयाकरण-पदसूची । (A Grammatical Word-Index to
Rgveda) विश्वबन्धु संपादित ५०—००

२०२६ ऋग्वेदव्याख्या । माधव कृत । द्वितीय भाग मात्र २०—००

२०२७ ऋग्वेदशतकम् । जगदीशचन्द्र विद्यार्थी कृत १—००

२०२८ ऋग्वेदसंहिता । मन्त्रकोशादि सहित । मूलमात्र पत्रात्मक ८—००

२०२९ ऋग्वेदसंहिता । मूलमात्र । सजिल्द ७—००

२०३० ऋग्वेदसंहिता । मूलमात्र । सातवलेकर संशोधित । सजिल्द १०—००

*२०३१ ऋग्वेदसंहिता । (पदपाठ सहित) डॉ० मैक्समूलर-सम्पादित ।

इसमें बाएँ पृष्ठ पर मूलपाठ तथा दाहिने पृष्ठ पर पदपाठ मुद्रित है ।

बड़े अक्षरों में सुस्पष्ट मुद्रण तथा परिशुद्धता इसी संस्करण की विशेषता
है । प्राचीन परम्परा के अनुसार ऋषियों और देवताओं का यथास्थान
उल्लेख किया गया है । १-२ भाग सम्पूर्ण । लाइपज़ी संस्करण ५०—००

साधारण संस्करण ४०—००

*२०३२ Hymns of the Rgveda in Samhita and Pada Texts on
facing pages. Risis, deities and metres of every hymn
are given according to the tradition. Edited by
F. Max-Muller. 2 Vols. Ordinary Edition 40—00
Library Edition 50—00

२०३३ ऋग्वेदसंहिता । सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भावार्थ सहित ।

१-४ भाग । श्रीराम शर्मा आचार्य २७—००

२०३४ ऋग्वेदसंहिता । जयदेव विद्यालङ्कारकृत भाषाभाष्य सहित १ से ७ भाग ५६—००

२०३५ ऋग्वेदसंहिता । सातवलेकर प्रणीत सुबोध हिन्दी भाष्य सहित ।

भरद्वाज-वसिष्ठ ऋषि का दर्शन (षष्ठ-सप्तम मण्डल)

१४—००

*२०३६ RIG-VEDA-SAMHITA. With the Commentary of Sayanacharya. Edited by Dr. Max Muller. With exhaustive Critical Apparatus and Introductions of both the previous editions. Vols. I-IV. Dr. Max Müller dedicated the best part of his life to bring out this excellent edition of the Text and Commentary, which bears the impression of the experience of the culmination of a scholarly life. This new reprint on beautiful foreign paper in 20" x 30" 8 Vo. bears all the qualities of the original edition. 140-00

- *२०३७ ऋग्वेदसंहिता । (सायणभाष्य सहित) डॉ० मैक्समूलर सम्पादित ।
बहुत दिन पहले आक्सफोर्ड में छपने के बाद समाप्त हो जाने के कारण यह अत्युत्तम संस्करण अलभ्य था । २० वर्षों के अनवरत प्रयत्न के अनन्तर इसका यह प्रथम भारतीय संस्करण प्रकाशित किया जा सका है । सम्पादक महोदय के जीवन-व्यापी श्रम एवं शोध का परिणाम इस परिशुद्ध संस्करण के रूप में आपके सम्मुख है । इसमें प्रति संस्करण तथा प्रति भाग के विचारपूर्ण आमुख, संकेतसूची, आदि उपयोगी विषय भी प्रारम्भ में उपन्यस्त हैं । सर्वोत्तम पाण्डुलिपि और प्रातिशाख्य के प्रमाणों के आधार पर शुद्धाशुद्धि की विस्तृत सूची बड़ी ही उपयोगी है । २० × ३० अठपेजी आकार के पृष्ठ, बहुत उत्तम मोटा कागज, सुस्पष्ट मुद्रण तथा पक्की जिल्द । १-४ भाग १४०—००
- २०३८ ऋग्वेदसंहिता । सायणभाष्य सहित । सम्पूर्ण । पूना संस्करण २५०—००
- *२०३९ ऋग्वेदसंहिता । (प्रथम अध्याय, सूक्त १-१९) सम्पादक-प्रो०
उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' ।
इस अभिनव संस्करण में सस्वर संहितापाठ, पदपाठ, सायणभाष्य तथा स्कन्दभाष्य के महत्वपूर्ण अंश, हिन्दी-व्याख्या, हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद तथा प्रत्येक पद का स्वर-विचार दिया गया है । यन्त्रस्थ
- २०४० ऋग्वेदसंहिता पदपाठ । १५—००
- २०४१ ऋग्वेदसंहिता । उद्गीथाचार्य प्रणीत भाष्य सहित ५—००
- २०४२ ऋग्वेदसप्तममण्डलम् । प्रो० एच्० डी० वेलंकर सम्पादित आंग्लभूमिका अनुवादादि सहित २०—००
- २०४३ ऋग्वेदसौरभ । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—७५
- *२०४४ ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकानां संग्रहः । सायणाचार्य विरचित ।
पण्डित बलदेव उपाध्याय कृत विस्तृत आंग्ल उपोद्धात, संस्कृत प्रस्तावनादि सहित । परिष्कृत द्वितीय संस्करण ५—००
- २०४५ ऋग्वेदानुक्रमणी । माधवमठ विरचित । प्रथम भाग ४—००
- २०४६ ऋग्वेदिक आर्य । राहुल सांकृत्यायन ८—००
- २०४७ ऋग्वेदीय जटालक्षणम् । (श्री मधुसूदनीयशिक्षान्तर्गतम्) सत्यव्रत व्याख्या सहित १—००
- २०४८ ऋग्वेदे छन्दःपरामर्शः । सी० के० राजा विरचित १—६९
- *२०४९ A History of Vedic Literature by Sri Sambhu Nath Sharma.
In the Press
- २०५० ऐतरेयब्राह्मण का एक अध्ययन । डा० नाथूलाल पाठक १०—००
- २०५१ ऐतरेयब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा ऐतरेयब्राह्मण आचारविचाराः ।
डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री १—७५
- २०५२ ऐतरेयब्राह्मणम् । मूलमात्र । पत्रात्मक २—००
- २०५३ ऐतरेयब्राह्मणम् । सायण भाष्य सहित । दूसरा भाग ७—५०
- २०५४ ऐतरेयब्राह्मणम् । सद्गुरु शिष्य प्रणीत सुखपदावृत्ति सहित
१-३२ अध्याय । १-३ भाग १६—००

- २०५५ ऐतरेयब्राह्मणम् । गंगाप्रसाद उपाध्याय कृत् हिन्दी अनुवाद मात्र ५—००
 २०५६ ऐतरेयारण्यक-पर्यालोचनम् अथवा ऐतरेयारण्यक-आचारविचाराः ।
 डा० मङ्गलदेव शास्त्री सम्पादित २—००
 २०५७ ऐतरेयारण्यकम् । सायण भाष्य सहित ५—५३
 २०५८ ऐतरेयालोचन । सत्यव्रत सामाश्रमी सम्पादित २—२५
 *२०५९ ओरिजनल संस्कृत टेक्स्ट (मूल संस्कृत उद्धरण) प्रो० जे० मूडर
 कृत । सम्पादक और हिन्दी अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय ।
 १-५ भाग में संपूर्ण

इस संस्करण की विशेषता—

- भाग १ : हिन्दू जातियों की उत्पत्ति-सम्बन्धी पौराणिक विवरणों से सम्बद्ध मूल संस्कृत उद्धरणों का संकलन, उनका हिन्दी अनुवाद तथा यह विवेचन कि वैदिक काल में भी जातिवाद का अस्तित्व था अथवा नहीं । २०—००
 भाग २ : इस तथ्य की विवेचना करते हुये कि हिन्दू जाति के लोग हिमालय के उस पार से आये तथा यूरोपीय जाति की पश्चिमी शाखा से सम्बद्ध थे, अथवा नहीं, इस विषय पर मूल संस्कृत उद्धरणों का संग्रह तथा उनका हिन्दी अनुवाद । २०—००
 भाग ३ : ऋग्वेदिक सूक्तों के संग्रह के ठीक पूर्व अथवा उसके पाश्चात् के भारतीय कृतिकारों के वेदों की उत्पत्ति, विभाजन, प्रेरणा-स्रोत और आधिकारिकता को व्यक्त करने वाले मूल संस्कृत उद्धरणों का संग्रह तथा हिन्दी अनुवाद । २०—००
 भाग ४ : वैदिक सूक्तों, ब्राह्मण-ग्रन्थों तथा इतिहास-पुराण में मिलने वाले ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और अम्बिका आदि देवी-देवताओं से सम्बद्ध मूल संस्कृत उद्धरणों का हिन्दी अनुवाद सहित संग्रह तथा यह विवेचन कि देवी-देवताओं सम्बन्धी आरम्भिक धारणायें बाद की कृतियों से किस प्रकार उत्तरोत्तर परिवर्तित होती गईं । २०—००
 भाग ५ : वैदिक कालीन भारतीयों के सृष्टिरचना, पुराणशास्त्रीय और धार्मिक विचारों तथा जीवन और रीति-रिवाजों को व्यक्त करने वाले सानुवाद मूल संस्कृत उद्धरणों का संग्रह तथा उनकी विवेचना । शीघ्र प्राप्त होगा

मूल्य प्रत्येक भाग २०—००

- २०६० काठकगृह्यसूत्रम् । (यजुर्वेदीय) डा० कैलेण्ड संपादित १५—००
 २०६१ कात्यायनमतसंग्रह । २—८७

*२०६२ कात्यायनश्रौतसूत्र । कर्क-महीधर भाष्य सहित । डा० ए०
 वेबर संपादित यन्त्रस्थ

*२०६३ कात्यायनश्रौतसूत्रम् । श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहित ।

१२-२६ अध्याय दूसरा भाग मात्र

१४—००

२०६४ कौथुमगृह्यम् । भूमिका नोट्स सहित	९—००
२०६५ कौशितकी ब्राह्मण आरण्यक विषय कोश ।	६—००
*२०६६ कौषितकिब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा कौषीतकिब्राह्मण आचारविचाराः । डा० मंगलदेव शास्त्री सम्पादित	२—५०
२०६७ क्या वेद में इतिहास है ?	२—५०
२०६८ खादिरगृह्यसूत्रम् । रुद्रस्कन्दीयवृत्ति हिन्दीटीका सहित	२—५०
२०६९ गणपत्यथर्वशीर्षम् । मूलमात्र	०—१५
२०७० गणेशाथर्वशीर्षम् । सभाष्य	०—५१
२०७१ गलितप्रदीपः । लक्ष्मीधर सूरि विरचित । संपादक श्रीकृष्णदेव	२—००
२०७२ गोज्ञानकोशः (गौ के विषय में वेद मन्त्रों के वचनों का संग्रहः) सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद । १-२ भाग	१२—००
*२०७३ गोभिलगृह्यसूत्रम् । श्रीमुकुन्दशर्म विरचित 'मृदुल' व्याख्या समलंकृत	समाप्त
२०७४ गोभिलगृह्यसूत्रम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
*२०७५ चतुर्वेदभाष्यभूमिकानां संग्रहः । (तैत्तिरीयसंहिता-ऋग्वेद संहिता-सामवेदसंहिता-काण्वसंहिता-अथर्ववेदसंहिता) सायणाचार्यविरचितानां सर्ववेदभाष्यभूमिकानां संग्रहः	५—००
२०७६ चतुर्वेद-वैयाकरण-पदसूची । (A Grammatical Word-Index to all the four Vedas) विश्वबन्धु संपादित । १-२ भाग	८०—००
*२०७७ चरणव्यूहः । महर्षि शौनक प्रणीतः । आचार्यमहिदास कृत-भाष्ययुक्तः	१—५०
२०७८ चारायणीयमन्त्रार्थाध्यायः । यजुर्वेदीय । मूलमात्र	४—००
२०७९ चारों वेदों की अनुक्रमणिका ।	३—१५
२०८० छन्दस्वतीवाक् । वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आंग्लानुवाद सहित	१—५०
२०८१ छान्दोग्यब्राह्मण । गुणविष्णु कृत छान्दोग्य मन्त्र-भाष्य-सायण कृत वेदार्थप्रकाश सहित । दुर्गामोहनभट्टाचार्य संपादित	१५—००
२०८२ जैमिनीयोपनिषद् ब्राह्मणम् । सामवेदीय	६—००
*२०८३ ताण्ड्यमहाब्राह्मणम् । सायणाचार्य विरचित भाष्य सहित	३०—००
२०८४ तैत्तिरीयारण्यकम् । कृष्णयजुर्वेदीय । सायणभाष्य सहित । प्रथम भाग	१०—००
२०८५ तैत्तिरीयब्राह्मणम् । सायणभाष्य समेत । १-२ भाग	१७—२५
२०८६ तैत्तिरीयसंहिता । मूल	१०—००
२०८७ तैत्तिरीयसंहिता । कृष्णयजुर्वेदीय । सायणभाष्य पद पाठ सहित । भाग १-८ संपूर्ण	५६—००
२०८८ तैत्तिरीयसंहिता-अनुक्रमणिका । परशुराम शास्त्री सम्पादित । प्रथम भाग	२—००
२०८९ तैत्तिरीय-संहिता-वैयाकरण-पदसूची । (A Grammatical Word- Index to Taittiriya Samhita) विश्वबन्धु संपादित	४०—००
२०९० त्रिकाण्डसारार्थबोधिनी । श्री विद्यामन्त्रभाष्य युक्त	३—२५
२०९१ थिस्कुरल (तामिल भाषा का पञ्चमवेद) तामिल लिपि	५—००
२०९२ दण्डक । शुक्लयजुर्वेदीय	०—७५
२०९३ दशरान्नपर्व । ऊहगानम् । १-२ भाग	१—५०

- २०९४ दस्युविवेचन तथा दासमीमांसा । गिरीशचन्द्र अवस्थी १—२५
- २०९५ देवताध्याय-संहितोपनिषद् ब्राह्मणद्वयम् । सायणद्विजराजभट्टकृत
भाष्यद्वय सहितम् १—२५
- २०९६ देवताध्याय-संहितोपनिषद्-वंश-ब्राह्मणानि । सव्याख्यानि । डा० वे०
रामचन्द्रशर्मणा संपादितानि १२—००
- २०९७ देवसंज्ञकमन्त्रम् । आपस्तम्बशास्त्रोक्त ०—१२
- २०९८ दैवत-संहिता (चारो वेदों का देवतानुसार मंत्र संग्रह) संपादक दामोदर
सातवलेकर ३०—००
- २०९९ दैवम् । देव कृत । कृष्णलीला शुक-मुनि विरचित पुरुषकाराख्यवार्ति-
कोपेत । सटिप्पण ६—००
- २१०० द्राह्मायणगृह्यसूत्रम् । रुद्रस्कन्दवृत्ति हिन्दी टीका सहित २—५०
- २१०१ नयगेयशास्त्रानुक्रमणी । सीताराम सहगल संपादित २०—००
- २१०२ नारदीयशिक्षा । (सामवेदीय) भट्ट शोभाकर विरचित शिक्षाविवरण
संस्कृत व्याख्या सहित १—५०
- २१०३ नासदीय सूक्त । सव्याख्या । वासुदेवशरण अग्रवाल संपादित ३—००
- २१०४ निघण्टुःनिरुक्त । लक्ष्मणस्वरूप कृत आंगलानुवाद सहित ४०—००
- २१०५ निरुक्तम् । श्रीमन्महर्षि यास्काचार्य प्रणीत । प्रस्तुत महाग्रन्थ के प्रथम निघण्टु
भाग पर श्री देवराज यचना की संस्कृत टीका है तथा शेष नैघण्टुक
काण्ड, नैगम काण्ड और दैवत काण्ड पर श्री दुर्गाचार्य विरचित
संस्कृत टीका । इसी दृष्टि से ग्रन्थ ४ भागों में मुद्रित किया गया है ।
मुद्रण सुस्पष्ट तथा विषयसूची आदि सभी सुविधाओं से संवलित है ।
१-४ भाग संपूर्ण १८—००
- २१०६ निरुक्तम् । दुर्गाचार्य कृत वृत्ति सहित । द्वितीय भाग मात्र । भण्डारकर ७—५०
- २१०७ निरुक्तम् । दुर्गाचार्य वृत्ति सहित । स्थूलाक्षर । पूना, १-२ भाग २४—२५
- २१०८ निरुक्तम् । श्री छज्जुराम शास्त्री कृत संस्कृत टीका, श्री भगीरथ शास्त्री कृत
हिन्दी अनुवाद सहित २५—००, ४०—००
- २१०९ निरुक्तम् । (नैघण्टुक-नैगम काण्ड का हिन्दी व्याख्या) आचार्य विश्वेश्वर १६—००
- *२११० हिन्दी निरुक्त । (१-४ तथा ७वाँ अध्याय) व्याख्याकार, प्रो०
उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' । इसमें अनुवाद शब्दशः किया गया है
तथा वैदिक मन्त्रों के सान्त्वय अर्थ भी दिये गये हैं । १२५ पृष्ठ
की समालोचनात्मक भूमिका तो छात्रों के लिए अत्यन्त
महत्त्वपूर्ण है ७—५०
- २१११ निरुक्त-यास्क । बंगालुवाद नोट्स सहित । अमरेश्वर ठाकुर सम्पादित ।
१-३ भाग २७—००
- २११२ निरुक्तशास्त्रम् । यास्कविरचितम् । भगवद्दत्त कृत भाषार्थ-हिन्दी
टीका सहित १५—००
- २११३ निरुक्त सम्मर्शः । स्वामी ब्रह्ममुनि कृत शैल्यनुसारी विवेचनात्मक
भाष्य सहित १५—००
- २११४ निरुक्त-समुच्चयः । वररुचि प्रणीत । युधिष्ठिर मीमांसक सम्पादित ५—००
- २११५ नीतिमञ्जरी । समाध्या, श्रीवाद्दिवेदविरचिता । भूमिका-टिप्पणी
परिशिष्टादि विभूषित ४—५०

- २११६ नैमित्तिक वैदिकपाठ । स्वामी वेदानन्द ०—२५
- २११७ न्यू वैदिक सिलेक्शन । अन्वय-सायणभाष्य-शब्दा० हिन्दी-आंगलानुवाद-
नोट्स सहित १२—५०, १६—००
- २११८ पञ्चसूक्तानि । ०—३१
- २११९ पाणिन्यादि (द्वात्रिंशत्) शिक्षासंग्रहः । द्वितीय खंड से चतुर्थ
खंड तक । जीर्ण कागज-कुछ दोमक लगी ६—००
- २१२० पादविधानम् । शौनक कृत १—५०
- २१२१ पारस्करगृह्यसूत्रम् । कात्यायनसूत्रोपश्रुत-शौच-स्नान-भोजन-
कल्पसूत्र सहित यन्त्रस्य १०२१
- २१२२ पारस्कर-गृह्यसूत्रम् । (एम० ए० पाठ्यक्रमानुसार संकलित) अनुवादक-
शिवदर्शन तिवारी ३—००
- २१२३ पारस्करगृह्यसूत्रम् । (कर्क-जयराम-हरिद्वर-गदाधर-विश्वनाथ)
भाष्यपञ्चकोपेत १०—००
- २१२४ पितृसंहिता । मूलमात्र ०—२४
- २१२५ पितृसंहिता-पितृकल्पः । रामगीता सहित ०—४५
- २१२६ पुरुषसूक्तभाष्यम् । रङ्गनाथमुनि कृत २—५०
- *२१२७ पुरुषसूक्तम् । सायण-महीधर-भंगल-निम्बार्क-भाष्यचतुष्टय सहित समाप्त
- *२१२८ पुरुषसूक्तम् । 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका तथा अनुष्ठान-
विधान सहित ०—१५
- *२१२९ पुरुषसूत्रम् (सामप्रातिशाख्यं) पुष्पर्षि प्रणीत । श्रीमदजातशत्रुकृत
भाष्यसहित ६—००
- २१३० प्राथमिकवेदसंग्रहः । सामान्यावतरणिका प्राचीन भाष्य विविध
टिप्पण्यादि युक्त २—००
- २१३१ बड़ोदरा राजकीय ग्रन्थसूची । वेद-वेदलक्षण-उपनिषद् १-२ भाग ४७—००
- *२१३२ बृहद्देवता (शौनकीय) । मूल श्लोकबद्ध, हिन्दी व्याख्या तथा
टिप्पणियों से विभूषित । व्याख्याकार डॉ० रामकुमार राय १५—००
- २१३३ भरद्वाज ऋषि का दर्शन (ऋग्वेद का षष्ठ मंडल) सातवलेकर प्रणीत ७—००
- २१३४ भारद्वाजशिक्षा । सव्याख्या १—५०
- २१३५ भारद्वाजश्रौतसूत्रम् । पैतृमेधिक परिशेष सूत्र-आंगलानुवाद सहित ।
सी० जी० काशीकर संपादित । १-२ भाग ६०—००
- २१३६ भूमिकाभासः । (भूमिकाधिकारापरपर्याय) स्वामी दयानन्द कृत
ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका खण्डन २—००
- २१३७ मन्त्रपुष्पाञ्जलिसूक्तम् । सव्याख्या ०—२५
- २१३८ मन्त्ररामायण । २—१०
- २१३९ मन्त्रसंहिता । ऋग्वेदीय १—५०
- २१४० मन्त्रसंहिता । शुक्लयजुर्वेदीय ५२३ मन्त्रों का संग्रह ३—००
- २१४१ मन्त्रसंहिता । हिरण्यकेशीय १—२५
- २१४२ मन्त्रार्थचन्द्रोदय । दामोदर शर्मा संगृहीत । सव्याख्या ७—००
- *२१४३ मन्त्रार्थदीपिका । म० म० श्री शत्रुघ्नमिश्र विरचित । सटीक ६—००
- २१४४ मनुसूक्तम् । ०—३०

- २१४५ मरुहेवता का मन्त्रसंग्रह । हिन्दी टीका सहित । सातवलेकर सम्पादित ५—००
- २१४६ मरुहेवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकर सम्पादित । मूलमात्र २—००
- २१४७ मरुहेवता मन्त्रसंग्रह की समन्वय सूची । सातवलेकर सम्पादित २—००
- २१४८ माध्यन्दिनीयपितृसूक्तम् । (सस्वर) ०—५०
- *२१४९ MANAVA KALPA SUTRA : Being a portion of this
Ancient Work on Vaidik Rites, together with the
Commentary of Kumarila Swamin. With a Preface by
Theodor Goldstucker. In the Press
- *२१५० मूल संस्कृत उद्धरण । (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) लेखक-प्रो.
जे० मूडर । सम्पादक और हिन्दी अनुवादक-डॉ० रामकुमार राय ।
१ से ४ भाग ८०—००
पञ्चम भाग यन्त्रस्थ ०—७५
- २१५१ मैत्रायणीयारण्यकम् (यजुर्वेद) ०—७५
- २१५२ मैत्रायणीसंहिता । शुक्लयजुर्वेदीय । मूलमात्र समाप्त
- २१५३ यजुर्वेद भाष्य संग्रह । दयानन्द सरस्वती विरचित । युधिष्ठिर मीमांसक
सम्पादित ४—००
- २१५४ यजुर्वेदभाष्यम् । दयानन्द स्वामी कृत व्याख्या । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु कृत
विवरण सहित । प्रथम भाग । १-२० अध्याय १६—००
- २१५५ यजुर्वेदरुद्राष्टाध्यायी । हिन्दी टीका सहित ३—००
- २१५६ यजुर्वेदशतकम् । ब्र० जगदीशचन्द्र सम्पादित १—००
- २१५७ यजुर्वेदसंहिता । सुबोधभाष्य । १ला अध्याय (श्रेष्ठतम कर्म का आदेश) १—५०
- २१५८ यजुर्वेदसंहिता । सुबोध भाष्य । ३० वां अध्याय (मनुष्यों की सच्ची उन्नति
का सच्चा साधन) २—००
- २१५९ यजुर्वेदसंहिता । सुबोध-भाष्य । ३२ वां अध्याय । एक ईश्वर की उपासना १—५०
- २१६० यजुर्वेदसंहिता । सुबोध भाष्य । ३६वां अध्याय । शक्तिका सच्चा उपाय १—५०
- २१६१ यजुर्वेदसंहिता । सुबोध भाष्य । ४० वां अध्याय (आत्मज्ञान ईशोपनिषद्) २—००
- २१६२ यज्ञतत्त्वप्रकाशः । म० म० श्री चित्रस्वामि शास्त्री कृत ४—०१
- २१६३ याज्ञवल्क्यशिक्षा । अमरनाथ दीक्षित कृत शिक्षावर्णा विवृति सहित ३—००
- २१६४ रजोवाद । मधुसूदन ओझा विरचित ६—००
- २१६५ रुद्र । नमक चमकात्मक अध्याय ०—७५
- २१६६ रुद्रदेवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकर सम्पादित १—७५
- २१६७ रुद्रभाष्यम् । अभिनव शंकर प्रणीत १—२५, १—१२
- २१६८ रुद्रं चमकं । लघुन्याससहितम् । सस्वरम् ०—४०
- २१६९ रुद्रसंग्रहः । सं० श्रीकृष्णदेव (चतुर्वेदात्मकः पञ्चशास्त्रीयः) २—००
- *२१७० रुद्रस्वाहाकारपद्धतिः । ०—२५
- २१७१ रुद्राध्यायः । सायण मट्टभास्कर भाष्य सहित २—००
- २१७२ रुद्राध्यायः । विष्णुसूरि विरचित भाष्य संवलित २—००
- *२१७३ लाट्यायनश्रौतसूत्रम् । अमिष्टोमान्तम् । सटीक ४—००
- २१७४ वसिष्ठ ऋषि का दर्शन (ऋग्वेद का सप्तम मंडल) सातवलेकर प्रणीत ७—००
- २१७५ वायुदेवता । सातवलेकर कृत १—७५

२१७६ वाराहगुह्यसूत्रम् । हिन्दी टीका सहित	१-२५
२१७७ विश्वदेवा मन्त्रसंग्रह । सातवलेकर सम्पादित	५-००
२१७८ वेद का स्वरूप और प्रामाण्य । स्वामी करपात्री जी । १-२ भाग (हिन्दी)	७-५०
२१७९ वेदचयनम् । विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी	५-००
२१८० वेदधरातल । गिरीशचन्द्र अवस्थी	समाप्त
२१८१ वेददिग्दर्शन । माधवाचार्य शास्त्री	६-००
२१८२ वेदनवाहिक । विश्वबन्धुकृत । अर्थ सहित	०-५०
२१८३ वेदनिरुक्तशास्त्रार्थलतिका । हरिपुष्पाचार्य विरचित	०-७५
२१८४ वेदपरिचय । सातवलेकर प्रणीत । १-३ भाग	५-०१
२१८५ वेदपादस्तवः ।	०-३७
२१८६ वेदप्रवेशः । अश्विनौ देवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकरकृत हिन्दीटीका सहित	५-००
२१८७ वेदप्रवेशः । ऋग्वेद के अग्निसूक्त । सातवलेकर कृत	२-००
२१८८ वेदप्रवेशः । मरुदेवता मन्त्र संग्रह । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित	५-००
२१८९ वेद प्रवेशः तत्र प्रथमा पद्धतिः । वेदानन्द । १-२ भाग	२-५०
२१९० वेदप्रश्नोत्तरमाला । जगद्राम शास्त्री	१-००
२१९१ वेदप्रामाण्य-मीमांसा । स्वामी करपात्री जी (संस्कृत)	१-००
२१९२ वेदभाष्यपद्धति को दयानन्द सरस्वती की देन का सार ।	१-५०
२१९३ वेद में चर्खा ।	०-६२
२१९४ वेदरश्मि । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	५-००
२१९५ वेदलावण्यम् । डॉ० सुधीरकुमार गुप्त । १-२ भाग	१०-००
२१९६ वेदविद्या । वासुदेवशरण अग्रवाल	५-००
२१९७ वेदविज्ञानमीमांसा । वेणीराम शर्मा गौड़	०-७५
२१९८ वेदविज्ञानविन्दुः । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी	१-००
२१९९ वेदविद्यानिदर्शन । भगवद्दत्त	१२-५०
२२०० वेदविमर्श । वेदव्रत शास्त्री । प्रथम भाग	२-००
२२०१ वेदशास्त्रसंग्रह : (साहित्यरत्न कोशे प्रथम खण्ड) विश्वबन्धु संपादित	१५-००
२२०२ वेदसार । विश्वबन्धु । हिन्दी टीका सहित	३-००
२२०३ वेदानुवचन । (हिन्दी) बाबा नगीनासिंह वेदी	६-००
*२२०४ वेदार्थचन्द्रिका । डॉ० मुंशीराम शर्मा ।	
प्रस्तुत ग्रन्थ के २५ भावपूर्ण निबन्धों में कुछ प्रमुख प्रकाशदाता वेदमन्त्रों की यथार्थ हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है । इसके भाव, भाषा, शैली आदि देखकर आप मुग्ध हो जायेंगे । एक बार अवश्य पढ़ें ।	
२२०५ वेदार्थप्रक्रिया के मूलभूत सिद्धान्त । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु	०-१९
२२०६ वेदार्थविचारः । सीताराम शास्त्रि कृत । हरिनारायण भट्टाचार्येण संपादित	१५-००
२२०७ वेदार्थविमर्श । विश्वबन्धु	१-००
२२०८ वेदों का वास्तविक स्वरूप अथवा वेदों के महान् आदर्श ।	
डा० मङ्गलदेव शास्त्री संपादित	
२२०९ वेदों में दो बड़ी वैज्ञानिक शक्तियाँ । प्रियरत्न आर्य	१-००
२२१० वैज्ञानसंश्रुतसूत्र । मूलमात्र । डा० कैलण्ड सम्पादित	७-५०
२२११ वैज्ञानसंस्मार्तसूत्र ।	१-५०

- २२१२ **वैतानश्रौतसूत्र** । सोमादित्य विरचित आक्षेपानुविधि व्याख्या सहित ३०—००
- *२२१३ **वैदिक आख्यान** । ले०—पं० गङ्गासागर राय एम. ए.
 इस पुस्तक में जीवन को सुगठित एवं समुन्नत बनानेवाले प्रेरणाप्रद वैदिक आख्यानों का गुम्फन इतनी सरल, रोचक तथा सरस भाषा एवं शैली में किया गया है कि एक ही बैठक में बिना पुस्तक समाप्त किए जी नहीं मानता । इन उपदेशात्मक आख्यानों में मनोरंजन के साथ ही चरित्र विकास की भी प्रेरणा निहित है । सबके लिये पठनीय २—००
- *२२१४ **वैदिक इण्डेक्स** । मैकडोनेल और कीथ (हिन्दी रूपान्तर)
 अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय । अनुवाद की सर्वाधिक विशेषता यह है कि इसमें सन्दर्भ, संकेत, संख्यायें तथा फुटनोट में उनकी व्यवस्था का क्रम वही दिया गया है जैसा कि मूल ग्रन्थ में है । इस व्यवस्था के कारण जो निःसन्देह अत्यन्त कठिन और कहीं-कहीं असम्भव सा कार्य था, अनुवाद की उपयोगिता और विषय-व्यवस्था की प्रामाणिकता अत्यन्त बढ़ गई है । १-२ भाग संपूर्ण ४०—००
- २२१५ **वैदिक इतिहास विमर्श** । वैद्यनाथ शास्त्री । ८—००
- २२१६ **वैदिक उपदेश** । १-२ भाग ३—२५
- २२१७ **वैदिक कोश** । (वैदिक विषयों एवं नामों का) डॉ० सूर्यकान्त २२—५०
- २२१८ **वैदिकछन्दोमीमांसा** । युधिष्ठिरमीमांसक ४—५०
- २२१९ **वैदिकदर्शन** । डा० फतह सिंह ७—००
- २२२० **वैदिक धर्म आणि षड्दर्शने** । शंकर रामचन्द्र राजवाडे (मराठी) ०—५०
- २२२१ **वैदिक धर्म एवं दर्शन** । डा० सूर्यकान्त । ए० बी० कीथ रचित दि रिलिजन एण्ड फिलोसफी आफ दि वेदस एण्ड उपनिषद्स का हिन्दी रूपान्तर) १-२ भाग ५०—००
- *२२२२ **वैदिक निबन्धावली** । डॉ० मुंशीराम शर्मा ।
 इस निबन्ध संग्रह में वेदों की एक स्वरूप शॉकी प्रस्तुत करने वाले २५ निबन्ध हैं । ये निबन्ध उच्च कक्षा के विद्यार्थियों, शोध-छात्रों एवं जन साधारण वेद प्रेमियों के लिए अत्यन्त लाभप्रद हैं ४—००
- २२२३ **वैदिकपदानुक्रमकोषः** । विश्वबन्धु कृत । १-१६ भाग । विशिष्ट संस्करण ६४०—००
 १-१६ भाग साधारण संस्करण ३२०—००
- २२२४ **वैदिकपदानुक्रमकोष प्रणीति** । १—००
- २२२५ **वैदिक पाठमाला** । सातवलेकर प्रथम भाग ०—३१
- २२२६ **वैदिकप्रवचन** । जगत्कुमार शास्त्री २—२५
- २२२७ **वैदिक भारत में यज्ञ और उसका आध्यात्मिक स्वरूप** । मुनि देवराज २—००
- २२२८ **वैदिक भाषानुशीलन** । गंगाधर मिश्र ४—००
- *२२२९ **वैदिक माइथोलोजी** । (वैदिक पुराकथाशास्त्र) प्रो. ए. ए. मैकडोनेल (हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय ।
 यह ग्रन्थ वेद की आत्मा का भासमान प्रदीप है । वैदिक देवताओं का रहस्य जानना यदि अभीष्ट हो तो इस ग्रंथरत्न को अवश्य पढ़कर लाभ उठाइये १५—००

२२३० वैदिकयज्ञरहस्य । महात्मा नारायणस्वामी

*२२३१ वैदिकयुग के भारतीय आभूषण । डॉ० राय गोविन्दचन्द्र
वैदिक युग में मनुष्य कौन-कौन से आभूषण किस प्रकार धारण
करता था, किस आभूषण के कितने भेदोपभेद या प्रकार थे,
आदि का प्रामाणिक तथा सूक्ष्म विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का
विषय है

१५-००

*२२३२ वैदिक योगसूत्र । श्री हरिशंकर जोशी ।

प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद्-पुराणादि में विकीर्ण
तथा व्याप्त प्राचीन योगदर्शन का चूडान्त विवेचन किया गया है ।
सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं
मिलेगा ही नहीं । अकाट्य तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकर-ग्रन्थों
के वचन भी प्रमाणत्वेन उपन्यस्त हैं ।

२०-००

२२३३ वैदिक-चाण्डाग्र्य में प्रयुक्त विविध स्वराङ्कन-प्रकार । युधिष्ठिर मीमांसक १-५०

२२३४ वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ५-००

२२३५ वैदिक विनय । अभयदेव विद्यालङ्कार । १-२ खण्ड ४-००

२२३६ वैदिक विवाह संस्कार मन्त्र । आंगलानुवाद सहित ०-३७

२२३७ वैदिक विश्वदर्शन । हरिशंकर जोशी ९-००

*२२३८ हिन्दी वैदिक व्याकरण । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय । बी० ए० तथा
एम० ए० परीक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार नवनिर्मित इस पुस्तक
में वेद का सुबोध व्याकरण, स्वरचिह्न, पद-पाठ आदि के विषय
में समाधान तथा क्रियारूपों का एक लघु कोश भी प्रकाशित
किया गया है

२-००

२२३९ वैदिक व्याकरण । डा० रामगोपाल । प्रथम भाग १५-००

२२४० वैदिकव्याख्यानमाला । १-४० व्याख्यान । १-४ भाग २०-००

२२४१ वैदिक संस्कृति का विकास । लक्ष्मण शास्त्री जोशी । मोरेश्वर दिनकर
पराङ्कर अनुवादित ५-००

२२४२ वैदिक संस्कृति के तत्त्व । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री ३-००

२२४३ वैदिकसन्धारहस्य । महात्मा नारायण स्वामी ०-३७

२२४४ वैदिक समाज शास्त्र में यज्ञ की कल्पना । फतेह सिंह ०-७५

२२४५ वैदिकसाहित्य और संस्कृति । बलदेव उपाध्याय १५-००

२२४६ वैदिक साहित्य और संस्कृति । भास्करानन्द लोहनी ३-००

२२४७ वैदिक साहित्य का इतिहास । राजकिशोर सिंह ४-००

*२२४८ वैदिक साहित्य की रूपरेखा । प्रो० हंसराज अग्रवाल ।

कई विश्वविद्यालयों में वैदिक साहित्य की रूपरेखा पाठ्यक्रम में नियत
है । इस पुस्तक में वैदिक साहित्य के आदि से अन्त तक की प्रत्येक
महत्त्वपूर्ण अङ्ग की जानकारी पाठक को संक्षेप से करा दी गई है ।

२-००

२२४९ वैदिक साहित्य में नारी । प्रशान्त कुमार ७-००

२२५० वैदिक सेलेक्शंस । (बम्बई युनिवर्सिटी पाठ्य ग्रन्थ) १-२ भाग ४-५०

- *२२५१ वैदिक सूक्तपञ्चकम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेत । संपादक-
एवं अनुवादक—आचार्य श्री मधुसूदनप्रसाद मिश्र ०—५०
- *२२५२ वैदिक सूक्तमञ्जरी । (Vedic Selections) विस्तृत हिन्दी
व्याख्यान, अंग्रेजी अनुवाद सहित । अनुवादकः—डॉ० राम-
कृष्ण शास्त्री ।
प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में निर्धारित वैदिक सूक्तों का यह
सर्वोत्तम संग्रह है १—७५
- २२५३ वैदिक सूक्तावलिः । डॉ० विश्वनाथ भट्टाचार्य—रामगोपाल मिश्र संपादित १—७५
- २२५४ वैदिक-स्वर-मीमांसा । युधिष्ठिर मीमांसक ४—००
- २२५५ वैदिकस्वराङ्गनरीतिप्रकाशः । १—००
- २२५६ वैदिकस्वराज्य की महिमा । हिन्दी ०—७५
- २२५७ ब्राह्मणकाण्ड (अथर्ववेदान्तर्गत) भाष्य तथा भाषानुवाद । डा० संपूर्णानन्द ३—००
- २२५८ शतपथबोधामृत । (हिन्दी) ०—५०
- *२२५९ शतपथब्राह्मणम् । [सस्वर] सम्पादक—म०म० श्री चिन्मयस्वामी
शास्त्री । १-२ भाग । १ से ७ काण्ड पर्यन्त ६—००
- *२२६० SATAPATHA BRAHMAN. In the Madhyandina S'akha
with extracts from the commentaries of Sayana, Hari
Swamin and Drivedaganga. Ed. by A. Weber. 100-00
- २२६१ शतपथब्राह्मणम् । (शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिनीयां शाखामनुसृत्य) सायणा-
चार्यहरिस्वामिद्विवेदगङ्गाकृतभाष्येभ्यः सारमुद्धृत्य डॉ० आश्वतेत्तन
वेवेरेण शोधितम् १००—००
- २२६२ शतपथब्राह्मणम् । रत्नदीपिका हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग ३०—००
- २२६३ शतपथब्राह्मणम् । सायणभाष्य सहित । प्रथम काण्ड १४—४०
- २२६४ शतपथब्राह्मणम् । सायणभाष्य सहित । सम्पूर्ण १-५ भाग २४०—००
- २२६५ शांख्यायनारण्यकम् । ऋग्वेदान्तर्गत १—००
- २२६६ शिखादिवेदषडङ्गानि । ३—००
- २२६७ शिखादिवेदाङ्गचतुष्टय । ०—५०
- २२६८ शिखासूत्राणि । आपिशलि-पाणिनि-चन्द्रगोमि विरचित १—५०
- २२६९ शुक्लकाण्वशाखीयग्रहमखप्रयोगः । ०—७५
- २२७० शुक्लकाण्वशाखीय जातकर्मादि समावर्तन संस्कारप्रयोगः । ०—७५
- २२७१ शुक्लकाण्वशाखीय ब्रह्मनित्यकर्मानुष्ठानपद्धतिः । २—००
- २२७२ शुक्लकाण्वशाखीय मन्त्रसंहिता । ०—६३
- २२७३ शुक्लकाण्वशाखीयवैदिकविवाहप्रयोगः । चतुर्थी कर्म सहित ०—३८
- २२७४ शुक्लकाण्वशाखीय श्रावणीप्रयोगः । ०—५०
- २२७५ शुक्लकाण्वशाखीय संहिता मंत्राणां अनुक्रमणिका । ०—३७
- *२२७६ THE S'UKLAYAJUH-PRĀTIS'ĀKHYA OF KĀTYĀYANA.
edited on the basis of various manuscripts with the
first English Translation by Shrimati Indu Rastogi,
M. A. 10—00

*२२७७ शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम् । अँगरेजी अनुवाद सहित ।

सम्पादिका तथा अनुवादिका—श्रीमती इन्दु रस्तोगी एम्० ए० ।

इस संस्करण में प्राचीन पाण्डुलिपियों के आधार पर शोधपूर्वक संशुद्ध पाठ दिया गया है । अँगरेजी अनुवाद भी भाषाशैली, मूलानुसारिता आदि गुणों की दृष्टि से प्रथम कोटि का है ।

१०—००

*२२७८ शुक्लयजुःसर्वानुक्रमसूत्रम् । कात्यायनप्रणीत । श्री याज्ञिकानन्तदेव

विरचित भाष्य सहित

१०—००

२२७९ शुक्लयजुःसर्वानुक्रमसूत्रम् ।

१—५०

*२२८० शुक्लयजुर्वेदकाण्वसंहिता । श्री सायणाचार्य विरचित भाष्य सहित

१—२० अध्याय पर्यन्ता

समाप्त

*२२८१ शुक्लयजुर्वेद वाजसनेयी संहिता (माध्यन्दिनकाण्वशाखा)

महिधर भाष्य सहित । डा० ए० वेवेर संपादित

यन्त्रस्य

२२८२ शुक्लयजुर्वेदवाजसनेयिसंहितापदसूची ।

१—५०

*२२८३ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । सम्पादक—श्री दौलतराम गौड

वेदाचार्य । प्रस्तुत संस्करण सम्पूर्ण शुक्लयजुर्वेद का

३२ पेजी छोटा गुटका संस्करण है । वेदमन्त्र सब सस्वर

दिए गए हैं । प्रसिद्ध कर्मकाण्डी वैदिक विद्वान् ने

आवश्यक स्थलों पर 'प्रकाश' नामक टिप्पणी भी दी है ।

एतद्विषयक पाण्डित्यपूर्ण विचारों तथा विविध उपयोगी

विषयों से परिपूर्ण विशद भूमिका भी परमोपयोगी है ।

३—००

२२८४ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । मूलमात्र । पत्रात्मक बम्बई १०—००, काशी ८—००

२२८५ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भावार्थ सहित ।

श्रीराम शर्मा आचार्य ६—७५

२२८६ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । जयदेव विद्यालङ्कारकृत भाषा भाष्य सहित ?—२ भाग १६—००

*२२८७ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । 'श्री' विद्या हिन्दी टीका विभूषित । यज्ञीय

पात्रादि के लक्षण विधान आदि विविध विषयों से समलंकृत ०—५०

*२२८८ शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी । रुद्राभिषेक माहात्म्य, स्वस्तिप्रार्थना,

मन्त्राध्याय, शान्त्यध्यायादि विविध परिशिष्ट सहित

०—४०

२२८९ शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी । हिन्दी-टीकासहित

३—६०

*२२९० शुल्बसूत्रम् । श्री कर्मभाष्य-महीधरवृत्ति सहित

१—००

*२२९१ श्रीसूक्तम् । विद्यारण्य-पृथ्वीधर-श्रीकण्ठाचार्य कृत भाष्यत्रयेण

टिप्पण्या च समलङ्कृतम्

समाप्त

२२९२ श्रीसूक्त । हिन्दी टीका सहित

०—५०

२२९३ श्रुतिसिद्धान्तसारसंग्रहः । हिन्दी

६—००

२२९४ श्रौतकोशः । वापट सी० दातार, डी० वी० नाने, सी० जी० काशीकर

संपादित । १—३ भाग

११५—००

२२९५ श्रौतपदार्थनिर्वचनम् ।

६—४८

वैदिक-ग्रन्थाः

२७

२२९६ श्रौतपाठ (संहिता) । मूलमात्र	१—००
२२९७ षट्पिंडप्रयोगः ।	०—१२
२२९८ पदसूक्तानि ।	०—३२
२२९९ पङ्क्त्युद्गी । पूर्वोत्तराङ्गपूजाविधि युक्त	१—५०
२३०० संकर्षकाण्डसूत्राणि । जैमिनि कृत । के० वी० शर्मा संपादित	५—००
२३०१ सन्ध्यादर्पण । देवीदत्त जोशी कृत । हिन्दी टीका सहित	४—००
२३०२ संध्याभाष्यम् । चतुर्वेद-संध्या-तर्पण-ब्रह्मयज्ञ-श्रुतिसूत्र व्याख्यानोप- बृंहित पद्धति समेतम् । म० म० श्यामनारायण चतुर्वेद कृत	४—००
२३०३ संध्यावन्दनम् । कृष्ण यजुर्वेदीय । सभाष्य	०—५०
२३०४ सत्याषाढश्रौतसूत्रम् । गोपीनाथभट्टविरचितवैजयन्त्या ज्योत्स्ना- व्याख्यया च समेतम् । १-१० भाग	४२—५०
*२४०५ सांख्यायनगृह्यसंग्रहः । पं० वासुदेवकृतः तथा कौषीतकि गृह्यसूत्राणि	३—००
२३०६ सांख्यायनगृह्यसूत्र । सीताराम सहगल संपादित	३०—००
२३०७ सामतन्त्रम् । (सामवेदीयं प्रातिशाख्यम्) ए० एम्० रामनाथ दीक्षित सम्पादित	२०—००
२३०८ सामविधानब्राह्मणम् । सायण कृत वेदार्थप्रकाश, भरतस्वामिकृत पदार्थ-मात्र विवृति सहित । वे० रामचन्द्र शर्मा संपादित	१५—००
२३०९ सामवेदः । कौशुमशास्त्रीयः । ग्रामेय (वेय, प्रकृति) गानात्मकः	५—००
२३१० सामवेद । सातवलेकर कृत हिन्दी अर्थ व स्पष्टीकरण सहित	१८—००
२३११ सामवेदजैमिनीयसंहिता । डा० रघुवीर सम्पादित	२०—००
२३१२ सामवेद भाष्य की भूमिका और कई वेदसम्बन्धी प्रश्नोत्तर ।	१—२५
२३१३ सामवेद शतकम् । ब्र० जगदीशचन्द्र सम्पादित	१—००
२३१४ सामवेद संहिता । मूल मात्र सजिल्द	२—००, ३—००
*२३१५ सामवेदसंहिता । (विशुद्ध संस्करण) सायणभाष्य सहित विद्वानों की अनवरत माँग देखकर बहुत खोजबीन करने पर प्राप्त शुद्ध प्रति के आधार पर इसका प्रस्तुत संस्करण प्रकाशित हो रहा है । प्रतियों कम ही छपेंगी अतः ग्राहकगण अपनी प्रति सुरक्षित करा लें । यन्त्रस्थ	
२३१६ सामवेदसंहिता । सायणभाष्यावलम्बी सरल हिन्दी भावार्थ सहित । श्रीराम शर्मा आचार्य	६—७५
२३१७ सामवेदसंहिता । जयदेव विद्यालङ्कार कृत भाषा भाष्य सहित	८—००
२३१८ सामवेद-संहिता । हरिश्चन्द्र विद्यालङ्कार कृत हिन्दी टीका सहित	४—००
२३१९ सामवेद संहिता । वैद्यनाथ शास्त्री कृत भाषा भाष्य सहित	२०—००
२३२० सामवेदसंहिता अनुक्रमणिका ।	०—४०
२३२१ सामवेद-साम-संस्कार भाष्यम् । भगवदाचार्य कृत १-३ भाग	१७—००
२३२२ सामवेद-स्थलनिर्देश-संवादिका ।	०—५०
२३२३ सामवेदार्थदीपः । भट्ट भास्कराध्वरीन्द्र प्रणीत । डा० वे० रामचन्द्र शर्मा संशोधित	१३—५०
*२३२४ सामवेदीय आह्निक उपाकर्म पद्धति । (श्रावणी) सहित । सामवेदाचार्य पं० दुर्गादत्त त्रिपाठी सम्पादित	समाप्त

- *२३२५ सामवेदीय-त्रिकाल-सन्ध्यातर्पणप्रयोगः । ०—१५
- *२३२६ सामवेदीयरुद्रजपविधिः । पञ्चवक्त्रपूजन-लघुरुद्रविधानयुतः १—५०
- *२३२७ सामवेद-रुद्रजपविधिः । सचित्र । संहिता-पदपाठ हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद सहित । संपादक—आचार्य ऋषिशंकर अग्निहोत्री ४—००
- *२३२८ सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः । श्रीशुक्लविश्रामात्मज-
श्री शिवराम विरचित ६—००
- २३२९ सायणीयग्वेदभाष्यभूमिकायाः बदरीनाथीटीका । त्रिलोकनाथमिश्रकृत ०—६४
- २३३० सेलेक्शन्स फ्राम ब्राह्मण्स ऐण्ड उपनिषद्स । १-२ भाग २—००
- २३३१ सौरसूक्त । ०—१२
- *२३३२ STUDIES IN VEDIC INTERPRETATION: Along Sri Aurobindo's Lines by Sri A. B. Purani (Chow. Sans. Studies. Vol. XXXII) 20-00
- २३३३ स्त्रियों का वेदाध्ययन और वैदिक कर्मकाण्ड में अधिकार ।
धर्मदेव विद्यावाचस्पति १—२५
- *२३३४ स्वस्तिवाचनप्रयोगः । चतुर्वेदोक्त तत्तन्मन्त्र सहित ०—२०
- २३३५ स्वाध्याय । स्वामी वेदानन्द । प्रथम भाग २—२५
- २३३६ स्वाध्याय सन्दोह । स्वामी वेदानन्द ६—००
- *२३३७ A HISTORY OF VEDIC LITERATURE: By Sri Sambhu Nath Sharma In the Press.
- *२३३८ HYMNS OF THE ATHARVA-VEDA: Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith.
- *२३३९ HYMNS OF THE RG-VEDA: Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXXV) 2 Vols. 40-00
- *२३४० HYMNS OF THE SAMA-VEDA: Translated into English with a Popular Commentary by Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXVIII) 20-00
- २३४१ हिंस फ्राम दी ऋग्वेद । पिटर्सन । फर्स्ट सीरीज ६—५०

कर्मकाण्ड-ग्रन्थाः

- *२३४२ अग्निष्टोमपद्धतिः । ग्रन्थरत्नेऽस्मिन् 'आध्वर्यवपद्धतिः' कर्का-
नुसारिणी, 'औद्गात्रपद्धतिः'—लाट्यायनब्राह्मणयनसूत्रानुसा-
रिणी, 'हौत्रपद्धतिः' शाङ्खायनश्रौतसूत्रानुसारिणी च
सन्निविष्टास्ति । १-३ खण्ड ६—००
- २३४३ अग्निवेश्यगृह्यसूत्रम् । २—२५
- २३४४ अग्निहोत्रचन्द्रिका । वामनशास्त्री विरचित ४—२५

*२३४५	अन्यकर्मदीपकः । आशौचकालनिर्णयसहितः प्रेतकर्म-ब्रह्मीभूत- यतिकर्मनिरूपणात्मकः । म० म० नित्यानन्दपन्त पर्वतीयविरचितः ४-००	
२३४६	अन्येष्टिकर्मपद्धतिः । आश्चर्यनाथ पाण्डेय संगृहीत	४-५०
२३४७	अन्येष्टिप्रयोगः ।	१-५०
२३४८	अभिषेकचतुष्टयी । मातृप्रसाद	०-२०
२३४९	अर्कीविवाहः वायुनन्दनमिश्र	०-२४
२३५०	अष्टलिंगतोभद्रचक्र ।	०-२४
२३५१	आचारभूषणम् । त्र्यम्बककृत	६-५०
२३५२	आचारमार्तण्डः ।	१-२५
२३५३	आचारादर्शः ।	१-५०
२३५४	आचारेन्दुः । त्र्यम्बककृत	६-००
२३५५	आधानपद्धतिः । वामनशास्त्री	३-००
२३५६	आनुग्राहिकम् । विद्याधर विद्यालंकार । १ से. २० पृष्ठ	३-००
*२३५७	आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् । श्रीहरदत्त प्रणीत अनाकुला श्रीसुदर्शनाचार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय तथा हिन्दी टीका सहित	यन्त्रस्थ
*२३५८	आपस्तम्बधर्मसूत्रम् । श्रीहरदत्तमिश्र विरचित उज्ज्वला वृत्ति सहित	यन्त्रस्थ
२३५९	आपस्तम्ब स्मार्त प्रयोगः । वेञ्जल सिङ्गयमट्ट सूरि विरचित । वी० सुन्दर शर्मा, एस० सुन्दरेश सोमयाजी सम्पादित	१-५०
२३६०	आरतिकरूपद्रुमः । लघुरुद्रपद्धति सहित	१-५०
२३६१	आर्यपर्वपद्धति । भवानीप्रसाद	१-२५
२३६२	आश्लेषाज्येष्ठाशान्तिः । हिन्दी टीका सहित	०-३७
२३६३	आह्निककर्मसूत्रावलिः । शुक्लयजुर्वेदीय	४-८०
२३६४	आह्निकपद्धतिः । नव्यचण्डीदास कृत	१-००
२३६५	आह्निकसूत्रावली । (शुक्लयजुर्वेदीय)	६-००
२३६६	उत्सर्जनोपाकर्म । (शुक्लयजुर्वेद काण्वशास्त्रीय)	०-६२
*२३६७	उपनयनपद्धतिः । विस्तृत टिप्पणी-परिशिष्ट सहित । रचयिता— म० म० विद्याधरजी गौड़	१-५०
२३६८	उपनयनपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	१-००
२३६९	उपनयनपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित	१-००
२३७०	ऋग्वेदोक्तनित्यविधिः ।	१-५०
२३७१	एकलिङ्गतोभद्रचक्र ।	०-२४
२३७२	एकोद्दिष्टश्राद्धपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	०-५०
२३७३	एकोद्दिष्टसारिणी । मैथिल श्री बदरीनाथशर्मा कृत टिप्पणी सहित	०-१६
२३७४	और्ध्वदेहिककर्मपद्धतिः । अमृतवर्षिणी टिप्पणी सहित	४-००
२३७५	कर्मकलापः । स्वामी सहजानन्द कृत	१६-००
२३७६	कर्मकाण्डक्रमावलिः । सोमशम्भु विरचित	१-५०
२३७७	कर्मकाण्डप्रदीप । प्रथम भाग	८-००
२३७८	कर्मकाण्ड-प्रवेशिका । हिन्दी टीका	०-७५
२३७९	कर्मकाण्डभास्कर । विशालमणि उपाध्याय विरचित	५-५०, ७-००

२३८० कर्मठगुरुः । मुकुन्दवल्लभ कृत	६—००
२३८१ कर्मप्रदीपः । छान्दोग्यपरिशिष्ट	२—२५
२३८२ कल्पपूजा ।	१—२५
*२३८३ कातियेष्टिदीपकः । (दर्शपौर्णमासपद्धतिः) महामहोपाध्याय	
पं० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय विरचित	२—००
*२३८४ कात्यायनश्रौतसूत्रम् । श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहित	
१२ से २६ अध्यायात्मक द्वितीय भाग	१४—००
*२३८५ का० तर्पणपद्धतिः । अनन्तराम शास्त्रिकृत हिन्दी टीका सहित	०—१५
२३८६ कुण्डमण्डपसिद्धिः । हिन्दी टीका सहित	०—५२
२३८७ कुम्भविवाहः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—२४
*२३८८ कुलदेवतास्थापनविधिः, हनुमद्भुजजानविधिश्च ।	०—०५
२३८९ कूपाराममीमांसा (बृहत्कूपारामपद्धतिः) । हिन्दी टीका सहित	०—६४
*२३९० कूपोत्सर्गपद्धतिः ।	८—१५
*२३९१ कृतितत्त्वसंग्रहः । रचयिता—दैवज्ञ पं० तूफानी शर्मा	
धर्मशास्त्र, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड, तीनों के सभी उपलब्ध निबन्धों तथा अन्यान्य ग्रन्थों से व्यवहारोपयोगी सार-संकलन ही ग्रन्थ का स्वरूप है । इसके अति प्राचीन दुर्लभ पाण्डुलिपि को काशी के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा शोधन-सम्पादन कराकर प्रस्तुत संस्करण प्रकाशित किया गया है ।	८—००
२३९२ कृत्यरत्नाकरः । चण्डेश्वरठक्कुर विरचित	६—००
*२३९३ कृत्यसारसमुच्चयः । म० म० पं० अमृतनाथम्मा विरचित ।	
पं० गङ्गाधरमिश्रकृत बृहत् टिप्पणी परिशिष्ट विभूषित	५—८०
२३९४ कृष्णयजुर्वेदीय संध्यावन्दनम् । समाध्यम्	०—५०
२३९५ कौथुमगृह्यम् । भूमिका नोट्स सहित	९—००
२३९६ क्षत्रियसन्ध्याप्रयोगः । हिन्दी टीका सहित	०—१२
२३९७ क्षेत्रपालचक्र ।	०—२०
२३९८ खादिरगृह्यसूत्रम् । रुद्रस्कन्दवृत्ति भाषाटीका सहित	२—५०
२४०० खादिरगृह्यसूत्रम् । मूत्रार्थबोधिनी वृत्ति महिन	१—२५
२४०० गदाधरपद्धतिः । आचारसारः । गदाधरराजगुरु विरचित	४—५०
२४०१ गयाश्राद्धपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	१—०२
२४०२ गयाश्राद्धपद्धतिः । वायुनन्दनमिश्रप्रणीत	०—५०
२४०३ गायत्री का मन्त्रार्थ	१—५०
२४०४ गायत्री चित्रावली ।	१—५०
२४०५ गायत्री पुरश्चरणपद्धतिः । शंकराचार्य विरचित	४—००
२४०६ गायत्रीपुरश्चरणविधि ।	०—२४
*२४०७ गायत्रीपूजापद्धतिः । श्रीविभाकराचार्य संगृहीत	०—२५
२४०८ गायत्रीमहाविज्ञान । १-३ भाग	१०—५०
२४०९ गायत्रीयज्ञविधान । १-२ भाग	४—००
२४१० गायत्री शिक्षा (सचित्र)	२—००

कर्मकाण्ड-ग्रन्थाः

६१

२४११ गृहवास्तुचक्र ।	०—१०
२४१२ गृहस्थरत्नाकरः । चण्डेश्वरठक्कुरकृत	५—२५
२४१३ गृहोत्सर्गपद्धतिः ।	०—२०
*२४१४ गोदानपद्धतिः । अभिनव संस्करण । डोंगरे शास्त्रि संपादित	०—१५
२४१५ गोभिलगृह्यकर्मप्रकाशिका । भापाटीका	३—००
*२४१६ गोभिलगृह्यसूत्रम् । म० म० श्रीमुकुन्दशर्मविरचित मृदुलाव्याख्या	
समलङ्कृत	समाप्त
२४१७ गोविन्दार्चनचन्द्रिका	१२—००
२४१८ गौडीयश्राद्धप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित-पत्रात्मक	९—६०
२४१९ ग्रहशान्तिः । समन्त्रक स्थूलाक्षर	३—००
२४२० चतुर्थवर्णसंस्कारपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	०—७२
२४२१ चतुर्लिङ्गतोभद्रचक्रम् ।	०—२४
२४२२ चतुःषष्टिपद वास्तुमण्डलचक्रम् ।	०—२०
२४२३ चतुःषष्टियोगिनीचक्रम् ।	०—२०
*२४२४ चूडाकरणपद्धतिः । विद्याधरकृतविस्तृतटिप्पणीपरिशिष्टसहिता	०—२५
२४२५ जन्मदिनपूजापद्धतिः ।	०—२०
२४२६ तात्त्विकवैदिकविवाहविधिः	१—००
*२४२७ तुलसीपूजापद्धतिः ।	०—१५
२४२८ तुलसीविवाहपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	१—५०
२४२९ तुलसीविवाहविधिः ।	०—३६
२४३० त्रिकालसंध्या । ऋग्वेदीय	०—२५
२४३१ त्रिकालसंध्या । हिरण्यकेशीय-आपस्तम्बीय	०—२७
२४३२ त्रिपिण्डीश्राद्धपद्धतिः । वायुनन्दन प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	१—००
२४३३ दण्डकः (शुक्लयजुर्वेदीय)	०—७५
२४३४ दन्त्योष्ठविधिः । अथर्ववेदीय	३—५०
२४३५ दशपूर्णमासप्रकाशः । वामनशास्त्रिकृतः	१०—००
२४३६ दशकर्मपद्धतिः । मूल	१—२०
२४३७ दशकर्मपद्धतिः । हिन्दी टीका	२—४०
२४३८ दानक्रियाकौमुदी । गोविन्दानन्द कवि कङ्कणानार्थ कृत	२—२५
२४३९ दानचन्द्रिका । दिवाकर कृत	१—३२
*२४४० दानदीपिका । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२४४१ दीक्षातत्त्वमीमांसा । हिन्दी टीका सहित	१—५०
२४४२ दीक्षाप्रकाशिका । दिण्णुमट्ट प्रणीत	१—००
२४४३ दुर्गाकल्पद्रुमः । चण्डीपाठ सहित	३—००
२४४४ दुर्गापूजा । दौलतराम गौड़ विरचित	२—५०
*२४४५ दुर्गापूजा-श्यामापूजापद्धतिः ।	०—७५
२४४६ द्वाह्यायणगृह्यसूत्रवृत्तिः । रुद्रस्कन्दप्रणीत । हिन्दी टीका सहित	२—५०
२४४७ द्वादशल्लितोभद्र हरिहरमण्डलचक्रम् । रंगीन	०—२४
३४४८ द्वारकापत्तलम् । विनवायी कृत । गंगावाक्यावली । विश्वासदेवी विरचित	२०—००

२४४९ धनिष्ठापञ्चकशान्तिः । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२४५० धन्वन्तरिमहामंत्रहवनपद्धतिः । राघवेन्द्र शर्मा बुलीं विरचित	१—००
२४५१ धर्मकर्मदीपिका ।	०—५०
२४५२ धर्मशान्तिपद्धतिः । दयालुचन्द्रशर्मा संपादित	०—७५
२४५३ नवग्रहचक्रम् । सादा	०—१५
२४५४ नवग्रहजपविधिः ।	०—५४
२४५५ नवग्रहविधानपद्धतिः ।	०—७२
*२४५६ नारायणबलिप्रयोगः । 'विष्णुप्रिया' हिन्दीव्याख्या सहित	०—६०
२४५७ नारायणबलिप्रयोगः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	१—५६
२४५८ नित्य-कर्मचन्द्रिका ।	०—५०
२४५९ नित्यकर्मप्रयोगमाला । चतुर्थीलाल विरचित	२—४०
२४६० नित्यकर्मविधिः । पं० बालकृष्ण आचार्य संगृहीत हिन्दी टीका सहित	१—५०
२४६१ नित्यनैमित्तिककर्मसमुच्चयः । शुक्लयजुर्वेदीय	५—५०
२४६२ नित्यहवनपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	०—४२
२४६३ नित्याचारपद्धतिः । विद्याकर वाजपेयी कृत	५—२५
२४६४ नित्याचारग्रदीपः । नृसिंह वाजपेयी कृत	१२—७५
२४६५ नूतनमूर्तिप्रतिष्ठापद्धतिः । राघवेन्द्र शर्मा बुलीं विरचित	१—५०
२४६६ पञ्चदानपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—५२
२४६७ पञ्चपञ्चात्मकरुद्रस्वाहाकारसमुच्चयः । शास्त्री दुर्गाशंकर परिशोधित	०—४०
*२४६८ पञ्चमङ्गलम् । १. मण्डपस्थापनम् २. हरिद्रालेपनं कलशस्था- पनम् ३. मातृकापूजा-सप्तष्टतमाता ४. आयुष्यमन्त्रजपः ५. नान्दीमुखश्राद्धम् ।	०—४०
२४६९ पञ्चमहायज्ञविधिः । आर्यसमाजी ०—२५ सनातनी	०—३१
२४७० पञ्चरत्नविवाहपद्धतिः ।	२—००
*२४७१ पञ्चाङ्गपद्धतिः । अनन्तराम डोगरा शास्त्रिकृत टिप्पणी विभूषित	समाप्त
२४७२ पञ्चायतनपूजा ।	०—३१
२४७३ पद्यपञ्चाशिका । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२४७४ परिणयमीमांसा । श्रीनटेश शास्त्रि विरचित	१—५०
२४७५ पञ्चालम्भमीमांसा । वामनशास्त्रिकृत	१—००
*२४७६ पारस्करगृह्यसूत्रम् । मूल मात्र	यन्त्रस्य
२४७७ पारस्कर-गृह्यसूत्रम् । सं० व अनुवादक-शिवदर्शन तिवारी	३—००
२४७८ पारस्करगृह्यसूत्रम् । (कर्क-जयराम-हरिहर-गदाधर-विश्वनाथ) भाष्य- पञ्चकोपेत	१०—००
२४७९ पार्वणश्राद्धप्रयोगः । हिन्दी टीका सहित	०—५६
*२४८० पितृकर्मनिर्णयः (संग्रहनिबन्ध) श्री त्रिलोकनाथ मिश्र कृत	३—००
२४८१ पुत्तलविधानपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	०—४०
२४८२ पुरश्चरणपद्धतिः । योगीन्द्र कृष्ण दौर्गादत्ति शास्त्रि कृत	१—५०
२४८३ पुराणोक्तविवाहपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—४०
२४८४ पूजाभास्करः ।	३—००
*२४८५ पूतनाशान्तिः । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित	०—२५

२४८६ पौराणिक महालक्ष्मीपूजा पद्धतिः । मदनलाल शर्मा गौड़ सम्पादित	०—६०
*२४८७ पौरोहित्यकर्मसारः । परिवर्द्धित संस्करण	१—६५
२४८८ प्रतिसांवत्सरिकश्राद्धप्रयोगः ।	०—५०
२४८९ प्रदोषपूजनपद्धतिः । मोहन शर्मा संकलित	०—६०
२४९० प्रयोगारत्ननारायणभट्टी । ऋग्वेदीय । समन्त्रक	३—५०
२४९१ प्रायश्चित्तप्रकाशः । चतुर्यालाल कृत	२—१०
*२४९२ प्रायश्चित्तप्रदीप-कृत्यप्रदीप-शुद्धिप्रदीप । आचार्यकृष्णमित्रप्रणीत	३—००
२४९३ प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः । नागोजीभट्टकृत तथा कुण्डार्क । केशवकृत सव्याख्या	२—५०
२४९४ प्रेतमञ्जरी । हिन्दीटीका सहित	२—४८
२४९५ बृहत्कर्मकाण्डसमुच्चयः ।	०—९०
२४९६ बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धतिः-दशगात्रपिण्डदानपद्धतिः ।	०—४०
२४९७ बृहद्गायत्रीयमहामन्त्रीयसरयूपारीणशुक्लभाष्य ।	०—६२
२४९८ बृहद् ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयः । सग्रहमखपोडशसंस्काराद्यनेकविषय- सहितः । शास्त्री दुर्गाशङ्करकृत टिप्पणी सहित	६—००
*२४९९ बौधायनधर्मसूत्रम् । श्री गोविन्दस्वामि प्रणीत विवरण समेत	२०—००
२५०० ब्रह्मकर्मसमुच्चयः । हिरण्यकेशीय । ३८८ विषय युक्त	८—००
२५०१ ब्राह्मणसर्वस्वम् । हलायुध विरचित	२५—००
२५०२ भागवतदशमस्कन्धहवनपद्धतिः । राघवेन्द्र शर्मा बुर्ली विरचित	१—००
२५०३ भारतीयविवाहपद्धति । काशीनाथ शास्त्री	२—५०
२५०४ मङ्गलत्रयशास्त्रार्थः । गणेशदत्त मिश्र संपादित	०—३७
२५०५ मण्डपकुण्डसिद्धिः । विट्ठल दाक्षित विरचित । पदार्थमञ्जूषा गुर्जरभाषा- नुवाद संस्कृत व्याख्या सहित	५—५०
*२५०६ महालक्ष्मीपूजापद्धतिः । सर्वदेवपूजाविधान-पूजनमीमांसा सम्पुटित श्रीसूक्तादि विविध परिशिष्ट युक्त हिन्दी टीका सहित	१—२५
२५०७ मूर्तिपूजाविज्ञान । माधवाचार्य शास्त्री	०—५०
२५०८ मूलशान्तिचक्रम् ।	०—२८
२५०९ मूलशान्तिपद्धतिः । हिन्दी टीका	०—६०
२५१० यज्ञतरव हवनविधि सहित ।	२—००
२५११ यजुर्वेदाह्निकम् ।	०—८१
२५१२ यजुर्वेदोपाकर्मप्रयोग ।	१—२५
२५१३ यजुस्सन्ध्यावन्दनम्-यज्ञोपवीतधारण-ब्रह्मयज्ञ-देवर्षितर्पण-दृशतर्पण	०—५०
२५१४ यज्ञतत्त्वप्रकाशः । म० म० पं० चित्रस्वामिशास्त्री प्रणीत	४—००
२५१५ योगिनीचक्र ।	०—२०
२५१६ राज्याभिषेकपद्धतिः ।	३—००
*२५१७ रामनवमीव्रतपूजापद्धतिः । जानकीनवमीव्रतपूजा सहित	०—४०
२५१८ रामविवाहपद्धतिः । वायुनन्दनमिश्र प्रणीत	०—२४
*२५१९ रामार्चापद्धतिः (श्री शिवसंहितोक्त) पं० गुलाब झा संपादित	०—४०
२५२० रामार्चामाहात्म्यम् । कथापूजा	०—७५
२५२१ रुद्रयागप्रयोगः । वायुनन्दनमिश्रप्रणीत	४—००

२५२२ लक्ष्मीपूजनप्रयोगः । यजुर्वेदीय	१-००
२५२३ लघुपूजाऽनुष्ठानपद्धतिः ।	०-५६
२५२४ लघुस्तवः । न्यासध्यानसहित । सव्याख्या	०-५०
*२५२५ लाट्यायनश्रौतसूत्रम् । अग्निष्टोमान्त । मुकुन्द मा बल्शी कृत व्याख्या सहित	४-००
२५२६ लौगाचिगृह्यसूत्राणि । देवपालकृतभाष्य सहित । १-२ भाग	५-५०
*२५२७ वर्षकृत्यदीपकः । (कालनिर्णयव्रतोद्यापन सहित) महामहोपाध्याय श्रीनित्यानन्दपन्त पर्वतीयकृत द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण	१०-००
२५२८ वर्षक्रियाकौमुदी । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्यकृत	५-२५
*२५२९ वसन्तोत्सवनिर्णयः । पं० सूर्यनारायणशुक्ल कृत	०-१५
२५३० वाराहगृह्यसूत्रम् । हिन्दीटीका सहित	१-५०
२५३१ वारुणमण्डलचक्रम् ।	०-२४
*२५३२ वाशिष्ठीहवनपद्धतिः । हिन्दीटीका सहित । रचयिता-वेदकर्मकाण्ड धर्मशास्त्राचार्य पण्डित श्री विश्वनाथ शास्त्री	०-६०
२५३३ वास्तुपद्धतिः । (ऋग्यजुर्वेदीया) राघवेन्द्र शर्मा बुर्ली विरचित	१-००
*२५३४ वास्तुपूजापद्धतिः । गृहे गृध्रादिपतनशान्तिपद्धतिः गृह- प्रवेशपद्धतिश्च	०-७५
२५३५ वास्तुप्रतिष्ठासंग्रहः ।	३-००
२५३६ वास्तुमण्डलचक्र ।	०-२०
२५३७ वास्तुशान्तिप्रयोगः ।	०-९०
२५३८ विधानमाला । नृसिंहभट्ट कृत	६-२५
२५३९ विवाहचन्द्रिका । षोडशसंस्कार सहित	१-५०
२५४० विवाहपञ्चरत्नपद्धतिः । फलाहारी शर्मा कृत	२-००
*२५४१ विवाहपद्धतिः । सटिप्पण, हिन्दी अनुवाद सहित । सम्पादक— म० म० विद्याधर शास्त्री गौड़ । अनुवादक—वेदाचार्य श्री दौलतराम शास्त्री गौड़	शीघ्र प्राप्त होगा
२५४२ विवाहपद्धतिः । चतुर्थीलाल कृत हिन्दी टीका सहित	१-३२
२५४३ विवाहपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	१-००
२५४४ विवाहपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	१-२४
२५४५ विवाह रहस्य एवं विवाह पद्धति । हिन्दी टीका सहित	१-५०
२५४६ विवाहसोपाङ्गविधिः । हिन्दी टीका सहित	३-६०
२५४७ विश्वकर्मपूजापद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	०-४०
२५४८ विष्णुपूजा । हिन्दी टीका सहित	०-३०
२५४९ विष्णुयागपद्धतिः । नवग्रहमख सहित	२-५०
२५५० वेदोक्त पुराणोक्त सर्वदेवपूजाप्रयोग । यजुर्वेद रुद्राष्टाध्यायी-शिवमहि- स्रस्तोत्र-पुराणोक्त पुरुषसूक्त-वेदोक्त नवग्रहमन्त्र-पुराणोक्त- नवग्रहमन्त्र-मृत्युञ्जय यन्त्रजप विधि-सहित	१-००
२५५१ वैदिक कर्मकाण्ड पद्धति । शिवदयालु कृत	२-५०
२५५२ वैदिक विवाह संस्कार पद्धति । शिवदयालु	१-००

२५५३ वैवाह पद्यावली । हिन्दी टीका सहित	१—८०
२५५४ वैष्णवसन्ध्यावन्दनम् ।	०—३१
२५५५ वैष्णवाह्निकम् ।	०—५६
२५५६ व्रततरङ्गाकर । प्रथम भाग	२—२५
२५५७ व्रतोद्यापनप्रकाश । पत्रात्मक	४—५०
२५५८ शान्तिकल्पद्रुमः । वास्तुशान्ति सहित	१—५०
२५५९ शान्तिप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित	७—८०
२५६० शान्तिमार्तण्डः । शुक्लयजुर्वेदीय । १-२ भाग	२—५०
*२५६१ शिलान्यासपद्धतिः । विद्याधरजी सम्पादित टिप्पणी परिशिष्टसहित	समाप्त
२५६२ शिलान्यासपद्धति । देहलीन्यासपद्धति । वायुनन्दन मिश्रकृत	०—६०
२५६३ शुक्लयजुःशाखीयकर्मकाण्डप्रदीपः ।	८—००
२५६४ शुक्लयजुर्वेदीयवैदिकवास्तुशान्तिप्रयोगः । दुर्गाशंकर परिशोधित	१—५०
*२५६५ शुक्लयजुर्वेदीयसन्ध्योपासनपद्धतिः । वेदाचार्य पं० अनन्तराम डोगरा शास्त्रि कृत हिन्दी टीका सहित	०—१५
२५६६ शुद्धदशगात्र-एकादशाह-बृषोत्सर्ग-सपिण्डनश्राद्धपद्धतिः ।	०—४०
२५६७ शुद्धपार्वणिकोद्दिष्टश्राद्धपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—२०
*२५६८ श्राद्धकल्पलता । श्रीनन्दपण्डितकृत	६—००
२५६९ श्राद्धकौमुदी । सूतकनिर्णय सहित	२—००
२५७० श्राद्धक्रियाकौमुदी । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्यकृत	५—२५
*२५७१ श्राद्धगणपतिः ।	यन्त्रस्थ
*२५७२ श्राद्धचन्द्रिका । भारद्वाज दिवाकरभट्ट निर्मित	५—००
*२५७३ श्राद्धपद्धतिः । म० म० वाचस्पतिमिश्रकृत । परिष्कृत संस्करण	यन्त्रस्थ
२५७४ श्राद्धपरिजात । रुद्रदत्त पाठक कृत । हिन्दी टीका सहित	३—७५
*२५७५ श्राद्धप्रयोगदीर्घिका । पं० नेने गोपालशास्त्री संशोधित एवं परिष्कृत	१—२५
२५७६ श्राद्धप्रश्नोत्तरावली ।	१—५०
२५७७ श्राद्धमञ्जरी । बापुभट्ट रचित	३—००
२५७८ श्राद्धमार्तण्डः (शुक्लयजुर्वेद काण्वशाखीय)	१—२५
२५७९ श्राद्धविज्ञान । माधवाचार्य शास्त्री	०—७५
*२५८० श्राद्धविवेकः । म० म० रुद्रधर विरचित । विषमस्थल टिप्पणी तथा पार्वणश्राद्धक्रियाबोधक चित्रपट सहित	२—५०
२५८१ श्राद्धविवेकः, श्राद्धपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	६—००
२५८२ श्राद्धविश्रामः । सम्पादक-रुद्रप्रसाद अवस्थी	२—५०
२५८३ श्रावणी । उपाक्रमपद्धतिः । (यजुर्वेदीय) । वायुनन्दनमिश्र प्रणीत	२—००
२५८४ श्रीग्रहमखप्रयोगः ।	०—७५
२५८५ श्रीशारदीय दुर्गापूजा पद्धति । गौरीनाथ पाठक	३—५०
*२५८६ श्रौतसूत्रम् । कात्यायनप्रणीत, देवयाज्ञिकपद्धतिसहित । १-८ खण्ड	२४—००
२५८७ श्रौतसूत्रम् । सत्याषाढ विरचित १-१० भाग	४२—५०
२५८८ षट्पचात्मक रुद्रस्वाहाकार प्रयोग । दुर्गाशंकर शास्त्री	०—४०
२५८९ षोडशसंस्कारविधि (सनातनी) गंगाप्रसाद शास्त्री कृत हिन्दीटीका सहित	४—००

२५९० षोडश संस्कार विधि । भीमसेन शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित	४—००
२५९१ संकल्प रत्नावली । हरिनाथ शर्मा संगृहीत	२—५०
*२५९२ संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः । तुलादानपद्धति सहित	०—२०
२५९३ संध्या आत्मज्ञान । श्यामलाल सुहृद्	०—२५
२५९४ संध्याभाष्यम् । चतुर्वेद-संध्या-तर्पण-ब्रह्मयज्ञ-श्रुतिसूत्र-व्याख्यानोपबृंहित पद्धति समेत । म० म० श्यामनारायण चतुर्वेदकृत	४—००
२५९५ संध्याभाष्यसमुच्चयः ।	३—००
२५९६ संन्यासग्रहणपद्धतिः ।	०—४०
२५९७ संन्यासपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	१—५६
*२५९८ संस्कारगणपतिः । श्रीमद्याज्ञिकप्रवरश्रीमद्रामकृष्णप्रणीतः ।	
पारस्करगृह्यसूत्रस्यातिविस्तृतव्याख्यानस्वरूपः	२५—००
*२५९९ संस्कारदीपकः । म० म० श्रीनित्यानन्दपन्त पर्वतीयकृत-	
प्रथम भाग ४—०० द्वितीय भाग ८—५०, तृतीय भाग	५—५०
१-३ भाग संपूर्ण	१८—००
२६०० संस्कारपद्धतिः । भास्करशास्त्रीविरचित । उपोद्घात सहित	३—७५
*२६०१ संस्काररत्नमाला (गोपीनाथमट्टीया) १-२ खण्ड	३—००
२६०२ संस्काररत्नमाला । भट्टगोपीनाथ दीक्षित विरचित । १-२ भाग	१८—५०
२६०३ संस्कारविधिः । स्वामीदयानन्दप्रणीत	१—४०
२६०४ संस्कारविधिविमर्शः । अत्रिदेवगुप्त प्रणीत	३—००
२६०५ संस्कार-विमर्शन तथा संस्कारों का महत्त्व । श्यामलाल सुहृद्	०—११
२६०६ सकाम शिवपूजन विधान । हिन्दी टीका सहित	०—७२
२६०७ सचित्रसतर्पणसन्ध्यादर्पण । हिन्दी भाषानुवाद सहित	२—००
*२६०८ सरस्वतीपूजापद्धतिः । मूर्तिपूजा विधान सहित	०—२५
२६०९ सरस्वतीपूजापद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	०—२६
२६१० सर्वतोभद्रचक्रम् ।	०—२५
२६११ सर्वदेवप्रतिष्ठाप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित	५—४०
२६१२ सर्वदेवसामान्यपूजा ।	०—५०
२६१३ सर्वपूजा ।	०—३१
२६१४ साङ्गसप्ताहमण्डपपूजाविधिः ।	२—००
२६१५ सामवेदश्राद्धप्रयोगः । दर्शतर्पण सहित	१—२५
*२६१६ सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः । श्रीशुक्लविश्रामात्मज	
श्रीशिवराम विरचित	६—००
२६१७ सामवेदसंध्यावन्दन ।	०—४०
२६१८ सामवेदोपाकर्मप्रयोग	१—२५
२६१९ सौभाग्यपूजाविधिः ।	१—०१
२६२० स्मार्तग्रन्थः (प्रतिष्ठाग्रन्थ सहित) विद्याधरगौड़ । १-२ भाग	५—२४
२६२१ स्मार्तानां संध्यावन्दनम् ।	०—३१
२६२२ स्मार्ताह्निकम् ।	०—६२

- २६२३ स्मार्तोद्भासः । शिवप्रसाद विरचित । १-३ भाग ५-१२
- *२६२४ स्वस्तिवाचनप्रयोगः । चतुर्वेदोक्ततन्मन्त्र सहित ०-२०
२६२५. स्वस्त्ययनकलशप्रतिष्ठापूजनविधिः । ०-१०
- २६२६ हवनारम्भकमहारुद्रप्रयोगः । अष्टधारुद्र स्वाहाकार समुच्चय सहित ।
शास्त्री दर्गाशंकर कृत टिप्पणी सहित १०-००
- *२६२७ हिन्दू संस्कार । (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन) डॉ० राजबली
पाण्डेय विरचित ।
यह ग्रन्थ हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में महत्त्वपूर्ण देन है । गर्भ
में आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्युत्तर संस्कारों के माध्यम
से उसके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए
यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है । द्वितीय संशोधित संस्करण १६-००

धर्मशास्त्र-ग्रन्थाः

- २६२८ आङ्गिरसस्मृतिः । १२-००
- २६२९ अग्निनौयानमीमांसा । २-४०
- २६३० अवेस्ता । एर्वद् मा० फ० कांगा-ना० श्री० सोनटक्के संपादित ।
१-२ भाग ४०-००
- २६३१ अवेस्ता । राजाराम शास्त्री १-५०
- २६३२ अहर्तिथिभास्कर । राजनारायण शास्त्री २-००
- २६३३ आचारचन्द्रिका । स्वा० दयानन्द प्रणीत १-००
- २६३४ आचारादर्शः । १-५०
- २६३५ आचारेन्दुः । ज्यम्बक विरचित ६-००
- २६३६ आपस्तम्बधर्मसूत्रमंजरी । १-२५
- *२६३७ आपस्तम्बगृह्यसूत्र । श्रीहरदत्त प्रणीत अनाकुला श्रीसुदर्शनाचार्य
प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय समलङ्कृत यन्त्रस्थ
- *२६३८ आपस्तम्बधर्मसूत्रम् । श्रीहरदत्तमिश्रविरचित-उज्ज्वलावृत्तिसहित यन्त्रस्थ
- २६३९ आपस्तम्ब धर्मसूत्रम् । हिरण्यकेशी व्याख्या सहित ३-००
- २६४० आर्य जीवन अर्थात् गृहस्थधर्म । रघुनाथप्रसाद पाठक ०-६२
- २६४१ आर्यविद्यासुधाकरः । मद्रयशेश्वरशर्मा विरचित १०-००
- २६४२ आर्यविधानम् । विश्वेश्वरनाथ रेड विरचित । हिन्दी टीकोपेत । १-२ भाग २०-००
- २६४३ आर्य सामाजिक धर्म । ०-७५
- २६४४ आर्यसिद्धान्तदीप । मदनमोहन विद्यासागर लिखित १-२५
- *२६४५ आशौचनिर्णयः । म० म० वाचस्पतिमिश्र, म० म० रुद्रधरोपाध्याय
प्रणीत युग्म संस्करण । मनोरमा हिन्दीटीका विभूषित ०-५०
- २६४६ आहार और धर्म । स्वामी कालिकानंद १-००
- २६४७ INDIAN WISDOM by Monier Williams (Chow. Sans.
Studies Vol. XXXVI) 30-00
- २६४८ उद्गाहृतत्त्वम् । रघुनन्दन मट्टाचार्य कृत । काशीराम वाचस्पति कृत
सम्बन्धतत्त्वविवृति, कृष्णतर्कालङ्कार कृत तत्त्वबोधिनी-भूपेन्द्रनाथ
स्मृतितीर्थ कृत टिप्पणी सहित । हेरम्बनाथ चट्टोपाध्याय संपादित ५-००

- २६४९ उपासना रहस्य । माधवाचार्य शास्त्री ०—५०
 २६५० ओंकार और शिवलिङ्ग । माधवाचार्य शास्त्री लिखित ०—४०
 २६५१ ओङ्कार-निर्णय । शिवशङ्कर शर्मा १—५०
 २६५२ कात्यायनमतसंग्रहः । २—८०
 २६५३ कार्तिकशुद्धिद्वितीयाकृत्यनिर्णयः । ०—२०
 २६५४ कालतत्त्वविवेचन । रघुनाथभट्ट विरचित । दूसरा भाग मात्र ३—५०
 २६५५ कालमाधवः । माधवाचार्य विरचित । सटिप्पण ३—६०
 २६५६ कालमाधवकारिका । माधवाचार्य विरचित । सविवरण ०—४५
 २६५७ कृत्यकरूपतरुः । लक्ष्मीधर विरचित । १-९. काण्ड (१० जिल्द में) १७०—००
 ब्रह्मचारिकाण्ड १५—००, श्राद्धकाण्ड १८—००, दानकाण्ड १२—००,
 तीर्थविवेचनकाण्ड १२—००, नियतकालकाण्ड २२—००, शुद्धिकाण्ड १२—००,
 राजधर्मकाण्ड समाप्त, गृहस्थकाण्ड १५—००, व्यवहारकाण्ड ३०—००,
 व्यवहारकाण्ड-भूमिका भाग १४—००, व्रतकाण्ड २०—००, मोक्षकाण्ड समाप्त
 २६५८ कृत्यरत्नाकरः । चण्डेश्वरठक्कुरप्रणीत ६—००
 २६५९ कृत्यशिरोमणिः । ४—००
 २६६० कौशुमगृह्यम् । भूमिका नोट्स सहित ९—००
 २६६१ क्यों ? (धर्मदिग्दर्शन) माधवाचार्य शास्त्री । प्रथम-द्वितीय भाग १६—००
 २६६२ क्षत्रियवंशभास्कर । इन्द्रदेवनारायण सिंह ४—००
 २६६३ खादिरगृह्यसूत्रम् । रुद्रस्कन्दवृत्ति भाषाटीका सहित २—५०
 २६६४ खादिरगृह्यसूत्रम् । सूत्रार्थबोधिनी वृत्ति सहित १—२५
 २६६५ गणेशमीमांसा । श्रीकृष्ण २—००
 २६६६ गदाधरपद्धतिः । आचारसारः । गदाधरविरचित ४—५०
 २६६७ गृहस्थ धर्म एवं नारी-पूजा । शिवदयालु ०—२५
 २६६८ गृहस्थरत्नाकरः । चण्डेश्वरठक्कुर विरचित ५—२५
 २६६९ गौतमधर्मसूत्रपरिशिष्टम् (द्वितीयप्रश्न) १२—००
 *२६७० गोभिलगृह्यसूत्रम् । म० म० श्रीमुकुन्दशर्मविरचित मृदुलाव्याख्या
 समलङ्कृत समाप्त
 *२६७१ गौतमधर्मसूत्राणि । सानुवाद श्रीहरदत्तकृतमिताक्षरावृत्ति-
 सहितानि । अनु०—श्रीउमेशचन्द्रपाण्डेय ।
 प्रस्तुत ग्रन्थ में दो हुई आचार-शिक्षा दर्शनीय है । इसकी संस्कृत
 व्याख्या ही अबतक उपलब्ध थी । अब यह उत्तम हिन्दी अनुवाद
 संस्कृत व्याख्या के साथ प्रकाशित किया गया है । मूल में शताधिक
 स्थलों पर संशोधन भी किया गया है । विचारपूर्ण विस्तृत-भूमिकादि-
 संवलित अभिनव संस्करण । १०—००
 २६७२ चतुर्वर्गचिन्तामणिः । दानखण्ड । १-२ भाग १५—००
 *२६७३ चतुर्विंशतिमतसंग्रहः । श्रीभट्टोजिदीक्षितकृत ६—००
 २६७४ जपजी । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २—२५
 २६७५ जपसंहिता । अर्थात् जपजी का पंजाबी से संस्कृत व हिन्दी में अनुवाद
 तथा उस पर हिन्दी में भाष्य, विस्तृत भूमिका सहित । स्वामी
 हरिप्रसाद 'वैदिकमुनि' ५—७५

२६७६ जयसिंहकल्पद्रुमः ।	१४—४०
२६७७ जातिनिर्णय वेदतत्त्वप्रकाश । शिवशंकर	४—००
२६७८ जातिभास्करः । हिन्दी टीका सहित	९—१०
२६७९ जाति विज्ञान का आधार । जी० आर० गेयर । अनुवादक विनोदचन्द्र मिश्र	७—००
२६८० टोडरानन्द । राजा टोडरमल विरचित । प्रथम भाग । वैद्य सम्पादित	१०—००
*२६८१ तिथिनिर्णयः । श्रीमद्भट्टोजिदीक्षितविरचितः, श्रीमन्नागोजिमठ- विरचितश्च	३—००
२६८२ तिथिविवेकः । शूल्पाणि विरचित । श्रीनाथ आचार्य चूड़ामणि प्रणीत न्याख्या सहित	३—००
२६८३ तीर्थचिन्तामणिः । वाचस्पतिमिश्र प्रणीत	३—७५
२६८४ तीर्थेन्दुशेखरः । नागेशभट्ट प्रणीत । त्रिस्थलीसेतुः । भट्टोजिदीक्षित विरचितः । काशीमोक्षविचारः । सुरेश्वराचार्य विरचित	१—५०
२६८५ त्रिशच्छलोकी । भट्टरघुनाथ प्रणीत विवृति समेत	४—५०
२६८६ त्रिस्थलीसेतुः । नारायणभट्ट विरचित	५—५०
२६८७ दत्तकमीमांसा । नन्दपण्डित विरचित । सव्याख्या	५—५०
२६८८ दयानन्दग्रन्थसंग्रह । १-२ भाग	५—००
२६८९ दयानन्दप्रकाश । स्वामी दयानन्द सरस्वती	१२—००
२६९० दयानन्द सिद्धान्त भास्कर । कृष्णचन्द्र विरमान्नी	२—२५
२६९१ दानचन्द्रिका ।	१—३२
२६९२ दानसागर । बल्लालसेनदेव विरचित १-४ भाग	३०—००
२६९३ दायभाग । (याज्ञवल्क्यस्मृति) हिन्दी टीका सहित	१—५०
२६९४ दीक्षातत्त्वमीमांसा । हिन्दी टीका सहित	१—४८
२६९५ दीपकलिका । याज्ञवल्क्यस्मृति व्याख्या । शूल्पाणि विरचित	८—५०
२६९६ द्वाह्यायणगृह्यसूत्रवृत्तिः । रुद्रस्कन्दप्रणीत । हिन्दी टीका सहित	२—५०
२६९७ द्वैतनिर्णयः । म० म० पं० वाचस्पति मिश्र प्रणीत	१—२५
२६९८ द्वैतनिर्णयसिद्धान्तसंग्रहः । भानुभट्ट मीमांसक प्रणीत	१—००
२६९९ धर्मः तुलनात्मक दृष्टि में । डा० राधाकृष्णन्	५—५०
२७०० धर्म और उसकी आवश्यकता । ज्ञानचन्द्र आर्य	१—००
२७०१ धर्म और समाज । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । अनुवादक विराज	८—००
२७०२ धर्म और समाज । सुखलाल संघवी	३—००
२७०३ धर्मकल्पद्रुमः । स्वामीदयानन्दकृत । भाग १-८	३२—००
२७०४ धर्म का आदिच्छोत । गंगाप्रसाद । हिन्दी अनुवादक-डॉ० हरिशंकर शर्मा	२—००
२७०५ धर्म की आवश्यकता । स्वामी कृष्णानन्द	१—००
२७०६ धर्मकोशः (व्यवहारकाण्ड) । लक्ष्मणशास्त्री संपादित । १-३ भाग	८०—००
२७०७ धर्मकोशः (उपनिषत्काण्ड) । लक्ष्मणशास्त्री संपादित । १-४ भाग	१५०—००
२७०८ धर्मकोशः (संस्कारकाण्ड) । लक्ष्मण शास्त्री संपादित । प्रथम भाग	४५—००
२७०९ धर्मचन्द्रिका । स्वा० दयानन्द कृत	१—२५
२७१० धर्मज्योति । जगतनारायण	४—००
२७११ धर्मतत्त्वम् ।	१—१२
२७१२ धर्मतत्त्वनिर्णयः । वासुदेवशास्त्रि विरचित १-२ भाग	२—२५

२७१३ धर्मदर्शन की रूपरेखा । हरेंद्रप्रसाद सिन्हा	७-५०
२७१४ धर्मद्वैतनिर्णयः । शङ्करभट्ट विरचित	९-५०
२७१५ धर्मप्रदीपः । मूलमात्र	२-४०
२७१६ धर्मप्रदीपः (प्रमाणजातितत्त्व-शुद्धितत्त्व-विवाहप्रकाशात्मकः) अनन्तकृष्ण शास्त्री संपादित	८-००
२७१७ धर्मप्रवेशिका ।	०-३७
२७१८ धर्मप्रश्नोत्तरी । स्वामी दयानन्द	०-२५
२७१९ धर्म मार्ग पर । नेमधर शर्मा	४-००
२७२० धर्मरहस्य । स्वामी विवेकानन्द । हिन्दी	१-४०
२७२१ धर्मविज्ञान । स्वामी विवेकानन्द । हिन्दी	२-००
२७२२ धर्मविज्ञान । १-३ भाग । स्वामी दयानन्दकृत । हिन्दी	१३-००
२७२३ धर्मशास्त्र का इतिहास । डॉ० पाण्डुरंग वामन काणे । अनुवादक— अर्जुन चौवे काश्यप । १-३ भाग	५४-००
२७२४ धर्मशास्त्रीय व्यवस्थालसंग्रह । सुभद्रशर्मा संपादित	१०-००
२७२५ धर्मशिक्षा । लक्ष्मीधर वाजपेयी । हिन्दी	२-५०
२७२६ धर्म-संस्कृति और राज्य । गुरुदत्त	८-००
*२६२७ धर्मसिन्धुः । 'सुधाविवृति' सहित 'धर्मबोधिनी' हिन्दी व्याख्या विभूषित	
प्रस्तुत संस्करण में सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा आवश्यक स्थलों पर टिप्पणियों में प्रस्तुत ग्रंथ के मूलधार स्मृतिग्रन्थों के नाम, अन्यान्य स्मृतिवचनों से प्रस्तुत का समर्थन, कतिपय अनिर्णीत-व्रतादि विषयों का निर्णय, देशभेद से आचारादि-भेद का संकेत, प्रमाण-वचन, पारिभाषिक शब्दों का स्पष्टीकरण, विभिन्न लक्षण, पारिभाषाएँ, भावार्थ आदि विस्तृत व्यावहारिक जानकारी दी गई है ।	२०-००
२७२८ धर्मसोपान ।	०-२५
२७२९ धर्मदर्श (नूतन मतमतान्तर पर्यालोचक निबन्ध) पंडितोपाह्व केशवसूनु देवकृष्णशर्मा विरचित । श्रीसंतोजी महाराज संपादित	२०-००
२७३० धर्मानुबन्धिश्चोक्तचतुर्दशी । शेषकृष्ण कृत, रामपण्डित प्रणीत व्याख्या सहित	१-००
२७३१ धार्मिकविमर्शसमुच्चयः । विद्याशंकर भारती प्रणीत	५१ ३-५०
२७३२ नवरात्रप्रदीपः । नन्दपण्डित कृत	२-००
२७३३ नारदस्मृतिः । वंशाक्षर टीकानुगत भावानुवाद सम्मिलित । अनुवादक— नारायणचन्द्र स्मृतितीर्थ	३-५०
२७३४ नित्याचारप्रदीपः । नृसिंह वाजपेयी विरचित	१२-७५
२७३५ निर्णयसिन्धुः । कमलाकरभट्ट विरचित । मूलमात्र	९-००
*२७३६ निर्णयसिन्धुः । कमलाकरभट्ट विरचित । कृष्णभट्ट कृत विस्तृत संस्कृत व्याख्या सहित	३३-००
२७३७ नृसिंहप्रसादः । दलपतिराज विरचित । १-३ भाग	९-२५
प्रायश्चित्तसारः ३-२५ श्राद्धसारः २-०० व्यवहारसारः ४-००	
२७३८ पश्वालम्भमीमांसा । वामनशास्त्रि विरचित	१-००
२७३९ पारमहंस्यधर्ममीमांसा । सच्चिदानन्दतीर्थप्रणीत	०-५०

- *२७४० पारस्करगृह्यसूत्रम् । मूल मात्र यन्त्रस्थ
 २७४१ पारस्कर-गृह्यसूत्रम् । स० व अनुवादक-शिवदर्शन तिवारी ३-००
 २७४२ पारस्करगृह्यसूत्रम् । (कर्क-जयराम-हरिहर-गदाधर-विश्वनाथ)
 भाष्यपञ्चकोपेत १०-००
- *२७४३ पाराशर धर्म संहिता (पाराशर स्मृति) सायण-माधव भाष्य सहित यन्त्रस्थ
 २७४४ पाराशरधर्मसंहिता । सायणमाधवभाष्यसहित । व्यवहारकाण्ड का
 द्वितीय भाग ५-५०
- *२७४५ पाराशरस्मृतिः । 'प्रकाश' हिन्दीव्याख्या सहित ।
 भाषा एवं शैली बहुत सरल तथा सुबोध है । दूसरी स्मृतियों के बचनों
 से समन्वय तथा सामान्य-विशेष बचनों का विचार करते हुए कर्तव्यता
 का स्पष्ट निर्देश इस व्याख्या की विशेषता है । यन्त्रस्थ
 २७४६ पुरुषार्थचिन्तामणिः । विष्णुभट्ट प्रणीत । मूलमात्र ५-००
 २७४७ पुरुषार्थचिन्तामणिः । पूना संस्करण ९-००
 २७४८ प्रमुख स्मृतियों का अध्ययन । डा० लक्ष्मीदत्त ठाकुर ६-५०
- *२७४९ प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड । डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी ।
 समाजशास्त्र, विधि, न्यायपालिका एवं प्राचीन भारतीय
 इतिहास और संस्कृति के सम्बन्ध में वैदिक काल से लेकर
 निबन्ध ग्रन्थों तक की सामग्री को एक स्थान पर वैज्ञानिक
 विधि से प्रस्तुत करनेवाली हिन्दी में अनुपम पुस्तक । इसमें
 अपराध और दण्ड की सूची इतने व्यापक रूप में दी गई
 है कि उससे सभी लाभ उठा सकते हैं । ६-००
 २७५० प्राचीन भारतीय लोकधर्म । वासुदेवशरण अग्रवाल ४-००
 २७५१ प्राच्य धर्म और पाश्चात्य विचार । डॉ० सर्वेपल्लि राधाकृष्णन् । अनुवादक
 उमापति राय चन्देल १५-००
 २७५२ प्रायश्चित्तकदम्ब । हिन्दी टीका सहित १-००
 २७५३ प्रायश्चित्तप्रकाशः । २-१०
 २७५४ प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः । नागोजीभट्टप्रणीत तथा कुण्डार्क, केशवविरचित
 सव्याख्या २-५०
 २७५५ बालम्भट्टी । मिताक्षरा की व्याख्या । प्रायश्चित्ताध्याय ११-२५
- *२७५६ बालम्भट्टी । मिताक्षरा की व्याख्या । व्यवहाराध्याय ३३-००
 २७५७ बीस स्मृतियाँ । श्रीराम शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग १४-००
 २७५८ बृहद्योगियाज्ञवल्क्यस्मृतिः । स्वामी कुबलयानन्द-रघुनाथशास्त्री
 संपादित । सटिप्पण १५-००
- *२७५९ बौधायनधर्मसूत्रम् । श्रीगोविन्दस्वामिप्रणीतविवरणसमेतम् २०-००
 २७६० ब्राह्मणोत्पत्तिमार्तण्डः । हिन्दीटीका सहित १२-००
 २७६१ भारतीय धर्म व्यवस्था । वाचस्पति गैरोला ४-००
 २७६२ भारतीयधर्मशास्त्रम् । चूडामणिशास्त्रि कृत हिन्दी टीका सहित ३-५०
 २७६३ भारतीय ब्राह्मणजातिप्रदीपिका । इन्द्रदेवनारायण सिंह १-२५
 २७६४ भीष्म का राजधर्म । डा० श्यामलाल पाण्डेय ६-००

- २७६५ मदनमहर्णवः । विश्वेश्वरभट्ट विरचित । एम्बर कृष्णमाचार्य-प्रम० आर०
नम्बियर संपादित २६-००
- २७६६ मदनरत्नप्रदीपः । मदनसिंह विरचित । व्यवहारकाण्ड १२-००
- २७६७ मदनरत्नप्रदीपः । मदनसिंह विरचित । दानविवेकोद्योतः । डा० आर्येन्द्र
शर्मा संपादित । १-२ भाग १५-००
- २७६८ मनु का राजधर्म । डा० इयामलाल पाण्डेय ५-००
- २७६९ मनुधर्म की समाज व्यवस्था । सत्यमित्र दूवे ७-५०
- २७७० मनुपादानुक्रमणी । श्री भगवानदास-राजारामशास्त्री सम्पादित ०-७५
- २७७१ मनुस्मृतिः । कुल्लुकभट्टप्रणीत मन्वर्थमुक्तावली सहित समाप्त
- २७७२ मनुस्मृति । १-२ अध्याय । कुल्लुकभट्ट कृत मन्वर्थमुक्तावली-जी० बुहलर
कृत आंगलानुवाद-सत्यभूषण योगी कृत त्रिधाधरी भाष्य सहित ६-००
- २७७३ मनुस्मृतिः । मेधातिथि भाष्य । १-४ भाग (वंशाक्षर) २१-७५
- *२७७४ मनुस्मृतिः । श्रीहरगोविन्दशास्त्रीकृत 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका,
'विमर्श' विस्तृतप्रस्तावना, विषयसूची, श्लोकानुक्रमणिका सहित ५-००
- *२७७५ मनुस्मृतिः । 'मणिप्रभा' हिन्दीटीका 'विमर्श'सहित १-४ अध्यायमात्र २-५०
- *२७७६ मनुस्मृतिः (द्वितीय अध्याय) परीक्षोपयोगी सान्वय प्रकाशिका
सुवोधिनी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०-७५
- २७७७ मांसतत्त्वविवेकः । विश्वनाथन्यायपञ्चाननविरचित ०-७५
- २७७८ मानवधर्मसार । डॉ० भगवानदास २-००
- २७७९ मानवार्थभाष्य । इन्दिरारमणशास्त्री सम्पादित ५-००
- २७८० मृतकश्राद्धसमीक्षा । माधवाचार्यशास्त्री ०-२५
- २७८१ मोक्षधर्मसारोद्धारः । सन्याख्या ३-००
- २७८२ यतिधर्मसंग्रहः । विश्वेश्वरसरस्वतीप्रणीतः २-७५
- २७८३ यमपितृ परिचय । प्रियरत्न आर्य २-००
- *२७८४ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । श्रीमन्मित्रमिश्रविरचित 'वीरमित्रोदय'
श्रीविज्ञानेश्वरकृत 'मिताक्षरा' टीकाद्वयसहित समाप्त
- *२७८५ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । (विज्ञानेश्वरकृत 'मिताक्षरा' संस्कृत टीका सहित)
डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेयकृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या विभूषित ।
हिन्दी व्याख्या से ग्रन्थ का आशय समझने तथा ग्रन्थ का मूल लगाने
में समुचित सहायता प्राप्त होती है । इसकी विशद भूमिका में धर्मशास्त्र
विषयक उत्तम पाण्डित्यपूर्ण विचारों की प्रामाणिक व्यवस्था देखने को
मिलती है । परिशिष्ट में सब प्रकार के पारिभाषिक शब्दों की सरल
व्याख्या तथा सन्दिग्ध एवं विवेच्य स्थलों पर उत्तम समाधान तथा
विवेचन प्राप्त होता है । आचाराध्याय मात्र ४-००
सम्पूर्ण २०-००
- *२७८६ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । 'बालम्भट्टी' व्याख्यासमलंकृत मिताक्षरा टीका
सहित । व्यवहाराध्याय सम्पूर्ण ३३-००
- २७८७ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । अपरार्क व्याख्या सहित । १-२ भाग १९-५०
- २७८८ राजनीतिरत्नाकरः । चण्डेश्वर विरचित ५-००

- *२७८९ RELIGIONS OF INDIA: By A. Barth, Authorised English Translation by Rev. J. Wood. (Chow. Sans. Studies Vol. XXV) 15-00
- २७९० लेक्चर्स ऑन धर्मशास्त्र (संस्कृत) । म० म० श्रीधर शास्त्री पाठक कृत १-५०
- २७९१ लेखबद्धशास्त्रार्थ । माधवाचार्यशास्त्री ०-७५
- २७९२ लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि । देवपालकृतभाष्य सहित । १-२ भाग ५-५०
- २७९३ वर्ण व्यवस्था का वैदिक रूप । ज्ञानचन्द्र आर्य १-५०
- २७९४ वर्णव्यवस्था का संक्षिप्त इतिहास । वासुदेव गुप्त १-५०
- २७९५ वर्षक्रियाकौमुदी । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य प्रणीत ५-२५
- २७९६ वशिष्ठधर्मशास्त्रम् । १-००
- *२७९७ वसन्तोत्सवनिर्णयः । पण्डित सूर्यनारायणशुक्लकृत ०-१५
- २७९८ वाराहगृह्यसूत्रम् । हिन्दीटीका सहित १-५०
- २७९९ विधानपारिजातः । अनन्तभट्ट विरचित । १-४ वाल्युम में सम्पूर्ण ७०-००
- २८०० विधानमाला । नृसिंहभट्ट विरचित ६-२५
- २८०१ विवादचिन्तामणिः । वाचस्पतिमिश्र विरचित ३-००
- २८०२ विवादरत्नाकरः । चण्डेश्वरठक्कुरप्रणीत ६-००
- *२८०३ विष्णुस्मृतिः । जे० जॉली सम्पादित । नन्दपण्डितकृत वैजयन्ती टीका का सारांश तथा टिप्पणी सहित । इण्डिया आफिस लाइब्रेरी में सुरक्षित श्री कोल्लब्रुक आदि विद्वानों द्वारा अन्विष्ट पाण्डुलिपियों के आधार पर संशुद्ध, सम्पादित टिप्पणियों सहित यह दुर्लभ संस्करण प्रकाशित किया गया है । पूरे ग्रन्थ में आए वैदिक मन्त्रों के प्रतीकों तथा स्मार्त पारिभाषिक शब्दों की अनुक्रमणिकाएँ भी ग्रन्थान्त में संलग्न हैं । १०-००
- २८०४ विष्णुस्मृतिः । केशव वैजयन्ती व्याख्या सहित । १-२ भाग ४०-००
- *२८०५ वीरमित्रोदयः । महामहोपाध्याय-श्रीमित्रमिश्रविरचितः—
परिभाषाप्रकाशः संस्कारप्रकाशश्च ४४-००
आह्निकप्रकाशः २४-०० व्यवहारप्रकाशः २४-००
पूजाप्रकाशः १६-०० श्राद्धप्रकाशः १२-००
लक्षणप्रकाशः २८-०० समयप्रकाशः ६-००
राजनीतिप्रकाशः १५-०० भक्तिप्रकाशः ६-००
तीर्थप्रकाशः १८-०० शुद्धिप्रकाशः ६-००
संपूर्ण १-१२ प्रकाश २००-००
- २८०६ वैदिकधर्म और विकास । गंगाप्रसाद १-००
- २८०७ वैदिक धर्म परिचय । जगदेव सिंह शास्त्री ०-६५
- २८०८ वैदिक राष्ट्रीयता (वैदिक राजप्रजा धर्म) । स्वामी ब्रह्ममुनि ०-२५
- २८०९ व्यवहारनिर्णयः । वरदराजकृत ३०-००
- २८१० व्यवहारप्रकाशः । पृथ्वीचन्द्र नृपति विरचित । (धर्मतत्त्वकलानिधौ पृथ्वी-चन्द्रोदये महानिवन्ध सप्तम प्रकाशः) प्रथम भाग १-२० उद्घाट १२-००

२८११ व्यवहारमाला ।	१—५०
*२८१२ व्यवहारविज्ञानम् । सं० हरिहर झा । जीवन-निर्माण में बालकों को भारतीय संस्कृति से अनुप्राणित किस व्यवहार-विधि का पालन करना चाहिए इसका शास्त्रसम्मत रोचक उपदेश ही इस पुस्तक का विषय है । बड़ी उपयोगी रचना है ।	
सान्वय सुधा हिन्दी व्याख्या सहित । प्रथम भाग	०—६०
द्वितीय भाग	०—७५
२८१३ व्रतराजः । हिन्दी टीका सहित	१९—२०
*२८१४ ब्रात्यताप्रायश्चित्तनिर्णयः (महान् लघुश्च) । नागेशभट्टविरचितः ।	
अत्र कलौ उपनयनयोग्याः क्षत्रिया नैव सन्तीति विवेचितम् ।	
तथा ब्रात्यताशुद्धिसंग्रहः ।	३—००
२८१५ शास्त्रचन्द्रिका । हिन्दी	१—७५
२८१६ शास्त्रतत्त्वविनिर्णयः । नीलकण्ठ विरचित	५—००
२८१७ शास्त्रार्थ महारथ अभिनन्दन अङ्क । सं० शिवकुमार गोयल	४—००
२८१८ शास्त्रार्थ राजधनवाद । माधवाचार्य शास्त्री	०—२५
२८१९ शुद्धिकौमुदी । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य विरचित	३—७५
२८२० शुद्धाचार्यशिरोमणिः । शेषकृष्णविरचित । प्रथम भाग मात्र	२—२५
*२८२१ श्राद्धकल्पलता । श्री नन्दपण्डित कृत	६—००
२८२२ श्राद्धक्रियाकौमुदी । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य विरचित	५—२५
*२८२३ श्राद्धचन्द्रिका । भारद्वाज दिवाकरभट्ट निर्मित	५—००
२८२४ श्राद्धनिर्णय वेदतत्त्वप्रकाश । शिवशंकर	३—५०
२८२५ श्राद्धविज्ञान । माधवाचार्य शास्त्री	०—७५
*२८२६ श्राद्धविवेकः । म० म० रुद्रधर विरचित । विषमस्थल टिप्पणी	
तथा 'पार्वणश्राद्ध क्रियाबोधक चित्रपट' सहित	२—५०
२८२७ श्रीगणेश । माधवाचार्य शास्त्री	०—५०
२८२८ श्रीशाण्डिल्यस्मृतिः । शास्त्रिगौतमशर्मा संकलित	२—५०
*२८२९ षडशीतिः । आदित्याचार्य प्रणीत । धर्माधिकारिनन्दपण्डित	
प्रणीत शुद्धिचन्द्रिका व्याख्या समलङ्कृत	६—००
२८३० संचित मनुस्मृति । देवदत्त शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित	३—५०
२८३१ संस्कारदीपक । हर्षनाथ झा विरचित । सटिप्पण	७—००
२८३२ सत्यार्थप्रकाशः । स्वामी दयानन्द कृत ।	सूक्ष्माक्षर ४—५०
स्थूलाक्षर १२—००,	स्थूलाक्षर । सटिप्पण १५—००
२८३३ सदाचार प्रश्नोत्तरी ।	०—१२
२८३४ सनातनधर्म । माधवाचार्य शास्त्री	०—७५
२८३५ सनातनधर्मदीपिका । स्वामि दयानन्द विरचित	१—००
२८३६ सनातन धर्म पुष्पाञ्जलि । रामभवतार वीर	२—५०
२८३७ सनातनधर्मसूत्राज । भगवान् श्रीनारायण कृत	३—२५
२८३८ सनातनधर्मोद्धारः । उमापति द्विवेदी कृत । १-४ भाग	२०—००

२८३९ सनातन शुद्धिशास्त्र और आर्यों का चक्रवर्तीराज्य । गोविन्दप्रसाद

शर्मा शास्त्री २—००

*२८४० सब धर्मों की बुनियादी एकता । डॉ० भगवानदास । इस ग्रन्थ में संसार भर के धार्मिक मजहबों और उनके श्रेष्ठ धर्मग्रंथों की बारीक जानकारी देते हुए यह समझाया गया है कि सब धर्मों-मजहबों का उद्देश्य भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण पाना ही है १२—००

२८४१ सम्बन्धनिर्णयः । गोपालन्यायपञ्चानन विरचित १—२५

२८४२ सम्बन्धविवेकः । शूलपाणि कृत ३—५०

२८४३ सरस्वतीविलासः । प्रतापरुद्र कृत । व्यवहारकाण्ड ३—५०

२८४४ सापिण्ड्यकल्पलतिका । सदाशिवदेव (आपदेव) प्रणीत । नारायणदेव विरचित व्याख्या सहित १—२५

२८४५ SOCIO-RELIGIOUS CONDITION OF NORTH INDIA :
(700-1200 A. D.) Based on Archaeological Sources :
By Dr. Vasudeva Upadhyaya (Chow. Sans. Studies
Vol. XXXIX) 25-00

२८४६ स्मृतिचन्द्रिका । देवणभट्टकृत । १-६ भाग १७—००

२८४७ स्मृतिप्रकाशः । वासुदेवरथ विरचित । प्रथम खण्ड ०—७५

२८४८ स्मृतिमुक्ताफल । वैद्यनाथदीक्षित विरचित । १-६ खण्ड (१-३ भाग में) ५५—००

२८४९ स्मृति-सन्दर्भः । १-६ भाग । ५६ स्मृत्यात्मक इस विशाल एवं अलम्य ग्रन्थरत्न का विषय-विभाग इस प्रकार है । भाग १—मनु आदि १० स्मृतियों, भाग २—पराशर आदि ४ स्मृतियों, भाग ३—याज्ञवल्क्य आदि १७ स्मृतियों, भाग ४—गौतम आदि १३ स्मृतियों, भाग ५—कपिलादि १० स्मृतियों, भाग ६—मार्कण्डेय और लौगाक्षि स्मृतियों । मुद्रण बहुत सुस्पष्ट एवं विषयसूची आदि सभी सुविधाओं से युक्त है ।

१-६ भाग ३६—००

*२८५० स्मृतिसारोद्धारः । विद्वद्भर श्री विश्वम्भरत्रिपाठि सङ्कलित १२—००

२८५१ स्मृतीनां समुच्चयः । सप्तविंशतिस्मृतिसंग्रहः ७—५०

२८५२ स्मृत्यर्थसारः । श्रीधराचार्य विरचित २—५०

२८५३ हमारा धर्म और उसकी वैज्ञानिक रूपरेखा । नारायणसिंह ३—००

२८५४ हमारे पर्व और त्योहार । ०—७५

२८५५ हिन्दुधर्माची समीक्षा । लक्ष्मण शास्त्री जोशी (मराठी) १—००

२८५६ हिन्दुस्थान का वंङसंग्रह (हिन्दी) ६—६०

२८५७ हिन्दुस्थानांतील धार्मिक इतिहासाचें सामान्य निरीक्षण । डॉ० शंकर दामोदर पेंडसे (मराठी) १—००

२८५८ हिन्दू और हिन्दूराष्ट्र । १—५०

२८५९ हिन्दूधर्म (सनातनधर्म की प्रारम्भिक पुस्तक) डा० एनी बेसेंट ।

अनुवादक—अम्बिकादत्त उपाध्याय ३—००

२८६० हिन्दूधर्म । स्वामी विवेकानन्द । हिन्दी १—५०

२८६१ हिन्दूधर्म । एनी बेसेंट । अनुवादिका कौशल्या देवी मोहता ०—६२

२८६२ हिन्दूधर्म और आचार । अम्बिकादत्त उपाध्याय	३-४५
२८६३ हिन्दूधर्म का स्वरूप ।	०-२५
२८६४ हिन्दूधर्म की समीक्षा । लक्ष्मणशास्त्री जोशी	२-००
*२८६५ हिन्दू संस्कार । (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन) डॉ० राजबली पाण्डेय विरचित ।	
यह ग्रन्थ हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में महत्वपूर्ण देन है । गर्भमें आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्युत्तर संस्कारों के माध्यम से उसके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है । द्वितीय संशोधित संस्करण	१६-००
२८६६ हैदरावाद के चार शास्त्रार्थ । माधवाचार्य शास्त्री	१-००

मयूख-ग्रन्थाः

२८६७ आचारमयूख । नीलकण्ठभट्ट विरचित	१-२५
२८६८ उत्सर्गमयूख । "	०-२५
*२८६९ दानमयूख । "	३-००
२८७० नीतिमयूख । "	१-२५
२८७१ प्रायश्चित्तमयूख । "	२-००
२८७२ व्यवहारमयूख । नीलकण्ठभट्ट	१-५०
२८७३ व्यवहारमयूख । काणेसंपादित	१०-००
२८७४ शुद्धिमयूख । नीलकण्ठभट्ट	१-००
२८७५ श्राद्धमयूख । "	१-५०
२८७६ संस्कारमयूख । "	१-५०
२८७७ समयमयूख । "	२-००

स्तोत्र-ग्रन्थाः

२८७८ अन्नपूर्णसहस्रनामस्तोत्रम् । नामावली सहित	०-५०
*२८७९ अन्नपूर्णस्तोत्रम् ।	०-१५
*२८८० अपराजितास्तोत्रम् ।	०-१५
२८८१ अमीतिस्तवः-स्तोत्र ।	०-२०
२८८२ अम्बाष्टकम् । शंकराचार्य कृत । सन्ध्याख्या	०-१९
२८८३ अम्बास्तवनम् । वेङ्कटराज प्रणीत	०-२५
२८८४ अर्धनारीश्वरस्तोत्रम् ।	०-२५
२८८५ अष्टोत्तरशतनाममालिका । विद्यासागर शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित । सं० युधिष्ठिर मामांसक	६-००
२८८६ अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् । नामावली सहित	०-१९
२८८७ आख्याषष्टिः ।	०-२५
२८८८ आञ्जनेयसहस्रनामस्तोत्रम् । नामावली सहित	०-६०
*२८८९ आदित्यहृदयस्तोत्रम् । नवग्रह सहित	०-१०

२८९० आदित्यहृदयस्तोत्रम् । आदित्यस्तोत्ररत्नम् । अप्पयदीक्षितविरचित	
श्रीरामायण मृतकतके व्याख्या सहित	१—००
२८९१ आरतीकुञ्ज । (बृहद् आरती संग्रह)	१—५०
२८९२ आरतीसंग्रह ।	०—५०
२८९३ आर्यास्तवराज ।	०—२५
*२७९४ आलवन्दारस्तोत्रम् ।	०—१५
२७९५ इन्द्राक्षिस्तोत्रम् । शिवकवच सहित	०—२५
२८९६ उदासीनसाधुस्तोत्र ।	०—१९
*२८९७ ऋणमोचनमङ्गलस्तोत्रं ।	०—०५
२८९८ ककारादिकालीसहस्रनाम	०—४०
२८९९ ककारादिकृष्णसहस्रनाम	०—९०
२९०० कण्ठाभरणस्तोत्रम् । हिन्दी टीका सहित	०—३१
२९०१ कनकधारास्तवः ।	०—१९
२९०२ कमलनेत्रस्तोत्र	०—६
२९०३ कपूरस्तवराज	०—३७
२९०४ कार्तवीर्यस्तोत्रम् ।	०—५२
२९०५ कालिकासहस्रनाम ।	०—६०
२९०६ कालिकासहस्रनामस्तोत्रम् । नामावली सहित	०—६०
*२९०७ कालीकवचम् । कालीताराध्यानसहित	०—१०
२९०८ कालीशतनामस्तोत्रं ।	०—२५
२९०९ कीर्तनानि । सदाशिव ब्रह्मेन्द्रैर्विरचितानि	०—२५
२९१० कुक्षिकास्तोत्रम् ।	०—४०
२९११ कृष्णपंचाष्टोत्तरस्तोत्रम् ।	०—३१
२९१२ कृष्णसहस्रनामस्तोत्रनामावली	०—६०
*२९१३ गङ्गालहरी । मूल	०—१५
*२९१४ गङ्गालहरी । पीयूषलहरी व्याख्या सहिता	१—००
*२९१५ गङ्गालहरी । निर्मलनामक हिन्दीटीका सहिता	०—३५
२९१६ गङ्गालहरी अने प्रास्ताविक विलास । अन्वय-गुजराती टीका सहित	४—५०
२९१७ गङ्गासहस्रनामावली ।	०—५०
२९१८ गजेन्द्रमोक्षरहस्य—गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र । भावार्थ, भावमय टीका, टिप्पणी	४—००
कथा और माहात्म्य सहित	०—५६
२९१९ गणपतिसहस्रनाम । नामावली	०—१९
२९२० गणपतिस्तोत्र	०—१२
२९२१ गणेशकवचम् ।	०—१८
*२९२२ गणेशमहिम्नस्तोत्रम्	०—७५
२९२३ गणेशसहस्रनाम । हिन्दी टीका सहित	०—३७
२९२४ गणेशसहस्रनाम ।	०—७०
२९२५ गणेशसहस्रनामावली ।	०—०६
२८२६ गणेशाष्टक ।	०—०५
*२९२७ गायत्रीरामायणम्	०—०५

२९२८ गायत्रीस्तोत्र ।	०—१२
२९२९ गायत्रीसहस्रनाम नामावली	०—५६
२९३० गुरुत्रयाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं	०—३१
२९३१ गुरुपरंपरास्तोत्र-मठान्नायस्तोत्रं च	०—३१
२९३२ गुर्वष्टोत्तरशतनामस्तोत्राणि	०—३१
२९३३ गोपालसहस्रनाम ।	०—७०
२९३४ गोपालसहस्रनाम नामावली	०—५६
२९३५ गोविन्दद्वादशपञ्जरिकास्तोत्र ।	०—२०
२९३६ चतुःश्लोकीस्तोत्ररत्नं । यामुनमुनि विरचितम् । निगमान्तमहागुरु प्रणीत भाष्यसमेतं	१—५०
*२९३७ चर्पटपञ्जरी । इन्दुमती नामक हिन्दीटीकासहिता	०—१५
२९३८ चालीसा पाठ संग्रह	०—५५
२९३९ चिद्विलास-मकरन्दस्तोत्र ।	०—२५
२९४० चिन्तामणिस्तव ।	०—२५
२९४१ ज्योतिर्लिङ्गस्तोत्रम् । शिव मानसपूजा	०—१२
२९४२ ताराकपूरराजस्तोत्र ।	०—४८
२९४३ त्रिपुरसुन्दरीमानसपूजास्तोत्र ।	०—२५
२९४४ त्रिपुरसुन्दरीवेदपादस्तवः ।	०—२५
२९४५ त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्राणि ।	०—४०
२९४६ त्रिपुरा भारती लघुस्तव । सिद्धसारस्वत लघुपण्डित विरचित । सोमतिलकसूरि विरचित विशेष वृत्ति-लघुविवृति सहित	३—२५
२९४७ त्रैलोक्यमोहनकवच	०—४०
२९४८ दकारादि दुर्गानाम सहस्रं ।	०—७५
२९४९ दक्षिणामूर्तिनक्षत्रमाला ।	०—२५
*२९५० दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् ।	०—१०
२९५१ दत्तात्रेयवज्रकवचम् ।	०—२०
२९५२ दत्तात्रेयसहस्रनाम ।	०—३७
२९५३ दत्तात्रेयसहस्रनामावली ।	०—५०
*२९५४ दत्तात्रेयस्तोत्रम् ।	०—२०
२९५५ दत्तात्रेयस्तोत्र-दत्तापराधक्षमापन स्तोत्र ।	०—१९
२९५६ दशावतारस्तोत्र ।	०—७५
*२९५७ दुर्गाकवचम् । अर्गलाकीलक सहित	०—१०
*२९५८ दुर्गापञ्चाङ्गम् ।	१—२५
२९५९ दुर्गाशतनामस्तोत्रम् ।	०—०८
२९६० दुर्गासहस्रनामादिस्तोत्राणि ।	०—५६
२९६१ दुर्गास्तोत्राणि ।	०—२०
२९६२ देवीअष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं	०—१९
२९६३ देवीखड्गमाला ।	०—१२
२९६४ देवीचतुष्पष्ट्युपचारपूजास्तोत्रम्	०—२५
२९६५ देवी देवताओं की आरतियाँ ।	३—५०

२९६६ देवीपुष्पाञ्जलिः । रामकृष्णविरचित । रामसहायकृतसंस्कृत व्याख्या सहित	१—००
*२९६७ देवीपुष्पाञ्जलिस्तोत्रम्	०—१०
२९६८ देवीमानसिकपूजादशश्लोकी	०—१५
२९६९ देवीवन्दना-देवीस्तुति । संपादक-रामकृष्णदास 'रसिक'	२—५०
२९७० देवीशतकम् । गंगालहरी सहित । पद्मनारायणत्रिपाठी विरचित	०—७५
२९७१ देवीसहस्रनाम ।	०—५०
२९७२ देवीसहस्रनामावली ।	०—५०
२९७३ देवीस्तोत्रकदम्बः ।	०—५६
२९७४ देवीस्तोत्रपंचक (ललितान्त्रिशतीस्तोत्र-नामावलि-देवीस्तोत्र-महात्रि-पुरसुन्दरीकवच-वेद-सारस्तवप्रातःस्मरण) ।	०—३७
*२९७५ देव्यपराधक्षमापनस्तोत्र	०—१५
२९७६ द्वादशस्तोत्रम् । भगवत्पादाचार्य प्रणीत	०—१९
*२९७७ धन्वन्तरिस्तोत्रम् ।	०—१०
*२९७८ नर्मदाष्टकम् ।	०—०५
२९७९ नवग्रहस्तोत्र ।	०—६२
२९८० नवग्रहस्तोत्रसंग्रहः ।	१—००
२९८१ नारायणकवचम् ।	०—२०
२९८२ नारायणशतक ।	०—२०
२९८३ नृसिंहसहस्रनाम ।	०—६०
२९८४ नृसिंहस्तोत्राणि ।	०—३१
२९८५ पञ्चमुख्येकमुखिहनुमत्कवच ।	०—२५
२९८६ पञ्चमुखी हनुमत्कवच । हिन्दी टीका सहित	०—४०
२९८७ पञ्चायतन देवताओं की पृथक्-पृथक् अष्टोत्तरशत नामावली	०—३७
२९८८ परमेश्वरस्तोत्रकदम्बः ।	०—८५
२९८९ परशंभुमहिम्नस्तवः ।	०—३७
२९९० पराम्बास्तोत्र । (शक्ति विलास) जयदत्त शास्त्री	०—५०
२९९१ पादुकासहस्रम् । वेदान्तदेशिक कृत	३—५०
२९९२ पुरुषोत्तमसहस्रनाम । यमुनाष्टक सहित	०—३७
२९९३ पुरुषोत्तमसहस्रनामावलिः	०—४०
२९९४ पुष्पमाला । सु० सुब्रह्मण्यम्	०—२५
२९९५ प्रज्ञालहरीस्तोत्रम् । भगवती सुब्रह्मण्य शास्त्रि	०—६०
२९९६ प्रत्यङ्गिरास्तोत्रम् ।	०—२०
*२९९७ प्रश्नोत्तरी । (मणिरत्नमाला) 'इन्दुमती' हिन्दीटीका	०—१५
२९९८ प्राचीन ब्रह्मज्ञान भजनमाला । रामसनेही दीक्षित	४—५०
*२९९९ बगलामुखीस्तोत्रम् ।	०—१५
३००० बटुकभैरवसहस्रनाम । नामावली सहित	०—५६
*३००१ बटुकभैरवस्तोत्रम् । अनुष्ठानविधि सहित	०—१५
३००२ बालासहस्रनाम । नामावली	०—५६

- ३००३ बृहत्स्तोत्ररत्नाकरः । संपादक-पं० श्री शिवरामशर्मा । नाना-
पुराणोक्त तथा विभिन्न सम्प्रदायाचार्यों द्वारा प्रणीत गणपत्यादि
स्तोत्रों का यह गुटका साइज का अभूतपूर्व अनुपम संग्रह है ४-५०
- ३००४ ब्रह्मज्ञानावली । शङ्कराचार्य ०-०१
- ३००५ ब्रह्मानन्दभजनमाला । १-५०
- ३००६ भजगोविन्दस्तोत्रम् । ०-१२
- ३००७ भजगोविन्दस्तोत्र । हिन्दीपद्यानुवाद चक्रवर्तीराजगोपालाचार्यकृत हिन्दी
समालोचना सहित १-००
- ३००८ भवानीसहस्रनाम । नामावली ०-५६
- ३००९ भुजङ्गस्तोत्राणि । ०-३०
- ३०१० भुवनेश्वरीमहास्तोत्रम् । पृथ्वीधराचार्य विरचित । पञ्चनाभ कृत बालप्र-
बोधिनी सद्युक्तिदीपिका वृत्ति सहित ३-७५
- ३०११ मकरन्दस्तवराजस्तोत्रम् । ०-१२
- ३०१२ मङ्गलागौरीस्तोत्रम् । हिन्दी टीका सहित ०-१२
- ३०१३ मन्त्रमातृकापुष्पमालास्तव ०-१९
- *३०१४ मयूरशतकम् अथवा सूर्यशतकम् ।
'कला' हिन्दी टीका विस्तृत भूमिकादि सहित । व्याख्या के साथ-साथ
पौराणिक अन्तःकथाएँ भी स्पष्ट किए गए हैं । विचारपूर्ण विशद
भूमिका में भी कवि तथा काव्य से सम्बन्धित गवेषणापूर्ण अनल्प
सामग्री प्रस्तुत की गई है । २-२५
- *३०१५ सूर्यशतकम् । सव्याख्या ०-८७
- ३०१६ महाकालशनि-मृत्युञ्जयस्तोत्र-शीतलाष्टकस्तोत्र । ०-२५
- ३०१७ महाकालसहस्रनामस्तोत्र । ०-२५
- *३०१८ महामृत्युञ्जयपञ्चाङ्गं १-२५
- ३०१९ महालक्ष्मीकवच । ०-०६
- *३०२० महालक्ष्मीस्तोत्रं । महालक्ष्म्यष्टक-अम्बाष्टका-द्वयोपेतम् ०-०५
- *३०२१ महाविद्यास्तोत्रम् । ०-१०
- ३०२२ महिम्नस्तव । पुष्पदन्त कृत (Greatness of Shiva) आंग्लानुवाद
सव्याख्या ३-००
- *३०२३ महिम्नस्तोत्रं-शिवताण्डवस्तोत्रञ्च । मूल ०-१५
- *३०२४ महिम्नस्तोत्रं । मधुसूदनी संस्कृत टीका सहित ०-६०
- *३०२५ महिम्नस्तोत्रम् । इन्दु नामक हिन्दी टीका सहित ०-१५
- ३०२६ महोन्नताराकवचम् । ०-५०
- ३०२७ मारवाड़ी गीत संग्रह । ६-००
- ३०२८ मुकुन्दमाला । ०-२५
- *३०२९ मृतसञ्जीविनीजपविधिः । मृत्युञ्जयजपस्तोत्रादियुत ०-२०
- *३०३० मृत्युञ्जयमानसिकपूजनं ०-२०

३०३१ यमुनाष्टक ।	०—०६
३०३२ रघुवीरस्तव-चण्डीरहस्य ।	०—२५
३०३३ रत्नपञ्चक ।	०—३७
३०३४ रत्नसमुच्चयः ।	०—५०
३०३५ राम-उपासना (रामस्तुति) सम्पादक-रामकृष्ण दास 'रसिक'	४—५०
*३०३६ रामनामसहस्रनामस्तोत्रं	०—१५
३०३७ रामपञ्चशती । रामपारश्व प्रणीत । रामकृत व्याख्या नीलकण्ठशर्मा कृत टिप्पणी सहित	४—५०
३०३८ रामपट्टाभिषेकः ।	०—३१
३०३९ रामपादयुगलीस्तव । लक्ष्मणशाल्की विरचित	१—००
*३०४० रामरक्षास्तोत्रम् ।	०—१५
३०४१ रामसहस्रनाम । नामावली	०—५६
३०४२ रामसहस्रनामस्तोत्रम् । दशभिरष्टोत्तरशतनामस्तोत्रैर्विभक्तम्	०—७५
३०४३ रामस्तवराजस्तोत्रम् ।	०—१२
३०४४ रामस्तोत्राणि ।	०—२०
३०४५ रुद्रत्रिशती ।	०—२०
३०४६ रेणुकासहस्रनाम कवचसहित	०—३५
३०४७ लक्ष्मीनारायणहृदयम् ।	०—७५
३०४८ लक्ष्मीनृसिंहसहस्रनाम । नामावली सहित	०—६०
३०४९ लक्ष्मीनृसिंहस्तोत्र ।	०—१९
३०५० लक्ष्मीसहस्रनाम । नामावली	०—५६
३०५१ लक्ष्मीसहस्रनामस्तोत्र ।	०—२५
३०५२ लघुस्तोत्राणि । अप्पयदीक्षित विरचित	०—२५
३०५३ ललितान्त्रिशतिस्तोत्रम् । शाङ्करभाष्य सहित	२—००
३०५४ ललितान्त्रिशतिस्तोत्रम् । नामावली सहित	०—५०
३०५५ ललिताष्टोत्तरस्तोत्रम् ।	०—१९
३०५६ ललितासहस्रनाम ।	०—५०
३०५७ ललितासहस्रनाम । नामावली	०—५६
३०५८ ललितासहस्रनाम । ललिताम्बान्त्रिशति-ललिताशतनाम खड्गमाला	०—६४
३०५९ ललितास्तवमणिमाला ।	०—५०
३०६० ललितास्तवरत्नः ।	०—२५
३०६१ ललिताष्टोत्तरशतनामविष्यस्तोत्रम् ।	०—१५
३०६२ लांगूलास्यशत्रुञ्जयहनुमस्तोत्र ।	०—१६
३०६३ वरदराजस्तवः । अप्पयदीक्षित विरचित । सन्याख्या	१—५०
३०६४ विपरीतप्रत्यङ्गिरास्तोत्रम्	०—२४
३०६५ विष्णुचतुर्विंशत्यवतारस्तोत्रम् । लक्ष्मणशाल्की विरचित	६—००
३०६६ विष्णुसहस्रनाम । हिन्दीटीका	१—००
३०६७ विष्णुसहस्रनाम । नामावली	०—५६
३०६८ विष्णुसहस्रनामावली ।	०—४०
*३०६९ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । सचित्र	०—१५

३०७०	विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । तारक ब्रह्मानन्द सरस्वतीय-विवृति-शंकर भाष्य सहित । सं० आ० राम शास्त्री । प्रथम सम्पुट	१६-५०
३०७१	वेङ्कटेशसहस्रनाम । नामावली	०-५३
३०७२	वेदसारशिवसहस्रनामस्तोत्रम् ।	०-५३
३०७३	वैदिक ईशवन्दना । स्वामी ब्रह्ममुनि	०-५०
३०७४	शङ्कराचार्यादि स्तोत्राणि । नामावली सहित	०-५५
३०७५	शङ्कराष्टोत्तरस्तोत्रम् ।	०-५९
३०७६	शतनामपञ्चिका । सम्पादक-तेजनाथ झा	०-५०
*३०७७	शनिस्तोत्रम् । शङ्कराचार्य कृत कृष्णाष्टकयुत	०-५५
३०७८	शनैश्चरसहस्रनामस्तोत्रम् । अष्टोत्तर नामावली सहित	०-५६
३०७९	शारदास्तोत्रम् ।	०-५५
३०८०	शिव उपासना-शिवपूजा । सं० रामकृष्णदास 'रसिक'	४-५०
३०८१	शिवकवच-वृन्दाक्षीस्तोत्रम् ।	०-३०
*३०८२	शिवकर्णामृतस्तोत्रम् । श्री भरद्वाज मुनि कृत	०-७५
३०८३	शिवकवचम् ।	०-३५
*३०८४	शिवताण्डवस्तोत्रम् । सर्वमङ्गलाभाषाटीकासहित	०-१०
*३०८५	शिवमहिम्नस्तोत्रम् । पद्यात्मक हिन्दी टीका सहित । अनुवादक-पं० राधेलाल त्रिवेदी	०-७५
३०८६	शिवशतकम् । रामपाणिवाद विरचित	०-३०
३०८७	शिवसहस्रनाम ।	०-३१
३०८८	शिवसहस्रनाम । नामावली	०-५१
३०८९	शिवसहस्रनामावली ।	०-५०
३०९०	शिवस्तुतिः । गोकुलनाथोपाध्याय कृत । हिन्दी टीका सहित	०-७२
*३०९१	शिवस्तोत्रम् । शिवकवच-शिवमानसपूजा-शिवमहिम्न-शिवापराधक्ष- मापनस्तोत्र	०-१५
*३०९२	शिवस्तोत्रावली । उत्पलदेवाचार्य विरचित । जेमराज कृत संस्कृत व्याख्या हिन्दी अनुवाद सहित	१०-००
३०९३	शिवानन्दलहरी ।	०-३१
३०९४	शिवापराधक्षमापनस्तोत्रम् ।	०-१२
*३०९५	शीतलाष्टकम् ।	०-०५
३०९६	श्यामलादण्डकम् ।	०-३७
३०९७	श्रीनटराजसहस्रनामभाष्यं	४-००
३०९८	श्रीनटराजसहस्रनामावली	१-००
३०९९	श्रीरंगनाथलक्ष्मीसुदर्शनस्तोत्राणि ।	०-३१
३१००	श्रीरामब्रह्मानसपूजा ।	०-२०
*३१०१	श्रीलक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्र-श्यामलादण्डक-श्यामलानव- रत्नमालिका श्रीवेङ्कटेश्वराष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्	०-१५
३१०२	श्रीहरिविष्णुभास्तोत्रम् । पाण्डेय रामनारायण दत्त शास्त्री संपादित । सान्त्वय हिन्दी टीका सहित	१-००

- ३१०३ संकीर्तन सुधा । प्रथम प्रवाह (मगही लोकगीत) हरगोविन्द मिश्र 'रंजन' १—००
 ३१०४ सदाशिवेन्द्रस्तुति । ०—२५
 *३१०५ सन्तानगोपालस्तोत्रं ०—१०
 ३१०६ सन्तानसुन्दरीस्तोत्र-जगद्धिन्तामणि कवच-नीलकण्ठस्तोत्र ०—२५
 ३१०७ सरस्वतीसहस्रनामस्तोत्रम् । नामावली सहित ०—५६
 ३१०८ सविधि-आपदुद्धारकवटुकभैरवस्तोत्रम् । ०—७५
 *३१०९ सिद्धसरस्वतीस्तोत्रम् । (गणेशस्तवराजस्तोत्रं, सरस्वतीस्तोत्रं, सरस्वत्यष्टकम्, सरस्वतीकवचम्, देव्यपराधक्षमापनस्तोत्रं, काल-भैरवाष्टकम्) प्रत्यक्षफलोपयोगी ०—१५
 ३११० सीतासहस्रनाम । नामावली ०—५६
 ३१११ सुदर्शनसहस्रनामस्तोत्र । नामावली सहित ०—५६
 ३११२ सुन्दरलहरी । शंकराचार्य कृत । सटिप्पण ०—५०
 ३११३ सुमहण्यसहस्रनाम । " ०—५६
 ३११४ सुभगोदयस्तुति । ०—२५
 *३११५ सूर्यशतकम् अथवा मयूरशतकम् । 'कला' हिन्दी टीका विस्तृत भूमिकादि सहित । व्याख्या के साथ-साथ पौराणिक अन्तःकथाएँ भी स्पष्ट किए गए हैं । विचारपूर्ण विशद भूमिका में भी कवि तथा काव्य से संबंधित गवेषणापूर्ण अनल्प सामग्री प्रस्तुत की गई है । २—५०
 ३११६ सूर्यसहस्रनामस्तोत्रम् । नामावली संवलित ०—५६
 ३११७ सूर्यसहस्रनामावली । ०—५०
 ३११८ सूर्यस्तवराजादिअष्टस्तोत्रं । ०—१२
 *३११९ सूर्यादिद्वादशस्तवीस्तोत्रं अन्नपूर्णादिस्तोत्रसहितं ०—२०
 ३१२० सौन्दर्यलहरी । मूलभाषा ०—३१
 ३१२१ सौन्दर्यलहरी । लक्ष्मीधर व्याख्या भावनोपनिषद् भास्करराय भाष्य सहित ३—७५
 ३१२२ सौन्दर्यलहरी । स्वामिविष्णुतीर्थकृत हिन्दी अनुवाद श्री विद्यातत्त्व कुण्डलिनी रहस्य सहित ५—००
 ३१२३ सौन्दर्यलहरी—परपर्यायम् आनन्दलहरीस्तोत्रम् । शंकराचार्य विरचितम् । श्रीरामकविकृतडिण्डिमभाष्यम्-नरसिंहस्वामी कृत श्रीगोपाल-सुन्दरी टीका सहित २—२५
 ३१२४ स्तुतिपुष्पोपहारः-मुक्तकस्तुतिमञ्जरी । महालिंग शास्त्री ४—००
 ३१२५ स्तुतिमणिमाला । शंकरशास्त्रिविरचित २—२५
 ३१२६ स्तोत्रत्रयी । हिन्दी टीका ०—१२
 ३१२७ स्तोत्ररत्नम् । यामुनाचार्य ०—१२
 ३१२८ स्तोत्ररत्नमाला । प्रथम भाग १—५०
 ३१२९ स्तोत्ररत्नावली । हिन्दी टीका १—००
 ३१३० स्तोत्रसमाहारः । प्रथम भाग ३—२५
 ३१३१ स्तोत्राणि । जगद्गुरु शृंगेरी । द्वितीय भाग ०—२५

३१३२ स्तोत्राणि । वेदान्त देशिक कृत । १-३ भाग	०-७५
३१३३ स्तोत्रार्णवः । टी० चन्द्रशेखर संपादित	२०-३०
३१३४ ह्यग्रीवस्तोत्र	०-२०
३१३५ हरिद्वादशाक्षरीस्तोत्रम् । लक्ष्मणशास्त्री प्रणीत	१-००
३१३६ हरिमीढेस्तोत्रम् ।	०-१५
३१३७ हरिहरस्तोत्रम्-स्वात्मदेवस्तोत्रम् । काश्मीरिक वासुदेव विरचित । सटिप्पण	२-००

व्रत-कथा-ग्रन्थाः

३१३८ अक्षयनवमीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०-२५
*३१३९ अनन्तचतुर्दशीव्रतपूजाकथा ।	०-२०
३१४० अनन्तव्रतकथा । हिन्दी टीका	०-५०
३१४१ अन्नपूर्णाव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०-५०
३१४२ ऋषिपञ्चमीव्रतकथा । "	०-५०
३१४३ कार्तिकशुक्लविषष्टीव्रतकथा ।	०-२५
३१४४ करवाचतुर्थीव्रतकथा । "	०-०९
३१४५ कृष्णजन्माष्टमीकथा । हिन्दी टीका सहित	०-५०
*१३४६ कृष्णजन्माष्टमीव्रतकथा । कृष्णजन्मरहस्यसहित	०-३५
३१४७ गणेशचतुर्थीव्रतकथा । भाद्रमास । हिन्दी टीका सहित	०-२५
३१४८ गणेशचतुर्थीव्रतकथा । माघमास । हिन्दी टीका सहित	०-१९
३१४९ चन्दनषष्ठी-सूर्यषष्ठीकथा । हिन्दी टीका सहित	०-५०
३१५० चान्द्रायणव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०-४०
३१५१ चित्रगुप्तकथा । हिन्दी टीका	०-१९
३१५२ चित्रगुप्तमद्वितीयाव्रतकथा । पूजनविधिसहित हिन्दी टीका	०-४६
*३१५३ जीमूतवाहनव्रतपूजाकथा । व्रतनिर्णय सहित	०-२०
३१५४ जीवितपुत्रिकाव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०-२०
३१५५ पञ्चमीष्मककथा । हिन्दी टीका सहित	१-२०
३१५६ पूर्णिमाव्रतकथा । गुजराती टीका सहित	५-००
*३१५७ बहुलाचतुर्थीव्रतकथा	०-२०
३१५८ बुद्धाष्टमीव्रतकथा । हिन्दी टीका	०-३६
३१५९ बृहस्पतिवार व्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०-५०
*३१६० भाद्रशुक्लचतुर्थीचन्द्रपूजा । चतुर्थीचन्द्रव्रतकथासहित	०-१५
३१६१ भारत तीर्थ-यात्रा । स्वामी रामानन्द सरस्वती	६-५०
*३१६२ भारतीय व्रतोत्सव । (भारतीय व्रत-उत्सव की सर्वोत्तम पुस्तक)	३-००
३१६३ भीष्मपञ्चकव्रतप्रयोगः	०-२५
३१६४ भुवनेश्वरी कथा । मूलश्लोक-गुजराती भाषान्तर सहित	२-५०
३१६५ मङ्गलागौरीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०-२५
३१६६ महालक्ष्मीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०-५०
३१६७ महाशिवरात्रिव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	१-००
३१६८ मुक्ताभरण सप्तमी व्रत कथा । हिन्दी टीका सहित	०-५०

महात्म्य-ग्रन्थाः

११५

३१६९ यमद्वितीयाकथा ।	०—१२
३१७० रविपष्टीव्रतकथा । हिन्दीटीका	०—१२
३१७१ रामनवमीव्रतकथा ।	०—५०
*३१७२ रामनवमीव्रतपूजापद्धतिः । जानकीनवमीव्रतपूजासहित	०—४०
३१७३ वटसावित्रीकथा ।	०—५०
३१७४ वामनद्वादशीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—२०
३१७५ न्यतिपातव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—२५
३१७६ व्रतरत्नाकर । प्रथम भाग	२—००
३१७७ व्रतराज । हिन्दीटीका सहित	१९—२०
३१७८ व्रतोत्सवकौमुदी ।	१—३७
३१७९ शनिप्रदोष-पञ्चप्रदोषव्रतकथा हिन्दी टीका सहित	०—४०
३१८० श्रीपष्टीदेवी कथा । ध्यान-पूजा विधि-स्तोत्र सहित । हिन्दी टीका सहित	०—३२
३१८१ सङ्कटगणेशचतुर्थीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—९०
३१८२ सत्यनारायणइतिहाससमुच्चयः । हिन्दीटीका सहित	१—००
३१८३ सत्यनारायणपूजाकथा ।	००—२५
३१८४ सत्यनारायणव्रतकथा । सप्ताध्यायी । हिन्दी टीका	०—५०
*३१८५ सत्यनारायणव्रतकथा । 'विष्णु प्रिया' हिन्दी टीका सहित	०—७५
३१८६ सप्तवारव्रत कथा ।	१—५०
३१८७ सावित्रीव्रतकथा । हिन्दीटीका	०—३७
*३१८८ सिद्धिविनायकचतुर्थी व्रतपूजाकथा	०—२०
३१८९ सोमवंशकथा । हिन्दी टीका सहित	०—२४
३१९० सोमवतो अमावस्याकथा । हिन्दी टीका	०—५०
३१९१ सोमवारीव्रतकथा । हिन्दीटीका	०—५०
*३१९२ हमारे त्यौहार । डॉ० ब्रज मोहन ।	समाप्त
३१९३ हरितालिकाव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—३२
*३१९४ हरितालिकाव्रतपूजाकथा ।	०—१५
३१९५ हलषष्टीव्रतकथा । हिन्दीटीका	०—२५
३१९६ हिन्दुओं के व्रत-पर्व और त्योहार ।	७—००

माहात्म्य-ग्रन्थाः

३१९७ अमरेश्वरदर्शनम् (अमरनाथमाहात्म्य) । हिन्दी टीका सहित ५७३	२—७५
३१९८ अर्जुनमाहात्म्यसारः । स्कन्दपुराणान्तर्गत । हिन्दी टीका	०—६०
३१९९ अवन्तीक्षेत्र-उज्जैन-माहात्म्यम् । स्कन्दपुराणान्तर्गत	८—४०
*३२०० एकादशीमाहात्म्यम् । 'हरिप्रिया' हिन्दीटीका सहित ४—००, ३—००	
३२०१ कार्तिकमाहात्म्यं । हिन्दी टीका सहित । बंबई ३—००, काशी २—५०	
३२०२ कार्तिकमाहात्म्यं (पञ्चपुराणान्तर्गत) ३५ अध्याय युक्त । हिन्दीटीका सहित ४—६२	
३२०३ काशीकेदारमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
३२०४ काशीपुरीमाहात्म्य । पञ्चक्रोशी माहात्म्य	०—४०
३२०५ काशी महिमाप्रकाश (काशीखण्डसार) । काशीनाथ झा	२—५०
३२०६ काशीयात्रा । हिन्दी	०—६०

३२०७ गयामाहात्म्यम् । मूल तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० क्लौड ज्याके	२०—००
३२०८ चंडिकासाहात्म्य ।	१—००
३२०९ जगन्नाथमाहात्म्य पुरुषोत्तम माहात्म्य । वड़ा	३—००
३२१० ज्येष्ठमाहात्म्यं । हिन्दी टीका	३—००
३२११ तुलसीमाहात्म्यम् ।	०—१२
३२१२ देवीसाहात्म्यम् । संस्कृत मूल । वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आंग्ला- नुवाद सहित	१०—००, १५—००
३२१३ द्वादशज्योतिर्लिंग-यात्रा । स्वामी रामानन्द सरस्वती	१—५०
३२१४ नेपालमाहात्म्यम् । स्कन्द पुराणान्तर्गत	१—४८
३२१५ यज्ञकोशीयात्रा । हिन्दी टीका सहित	०—६१
३२१६ पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
३२१७ पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् । (अधिकमास) । पद्मपुराणान्तर्गत । हिन्दी टीकासहित	३—३०
३२१८ प्रयागमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका	०—१०
३२१९ फाल्गुनमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका	१—५०
३२२० बदरीनारायणमाहात्म्यम् । सनत्कुमारसंहितान्तर्गतहिन्दी टीका सहित	१—२५
३०२१ भगवन्नाममाहात्म्यसंग्रहः रघुनाथेन्द्रकृत । सन्याख्या	२—६५
३२२२ माघमासमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	२—००
३२२३ माघपुरीमाहात्म्य ।	१—५०
३२२४ मार्गशीर्षमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
३२२५ मिथिलामाहात्म्यम् ।	०—४८
३२२६ यज्ञमाहात्म्यं । हिन्दी टीका	०—५०
३२२७ वाराणसी(काशी)माहात्म्यं । हिन्दी टीका सहित	०—६०
३२२८ विनायकमाहात्म्यम् ।	१—००
३२२९ विन्ध्यमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
३२३० वेङ्कटाचलमाहात्म्य । हिन्दी टीका सहित । भाग १-२	३—५०
३२३१ वैद्यनाथमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	२—६२
३२३२ वैशाखमासमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
३२३३ शिवरात्रिमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	०—४५
३२३४ श्रावणमासमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	४—००
४३३५ श्रीकृष्णार्चामाहात्म्यम् । पं० किशोरीलाल शास्त्री । हिन्दी टीका सहित ।	१—००
३२३६ सेतुमाहात्म्यम् ।	४—२०

तन्त्रादि-आगम-ग्रन्थाः

३२३७ अजितागमः । सं० एन० आर० मट्ट । प्रथम भाग (शोधपूर्ण संस्करण)	२५—००
३२३८ अनिरुद्धसंहिता (पाञ्चरात्रागमे दिव्यसंहितान्तर्गता) आसूरि- श्रीनिवासाचार्यगौर्यैः संस्कृता	६—२५
३२३९ अनुष्ठानप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित	१४—४०
*३२४० ABHINAVA GUPTA : An Historical & Philosophical Study by Dr. Kanti Chandra Pandeya (Chow. Sans. Studies, Vol. I.) Revised Edition.	४५—००

३२४१ अष्टसिद्धिः । हिन्दी टीका सहित	१—६२
३२४२ अहिर्बुध्न्यसंहिता (पाञ्चरात्रागमान्तर्गता) १-२ भाग	४०—००
३२४३ आनन्दलहरी । हिन्दी टीका व विस्तृत व्याख्या सहित	२—२५
३२४४ आनन्दलहरी । चन्द्रिका व्याख्या सहित	२—५०
३२४५ आनन्दलहरी (Wave of Bliss) श्रीमच्छंकरभगवत्पाद विरचित । कैवल्यश्रम विरचित सौभाग्यवर्धनी संस्कृत टीका । आर्थर एवेलन संपादित	३—००
३२४६ आरति-माला ।	०—७५
३२४७ आसुरी कल्प । उल्लूककल्पयुक्त हिन्दी टीका सहित	०—२४
३२४८ आद्विकपद्धतिः । नव्यचण्डीदास कृत	१—००
३२४९ इन्द्रजाल । (बृहत्) अर्थात् कौतुकरत्नभाण्डागार । हिन्दी	४—८०
३२५० ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी । उत्पलदेवाचार्य कृत । अभिनव गुप्त कृत व्याख्या सहित । १-२ भाग	७—००
३२५१ ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविवृतिविमर्शिनी । अभिनवगुप्त कृत । १-३ भाग	८—००
३२५२ उच्छिष्टगणपतिपञ्चाङ्गम् ।	२—१०
३२५३ उद्गमरेश्वरतन्त्रम् । मूलमात्र	१—७५
३२५४ उड्डीशतन्त्रम् । रावण विरचित । हिन्दी टीका सहित	१—००
३२५५ उपदेशमुक्तावली । रहस्य भरा भजनों का संग्रह । १-४ भाग	७—७५
३२५६ ओंकारमहिमाप्रकाशः ।	१—५०
*३२५७ कर्पूरस्तवः । श्रीमहाकालप्रणीत । सटीक	यन्त्रस्थ
३२५८ कर्पूरस्तवराज । महाकाल विरचित । सदाशिव कृत व्याख्या सहित	६—००
३२५९ कर्पूरादिस्तोत्रम् । विमलानन्ददायिनी स्वरूप व्याख्या आंगलानुवाद सहित	४—००
३२६० कर्पूरादिस्तोत्रम् । विमलानन्द स्वामी कृत आनन्ददायिनी- सुवोधिनी व्याख्याद्वय सहित । आर्थर एवेलन संपादित	६—००
३२६१ कर्मकाण्डक्रमवलिः । सोमशम्भु विरचित	१—५०
३२६२ कल्पवृक्ष । डॉ० जी० एस० वर्मा-एस० पी० व्यास लिखित	१—००
*३२६३ काथबोधः । साजनी कृत टीकोपेत	१—५०
३२६४ कामकलाविलासः । पुण्यानन्द विरचित । सटीक	१—२५
३२६५ कामधेनुतन्त्र । सं० भद्रशील शर्मा	२—५०
३२६६ कामाक्षामंत्र (बड़ा)	६—००
३२६७ कार्तवीर्यार्जुनोपासनाध्यायः । मूलमात्र	४—२०
३२६८ काली-कर्पूरस्तवः । सविधि । पुण्यशील शर्मा	१—००
३२६९ काली-तन्त्रम् । सं० भद्रशील शर्मा	२—००
३२७० कुण्डलिनीयोग (Serpent Power) । आर्थर एवेलन कृत आंगलानुवाद सहित ।	३०—००
३२७१ कुलचूडामणितन्त्रम् । आर्थर एवेलन संपादित	३—००
३२७२ कुलार्णवतन्त्रम् । भद्रशील शर्मा सम्पादित	३—५०
३२७३ कुलार्णवतन्त्रम् । तारानाथ विद्यारत्न संपादित	२५—००
३२७४ कुलार्णवतन्त्र । प्रथमोद्भास । हिन्दी टीका सहित	०—५०
३२७५ कौलकीर्तन । श्री सत्यान्वेषी	१—२५

३२७६ कौलावलीनिर्णयः । ज्ञानानन्द परमहंस कृत । मूल मात्र	५—००
३२७७ कौलावलीनिर्णय । रमादत्तशुक्ल । हिन्दी मात्र	५—००
३२७८ कौलोपनिषद्-त्रिपुरोपनिषद्-भावोपनिषद् । सटीक	४—००
३२७९ कौवातन्त्र (बृहद्) त्रिवेणीप्रसाद अवस्थी	५—००
*३२८० क्रमदीपिका । जगद्विजयि श्रीकेशचमडाचार्य-प्रणीता । विद्याविनोद- श्रीगोविन्दभट्टकृतविवरणोपेता । गुरुभक्तिमन्दाकिनीव्याख्या- सहिता लघुस्तवराजस्तोत्र-विभूषिता च	६—००
३२८१ क्रियोद्दीप्ततन्त्रम् । हिन्दी टीका सहित	१—५०
३२८२ गणपतितत्त्व । मूल-संस्कृत-रोमन लिपि में-हिन्दी टीका सहित । श्रीमती डा० सुदर्शना देवी संपादित	३०—००
३२८३ गायत्री का मन्त्रार्थ ।	१—५०
३२८४ गायत्री चित्रावली ।	१—५०
३२८५ गायत्रीतत्त्वविमर्शः ।	२—००
*३२८६ गायत्रीतन्त्रम् । श्रीमच्छङ्करमुखविनिःसृतम् । गायत्री-शापोद्धार- गायत्रीकवच-दशमहाविद्यास्तोत्रैः संभूषितम्	समाप्त
३२८७ गायत्रीतन्त्र । हिन्दी टीका सहित	१—०२
३२८८ गायत्रीपुरश्चरणम् । मूलमात्र	०—५०
*३२८९ गायत्रीपूजापद्धतिः । श्रीविभाकराचार्य संगृहीत	०—२५
३२९० गायत्रीमहाविज्ञान । श्रीरामशर्मा आचार्यकृत । १-३ भाग	१०—५०
३२९१ गायत्री यज्ञ विधान । १-२ भाग	४—००
३२९२ गायत्रीयज्ञों की रूपरेखा ।	१—००
३२९३ गायत्रीहवनविधिः ।	०—३७
३२९४ गिरगितबौद्धग्रन्थावलिः । रघुवीरेण लोकेशचन्द्रेण संपादिता । भूर्जपत्राणि भाचित्राणि । पार्ट १-४	१२०—००
३२९५ गुह्यसमाजतन्त्रम् । (तथागतगुह्यक) शीतांशुशेखर वागची सम्पादित	१०—००, १२—५०
३२९६ गौरीशङ्करगुटिका ।	३—००
३२९७ चक्रपूजा के स्तोत्र ।	१—५०
३२९८ चंडीचरितावली ।	०—७५
३२९९ चिद्गगनचन्द्रिका । श्रीकालिदास कृत	३—००
३३०० चौबीस गायत्री । हिन्दी टीका सहित	०—५०
३३०१ जन्ममरण विचार, अमरौद्यानुशासन, तन्त्रवटधानिका ।	१—२५
३३०२ जपसूत्रम् । प्रथम खण्ड । प्रणेता स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती । अनु०-- कु० प्रेमलता शर्मा	१५—००
३३०३ ज्ञानसंकलनीतन्त्र । सं० मद्रशील शर्मा	१—५०
३३०४ ज्ञानार्णवतन्त्र । ईश्वरप्रोक्त	२—००
३३०५ तन्त्रराज । दूसरा भाग मात्र	१०—००
३३०६ तन्त्रविज्ञान । अरुणकुमार शर्मा । प्रथम भाग	२—००
३३०७ तन्त्रसमुच्चयः । शङ्करकृतविमर्शिनी-नारायणशिष्यप्रणीत विवरण सहित १-३ भाग	१३—२५

- *३३०८ तन्त्रसारः । म० म० श्रीकृष्णानन्दवागीश भट्टाचार्य विरचित ३—००
- ३३०९ तन्त्रसारः । अभिनवगुप्त कृत २—५०
- ३३१० तन्त्रसारसंग्रहः । (विषनारायणीय) सव्याख्या । नारायणकृत १५—२५
- ३३११ तन्त्राभिधानम् । वीजनिघण्टु-मुद्रानिघण्टु ५—००
- ३३१२ तन्त्रालोकः । अभिनवगुप्तकृत । जयरथकृतव्याख्या सहित १, ३-२२ भाग ३६—००
- ३३१३ तन्त्राह्निकम् । रजेमिश्र विरचित ४—५०
- ३३१४ तांत्रिकपञ्चाङ्ग । स्वामीजी महाराज दत्तिया २—००
- ३३१५ तान्त्रिक साधना । माधव पुण्डलीक पण्डित । रूपान्तर-शैवदत्त १—५०
- *३३१६ तारापारिजातः । यन्त्रस्थ ५—००
- ३३१७ तारातन्त्रम् । गिरीशचन्द्र वेदान्ततीर्थ संकलित १०—००
- ३३१८ ताराभक्तिसुधारणव । ठक्कुर श्रो नृसिंह कृत ४—००
- ३३१९ तारिणीपारिजातः । विद्रुदुपाध्याय प्रणीत १—५०
- ३३२० तोडल तंत्र । सं० भद्रशील शर्मा १—५०
- *३३२१ त्रिपुरारहस्यम्-ज्ञानखण्डम् । 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित
व्या-स्वामी सनातनदेवजी महाराज
महर्षि हारितायनप्रणीत प्रस्तुत ग्रन्थ भारतीय आगम-समुद्र का अनोखा रत्न है । अध्यात्मतरंग का प्रतिपादन करनेवाले ग्रन्थों में इस ग्रन्थ का निजी महत्त्व है । जीव-जगत्-शुद्धचिति, ध्यान-धारणासमाधि, अष्टपाश आदि के विवरणपूर्वक जीवन्मुक्ति प्राप्त करने के साधन आदि का व्यापक, प्रामाणिक एवं युक्तियुक्त विवेचन इस ग्रन्थ का विषय है । हिन्दी ज्ञाता भी इसका लाभ उठा सकें एतदर्थ आध्यात्मिक अनुभवों से पूर्ण श्री स्वामी सनातनदेवजी ने इसकी 'ज्ञानप्रभा' नामक सरल हिन्दी व्याख्या की है । मात्र इस व्याख्या से मूल के भावों का अविकल बोध होना इसकी सही विशेषता है । उन्हीं के बहुमूल्य विचारों से युक्त विशद भूमिका भी पर्याप्त महत्त्व की है । उत्तम शैली और सुबोधता की दृष्टि से यह अवश्य पठनीय ग्रन्थ है । १३—००
- ३३२२ त्रिपुरारहस्यम् (ज्ञानखण्डम्) । श्रीनिवासबुध विरचित तात्पर्य दीपिका व्याख्या सहित । सं-म० म० गोपीनाथ कविराज ९—००
- *३३२३ TRIPURA RAHASYA (Jnanakhand). English Translation and a Comparative Study of the Process of Individuation. By A. U. Vasavada. (Chow. Sans. Studies Vol. L) 15-00
- *३३२४ त्रिपुरारहस्यम् । माहात्म्यखण्ड १२—००
- ३३२५ दत्तात्रयतन्त्रम् । हिन्दी टीका सहित ०—७५
- ३३२६ दुर्गाउपासना । रामकृष्णदास 'रसिक' ८—२५
- ३३२७ दुर्गा के कीलन का उद्घाटन तथा दुर्गायन्त्र के खोलने की कुतुहिका । काशीपति त्रिपाठी ०—७५
- *३३२८ दुर्गापञ्चाङ्गम् । १—२५

३३२९	दुर्गापुष्पाञ्जलिः । दुर्गाप्रसाद द्विवेद प्रणीत । गंगाधर द्विवेदी कृत व्याख्या सहितसं० म० म० गोपीनाथ कविराज	४-२५
३३३०	दुर्गासप्तशती । स्थूलाक्षर । पत्रात्मक । अनेक चित्रों के साथ	३-००
३३३१	दुर्गासप्तशती । स्थूलाक्षर । बंबई पत्रात्मक ३-५० सजिल्द	४-००
३३३२	दुर्गासप्तशती । वायुनन्दन मिश्र कृत । पत्राकार । मूलमात्र	समाप्त
३३३३	दुर्गासप्तशती । मूलमात्र पत्रात्मक २-०० सजिल्द	१-५०
*३३३४	दुर्गासप्तशती । मूलमात्र (गुटका संस्करण)	१-००
३३३५	दुर्गासप्तशती । मूलमात्र । गुटका ३२ पेजी । सजिल्द	१-००
३३३६	दुर्गासप्तशती । ताबीजी	०-६२
३३३७	दुर्गासप्तशती । हिन्दी टीका सहित । पत्राकार २-७५ सजिल्द	३-००
*३३३८	दुर्गासप्तशती । (सर्वांग पूर्ण संस्करण) श्रीहरेकान्त मिश्र कृत 'सर्वमङ्गला' हिन्दी व्याख्या सहित । दुर्गा के अनेकानेक हिन्दी अनुवाद छप चुके हैं, उनमें प्रायः अनेक परम्परा का अनुसरण करने के कारण व्यवस्थित नहीं है । अतः सुयोग्य विद्वानों द्वारा इस संस्करण का व्याख्यात्मक हिन्दी अनुवाद कराकर प्राचीनतम हस्तलिखित ग्रन्थों के आधार पर संशोधित रूप में यह संस्करण प्रकाशित किया गया है । पुस्तक के आरम्भ और अन्त में शतचण्डी, सहस्रचण्डी विधानादि सभी उपयोगी विषयों का समावेश दुर्गापटल के आधार पर कर दिया गया है । पूजा- पाठ करने वालों के लिए सर्वांगपूर्ण यह संस्करण बड़े महत्व का है ।	४-००
३३३९	दुर्गासप्तशती । शब्दशः पद्यानुवाद	१-५०
३३४०	दुर्गासप्तशती का आध्यात्मिक रहस्य । काशीनाथ झा	२-५०
३३४१	दुर्गासप्तशतीयन्त्र ।	०-१९
३३४२	दुर्गास्तवमञ्जरी । हिन्दी टीका सहित	२-५०
३३४३	दुर्गोपासनाकरपद्मः ।	१३-२०
३३४४	देवीनामविलासः । साहिबकौलकृत	२-५०
३३४५	देवीमाहात्म्यम् । नवाङ्गयुक्त	१-५०
३३४६	देवीमाहात्म्यम् । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आंग्लानुवाद सहित	१०-००
३३४७	देशोपदेशनर्ममाला । क्षेमेन्द्रकृत	१-५०
३३४८	धनप्राप्ति के प्रयोग । भद्रशील शर्मा	१-५०
३३४९	धन्वन्तरितन्त्रशिखा । हिन्दी टीका सहित	३-००
३३५०	नरेश्वरपरीक्षा । पडज्योतिकृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित	२-००
३३५१	नवीन बृहत् दुर्गा पुष्पाञ्जलि (तर्ज राधेश्याम)	१-५०
३३५२	निरुत्तरतन्त्र । भद्रशील शर्मा सम्पादित	३-००
३३५३	निर्वाणतन्त्रम् । सम्पादक-भद्रशील शर्मा	२-००
३३५४	नीलतन्त्रम् । सम्पादक-भद्रशील शर्मा	२-००
३३५५	नेत्रतन्त्रम् । क्षेमराजकृत व्याख्या सहित । १-२ भाग	६-००
३३५६	पञ्चमकार तथा भावत्रय ।	४-००
३३५७	परमार्थसारः । अभिनवगुप्तकृत । योगिराजव्याख्या सहित	२-५०

तन्त्राद्यागम-ग्रन्थाः

१२१

३३५८ परशुरामतंत्रम् । सम्पादक-भद्रशील शर्मा	१—००
३३५९ परातंत्रम् । श्रीधन शमशेरजंगवहादुर राणा	२—००
३३६० परात्रिंशिका । आगमशास्त्र । अभिनवगुप्तकृत व्याख्या सहित	३—३७
३३६१ परात्रिंशिकातात्पर्यदीपिका ।	१—००
३३६२ परात्रिंशिकालघुवृत्तिः । परात्रिंशिकाविवृति सहित	१—००
३३६३ पर्जन्यन्तपञ्चाशिका । अभिनवगुप्त विरचित	१—२५
३३६४ पारमेश्वरसंहिता (पाञ्चरात्रान्तर्गत)	१५—००
३३६५ पाशुपतसूत्रम् । कौण्डिन्य विरचित भाष्य सहित	२—२५
*३३६६ पुराणसंहिता । श्रीमद्वेदव्यासविरचित । आळमन्दारसंहिता-बृहत्सदा- शिवसंहिता-सनत्कुमारसंहिता संवलित	१२—००
३३६७ पूर्णता-प्रत्यभिज्ञा । रामेश्वरज्ञाविरचिता	५—००
३३६८ प्रत्यङ्गिरापञ्चाङ्गम् ।	२—१०
*३३६९ प्रत्यभिज्ञाहृदयम् । राजानक क्षेमराजाचार्य विरचितम् । सविमर्श हिन्दी व्याख्याविभूषितम् । व्याख्याकार-प्रो० शिवशंकर अवस्थी यन्त्रस्थ	
३३७० प्रपञ्चसारसंग्रहः । गीर्वाणेश्वर सरस्वती पाद विरचित । के० एस० सुब्रह्मण्य शास्त्री संपादित । १-२ भाग	३९—५०
३३७१ वगलातन्त्रम् ।	०—७५
३३७२ बटुकभैरवोपासनाध्यायः ।	३—६०
३३७३ बोधपञ्चदशिका-परमार्थचर्चा । अभिनवगुप्त विरचित	०—५०
३३७४ ब्रह्मसंहिता । श्रीजीवगोस्वामिकृत व्याख्या सहित तथा विष्णुसहस्रनाम शाङ्करभाष्यसहित	४—००
३३७५ भैरवीचक्र पूजन ।	१—००
*३३७६ मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य । ले०—डॉ० शिवशङ्कर अवस्थी । इस ग्रंथ में तान्त्रिक शब्द-दर्शन की स्पष्ट एवं मार्मिक व्याख्या की गई है । शैव-शाक्त तन्त्रों, सम्बद्ध टीकाओं, रहस्यमयी स्तुतियों, व्याकरणागम तथा सूतसंहितादि ग्रन्थों के मूल उद्धरण द्रष्टव्य हैं । उपसंहार में वेद और तन्त्रगत वाक्संबन्धी विचारों की तुलनात्मक समीक्षा तथा चार सुविशद परिशिष्टों में अतिरिक्त उपयोगी सामग्री दी गई है । हिन्दी भाषा का यह सर्वप्रथम ग्रन्थ है जिसमें तन्त्र जैसे दुर्लभ विषय का व्यवस्थित और बोधगम्य स्वरूप देखने को मिलेगा ।	१६—००
३३७७ मन्त्रकोष ।	२—००
३३७८ मन्त्रकौमुदी । देवनाथ ठक्कुर कृत	६—००
३३७९ मन्त्रदीपिका । लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी	०—६२
३३८० मन्त्रपारायणविधिः ।	२—००
३३८१ मन्त्रमहोदधि । सन्याख्या । पत्रात्मक	१०—८०
३३८२ मंत्रविद्या ।	१—८०

- ३३८३ मंत्रशास्त्रमातृकाग्रन्थानां विवरणात्मिका सूचिका । क्षे० शं० सुब्रह्मण्य-
शास्त्री संपादित १२-००
- ३३८४ मन्त्रसिद्धि का उपाय । मन्त्र-साधना के लिए सद्गुरु-समान २-००
- ३३८५ महात्रिपुरसुन्दरीपूजाकल्पः । १-१२
- ३३८६ महानयप्रकाशः । राजानकशितिकण्ठकृत १-७५
- *३३८७ महामृत्युञ्जयपञ्चाङ्गम् । १-२५
- ३३८८ महायक्षिणीसाधनम् । हिन्दी टीका सहित २-१०
- ३३७९ महारथमञ्जरी । महेश्वरानन्दकृत स्वोपज्ञव्याख्या सहित १-७५
- ३३९० महिम्नस्तोत्रम् । (Greatness of Shiva) जगन्नाथचक्रवर्तिकृत संस्कृत
टीका सहित । आर्थर एवलन संपादित ३-००
- ३३९१ मातृ-उपासना । सात्विक भावोंसे पूर्ण मातृ-उपासनाका रूप एवं माहात्म्य २-५०
- ३३९२ मातृकामेदतन्त्र । मूलमात्र ३-८०
- ३३९३ मालिनीविजयतन्त्रम् । आगमशास्त्र ३-५०
- ३३९४ मालिनीविजयवार्त्तिक । अभिनवगुप्त कृत ३-००
- *३३९५ माहेश्वरतन्त्रम् । अस्य माहेश्वरतन्त्रस्य मुद्रणं न कुत्रापि सञ्जातमित्या-
लोच्य एतत् तन्त्रशास्त्रं पाठभेदादियोजनपुरःसरं परमपुरुषोत्तम-
पादसरोजानुरागिणां तन्त्रशास्त्रोपासकानामुपकाराय सम्मुद्रापितं ६-००
- ३३९६ माहेश्वरीतन्त्रम् । हिन्दीटीका सहित ०-३२
- ३३९७ मुद्रार्थे एवं उपचार । भद्रशंल शर्मा २-००
- ३३९८ मुद्राविचारप्रकरणम्-मुद्राविधि । डॉ० प्रियवाला शाह संपादित २-५०
- ३३९९ मुमुक्षुमार्गः । १-३ भाग ६-००
- ३४०० मृगेन्द्रतन्त्रम् । (विद्यापाद-योगपाद) नारायणकण्ठकृत व्याख्या सहित ३-००
- ३४०१ मृगेन्द्रागमः । क्रियापाद तथा चर्यापाद मात्र । भट्ट नारायण कण्ठ कृत
संस्कृत व्याख्या सहित १८-००
- ३४०२ यन्त्रचिन्तामणि । हिन्दी टीका सहित १-६२
- *३४०३ YUGANADDHA (The Tantric View of Life) by Dr. H.
V. Guenther. Secend Revised Edition. (Chow. Sans. Studies
Vol. III) In the Press.
- ३४०४ योगरत्नमाला । नागार्जुन मुनि कृत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३-००
- ३४०५ योगिनीतन्त्रम् । हिन्दी टीका सहित ८-४०
- ३४०६ योगिनीहृदय । अमृतानन्द योगी कृत दीपिका-भास्करराय कृत सेतुबंध
व्याख्या युत १०-००
- ३४०७ रत्नगोत्रविभागोमहायानोत्तरतन्त्रशास्त्रम् । ८-००
- ३४०८ रामार्चामाहात्म्यम् । (कथा-पूजा) ०-७५
- ३४०९ शैरवागमः । सं० एन० आर० भट्ट । प्रथम भाग । शोधपूर्ण संस्करण १८-००
- ३४१० लक्ष्मीतंत्रम् । (पंचरात्र आगम) बी० कृष्णमाचार्य संपादित ३०-००
- ३४११ लोकप्रकाशः । क्षेमेन्द्र कृत १-००
- ३४१२ लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि । देवपालकृतभाष्य सहित । १-२ भाग ५-५०
- ३४१३ वन्देमातरम् । महामन्त्र 'वन्दे मातरम्' का रहस्य २-००
- ३४१४ वशीकरण मन्त्र । राजेश गुप्ता ३-००

३४१५ वशीकरण विद्या और मन्त्र ।	२—५०
३४१६ वातूलनाथसूत्राणि । अनन्तशक्तिकृत वृत्ति सहित	१—००
३४१७ वामकेशवरीमतविवरणम् । जयरथकृत	१—००
३४१८ वाममार्ग ।	४—००
३४१९ विज्ञानभैरवः । क्षेमराज-शिवोपाध्याय-आनन्दभट्टकृत व्याख्या सहित	२—५०
३४२० विनयसुधा ।	१—२५
३४२१ शक्तिसाधन । चौधरी संपादित	१—००
३४२२ शतचण्डीयज्ञविधानम् । देवीप्रसादप्रणीत	८—००
३४२३ शतचण्डी-विधानम् । मण्डप, कुण्ड, होमद्रव्य आदि प्रयोगविधि सहित	३—७५
३४२४ शतरत्नसंग्रहः । उमापति शिवाचार्य कृत	३—००
*३४२५ शारदातिलकम् । लक्ष्मणदेशिकेन्द्र विरचित । राघवभट्ट कृत पदार्थादर्श व्याख्या सहित	१५—००
३४२६ शिवदृष्टिः । सोमानन्दविरचित । उत्पलदेवकृत वृत्तिसहित	२—५०
३४२७ शिवसूत्र-भक्तिसूत्रञ्च । ऋज्वर्थबोधिनी वृत्ति सहित	०—५०
३४२८ शिवसूत्रवार्त्तिकम् । वरदराजकृत	१—००
३४२९ शिवसूत्रवार्त्तिकम् । राजानकभास्करवृत्ति तथा स्पन्दवृत्ति कल्लटविरचित	२—५०
३४३० शेषसमुच्चयः । शङ्करप्रणीत । विमर्शिनीयुत	४—५०
३४३१ शैवपरिभाषा । शिवाग्रयोगीन्द्रकृत	३—७५
३४३२ श्रीउच्छ्रवगीताञ्जलि ।	२—५०
३४३३ श्रीकमलास्तवमंजरी ।	२—००
३४३४ श्री कल्पद्रुम । 'गुप्तावतार' बाबा मोतीलाल जी । १-२ भाग	५—५०
३४३५ श्रीकालीनित्यार्चनम् । अर्गला, कीलक, कवच आदि स्तोत्र सहित	४—००
३४३६ श्रीकालीस्तवमंजरी । हिन्दी टीका सहित	३—५०
३४३७ श्रीकालीस्वरूपतत्त्वम् । भगवती आद्या के ध्यान का आध्यात्मिक रहस्य	२—००
३४३८ श्रीछिन्नमस्तानित्यार्चन ।	२—००
३४३९ श्रीतत्त्वनिधि । ऋणराज संग्रहीत	८—४०
३४४० श्रीतारा-नित्यार्चनम् ।	३—००
३४४१ श्रीतारास्तवमंजरी ।	२—५०
३४४२ श्रीतारास्वरूप-तत्त्वम् ।	२—००
३४४३ श्रीत्रिपुरामहोपनिषद् ।	१—५०
३४४४ श्रीनाथादि गुरुत्रयम् ।	३—५०
३४४५ श्रीबगलानित्यार्चन ।	२—००
३४४६ श्रीबगलापूजापद्धतिः ।	२—००
३४४७ श्रीबगलामुखीरहस्यम् ।	४—५०
३४४८ श्रीबालानित्यार्चन ।	४—००
३४४९ श्रीबालास्तवमंजरी ।	२—५०
३४५० श्रीभगवतीगीता । पद्यानुवाद व व्याख्या सहित	५—००
३४५१ श्रीभुवनेश्वरी-नित्यार्चनम् ।	४—००
३४५२ श्रीभुवनेश्वरीरहस्य ।	३—००
३४५३ श्रीभुवनेश्वरीस्तवमंजरी ।	३—००
३४५४ श्रीभैरवोपदेशः । गीता के समान महत्त्वपूर्ण	३—२५

- *३४५५ श्रीमहालक्ष्मीपूजापद्धतिः । सर्वदेव पूजा विधान, पूजनमीमांसा, सम्पुटितश्रीसूक्त आदि विविध परिशिष्टसहित । हिन्दी टीका १—२५
- ३४५६ श्रीवन दुर्गा । दयाशंकर उपाध्याय कृत १—००
- ३४५७ श्रीविद्याखड्गमाला । १—००
- ३४५८ श्रीविद्या-नित्यार्चनम् । ५—५०
- ३४५९ श्रीविद्यानित्याह्निकम् । चिदानन्दनाथ ब्रह्मश्री सुब्रह्मण्यार्य संकलित ६—२५
- ३४६० श्रीविद्यामन्त्रभाष्यम् । त्रिकाण्डसारार्थबोधिनी व्याख्या ३—२५
- ३४६१ श्रीश्रीविद्यावतन्त्रम् । विद्यारण्य यति विरचित । मं० भद्रशील शर्मा । प्रथम भाग १५—००
- ३४६२ श्रीविद्यासपर्यापद्धतिः । चिदानन्दनाथ ब्रह्मश्री सुब्रह्मण्यार्य संकलित ६—२५
- ३४६३ श्रीविद्यास्तवमञ्जरी । ४—५०
- ३४६४ श्रीश्यामापूजापद्धति । ३—००
- ३४६५ श्रीश्यामासपर्यावासना । ४—५०
- ३४६६ षट्चक्रनिरूपणम् । (Serpent Power) श्रीशङ्करकृत षट्चक्रभेद टिप्पणी सहित । पादुकापञ्चकम् । श्रीकालिचरणकृत अमलाख्य टीका युत । आर्थर एवेलन संपादित २५—००
- ३४६७ षट्चक्रनिरूपणम् । सचित्र । हिन्दी टीका १—५०
- ३४६८ षट्चक्र-निरूपण । स्वामी हंसस्वरूप महाराज ०—७५
- ३४६९ षट्त्रिंशत्तत्त्वसन्दोह-भावोपहार-बोधपञ्चदशिका-अनुत्तरप्रकाश-पञ्चाशिका-पराप्रवेशिका । १—४४
- ३४७० संक्षिप्त तान्त्रिकमाह्निकं । ४—५०
- ३४७१ सकल जननी स्तव । हरभट्टो व्याख्या सहित । दीनानाथ यक्ष शास्त्री संपादित ४—५०
- ३४७२ सन्तान-सुख प्राप्ति के प्रयोग । भद्रशील शर्मा १—००
- ३४७३ सप्तधातुनिरूपणम् (रुद्रयामल-तन्त्रान्तर्गत) भैरवानन्द कृत ३—००
- ३४७४ सप्तशतीगीता (दुर्गा) । हिन्दी टीका सहित २—२५
- ३४७५ सप्तशतीमीमांसा । रमादत्त शुक्ल २—५०
- ३४७६ सप्तशतीरहस्यम् । ३—५०
- ३४७७ सांख्यायनतन्त्र । सम्पादक—भद्रशील शर्मा ३—००
- ३४७८ साङ्गसप्तशतिः गुटिका । १—५०
- *३४७९ सात्वततन्त्रम् । (वैष्णवतन्त्रम्) एतत्तन्त्रं नारायणेन शिवायोपदिष्टं शिवेन नारदायेति ग्रन्थतो ज्ञायते ३—००
- ३४८० साधक का संवाद । शाक्तधर्म की जानकारी रोचक ढङ्ग से कराती है ४—५०
- ३४८१ साधनसमर वा देवी-माहात्म्य (श्री दुर्गासप्तशती की आध्यात्मिक व्याख्या) ब्रह्मापि सत्यदेव जी । १-३ भाग १५—००
- ३४८२ साँवरी तन्त्र । ३—२५
- ३४८३ सावित्रीप्रकाश । अथवा गायत्री (गुरु) मन्त्रव्याख्या । स्वामी वेदानन्दतीर्थ १—००
- ३४८४ सिद्धशङ्करतन्त्रम् । हिन्दी टीका सहित ०—७२
- ३४८५ सिद्धित्रयम् । प्रत्यभिज्ञाकारिकावृत्तिसहित ३—००
- ३४८६ सोमशम्भुपद्धति । संस्कृतमूल तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० हेलेन बूनार लांचाव २५—००

अष्टादश-महापुराण-ग्रन्थाः

१२५

३४८७ सौन्दर्यलहरी । आंगलानुवाद सहित । सचित्र । डब्ल्यू० नारमन ब्राउन संपादित । अमेरिकन् संस्करण	६०—००
३४८८ सौन्दर्यलहरीपरपर्यायम् आनन्दलहरीस्तोत्रम् । शंकराचार्यविरचितम् । श्रीरामकविकृतडिण्डिमभाष्यम्-नरसिंहस्वामिकृतश्रीगोपालमुन्दरीटीका-सहितम्	२—२५
३४८९ सौन्दर्यलहरी । लक्ष्मीधर व्याख्या-भावजोपनिषद् भास्करराय भाष्य सहित	३—७५
३४९० सौन्दर्यलहरी । प्रत्येक श्लोक की टीका और व्याख्या के साथ साथ उसके यन्त्र-मन्त्रात्मक प्रयोग का हिन्दी में पहला प्रकाशन	५—५८
३४९१ सौन्दर्यलहरी । हिन्दी अनुवाद तथा श्रीविद्यातत्त्वकुण्डलीनिरहस्य सहित	५—००
३४९२ सौन्दर्यलहरी । पद्यानुवाद सहित	१—००
३४९३ स्तवचिन्तामणिः । भट्टनारायणकृत क्षेमराज व्याख्यासहित	२—२५
३४९४ स्पन्दकारिका । रामकण्ठाचार्यकृत वृत्तिसहित	२—७५
३४९५ स्पन्दनिर्णयः । क्षेमराजकृत	३—५०
३४९६ स्पन्दसन्दोहः । क्षेमराजकृत	०—५०
३४९७ स्वच्छन्दतन्त्रम् । (आगमशाल) क्षेमराजकृतव्याख्यासहित । १-७ भाग	१६—५०
३४९८ हनुमदुपासना ।	४—२०
३४९९ हनुमान उपासना । रामकृष्णदास 'रसिक'	४—५०
३५०० हिन्दी कुलार्णव ।	२—५०
३५०१ हिन्दीतन्त्रसार । रमादत्त शुक्ल । १-४ भाग	८—००
३५०२ हिन्दी शाक्तानन्दतरङ्गिणी । शाक्तधर्म-मूलसिद्धान्त-परिचयोपयोगी	३—५०
३५०३ हिन्दुओं की पोथी । जेनी पुरोहित	३—००

अष्टादश-महापुराण-ग्रन्थाः

*३५०४ अग्निपुराणम् । (१) सम्पादकः—आचार्य बलदेवोपाध्यायः ।

यह पुराण विद्याओं का सार एवं भारतीय संस्कृति का विश्वकोष ही है । इसके प्रस्तुत संस्करण में शोधकार्य द्रष्टव्य है । गहन अनुसन्धान करके पाठभेदों का निर्णय किया गया है तथा टिप्पणी में सभी पाठभेदों को दिखाते हुए मूल में सर्वशुद्ध पाठ स्वीकृत किया गया है । 'पुराणविमर्श' नामक बृहत्तर ग्रन्थ के रचयिता सम्पादक महोदय के पाण्डित्यपूर्ण विचारों से युक्त विशद भूमिका का अलग महत्त्व है । इसमें अष्टादश पुराणों का वर्गीकरण, श्लोकसंख्या, अग्निपुराण की विषयसूची, विषयविमर्श, विषयविवेचन, रचनाकाल आदि पर गवेषणापूर्ण विचार प्रस्तुत किए गए हैं । इस ग्रन्थ का यह सर्वोत्तम संस्करण है ।

२०—००

*३५०५ AGNI PURANAM. A Prose English Translation with annotations by Manmatha Nath Dutt (Shastri) M. A., M. R. A. S. 2 Vols. (Chow. Sans. Studies Vol. LIV) 60—00

*३५०६ AGNI PURANA: A Study by Dr. S. D. Gyani. (Chow. Sans. Studies Vol. XLII) 25—00

३५०७ अग्निपुराण-विषयानुक्रमणी । पुराणसमीक्षात्मिकयाभूमिकया संवलिता ।

प्रणेता—रामशंकर भट्टाचार्यः

८—००

- ३५०८ अष्टादशपुराणपरिचयः । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी २-००
- ३५०९ अष्टादशपुराणव्यवस्था । काशीनाथ भट्ट विरचित १-००
- ३५१० काशीखण्डम् । संस्कृतव्याख्या सहित १८-००
- ३५११ काशीखण्डम् । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक २४-००
- ३५१२ कर्ममहापुराण (२) मूलमात्र समाप्त
- *३५१३ CRITICAL STUDY (A) OF THE BHAGAVATA PURANA.
With Special Reference to Bhakti by Dr. T. S. Rukmani. In the Press
- *३५१४ गरुडपुराण (३) सम्पादक-श्री रामशंकर भट्टाचार्य
ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विवेचन और समानान्तर स्थलों के
निर्देश से युक्त विस्तृत भूमिका, परिशिष्ट और विषयों तथा चरित्रों
की अनुक्रमणिका, इत्यादि से अलंकृत १०-००
- ३५१५ गरुडपुराणम् । १६ अध्याय हिन्दी टीका सहित २-२५
- ३५१६ गरुडपुराणम् । सारोद्धार । संस्कृत टीका सहित २-७५
- ३५१७ गरुडपुराण की आलोचना । गंगाप्रसाद ०-५०
- ३५१८ चतुःश्लोकी भागवत । ०-०६
- ३५१९ नारदपुराणम् (४) समाप्त
- ३५२० पद्मपुराणम् (५) मूलमात्र । सजिल्द । १ से ४ भाग ३०-००
- ३५२१ पद्मपुराण । मूलमात्र-सजिल्द १-५ भाग ५३-००
- ३५२२ पुराणकाव्यस्तोत्रसुधा । ६-००
- *३५२३ PURANA PANCALAKSANA : By W. Kirfel. Text
edited in Devanagari and Introduction rendered into
English by Dr. Suryakant Shortly
- *३५२४ पुराणपञ्चलक्षणम् । डबल्यु किरफेल । डॉ० सूर्यकान्तकृत देवनागरी-
रूपान्तर तथा भूमिका का आङ्ग्ल अनुवाद यन्त्रस्थ
- *३५२५ THE PURANA TEXT OF THE DYNASTIES OF THE
KALI AGE. With Introduction, Text, Notes and
Elaborate Commentary by F. E. Pargiter M. A.
(Chow. Sans. Studies. Vol. XIX) 20-00
- *३५२६ PURANAS OR AN ACCOUNT OF THEIR CONTENTS
AND NATURE by H. H. Wilson. In the Press
- ३५२७ पुराणपारिजातः । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ३-००
- *३५२८ पुराण-विमर्श । आचार्य बलदेव उपाध्याय । इसमें ऐतिहासिक
पद्धति से पुराण की आलोचना विद्यमान है तथा साथ ही
साथ परम्परा पद्धति से पुराणविषयक मननीय सामग्री भी
संकलित है । पुराण के अनुशीलन में यह एक नवीन दृष्टिकोण
को अग्रसर करता है, जो एकदम नवीन तथा पूर्णतया विश्ले-
षणात्मक है । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत । २०-००
- ३५२९ पुराणविषय समनुक्रमणिका । यशपाल टण्डन सम्पादित ६-००
- ३५३० पुराणविषयानुक्रमणी । (राजनीतिक) राजबलीपाण्डेय । प्रथम भाग १५-००

- ३५३१ पुराणशब्दानुक्रमणिका । तृतीय भाग मात्र। डी. आर. दाक्षितर सम्पादित २१-००
- ३५३२ पुराणशास्त्र एवम् जनकथाएँ । मैक्समूलर कृत Mythology and Folk
Lores का हिन्दी अनुवाद । अनुवादक-रमेश तिवारी-सुरेश तिवारी १२-००
- *३५३३ पौराणिक कथाएँ । श्रीहृदयराम शर्मा । पुराणों में बिखरे हुए
७५ चरित्र नायकों का अपूर्व कथा-संग्रह २-५०
- ३५३४ ब्रह्मपुराणम् (६) । दुष्प्राप्य
- ३५३५ ब्रह्मवैवर्तपुराणम् (७) मूलमात्र । सजिल्द १-२ भाग । पूना १४-२५
- ३५३६ ब्रह्मवैवर्तपुराणम् । प्रकृति-गणेश-ब्रह्मखण्ड । पत्रात्मक १०-८०
- ३५३७ ब्रह्मवैवर्तपुराणम् । कृष्णजन्म खण्ड । पत्रात्मक समाप्त
- ३५३८ ब्रह्माण्डपुराणम् (८) मूलमात्र । पत्रात्मक समाप्त
- ३५३९ ब्रह्मोत्तरखण्डम् । हिन्दी टीका सहित ४-२०
- ३५४० भविष्यपुराणम् (९) । सजिल्द ३०-००
- ३५४१ भागवत । राधेश्याम रामायण की ध्वनि में । श्रीलाल खत्री १०-५०
- ३५४२ भागवत-कथा । संक्षेपकर्ता सूरजमल मेहता ४-००
- ३५४३ भागवत की रूपरेखा । स्वामी शिवगिरि जी ०-५०
- ३५४४ भागवतखण्डनम् । स्वामी दयानन्द सरस्वती ०-५०
- ३५४५ भागवत-दर्शन । डॉ० हरवंशलाल शर्मा १२-००
- ३५४६ भारतीय पौराणिक कथाएँ । डा० भोलानाथ तिवारी ३-५०
- ३५४७ मत्स्यपुराणम् (१०) मूलमात्र । समाप्त
- ३५४८ मार्कण्डेयपुराणम् (११) । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक १८-००
- *३५४९ मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल ।
इस ग्रंथ में अध्यायक्रम से मार्कण्डेय पुराण का सम्पूर्ण कथा-
सूत्र पूर्ण सुरक्षित रखा गया है; कथा की परम्परा में कहीं भी
त्रुटि नहीं आने पाई है । कथावाचक और अनुसंधानकर्ता दोनों
के लिए यह ग्रंथ समान उपयोगी है ४-५०
- ३५५० ललितोपाख्यानम् । ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गत ४-२०
- *३५५१ लिंगपुराणम् (१२) । मूलमात्र । सजिल्द यन्त्रस्थ
- ३५५२ वामनपुराणम् (१३) मूलमात्र । समाप्त
- ३५५३ वामनपुराणानुशीलनम् । वासुदेव शरण अग्रवाल २५-००
- *३५५४ वाराहपुराण (१४) । मूलमात्र यन्त्रस्थ
- ३५५५ विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् । मूलमात्र । पत्रात्मक २१-६०
- ३५५६ विष्णुधर्मोत्तरपुराण । डा० प्रियवाला शाह संपादित । दूसरा भाग मात्र २५-००
- ३५५७ विष्णुपुराणम् । सव्याख्या । पत्रात्मक १०-००
- ३५५८ विष्णुपुराण । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग १४-००
- ३५५९ विष्णुपुराण-विषयसूची । मध्वाचार्य निर्मित ५-००
- ३५६० वैष्णवमहापुराणम् (१५) दुष्प्राप्य
- ३५६१ शिवपुराण । हिन्दी टीका सहित । गुटका १२-७५
- ३५६२ शिवमहापुराणम् । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक ४८-००
- ३५६३ शिवमहापुराण (१६) मूलमात्र । गुटका १०-००

३५६४ श्रीभागवत चतुश्शती (भागवतसंग्रह) शिवरामकृष्ण शास्त्री विरचित ।

सव्याख्या । तृतीयादि दशमस्कन्ध

३-५०

३५६५ श्रीमद्भागवतम् (१७) मूलमात्र । गुटका

८-००

३५६६ श्रीमद्भागवतम् । मूलमात्र । गुटका काशी ६-००, वन्दई

९-००

३५६७ श्रीमद्भागवतम् । मूलमात्र । स्थूलाक्षर । सजिल्द । बडा सार्डज

७-५०

३५६८ श्रीमद्भागवतम् । मूलमात्र १-२ भाग । स्थूलाक्षर दक्षिणपाठ सहित

१५-००

३५७९ श्रीमद्भागवतम् । श्रीधरी व्याख्या सहित

२४-००

३५७० श्रीमद्भागवतम् । चूर्णिका व्याख्या सहित

२४-००, ३०-००

३५७१ श्रीमद्भागवतम् । अन्वितार्थ प्रकाशिका टीका सहित । पत्रात्मक

४८-००

३५७२ श्रीमद्भागवतम् । विजयध्वज तीर्थ व्याख्या सहित । पत्रात्मक । जीर्ण

३०-००

३५७३ श्रीमद्भागवतम् । सामयिकी हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक

२४-००

३५७४ श्रीमद्भागवतम् । 'सरस्वती' भाषाटीका वृष्टान्त सहित

३२-००

३५७५ श्रीमद्भागवतम् । सामयिकी हिन्दी टीका सहित सजिल्द

१५-००

३५७६ श्रीमद्भागवतम् । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग । गीताप्रेस

२०-००

३५७७ श्रीमद्भागवतम् । दशमस्कन्ध । भागवतचन्द्रचन्द्रिकासुनिभावप्रकाशिका

व्याख्या सहित

१५-००

३५७८ श्रीमद्भागवतम् । दशमस्कन्ध भाषाटीका सहित पत्रात्मक

८-००

३५७९ श्रीमद्भागवतम् । एकादशस्कन्ध । हिन्दी टीका सहित १-२ भाग

६-५०

३५८० श्रीमद्भागवतम् । एकादशस्कन्ध । चतुरदास विरचित । भाषा

१-००

३५८१ श्रीमद्भागवतानुक्रमणिका ।

३-००

३५८२ श्रीभागवतामृत । भागवत के चुने हुए प्रसङ्ग हिन्दी अनुवाद सहित

२-००

३५८३ सप्ताहचन्द्रिका । (भागवत) भोजराज उपाध्याय भट्टराई (नैपाली)

३-००

३५८४ स्कन्दमहापुराणम् (१८) श्रीमन्महर्षिकृष्णद्वैपायनव्यासविरचितम् ।

वैष्णवादि ४ खंड ५ जिल्दों में । प्रत्येक खंड के साथ उस खंड की विषयवस्तु पर विद्वत्तापूर्ण टिप्पणी, माहात्म्य-कथन, विषयसूची आदि उपयोगी सामग्री दी गई है । पाचवों अवन्ती खंड पूर्वार्ध तथा उत्तरार्ध दो भागों में है । (माहेश्वर, प्रभास और नागर खंड को छोड़कर शेष संपूर्ण ग्रंथ)

८५-००

३५८५ स्कन्दमहापुराणे शंकरसंहितायां शिवरहस्यखण्डः ।

२०-००

*३५८६ हरिलीलामृतम् । श्रीबोपदेवप्रणीतं, श्रीमधुसूदनसरस्वतीटीकासहितं

तत्प्रणीतपरमहंसप्रियाव्याख्यायुतं श्रीमद्भागवतस्याऽद्यपयं च यन्त्रस्थ

उपपुराणम्

३५८७ आत्मपुराणम् । शङ्करानन्दविरचित । व्याख्या सहित । पत्रात्मक

३०-००

३५८८ आदिपुराणम् । हिन्दी टीका सहित

५-४०

३५८९ कल्किपुराणम् । संस्कृत मूल भाषानुवाद सहित

१-५०

३५९० केदारकल्पः । रुद्रयामलान्तर्गत

४-२०

३५९१ देवीभागवतम् । मूलमात्र । गुटका

८-००

३५९२ देवीभागवतम् । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक

३२-००, ४८-००

३५९३ नृसिंहपुराणम् । मूलमात्र । सजिल्द

४-००

भारतादीतिहास-ग्रन्थाः

१२६

३५९४ पुराणविगदर्शनम् । माधवाचार्य शास्त्री विरचित	९—००
३५९५ मङ्गपुराणम् । अज्ञानकर्तृकं । भोगीलाल ज० संदेशरा-रमणलाल नागर	
जी महेता संपादित	१२—००
३५९६ महाभागवतम् । देवीपुराण-देवीमाहात्म्य सहित	३—००
३५९७ युगपुराणम् । मनकड सम्पादित । मूलमात्र	५—००
३५९८ वायुपुराणम् । मूलमात्र । पत्रात्मक	१४—४०
३५९९ वायुपुराण । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	१४—००
३६०० सौरपुराणम् । व्यास विरचित । मूलमात्र-सजिल्द	४—५०

भाषा-पुराण

३६०१ काशीखण्ड । भाषा	१२—००
३६०२ केदारखण्ड । भाषा	१०—८०
३६०३ देवीभागवत । भाषा	२४—००
३६०४ प्रेमसुधासागर । भागवत के दशमस्कन्ध का भाषानुवाद	४—५०
३६०५ भागवतकथा । (सामाहिक) राममूर्ति शास्त्री	१०—००
३६०६ भागवत संग्रह । चतुर्वेदी द्वारकाप्रसाद शर्मा संगृहीत । भाषा	०—९४
३६०७ भागवतसुधासागर । सम्पूर्ण भागवत का भाषानुवाद	१—००
३६०८ मत्स्यपुराण । अनुवादक-रामप्रतापत्रिपाठी	२०—००
३६०९ मार्कण्डेयपुराण । भाषा । रहस्योद्घाटिनी टीका सहित । १-३ भाग	४—५०
३६१० वायुपुराण । अनुवादक-रामप्रताप त्रिपाठी	१२—००
३६११ विष्णुपुराण । भाषा	७—००
३६१२ शिवपुराण । भाषा	१५—००
३६१३ शिवमहापुराण । भाषावार्तिक	२४—००
३६१४ शुकसागर । शालिग्राम कृत । बड़ा साइज	३०—८०
३६१५ श्रीमद्भागवत हिन्दी पद्यात्मक । श्री रघुनन्दन प्रसाद शुक्ल 'अटल' । श्रीमद्भागवत ऐसे पाण्डित्यपूर्ण संस्कृत ग्रंथ के अत्यन्त सजीव, रोचक तथा भावपूर्ण प्रस्तुत पद्यानुवाद में भावार्थ तथा शब्दार्थ दोनों ही मूल के तत्सम हैं । शब्दों का प्रयोग, एवं शैली इतनी ओजपूर्ण है कि कहीं से भी भावों की मौलिकता तिरोहित नहीं होती । विद्वानों, भक्तों, कथावाचकों आदि सभी वर्ग के लिए पुस्तक संग्रहणीय है ।	१५—००
३६१६ श्रीशुकसुधासागर । (भागवत की सरल हिन्दी व्याख्या श्लोकाङ्क सहित) सचित्र-स्थूलाक्षर	२५—००
३६१७ सुखसागर (भागवत) सरलभाषा । स्थूलाक्षर । सचित्र	२५—००
३६१८ सुखसागर । मध्यमाक्षर	१४—००
३६१९ सुखसागर । भाषा । गुटका	६—००

भारतादि-इतिहास-ग्रन्थाः

३६२० अद्भुतरामायणम् । हिन्दी टीका सहित	२—४०
३६२१ अष्टात्मरामायणम् । रामेश्वरमङ्गल हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	१२—००
३६२२ आनन्दरामायणम् । मूलमात्र	१०—००
३६२३ आनन्दरामायणम् । हिन्दी टीका सहित । सजिल्द	१६—००

३६२४ आर्षम् भारतम् वैयासिकम् । (दश-साहस्री संहिता) मूलमात्र श्री गोविन्दनाथ गुह एम. ए. प्रोक्त (पूर्व-उत्तर भाग)	८—००
३६२५ इतिहास-पुराण का अनुशीलन । इतिहास-पुराणोक्त विशिष्ट तथ्य और समस्याओं का विवेचन । प्रणेता रामशङ्कर भट्टाचार्य	१०—००
३६२६ काशीतिहासः । पं. भाऊशास्त्री वझे कृत	१—५०
३६२७ गार्गसंहिता । मूलमात्र । खुला पत्रा	१३—२०
३६२८ गार्गसंहिता । श्रीविभूतिभूषण भट्टाचार्येण संशोधिता । प्रथमो भागः	१०—००
३६२९ जैमिनीयाश्वमेधः । मूलमात्र	५—१०
३६३० जैमिनीयाश्वमेधः । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	१३—२०
३६३१ जैमिनीयाश्वमेधः । हिन्दी टीका सहित । सजिल्द	६—००
३६३२ त्रैलोक्यप्रकाश । रामस्वरूप शर्मा	१५—००
३६३३ धर्माकृतम् । त्र्यम्बकराय मखिन कृत वाल्मीकीय रामायण की व्याख्या । बालकाण्ड २—५०, अयोध्याकाण्ड ५—००, अरण्यकाण्ड ४—००, किष्किन्धाकाण्ड १६—००, सुन्दरकाण्ड ४—५०, युद्धकाण्ड ३०—००	५—००, ४—००, १६—००, ३०—००
३६३४ नासिकेतोपाख्यानम् । मूलमात्र	०—६६
३६३५ नासिकेतोपाख्यानम् । हिन्दी टीका सहित	१—२०
*३६३६ पुराणसंहिता—श्रीमद्वेदव्यास विरचित । आत्मन्दारसंहिता— बृहत्सदाशिवसंहिता—सनत्कुमारसंहिता संवलित	१२—००
३६३७ पुराणेतिहाससंग्रह (साहित्यरत्नकोशका द्वितीय खण्ड) एस० के० दे-आर० सी० हाजरा संपादित	७—५० ६—०० ८—४०
३६३८ भक्तमाल । संस्कृत	१—३७
३६३९ भारतसार । भाषा	७५—००
३६४० भारतस्य संविधानम् । संस्कृत भाषायां भाषान्तरम्	२६—५०
३६४१ महाभारत । मूलमात्र । १-१८ भाग गुटका । संपूर्ण सजिल्द	यन्त्रस्य ...
३६४२ महाभारत । मूलमात्र । १-४ भाग । संपूर्ण	२—००
*३६४३ महाभारत । श्री नीलकण्ठ कृत भावप्रदीप व्याख्या सहित	४—००
३६४४ महाभारतम् । नीलकण्ठी संस्कृत टीका सहित । संपूर्ण	१०—००
३६४५ महाभारतम् । सभापर्व की टीका ज्ञानदीपिका । देवबोध कृत	२—००
३६४६ महाभारतम् । उद्योगपर्व की टीका ज्ञानदीपिका । देवबोध कृत	४—००
३६४७ महाभारतम् । उद्योगपर्व । संस्कृत टीका पञ्चकोपेत	१०—००
३६४८ महाभारतम् । भीष्मपर्व की टीका ज्ञानदीपिका । देवबोध कृत	२—००
३६४९ महाभारतम् । विराटपर्व । अष्टटीकोपेत	१०—००
३६५० महाभारतम् । मूल तथा हिन्दी अनुवाद । संपूर्ण	२०—००
३६५१ महाभारतम् । उद्योगपर्व । हिन्दी टीका सहित	१६—००
३६५२ महाभारतम् । सभापर्व । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित	५—००
३६५३ महाभारतम् । शान्तिपर्व पूर्वार्द्ध । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित	१०—००
३६५४ महाभारत कथा । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सोमसुन्दरम् अनुवादित	६—००
३६५५ महाभारत कालीन समाज । सुखमय भट्टाचार्य	२५—००
३६५६ महाभारत की नामानुक्रमणिका ।	२—५०

*३६५७ महाभारतकोश । महाभारत के नामों और विषयों की व्याख्य-

त्मक अनुक्रमणिका । रचनाकार-डॉ० रामकुमार राय, प्रोफेसर,

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय :—

प्रस्तुत ग्रन्थ में अकारादि क्रम से महाभारत के नामों तथा विषयों की सर्वाधिक विस्तृत, वैज्ञानिक तथा व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत की गई है । व्याख्यायें इतनी विस्तृत हैं कि उनके बाद मूल ग्रन्थ पढ़ने की कोई आवश्यकता नहीं होगी । सन्दर्भ संकेत पर्व, अध्याय और श्लोक संख्याओं में दिये गये हैं । प्रथम भाग (अक्ष-औपणीक)

२०—००

शेष भाग शीघ्र ही प्राप्त होगा

१—७५

३६५८ महाभारत परिचय ।

२०—००

३६५९ महाभारत में नारी । डॉ० वनमाला भट्टाकर

२०—००

३६६० रसिक प्रकाश भक्तमाल । युगल प्रिया शरण रचित

३—००

३६६१ रामाश्वमेधः । मूलमात्र

५—१०

३६६२ रामाश्वमेधः । हिन्दी टीका सहित

१३—२०

३६६३ लघुरामायणम् । वाल्मीकीयम् । श्रीगोविन्दनाथगुह प्रोक्त ।

रेखमी जिल्द राज संस्करण ६—५०

सुलभ संस्करण

३—२५

* ३६६४ VALMIKIYA RAMAYAN: English Translation by Ralph T. H. Griffith. (Chow. Sans. Studies Vol. XXIX)

25-00

३६६५ वाल्मीकिरामायणपदसूची । १-२ भाग । गोविन्दलाल हरगोविन्द संपादित

३८—००

*३६६६ वाल्मीकिरामायणम् । मूलमात्र गुटका । रामायण पूजाक्रम, स्मार्त, वैष्णव तथा माध्व संप्रदाय रामायण पठनोपक्रम, नवाहपारायण-क्रम, कुशलवर्गीतक्रम, गायत्रीरामायण, वेदोक्ताराममन्त्र, राम-तारकषडक्षरमन्त्र, श्रीसीता-लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न-आजनेय मन्त्र, रामसाक्षात्कारप्रद मन्त्र, रामहृदय, रामायण माहात्म्य, राम-दर्शनादि विविध परिशिष्ट विभूषित

६—००

३६६७ वाल्मीकिरामायणम् । मूलमात्र स्थूलाक्षर । १-३ भाग संपूर्ण । सजिल्द १५—००

३६६८ वाल्मीकिरामायणम् । मूलमात्र । पत्रात्मक

२०—४०

३६६९ वाल्मीकिरामायणम् । तिलक-रामायणशिरोमणि-भूषण व्याख्या

त्रयोपेत १-७ भाग संपूर्ण सजिल्द । प्राचीन संस्करण जीर्ण कागज ५०—००

३६७० वाल्मीकिरामायणम् । गोविन्दराजोय (भूषण)-रामानुजी-तनिश्लोकी माहेश्वरतीर्थीय व्याख्याचतुष्टय सहित पत्रात्मक

७२—००

सजिल्द ग्लेज उत्तम कागज १-३ जिल्द में ७२—००

३६७१ वाल्मीकिरामायणम् । प्राचीनतम पाठ युक्त । विश्वबन्धु संपादित ।

१-७ कांड । १-७ भाग

१०५—००

३६७२ वाल्मीकिरामायणम् । १-५ भाग । बाल-अयोध्या-अरण्य-किष्किन्धा-

सुन्दरकाण्ड । डॉ० पी० एल० वैद्य आदि विद्वानों के द्वारा सम्पादित ३३०—००

- ३६७३ वाल्मीकिरामायणम् । अयोध्याकाण्डम् । अखिलानन्द कृत हिन्दी अनुवाद सहित ३-५०
- ३६७४ वाल्मीकिरामायणम् । द्वारकाप्रसादचतुर्वेदीकृत हिन्दी टीका सहित १-१० भाग सम्पूर्ण २४-००
- ३६७५ वाल्मीकिरामायणम् । रामाभिनन्दिनी हिन्दी टीका सहित सजिल्द २४-००
- ३६७६ वाल्मीकिरामायणम् । ज्वालाप्रसादमिश्रकृत पीयूषधारा हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक ४८-००
- ३६७७ वाल्मीकिरामायणम् । श्रीमाधवयोगीकृत अमृतकतक व्याख्यायुत । बालकांड ६-७५ अयोध्याकाण्ड १-२ भाग २१-५० अरण्यकाण्ड १२-१०
- ३६७८ वाल्मीकिरामायणम् । सातवलेकरकृत हिन्दीटीका सहित—
बालकाण्ड ८-०० बालकाण्ड की समालोचना २-०० अयोध्या-
काण्ड समाप्त अरण्यकाण्ड ८-०० किष्किन्धा-
काण्ड ८-०० सुन्दरकाण्ड ८-०० युद्धकाण्ड १-२ भाग १६-००
उत्तरकाण्ड ८-०० युद्धकाण्ड-उत्तरकाण्ड की समालोचना २-००
- ३६७९ वाल्मीकिरामायण । हिन्दी भाषा मात्र । १-२ भाग लखनऊ २२-००, बंबई ३०-००
- ३६८० वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्डम् । मूलमात्र २-००, २-५०
- ३६८१ वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्डम् । मूलमात्र । पत्रात्मक ४-२०
- ३६८२ वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्डम् । हिन्दी टीका सहित ३-००
- ३६८३ वा० रामायण-सुन्दरकाण्डम् । प्रकाशिका सं० टीका सहित १-५ सर्ग २-००
- *३६८४ वाल्मीकीय रामायण कोश । डा० रामकुमार राय
वाल्मीकीय रामायण के नामों और विषयों की सर्वप्रथम और विस्तृत
व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका जिसमें इस रामायण में आने वाले
सभी नामों और प्रसङ्गों का व्याख्या सहित स-सन्दर्भ उल्लेख है । २०-००
- *३६८५ VRĀTYAS IN ANCIENT INDIA : By Prof. Radha
Krishna Choudhary (Chow. Sans. Studies. Vol.
XXXVIII) 15-00
- ३६८६ शिवभारतम् । श्रीनिवासकरकवीन्द्रपरमानन्दविरचित २-००
- ३६८७ संचेपरामायणम् । ०-५०
- ३६८८ सर्वदेशवृत्तान्तसंग्रह : अथवा अकबरनामा । म० म० महेश ठक्कुर
कृत । सुभद्र झा सम्पादित २५-००
- ३६८९ हरिवंशपुराण का सांस्कृतिक विवेचन । श्रीमती वीणापाणि पांडे ४-५०
- ३६९० हरिवंशम् । नीलकंठी संस्कृत टीका सहित । सजिल्द ४०-००
- ३६९१ हरिवंशम् । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक संपूर्ण । २८-००

भाषा-इतिहास-ग्रन्थ

- ३६९२ अकबरी दरबार के हिन्दी कवि । डा० सरयूप्रसाद अग्रवाल १२-००
- ३६९३ अक्षयवट । शीतलाप्रसाद मिश्र ०-५०
- ३६९४ अब्बल मराठशाही के अंतःस्वरूप । (१६४४-१७०७) जी० एस०
सरदेशाई ०-३७
- ३६९५ आचार्य केशवदास । डा० हीरालाल दीक्षित १२-००

३६९६ आचार्य भिखारीदास । डॉ० नारायणदास खन्ना	१२—००
३६९७ आधुनिक गुजरातणा संतो ।	७—००
३६९८ कनउजी लोकगीत । संतराम 'अनिल'	४—००
*३६९९ कलाविलासिनी वासवदत्ता । देवदत्त शास्त्री । इतिहास, पुराण, काव्य, नाटक और भारत की विविध लोकभाषाओं में बिखरा हुआ महाराज उदयन और महारानी वासवदत्ता का कथानक और उस समय के नागरिक की दिनचर्या तथा कलाप्रियता का मनोरम विवेचन इस पुस्तक की कलामयी रोचक कहानियों में है	२—५०
३७०० कान्यकुब्जवंशावली ।	२—४०
३७०१ गुजरातस्थल नाम संसद व्याख्यान माला । प्रथम भाग	७—००
३७०२ गुप्तकालीन मुद्राएँ । डा० अलतेकर	९—५०
३७०३ जाडेजानो इतिहास । पूर्वखण्ड	४—००
३७०४ जातककालीन भारतीय संस्कृति । मोहनलाल महतो 'वियोगी'	६—५०
३७०५ डाक्टर वर्नियर की भारत यात्रा ।	४—५०
३७०६ द्विवेदीयुगीन निबन्धसाहित्य । गङ्गाधर सिंह	३—००
३५०७ नागपूर चा सांस्कृतिक इतिहास । ले० देवीदास गोविंद लाडगे (मराठी)	२—००
३७०८ निबन्धकार बालकृष्णभट्ट । गोपाल पुरोहित	२—५०
३७०९ पश्चिमी भारत की यात्रा । कर्नल जेम्स टॉड कृत । अनुवादक गोपालनारायण बहुरा	२१—००
३७१० प्राङ्मौर्यविहार । डा० देवसहाय त्रिवेद	७—२५
३७११ प्राचीन भारत की सांप्रामिकता । रामदीन पांडेय	६—५०
३७१२ प्रेमसागर । लल्ललाल कृत	६—००
३७१३ ब्रजविलास ।	५—००, १०—००
३७१४ ब्रजविलास । ग्लेज बन्वर्इ	८—४०
३७१५ भक्तमाल । (भक्तकल्पद्रुम) लेखक प्रतापसिंह	७—००, १०—००
३७१६ भक्तमाल । राघवदास कृत । चतुरदास कुन टीका सहित	६—७५
३७१७ भक्तमाल । रीतानरेशकृत पद्य	१४—४०
३७१८ भक्तमाल । नाभाजी कृत । प्रियादास कृत भक्तिरस बोधिनी टीका-प्रपन्नाचार्य कृत भावार्थ सहित	१२—००
३७१९ भक्तमाल । नाभाजी कृत । प्रियादास कृत टीका-सीतारामशरण कृत कवित्त, भगवानप्रसाद रूपकला विरचित भक्तिसुधास्वाद-तिलक सहित	१६—००
३७२० भारत का सांस्कृतिक विकास । शिवशेखर मिश्र	३—००
३७२१ भारतीय संस्कृति में आर्यतरांश । शिवशेखर मिश्र	२—५०
३७२२ भोजपुरी के कवि और काव्य । दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह	५—७५
३७२३ भोजपुरी भाषा और साहित्य । डा० उदयनारायण तिवारी	१३—५०
३७२४ महाभारत । १-१० भाग । हिन्दी	२०—००
३७२५ महाभारत । हिन्दी । स्थूलक्षर । १-१० भाग सचित्र	८०—००
३७२६ महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग । डा० उदयमानु सिंह	१२—००

३७२७ रामावतारशर्मा निबन्धावली । (म० म० रामावतार शर्मा)	८—७५
३७२८ रावसाहेब केशव शिवराम भवालकर यांचें आत्मवृत्त । सं० भवानी शंकर श्रीधर पण्डित । (मराठी)	२—००
३७२९ रेवातटसमय (पृथ्वीराजरासो) चन्दवरदाई कृत । डा० विपिनविहारी	७—५०
३७३० वाल्मीकिरामायण । भाषा १-२ खण्ड लखनऊ २२—००, बंबई	३०—००
३७३१ विदर्भातील ऐतिहासिक लेख संग्रह । सं० यशवंत खुशाल देशपांडे— देवीदास गोविन्द लांडगे (मराठी)	४—००
३७३२ विशालभारत का इतिहास । वेदव्यासकृत । हिन्दी । प्रथम भाग	५—००
३७३३ विश्रामसागर । मध्यमाक्षर	८—००, ११—००
३७३४ विश्रामसागर । गुटका	४—५०
३७३५ वैज्ञानिक विकास की भारतीय परम्परा । डा० सत्यप्रकाश	८—००
३७३६ सन्त कवि दरिया : एक अनुशीलन । डा० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री	१४—००
३७३७ सार्थवाह (प्राचीन भारत की पथ पद्धति) । डा० मोतीचन्द	११—००
*३७३८ साहित्य और सिद्धान्त । प्रो० श्यामलकान्त वर्मा हिन्दी साहित्य एवं काव्यशास्त्र के सम्पूर्ण ज्ञातव्य विषयों का सार- सङ्कलन स्वरूप यह ग्रन्थ छात्रों, अध्यापकों तथा अनुसन्धिसुओं के लिए परम उपयोगी है ।	३—००
३७३९ साहित्य का मर्म । हजारीप्रसाद द्विवेदी	१—००
३७४० सिक्खों का इतिहास । कनिष्क कृत । अनुवादक रमेश तिवारी— सुरेश तिवारी	१८—००
३७४१ हरिवंश । अनुवादक—ज्वालाप्रसाद मिश्र । भाषा	१४—४०
३७४२ हरिवंश । भाषा । सजिद्ध	१६—००
३७४३ हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास । डा० भगीरथ मिश्र	१२—००
३७४४ हिन्दी साहित्य का आदिकाल । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी	३—२५
३७४५ हिन्दीसाहित्य में अमरगीतपरम्परा । सरला शुक्ल	४—००
३७४६ हिन्दी-सूफ़ी कवि और काव्य (जायसी के परवर्ती) डा० सरला शुक्ल	१६—००
३७४७ हैदराबाद सत्याग्रह का रक्तंजित इतिहास ।	२—५०

समालोचनात्मक-इतिहास-ग्रन्थाः

*३७४८ अक्षर अमर रहें । श्री वाचस्पति गैरोला । हस्तलिखित ग्रंथों का इतिहास, पाणिनि, कालिदास आदि प्राच्य तथा संस्कृत पर अपूर्व कार्य करने वाले पाश्चात्य विद्वानों की जीवनियाँ तथा कला के क्षेत्र में भारतीय देन की रूपरेखा आदि निबंधों का नवीनतम संग्रह ।	५—००
३७४९ अपभ्रंश भाषा का अध्ययन । डॉ० बीरेन्द्र श्रीवास्तव	१२—००
३७५० अपभ्रंश साहित्य । डॉ० हरिवंश कोचड़	१०—००
३७५१ अभिनव मनोविज्ञान । प्रभुदयाल	९—००
३७५२ अर्थविज्ञान और न्याकरणदर्शन । डा० कपिलदेव द्विवेदी	१२—००

- ३७५३ अर्वाचीन मनोविज्ञानम् । मामराजदत्तकपिलविरचितम् १२—००
- ३७५४ अर्वाचीन संस्कृत साहित्य । (मराठी) श्रीधर भास्कर वर्णेकर २०—००
- *३५५५ अलंकार-मीमांसा । ले० राजवंश सहाय 'हीरा'
 'अलंकार-मीमांसा' में अलंकारों का विद्वलेषण है । इसमें लगभग १०० अलंकारों का विवेचन किया गया है । यन्त्रस्थ
- *३७५६ अलंकारानुशीलन । श्री राजवंश सहाय 'हीरा' एम. ए. (संस्कृत-हिन्दी)
 अलंकारों का ऐतिहासिक अनुशीलन तथा इनसे सम्बन्धित सभी शास्त्रीय विवादों का एकत्र समावेश प्रस्तुत करनेवाला हिन्दी में यह प्रथम ग्रन्थ है । इसमें लगभग १२० अलंकारों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । प्रत्येक अलंकार का स्वरूप-निरूपण, ऐतिहासिक दृष्टि से विद्वलेषण, प्रत्येक का संस्कृत तथा हिन्दी उदाहरण, विभिन्न अलंकारों का परस्पर अन्तर तथा सूक्ष्म भेद आदि देते हुए यह अध्ययन पूर्ण किया गया है । विद्वत्तापूर्ण शास्त्रीय विचारों से युक्त भूमिका में—काव्य में अलंकारों का स्थान, अन्य भारतीय काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों से उनका सम्बन्ध तथा संस्कृत के सभी प्रसिद्ध अलंकारिकों के पतद्विषयक मतों का सार आदि महत्वपूर्ण विषय संगृहीत हैं । सरल एवं सरस भाषा-शैली में लिखा यह अलंकारों के विषय में अभिनव प्रामाणिक ग्रन्थ है । यन्त्रस्थ
- *३७५७ अवन्तिकुमारियाँ । श्री देवदत्त शास्त्री । तीन ऐतिहासिक कुमारियों की मर्मस्पर्शी कहानियों के माध्यम से उस युग की सांस्कृतिक, धार्मिक, नैतिक स्थितियों का गवेषणात्मक विवेचन २—००
- ३७५८ अशोकः । मण्डारकर ७—५०
- ३७५९ आचार्य ज्ञेनेन्द्र । डॉ० मनोहरलाल गौड़ ४—००
- ३७६० आचार्य पाणिनि के समय विद्यमान संस्कृत वाङ्मय । युधिष्ठिर मीमांसक ०—३७
- ३७६१ आचार्य रघुवीर-श्रद्धाञ्जलि (सचित्र) । सम्पादक मण्डल : काका कालेलकर, डॉ० वासुदेवशरण आदि ३०—००
- ३७६२ आचार्य सायण और माधव । पं० बलदेव उपाध्याय ६—००
- ३७६३ आनन्दमीमांसा । रसिकलाल छी. परीख (गुजराती) ४—००
- ३७६४ आदि वचनो अने बीजा व्याख्यानो । कन्हैयालाल मुंशी । (गुजराती) ३—५०
- *३७६५ THE ARCHAEOLOGY OF KUMAON REGION (INCLUDING DEHRADUN) by Dr. K. P. Nautiyal. In the Press
- ३७६६ आर्यसंस्कृति । पं० बलदेव उपाध्याय ८—००
- ३७६७ आर्य संस्कृति के मूलतत्त्व । सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार ४—००
- ३७६८ इतिहास प्रकाश । योगी नरहरिनाथ संगृहीत । १ से ३ भाग १७—००
- ३७६९ ETHNOLOGY OF ANCIENT BHARATA By R. C. Jain. In the Press
- *३७७० INDO-ARYAN LITERATURE AND CULTURE (ORIGINS) : By Nagendranath Ghose (Chow. Sans. Studies Vol. II.). 20—00

१३६

चौखम्बा विद्याभवन, चौक, वाराणसी-१

- *३७७१ INSCRIPTIONS OF ASOKA : By Sri Naresh Prasad Rastogi. In the Press
- ३७७२ उत्तरवैदिक समाज एवं संस्कृति : एक अध्ययन ।
डॉ० विजयवहादुर राव १२-००
- ३७७३ उपमा कालिदासस्य । डा० शशिभूषणदास गुप्त ३-००
- *३७७४ ऐतिहासिक उपन्यासों में कल्पना और सत्य । वी० एम० चिन्तामणि । इस ग्रन्थ में हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यासों की नयी सूक्ष्म-चूम्न और गंभीर मंथनपूर्वक बहुत सुन्दर समीक्षा की गई है ३-००
- ३७७५ ऐतिहासिक लेख संग्रह । ४-००
- *३७७६ औचित्य सम्पदाय का हिन्दी-काव्यशास्त्र पर प्रभाव (प्रत्यक्ष तथा परोक्ष) डॉ० चन्द्रहंस पाठक । छह अध्यायों में विभक्त यह शोध-प्रबन्ध-ग्रन्थ सर्वथा मौलिक विषय पर मौलिक रचना है । यह सुगठित वैज्ञानिक शैली में लिखा गया है । प्राचीन और नवीन उभयविध विचारकों में औचित्य-मत के प्रभाव की चर्चा करने के हेतु इसमें व्यापक भूमिका और सन्दर्भों का उपयोग किया गया है । प्राचीनता के प्रति उपेक्षा के इस युग में इस ग्रंथ का अवतरण निश्चय ही शुभ-सम्पादक है । इससे हिन्दी के शास्त्रीय अनुसन्धान क्षेत्र को अवश्य ही नई दिशा प्राप्त होगी । इसके लेखन में अथक श्रम, अध्यवसाय और असामान्य प्रतिभा का प्रयोग पद-पद पर देखने को मिलता है । अधिकारी विद्वानों के निर्णायक विचारों से समन्वित, उत्तम साज-सज्जा-मुद्रण-आवरण आदि से युक्त यह ग्रन्थ सर्वथा संप्रहणीय है । २५-००
- *३७७७ A COMPARATIVE STUDY OF THE CONCEPTS OF SPACE AND TIME IN INDIAN THOUGHT : By Dr. Kumar Kishore Mandal. 15-00
- ३७७८ कलकत्ता संस्कृत कालेज का इतिहास । १-२ खण्ड ४-००
- ३७७९ कवि कालिदास के ग्रन्थों पर आधारित तत्कालीन भारतीय संस्कृति ।
डॉ० गायत्री वर्मा १०-००
- *३७८० कवियों की लोकदृष्टि । श्री शिवशंकर त्रिपाठी यन्त्रस्थ
- *३७८१ कविवर डा० रामकुमार वर्मा और उनका काव्य ।
प्रो० दशरथ राज । कविवर डॉ० रामकुमार वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को प्रस्तुत करने का यह सर्वोत्तम प्रयास है । ३-००
- ३७८२ कवि-समय-समीक्षा । डा० विष्णुस्वरूप ८-००, ९-००
- ३७८३ कामपुरुषार्थ अथवा यशस्वी विवाहाची भारतीय मीमांसा ।
डॉ० ग० सी० पेंडसे (मराठी) १०-००
- ३७८४ कविराज-अभिनन्दन ग्रन्थ (म० म० गोपीनाथ कविराज) । सं०
डॉ० बाबूगाम स्कसेना, डॉ० गौरीनाथ शास्त्री, डॉ० वी० राघवन आदि । १००-००
- ३७८५ कालांतिल निबन्धक निबंध । १-१० भाग ४२-५०

- *३७८६ कालिदास (महाकवि कालिदास) । (देव पुरस्कार से पुरस्कृत) डा० रमाशंकर तिवारी । अब तक उपलब्ध सम्पूर्ण सामग्री का विवेकपूर्ण उपयोग कर कालिदास का देश-काल तथा उनकी सौन्दर्यभावना, प्रेम भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों का १८ अध्यायों में प्रामाणिक विवेचना की गई है ८-००
१२-००
- ३७८७ कालिदास । वासुदेव विष्णु मिराशी
- *३७८८ कालिदास : एक अनुशीलन । पं० देवदत्त शास्त्री । बहुत से ग्रन्थों के होते हुए भी यह ग्रन्थ अपनी कुछ नई विशेषताएँ लेकर प्रकट हुआ है । कालिदास के जीवन, जन्मभूमि और स्थिति पर ठोस प्रमाणों सहित ऐसी नई स्थापनाएँ आपको इस ग्रन्थ में मिलेंगी जिन पर मत प्रकट करने या विचार करने की उत्सुकता अवश्य आप में उत्पन्न होगी २-५०
- ३७८९ कालिदास और उनका युग । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ३-००
- ३७९० कालिदास और उसकी काव्य-कला । वागीश्वर विद्यालङ्कार १०-००
- ३७९१ कालिदास और भवभूति । दिजेन्द्रलाल राय । रूपनारायण पाण्डे अनुवादित ४-००
- ३७९२ कालिदास का भारत । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय । १-२ भाग ९-००
- ३७९३ कालिदास की लालित्य योजना । डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी ६-००
- ३७९४ कालिदास के सुभाषित । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ५-००
- ३७९५ कालिदास : जीवन कला और कृति । जयकृष्ण चौधरी ३-००
- ३७९६ KALIDASA KOSA. By Prof. S. C Banerji. A Cyclopaedic Index of All Botanical, Zoological, Geographical and other terms used by Kalidasa, with their modern technical names and reference to the places of occurrences in the original work of the poet. In the press
- ३७९७ कालिदास निबन्धाङ्क । (कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय पत्रिका) ३-००
- ३७९८ कालिदाससाहित्यम् । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र २-००
- ३७९९ कालिदासार्ची नाटके । रं० पं० कंगले (मराठी) ५-००
- *३८०० काव्य-चिन्ता । डा० रमाशंकर तिवारी
पुस्तक दो खण्डों में विभाजित है । प्रथम खण्ड में काव्यविषयक समस्त प्रश्नों का नितान्त मौलिक एवं तर्कसम्मत ममाधान प्रस्तुत किया गया है तथा दूसरे खण्ड में पाश्चात्य सौन्दर्य-चिन्तन-धारा का प्राञ्जल एवं विस्तृत निरूपण हुआ है । अवश्य संग्राह्य ग्रंथ है । ६-००
- ३८०१ काव्यतत्त्वसमीक्षा । डॉ० एन० एन० चौधरी २०-००
- *३८०२ काव्यवल्लरी । श्रीव्यथितहृदय । समाप्त
- ३८०३ काव्यशास्त्र की रूपरेखा । डॉ० रामदत्त भारद्वाज १०-००
- *३८०४ काव्यात्म-मीमांसा । डॉ० जयमन्त मिश्र
हिन्दी में लिखे गए इस अभिनव ग्रन्थ में संस्कृत काव्यशास्त्र में यत्र-तत्र प्रतिपादित काव्यात्म-सम्बन्धी विचारों का आलोचनात्मक दृष्टि से शोध-पूर्ण एवं प्रामाणिक विवेचन किया गया है । अन्त के परिशिष्टों में काव्य-सम्बन्धी कतिपय अन्य विषयों का भी विचार किया गया है । १६-००

- ३८०५ काव्यानुशीलन । बलदेव उपाध्याय ४-५०
- ३८०६ काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी । श्री भैरवलाल जोशी यन्त्रस्थ
- ३८०७ Catalogue of Palm Leaf Manuscripts in The Santinath Jain Bhandara, Cambay. Parts. I.—II. By Muni Punya Vijaya. 42—00
- ३८०८ Catalogue of Sanskrit and Prakrit Manuscripts in the Rajasthan Oriental Research Institute (Jodhpur Collection) Parts. and I-II (A, B, C.) Edited by Padmashri Muni Jina Vijaya 129-50
- *३८०९ COMIC ELEMENTS IN SANSKRIT DRAMA By LAL RAMA YADUPAL SINGH. In the Press
३८१०. कृत्तिवासी-बंगला-रामायण और रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० रमानाथ त्रिपाठी १०-००
- *३८११ कृष्णभक्ति काव्य में सखीभाव । (सचित्र) डॉ० शरण बिहारी गोस्वामी ।
सखीसम्प्रदाय का सारगर्भित ग्रन्थ । गोपीतत्त्व और सखीतत्त्व पर गम्भीर विचार, उपास्य तत्त्व का विस्तृत विवेचन तथा सखी-सम्प्रदाय की उपासना-पद्धति का संयोजन आदि इस ग्रन्थ के प्रमुख प्रतिपाद्य विषय हैं । सखीभाव-विषयक हिन्दी साहित्य की सामग्री का परिचय एवं समीक्षा, रस-परिपाटी का विवेचन, लगभग ५० वैष्णवसम्प्रदायाचार्यों के सदुपदेशों का सचित्र वर्णन तथा कवियों और काव्यों का परिचय, समीक्षण आदि अत्यन्त सरल भाषा और शैली में विवेचित हैं । यह ग्रन्थ अत्यन्त रसपूर्ण और उपादेय है । २५-००
- ३८१२ गद्यकार बाण (बाण विषयक लेखों का संकलन) । रणदेव-महेन्द्र थापर ६-००
- *३८१३ CHRONOLOGY OF INDIA : From the earliest Times to the beginning of the Sixteenth Century by C. Mabel Duff. In the Press.
- *३८१४ A CRITICAL STUDY OF THE BHAGAVATA PURANA with Special Reference to Bhakti by Dr. T. S. Rukmani. In the Press
- ३८१५ गुजराती साहित्यनी रूपरेखा । विनयराय कल्याणराय वैद्य (गुजराती) ३-७५
- ३८१६ गोरखवानी । डा० पीताम्बरदत्त बड़वाल ६-००
- *३८१७ गोस्वामी तुलसीदास । आचार्य श्री सीताराम चतुर्वेदी ।
तुलसीदास के जन्म, जीवन तथा रचनाओं के विषय में भ्रामक मतों का प्रामाणिक निराकरण तथा उनके काव्यों का सम्यक् परिशीलन ३-००
- ३८१८ चतुर्दश भाषा निबंधावली । ४-२५

- *३८१९ चतुर्वेदिसंस्कृतरचनावलिः । महामहोपाध्याय विद्यावाचस्पति
पं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी विरचित प्रकाशित अप्रकाशित यावत्
निबन्धों का संग्रह । २०-००
- ३८२० चन्द्रशेखरशास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थ । सम्पादक मण्डल-गोविन्दनारायण शर्मा,
दीनानाथ त्रिवेदी 'मधुप', डा० मथुरालाल शर्मा १०-००, ११-००
- *३८२१ चम्पू काव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन ।
डॉ० छविनाथ त्रिपाठी
इसमें चम्पू-काव्य का स्थान निर्धारण, उसकी सर्वथोपयुक्त परिभाषा, रस-
पद्म-मिश्रित काव्यों के विकास का ऐतिहासिक एवं खोजपूर्ण विवरण,
२४५ चम्पू-काव्यों का सविवरण आलोचनात्मक परिचय, बर्ण्य वस्तु
और चम्पू-काव्यों के मूल स्रोतों का अन्वेषण करके उनका वर्गीकरण
आदि उपयोगी सामग्री प्रस्तुत की गई है । १२-००
- ३८२२ चार्वाक इतिहास आणि तत्त्वज्ञान । प्रो० सदाशिव आठले (मराठी) ३-००
- *३८२३ चित्र और चिन्तन । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी । इस पुस्तक में
चित्र : जीवन के दैनिक अनुभवों के हैं, चिंतन : सामयिक
परिस्थितियों, समस्याओं और नवनिर्माण के हैं । २-५०
- ३८२४ चित्रनिबन्धावलिः (विविध-शालीय-निबन्धानां संग्रहः) निबन्धक-
रघुनाथशर्मा १०-००
- *३८२५ चिन्तन के नये चरण । श्री देवदत्त शास्त्री । भाषाविज्ञान,
मनोविज्ञान, इतिहास, पुराण, उपनिषद्, नृत्य-नाटक और
अभिनय इन पाँच विषय-स्तम्भों में साहित्यकारों तथा अनु-
सन्धायकों के नित्य उपयोग की यथेष्ट संस्कृत , ६-००
- ३८२६ चौलुक्य कुमारपाल । लक्ष्मीशंकर व्यास कान्यधारा का . ४-५०
- ३८२७ जगतना इतिहास नु रेखादर्शन । जवाहरलालपहली बार प्रस्तुत . १९-७५
- ३८२८ जवाहरचिन्तन । श्रीराम भिकाजी वेल्णकर इस पुस्तक से प्रयोगवाद . ७-००
- *३८२९ जीवनदर्शन । डॉ० मुंशीराम शर्मा । 'जीवन क्या है मृत्यु कितनी न्याय
विकसित तथा उन्नत होता है ? जीवनपथ पर कैसे मोड़
आते हैं ?' आदि पर विस्तृत विवेचन ३-००
- *३८३० जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन ।
हर्ष, शोक, विस्मयादि नाना भावधाराओं में अवगाहन करते हुए भारतीय
समाज की जैन आगमसाहित्य में प्राप्त ऐतिहासिक स्थिति का, शैली और
कौशल की दृष्टि से उनका वर्णन प्राप्त करने के लिये यह एक ही ग्रन्थ है । २५-००
- ३८३१ ज्ञान की गरिमा । बलदेव उपाध्याय २-२५
- *३८३२ TRADE AND COMMERCE IN ANCIENT INDIA
(From earliest times up to circa 3rd. Century A. D.) :
By Dr. Balaram Srivastava. 20-00
- ३८३३ तंत्र ओ आगम शास्त्रों दिग्दर्शन । म० म० गोपीनाथ कविराज ।
भाग प्रथम (बंगला) ५-००

- ३८३४ तान्त्रिक वाङ्मय में शाक्त दृष्टि । म० म० गोपीनाथ कविराज ७-५१
- ३८३५ तुलनात्मक भाषाविज्ञान । एफ० एफ० फर्तुनातोव । अनुवादक डा०
केशरीनारायण शुक्ल ५-७१
- ३८३६ तुलनात्मक भाषा-विज्ञान । डॉ० पाण्डुरंग दामोदर गुणे । सम्पादक-
एन० पी० गुणे । अनुवादक—डॉ० भोलानाथ तिवारी १०-७१
- ३८३७ त्रिपाठी अभिनन्दन ग्रन्थ । (पं० सुरतिनारायण मणि त्रिपाठी) २५-७१
- *३८३८ THEORIES OF PERSONALITY TYPES IN INDIAN
THOUGHT by Dr. Ram Kumar Rai. In the Press
- *३८३९ दिनकर की उर्वशी । डा० रमाशंकर तिवारी
इस पुस्तक में दिनकर की नवीन काव्यकृति 'उर्वशी' का ललित तथा
अधिकार-पूर्ण शैली में समीक्षात्मक अनुशीलन प्रस्तुत किया गया है ।
प्राकरणिक परिशीलन, सामान्य समीक्षा, काव्यशिल्प, संग्राहक प्रतिभा,
तथा मूल्यांकन—इन पञ्चविध शीर्षकों के अन्तर्गत 'उर्वशी' के सम्पूर्ण
सौन्दर्य का कलापूर्ण उद्घाटन निश्चित ही काव्य-रसिकों को आकर्षित
करेगा । ३-७१
- *३८४० THE DHVANI THEORY IN SANSKRIT POETICS :
By Dr. Mukunda Madhava Sharma. M. A., D. Phil,
Kavyatirtha. 20-७१
- *३८४१ नगरीय समाज शास्त्र । श्री कोशलकुमार राय । प्रायः सभी
विश्वविद्यालयों में नगरीय समाजशास्त्र का पठन-पाठन
आरंभ हो गया है । लेकिन इस विषय पर हिन्दी में कोई
पुस्तक उपलब्ध नहीं थी । इसी अभाव की पूर्ति के हेतु
प्रस्तुत पुस्तक की रचना की गई है ८-७१
- ३८४२ नवीन दृष्टि में भारत । स्वामी दयानन्द १-७५
- ३८४३ नाटककार और उनका उत्तररामचरित । डॉ० कृष्णकान्त २-७५
- ३८४४ अभिनवगुप्ताचार्य (गुजराती) २-७५
- ३८४५ रामपुरा और दशरूपक । धनिक वृत्ति सहित । १०-७७
- ३८४६ नाट्य-पृथ्वीनाथ द्विवेदी ११-७७
- *३८४७ NORL... ring the Seventeenth Century A. D.
by Dr. B. ...hstava In the Press
- ३८४८ निबन्ध-शेखर । महेश-शर्मा ५-७७
- ३८४९ पतञ्जलिकालीन भारत । डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री ११-७७
- *३८५० परिक्रमा । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी । आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
जी के शब्दों में—भारतीय साहित्य और जीवन की इस
परिक्रमा में कालिदास, रवीन्द्र, पन्त, महादेवी आदि की
समालोचना एवं संस्मरणों का मणिकान्चन योग है । शैली
प्राञ्जल, प्रवाहपूर्ण एवं सरस है । वाराणसी परीक्षापाठ्य
स्वीकृत अंश २-७७ अभिनव प्रकाशन सम्पूर्ण ४-७७

- *३८५१ पाणिनिकालीन भारतवर्ष । (पाणिनिकृत अष्टाध्यायी का
सांस्कृतिक अध्ययन) डॉ० बासुदेवशरण अग्रवाल १५—००
- ३८५२ पुराणगत वेद विषयक सामग्री का समीक्षात्मक अध्ययन ।
रामशंकर भट्टाचार्य १२—५०
- ३८५३ पुराणों में गङ्गा । सङ्कलनकर्ता—रामप्रताप त्रिपाठी ३—५०
- *३८५४ THE POLITICAL AND SOCIO-RELIGIOUS CONDI-
TION OF BIHAR (185 B. C. to 319 A. D.)
By Dr. Hari Kishore Prasad. In the Press
- ३८५५ पुरातत्त्व की दृष्टि में वैशाली । विजयकान्त मिश्र ७—५०
- *३८५६ पुरुषार्थ । भारतरत्न डॉ० भगवानदास । (शोधपूर्ण द्वितीय संस्करण)
मनीषी लेखक के आध्यात्मिक एवं चिंतन का सार इस ग्रन्थ में आज के
मानव के लिये सर्वथोपयुक्त शैली में उपनिबद्ध है । इससे मानव-मात्र को
श्रेयः सम्पादन के लिए यथार्थ दिशा एवं प्रेरणा प्राप्त होती है । सम्पूर्ण
वाङ्मय का सार ही इसे समझना चाहिए । १२—५०
- ३८५७ प्रताप-रासो । जाचीक जीवण कृत । सम्पादक—मोतीलाल गुप्त ६—७५
- *३८५८ प्रतिभा-दर्शन (भाषा-तत्त्वशास्त्र) । आचार्य हरिशंकर जोशी ।
भू० ले०—म० म० डॉ० गोपीनाथ कविराज । इस ग्रन्थ में
भारतीय भाषाओं के क्रमिक युगों के प्रामाणिक विकासों के साथ-
साथ अर्वाचीन भाषाओं तक के भाषातत्त्वों का विशद् विवेचन
तीन बड़े भागों में किया गया है । २५—००
- *३८५९ प्रयोगवादी काव्यधारा । (तथोक्त नई कविता) डा० रमाशंकर
तिवारी (उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत)
इसमें 'नई कविता' कही जाने वाली प्रयोगवादी काव्यधारा का तटस्थ एवं
पूर्वाग्रह-विमुक्त, विस्तृत एवं प्रामाणिक विवेचन पहली बार प्रस्तुत किया
गया है । पुस्तक चार खण्डों में विभक्त है । इस पुस्तक से प्रयोगवादी
काव्यधारा को समझने तथा उसके प्रति समुचित एवं सन्तुलित न्याय
बरतने की सम्भावनायें निश्चय ही परिष्कृत एवं परिपुष्ट होंगी । १२—५०
- ३८६० प्रवीण दृष्टि में नवीन भारत । स्वामी दयानन्द कृत । १-२ खण्ड ४—००
- ३८६१ प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास ।
डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री २०—००
- *३८६२ प्राकृत साहित्य का इतिहास । डॉ० जगदीशचंद्र जैन । वेद से
लेकर प्राचीनतम शिलालेख, नाटक, कथाग्रन्थ आदि के व्यापक
समीक्षण एवं समालोचना के साथ हिन्दी में अपने विषय का
प्रथम ग्रन्थ २०—००
- ३८६३ प्रागैतिहासिक भारतीय चित्रकला । डा० जगदीश गुप्त ७५—००
- ३८६४ प्राचीन भारत । रमेशचन्द्र मजुमदार । अनुवादक—डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त ।
सम्पादक—डॉ० विशुद्धानन्द पाठक १२—००
- ३८६५ प्राचीन भारत का इतिहास । डा० रमाशंकर त्रिपाठी १५—००

- ३८६६ प्राचीन भारत की सामाजिक संस्कृति । डॉ० रामजी उपाध्याय १२—००
- *३८६७ प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड । डॉ० हरिहरनाथ त्रिपाठी । वैदिक काल से लेकर आज तक के एतद्विषयक सम्पूर्ण भारतीय साहित्य के पर्यालोचन के साथ ही विदेशी व्यवस्थाओं और मान्यताओं का भी परिचय इससे प्राप्त होता है ६—००
- ३८६८ प्राचीन भारत में रसायन का विकास । डॉ० सत्यप्रकाश १४—००
- ३८६९ प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन । डा० वासुदेव उपाध्याय २०—००
- *३८७० प्राचीन भारतीय मिट्टी के बर्तन । डा० राय गोविन्दचन्द्र । खोदाई में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों के आधार पर भारतीय सभ्यता के विकास का आरम्भ से गुप्तकाल तक का इतिहास १२—००
- ३८७१ प्राचीन भारतीय लिपिमाला । डॉ० गौरीशंकर हीराचंद ओझा ७५—००
- ३८७२ प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति । डॉ० राजबली पाण्डेय इसके विविध खण्ड हैं—(१) भौगोलिक और जातीय आधार (२) राजनीतिक इतिहास (३) राजनीतिक विचार और संस्थाएँ (४) आर्थिक जीवन (५) सामाजिक चिंतन और संस्थाएँ (६) धार्मिक जीवन (७) दार्शनिक सिद्धान्त (८) भाषा और साहित्य (९) कला तथा (१०) उपसंहार । भारतीय जीवन और मान्यताओं का एक संतुलित चित्र इस ग्रन्थ में प्रस्तुत किया गया है । यंत्रस्थ
- ३८७३ प्राचीन भारतीय साहित्य । (M. Winternitz's Indischen Literatur) १-२ भाग अनुवादक : लाजपतराय-डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय २०—००
- ३८७४ प्राचीन भारतीय साहित्य एवं संस्कृति की एक झलक । नारायण प्रसाद बलुनी ३—५०
- ३८७५ प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका । डॉ० रामजी उपाध्याय ३२—५०
- ३८७६ प्राचीन हस्तलिखित पोथियों का विवरण । डॉ० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री संपादित । १-३-६ खंड ८—००
- *३८७७ FINE ARTS AND TECHNICAL SCIENCES IN ANCIENT INDIA. With Special Reference to Somesvara's Manasollasa by Dr. Shiba Shekhar Misra, M. A., Ph. D. In the Press
- *३८७८ FALL OF THE MOGUL EMPIRE: By Sidney J. Owen, M. A., Second Edition. (Chow. Sans. Studies. Vol. VII) ८—००
- ३८७९ बंगीयदूतकान्येतिहासः । डॉ. जे. बी. चौधरी संपादित ५—००
- ३८८० बाणभट्ट का आदान प्रदान । अमरनाथ पांडेय ५—००
- ३८८१ बुन्देल खंड की प्राचीनता । श्री वागीश शास्त्री ५—५०
- *३८८२ THE BHAKTI CULT IN ANCIENT INDIA : By M. M. Dr. Bhagabat Kumar Goswami Shastri, M. A., Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. LII.) २५—००

- *३८८३ भक्ति का विकास । डॉ० मुंशीराम शर्मा । परम पुरुषार्थ रूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में यथावत् ज्ञेय सामग्री का एकत्र संकलन २०—८०
- ३८८४ भगवान् शङ्कराचार्य । विष्णुदेव सांकलेश्वर पंडित (गुजराती) ५—००
- ३८८५ भारत का भाषा सर्वेक्षण । सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन : अनुवादक—डॉ० उदयनारायण तिवारी ७—००
- ३८८६ भारत का सांस्कृतिक इतिहास । हरिदत्त वेदालंकार ८—००
- ३८८७ भारत का सांस्कृतिक इतिहास (प्रश्नोत्तर रूप में) हरिदत्त वेदालंकार २—००
- ३८८८ भारत की संस्कृति और कला । राधाकमल मुकर्जी १२—००
- ३८८९ भारत की संस्कृति का विकास । डा० मथुरालाल शर्मा ६—२५
- ३८९० भारत की संस्कृति साधना । डॉ० रामजी उपाध्याय १०—००
- ३८९१ भारत की सामाजिक क्रान्ति । डॉ० रामजी उपाध्याय ३—००
- ३८९२ भारत की सामाजिक संस्कृति । १२—००
- ३८९३ भारत के स्वातन्त्र्य संग्राम का इतिहास । सुखसम्पत्तिराय भण्डारी ८—५०
- ३८९४ भारतवर्ष का इतिहास । लेखक—एच० एम० इलियट, जान डाउसन
- १ औरंगजेब । मूल लेखक—खाफ़ी ख़ाँ ४—००
- २ उत्तरकालीन मुग़ल । मूल लेखक—खाफ़ी ख़ाँ ४—००
- ३ बाबर तथा हुमायूँ । मूल लेखक—बाबर ३—००
- ४ शेरशाह । मूल लेखक—अब्बास सरवानी ४—००
- ५ अकबरनामा । मूल लेखक—अबुल फजल ५—००
- ३८९५ भारतवर्ष का बृहद् इतिहास । भगवद्दत्त । १-२ भाग ३८—००
- ३८९६ भारतस्य भूगोलशास्त्रम् । १—००
- *३८९७ भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः । डॉ० रामजी उपाध्याय (संस्कृत) यन्त्रस्थ
- ३८९८ भारतीय इतिहास और संस्कृति । डॉ० विशुद्धानन्द पाठक—डॉ० जयशंकर मिश्र ६—००, ८—००
- *३८९९ भारतीय इतिहास के स्रोत, सिक्के । (ई० जे० रैपसन के 'इण्डियन कॉएन्स' का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय ।
- अंग्रेजी में यह ग्रन्थ सर्वथा दुर्लभ है । इसके हिन्दी अनुवाद से इसकी दुर्लभता तो दूर ही होगी साथ ही पाठकों के क्षेत्र में भी वृद्धि होगी । अनुवाद में मूल ग्रन्थ के फलक ज्यों-के-त्यों छापे गये हैं जिससे इसमें कोई भी कमी नहीं रह गई है । १२—००
- *३९०० भारतीय इतिहास परिचय । डॉ० राजबली पाण्डेय
- संक्षेप में सरल एवं सुबोध इतिहास प्रस्तुत करने वाले इस ग्रन्थ में उन्हीं घटनाओं, व्यक्तियों और विचारधाराओं का समावेश किया गया है जिन्होंने भारतीय जीवन की परम्परा को किसी न किसी प्रकार प्रभावित किया है । भारत के प्रामाणिक, सजीव और क्रमबद्ध इतिहास के परिचय के लिए यह पुस्तक अत्यन्त उपयोगी है । १०—००
- ३९०१ भारतीय कला । (प्रारम्भिक युग से तीसरी शती तक) । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल २४—००

३९०२ भारतीय कला को बिहार की देन । डॉ० विन्ध्येश्वरी प्रसाद सिंह ७-५०
 ३९०३ भारतीयकांग्रेसस्येतिहासः (१८५७ से १९४७ ई० तक) ।

दिनेश प्रसाद पाण्डेयः । (संस्कृत) २-००

*३९०४ भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि-सिद्धान्त । श्री राजवंश सहाय 'हीरा' ।

प्रस्तुत ग्रंथ में रस, ध्वनि एवं अलंकार को प्रतिनिधि सिद्धान्त मान कर उन्हीं का विवेचन किया गया है । काव्य के स्वरूप, कारण, हेतु एवं भेद, शब्दशक्ति, ध्वनि, रस, गुण एवं दोषों का वर्णन प्रमुख है । दूसरे खण्ड में अलंकारों का विवक्षेण, विशेषतः ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक दृष्टि से किया गया है । शब्दशक्तियों के वर्णन में शास्त्रार्थ वाले स्थानों पर तथा अभिधा, लक्षणा, व्यंजना के विषय में विस्तृत एवं निर्वृत्त विवेचन है । प्रमाण स्वरूप संस्कृत के मूल ग्रन्थों के उद्धरण उपन्यस्त हैं । ग्रन्थ अपने में पूर्ण है ।

३९०५ भारतीय दर्शन । चटर्जी-दत्त । हिन्दी रूपकार-झा०-मिश्र १५-००

३९०६ भारतीय दर्शन । वाचस्पति गैरोला १०-००

३९०७ भारतीय दर्शन । बलदेव उपाध्याय ११-००

३९०८ भारतीय दर्शन । डा० उमेश मिश्र १६-००

३९०९ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । डा० उमेश मिश्र ८-००

३९१० भारतीय दर्शन परिचय । रामानन्द तिवारी १-५०

३९११ भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास । डॉ० न० कि० देवराज ४-००

डॉ० रामानन्द तिवारी ६-५०

३९१२ भारतीय पुरालिपिशास्त्र । मंगलनाथ सिंह २५-००

*३९१३ भारतीय प्रज्ञा । (मॉनियर विलियम्स कृत इण्डियन विजुडम का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय ।

इस पुस्तक में हिन्दुओं के धार्मिक, दार्शनिक और नैतिक विचारों तथा सिद्धान्तों के उदाहरणों का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । साथ ही संस्कृत साहित्य के प्रमुख विभागों का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते हुए भारत की अतीत तथा वर्तमान नैतिक और बौद्धिक स्थिति का भी विवरण दिया गया है । हिन्दी अनुवाद में मूल ग्रन्थ के समस्त गुणों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया गया है ।

२५-००

*३९१४ भारतीय भाषा विज्ञान । भारतीय भाषाओं का मौलिक पद्धति पर विवेचन-विश्लेषण और वर्गीकरण । अपने विषय का अभिनव ग्रन्थ । पं० किशोरी दास बाजपेयी

३९१५ भारतीय रत्नचरित । रुद्रदत्त पाठक ६-२५

३९१६ भारतीय विचारधारा । मधुकर ८-००

३९१७ भारतीय वैश्यों का संक्षिप्त इतिहास । डॉ० इन्द्रदेवनारायण सिंह २-००

३९१८ भारतीय संस्कृति । डॉ० वी० एल० आत्रेय २-००

३९१९ भारतीय संस्कृति । कृष्णचन्द्र विद्यालंकार १-५०

३९२० भारतीय संस्कृति । गोपालशास्त्री दर्शनकेशरी १-५०

३९२१ भारतीय संस्कृति । बलदेवप्रसाद मिश्र २-५०

समालोचनात्मक-इतिहास-ग्रन्थ

१४५

३९२२ भारतीय संस्कृति । साने गुरु जी	४—००
३९२३ भारतीय संस्कृति । वात्स्यायन	४—००
३९२४ भारतीय संस्कृति । डॉ० लल्लन जी गोपाल-डॉ० ब्रजनाथ सिंह	५—००
३९२५ भारतीय संस्कृति । बलदेव कृष्ण	४—५०
३९२६ भारतीय संस्कृति । शिवदत्त शानी	५—५०
३९२७ भारतीय संस्कृति : एक समाज शास्त्रीय समीक्षा । गौरीशंकर भट्ट	१७—५०
३९२८ भारतीय संस्कृति : गौतम से गांधी तक । भास्करानन्द लोहनी	६—००
३९२९ भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता । डा० प्रसन्नकुमार आचार्य	५—००
३९३० भारतीय संस्कृति और अहिंसा । (वेदपूर्वकाल से लेकर महात्मागांधी तक) धर्मानन्द क्रोसम्बी	३—५०
३९३१ भारतीय संस्कृति और इतिहास । डा० ब्रजनाथ पुरी	५—००
३९३२ भारतीय संस्कृति और साधना । म० म० डॉ० गोपीनाथ कविराज । १-२ भाग	१८—५०
३९३३ भारतीय संस्कृति का इतिहास । दिनेशचन्द्र भारद्वाज	६—७५
३९३४ भारतीय संस्कृति का इतिहास । डॉ० नरेन्द्रदेव सिंह शास्त्री	४—२५
३९३५ भारतीय संस्कृति का इतिहास । स्कन्दकुमार	३—००
३९३६ भारतीय संस्कृति का इतिहास । चतुरसेन शास्त्री	१५—००
३९३७ भारतीय संस्कृति का उत्थान । डा० रामजी उपाध्याय	५—००
३९३८ भारतीय संस्कृति का प्रवाह । इन्द्र बिष्टावाचस्पति	५—००
३९३९ भारतीय संस्कृति का विकास । डा० मंगलदेव शास्त्री	
प्रथम खण्ड-वैदिक धारा	७—००
द्वितीय खण्ड-औपनिषद् धारा	१२—००
३९४० भारतीय संस्कृति की कहानी । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय	१—२५
३९४१ भारतीय संस्कृति की झलक । वी० एन० लुनिया	३—००
३९४२ भारतीय संस्कृति के आधार । एस० पी० कनल	३—००
३९४३ भारतीय संस्कृति के पाँच अध्याय । जुषीशंकर द्विवेदी	३—७५
३९४४ भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व । सत्यनारायण पाण्डेय । डॉ० आर. बी. जोशी	४—५०
३९४५ भारतीय संस्कृति के विस्तार की कहानी । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय	८—७५
३९४६ भारतीय संस्कृति की गोस्वामी तुलसीदास का योगदान । डॉ० बलदेवप्रसाद मिश्र	२—५०
३९४७ भारतीय संस्कृति दिग्दर्शन । लक्ष्मीराव	२—००
३९४८ भारतीय संस्कृति में जैनधर्म का योगदान । डा० हीरालाल जैन	१०—००
३९४९ भारतीय सभ्यता (बंगला) श्रीब्रजसुन्दर राय	१—००
३९५० भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति का विकास । वी० एन० लुनिया	८—५०
३९५१ भारतीय सांस्कृतिक इतिहास की समीक्षा । डॉ० ब्रजनाथ पुरी	४—००
३९५२ भारतीय समाज शास्त्र : मूलाधार । फतहसिद्द	४—५०
३९५३ भारतीय साहित्य और संस्कृति । डॉ० हरिदत्त शास्त्री	६—००

- *३९५४ भारतीय साहित्य की रूपरेखा । डॉ० भोलाशंकर व्यास । वेदों से लेकर अब तक के समस्त भारतीय साहित्य—वैदिक, संस्कृत, पालि-प्राकृत तथा अपभ्रंश साहित्य—की रूपरेखा के अलावा भारत की सभी आधुनिक भाषाओं—हिन्दी, उर्दू, बंगला, मराठी, गुजराती, तामिल, तेलगु, आदि—के प्राचीन तथा अद्यतन साहित्य की गतिविधि का सुन्दर परिचय इसी एक ग्रन्थ से प्राप्त हो जाता है ७—५०
- ३९५५ भारतीय साहित्य दर्शन । राममूर्ति त्रिपाठी ६—५०
- ३९५६ भारतीय साहित्यशास्त्र । बलदेव उपाध्याय । प्रथम भाग १५—००
- ३९५७ भारतीय साहित्यशास्त्र । गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे १२—५०
- *३९५८ भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालंकार । डॉ० भोलाशंकर व्यास । नवीन दृष्टि से पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के गम्भीर अध्ययन के साथ ही भारतीय साहित्यशास्त्र की प्राचीन स्थापनाओं की प्रामाणिक तथा आधिकारिक विवेचना प्रथम बार प्रस्तुत ग्रन्थ रूप में उपनिबद्ध है । प्रथम भाग ८—००
- *३९५९ भारवि काव्य में अर्थान्तरन्यास । डॉ० उमेशप्रसाद रस्तोगी । प्रस्तुत ग्रन्थ में भारवि के जन्मकाल, स्थान तथा काव्य का परिचय देते हुए प्रवाहपूर्ण भाषा तथा मार्मिक शैली में उनके अर्थान्तरन्यास-सम्बन्धी काव्य, कवित्व तथा प्रतिभा का समुचित विवेचन तथा यथार्थ विश्लेषण किया गया है । ६—००
- ३९६० आलण-एक अध्ययन (गुजराती) ४—७५
- ३९६१ भाषातत्त्व और वाक्यपदीय । डॉ० मत्स्यकाम वर्मा १५—००
- ३९६२ भाषा विज्ञान अथवा तुलनात्मक भाषा शास्त्र । डा० मङ्गलदेव शास्त्री ६—०१
- ३९६३ भाषा विज्ञान । भोलानाथ तिवारी ९—००
- ३९६४ भाषाविज्ञान । भारतभूषण 'सरोज' २—५०
- ३९६५ भाषाविज्ञान की भूमिका । देवेन्द्रनाथ शर्मा ८—००, १०—००
- ३९६६ भाषा-विज्ञान-तत्त्व । प्रभुनारायण शर्मा 'सहृदय' १—५०
- ३९६७ भाषा-विज्ञान-परिचय । सं० महेन्द्र २—५०
- *३९६८ भाषा वैज्ञानिक संस्कृत व्याकरण । डॉ० लालरमायदुपाल सिंह यन्त्रस्थ ३९६९ भोज अने कालिदास । (गुजराती) लक्ष्मीनारायण मोजीलाल पंड्या ६—००
- *३९७० मधुपर्क । श्री देवीरत्न अवस्थी 'करील' । ब्रजभाषा के ललित पद्यों में कृष्णचरित वर्णन के माध्यम से यह काव्य जनतन्त्र की सभी व्याख्या प्रस्तुत करता है तथा भारतीयों के मत में देशप्रेम एवं वीर-भावों को उद्बुद्ध करने में पूर्ण समर्थ है । यह अभिनव ललित काव्य बड़े कौशल से रचा गया है । यन्त्रस्थ
- ३९७१ मध्यकालीन भारतीय संस्कृति । डा० गौरीशंकर हीराचन्द ओझा ३—००
- *३९७२ मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद । डॉ० कपिलदेव पाण्डेय वैदिक साहित्य से लेकर उत्तर-मध्यकालीन साहित्य तक के अवतार-वादी रूपों और प्रवृत्तियों का विशद विवेचन ३०—००

- ३९७३ मध्यकालीन हिन्दी साहित्य पर बौद्धधर्म का प्रभाव । डॉ० सरला त्रिगुणायन १३—५०
- ३९७४ मध्यदेश । डा० धीरेन्द्र वर्मा ७—००
- ३९७५ मध्यप्रदेश की हिन्दी साहित्य को देन । डॉ० मोतीलाल गुप्त ७—००
- ३९७६ मध्यप्रदेश के पुरातत्त्व की रूपरेखा । एम० जी० दीक्षित ६—००
- ३९७७ मध्ययुगीन भारतीय संस्कृति (एक झलक) डा० सुसफ हुसैन ५—००
- *३९७८ मराठी का भक्ति-साहित्य । प्रो० भी० गो० देशपाण्डे । मराठी भक्ति-साहित्य के काव्य रूपों के मूल स्रोत और विकास का हिन्दी में अत्यन्त प्रामाणिक एवं सटीक विवेचन ८—००, १०—००
- ३९७९ मराठी ग्रन्थ सूची (१८००-१९३७) ६०—००
- ३९८० मराठी का उत्कर्ष । महादेव गोविन्द रानाडे । अनु०-रमेश तिवारी १२—००
- ३९८१ महर्षि दयानन्द की पद-प्रयोग शैली । १—५०
- ३९८२ महाकवि अश्वघोष और उनका काव्य । डॉ० हरिदत्त शाली ४—७५
- *३९८३ महाकवि कालिदास । आचार्य रमारांकर तिवारी । कालिदास के देश-काल तथा उनकी सौन्दर्य-भावना, प्रेम-भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों का १८ अध्यायों में प्रामाणिक विवेचन ८—००
- ३९८४ महाकवि कालिदास और उनका अभिज्ञानशाकुन्तल । कृष्णकान्त त्रिपाठी २—७५
- ३९८५ महाकवि कालिदास-काल । दत्तात्रेय बैकटेश केतकर । मराठी ५—००
- ३९८६ महाकवि बाण । केदारनाथ शर्मा ०—२४
- *३९८७ महाकविभक्तभूति । डॉ० गङ्गासागर राय । इस ग्रंथ में महाकवि भक्तभूति के व्यक्तित्व तथा कृतियों का अनूठा, साक्षोपात्त विवेचन तथा उनकी रससिद्ध बाणी का यथार्थ मूल्यांकन प्रस्तुत किया गया है । अनुसन्धान पूर्ण परिशिष्ट बड़े श्रम से संकलित किए गए हैं । अनुसन्धानकर्त्ताओं तथा उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिये अत्युपयोगी ग्रंथ है । ५—००
- ३९८८ महाकवि भक्तभूति और उनका उत्तररामचरित । कृष्णकान्त त्रिपाठी २—७५
- *३९८९ महाकवि भास : एक अध्ययन । आचार्य बलदेव उपाध्याय । इसमें भास के नाटकों का परिचय, समीक्षण, तत्कालीन देश-काल की स्थिति, भास के समय आदि का प्रामाणिक तथा सांगोपांग विवेचन किया गया है । ४—००
- ३९९० महाकवि माघ उनका जीवन तथा कृतियाँ । डॉ० मनमोहनलाल जगन्नाथ शर्मा २०—००
- *३९९१ महाकवि शूद्रक । आचार्य रमारांकर तिवारी । प्रस्तुत पुस्तक में समाविष्ट ऐतिहासिक पर्यालोचन का अपना विशिष्ट महत्त्व है इसमें-संस्कृत साहित्य की इस विशिष्ट यथार्थवादी नाट्यकृति का प्रौढ़ एवं प्राञ्जल विवेचन प्रस्तुत किया गया है । उपपादन की शैली निराला तर्कपूर्ण एवं व्यवस्थित है तथा शूद्रक सम्बन्धी अनेक कल्पनाओं एवं मान्यताओं का अत्यन्त सुंदर तथा संतुलित विवेचन यहाँ उपलब्ध है । 'महाकवि कालिदास' का ही रूपान्तरित आस्वाद आप 'महाकवि शूद्रक' में प्राप्त करेंगे । अवश्य संग्रहीय ग्रन्थ है । १२—५५

- *३९९२ महाकवियों की अमर रचनायें । श्रीचक्रधर शर्मा । हिन्दी में संस्कृत के विख्यात महाकवियों के जीवनवृत्त तथा उनकी उत्कृष्ट रचनाओं का संक्षिप्त कथानक २—००
- ३९९३ महामना श्री पण्डित मदनमोहनजी सालवीच के लेख और भाषण । भाग प्रथम—धार्मिक । संकलनकर्ता वासुदेवशरण अग्रवाल । अजिल्द ४—०० सजिल्द ५—००
- ३९९४ महावस्तुपालजुं साहित्यमंडल तथा संस्कृत साहित्य मां तेनो कालो । डा० भोगीलाल जे० सादेसरा (गुजराती इतिहास) ७—००
- *३९९५ MYTHOLOGY OF THE ARYAN NATIONS : By Sir George W. Cox. (Chow. Sans. Studies. Vol XXVII) ३०-००
- *३९९६ मानसोल्लास (सोमेश्वरकृत) : एक सांस्कृतिक अध्ययन । डॉ० शिवशेखर मिश्र २५—००
- *३९९७ MITHILA IN THE AGE OF VIDYAPATI (C. 1330-1525 A. D. A Study in Cultural History) : By Prof. Radha Krishna Choudhary. In the Press
- ३९९८ मेघदूत में रामगिरि अर्थात् रामटेक । वा० वि० मिराशी (हिन्दी) ३—००
- ३९९९ यूरोप और वहाँ के संग्रहालय । डॉ० सतीशचन्द्र काला यूरोप के संग्रहालयों का विविध दृष्टिकोणों से प्रामाणिक एवं हृदयग्राही वर्णन तथा भारत से यूरोप ले जाई गई दुष्प्राप्य वस्तुओं का विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है । आर्ट पेपर पर छपे लगभग ५० दुष्प्राप्य चित्र भी दिए गये हैं । ५—००
- ४००० राजस्थान में संस्कृत साहित्य की खोज के विषय में एक विशिष्ट विवरणी । श्रीधर रामकृष्ण भाण्डारकर ३—००
- ४००१ रामभक्ति में रसिक संप्रदाय । डा० भगवतीप्रसाद सिंह १५—००
- ४००२ रामभक्ति साहित्य में मधुर उपासना । सुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव' १०—२५
- ४००३ रामायणकालीन संस्कृति । शान्तिकुमार नानूराम व्यास ६—००
- ४००४ रामायणकालीन समाज । शान्तिकुमार नानूराम व्यास ६—००
- ४००५ राष्ट्रकवि कालिदास । सीताराम सहगल ७—५० १०—००
- ४००६ राष्ट्रीय ग्रन्थ सूची । संस्कृत विभाग १९५८-१९६२ २५—००
- *४००७ लौकिक संस्कृत साहित्य । (Classical Sanskrit Literature by A.B. Keith का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक—श्री चारुचन्द्र शास्त्री एम. ए. संस्कृत बी० ए० परीक्षा में कीथ की यह कृति अनेकत्र निर्धारित है । अनुवाद में पदे-पदे मूल के उद्धरण देकर इसे सर्वथा छात्रोपयोगी बनाया गया है । ७—५०

- *४००८ लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । मूल लेखक ;
डा० गौरीनाथ शास्त्री, उपकुलपति : वाराणसी संस्कृत
विश्वविद्यालय ।
अंग्रेजी संस्करण अपनी संक्षिप्त सीमा में लौकिक संस्कृत साहित्य के
एक अत्यन्त व्यापक तथा यथार्थ विवेचन के कारण विद्यार्थियों में
अत्यन्त लोकप्रिय रहा है । हिन्दीभाषी विद्यार्थियों को सुख बनाने
के उद्देश्य से ही इसका हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत किया जा रहा है । ९—००
- ४००९ वर्णव्यवस्था का संक्षिप्त इतिहास । वासुदेव गुप्त १—५०
- ४०१० वाकाटक नृपति आणि त्यांचा काल । वामदेव विष्णु मिगशी (मराठी) ५—००
- ४०११ वाकाटक राजवंश का इतिहास तथा अभिलेख । डा० वासुदेव विष्णु
मिराशा । अनुवादक—डा० अजयमित्र शास्त्री १०—००
- ४०१२ वाज्यापार (गुजराती) ८—५०
- ४०१३ वाङ्मय त्रिवेणी । डॉ० रामचन्द्र चिन्तामणि श्रीखंडे (मराठी) ३—००
- ४०१४ वाचस्पति विशेषांक । सं० रुद्रधर जा ७—५०
- ४०१५ वाल्मीकि रामायण एवं रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन ।
डॉ० विष्णु मिश्र १६—००
- *४०१६ विक्रमादित्य । [संवत्-प्रवर्तक] डॉ० राजबली पाण्डेय । सम्राट्
विक्रमादित्य को ऐतिहासिक सिद्ध करनेवाला शोधपूर्ण ग्रन्थ १०—००
- ४०१७ विद्यापति-गीत-संग्रह । डा० सुभद्रा सम्पादित १०—००
- ४०१८ विद्याभूषण-ग्रन्थ-संग्रह-सूची । सं० गोपालनारायण बहुला-लक्ष्मीनारायण
गोस्वामी दीक्षित ६—२५
- *४०१९ विद्वद्भिर्भूति । संस्कृत के चुने हुए उच्चकोटि के भारतीय तथा
विदेशी विद्वानों का जीवनचरित १—२५
- *४०२० विविधार्थ । भारतरत्न, डॉ० भगवानदास (द्वितीय संस्करण)
डॉ० साहब ने अपने जीवन काल में ही १२ लेखों का संग्रह 'विविधार्थ'
नाम से प्रकाशित कर दिया था । इन लेखों में 'बुद्धि प्रबल वा शास्त्र' लेख
लगभग १०० पृष्ठों में, 'भगवद्गीता का आशय और उद्देश्य' १२५ पृष्ठों में,
एवं संस्कृति सम्मेलन का अभिभाषण भी १०० पृष्ठों में समाप्त हुआ है ।
इनमें स्वतन्त्र ग्रन्थों जैसी प्रामाणिकता और गम्भीर विवेचनात्मक शैली है । ६—००
- ४०२१ विबुध रत्नावली । छत्रजगम शास्त्री ३—५०
- ४०२२ विश्वम्भरा (हिन्दी विश्वभारती त्रैमासिक पत्रिका) सम्पादक-विद्याधर
शास्त्री । प्रथम वर्ष अंक १-४ ८—००
- ४०२३ VISNU DHVAJA or QUTB MANAR by Dr. D. S.
Trivedi (Chow. Sans. Studies Vol. XXIV) 5—00
- *४०२४ विष्णुपुराण का भारत । डॉ० सर्वानन्द पाठक
प्रस्तुत ग्रन्थ में विष्णुपुराण के आधार पर भौगोलिक आधार, समाजव्यवस्था,
राजनैतिक संस्थान, शिक्षा-साहित्य, संग्रामनीति, आर्थिकदशा, धर्म आदि
विषयों पर प्रामाणिक रूप से तत्कालीन भारत की जीवन्त झाँकी प्रस्तुत
की गई है । ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से इसका प्रमुख महत्त्व है । २०—००

४०२५ WOMEN IN ANCIENT INDIA by M. E. R. Martin
(Chow. Saus. Studies Vol. XLIV)

20-00

*४०२६ वैदिककालीन समाज । डॉ० शिवदत्त शर्मा ।

भारत में वैदिक संस्कृति का भी एक समय था । प्रस्तुत ग्रन्थ में उस काल की भौगोलिक स्थिति, समाज में पारिवारिक जीवन, शिक्षा, वर्णव्यवस्था, राजनैतिक तथा आर्थिक विकास, धर्म, दर्शन, साहित्य, कला, विज्ञान, मनोरंजन आदि से संबन्धित विस्तृत विवेचन प्रवाहपूर्ण प्राञ्जल भाषा में प्रस्तुत किया गया है । प्रमाणार्थ वैदिक मंत्र तथा प्रसंग टिप्पणी में संकेतित हैं ।

२५-००

४०२७ वैदिक इतिहासचित्र । वैद्यनाथ शास्त्री

८-००

४०२८ वैदिक-भाषाशुशीलन । गङ्गाधर मिश्र

४-००

*४०२९ वैदिक युग के भारतीय आभूषण । डॉ० राय गोविन्दचन्द्र ।

वैदिक युग में मनुष्य कौन-कौन से आभूषण किस प्रकार धारण करता था, किस आभूषण के कितने भेदोपभेद या प्रकार थे, आदि का प्रामाणिक तथा सूक्ष्म विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है । उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत

१५-००

*४०३० वैदिक योगसूत्र । श्री हरिशंकर जोशी ।

प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद्-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त उस प्राचीन योगदर्शन का चूडान्त विवेचन किया गया है जिसे जाने बिना हम अपनी संस्कृति, दर्शन और ज्ञान-सम्पत्ति का न तो उचित मूल्यांकन कर सकते, न उनके रहस्यों की अनुभूति हो पा सकते हैं । उपनिषद् युग के साथ जुड़ गए उस योगदर्शन वा इस ग्रन्थरूप में पुनरभ्युदय आपको चकित कर देगा । सोमयोग, अश्वयोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं । अकाष्ठ तर्कों तथा युक्तियों के साथ आकर-ग्रन्थों के वचन भी प्रमाण-त्वेन उपन्यस्त हैं । वेदों का मुख्य प्रतिपाद्य योगदर्शन ही है यह प्रमाणित करने के लिए वेदों के अतिप्रसिद्ध पुरुषसूक्त और अस्यवासीय सूक्त सुविशद व्याख्यासहित दिए गए हैं । प्रवाहपूर्ण प्राञ्जल भाषा-शैली में लिखे इस शोधपूर्ण ग्रन्थ का पारायण वेदों, प्राचीन ऋषियों तथा स्वामिस्थ ज्ञानभण्डार के निकट पहुँचाकर आपको अवश्य चमत्कृत कर देगा । अविलम्ब क्रय करने योग्य उत्तम ग्रन्थ है ।

२०-००

४०३१ वैदिक संस्कृति का विकास । लक्ष्मणशास्त्री जोशी । डॉ० मोरेश्वर दिनकर पराङ्कर अनुवादित

५-००

४०३२ वैदिक संस्कृति के तत्त्व । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री

३-००

४०३३ वैदिक साहित्य और संस्कृति । पं० बलदेव उपाध्याय

१५-००

४०३४ वैदिक साहित्य और संस्कृति । आचार्य भास्करानन्द लोदनी

३-००

*४०३५ वैदिक साहित्य की रूपरेखा । प्रो० हंसराज अग्रवाल ।

कई विश्वविद्यालयों में वैदिक साहित्य की रूपरेखा पाठ्यक्रम में नियत है । इस पुस्तक में वैदिक साहित्य के आदि से अन्त तक की प्रत्येक महत्वपूर्ण अङ्ग की जानकारी पाठक को संक्षेप से करा दी गई है ।

२-००

- ४०३६ वैदिकसाहित्यचरित्रम् (संस्कृत) के० एल० व्यास रामशास्त्री ३—००
- *४०३७ VRATYAS IN ANCIENT INDIA : By Prof. Radha Krishna Choudhary (Chow. Sans. Studies. Vol. XXXVIII) 15—00
- ४०३८ शंकराचार्य, उनके मायावाद तथा अन्य सिद्धान्तों का आलोचनात्मक अध्ययन । डा० राममूर्ति शर्मा १२—५०
- ४०३९ शङ्कराचार्य का आचार-दर्शन । डॉ० रामानन्द तिवारी शास्त्री ५—००
- ४०४० शैवमत । डॉ० यदुवंशी ८—००
- *४०४१ SRI AUROBINDO AND THE THEORIES OF EVOLUTION (A Critical and Comparative Study) by Dr. Rama Shankar Srivastava. In the Press
- *४०४२ शृङ्गार रस का शास्त्रीय विवेचन । डा० इन्द्रपाल सिंह आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र से आरम्भ कर भानुदत्त की रसमञ्जरी अर्थात् ई० पू० ४०० से लेकर १४ वीं सदी तक के संस्कृत के प्रसिद्ध एवं सुलभ काव्य-शास्त्रीय ग्रन्थों से शृङ्गार रस से सम्बद्ध अंशों का आकलन करते हुए काम और शृङ्गार के व्युत्पत्तिपरक अर्थ के अनन्तर उनकी सर्वव्यापकता और अन्योन्याश्रयता का अनूठा विवेचन इस ग्रन्थ की प्रमुख विशेषता है । १०—००
- ४०४३ श्री शङ्कराचार्य । पं० बलदेव उपाध्याय १०—००
- ४०४४ संस्कृत आलोचना । पं० बलदेव उपाध्याय ५—५०
- ४०४५ SANSKRIT AND PRAKRIT MAHAKAVYAS by Dr. Ram Ji Upadhyay 10—00
- ४०४६ संस्कृत और संस्कृति । डॉ० राजेन्द्रप्रसाद ४—००
- ४०४७ संस्कृतकविजीवितम् । (Lives of Sanskrit Poets) महादि-सूर्यनारायण शास्त्री विरचित । प्रथम भाग ३—५०
- *४०४८ संस्कृत-कवि दर्शन । डा० भोलाशङ्कर व्यास । संस्कृत के महान् चुने हुए २० कवियों पर गवेषणापूर्ण आलोचनात्मक निबन्ध ग्रन्थ ६—०७
- ४०४९ संस्कृत कविता में रोमाण्टिक प्रवृत्ति । डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा २०—००
- ४०५० संस्कृत कवियों की अनोखी सूझ । जनार्दन भट्ट ४—००
- ४०५१ संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन । डॉ० भोलाशंकर व्यास ५—००
- ४०५२ संस्कृत काव्यकार । डॉ० हरिदत्त शास्त्री १०—००
- ४०५३ संस्कृत काव्यधारा । राहुल मांकन्यायन १५—००
- ४०५४ संस्कृत काव्य में शकुन । डॉ० दीपचन्द्र शर्मा १२—५०
- ४०५५ संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास । पी० वी० काणे । अनुवादक—डॉ० इन्द्रचन्द्र शास्त्री १५—००
- ४०५६ संस्कृत के महाकवि और काव्य । डा० रामजी उपाध्याय, डा० राम-गोपाल मिश्र ८—००

- *४०५७ संस्कृत के विद्वान् और पंडित । रामचन्द्र मालवीय
संस्कृत वाङ्मय की उपासना में जीवन व्यतीत करनेवाले, भारतीय
गौरव के आधार-स्तम्भ २४ महामनीषियों का प्रेरणाप्रद चरित इस
पुस्तक में वर्णित है । इनमें पश्चिम के उन महनीय पुरुषों का भी चरित
है जिनकी साधना भारतीय वैदिक ज्ञान की समृद्धि में सहायक रही
है । कल के भारत के लिये आज के विद्यार्थी को वस्तुतः ऐसी दो
पुस्तकों की नितान्त आवश्यकता है । -१-४५
- ४०५८ संस्कृत के सन्देश काव्य । मेघदूत और उसकी परम्परा का एक
अध्ययन । डॉ० रामकृष्ण आचार्य २०-००
- ४०५९ संस्कृत गीतिकाव्य का विकास । डॉ० परमानन्द शास्त्री १८-००
- ४०६० संस्कृत ग्रन्थ सूची । (त्रिवेन्द्रम् संस्कृत सीरिज) । १-२ भाग २८-००
- ४०६१ संस्कृत नाटक । ए० बी० कीथ । अनुवादक-डॉ० उदयभानु सिंह १४-००
- ४०६२ संस्कृत नाटककार । कान्तिकिशोर भरतिवा ४-००
- ४०६३ संस्कृत नाटक समीक्षा । इन्द्रपाल सिंह 'इन्द्र' ४-००
- ४०६४ संस्कृत नाटकों में प्राकृतभाषिणी स्त्रियाँ । प्र० रा० जोष १-००
- ४०६५ संस्कृत पठनपाठन की अनुभूत सरलतम विधि । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु १-५०
- *४०६६ संस्कृत भाषा । मूल लेखक-टी० वरो । रूपान्तरकार-
डॉ० भोलाशंकर व्यास । इस ग्रन्थ में अद्यतन गवेषणाओं
को आत्मसात् करते हुए प्राचीनभारत-यूरोपीय भाषा,
संस्कृत तथा तत्संबद्ध भाषाओं का आधिकारिक तुलना-
त्मक अनुशीलन प्रस्तुत किया गया है । ३०-००
- *४०६७ संस्कृत-भाषा-विज्ञानम् । आचार्य रामाधीन चतुर्वेदी
संस्कृत भाषा में लिखा यह अपने विषय का सर्वप्रथम सफल ग्रन्थ है ।
इसमें वेदों से लेकर आज तक के इस सम्बन्ध के जितने भी विषय हैं,
सब पर सुचिन्तित प्रौढ़ सामग्री प्रस्तुत की गई है । ६-००
- ४०६८ संस्कृत महाकवियों के सम्बन्ध में प्रचलित लोकोक्तियाँ :
एक विश्लेषण । आचार्य रामचन्द्र झा १-५०
- ४०६९ संस्कृत वाङ्मय । पं० बलदेव उपाध्याय १-७५
- ४०७० संस्कृत वाङ्मय का संक्षिप्त परिचय । जगदेव सिंह शास्त्री ०-५०
- *४०७१ संस्कृत-वाङ्मय-परिचयः । वेद से लेकर २० वीं सदी तक के
संस्कृत साहित्य के ग्रन्थों का उद्गम, काल, इतिहास, रचयिताओं
के संक्षिप्त इतिवृत्त इस ग्रन्थ में दिये गये हैं । संस्कृत साहित्य में
इस ढंग का यह श्रेष्ठ ग्रन्थ है १-५०
- ४०७२ संस्कृत शब्दशास्त्र का मूल्य वाक्य । जैलेन्द्रनाथ (बंगाक्षर) ५-००
- ४०७३ संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास । डॉ० सत्यनारायण पांडेय ८-००
- ४०७४ संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास । डॉ० रामजी उपाध्याय ८-००
- *४०७५ संस्कृत साहित्य का इतिहास । आर्थर मैकडॉनल । अनुवादक-
श्रीचरुचन्द्र शास्त्री । मैकडॉनल कृत 'हिस्ट्री आफ् संस्कृत
लिटरेचर' का सरस प्रामाणिक हिन्दी अनुवाद । प्रथम भाग ७-५०
द्वितीय भाग यन्त्रस्थ

- *४०७६ संस्कृत साहित्य का इतिहास । (बृहत् संस्करण)
श्रीवाचस्पति शास्त्री गैरोला । आर्यों के आदिदेश एवं आर्य-
भाषाओं के उद्भव से लेकर उन्नीसवीं सदी तक की सहस्रा-
ब्दियों में संस्कृत-साहित्य की जिन विभिन्न विचार-वीथियों
का निर्माण हुआ और भारत के प्राचीन राजवंशों के प्रभय
से संस्कृत भाषा को जो गति मिली उसका भी समावेश इस
विशाल ग्रंथ में देखने को मिलेगा २०—००
- *४०७७ संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । श्रीवाचस्पति शास्त्री
गैरोला । सभी विश्वविद्यालयों के शास्त्री, बी० ए० तथा एम० ए०
परीक्षाओं में स्वीकृत संस्कृत साहित्य के इतिहास का सार
गर्भित परीक्षोपयोगी संक्षिप्त संस्करण १३—००
- *४०७८ संस्कृत साहित्य का इतिहास (वैदिक साहित्य की
रूपरेखा सहित) । श्री हंसराज अग्रवाल । बी० ए० के
छात्रों की आवश्यकता पूर्ण करने वाला और संस्कृत
साहित्य के अध्ययन में उनकी सहायता करनेवाला
अनुपम ग्रंथ । संशोधित परिवर्द्धित संस्करण ७—५०
- ४०७९ संस्कृत साहित्य का इतिहास । पं० बलदेव उपाध्याय १५—००
- ४०८० संस्कृत साहित्य का इतिहास । सेठ कन्हैयालाल पोद्दार ५—००
- ४०८१ संस्कृत साहित्य का इतिहास । बी० बरदाचार्य । अनुवादक—
डा० कपिलदेव द्विवेदी । सजिल्द संस्करण ५—००
- ४०८२ संस्कृत साहित्य का इतिहास । ए० बी० बोथ । अनुवादक :
डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री २५—००
- ४०८३ संस्कृत साहित्य का इतिहास । (प्रश्नोत्तरमें) डॉ० द्वारिकाप्रसाद सक्सेना ४—००
- *४०८४ संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास ।
कृष्ण चैतन्य । अनुवादक, डॉ० विनयकुमार राय । प्रस्तुत ग्रन्थ
कृष्णचैतन्य के मूलग्रन्थ 'A New History of Sanskrit
Literature' का हिन्दी अनुवाद है, लेखक ने इसमें आर-
म्भिकतम सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आरम्भ करते हुए वैदिक साहित्य
से लेकर अब तक के संस्कृत साहित्य की समीक्षा की है । २०—००
- ४०८५ संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास । प्रो० रामविहारी लाल २—५०
- *४०८६ संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्गम एवं विकास । डॉ०
प्रभाकर नारायण कवठेकर । पञ्चतन्त्र के पूर्व भारतीय नीतिकथा
का उद्गम किन परिस्थितियों में हुआ, उसका वेदकालीन रूप क्या
रहा होगा, जातक में लोककथा का आदान, उसके प्रसार के कारण
विदेशों में उसका निर्गमन तथा महाभारत में नीतिकथा का राज-
नीतिक प्रज्ञा के निदर्शन के लिए प्रयोग आदि तथ्यों की गवेषणा
इस प्रबन्ध की मुख्य विशेषता है । परिशिष्टों में सम्पूर्ण विश्व के
नीति-कथा-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । यन्त्रस्थ

- ४०८७ संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास । एस० के० गुप्त ४-५०
- ४०८८ संस्कृत साहित्य की रूपरेखा । चन्द्रशेखर पाण्डेय ६-५५
- ४०८९ संस्कृत साहित्य प्रवेश । गौरी शंकर ०-५०
- *४०९० संस्कृत साहित्य में मौलिकता एवं अनुहरण ।
डॉ० उमेशप्रसाद रस्तोगी । प्रस्तुत प्रबन्ध में 'मौलिकता और अनुहरण' की दृष्टि से संस्कृत साहित्य के विशिष्ट स्थलों का अध्ययन करते हुए संस्कृत काव्य-पाठकों के सम्मुख मौलिकता और अनुहरण विषयक नई वस्तु प्रस्तुत की गई है । भाषा-शैली आदि सभी विषयानुरूप हैं । ८-००
- ४०९१ संस्कृत साहित्य में सादृश्यमूलक अलंकारों का विकास ।
डा० ब्रह्मानन्द शर्मा १२-००
- ४०९२ संस्कृतसाहित्यविमर्शः । द्विजेन्द्रनाथ शास्त्री १६-००
- *४०९३ संस्कृतसाहित्येतिहासः (संस्कृत) आचार्य रामचन्द्र मिश्र
इसमें वेद-वेदांग आदि से लेकर यथाक्रम काव्यकला तथा वैशिष्ट्य विवेचना आदि विषय हैं । अतिविस्तृत विषय को संक्षिप्त करना साधारण छात्रों के लिये कष्टकर होता है अतः संक्षेप में ही विषय का यथार्थ ज्ञान कराया गया है ४-००
- ४०९४ संस्कृतसाहित्येतिहासः (संस्कृत) हंसराज अग्रवाल । १-२ भाग १५-००
- ४०९५ संस्कृत साहित्ये हास्य रस । डॉ० के० बांजीलाल १५-००
- *४०९६ संस्कृत सुकवि समीक्षा । आचार्य बलदेव उपाध्याय
इसमें वाल्मीकि एवं व्यासादि से आरम्भ कर आज तक के संस्कृत के प्रायः सभी महाकवियों एवं कवयित्रियों के जीवनवृत्त एवं उनकी रचनाओं का व्यापक दृष्टिकोण से समीक्षण प्रस्तुत किया गया है । विस्तृत परिशिष्ट में संस्कृत की चमत्कारपूर्ण मार्मिक सदुक्तियों का संकलन भी संलग्न है । शैली एवं कौशल भी उत्तम हैं । छात्रों के लिये अतिशय उपकारक है । अमिनव ग्रन्थ २०-००
- ४०९७ DR. SATIKARI MUKHERJI FELICITATION VOLUME.
In the Press
- ४०९८ सत्यशोधनम् । (गांधी जी की आत्मकथा का सुश्रुत एवं सरल संस्कृत में अनुवाद) अनुवादक—पं० होसकरे नागप्प शास्त्री २५-००
- *४०९९ सब धर्मों की बुनियादी एकता । डॉ० भगवानदास । इस ग्रन्थ में संसार भर के धार्मिक मजहबों और उनके श्रेष्ठ धर्मग्रंथों की बारीक जानकारी देते हुए यह समझाया गया है कि सब धर्मों-मजहबों का उद्देश्य भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण पाना ही है १२-००
- ४१०० समदर्शी आचार्य हरिभद्र । व्याख्याता सुखलाल संघवी । अनुवादक—शान्तिशाल म० जैन ३-००
- ४१०१ समन्वय । डॉ० भगवानदास । परिवर्धित संस्करण ४-००

- *४१०२ सामान्य भाषाविज्ञान । डॉ० बाबू।म सक्सेना ७—००
- *४१०३ सारस्वतालोक : (महाकवि भारवि परिचयात्मक :) १—२५
- *४१०४ सावित्री-सत्यवान् । पं० राजनारायण शुक्ल । भावुकतापूर्ण औप-
न्यासिक कथा-सृष्टिपूर्वक सावित्र्युपाख्यान का परमोपादेय ग्रन्थ २—००
- *४१०५ साहित्य और सिद्धान्त । प्रो० श्यामलकान्त वर्मा । हिन्दी साहित्य
एवं काव्यशास्त्र के सम्पूर्ण ज्ञातव्य विषयों का सारसङ्कलन स्वरूप
यह ग्रन्थ छात्रों, अध्यापकों तथा अनुसन्धित्पुत्रों के लिए परम
उपयोगी है । ३—००
- *४१०६ म० म० पं० सुधाकर द्विवेदी का जीवन एवं कृतियाँ । केदारदत्त जोशी ३—००
- *४१०७ साहित्य-शास्त्र-सार । श्री हंसराज अग्रवाल तथा श्री शुतिकान्त जी ।
संस्कृत के लक्षण-ग्रन्थों की तरह अत्यन्त व्यवस्थित तथा संक्षेप में साहित्य
के सभी अंगों की हिन्दी में प्रागाणिक जानकारी देनेवाला यह प्रथम ग्रन्थ
है । इसकी शैली बड़ी सुबोध है और विषय के वर्गीकरण में बड़े कौशल से
काम लिया गया है । पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका भी एतद्विषयक उत्तम
विचारों से पूर्ण है । ४—५०
- *४१०८ सोमेश्वरकृत-मानसोल्लास : एक सांस्कृतिक-अध्ययन ।
डा० शिवशेखर मिश्र । चालुक्य कुलोत्पन्न महाराजसोमेश्वर
विरचित धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ मानसोल्लास के परिशीलन माध्यम
से तत्कालीन संस्कृति एवं रीतिनीति का सुस्पष्टपरिचायक ग्रन्थ । २५—००
- *४१०९ THE STUDY OF INDIAN ART by K. De B
Codrington. In the Press
- *४११० A STUDY OF HINDU ART AND ARCHITECTURE
WITH ESPECIAL REFERENCE TO TERMINO-
LOGY : By Dr. Lalit Kumar Shukla. In the Press
- *४१११ STUDIES IN JAINISM AND BUDDHISM IN
MITHILA By Dr. Upendra Thakur (Chow. Sans.
Studies Vol. XLIII) 15-00
- *४११२ STUDIES IN THE DEVELOPMENT OF ORNAMENTS
AND JEWELLERY IN PROTOHISTORIC INDIA :
By Dr. Rai Govind Chand. (Chow. Sans. Studies
Vol. XLI) 75-00
- *४११३ स्मृति के हस्ताक्षर । देवदत्त शास्त्री
यह पुस्तक अतिशय रोचक एवं प्रेरक संस्मरणों का संकलन है ।
रोमांचकारी यात्राएँ तथा व्यक्तिगत जीवन में घटी मधुराम्ल-लवण-
कटु-कषाय-तिक्त घटनाएँ नये शिल्प एवं निखरे सौष्ठव के साथ पाठक
को प्रेरणा तथा स्फूर्ति देने के लिये सभी इसमें संगृहीत हैं । ५—००

*४११४ स्मृतियाँ और कृतियाँ । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ।

हिन्दी साहित्य के सुपरिचित सिद्ध लेखक श्री द्विवेदी की प्रस्तुत पुस्तक में १० निबन्ध संस्मरणात्मक हैं तथा १५ समीक्षात्मक । लेखक की सरलता तथा सूक्ष्म दृष्टि पुस्तक के पृष्ठों में सुस्पष्ट झलकती है । प्रत्येक हिन्दी पढ़ने-जानने वाले व्यक्ति के लिये इस पुस्तक का अवलोकन निश्चित ही उपयोगी होगा ।

४-११

*४११५ स्वतन्त्र-कलाशास्त्र । डॉ० श्री कान्तिचन्द्र पाण्डेय ।

प्रथम भाग-भारतीय । व्यापक दृष्टि रखकर कला शब्द पर कितना विशद अध्ययन प्रस्तुत किया जा सकता है यह इस एक ही ग्रन्थ को देखकर समझा जा सकता है । भारतीय मनीषी का प्रौढ़ पाण्डित्य और बहुज्ञत्व इस ग्रन्थ के एक-एक शब्द से परिलक्षित होता है । कला को विचारों की कसौटी में कस देने पर जो ज्ञान की चिनगारियाँ प्रस्फुटित हुई हैं उन्हीं का संकलन ग्रन्थ के रूप में आपके हाथों में है । यह सचमुच अपने विषय का पूरा शास्त्र ही है ।

३५-००

*४११६ हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ । श्री व्यथित हृदय ।

सर्वत्र उच्च कक्षाओं में पाठ्यस्वीकृत हिन्दी के कवियों एवं कविताओं का प्रामाणिक आलोचनात्मक ग्रन्थ

३-५०

४११७ हरिभद्र के प्राकृत कथा-साहित्य का आलोचनात्मक परिशीलन ।

डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री

१०-३०

४११८ हर्षचरित । गौरीशंकर चरजी

७-५०

४११९ हस्तलिखित ग्रन्थसूची । (राजस्थान) सं० गोपालनारायण बहुरा ।

१-२ भाग

१९-५०

४१२० हस्तलेखसंग्रह-परितालिका । (Catalogue of VVRI. Manuscripts Collection) विश्वबन्धु सम्पादित । १-२ भाग

८०-००

४१२१ हस्तलेखसंस्कृतग्रन्थविवरणे न्यायशास्त्र विषयक प्रथम खण्डस्य प्रथमो भागः । विराजमोहन तर्कतीर्थ-जगदीशचन्द्र तर्कतीर्थ संपादित

७-५०

*४१२२ हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्तकाव्य । डॉ० प्रभाकर माचवे । दक्षिण और उत्तर के आरम्भिक भक्तिसाहित्य के साम्य और विभेद पर सामाजिक, ऐतिहासिक तथा साहित्य-शास्त्रविषयक मान्यताओं के परिपार्श्व में प्रामाणिक अध्ययन तथा १२वीं से १५वीं सदी के भारतीय वाङ्मय का एक रेखाचित्र

१२-००

४१२३ हिन्दी का भाषा-वैज्ञानिक अध्ययन । ऋषि गोपाल

६-५०

*४१२४ हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका । डॉ० शम्भुनाथ सिंह ।

आदि काल से लेकर अब तक के हिन्दी काव्य के इतिहास के समाजशास्त्रीय विवेचन, के साथ हिन्दी काव्य की युग-सापेक्षता का ज्ञान जितना इस पुस्तक से हो सकता है, उतना अब तक प्रकाशित अन्य किसी इतिहास-ग्रन्थ से नहीं हो सकता । इसमें हिन्दी साहित्य का प्रारम्भ आठवीं शताब्दी से माना गया है जो लेखक के गम्भीर शोधकार्य का परिणाम है । यह ग्रन्थ हिन्दी साहित्य के अन्वेषकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी है ।

७—५०

*४१२५ हिन्दी के पौराणिक नाटक । डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री । भारतीय पुराणों का प्रभाव, भारतीय भाषाओं में पौराणिक नाटकों की परम्परा का इतिवृत्त और पौराणिक नाटकों का आलोचनात्मक इतिहास

१०—००

*४१२६ हिन्दी के रीतिकालीन अलंकार ग्रन्थों पर संस्कृत का प्रभाव ।

कन्दनलाल जैन

१६—००

*४१२७ हिन्दी में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों में अर्थ-परिवर्तन । डॉ० केशवराम पाल २०—००

*४१२८ हिन्दी साहित्य का इतिहास । रामचन्द्र शुक्ल १०—००

*४१२९ हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । रामकुमारवर्मा ४—००

*४१३० हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ । थि० गोल्डस्ट्रुकर । अनुवादक :

श्रीचारुचन्द्र शास्त्री । वैदिककाल में आर्यों की संस्कृति और सभ्यता तथा आचार-विचारों की समुन्नति और एतद्विषयक ग्रन्थों का हिन्दी में प्रामाणिक विवरण

४—००

*४१३१ हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता । डा० बेनीप्रसाद १०—००

*४१३२ हिन्दू संस्कार । (सामाजिक तथा धार्मिक अभ्ययन) । डॉ० राजबली पाण्डेय (परिवर्द्धित परिष्कृत द्वितीय संस्करण) ।

यह ग्रन्थ हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में महत्त्वपूर्ण देन है । गर्भ में आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्युत्तर संस्कारों के माध्यम से उसके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है । हिन्दुओं की सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं के विविध अंगों के रहस्य इससे स्पष्ट हो जाते हैं ।

१६—००

*४१३३ हिन्दू संस्कृति में राष्ट्रवाद । राधाकुमुद मुकर्जी ३—००

*४१३४ हिन्दू सभ्यता । डा० राधाकुमुद मुकर्जी । अनु० वासुदेवशरण अग्रवाल ९—००

*४१३५ HISTORICAL AND LITERARY INSCRIPTIONS: By Dr. Rajbali Pandeya, M. A., D. Litt. (Chow. Sans. Studies. Vol. XXIII)

15—00

*४१३६ HISTORY OF ANCIENT SANSKRIT LITERATURE :

By F. Max Muller. Third Edition (Chow. Sans. Studies Vol. XV)

25—00

- *४१३७ HISTORY OF INDIAN LITERATURE by Albercht Weber. Translated from the Second German Edition by John Mann. M. A., and Theodor Zachariae Ph. D. (Chow. Sans. Studies Vol. VIII) 25-00
- *४१३८ HISTORY OF MUSLIM RULE IN TIRHUT (1200-1765) by Prof. Radhakrishna Chowdhary. In the Press.
- *४१३९ A HISTORY OF VEDIC LITERATURE by Sri Sambhu Nath Sharma. In the Press
- *४१४० THE HUNAS IN INDIA: By Dr. Upendra Thakur. (Chow. Sans. Studies Vol LVIII) 25-00
- *४१४१ हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र । (सचित्र) अनु०—कस्तूरमल बाँझिया
युगपुरुष कहलाने के अधिकारी आचार्य हेमचन्द्र के जीवन के विषय में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह एक मात्र ग्रन्थ हिन्दी में सर्व प्रथम प्रकाशित हुआ है । इसके अनिरिक्त इस विषय में जर्मन और अँगरेजी प्रतियाँ ही कठिनाता से देखने को मिल सकेंगी । मानव समाज, विशेषतः जैन समाज की आत्मा के कितने निकट रहकर, कितने प्रकार से उसकी सेवा करते हुए उसके हित में उन्होंने अपना जीवन अर्पित कर दिया यह ग्रन्थ पढ़कर ही अंशतः जाना जा सकता है । ऐसे सिद्ध महापुरुष के प्रति समुचित सम्मान प्रकट न करने का ऋण इसे पढ़कर भी दूर किया जाय तो उचित होगा । आज ही खरोदकर पढ़ने योग्य ग्रन्थ है । विविध परिशिष्टों तथा विचारपूर्ण भूमिका, शब्दानुक्रमिका आदि से अलंकृत । [वि. रा. १११] ७-००

दृष्टान्त-ग्रन्थाः

- *४१४२ दृष्टान्तदर्पण अर्थात् दृष्टान्त का सागर । रामलाल पाण्डेय २-५०
- *४१४३ दृष्टान्तदीपक । २-००
- *४१४४ दृष्टान्तप्रकाश । १-२ भाग ५-००
- *४१४५ दृष्टान्तमञ्जरी । २-००
- *४१४६ दृष्टान्तमहासागर । २-५०

ज्योतिष-ग्रन्थाः

- *४१४७ अंगविद्या । गोपेशकुमार ओझा ४-००
- *४१४८ अंगविज्ञा । पुष्पायरियविरचिता [मणुस्सविधिहचेद्वाङ्गिरिकस्वणदारेण । भविस्साङ्गफलणविष्णाणरूपा] मुनिपुण्यविजय सम्पादित २१-००
- *४१४९ अखण्ड त्रिकालज्ञ ज्योतिष (सहायक भृगुसंहितापद्धति) अर्थात् ज्योतिषशास्त्र । भगवानदास मीतल ४-५०
- *४१५० अखण्ड भाग्योदयदर्पण (धनोपार्जन चमत्कार) भगवानदास मीतल ३-००
- *४१५१ अध्यात्मज्योतिषविचार (वेदान्त और योगशास्त्र का ज्योतिषशास्त्र में समन्वय) । ह. ने. काटवे. १०-००
- *४१५२ अयनांशनिर्णयः । केतकर रचित २-००
- *४१५३ अर्धमार्तण्ड । मुकुन्दवल्लभ मिश्र १२-००

४१५४ अर्वाचीनज्योतिर्विज्ञानम् । रमानाथ सहाय विरचित	१३—००
*४१५५ अद्विचलचक्रम् । सान्वय शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित	०—२५
४१५६ आपका हाथ । रेखाओं के फल, राशों के विभिन्न प्रकार, विभिन्न घटनाओं के लिए आशु-गणना की विधियाँ तथा ५२ चित्रों से सुसज्जित	४—५०
४१५७ आर्यभटीयम् । व्याख्योपपत्ति-बलदेव मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित	८—००
४१५८ आर्यभट्टीयम् । नीलकण्ठ सोन सुस्वन प्रणीत भाष्य सहित । तृतीय भाग मात्र	३—२५
४१५९ आर्याससतिः । भट्टोत्पलाचार्य विरचित । आशुबोधिनी व्याख्या सहित	०—५०
४१६० आर्याससतिः । भट्टोत्पल प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	०—३१
४१६१ आशुबोधज्योतिष ।	०—३७
४१६२ आश्चर्यसंहिता । (भृगुसंहिता की कड़ी) मैकूलाल शुक्ल	४—००
४१६३ उपपत्तीन्द्रशेखरः । (शिरोमणिपरिष्कार)	१०—००
४१६४ एक दिन में ज्योतिषी । १-२ भाग	२—००
४१६५ करणकौस्तुभः । कृष्णदेवज्ञ विरचित	०—७५
*४१६६ करणप्रकाशः । श्रीब्रह्मदेव विरचित	३—००
४१६७ करणोत्तम ।	२—२५
४१६८ करलक्खण (सामुद्रिक शास्त्र) हिन्दी अनुवाद सहित	०—७५
४१६९ कर्मविपाकः । हिन्दी टीका सहित	४—००
४१७० कादम्बिनी । मधुमदनशर्मा ओझा विरचित । हिन्दी अनुवाद सहित	६—००
४१७१ कुट्टाकारशिरोमणिः । देवराजविरचित । महालक्ष्मीसुक्तावली व्याख्या सहित	१—००
४१७२ कुण्डलीदर्पण । हिन्दी । अनुपमिश्र विरचित	१—५०
४१७३ केतकी-ग्रहगणितम् । केतकर विरचित	१५—००
४१७४ केरलप्रश्नसंग्रहः । हिन्दी टीका सहित	०—५२
४१७५ केरलीयप्रश्नरत्नम् । हिन्दी टीका सहित	१—२०
४१७६ केवलज्ञानप्रश्नचूडामणिः । हिन्दी टीका सहित	४—००
४१७७ केशवीयजातकपद्धतिः । सोदाहरण सोपपत्तिक हिन्दी टीका सहित	२—८०
४१७८ खण्डखाद्यक । ब्रह्मगुप्ताचार्य प्रणीत । सटीक	३—१२
*४१७९ खेटकौतुकम् । भावबोधिनी हिन्दी टीका सहित	०—२५
४१८० गणकतरंगिणी । श्रीसुधाकर द्विवेदी कृत	२—००
४१८१ गणित का इतिहास । डा० ब्रजमोहन	९—५०
४१८२ गणित का इतिहास । सुधाकर द्विवेदी कृत	३—००
*४१८३ गणितकौमुदी-संपूर्ण (वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय तथा विहार की नवीन प्रथमा परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत)	यन्त्रस्थ
*४१८४ गणितकौमुदी । प्रथम भाग । समाप्त	१—५०
४१८५ गणितकौमुदी । नारायण पण्डित विरचित । १-२ भाग (संस्कृत)	४—१२
४१८६ गणित चमत्कार । रा० र० ग्वाडिलकर	४—००
*४१८७ गणितीयकोष (गणितीय परिभाषा तथा गणितीय शब्दावली) [The Technical Language of Mathe- matics & Mathematical Terminology]	
डॉ० ब्रजमोहन एम० ए०, एल० एल० बी०, पी-एच० डी०	६—००

४१८८ गणितसार-संग्रह । महावीराचार्य विरचित । हिन्दी अनुवाद सहित	१२-००
४१८९ गर्गमनोरमा । सोदाहरण हिन्दी टीका सहित	०-२०
४१९० गुरुविचार । इ० ने० काटवे । अनुवादक विद्याधर जोहरापुरकर	२-५०
४१९१ गृहनिर्माणव्यवस्था । हिन्दी टीका सहित	०-६१
४१९२ गृहस्तम्भभूषण-नूतनवास्तु प्रबंध ।	०-८०
४१९३ गोलदीपिका । परमेश्वर रचित । आंग्लानुवाद सहित	५-००
*४१९४ गोलपरिभाषा । शङ्कज्याक्षेत्रविचारसहिता । तत्त्वप्रकाशिका- विवृतिविभूषिता	०-५०
४१९५ गोलप्रकाशः । चन्द्रशेखरज्ञा विरचित	१-५२
४१९६ गोलीय रेखागणित । सटीक	१-२५
४१९७ गौरी जातक । हिन्दी टीका सहित	०-३०
४१९८ ग्रह और रत्न, ग्रह और रोग । आर० एस० एस० । भाषा	२-००
४१९९ ग्रहगणित । केनकर (मराठी)	८-००
४२०० ग्रहगणित मीमांसा । सुरारिलाल शर्मा विरचित	५-५०
*४२०१ ग्रहगोचरः । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित	०-२५
४२०२ ग्रहचारनियन्धः । अंग्रेजी भूमिका युक्त	१-२५
४२०३ ग्रहणन्यायदीपिका । परमेश्वरविरचिता । आंग्लानुवाद सहित	६-००
४२०४ ग्रहणमण्डनम् । परमेश्वरविरचितम् । आंग्लानुवाद सहित	५-००
४२०५ ग्रहनक्षत्र । त्रिवेणीप्रसाद सिंह विरचित	४-२५
४२०६ ग्रहनक्षत्र । डॉ० सम्पूर्णानन्द	१५-२५
४२०७ ग्रहफलदर्पण । सीताराम झा । हिन्दी टीका सहित	१-५०
*४२०८ ग्रहलाघवम् । विश्वनाथकृत प्राचीन सोदाहरण व्याख्या तथा नूतन उदाहरण उपपत्ति सहित 'माधुरी' नामक संस्कृत हिन्दी टीका विभूषित	३-५०
४२०९ ग्रहलाघवकरणम् । मल्लारि-विश्वनाथी-सुधाकरी व्याख्या सहित	६-००
४२१० ग्रहलाघवसारणी	२-१०
४२११ ग्रहसारणी-बुधसारणी । हरिहर प्रा० भट्ट	२-२५
४२१२ ग्रहसारणी-शुक्रसारणी । हरिहर प्रा० भट्ट	२-२५
४२१३ चन्द्रविचार । इ० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर	२-००
४२१४ चन्द्रसारणी । डा० गोरखप्रसाद । हिन्दी	२-५०
४२१५ चन्द्रहस्तविज्ञान । चन्द्रदत्त पंत	२०-००
*४२१६ चमत्कारचिन्तामणिः । सान्वय-आबबोधिनी हिन्दी टीका सहित	०-७५
४२१७ चमत्कार ज्यौतिष मूकगुप्त प्रश्नावली । रतीराम शर्मा शास्त्री	२-००
४२१८ चमत्कार निर्णय । (मराठी)	४-००
४२१९ चलनकलन । सुधाकर द्विवेदी कृत । १-६ अध्याय	२-४८
*४२२० चलन कलन-प्रश्नोत्तर-विवरणम् । ज्योतिषाचार्य-श्री अच्युतानन्द मा विरचित	०-७५
४२२१ चलाशिकलन । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित । द्वितीय भाग मात्र	१-७५
*४२२२ चापीयत्रिकोणगणितम् । अच्युतानन्दमा कृत परीक्षोपयुक्त- विविध-वासना-समलंकृत	समाप्त

४२२३ जन्मकुण्डली के बेल बूटेदार पत्र । प्रतिपत्र	०—०६
*४२२४ जन्मपत्रदीपकः । सोदाहरण सटिप्पण हिन्दी टीका सहित	१—५०
४२२५ जन्मपत्रव्यवस्था । हिन्दी टीका सहित	१—२४
४२२६ जन्मग-नक्षत्र-दीपिका । प्र० भाग । श्री लक्ष्मीनारायणत्रिपाठी कृत	१—५०
४२२७ जयपायड निमित्तशास्त्र । पूर्वाचार्य विरचित । संस्कृत व्याख्या सहित	६—६०
४२२८ जातककल्पतरु-ज्योतिषभागोपदेशिका । (गुजराती)	५—५०
४२२९ जातकक्रोड ।	१—५०
४२३० जातकचन्द्रिका । हिन्दी टीका सहित	१—५०
४२३१ जातकदीपक । प्रथम भाग । बालमुकुन्द त्रिपाठी	१२—५०
४२३२ जातकपद्धत्युदाहरणम् । कृष्णदैवज्ञ विरचित	१०—००
*४२३३ जातकपारिजातः (सचित्रः) सोपपत्तिक-‘सुधाशालिनी’ ‘विमला’संस्कृत-हिन्दीटीकाद्वयोपेतः । अभिनव द्वितीय सुलभ संस्करण १०—०० उत्तम संस्करण १२—००	
४२३४ जातकशिरोमणिः । हिन्दीटीका सहित	४—२०
४२३५ जातकसारदीपः । नृसिंहदैवज्ञ विरचित । दुर्घटार्थ विवृति व्याख्यायुत	१४—००
*४२३६ जातकाभरणम् । पं० श्री अच्युतानन्द मा ज्योतिषाचार्य कृत सपरिशिष्ट विमला हिन्दी टीका सहित	४—००
*४२३७ जातकालंकार । दैवज्ञ श्री हरभानु कृत संस्कृत टीकायुत सान्ध्य ‘भावबोधिनी’ हिन्दी टीका सहित । परिष्कृत संस्करण	१—००
४२३८ जैमिनीयपद्यामृतम् । मूल कन्दली वृत्ति सहित	१—५०
*४२३९ जैमिनीयसूत्रम् । पं० अच्युतानन्द मा ज्योतिषाचार्य कृत सोदाहरण-विमला-संस्कृतहिन्दीटीकाद्वयोपेत	२—००
४२४० ज्ञानचतुर्विंश । नरचन्द्रोपाध्याय विरचिता	१—५०
४२४१ ज्योतिर्गणितम् । केतकर विरचित	३०—००
४२४२ ज्योतिर्विज्ञानम् । धूलिपाल अर्क सोमयाजी विरचित	९—००
४२४३ ज्योतिर्विज्ञान (ब्रह्माण्डपरिचय) भास्करानन्द लोहनो	१—५०
४२४४ ज्योतिष और आधुनिक विचारधारा ।	३—००
४२४५ ज्योतिषकल्पद्रुम । हिन्दी	३—१२
४२४६ ज्योतिषकल्पसार । सं० उपाध्याय । प्रथम भाग	१—५०
४२४७ ज्योतिष की पहुँच । फ्रेड हॉयल । अनुवादक-डॉ० गोरखप्रसाद	१०—००
४२४८ ज्योतिष गणित फलित ज्ञान । अज्ञातमल मेहता । हिन्दी	३—५०
४२४९ ज्योतिषचन्द्रार्कः । संस्कृत टीका सहित	३—७४
४२५० ज्योतिषचन्द्रिका । पं० रेवतीरमण झा कृत हिन्दी टीका सहित	२—७५
४२५१ ज्योतिषचन्द्रिका । गंगाप्रसाद कृत हिन्दी टीका सहित	१—००
४२५२ ज्योतिष जगत् ।	२—५०
४२५३ ज्योतिषतत्त्वविवेकनिबन्धः । हिन्दी टीका सहित	३—००
४२५४ ज्योतिषदर्पणः । अवकहडाचक्र सहित सोदाहरण हिन्दी टीका सहित	२—००
४२५५ ज्योतिषदर्शन (गुजराती) डा० चन्द्रशेखर गोपालजी ठक्कर	५—५०
४२५६ ज्योतिष परिचय । चन्द्रशेखर गोपाल जी ठक्कर (गुजराती)	३—००

*४२५७ ज्योतिषप्रबोध । यात्राप्रकरणान्त भाग । पं० गणेशदत्त पाठक कृत	०—४०
*४२५८ ज्योतिष-प्रश्नफल-गणना । (ज्योतिषचक्रम्-राशिचक्रम्) 'विमला'	
हिन्दी व्याख्योपेत । श्री दयाशंकर उपाध्याय	१—००
४२५९ ज्योतिष फल ज्ञानप्रवेश । अजीतमल मेहता	३—२५
४२६० ज्योतिषरत्नमाला । श्रीपति भट्ट कृत । मराठी टीका सहित	१२—००
४२६१ ज्योतिषरत्नाकर । देवकीनन्दन सिंह कृत । प्रथम भाग	१२—००
४२६२ ज्योतिषविज्ञान । विशुद्धानन्द गौड़	६—००
४२६३ ज्योतिषविज्ञान । (गुजराती) डा० चन्द्रशेखर गोपालजी ठक्कर	२—००
४२६४ ज्योतिषवेदाङ्गम् । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित	२—५०
४२६५ ज्योतिष शब्दकोश । मुकुन्द ग्रन्थनामाचावली सहित । मुकुन्द दैवज्ञ	
बडधवाल विरचित	१०—२५
४२६६ ज्योतिषशास्त्र सोपान ।	२—००
४२६७ ज्योतिषश्यामसंग्रहः । हिन्दी टीका सहित	७—२०
४२६८ ज्योतिषसंग्रह । परशदेाल (हिन्दी)	२—००
४२६९ ज्योतिषसर्वसङ्ग्रहः । हिन्दी टीका सहित	२—५०
*४२७० ज्योतिषसिद्धान्तसंग्रहः । तत्र सोमसिद्धान्तः ब्रह्मसिद्धान्तः	
पितामहसिद्धान्तः वृद्धवशिष्ठसिद्धान्तश्च	६—००
४२७१ ज्योतिस्तत्त्वः । मुकुन्द दैवज्ञ बडधवाल विरचित । चक्रधरजोशी कृत	
हिन्दीटीका-उदाहरण सहित । १-२ भाग	५०—००
४२७२ ठोसज्यामिति । डा० ब्रजमोहन	१—५०
४२७३ ठोस ज्यामिति की कुंजी । डॉ० ब्रजमोहन	१—५०
४२७४ ठोस रेखागणित । कमलमोहन	२—००
४२७५ तन्त्रसङ्ग्रहः । गार्ग्य केरल नीलकण्ठ सोमसुत्व विरचित । सव्याख्या	३—२५
*४२७६ ताजिकनीलकण्ठी । 'जलदगर्जना' संस्कृतटीकया 'गूढग्रन्थिमोचनी'	
वासनया 'उदाहरणचन्द्रिका' हिन्दी टीकया च सहिता ।	
सम्पादक-ज्यो० आ० पं० गंगाधरमिश्र । परिष्कृत संस्करण	४—५०
*४२७७ तिथिचिन्तामणिः । श्रीमन्नरेशदैवज्ञप्रणीतः । विजयलक्ष्मी नाम्नी	
हिन्दी टीका उदाहरण सहित	०—५०
४२७८ तेजी मन्दी विचार । हिन्दी	१—५०
४२७९ तेजीमन्दीसार । (व्यापार रुख) रतीराम शर्मा शास्त्री	२—००
४२८० त्रिकालज्ञ ज्योतिष अर्थात् ज्योतिष का गुरु । रामानन्द सरस्वती	६—००
४२८१ त्रिकोणमिति । राजेन्द्र स्वरूप गुप्त	६ ००
४२८२ त्रिकोणमिति । शुक्रदेव पाण्डेय । हिन्दी	६—००
४२८३ त्रैलोक्य प्रकाशः । हेमप्रमसूरि विरचित । हिन्दी टीका सहित	१५—००
४२८४ दशाफल दर्पण । मूल संस्कृत	४—००
४२८५ दशाफलदर्पण । चन्द्रशेखर गोपाल जी ठक्कर (गुजराती)	३—००
४२८६ दशाफलविचार । संक्षिप्त गोचर फल विचार सहित । सीताराम मिश्र	१—८७
४२८७ दशामञ्जरी । हिन्दी टीका सहित	१—००
*४२८८ दीपिका-शुद्धि दीपिका । हिन्दी टीका सहित	४—२०

४२८९ दृक्सिद्धपञ्चाङ्गनिर्माणपद्धतिः । गणपतिदेव विरचित	६—००
४२९० दृगणितम् । परमेश्वर कृत । के० वी० शर्मा संपादित	५—००
४२९१ देवकेरलम् ! (चन्द्रकलानाडी) अच्युत प्रणीत । १-३ जिल्द	२३—७५
४२९२ देवज्ञकरूपद्रुमः । पं० गङ्गाराम राजज्योतिषी कृत हिन्दी टीका सहित	४—००
*४२९३ देवज्ञकामधेनुः । म० म० अनवमर्शी संघराजवरेण सङ्कलिता	समाप्त
४२९४ देवज्ञचक्षुः । हिन्दी टीका सहित	१—०२
४२९५ देवज्ञाभरणम् ।	६—२५
४२९६ द्वात्रिंशद्योगावलीताजिक । हिन्दी टीका सहित	०—१२
४२९७ द्विरागमन दृष्टशोधन ।	०—२५
*४२९८ धराचक्रः । सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित	०—३५
४२९९ धराभ्रमम् । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित । सन्याख्या	०—५२
४३०० नक्षत्रविज्ञान (मराठी) केतकर रचित	४—००
*४३०१ नरपतिजयचर्या । श्री गणेशदत्त पाठक कृत 'सुबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित इस शोधपूर्ण संस्करण की व्याख्या में समस्त मतमतान्तरों का युक्ति प्रमाणों द्वारा जो निराकरण किया गया है वह अभूतपूर्व है	यन्त्रस्थ
४४०२ नरपतिजयचर्या । स्वरोदय जयलक्ष्मी व्याख्या सहित	५—१०
४३०३ नवतारिका । प्रोफेसर ईश (हिन्दी)	३—५०
४३०४ नष्टजन्माङ्गदीपिका पञ्चाङ्गदीपिका ।	०—३६
*४३०५ नारदीयसंहिता । नारदमुनिप्रोक्त	समाप्त
*४३०६ नाहिदत्तपञ्चविंशतिका ।	०—०५
४३०७ न्यायिक ज्यामिति । १-२ भाग । डा० ब्रजमोहन । हिन्दी	५—००
४३०८ नेपच्युन । वरुण । हिन्दी	०—५०
४३०९ पञ्चस्वराः । सुबोधिनी टीका सहित	१—७५
४३१० पञ्चाङ्ग परिचय । श्रीनाथ शाह । भाषा	२—००
४३११ पञ्चाङ्गमञ्जूषा । हिन्दी टीका सहित	०—७५
*४३१२ पञ्चाङ्गविज्ञानम् । सरल हिन्दी टीका सहित	०—५०
४३१३ पत्नीमार्गप्रदीपिका । वर्षदीपक । हिन्दी टीका सहित	३—६०
*४३१४ पद्मकोषः । भावबोधिनी सरल हिन्दी टीका विभूषित	०—४०
*४३१५ परबलयक्षेत्रम् । श्रीमुरलीधरठकुरकृतम् । प्रश्नपत्रसहितम्	०—५०
४३१६ पलभागखण्डनम् । रंगनाथ भट्ट विरचित । मं० मीठालाल ओझा	४—००
४३१७ पौर्वात्यपाश्चात्यसामुद्रिकज्ञान । लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी	०—६२
४३१८ प्रतिभावोधकम् । श्रीगङ्गाधरमिश्रकृत टीका सहित	०—७२
४३१९ प्रश्नकौमुदी ।	०—२५
४३२० प्रश्नचण्डेश्वरः । हिन्दी टीका सहित	१—५०
४३२१ प्रश्नज्ञानप्रदीपः । हिन्दी टीका सहित	१—८०
*४३२२ प्रश्नभूषणम् । 'विमला' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीकोपेत	०—७५
४३२३ प्रश्नमार्ग । पूर्वार्ध	४—५०

- *४३२४ प्रश्नवैष्णवः । श्रीमन्नारायणदाससिद्ध विरचित ०—५०
- *४३२५ प्रश्नचूडामणिः—ध्वजादिप्रभगणनाश्च ०—२५
- *४३२६ प्रस्तारचक्रम् । श्रीशिवप्रणीत । कमला हिन्दी टीका सहित ०—१५
- ४३२७ प्रारम्भिक कलन । डा० ब्रजमोहन । हिन्दी ३—५०
- ४३२८ फलदीपिका । मन्त्रेश्वर कृत ८—००
- ४३२९ फलित और आप । आनन्द स्वरूप अग्रवाल । भाषा १—००
- ४३३० फलित के अन्ध विश्वास । शान्तप्रकाश सत्यदास २—५०
- ४३३१ फलितप्रकाश । ३—००
- ४३३२ फलितसङ्ग्रहः । रामयलओझा विरचित । हिन्दी टीका सहित १—००
- ४३३३ बालबोधज्योतिषम् । हिन्दी टीका सहित २—००
- ४३३४ बालबोधज्योतिषसार । हिन्दी टीका सहित १—५०
- *४३३५ बीजगणितम् । श्रीजीवनाथदैवज्ञविरचित 'सुबोधिनी' संस्कृतटीका तथा नूतन उपपत्ति—उदाहरण परिशिष्ट 'विमला' नामक अभिनव हिन्दी टीका युक्त । संपादक—श्रीअच्युतानन्द झा ज्योतिषाचार्य ८—००
- ४३३६ बीजगणितम् । बीजनवाङ्मुरा व्याख्या सहित ३—००
- ४३३७ बीजपञ्चवम् । (बीजगणित व्याख्या) कृष्णगणक विरचित ३—५०
- *४३३८ बीजवासना (सोपपत्तिक बीजगणित) । ज्यौतिषाचार्य-पण्डित श्री गङ्गाधरमिश्रेण सङ्गृहीता ०—७५
- ४३३९ बुधविचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर २—००
- *४३४० बृहज्जातकम् । पं० अच्युतानन्द झा ज्यौतिषाचार्य कृत उदाहरण-उपपत्ति 'विमला' हिन्दी टीका विभूषित ३—५०
- *४३४१ बृहज्ज्योतिषसारः । हिन्दी टीका, विशेष विवरण, विविध प्रकार के चक्र, सारणी आदि से सुसज्जित फलित का अभिनव ग्रन्थ । सम्पादक—दैवज्ञवाचस्पति श्री वासुदेव गुप्त ४—५०
- ४३४२ बृहत्पाराशरहोरा । पूर्वार्द्ध मूलमात्र । उत्तरार्द्ध संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । बम्बई १४—४०
- *४३४३ बृहत्संहिता । पं० श्री अच्युतानन्द झा कृत नवीनोदाहरणो-पपत्तियुक्त—'विमला' हिन्दी टीका सहित ६—००
- *४३४४ बृहत्-होडाचक्रविवरणम् । हिन्दी टीका सहित । सम्पादक-ज्यौतिषाचार्य—पण्डित श्री मुरलीधर ठक्कुर ०—५०
- ४३४५ बृहद्यवनजातकः । हिन्दी टीका सहित ३—००
- ४३४६ बृहद्वास्तुमाला । रामनिहोर द्विवेदी कृत । हिन्दी टीका सहित ३—००
- ४३४७ बृहद् विमान शास्त्र । भरद्वाज प्रणीत । स्वामी ब्रह्ममुनि परिव्राजक कृत हिन्दी टीका सहित १५—००
- ४३४८ ब्रह्मसिद्धान्त । मधुसूदन ओझा विरचित । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी कृत व्याख्या सहित १२—००
- ४३४९ ब्रह्मस्फुटसिद्धान्तः । ब्रह्मगुप्ताचार्य विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका-वासना-विज्ञान भाष्य सोपपत्ति सहित । १-४ भाग २६०—००

४३५० भङ्गीविभङ्गीकरणम् । रङ्गनाथ भट्ट विरचित	२—००
४३५१ भद्रबाहुसंहिता ।	५—७५
४३५२ भद्रबाहुसंहिता । हिन्दी टीका सहित	८—००
४३५३ भविष्यफलभास्करः । हिन्दी टीका सहित	४—२०
४३५४ भविष्यवाणीसञ्चय । चन्द्रनाथ सैन्धव	१—००
४३५५ भाव्यरहस्य ।	१—५०
४३५६ भाभ्रमबोधः ।	०—७२
४३५७ भाभ्रम-रेखानिरूपणम् । फूलकुमार शर्मा प्रणीत	०—५०
४३५८ भारतीय कुण्डली विज्ञान । हिन्दी ।	४—५०
४३५९ भारतीयज्योतिष । नेमिचन्द्र शास्त्री कृत । हिन्दी	८—००
४३६० भारतीय ज्योतिष । शंकर बालकृष्ण दीक्षित । शिवनाथ झारखण्डी अनुवादित	८—००
४३६१ भारतीय ज्योतिष का इतिहास । डा० गोरखप्रसाद	४—००
४३६२ भार्गवनाडिका ।	६—००
४३६३ भावकुतूहलम् । सान्वय हिन्दी टीका सहित	३—००
*४३६४ भावप्रकाशः । जीवनाथ दैवज्ञ प्रणीत । पं० पुष्पलाल झा ज्योतिषाचार्य कृत भावबोधिनी हिन्दी व्याख्या, विशेष विवरणादि सहित । शोधपूर्ण द्वितीय संस्करण	१—२५
*४३६५ भावफलाध्यायः (लोमशोक्त-भृगुसंहितोक्त-युगमसंस्करण) सुबोधिनी-विमला हिन्दी टीका विभूषित	०—५०
४३६६ भुवनदीपकः । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	०—९०
४३६७ भूमण्डलीयसूर्यग्रहगणितम् । केतकर रचित	८—००
४३६८ भृगुसंहिता । कुण्डलीखण्ड ९-५० फलितखण्ड ११-०० जातकप्रकरण १-५० तात्कालिक भृगुप्रश्न १-५० प्रत्यक्षमूकप्रश्न १-०० नष्टजन्मांगदीपिका १-०० सर्वादिष्टनिवारणखण्ड ५-०० राजखण्ड ८-०० सन्तानउपायखण्ड ५-०० नरपतिजयचर्याखण्ड १-५० स्त्रीफलितखण्ड ५-००, १-११ खण्ड ५०-००	
४३६९ भृगुसंहिता पद्धति । भगवानदास मीतल	१०-००
४३७० भृगुसूत्र । हिन्दी टीका सहित	०-९०
४३७१ मङ्गलविचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर	२-५०
४३७२ मणित्यताजिकम् । रामप्रसाद भट्ट शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित । १-२० पृष्ठ ३-००	
४३७३ मनुष्य का हाथ । सचित्र । बलदेव प्रसाद शुक्ल	३-५०
४३७४ महाभास्करीयम् । भास्कराचार्य प्रणीत । परमेश्वर प्रणीत कर्मदीपिका व्याख्या सहित	२-००
४३७५ महाभास्करीयम् । गोविन्दभाष्य तथा परमेश्वर कृत व्याख्या सहित	११-००
*४३७६ महासिद्धान्तः । आर्यभट्टकृत । सुधाकरद्विवेदीटीकासहित	६-८०
*४३७७ मानसागरी । 'सुबोधिनी' हिन्दी व्याख्या, उपपत्ति, विशेष विवरणादि सहित । संपादक—मधुकान्त झा	८-००
४३७८ मायावर्ग । डा० ब्रजमोहन । हिन्दी	२-००
४३७९ मीमांसुकण्ठाभरणम् । हिन्दी टीका सहित	०-३७
४३८० मुकुन्दपद्धतिः ।	०-७५

- ४३८१ मुहूर्तकल्पद्रुमः । विट्ठल दीक्षित विरचित ०—४५
- *४३८२ मुहूर्तचिन्तामणिः । पीयूषधारा व्याख्या सहित । पण्डित श्रीअनूप-
मिश्रकृत नवीनगणितविषयोपपत्ति 'युक्तिमञ्जरी' टिप्पणी सहित ५—००
- *४३८३ मुहूर्तचिन्तामणिः । मणिप्रभा टीका (पीयूषधारा तथा प्रमिताक्षरा
के अपेक्षित अंशों से परिपूर्ण मणिप्रभा विस्तृत-हिन्दीटीका
वक्तव्य (नोट्स) सहित) पं० कपिलेश्वर शास्त्रि संपादित ३—५०
- ४३८४ मुहूर्तदीपक । सं० बालमुकुन्द त्रिपाठी ४—५०
- ४३८५ मुहूर्तप्रकाश । हिन्दी टीका सहित ८—४०
- ४३८६ मुहूर्तभास्कर । करुणानिधि शर्मा २—००
- ४३८७ मुहूर्तमञ्जरी । हिन्दी टीका सहित ०—७२
- *४३८८ मुहूर्तमार्तण्डः । सान्ख्य-मार्तण्डप्रकाशिका-व्याख्योपपत्ति-
हिन्दी उदाहरण विभूषित ३—००
- *४३८९ मुहूर्तमार्तण्डः । मार्तण्डवल्लभ संस्कृत व्याख्या सहित ०—५०
- ४३९० मुहूर्तसंग्रहदर्पण । हिन्दी टीका सहित ४—२०
- ४३९१ मेलोपकन्यवस्था । गणनाविचार । हिन्दी टीका सहित ०—२४
- ४३९२ यन्त्रराज । (यन्त्र शिरोमणि) महेन्द्र विरचित । सन्याख्या २—००
- ४३९३ यन्त्रराजरचना । जयसिंहदेव कृत । संपादक—केदारनाथ ज्योतिर्विद् १—७५
- ४३९४ योग-विचार । ह० ने० काटवे । अनु०-ल० दा० नवरे । प्रथम भाग १—००
- *४३९५ योगिनीजातकम् । सोदाहरण 'विमला' हिन्दी टीका सहित ०—५०
- *४३९६ रत्नगर्भाचक्रम् । हरिप्रिया हिन्दीटीकोदाहरण संवलित ०—२०
- ४३९७ रत्नदीपिका । (रत्नों, उपरत्नों का विवेचन) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी १—२५
- ४३९८ रत्नदीपिकारत्नशास्त्रं । चण्डेश्वर-बुधभट्टाभ्यां विनिर्मितम् २—२५
- ४३९९ रत्नधातु विज्ञान । वद्रीनारायण शर्मा ४—००
- ४४०० रत्नपरीक्षा (स्मृतिसारोद्धारान्तर्गता-ईश्वरदीक्षिताया च) । सुब्रह्मण्य शास्त्रि
सम्पादित १—००
- ४४०१ रत्नपरीक्षादि-सप्त-ग्रन्थसंग्रह । ठक्कुर-फेरू विरचित ९—२५
- ४४०२ रत्नविज्ञान । पुरुषोत्तमदास स्वामी १५—००
- *४४०३ रत्नविज्ञान (Gemology) । डॉ० राधाकृष्ण पाराशर ।
प्रत्येक रत्न-उपरत्न के असली, नकली की पहिचान और उसकी ज्योतिष
शास्त्रानुसार एवं प्राच्य-पाश्चात्य चिकित्सात्मक उपयोग का विवेचन
करने वाला प्रथमोपस्थित स्वतन्त्र प्रामाणिक ग्रन्थ । यन्त्रस्थ १—२५
- ४४०४ रत्नाभरणम् । कन्हैयालाल शर्मा प्रणीत ०—६२
- ४४०५ रत्नोद्योतः । हिन्दी टीका सहित ४—८०
- ४४०६ रमलगुलजार । हिन्दी ८—२५
- ४४०७ रमल ज्योतिष । गोविन्दराम शर्मा ४—००
- ४४०८ रमलदिवाकर की कुंजी । २—००
- *४४०९ रमलनवरत्नम् । 'विमला' हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—
श्री अच्युतानन्दभा ज्योतिषाचार्य २—००

४४१० रमलमार्तण्ड । हिन्दी	०—७२
४४११ रमलरहस्य ।	१०—८०
४४१२ रमलकाक्ष (रमल प्रदीपिका)	२—५०
४४१३ रविविचार । ह० ने० काटवे । विद्याधर जोहरापुरकर अनुवादित	२—००
४४१४ रविसिद्धान्तमञ्जरी । मथुरानाथ शर्मा विरचित	०—७५
४४१५ राशिगोलस्फुटानीतिः । अच्युत विरचित	२—५०
४४१६ राहु-केतु-ग्रहण विचार । ह०ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर	३—५०
*४४१७ रेखागणितम् । एकादश-द्वादशाध्यायौ	०—७५
*४४१८ रेखागणित-पञ्चाध्याय-परिभाषारूप-पञ्चमाध्याय-सहितः । सम्पादक-ज्यौ० आ० पं० श्री मुरलीधरठक्कुर	०—४०
४४१९ लग्नचन्द्रिका । हिन्दी टीका सहित	२—५०
४४२० लग्नप्रदीपः । हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग	०—३२
*४४२१ लग्नरत्नाकरः (बृहत्सप्तमजातकम्) शिशुबोधिनी हिन्दीटीका सहित	०—४०
*४४२२ लग्नवाराही । बराहमिहिराचार्यकृता । तत्त्वप्रकाशिका हिन्दीटीकासहित	०—२०
४४२३ लग्नविवेक । वासुदेव गुप्त	०—२५
४४२४ लग्नसारणीसमुच्चयः । चिमनलाल शर्मा ज्योतिषी कृत	२—००
४४२५ लघुजातक । गुजराती अनुवाद सहित	१—५०
४४२६ लघुपाराशरी भाष्य । कालचक्र दशा सहित । सान्वय हिन्दी टीका सहित । भाषाकार दीवान रामचन्द्र कपूर	८—००
*४४२७ लघुपाराशरी-मध्यपाराशरी । सोदाहरण-सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीकाद्वय सहित	१—२५
४४२८ लघुभास्करीयः । भास्कराचार्य विरचित । परमेश्वर प्रणीत व्याख्या सहित	२—००
४४२९ लघुभास्करीयम् । भास्कराचार्य विरचित । शङ्करनारायण कुन विवरण सहित	१—७०
४४३० लघुमानसम् । मुआलाचार्य विरचित । परमेश्वर व्याख्या सहित	०—७५
४४३१ लघुसङ्ग्रह । हिन्दी टीका सहित	२—५०
*४४३२ लीलावती । नवीन वैज्ञानिक 'तत्त्वप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, उपपत्ति, उदाहरण, परिशिष्ट सहित । व्याख्याकार श्री लघनलाल झा	४—००
४४३३ लीलावतीः । बुद्धिविलासिनी लीलावती विवरण व्याख्या सहित १-२ भाग	४—७५
४४३४ लीलावती । दामोदर मिश्र कृत वासना सहित	१४—००
४४३५ लीलावती विवरण । (व्यक्तवासना)	२—१०
४४३६ लोहगोलखण्डनं । रङ्गनाथदैवज्ञ विरचित तथा लोहगोलसमर्थनं । गदाधर दैवज्ञ विरचित । मीठालाल-हिम्मताराम ओझा संपादित	२—००
४४३७ वक्रातीचारनिर्णयः । सीतारामझा	०—२४
४४३८ वटेश्वरसिद्धान्तः । वटेश्वराचार्य विरचित । संस्कृत-हिन्दी-विज्ञान-भाष्योपपत्ति सहित	३०—००, ४०—००
*४४३९ वनमाला । दैवज्ञ श्री जीवनाथम्ता विरचित । सान्वय 'अमृतधारा' हिन्दी टीका सहित	०—७५

४४४०	वरवधूनचित्रमेलापक । पण्डित श्रीनिवास शास्त्री	४-००
४४४१	वर्ष-चन्द्र-प्रकाश । चन्द्रदत्त पन्त	१-००
४४४२	वर्षदीपकपत्रीमार्गप्रदीपिका । हिन्दी टीका सहित	३-००
४४४३	वर्षपद्धति । मूलमात्र	२-००
४४४४	वर्षप्रबोध अर्थात् मेघ महोदय । हिन्दी टीका सहित	३-००
४४४५	वर्षभास्करः । जन्मपत्र-वर्षपत्र बनाने का ग्रन्थ । हिन्दी टीका सहित	२-००
*४४४६	वसिष्ठसिद्धान्तः । ब्रह्मपुत्रमहर्षिवसिष्ठ विरचित	०-१५
४४४७	वाक्यकरणम् । सुन्दरराज कृष्ण लघुप्रकाशिका संस्कृत व्याख्या सहित	१३-५०
४४४८	वाशिष्ठसंहिता । वृद्धवशिष्ठ विरचित	४-२०
*४४४९	वास्तवचन्द्रशृङ्गोन्नतिसाधनम् । संस्कृतटीका सहित	१-२५
*४४५०	वास्तवविचित्रप्रभास्सभङ्गाः । श्री सुधाकर द्विवेदी विरचित	०-१५
४४५१	वास्तुप्रतिष्ठासंग्रहः ।	३-००
४४५२	वास्तुप्रबन्ध-पिंडदर्पण (गृहरत्न भूषण) हिन्दी टीका सहित	०-८०
४४५३	वास्तुमाणिक्यरत्नाकरः । रामतेज पाण्डेय	४-००
*४४५४	वास्तुरत्नाकरः (अहिबलचक्र सहित) । ज्योतिषाचार्य पण्डित श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी कृत हिन्दी टीका सहित	४-००
*४४५५	वास्तुरत्नावली । सोदाहरण-सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीका सहित	२-५०
*४४५६	वित्रिभलभ्रमणम् । श्रीजगदीश शर्मा विरचित	०-१५
*४४५७	वित्रिभाङ्गायनविवेकः । श्री बुद्धिनाथ झा विरचित	०-३५
४४५८	विमण्डलचक्रविचारः । दयानाथ झा विरचित	२-००
४४५९	विमर्शामृतम् (ज्योतिस्सिद्धान्त-मन्त्रशास्त्र वेदान्तशास्त्रीय-विषय-विमर्श-रूपम्) परिपूर्ण प्रकाशानन्द भारती विरचित	५-००
४४६०	विवाहपटल ।	०-५०
४४६१	विवाहवृन्दावनम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	२-४८
४४६२	विश्वकर्मप्रकाशः । हिन्दी टीका सहित	३-००, ४-००
४४६३	विश्वकर्माप्रकाश । रामअवतार वीर	७-५०
४४६४	विश्व के भाग्यवानों की कुण्डलियाँ । भगवानदास मीतल	४-००
४४६५	विश्वहितम् । मथुरानाथ शर्मा विरचित	१-५०
*४४६६	वीरसिंहावलोकः (Astro-Medical Science) । राजा वीरसिंह तोमर । अनुवादक-डॉ० राधाकृष्ण पाराशर । प्रत्येक रोग का ज्योतिष, कर्मकाण्ड और आयुर्वेद के अनुसार एवं कारण चिकित्सा विषयक अनुपम और अनूठा बेजोड़ प्रामाणिक ग्रन्थ शीघ्र प्राप्त होगा	
४४६७	वेदाङ्गज्योतिषम् । आर० शामशास्त्रि विरचित दीपिका व्याख्या आंग्लभाषानुवाद सहित	१-५०
४४६८	वेदों में ज्योतिष का समन्वयात्मक अध्ययन । केदारदत्त जोशी	१-२५
४४६९	वैजयन्तिपंचांगगणितम् । केतकर रचित	५-००
४४७०	वैदिक ज्योतिष शास्त्र । प्रियरत्न आर्य	१-७५
४४७१	व्यवहाररत्नम् । हिन्दी टीका सहित	०-८०
४४७२	व्यापार अर्धमार्तण्ड । रतीराम शास्त्री	१०-००
४४७३	व्यापार चमत्कार (तेजी मन्दी सहा) रतीराम शास्त्री	५-००

४४७४ व्यापाररत्न (तेजीमंदी का अनुपम ग्रन्थ) हरदेवशर्मा त्रिवेदी	८—००
*४४७५ व्यावहारिक ज्योतिष तत्त्व । पं० लक्ष्मणलाल झा	
सरल सुबोध 'तत्त्वप्रभा' हिन्दी व्याख्या, विशेष विवरण, विविध प्रकार के विषय-बोधक चक्र, सारिणी आदि से सुसज्जित फलित ज्योतिष का अभिनव व्यावहारिक मौलिक ग्रन्थ	ग्रन्थस्थ
४४७६ शनिविचार । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जोहरापुरकर	२—५०
४४७७ शम्भुहोराप्रकाशः । हिन्दी टीका सहित	५—४०
४४७८ शरीरसर्वाङ्गलक्षण (मनुष्य के अङ्ग-प्रत्यङ्ग व गुप्तान्गों का फलादेश हस्तरेखा सहित) भगवानदास मीतल	१—५०
*४४७९ शिवजातकः । अखिल ब्रह्माण्डनायक श्री शिवनिर्मित । शिशु- तोषिणी नाम्नी हिन्दी टीका सहित	०—२०
*४४८० शिशुबोधः । सान्वय-विमला हिन्दी टीका बृहत् परिशिष्ट सहित	०—६५
*४४८१ शीघ्रबोधः । पं० अनूपमिश्र कृत 'सरल' हिन्दी टीका सहित	१—००
४४८२ शुक्रविचार । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जोहरापुरकर	२—५०
४४८३ श्रीपति पद्धति । आंग्लानुवाद सहित	४—५०
*४४८४ षट्पञ्चाशिका । श्रीमद्भट्टोत्पलकृत संस्कृत टीका युक्त 'विभा' नामक हिन्दी टीका सहित	०—४५
४४८५ समरसारः । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	२—१०
४४८६ समरसारः । वासुदेवगुप्त कृत सोदाहरण हिन्दी टीका सहित	१—२५
४४८७ सम्राट् सिद्धान्तः सिद्धान्तसारकौस्तुभ । जगन्नाथ विरचित । १-२ भाग	१६०—००
४४८८ सरल ज्योतिर्विज्ञान । विशालमणि उपाध्याय संग्रहीत	१—५०
*४४८९ सरलत्रिकोणमितिः । म० म० पं० श्री बापूदेव शास्त्री सङ्कलित म० म० पं० मुरलीधरशर्मकृत टिप्पणी सहित	समाप्त
*४४९० सरलरेखागणितम् । ज्योतिषाचार्य पं० श्रीविन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी कृत । १-२ अध्याय	१—००
४४९१ सर्वसंग्रह । दीननाथ विरचित । हिन्दी टीका सहित	५—४०
४४९२ सर्वार्थचिन्तामणिः । हिन्दी टीका सहित	७—२०
४४९३ सामुद्रिककुञ्जिका । कालिकाप्रसाद विरचित । हिन्दी टीका सहित	२—००
४४९४ सामुद्रिकज्योतिष ।	३—५०
४४९५ सामुद्रिकदर्पण । कालिकाप्रसाद विरचित । हिन्दी	१—००
४४९६ सामुद्रिक-दीपिका (हिन्दी) पौर्वात्य पाश्चात्य पद्धतियों का तुलनात्मक विवेचन । लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी । १-३ भाग	११—६२
४४९७ सामुद्रिकरहस्यम् । हिन्दी टीका सहित	४—००
४४९८ सामुद्रिकशास्त्रम् । राधाकृष्णमिश्र कृत सान्वय हिन्दी टीका सहित	३—६०
४४९९ सामुद्रिकशास्त्रम् (ज्योतिषविज्ञान)	४—००
४५०० सामुद्रिकसोपान । कालिकाप्रसाद विरचित	०—३४
*४५०१ सारावली । हिन्दी टीका सहित । कागजी जिल्द ८-०० कापड़ी जिल्द	९—००

- *४५०२ सिद्धान्ततत्त्वविवेकः । कमलाकरभट्टविरचितः । श्री सुधाकर द्विवेदी
तथा म० म० श्री मुरलीधरम्भाकृत टिप्पणी सहित १२-५३
- ४५०३ सिद्धान्ततत्त्वालोक । ०-११
- ४५०४ सिद्धान्तदर्पणम् । गार्ग्य केरल नीलकण्ठ विरचित २-५५
- *४५०५ सिद्धान्तशिरोमणिः । भास्कराचार्य विरचित वासनाभाष्यसहित ।
म० म० श्री बापूदेवशास्त्रिकृत टिप्पणी विभूषित । सम्पूर्ण यन्त्र
- *४५०६ सिद्धान्तशिरोमणिः । नवीन-वैज्ञानिक उपपत्ति सहित 'प्रभा'
नामक वासना समलङ्कृत । टीकाकार-पं० श्री मुरलीधर
ठक्कुर ज्योतिषाचार्य । स्पष्टाधिकारान्त प्रथम भाग ५-०३
- ४५०७ सिद्धान्त शिरोमणिः । मध्यमाधिकारान्त । वासना भाष्य सहित ।
केरारनाथ जोशी कृत दीपिका-शिखा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ५-०१
- ४५०८ सिद्धान्त शिरोमणिः । वासना भाष्यमरीचि भाष्य-दीपिका-शिखा
संस्कृत हिन्दी टीका सहित स्पष्टाधिकार-त्रिप्रश्नाधिकारात्मक । २०-०१
- ग्रहगणिताध्याय । २०-०१
- ४५०९ सिद्धान्तशिरोमणिः । ग्रहगणिताध्याय । वासनाभाष्यशिरोमणि प्रकाश,
व्याख्या सहित । १-२ भाग ६-५५
- ४५१० सिद्धान्तशिरोमणिः । गोलाध्याय । वासना भाष्य मरीचि व्याख्या
सहित । द्वितीय भाग मात्र ५-०१
- ४५११ सिद्धान्तशेखरः । श्रीपति विरचित । सव्याख्या । द्वितीय भाग मात्र १५-०१
- ४५१२ सिद्धान्तसार्वभौमः । मुनीश्वर विरचित । द्वितीय भाग मात्र २-०१
- ४५१३ सिंहलताजिकोक्ताः षोडशयोगाः-प्रश्नसारः । नृसिंह दैवज्ञ विरचित २-०१
- ४५१४ सुगमज्योतिष प्रवेशिका । गोपेशकुमार ओझा ६-०१
- ४५१५ सूर्यग्रहणम् । डॉ० कृष्णचन्द्र द्विवेदी विरचित १२-०१
- ४५१६ सूर्यसारिणी । डा० गोरखप्रसाद । हिन्दी २-५१
- *४५१७ सूर्यसिद्धान्तः । ज्योतिषाचार्य श्रीकपिलेश्वरशास्त्रिकृत तत्त्वामृत
भाष्य उपपत्ति-टिप्पणी सहित ४-००
- ४५१८ सौरार्यब्राह्मतिथिगणितम् । केतकर विरचित ४-००
- ४५१९ स्त्रीजातकः । हिन्दी टीका सहित १-८०, ३-००
- ४५२० स्त्रीप्रशंसा । भट्टोत्पल प्रणीत टीका सहित १-००
- ४५२१ हस्तपरीक्षा । (हिन्दी पामिस्ट्री) ६-५०
- ४५२२ हस्तरेखा विज्ञान । हरगोविन्द द्विवेदी ३-५०
- ४५२३ हस्तरेखाविज्ञान । राजेन्द्र शर्मा १-५०
- ४५२४ हस्तरेखाविज्ञान । शरीर-लक्षण सहित । गोपेशकुमार ओझा १२-००
- ४५२५ हस्तसंजीवन । ३-००
- ४५२६ हस्तसामुद्रिक । सचित्र । हिन्दी ६-००, ८-२५
- ४५२७ हस्त सामुद्रिक ज्ञान । अजीतमल मेहता । भाषा २-००
- ४५२८ हस्त सामुद्रिक शास्त्र । बालभट्ट मालवीय २-५०
- ४५२९ हायनबोधः । हिन्दी टीका सहित ०-५२
- ४५३० हायनरत्नम् । मूलमात्र ४-२०

४५३१ हिन्दूगणित शास्त्र का इतिहास । अङ्क-सङ्केत और अङ्कगणित । विभूति- भूषणदत्त-अवधेशनारायण सिंह । अनुवादक—कृपाशंकर शुक्ल	३—००
४५३२ होराभिप्रायनिर्णयः ।	२—२५
४५३३ होराशास्त्रम् । वराहमिहिरकृत । अपूर्वार्थ प्रदर्शिका संस्कृतव्याख्यासहित	२५—००
४५३४ होराशास्त्रम् । वराहमिहिर कृत । रुद्र विरचित विवरण सहित	५—५०

छन्दःशास्त्र-ग्रन्थाः

४५३५ कवि-दर्पण । अज्ञानकर्तृक वृत्तिसहित	६—००
४५३६ गुजरातीपिङ्गलनवीदृष्टि । रामनारायण विश्वनाथपाठक विरचित (गुजराती)	१—३८
*४५३७ छन्दःकौमुदी । (चतुर्थ संस्करण) नवीन प्रथमपरीक्षापाठ्य निर्धारित	०—४०
४५३८ छन्दःचन्द्रिका । प्रथमा के विद्यार्थियों के लिए छन्द की उत्तम पुस्तक	०—१२
४५३९ छन्दःशास्त्रम् । पिङ्गलाचार्य विरचित । हलायुध प्रणीत व्याख्या युत	३—५०
*४५४० छन्दस्सारः । हिन्दी टीका प्रश्नपत्र उदाहरण सहित (प्रथम परीक्षा पाठ्यनिर्धारित छन्दःसंग्रह पुस्तक)	०—१५
४५४१ छन्दोनुशासन ।	१४—४०
*४५४२ छन्दोमञ्जरी । 'प्रभा'—'रुचिरा' संस्कृत हिन्दी टीका सहित	२—००
*४५४३ छन्दोविंशतिका । विमला हिन्दी टीका सहित	०—२५
३५४४ जगद्विजयछन्दः ।	३—२५
४५४५ जनाश्रयी । जनाश्रयप्रणीत	१—१२
४५४६ जयदामन् । जयदेव छन्द—जयकीर्तिछन्दोनुशासन—केदारवृत्तरत्नाकर हेमचन्द्र छन्दोनुशासन । बेलङ्कर सम्पादित	१०—००
४५४७ जानाश्रयीछन्दोविचितिः ।	२—७५
४५४८ नेमिरंगरत्नाकर छन्द । कवि लावण्यसमय कृत	६—००
*४५४९ पिङ्गलछन्दःसूत्रं (वैदिकछन्दः प्रकरणान्त) हलायुधवृत्तियुत— सटिप्पण—कादम्बिनी हिन्दी टीका सहित	समाप्त
४५५० प्राकृतपैंगलम् । संस्कृत व्याख्यात्रयोपेत । हिन्दी टीका सहित । सं०-डॉ० भोलाशङ्कर व्यास । १-२ भाग	३१—००
*४५५१ वाग्वल्लभः । पं० दुःखभञ्जनकविकृतः । महामहोपाध्याय कविचक्रवर्ति पं० देवीप्रसादकृत वरवर्णिनी नामक टीकासहित	५—००
४५५२ वाणीभूषणम् । दामोदरमिश्र विरचित	०—७५
४५५३ वृत्तजातिसमुच्चय । विरहाङ्क कृत । सव्याख्या	५—२५
४५५४ वृत्तमुक्तावली । श्रीकृष्ण भट्ट कृत	३—७५
४५५५ वृत्तमौक्तिकम् । भट्ट चन्द्रशेखर विरचित । भट्ट लक्ष्मीनाथ कृत वास्तिक दुष्करोद्धार-मेघविजयगणि कृत दुर्गमबोध व्याख्या सहित	१८—२५
*४५५६ वृत्तरत्नाकरः । भट्टनारायणभट्टी (नारायणी) व्याख्या विस्तृत उदाहरण टिप्पणी 'मणिमयी' हिन्दी टीका विभूषित	३—००
*४५५७ वृत्तरत्नाकरः । मूल श्लोक तथा मणिमयी हिन्दी टीका सहित	०—५०
४५५८ वृत्तरत्नाकरः । पञ्चिका व्याख्या सहित	२—००

- ४५५९ वृत्तरत्नावली । वेङ्कटेशकृत । संस्कृत व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ४-००
- ४५६० वृत्तिवार्तिकम् । रामपाणिवाद कृत १-५०
- *४५६१ श्रुतबोधः । प्रथमपरीक्षोपयोगी विमला नामक सान्न्ध्य-संस्कृत हिन्दी व्याख्या समास-व्याकरण-उदाहरणादि सहित समग्र
- *४५६२ श्रुतबोधः । श्रीसीतारामम्ना कृत आशुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या तथा संक्षिप्त छन्दोगणितादि सहित समग्र
- *४५६३ श्रुतबोधः । (अष्टीलांश वर्जित) प्रथम परीक्षोपयोगी विमला नामक संस्कृत व्याख्या, सोदाहरण हिन्दी टीका सहित (छात्रोपयोगी संस्करण) ०-३५
- ४५६४ समाख्यरत्नमञ्जूषा २-००
- ४५६५ स्वयम्भू छन्द । स्वयम्भू कृत । सम्पादक एच० डी० वेलणकर ७-५०
- काव्य-ग्रन्थाः**
- ४५६६ अच्युतरायाम्युदयः । राजनाथडिण्डिम विरचित । आर० बी० कृष्णमाचारियरप्रणीत व्याख्यासहित । ७-१२ सर्ग ५-००
- ४५६७ अच्युतशतकम् । सव्याख्या ०-३१
- ४५६८ अधरशतकम् । नीलकण्ठ विरचित १-५०
- ४५६९ अन्योक्तिसाहस्री । बदरीनाथ झा ०-५०
- ४५७० अन्योक्त्यष्टकसंग्रहः । सन्दब्ध विरचित २-००
- ४५७१ अब्दुल्लाचरित । लक्ष्मीपति विरचित १-००
- *४५७२ अभिनन्दनग्रन्थः सत्यनारायण शास्त्री । (सचित्र) प्रत्येक विषय पर महामनीषियों के मर्मस्पर्शी विचारों से परिपूर्ण ग्रन्थरत्न १५-००
- ४५७३ अभिलेखसंग्रहः । बहादुरचन्द छावड़ा सम्पादित ७-५०, ८-५०
- ४५७४ अमरमण्डनम् । कृष्णसूरिविरचित ३-००
- *४५७५ अमरुशतकम् । अमरुक कवि विरचित । अर्जुनवर्म देव प्रणीत रसिक सञ्जीविनी संस्कृत टीका—श्री प्रद्युम्न पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित ३-५०
- ४५७६ अमरुशतकम् । वेमभूपालकृत शृङ्गारदीपिका व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ६-२५
- ४५७७ अमरुशतकम् । कमलेशदत्त त्रिपाठी कृत पद्यानुवाद सहित (सचित्र) १०-००
- ४५७८ अमरुशतकलीला । बाक्कन्वे प्रणीत ७-००
- ४५७९ अम्बिकालापः । १-१५
- ४५८० अर्पण । डा० सर्वानन्द पाठक । इस पुस्तक में काव्य सम्बन्धी हास्य, शृङ्गार, करुण आदि विविध रसभक्तियोग, विवेकानन्द, शंकराचार्य, बालयोगिनी, कुण्डलिनीयोग, अन्तर्लोक आदि रोचक विषयों का सम्मिश्रण हुआ है १-५०
- ४५८१ अवन्तिसुन्दरीकथासार । जी० हरिहर शास्त्री सम्पादित ३-७५
- ४५८२ आधुनिक संस्कृत काव्य । १-५०
- ४५८३ आर्याशतकम् । अप्पयदीक्षित विरचित । सव्याख्या १-२५

- *४५८४ आर्यासप्तशती । पर्वतीय श्रीविश्वेश्वर पण्डित विरचित ।
ग्रन्थकर्तृकृत व्याख्या संवलित ६—८०
- *४५८५ हिन्दी आर्यासप्तशती । गोवर्धनाचार्य विरचित ।
व्याख्याकार—पं० रमाकान्त त्रिपाठी । प्रस्तुत ग्रन्थ संस्कृत
में अकारादि क्रम से रचा गया अनेकविध शृङ्गार तथा नीति
सूक्तियों का भण्डार है जिसे अन्वय मुख सरलसंस्कृत-हिन्दी
व्याख्याओं और विमर्श के साथ प्रकाशित किया गया है । १०—००
- ४५८६ आर्योदयकाव्य । १-२ भाग । हिन्दी टीका सहित ३—००
- ४५८७ आशीर्वादशतक । वज्रेश्वर कवि विरचित ०—२५
- ४५८८ आश्लेषाशतकम् । नारायण पण्डित प्रणीत ०—३०
- ४५८९ इन्द्रजित्काव्यम् । रघुनाथदेव विरचित १—००
- ४५९० इन्द्रप्रस्थप्रबन्ध । अज्ञातकर्तृक २—२५
- ४५९१ ईशोपनिषत्काव्यम् । मेधाव्रत प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ०—३७
- ४५९२ ईश्वरविलासमहाकाव्यम् । कुणभट्ट विरचित ११—५०
- ४५९३ उषानिरुद्धम् । रामपाणिवादकृत । सम्पूर्ण ९—००
- ४५९४ उषानिरुद्धम् । रामपाणिवादकृत । १-२ सर्ग मात्र २—५०
- *४५९५ ऋतम्भरा । सं०—डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय । विश्व के
प्रमुख मनीषियों के उपदेशों का सारभूत संग्रह । (यह
पुस्तक गोरखपुर युनिवर्सिटी के अनिवार्य पाठ्यक्रम में है) ०—२५
- *४५९६ ऋतुसंहारः । प्रभा हिन्दी टीका सहित ०—४०
- ४५९७ ऐहोलशिलालेख । कविकीर्ति जैन । व्याख्याकार : प्रो०
उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' । भूमिका-हिन्दी अनुवाद सहित ०—६०
- *४५९८ औचित्यविचारचर्चा । महाकवि क्षेमेन्द्र कृत । 'प्रभा' संस्कृत-हिन्दी
व्याख्या सहित । सम्पादक-आचार्य ब्रजमोहन शर्मा ४—००
- *४५९९ औचित्यविचारचर्चा-कविकण्ठाभरण-सुवृत्ततिलकम् ।
क्षेमेन्द्रकृत सटिप्पण यन्त्रस्थ
- ४६०० कंसवहो । रामपाणिवाद कृत । आंग्लानुवाद सहित ५—००
- ४६०१ कटाक्षशतकम् । मूककवि विरचित ०—२५
- ४६०२ कथाकोषप्रकरण । जिनेश्वरसूरिकृत । प्राकृत १२—५०
- ४६०३ कथासरित्सागरः । सोमदेव भट्ट विरचित । केदारनाथ शर्मा सारस्वत
कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग २२—५०
- ४६०४ कण्ठिणाभ्युदयं महाकाव्यम् । काश्मीर भट्ट श्री शिवस्वामिकृत ।
गौरीशङ्कर सम्पादित ७५—००
- ४६०५ कल्पलता । श्री पं० रामप्रसाद शास्त्री । श्रीरसिक विहारी जोशीकृत
'रसिकबोधिनी' संस्कृत व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित । १०—००
- ४६०६ कल्याणमञ्जरी । (पुराणेभ्यः सङ्कलितः अनेकदिव्यकल्याणप्रति-
पादकः ग्रन्थः) ६—०८
- ४६०७ कविकण्ठाभरण । क्षेमेन्द्र कृत । हिन्दी टीका सहित २—००

- ४६०८ कविकर्पटिका । वादीन्द्रकवि विरचित ०-३१
- ४६०९ कविकल्पद्रुमः । बोपदेव विरचित ६-५१
- ४६१० कविरहस्यम् । डा० गङ्गानाथशा कृत । हिन्दी २-००
- ४६११ कामायनी । (संस्कृत) मूल हिन्दी लेखक महाकवि जयशङ्कर प्रसाद ।
संस्कृत अनुवादक-पं० भगवानन्द शास्त्री । प्रथमखण्डः सर्ग १-३ १-५०
- ४६१२ कार्तवीर्यविजयप्रबन्धः । रामवर्मप्रणीत संपूर्ण ५-००
- ४६१३ कालवधकाव्यम् । कृष्णलालाशुक् मुनि प्रणीत ०-३०
- ४६१४ कालिदास के काव्य । अनुवादक रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री १-१५
- *४६१५ कालिदास ग्रन्थावली । आचार्य रामचन्द्र मिश्र १२-००
- आचार्य शेषराज शास्त्री आदि काव्य साहित्य मर्मज्ञ विद्वानों के सम्पादकत्व में महाकवि कालिदास के सम्पूर्ण काव्य तथा नाटकों का एक साथ मूल और विषयानुसार ललित भाषानुवाद एवं पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका, समीक्षा, शोधलेख आदि बहुमूल्य साहित्यिक सामग्री से सम्पूरित सर्वोत्तम संस्करण । शीघ्र प्राप्त होगा
- *४६१६ काव्य-कदम्ब । सम्पादक-श्रीभुवनेश्वर प्रसाद पाण्डेय । इस पुस्तक में वीरकाव्य, निर्गुणकाव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य, रीतिकाव्य नीतिकाव्य, छायावाद और नवचेतना के अग्रदूत : इन आठ स्तम्भों में रोचक हिन्दी कविताओं का संकलन किया गया है २-५०
- ४६१७ काव्य-कलिका । सम्पादक-प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' । १. बुद्धदेव की निर्वाण-प्राप्ति का वर्णन करने वाला 'निरंजना' नामक हिन्दी खण्ड काव्य, २. भारविद्वक्त किरातार्जुनीय प्रथम सर्ग मूल के साथ हिन्दी-पद्यानुवाद तथा ३. नेहरू की रूस-यात्रा पर लिखे गये संस्कृत काव्य 'शान्तिविजयम्' का प्रथम सर्ग १-००
- ४६१८ काव्यडाकिनी । गङ्गानन्द कवीन्द्र विरचित ०-६६
- *४६१९ काव्यप्रबन्धः । (काव्यपदार्थविवृति-कविसमयादिनिरूपणात्मक)
शास्त्री, आचार्य तथा संस्कृत लेकर बी० ए०, एम० ए० परीक्षा देनेवाले छात्रोंके लिए अत्युत्तम निबन्ध ग्रन्थ १-५०
- *४६२० काव्यमञ्जूषा । रत्नावलीगद्यकाव्य-कामकन्दलनाटक-
श्रीकालिकामन्दाक्रान्ताशतक-धर्माधिकारिवंशवर्णन-
श्रीरेणुकास्तोत्र आदि ग्रन्थरत्नों का संग्रह ३-००
- ४६२१ काव्यमनोरमा । (शतकम्) अम्बास्तवन समेत १-५०
- ४६२२ काव्यमालागुच्छक । चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ, द्वादश तथा चतुर्दश
गुच्छक प्रत्येक गुच्छक २-००
- ४६२३ काव्यविवेचन । (गुजरातीभाषा) डोलरराय रंगीलदास मांकड संपादित ३-५०
- ४६२४ किङ्किणीमाला । महालिङ्गशास्त्री कृत २-००
- *४६२५ किरातार्जुनीयम् । सान्वय-घण्टापथ-परीक्षोपयोगि-
सुधा संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेत १-२ सर्ग १-२५
१-३ सर्ग २-००

- *४६२६ किरातार्जुनीयम् । आगरा विश्वविद्यालय पाठ्य स्वीकृत । (तृतीय सर्ग) सान्वय—घण्टापथ परीक्षोपयोगि सुधा संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, सान्वय-समास-विग्रह-व्याकरण-वाच्यपरिवर्तन-भावार्थ-सुविशद भूमिकादि सहित १—००
- *४६२७ किरातार्जुनीयम् । विश्वविद्यालय पाठ्य स्वीकृत १३ वाँ सर्ग । सान्वय संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समास, व्याकरण, कोश, हिन्दी पद्य, भावार्थ आदि सहित । व्याख्याकार-श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय १-२५
- *४६२८ किरातार्जुनीयम् । 'घण्टापथ' 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । केवल १-५ सर्ग १—५०, संपूर्ण ४—००
- ४६२९ कीर्तिकौमुदी । सोमेश्वर देव कृत । सुकृत संकीर्तन । अरिसिंह ठक्कुर कृत ६—६०
- ४६३० कुट्टनीमतकाव्य । दामोदरगुप्त विरचित । मूलमात्र ३—००
- ४६३१ कुट्टनीमतकाव्यम् । जगन्नाथ पाठक कृत हिन्दी टीका सहित ७—५०
- ४६३२ कुट्टनीमतम् । (शम्भुलमतकाव्यं) दामोदर गुप्त विरचित । हिन्दी टीका सहित ६—००
- *४६३३ कुमारसम्भवः । सान्वय-पुंसवनी व्याख्या-व्युत्पत्ति-भावार्थ-हिन्दी भाषार्थ-भाषापद्य-प्रस्तावनादि सहित । १-७ सर्ग ५—००
- *४६३४ कुमारसम्भवः । पुंसवनीव्याख्या उपर्युक्त सर्वविषयों से युक्त १-४ सर्ग २-५० प्रथम सर्ग १—००, षष्ठ सर्ग १—०० १-५ सर्ग ३—५०
- *४६३५ कुमारसम्भवः । प्रथम और पञ्चम सर्ग पुंसवनी नामक संस्कृत-हिन्दी व्याख्या नोट्स विस्तृत समालोचनात्मक प्रस्तावनादि सहित । सम्पादक-पं० कान्तानाथ शास्त्री तेलङ्ग एम० ए० २—००
- *४६३६ कुमारसम्भवः । केवल पंचम सर्ग । उपर्युक्त सर्वविषयों से युक्त १—००
- *४६३७ कुमारसंभवः । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पूर्ण व्याख्याकार-श्री प्रद्युम्न पाण्डेय कालिदास की इस कृति में मूल के साथ सुन्दर चलती भाषा में व्यवस्थित अनुवाद दिया गया है तथा आरम्भ में कवि एवं काव्य की विस्तृत समीक्षा भी दी गई है । ३—००
- ४६३८ कुमारसंभवः । डॉ० सूर्यकान्त सम्पादित १०—००
- ४६३९ कुमारसंभवः । अम्बिल् बेंकट गोपालदास कृत व्याख्या सहित । १-३ सर्ग १—२५
- ४६४० कुरलकाव्य । एलाचार्यकृत तामिल भाषा का संस्कृत श्लोक-हिन्दी गद्य-पद्य सहित १०—००
- ४७४१ कृष्णकर्णामृतम् । मूलमात्र ०—७२, १—१२
- ४६४२ कृष्णगीतिः । मोमनाथ विरचित १—७५
- ४६४३ कृष्णलीलातरङ्गिणी । १—६२
- *४६४४ कृष्णस्य शान्तिप्रयासः । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्याद्वयोपेतः । महाभारत युद्ध के पूर्व शान्तिस्थापन के लिये भगवान् श्रीकृष्ण ने क्या क्या प्रयास किए, यही कथानक इस पुस्तक में वर्णित है १—५०

- ४६४५ कोशावतंसः । राघवकवि विरचित २-१०
- *४६४६ चेमेन्द्र कृत औचित्यविचारचर्चा । संस्कृत-हिन्दी-व्याख्या सहित । सम्पादक—आचार्य ब्रजमोहन शर्मा ४-००
- ४६४७ चेमेन्द्र लघुकाव्यसंग्रहः । डॉ० आर्येन्द्रशर्मा सम्पादित १५-००
- ४६४८ गउडवहो । बाकपति विरचित । प्राकृत काव्य ५-५०
- ४६४९ गङ्गातरङ्गिणी । मान्तिट्ट शास्त्रशर्म कुञ्चनम्पूतिरि विरचित सव्याख्या ४-००
- ४६५० गंगासागरीयम् । विष्णुदत्त शुक्ल विरचित ५-००
- *४६५१ हिन्दी गाथासप्तशती । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—श्रीनर्मदेश्वर चतुर्वेदी । पारिवारिक जीवन की तीव्र अनुभूतियों की झँकी के साथ नायक-नायिकादि की चेष्टाओं एवं मनोभावों का विशद विवरण ५-००
- ४६५२ गाथासप्तशती । डा० परमानन्द शास्त्री कृत टीका सहित २०-००
- *४६५३ हिन्दी गाथासप्तशती । (बृहत् संस्करण) व्याख्याकार—साहित्याचार्य जगन्नाथ पाठक । प्राकृत भाषा की इस श्रेष्ठतम काव्यकृति में प्राचीन भारतीय संस्कृति तथा ग्राम्य जीवन की अनूठी झँकियाँ हैं । अलंकार-शास्त्र का तो यह बीज ही है । संस्कृतव्याख्या, विषयानुकूल भाषा में हिन्दी अनुवाद, व्याख्यात्मक विवेचन, विस्तृत भूमिका, सुविशद परिशिष्ट आदि प्रमुख विशेषताओं के कारण अपने विषय का यह संस्करण सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित हो रहा है । शीघ्र प्रकाशित होगा
- ४६५४ गाथासप्तशती । सातवाहन विरचित । मराठी टीका सहित २५-००
- *४६५५ गीतगोविन्दकाव्यम् । महाकवि-श्रीजयदेव विरचितम् । 'इन्दु' नामक हिन्दी भाषा टीका विस्तृत भूमिका सहित १-००
- ४६५६ गीतगोविन्दकाव्यम् । जयदेव विरचित । मानाङ्क व्याख्या सहित ८-००
- ४६५७ गीतगोविन्द-अभिनय सहित २-००
- ४६५८ गीतसुन्दरम् । सदाशिव दीक्षित विरचित । १-२ भाग ०-३२
- ४६५९ गीताञ्जलिः । पुछेल श्रीरामचन्द्रदुडु विरचित ४-००
- ४६६० गुरुकुलशतकम् । मेधाव्रत कृत । हिन्दी टीका सहित ०-५०
- ४६६१ गुरुनाथपरामर्शः । मधुराज योगि विरचित ०-५०
- ४६६२ गुरुवंशकाव्यम् । लक्ष्मणशास्त्री प्रणीत । भावबोधिनी व्याख्या सहित १-७५
- १-७ सर्ग
- ४६६३ गुरुवंशकाव्यम् । मूलमात्र । १-१९ सर्ग । सम्पूर्ण ३-००
- ४६६४ गुरुस्तवमाला । लक्ष्मणसूरि विरचित ०-३७
- ४६६५ गुर्जररासावली । ठाकोर-देसाई-मोदी सम्पादित २२-००
- ४६६६ गोदवर्मयशोभूषण । अरुणगिरि विरचित ०-७०
- ४६६७ गोपिकोन्मादः । ०-६०

४६६८ गोपीचन्द्रेर गान । डॉ० दिनेशचन्द्रसेन-विश्वेश्वर भट्टाचार्य-वसन्तरञ्जनराय	सम्पादित (बंगाक्षर)	१०—००
४६६९ गौराङ्गविजय । (बंगाक्षर) सुकुमार सेन सम्पादित		६—००
४६७० ग्रामज्योतिः । क्षमाराव		१—५०
४६७१ घटकपर्पकाव्यम् । जे० बी० चौधरी प्रणीत संस्कृत व्याख्या आंग्ल भाषानुवाद नोट्स आदि सहित		३—००
४६७२ चक्रपाणिविजयमहाकाव्यम् । भट्ट लक्ष्मीधर विरचित		३—५०
४६७३ चतुरंग चातुरी । अम्बिकादत्त व्यास प्रणीत	दुष्प्राप्य	१०—००
*४६७४ चन्द्रप्रभचरितम् । (तृतीय सर्ग) श्रीवीरनन्दिविरचित । परीक्षो-पयोगी 'सुधा' सुविस्तृत हिन्दी टीका भूमिकादि सहित		०—४५
४६७५ चन्द्रप्रभचरित । वीरनन्दि विरचित		२—५०
*४६७६ चारुचर्या । महाकवि श्री क्षेमेन्द्र विरचित मूल श्लोक तथा 'प्रकाश' हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकार-श्री देवदत्त शास्त्री		१—००
४६७७ चीमनीचरितम् । नीलकण्ठ विरचित		५—८०
४६७८ चौरपञ्चाशिका । विरहण कवि कृत । आंग्लानुवाद सहित		५—००
४६७९ जंबूद्वीव-पण्णसि संग्रहो । पउमणंदिकओ । हिन्दी टीका सहित		१६—००
४६८० जवाहरजीवनम् । रामशरण शास्त्री विरचित । हिन्दी टीका सहित		७—००
४६८१ जागरणम् । शिवशरण शर्मा कृत		१—२५
४४८२ जातिमाला । सोमनाथकृत		२—००
४६८३ जानकीहरम् । कुमारदास विरचित । गोपाल रघुनाथ नंदरगीकर सम्पादि	१०—००	
४६८४ जानकीहरणम् । कुमारदास विरचित । हिन्दी टीका सहित		२५—००
४६८५ जामविजयकाव्यम् । बाणिनाथ विरचित		५—००
४६८६ जारजातशतकम् । नीलकण्ठ कवि कल्पित । एन० ए० गोरे सम्पादित		१—००
४६८७ डोलामारु की दोहाएँ । मूल तथा फ्रांसीसी अनुवाद । सं० शार्लोट वोर्देवल		१०—००
४६८८ ताम्बूलमञ्जरी । जे० एस० पांडे संपादित		८—००
४६८९ त्रिपुरदहनम् । (यमककाव्यम्) बासुदेव प्रणीत । सन्ध्याख्या		१—७०
४६९० दयानन्द दिग्विजय महाकाव्य । मेधाव्रत प्रणीत । हिन्दी टीका सहित		१—००
४६९१ दयाशतक । महादेशिक विरचित		०—२५
४६९२ दशकण्ठवधम् (रामचरितम्) दुर्गाप्रसाद द्विवेदी विरचितम् । स्वोपशसाधुशुद्धिटीका समन्वित		४—००
४६९३ दशग्रीववध महाकाव्यम् । मार्कण्डेयमिश्र विरचित		३—००
४६९४ दिग्विजयमहाकाव्यम् । मेघविजय उपाध्याय विरचित		८—००
४६९५ दुर्योधनवधम् । वंशीधरशर्मा कृत		१—००
४६९६ देलरामकथासारः । राजानकभट्टाहाद विरचित		०—७५
*४६९७ देवयाणी-परिचायिका । (सचित्र) श्री चक्रधरशर्मा सम्पादित		१—६५
४६९८ देवीशतकम् । कृष्णनाथसर्वभौम विरचित		०—७५
४६९९ देशिकेन्द्रस्तवाक्षलिः । महालिङ्ग शास्त्री कृत		०—५०
४७०० देशोपदेशनर्ममाला । क्षेमेन्द्र विरचित		१—५०
*४७०१ धर्माधिकारिवंशवर्णनम् । श्रीवेणीरामपण्डितधर्माधिकारिविरचित		समाप्त

- ४७०२ धर्माभ्युदयमहाकाव्यम् । वस्तुपालचरित । उदयप्रभसूरि विरचित ८-५०
- ४७०३ धार्मिकवर्णनलक्षणकाव्यम् । ०-५०
- ४७०४ नञ्जराजयशोभूषणम् । नृसिंह कवि विरचित १२-००
- ४७०५ नटेशविजयः । वैकट कृष्ण दीक्षित विरचित ०-४५
- ४७०६ नरनारायणीयः । सव्याख्या १-६२
- ४७०७ नरेश्वरपरीक्षा । पादज्योतिष्कृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित २-००
- ४७०८ नलाख्यान । मालण कृत (गुजराती) ६-००
- *४७०९ NALOPAKHYANAM : Story of Nala. An Episode of the Maha-Bharata. The Sanskrit Text, with a Copious Vocabulary and An Improved Version of Dean Milonan's Translation by Monier Williams, M. A., D. C. L. (Chow. Sans. Studies Vol. LIII) २५-००
- *४७१० नलोपाख्यानम् । (महाभारत-वनपर्व) श्री काशीनाथ द्विवेदी विरचित सान्वय 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या समालोचनात्मक भूमिकादि सहित २-५०
- ४७११ नलोपाख्यानम् । भूमिका, हिन्दी अनुवाद—शब्दसूची सहित । डॉ० जगदम्बाप्रसाद सिनहा १३-५०
- ४७१२ नवोपहारः काव्यम् । केशवदेव शुक्ल 'केशव' विरचित । 'सर' हरिगोविन्द मिश्र कृत भावभूषिणी हिन्दी टीका सहित ३-५०
- ४७१३ नारायणशतकम् । विद्याकरविरचित । पीताम्बर प्रणीत व्याख्या सहित ४-००
- ४७१४ नारायणीयम् । नारायण भट्टपाद विरचित । मूलमात्र ३-००
- ४७१५ नारायणीयम् । कोणत् शङ्करवारियर प्रणीत वालबोधिनी व्याख्या सहित १२-५०
- ४७१६ नारायणीयम् । आंग्ल व्याख्या सहित १५-००
- ४७१७ नृपतिनीतिगर्भितवृत्तम् । लक्ष्मीपति विरचित १०-००
- ४७१८ नीलकण्ठसंदेश । श्रीधरन नम्बी विरचित १-१५
- ४७१९ नेमिदूतम् । विक्रम प्रणीत । संस्कृत व्याख्या सहित । डा० फतेहसिंह १-५०
- ४७२० नेमिनिर्वाणकाव्यम् । वाग्भट विरचित १-५०
- ४७२१ नेहरू-श्रद्धाञ्जलिः । सं० रतनलाल दाधीच ४-००
- ४७२२ नैषधपरिशीलन । डॉ० चण्डिकाप्रसाद शुक्ल १०-००
- ४७२३ नैषधीयचरितम् । श्री हर्षविरचित । नारायणी व्याख्या सहित १२-००, १६-००
- *४७२४ नैषधीयचरितम् । म० म० मञ्जिनाथ कृत 'जीवातु' साहित्याचार्य श्रीहरगोविन्दशास्त्रीकृत 'मणिप्रभा' संस्कृत-हिन्दीटीकाद्वय सहित मूल्य १म सर्ग १-००, १-३ सर्ग १-७५, १-५ सर्ग ३-५० १-९ सर्ग ६-००, उत्तरार्ध ८-०० पूर्वार्ध ८-०० १-२२ सर्ग सम्पूर्ण ग्रन्थ १४-००
- ४७२५ पउमचरियं । विमलसूरि विरचित । हिन्दी अनुवाद सहित । प्रथम भाग १८-००
- ४७२६ पंचामृतम् । (संस्कृत) डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित ३-००
- *४७२७ पञ्चामृत । सम्पादक : प्रो० गौतम हंसचंशी वी० ए० कक्षा में निर्धारित सूर-तुलसी-केशव-विहारी-भूषण—के काव्यों के सभी अंश इसमें क्रमशः उपनिबद्ध हैं । कवि का प्रामाणिक जीवन-वृत्त, शब्दार्थ-भावार्थ, टिप्पणी आदि देने से इसकी सुबोधता और भी बढ़ गई है । ३-००

४७२८ पण्डितराज-काव्य-संग्रहः । जगन्नाथ विरचित । डॉ० आर्येन्द्र शर्म संपादित अजिल्द ६—००,	सजिल्द	८—००
४७२९ पतञ्जलिचरितम् । रामभद्र दीक्षित विरचित		०—८७
४७३० पथिककाव्यम् (रामनरेश त्रिपाठी रचित हिन्दी का संस्कृत रूपान्तर) । मधुकर शास्त्री		३—००
४७३१ पदाङ्कदूत । श्रीकृष्ण सार्वभौम कृत । सन्याख्या		४—००
४७३२ पदावलि । मेघसन्देशकुन्तलेश्वरदौत्ययोः । यतिराजसम्पत्कुमार रामानुजकृत		३—००
४७३३ पद्मनाभशतकम् । रामवर्मप्रणीत		०—३०
४७३४ पद्यचूडामणिः । बुद्धधोष प्रणीत । यशोधरा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । प्रथम सर्ग		२—००
४७३५ पद्यपञ्चाशिका । हिन्दी टीका सहित		०—५०
४७३६ पद्यपुष्पाञ्जलिः । संस्कृत मूल बी० एस० अय्यर कृत आंग्लानुवाद सहित		२—००
४७३७ पद्यमाला । सम्पादक हरिशंकर मिश्र		१—००
४७३८ पद्यमुक्तावली । श्रीकृष्णभट्ट कृत । मथुरानाथ शास्त्री सम्पादित		४—००
४७३९ पद्यवेणी । वेणीदत्त विरचित । चौधरी संपादित		१०—००
४७४० पद्यहर्षचरित । वत्स्यराजगोपाल चक्रवर्ती विरचित		१—२५
४७४१ पद्यामृततरंगिणी । हरिभास्कर विरचित		१५—००
४७४२ पन्थदूत । भोलानाथकवि विरचित । चौधरी संपादित		१—००
४७४३ परमानन्दकाव्यम् । सरदेशाई संपादित		१५—००
४७४४ पवनदूतम् । धोयी विरचित		१—५०
४७४५ पादारविन्दशतकम् । मूककवि विरचित		०—२५
४७४६ पारिजातहरण महाकाव्य । कवि कर्णपूर विरचित		८—००
४७४७ पुरंजनचरितम् । कृष्णदत्त मैथिल प्रणीत । नीलमसोलङ्की सम्पादित		५—००
४७४८ पुष्पबाणविलासः । कालिदास विरचित । सन्याख्या		०—५०
४७४९ पुष्पमाला । सु० सुब्रह्मण्यम्		२—००
४७५० पूर्णपात्रम् । सूर्यनारायण शास्त्री		१—००
४७५१ प्रकृतिविलासः । के० एस० कृष्णमूर्ति शास्त्री कृत		२—००
४७५२ प्रतापकण्ठाभरण । कविराज प्रतापसिंह सङ्कलित । हिन्दी टीका सहित ।		१—५०
४७५३ प्रभावकचरितम् । डा० हीरानन्द सम्पादित		३—००
४७५४ प्रशस्तिमाला ।		०—३२
४७५५ प्राचीनफागुसंग्रह । भोगीलाल जे० सदिसरा संपादित		८—००
*४७५६ प्रेमरसायनम् । श्रीविश्वनाथपण्डितरचितम् । सटीक		१—२५
४७५७ बनारसीविलास । सं० भंवरलाल जैन		१—५०
४७५८ बल्लालचरितम् । आनन्दभट्ट विरचित		१—५०
४७५९ बारहमासा । प्राचीन अपभ्रंश, हिन्दी आदि बारहमासा पदों का सङ्कलन तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० शार्लेट बोदेविल		१०—००
४७६० बालभारत । अगस्त्य कृत । सन्याख्या । १-३ सर्ग		२—००
४७६१ बालरामायणम् ।		१—००
४७६२ बुद्धभूषणम् । वेलंकर सम्पादित		१—५०

- *४७६३ बुद्धचरितम् । अश्वघोष कृतम् । हिन्दी अनुवाद सहित ।
अनुवादक-महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री । हिन्दी
ज्ञाताओं को काव्यानन्द के साथ भगवान् बुद्ध के मार्मिक
एवं करुण जीवनचरित द्वारा शान्तरस का आनन्द
सुलभ कराने की दृष्टि से यह संस्करण प्रस्तुत है । इसमें
हिन्दी टीका विषयानुकूल प्रवाह-युक्त तथा सरल एवं सरस है ।
१-२ भाग संपूर्ण ५-५०
- प्रथम भाग (सर्ग १ से १४)—महाकवि अश्वघोष रचित
संस्कृत मूल के साथ हिन्दी टीका सहित २-५०
- द्वितीय भाग (सर्ग १५ से २८)—शास्त्री जी द्वारा
स्व-परिश्रम-पूर्वक रचित संस्कृत मूल के साथ हिन्दी टीका सहित ३-००
- ४७६४ बृहत्कथाकोश । हरिषेणाचार्य विरचित १६-००
- ४७६५ बोधिसत्त्वचरितम् । सत्यव्रत शास्त्री ६-५०
- ४७६६ ब्रह्मचर्यशतकम् । मेधाव्रत विरचित सान्त्वय हिन्दी टीका सहित ०-६५
- ४७६७ ब्रह्मर्षि विरजानन्दचरितम् । मेधाव्रत प्रणीत हिन्दी टीका सहित १-००
- ४७६८ भगवत्पादाभ्युदयः । लक्ष्मणसूरि विरचित १-२५
- ४७६९ भट्टारक सम्प्रदाय । ८-००
- *४७७० भट्टिकाव्यम् । 'चन्द्रकला' 'विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दीटीकोपेत—
१-६ सर्ग ४-००, ७-११ सर्ग ४-००, पूर्वार्ध, १-११ सर्ग ८-००,
उत्तरार्ध १२-२२ सर्ग ५-५०, १ से २२ सर्ग संपूर्ण १३-५०
- *४७७१ भर्तृहरिशतकत्रयम् । (नीतिशतक, शृंगारशतक, वैराग्यशतक)
सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या पद्यानुवाद सहित ३-००
- ४७७२ भर्तृहरिशतकम् । हरिदासवैद्य कृत विस्तृतहिन्दीटीका सहित १-३ भाग १७-००
(नीतिशतक ५-००, शृंगारशतक ५-००, वैराग्यशतक ७-००)
- ४७७३ भगवत्पादसप्ततिः । जगन्नाथ कवि विरचित । एन० वी० वेंकट
सुब्रह्मण्य शास्त्री सम्पादित ०-३१
- *४७७४ भामिनी विलासः । पण्डितराज जगन्नाथ विरचित । सान्त्वय
'प्रकाश' हिन्दी-व्याख्योपेतः—व्याख्याकारः श्रीराधेश्याममिश्रः ।
प्रस्तुत ग्रंथ में कवि की अनूठी प्रतिभा का विलास दर्शनीय है । प्रायः
सभी विषयों पर एक से एक बढ़कर उपदेशप्रद मार्मिक नक्तियाँ इसमें
आद्यन्त हैं । व्याख्या में पहले दण्डान्वय फिर हिन्दी रूपान्तर तथा
'व्याख्या' के अन्तर्गत जितना कुछ उस पद्य के सम्बन्ध में विशेष श्रेय
है, सब विस्तार से दिया गया है । इससे अधिक भावावबोधक विशद
व्याख्या इसकी अबतक प्रकाशित नहीं हुई । विस्तृत भूमिका में पुस्तक
से संबंधित काल-विशेष की संपूर्ण सांस्कृतिक झाँकी प्राप्त हो जाती है ।
पद्यानुक्रमणिका भी संलग्न है उच्चकक्षा के छात्रों तथा काव्यरसिकों के लिये
अवश्य द्रष्टव्य संस्करण है । अन्योक्तिविलास मात्र ४-००, सम्पूर्ण १०-००

- *४७७५ भारत-कथा । रचयिता—म० म० गङ्गाधर शास्त्री । सान्वय
‘बोधिनी’ संस्कृत-हिन्दी व्याख्यासहित । मूलरामामण की तरह
इस लघु पुस्तिका में संपूर्ण महाभारत की मूल कथा पूर्ण रूप
से सुरक्षित है १-००
- ४७७६ भारतपारिजातम् । (गांधी चरित) स्वामी भगवदाचार्य विरचित ।
संस्कृतश्लोक, हिन्दी अनुवाद सहित १८-००
- ४७७७ भारतप्रशस्ति । चि० कुञ्जन् राजा ०-७५
- ४७७८ भारत-सन्देशः । शिवप्रसाद भारद्वाज रचित २-००
- ४७७९ भारतीविषादः । महालिंग शास्त्री २-००
- ४७८० भूदान-यज्ञ-गाथा । गणपतिशंकर शुक्ल कृत ०-५०
- ४७८१ भूपशतक । राघववाचस्पति विरचित । चौधरी संपादित १-००
- ४७८२ भृङ्गदूत । १-७५
- ४७८३ भोज और कालिदास । हिन्दी टीका सहित ३-६०
- ४७८४ अमरदूतकाव्य । ३-००
- ४७८५ अमरसन्देशः । महालिंग शास्त्री कृत १-५०
- ४७८६ मत्स्यावतारप्रबन्धः । नारायणभट्ट प्रणीत ०-२८
- ४७८७ मधुराविजयम् (वीरकम्पराय चरितम्) श्री गंगादेवी । आंगलानुवाद
नथा आंगल आलोचना सहित । सं०-यस० तिरुवैकटाचारी ९-००
- ४७८८ मनोदूतम् । विष्णुदास विरचित १-२५
- ४७८९ मन्दस्मितशतकम् । मूककवि विरचित ०-२५
- ४७९० मयूरसन्देशः । उदयविरचित । राजा सम्पादित ५-००
- ४७९१ मलयमारुत । डॉ० बी० राघवन संपादित ५-००
- ४७९२ महात्ममहिममणिमंजूषा । (नारायणस्वामि चरित काव्य) मेधाव्रत
कृत । हिन्दीटीका सहित ०-७५
- ४७९३ महात्मविजय । (महात्मा गांधी) १-००
- *४७९४ महाभारतीय शीलनिरूपणाध्याय । ‘सुधा’ संस्कृत-हिन्दी व्याख्या
अन्वय-समास-वाच्यपरिवर्तन सहित ०-४०
- ४७९५ महिषाशतक । बान्छेश्वर कवि विरचित सव्याख्या १-७५
- ४७९६ मार्तण्डोदयः । शेषशास्त्री विरचित १-१२
- ४७९७ मीरालहरी । क्षमाराव प्रणीत १-२५
- ४७९८ मुद्गरदूतम् । रामावतारशर्मा विरचित १०-००
- ४७९९ मूकपंचशती । मूककवि कृत १-००
- *४८०० मूलरामायणम् । प्रथम परीक्षोपयोगी अन्वय-सुधाव्याख्या-समास-
वाच्यान्तर-हिन्दी भाषानुवादसहित ०-४०
- *४८०१ मूलरामायणम् महाभारतीयशीलनिरूपणाध्यायसहितम् ।
सान्वय सुधा व्याख्या । उपर्युक्त सम्पूर्ण विषयों से युक्त ०-५५
- *४८०२ MEGHA DUTA Or CLOUD MESSENGER : A Poem
in the Sanskrit Language by Kalidasa. Translated into
English Verse, with Notes and Illustrations, by H. H.
Wilson, M. A., F. R. S., etc., Boden Professor of
Sanskrit in the University of Oxford. Third Edition.
(Chow. Sans. Studies Vol. IX) 7-50

- *४८०३ मेघदूतम् । सञ्जीवनी-चारित्रवर्द्धिनी-भावबोधिनी-‘सौदामिनी’ संस्कृत हिन्दीटीका चतुष्टयोपेत १-२१
- *४८०४ मेघदूतम् । व्याख्याकार-श्री शेषराज शर्मा । अत्युत्कृष्ट एवं गंभीर परिशीलन से युक्त हिन्दी और संस्कृत दोनों व्याख्याओं से युक्त यह संस्करण अब तक के प्रकाशित संस्करणों में सर्वोत्तम है । ४-५०
- *४८०५ मेघदूतम् । भरतमल्लिक प्रणीत व्याख्या तथा प्राचीन अष्टटीकाओं से टिप्पण किया हुआ चौधरी संपादित ८-००
- *४८०६ मेघदूतम् । एस० के० दे संपादित ५-००
- *४८०७ मेघदूत : एक अध्ययन । वासुदेवशरण अग्रवाल ४-५०
- *४८०८ मेघदूत की वैदिक पृष्ठभूमि और उसका सांस्कृतिक संदेश । सुधीरकुमार गुप्त ०-४०
- *४८०९ मेघदूतत्रिविक्रमा । ६० वें० केतकर (मराठी) ५-००
- *४८१० मेघदूत में रामगिरि अर्थात् रामटेक । वा० वि० मिराशी (हिन्दी) ३-००
- *४८११ मेघदूतविलासः । वाक् कन्वे विरचित ५-००
- *४८१२ मोहन की वंशी : भजनसंग्रह । डॉ० ब्रजमोहन । इसे बार-बार पढ़ते रहने पर भी कोई नवीनता पुनः पढ़ने को बाध्य कर देती है । एक बार अवश्य देख कर जीवन सफल बनाइए ०-७५
- *४८१३ यशोधरचरितमहाकाव्यम् । वादिराजकृत । लक्ष्मण कृत व्याख्या तथा आंगलानुवाद सहित ५२-००
- *४८१४ ब्राह्मवाभ्युदयः । वेदान्तदेशिक विरचित । अप्पयदीक्षित प्रणीत व्याख्या सहित १-४ सर्ग २-६२, ५-१२ सर्ग ३-५०, १३-२४ सर्ग १०-५०
- *४८१५ युधिष्ठिरविजयमहाकाव्यम् । वासुदेव विरचित ३-००
- *४८१६ रघुवंशमहाकाव्यम् (संपूर्ण) ‘सञ्जीवनी’ ‘मणिप्रभा’ संस्कृत-हिन्दी टीका ‘विमर्श’ सहित । ५-००
- *४८१७ रघुवंशमहाकाव्यम् । ‘सञ्जीवनी’ ‘मणिप्रभा’ संस्कृत हिन्दी टीका ‘विमर्श’ सहित १-५ सर्ग १-५०, ६-१४ सर्ग २-२५, ५-१४ सर्ग २-५०
- *४८१८ रघुवंशमहाकाव्यम् । मल्लिनाथी टीका तथा परीक्षोपयोगी अन्वय-सुधाव्याख्या-समास-कोष-भावार्थ-इन्दु नामक हिन्दी व्याख्या सहित प्रथम सर्ग ०-७५, १-४ सर्ग २-५०, द्वितीय सर्ग ०-७५, २-३ सर्ग १-५०, प्रथम व पंचम सर्ग १-५०, १-५ सर्ग ३-००, १-२ सर्ग १-५०, पृथक् पृथक् सर्ग ०-७५
- *४८१९ रघुवंशमहाकाव्यम् । १३-१४ सर्ग । ‘चन्द्रकला’ संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-पं० श्री शेषराज शर्मा रेग्मी १-५०

- ४८२० रम्भाशुकसंवादः । हिन्दी टीका सहित ०—२५
- *४८२१ रसचन्द्रिका । विश्वेश्वर पाण्डेय विनिर्मित १—००
- *४८२२ रसराज । कविवर मतिराम विरचित । आचार्य रामजी मिश्र रचित
सरस, सरल प्रामाणिक हिन्दी व्याख्या, समालोचनादि सहित ७—५०
- ४८२३ रसिकरमणकाव्यम् । रघुनाथ विरचित ०—७५
- *४८२४ रसिकाष्टककाव्यम् । ०—०५
- ४८२५ रसोत्सवम्-रसक्रीडा । २—२५
- *४८२६ राक्षसकाव्यम् । नूतन किशोरकेलि व्याख्या सहित ०—२५
- ४८२७ राघवनैषधीयकाव्यम् । हरदत्तसूरि विरचित । सव्याख्या १—००
- *४८२८ राघवपाण्डवीयम् । कविराज पंडित विरचित । सरस, सरल-
विवेचनात्मक 'सुबोधिनी' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या,
समालोचनादि सहित । व्याख्याकार पं० दामोदर झा १२—५०
- ४८२९ राघवीयम् । रामपाणिवाद विरचित १—७०
- ४८३० राजतरङ्गिणी । जेन श्रीधर तथा शुक विरचित । मूलमात्र । श्रीकंठ कौश
संपादित ३०—००
- ४८३१ राजतरङ्गिणी । कल्हण कृत । विश्वबन्धु संपादित । १-२ भाग ६०—००
- ४८३२ राजतरङ्गिणी । कल्हण विरचित । M. A. Stein संपादित ७५—००
- ४८३३ राजतरङ्गिणी । हिन्दी टीका सहित २०—००
- ४८३४ राजतरङ्गिणी । आंग्लानुवाद मात्र । १-२ भाग १००—००
- *४८३५ राजतरङ्गिणी-कोश । डा० रामकुमार राय ।
कल्हण कृत राजतरङ्गिणी का यह कोश हिन्दी में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया
गया है । इसमें राजतरङ्गिणी में आये सभी नामों और विषयों की ससन्दर्भ
व्याख्या प्रस्तुत की गई है । साथ ही लेखक ने एक विस्तृत भूमिका में
कल्हण व्यक्तित्व और कृतित्व का विवेचन करने हुये विभिन्न विषयों, जैसे
राजनीति, समाजशास्त्र, धर्म, और नीति आदि से सम्बद्ध उनके विचारों
को प्रस्तुत किया है । राजतरङ्गिणी में आये विभिन्न राजाओं की वंशावलियों
तथा कलिक्रमागत तालिकाओं का भी भूमिका के अन्तर्गत समावेश किया
गया है । १५—००
- ४८३६ राजविनोद महाकाव्य । उदयराम विरचित २—२५
- ४८३७ रामकर्णरसायनम् । रामभद्रदीक्षित रचित ०—७५
- ४८३८ रामकर्णामृतम् । १—१२
- ४८३९ रामचरितम् । श्रीसन्ध्याकरनन्दि विरचित ...
- ४८४० रामप्रसादी श्यामासंगीत (Chants A Kāli de Rāmprasad)
मूल बँगला तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० माईकेल लुप्ता १२—००
- *४८४१ रामवनगमनम् । सुधा-इन्दुमती विस्तृत संस्कृत-हिन्दी टीका
सहित । परिष्कृत अभिनव तृतीय संस्करण १—२५
- ४८४२ रामशतकम् । श्रीसोमेश्वर देव विरचित । हृदयमंजरी तथा बालबोधिनी
टीकाद्वय सहित । मुनि पुण्यविजय तथा भोगीलाल जे० सन्देशरा
संपादित १०—००

- *४८४३ रामाभ्युदय-यात्रा । संपादक—आचार्य रुद्रप्रसाद अवरस्थी ।
अध्योध्या से भगवान् राम की प्रथम यात्रा विश्वामित्र के यज्ञार्थ
हुई थी । इसी यात्रा में उन्हें अनेक विद्याओं की प्राप्ति हुई ।
ताडका मरण, अहल्या-तरण आदि यशस्कर कार्य उनसे
सम्पन्न हुए । अतः यह यात्रा उनकी अभ्युदय-यात्रा है । इसी
का रोचक वर्णन इस पुस्तक का विषय है २—२५
- *४८४४ रामायणमञ्जरी । महाकवि क्षेमेन्द्र विरचित । संस्कृत-हिन्दी
व्याख्या सहित । वाल्मिकिरामायण के आधार पर रचित महाकवि
क्षेमेन्द्र की यह विशिष्ट रचना है । व्याख्या सरल एवं सरस होने से
केवल हिन्दी के ज्ञाता भी इसका आनन्द ले सकते हैं । संपूर्ण ग्रन्थ यन्त्रस्थ
सुन्दरकाण्ड मात्र यन्त्रस्थ
- ४८४५ रामायणमञ्जरी । क्षेमेन्द्र कृत । सुन्दरकाण्ड के ३८१ श्लोक तक १—४५
- ४८४६ रामायण संग्रह । वे० वरदाचार्य कृत १—५०
- ४८४७ रामोदन्तम् । ०—१५
- ४८४८ रावणवह महाकाव्य । प्रवरसेन विरचित । सेतुतत्त्व-चन्द्रिका टीका
द्वय सहित ४०—००
- ४८४९ रिष्टसमुच्चयः । दुर्गादेव विरचित १०—००
- ४८५० रुक्मिणीकल्याणकाव्यम् । १—२५
- ४८५१ रुक्मिणीकल्याणकाव्यम् । राजचूडामणिदीक्षित कृत ५—००
- ४८५२ रुक्मिणीहरणं महाकाव्यम् । काशीनाथ शर्मा द्विवेदी विरचित २५—००
- ४८५३ रुद्रकवि तथा उनके ग्रन्थ । यतीन्द्र विमल चौधरी २—५०
- ४८५४ लघुकाव्यानि । नीलकण्ठ दीक्षित विरचित १—००
- ४८५५ लघुकाव्यानि । कृष्णानन्द सरस्वती १—००
- ४८५६ ललितविस्तरः । वैद्योपाह्व श्री परशुराम शर्मा सम्पादित १२—५०
- ४८५७ लीलावर्ण । कोऊहल विरइया । संस्कृत वृत्ति सहित २५—००
- ४८५८ लोकप्रकाशः । क्षेमेन्द्र विरचित १—००
- ४८५९ लौकिक न्यायश्लोकाः । आंगलानुवाद सहित २—००
- ४८६० वज्जालगम् । संस्कृतच्छाया संवलित । जूलियस लेवर संपादित ।
२—३ खण्ड २—२५
- ४८६१ वज्जालगम् । (१-२००) गोरे संपादित ३—००
- ४८६२ वनलता । महालिङ्गशास्त्री प्रणीत १—००
- ४८६३ वरदराजस्तवः । अप्पयदीक्षित रचित ०—२५
- ४८६४ वरदराजस्तवः । अप्पयदीक्षित रचित । सन्याख्या १—२५
- ४८६५ वसन्तविलासफागु । सम्पादनकर्ता—मधुसूदन चिमनलाल मोदी ५—५०
- ४८६६ वाङ्मण्डनगुणदूतकाव्यम्—वीरेश्वरकृत । चन्द्रदूतकाव्यं—जम्बूकृत ३—००
- ४८६७ विक्रमचरितरास । उदयभानुकृत । (गुजराती) २—००
- *४८६८ विक्रमाङ्कदेवचरितम् । (प्रथम सर्ग) श्री विल्हण विरचित ।
पं० रामचन्द्र शर्मा पाण्डेय एम. ए. सम्पादित प्रबोधिनी
हिन्दी टीका सहित ०—६५

- ४८६९ विक्रमाङ्कदेवचरितम् । विल्हण विरचित । रमा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । १-१८ सर्ग १-३ भाग सम्पूर्ण २२-००
- ४८७० विजयसेनप्रशस्ति । उमापतिधर कृत । हिन्दी टीका सहित ०-७५
- ४८७१ विद्वन्मोदतरङ्गिणी । हिन्दी टीका सहित ०-५४
- ४८७२ विष्णुचरितामृतम् । स्वामी लक्ष्मणशास्त्री प्रणीत २-५०
- ४८७३ विष्णुभक्तिकल्पलताकाव्यम् । पुरुषोत्तम विरचित । महीधर प्रणीत व्याख्या सहित १-००
- ४८७४ विष्णुविलासः । रामपाणिवाद विरचित । विष्णुप्रिया व्याख्या सहित ३-२५
- *४८७५ वीरोत्साह-वर्धनम् । श्री पं० सुरेशचन्द्र त्रिपाठी
भारत-सीमा पर चीन-कृत उपद्रवों के प्रसंग पर छात्रों-सैनिकों में उत्साह एवं वीर-भावों के उद्बोधन तथा जागृति के लिये संस्कृत पद्यों में लिखी यह पुस्तिका अनुपम है । इसमें छन्दों का चयन भावानुकूल तथा भाषा अत्यन्त सरल है । ०-५०
- ४८७६ वेंकटेशकाव्यकलापः । ४-५०
- *४८७७ वैराग्यशतकम् । भर्तृहरिविरचित । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा हिन्दी पद्यानुवाद सहित १-२५
- ४८७८ वैराग्यशतकम् । वैद्य हरिदासकृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ७-००
- *४८७९ व्यवहारविज्ञानम् । सम्पादक, हरिहर झा । जीवन-निर्माण में किस व्यवहार-विधि का पालन करना चाहिए । इसका उपदेश ही इस पुस्तक का विषय है ।
प्रथमा परीक्षा पाठ्य स्वीकृत प्रथम भाग ०-६०
द्वितीय भाग ०-७५
- ४८८० शंकरजयन्त्युपहारः । १-००
- ४८८१ शकुन्तलामहाकाव्य । (हिन्दी) भगवानदत्त शास्त्री 'राकेश' ३-००
- ४८८२ शतकत्रयादिमुभाषितसङ्ग्रहः । कोशाम्बी सम्पादित १२-५०
- ४८८३ शतरञ्जकुतूहलम् । ०-६२
- ४८८४ शान्तिनाथचरितम् । मुनिभद्रसूरि विरचित ५-००
- ४८८५ शास्त्रतत्त्वविनिर्णयः । नीलकण्ठ विरचित ५-००
- ४८८६ शाहेन्द्रविलासः । श्रीधरवेङ्कटेश विरचित ३-००
- ४८८७ शिक्षारवः । डॉ० कृष्णलाल विरचित ४-५०
- ४८८८ शिवकेशादिपादान्तस्तुति । शंकराचार्य कृत । सव्याख्या ०-७५
- ४८८९ शिवतत्त्वस्वरनाकर । केलदि बसवभूपाल विरचित । प्रथम भाग १२-००
- ४८९० शिवपरिणयः । कृष्णराजानककृत । मुकुन्दरामशास्त्री कृत संस्कृत छायायुत ५-२५
- ४८९१ शिवलीलामृत । हिन्दी १-५०
- ४८९२ शिवलीलार्णवः । नीलकण्ठ दीक्षित विरचित ५-००
- ४८९३ शिवविलासकाव्यम् । दामोदर प्रणीत १-१५
- *४८९४ शिशुपालवधम् । (माघकाव्यम्) मल्लिनाथकृत 'सर्वकृपा' व्याख्या साहित्याचार्य श्री हरगोविन्दशास्त्री कृत 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित । १-६ सर्ग ३-८० संपूर्ण ८-००
- *४८९५ शिशुपालवधम् । (तृतीयसर्ग) मल्लिनाथी-वल्लभदेवीटीकाद्वय सहित ०-५०

- *४८९६ शिशुपालवधम् । सान्वय-महिनाथीव्याख्या सहित १-३ सर्ग समाप्त
१-२ सर्ग समाप्त
- *४८९७ शिशुपालवधम् । सान्वय-परीक्षोपयोगी सुधा व्याख्या-कोष-
समासादि-व्याकरण-वाच्यपरिवर्तन-तात्पर्यार्थ-हिन्दी भाषार्थ
सहित । १-२ सर्ग २-००
- ४८९८ शीलदूतम् । चारित्रसुन्दरगणि विरचित ०-२५
- *४८९९ शृङ्गारतिलकम् । मूल ०-०५
- *४९०० शृङ्गारतिलकम् । संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ-
- ४९०१ शृङ्गारतिलकम् । मधुसूदनशास्त्री कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित ०-६०
- ४९०२ श्रद्धाञ्जलिः । डॉ० हरिदत्त पालीवाल निर्भय संपादित ०-१२
- ४९०३ श्रद्धाभरणकाव्यम् । चन्द्रधरशर्मा कृत । सटिप्पण ०-५०
- ४९०४ श्रीकृष्णचरितम् । समुद्रगुप्तरचित १-००
- ४९०५ श्रीकृष्णावतार प्रशंसा । सव्याख्या ०-५०
- ४९०६ श्री गान्धिविरचितम् । श्री ब्रह्मानन्द शुक्ल विरचित 'प्रियंवदा' संस्कृत
हिन्दी टीका सहित १-७५
- ४९०७ श्रीतुकारामचरितम् । क्षमाराव ५-००
- ४९०८ श्रीरामगीतगोविन्दम् । सव्याख्या १-३२
- ४९०९ श्रीरामदासचरितम् । क्षमाराव ५-००
- ४९१० श्रीरामदेव-लीलामृत-कथा । कृष्णशर्मा शास्त्री संस्कर्ता १-१०
- ४९११ श्री रामामृत तरंग । रामा पण्डित कृत (मराठी) ३-५०
- *४९१२ श्रीलक्ष्मीसहस्रम् । वैष्णवाचार्यविरचितम् । श्रीनिवासपण्डितविरचित-
सुबोधिनीव्याख्यया अवतरणैः निःश्रेणिकया च सम्मूषितम् २४-००
- ४९१३ श्रीवैकुण्ठेशकल्याणचरितम् । वीरराघवाचार्य विरचित ०-९४
- ४९१४ श्रयङ्गकाव्यम् । कृष्णकौर विरचित ५-००
- ४९१५ षष्ठिशतकप्रकरणम् । (गुजराती) नेमिचन्द्रभण्डारीकृत । संदेशसम्पादित ५-००
- ४९१६ सन्देशचतुष्टयम् (१ कामसंदेशः, २ हंससंदेशः, ३ चकोरसंदेशः,
४ मारुतसंदेशः) ३-३५
- ४९१७ सन्देशरासक । (अपभ्रंशकाव्य) कवि अब्दुल रहमान विरचित ।
डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी संपादित १०-००
- ४९१८ संक्षिप्त रामायण मंजरी । डा० हरिद्वारीलाल शर्मा-डा० श्रीनिवास शास्त्री २-५०
- *४९१९ संस्कृत-काव्यकलिका । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र संपादित ०-६५
- ४९२० संस्कृत काव्य भारती । डा० रामजी उपाध्याय ०-७५
- ४९२१ संस्कृतकाव्यमञ्जरी । गौरीशंकर संपादित ४-२५
- ४९२२ संस्कृत-काव्य-संग्रहः । डा० विश्वनाथ मट्टाचार्य-रामगोपाल मिश्र संपादित १-७५
- ४९२३ संस्कृतरवीन्द्रम् । सं० डा० वे० राघव १२-५०
- *४९२४ संस्कृत-वाङ्मय-परिचयः । वेद से लेकर २० वीं सदी तक के
संस्कृत साहित्य के ग्रन्थों का उद्गम, काल, इतिहास, रचयिताओं
के संक्षिप्त इतिवृत्त इस ग्रन्थ में दिये गये हैं । संस्कृत साहित्य में
श्रेष्ठ ग्रन्थ । १-५०

- ४९२५ संस्कृतसाहित्यवार्ता । देवदत्त त्रिपाठी संपादित ०—७५
- *४९२६ संस्कृत सौरभम् । (सचित्र : कक्षा ८ के लिये प्रस्तुत)
पं० कृष्णापति त्रिपाठी—डा० सुभाषचन्द्र तनेजा ।
कक्षा ८ के अल्पवयस्क बालकों को अत्यन्त सरल रूप में संस्कृत का
ज्ञान कराने के लिये यह पुस्तक लिखी गयी है । पाठों के अन्त में जो
अभ्यास दिये गये हैं उनमें नवीन शैली अपनायी गई है । किं बहुना,
पदे पदे आकर्षक चित्रों द्वारा बालकों के लिये उपयोगी बनाने का
भगोरथ प्रयत्न किया गया है । १—२५
- ४९२७ सतीचरित्रमहाकाव्यम् । के० एस० कृष्णमूर्ति शास्त्रि विरचित २—५०
- *४९२८ समयमातृका । वेश्याओं, कुट्टिनियों तथा बिटों से सम्पत्ति-रक्षा
के हेतु लिखी गई क्षेमेन्द्र की यह कृति उपदेशात्मक हास्य-व्यंग्य काव्यों
में उत्तम है । मूल के साथ सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा अपेक्षित स्थलों
पर टिप्पणी सहित यह उत्तम संस्करण है । ४—००
- ४९२९ समुद्रसङ्ग्रमः । दाराशिकोह प्रणीत १२—००
- *४९३० सहृदयानन्दकाव्यम् । कृष्णानन्द विरचित । श्री वाचस्पति द्विवेदी
कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका युक्त यन्त्रस्थ
- ४९३१ साम्बपञ्चाशिका । क्षेमराज प्रणीत ०—५०
- ४९३२ साम्बपञ्चाशिका । हिन्दी टीका सहित ०—५०
- ४९३३ साम्राज्यलक्ष्मीपीठिका । सुब्रह्मण्यशास्त्री सम्पादित ८—००
- ४९३४ सावित्रीचरितम्-कूपमण्डकवृत्तिः । आत्माराम शास्त्री प्रणीत ०—७५
- ४९३५ सिनेमाशतकम् । पद्मदत्त ओझा कृत । हिन्दी टीका सहित ०—५०
- ४९३६ सीतारामविहारकाव्यम् । ओगंछि वंशवर्धन लक्ष्मणाध्वरि कृत ४—००
- ४९३७ सुकृत कीर्तिकञ्जोलिन्त्यादि वस्तुपाल प्रशस्ति संग्रह । ६—६०
- ४९३८ सुरजनचरितम् । (महाकाव्य) चन्द्रशेखर विरचित । चौधरी सम्पादित ८—००
- ४९३९ सुरजनचरितम् । डा० चन्द्रधर शर्मा संपादित हिन्दी अनुवाद एवं
टिप्पणी और विस्तृत भूमिका सहित ८—००
- ४९४० सुरयोत्सवः । सोमेश्वरदेव विरचित १—२५
- *४९४१ सुवृत्ततिलकम् । क्षेमेन्द्र विरचित । 'प्रमा-विभा'-संस्कृत हिन्दी
व्याख्यायुत यन्त्रस्थ
- ४९४२ सुश्लोककुमार । मराठी श्लोकबडानुवाद ४—००
- ४९४३ सुश्लोक गोविन्द । काव्याची मराठी श्लोकबडानुवाद ४—००
- ४९४४ सुश्लोक मेघ । मराठीकाव्यानुवाद ४—००
- *४९४५ सूर्यशतकम् । 'कला' हिन्दी टीका विस्तृत भूमिकादि सहित ।
व्याख्या के साथ साथ पौराणिक अन्तःकथायें भी स्पष्ट की
गई हैं । विचार पूर्ण विशद भूमिका में भी कवि तथा काव्य
से संबन्धित गवेषणापूर्ण अल्प सामग्री प्रस्तुत की गई है । २—५०
- ४९४६ सौन्दरानन्दः । अश्वघोषकृत । मूल संस्कृत और हिन्दी अनुवाद ३—००
- ४९४७ सौन्दरानन्दकाव्यम् । अश्वघोष विरचित । डा० हरप्रसाद संपादित ३—००
- ४९४८ स्तवरत्नत्रयम् । के० एस० कृष्णमूर्ति शास्त्री कृत २—००

- ४९४९ स्तुतिकुसुमाक्षलिः । काश्मीरक जगद्धर भट्ट विरचित । लघुपञ्चिका
संस्कृत तथा प्रेम मकरन्द-हिन्दी टीका सहित १५-००
- ४९५० स्तुतिशतकम् । मूककवि विरचित ०-२५
- ४९५१ हंसदूतकाव्यम् । वामनभट्टबाण विरचित ३-००
- ४९५२ हंससन्देशः । सव्याख्या । १-२ आश्वास ०-५६
- ४९५३ हरनामामृतम् । षोडशसर्गात्मक काव्य । विद्याधर शास्त्री १-००
- ४९५४ हरिचरितम् । परमेश्वरकृत । सटीक ७-५०
- ४९५५ हरिशतक (भर्तृहरिशतक का काव्यात्मक हिन्दी रूपान्तर मूल सहित) ।
गोपालदास गुप्त ५-००
- ४९५६ हरिहरचतुरङ्गम् । गोदावरमिश्र प्रणीत ६-५०
- *४९५७ हिन्दी काव्य मञ्जूषा । रमाशंकर पाण्डेय
(वाराणसी की उत्तरमध्यमा प्रथमखण्ड परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) । इसमें
चन्दबरदायी से दिनकर तक २६ कवियों की रचनाओं के 'राष्ट्र शक्ति के
विकास में योगप्रद' अंशों का संकलन किया गया है । प्रति पृष्ठ पर
पर्यायबोधक विस्तृत टिप्पणी दी गई है तथा अन्त में प्रत्येक कवि का
वृत्तबोधक संक्षिप्त विवरण भी दिया गया है । ३-००

गद्यकाव्य-ग्रन्थाः

- ४९५८ अभिज्ञानशाकुन्तलचर्चा । २-२५
- ४९५९ अभिनवकथा निकुञ्जः । सं० शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदः ६-००
- *४९६० अभिलेखमाला । व्याख्याकार म्हा-चन्द्र । विभिन्न विश्वविद्यालयों
की परीक्षाओं में निर्धारित अभिलेखों का संग्रह । शिलालेखों के
हिन्दी अनुवाद के साथ उनके ऐतिहासिक महत्त्व और
साहित्यिक वैशिष्ट्य का विशद विवेचन प्रस्तुत किया गया है ।
साथ ही ऐतिहासिक नामों और स्थानों पर विस्तृत टिप्पणी
तथा ग्रन्थारम्भ में समालोचनात्मक परीक्षोपयोगी विशद
ऐतिहासिक भूमिका भी दी गई है ४-००
- ४९६१ अमरभारती । सं० रामचन्द्र द्विवेदी-रविशंकर नागर ८-००
- ४९६२ अर्जुनोपाख्यान । २-००
- *४९६३ अवदानकल्पलता । तृतीयपल्लव । ज्येष्ठेन्द्र विरचित ०-२५
- ४९६४ अवदान-शतकम् । (बौद्ध) परशुरामशर्म संस्कृत १२-५०
- *४९६५ अवन्तिकुमारियाँ । श्री देवदत्त शास्त्री । इस पुस्तक में तीन
अवन्तिकुमारियों (अवन्तिसुन्दरी, मालविका, सरस्वती) के
जीवन की मर्मस्पर्शी कहानियों के बीच लेखक ने उस युग की
सांस्कृतिक, धार्मिक एवं नैतिक स्थितियों का बड़ा ही सुन्दर
गवेषणात्मक चित्र प्रस्तुत किया है २-८०
- ४९६६ अशोक के अभिलेख । डॉ० राजबल्लू पांडेय ७५-००
- ४९६७ अशोक के स्तम्भलेख । अनुवादक : उमाशंकरशर्मा 'ऋषि' ०-७५

- ४९६८ आधुनिक गुजरातना संतो । डॉ० केशवलाल अंबालाल ठक्कर (गुजराती) ७—००
- ४९६९ आराजि बोजि । (राजा विक्रमादित्य का चरित जो राजा भोज को काष्ठ पुरुषों अर्थात् पुतलियों ने सुनाया) मोंगोल मूल, नागरी लिप्यन्तर-हिन्दी अनुवाद तथा मोंगोल भाषा का व्याकरण । आचार्य रघुवीर ३५—००
- *४९७० उत्कीर्णलेखपञ्चकम् । व्याख्याकार ज्ञा-बन्धु । वाराणसी तथा दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालयों की शालिपरीक्षा में निर्धारित शिलालेखों का संग्रह । परीक्षा की दृष्टि से पदार्थबोधक हिन्दी अनुवाद, टिप्पणी और ऐतिहासिक महत्त्व तथा ग्रन्थारम्भ में विस्तृत ऐतिहासिक भूमिका दे देने से यह पूर्ण रूप से छात्रोपयोगी संस्करण हो गया है २—५०
- *४९७१ उपाख्यानमंजरी । ('वेतालपंचविंशति' की कथाओं का संग्रह) बालकों को कथानक के माध्यम से संस्कृत भाषा एवं गद्यरचना से परिचित कराने के लिए यह ग्रन्थ प्रस्तुत किया गया है १—२५
- ४९७२ अञ्जुलध्वी । मालतीमाधव कथा २—५०
- ४९७३ कथापञ्चकम् । क्षमाराव २—००
- ४९७४ कथामञ्जरी (Belles Histoires) । फ्रेंच भाषा पुस्तक का संस्कृत रूपान्तर । श्रीमता ३—००
- ४९७५ कथामुक्तावली । क्षमाराव विरचित ४—५०
- ४९७६ कथापञ्चदशी (कथामुक्तावली कथासार) कथामुक्तावली-क्षमाराव कृत का अनुवाद १—२५
- *४९७७ KATHA SARIT SAGAR or OCEAN OF THE STREAMS OF STORY-Translated from the Original Sanskrit by C. H. Tawney. 2 Vols. In the Press.
- *४९७८ कलाविलासिनी वासवदत्ता । देवदत्त शास्त्री । महाराज उदयन और महारानी वासवदत्ता का विशद इतिवृत्त रोचक कलामयी कहानियों में वर्णन किया गया है २—५०
- *४९७९ कादम्बरी । 'चन्द्रकला' 'विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका, विस्तृत प्रस्तावना, महाकवि की जीवनी, कादम्बरी समीक्षा, कथासार आदि आधुनिक विविध विषयों से सुसज्जित । पं० कृष्णमोहन शास्त्री एम० ए० सम्पादित । कथामुखपर्यन्त ३—७५, पूर्वार्द्ध १३—५०, उत्तरार्द्ध १०—५०, १-२ भाग संपूर्ण २४—००
- *४९८० हिन्दी कादम्बरी : महाश्वेतावृत्तान्त । व्याख्याकार : प्रद्युम्न पाण्डेय । विभिन्न विश्वविद्यालयों की बी. ए. परीक्षा में निर्धारित । परीक्षोपयोगी हिन्दी व्याख्या, परिशिष्ट, भूमिकादि सहित ४—००
- *४९८१ हिन्दी कादम्बरी : शुकनासोपदेश । व्याख्याकार : ज्ञाबन्धु । सान्ख्य संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक परीक्षोपयोगी भूमिकादि सहित ३—००

*४९८२ कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल
यह ग्रन्थ सम्पूर्ण कादम्बरी का व्यवस्थित आलोचनात्मक हिन्दी रूपा-
न्तर है । कादम्बरी के विषय में इस एक ग्रन्थ को लेकर आप अन्य किसी
ग्रन्थ की अपेक्षा नहीं रखेंगे । साहित्यप्रेमियों को इस ग्रन्थ का अवश्य
संग्रह करना चाहिए

१५-००

*४९८३ कादम्बरीकथासारः । हिन्दी-अङ्गरेजी व्याख्या विस्तृत
भूमिकादि सहित । सम्पादक तथा व्याख्याकार- डॉ बलराम
सदाशिव अग्निहोत्री

यह सार संकलन महाकवि बाण के कादम्बरी का संक्षेपीकरण है । विभिन्न
विश्वविद्यालयों में पाठ्य स्वीकृत इस संकलन में कादम्बरी का सम्पूर्ण
कथा-सूत्र पूर्ण सुरक्षित रखा गया है । व्याख्या करने में यह ध्यान
रखा गया है कि विद्यार्थी उससे मूल के भावों तक पहुँच सकें साथ ही
कथा की धारा भी टूटने न पाए ।

१०-००

*४९८४ कादम्बरी-संग्रह । आर० बी० कृष्णाचारियर । १-२ भाग

५-२५

४९८५ कान्हडदेवग्रन्थ । पद्मनाभ विरचित

१२-२५

४९८६ कार्तवीर्यविजयग्रन्थः । आश्विनश्रीरामवर्म प्रणीत

०-३०

*४९८७ काव्यग्रन्थः । (काव्यपदार्थविवृति-कविसमयादिरूपणात्मक)

शास्त्री, आचार्य तथा संस्कृत लेकर बी० ए०, एम० ए०

परीक्षा देनेवाले छात्रों के लिए सर्वोत्तम निबन्ध ग्रन्थ

१-५०

४९८८ काव्यानुशीलन । पं० बलदेव उपाध्याय

४-५०

४९८९ कुमारपाल चरित्रसंग्रह । जिनविजय मुनि संपादित

१०-००

४९९० कुमुदिनीचन्द । मेधाव्रत विरचित

४-००

४९९१ कुसुमलक्ष्मीः (संस्कृतभाषयोपनिबद्धमभिनवं प्रणयोपाख्यानम्)

आनन्दवर्धन रामचन्द्र रत्न पारखी विरचित

४-५०

*४९९२ कौमुदी-कथाकलोलिनी । प्रो. रामशरण शास्त्री । इसकी कथा का
आधार कथासरित्सागर में आए हुए नरवाहनदत्त की कथा है ।

संस्कृत के इस मौलिक गद्यकाव्य को पढ़ लेने पर संस्कृत साहित्य

की विभिन्न कथा-शैलियों का एक चित्रण उपस्थित हो जाता है ८-७१

४९९३ खरतरगच्छ बृहद्गुर्वाचलि । जिनविजय मुनि संपादित

७-००

४९९४ खर्जूरवाहक अर्थात् वर्तमान खजुराहा । दामोदर जयकृष्ण काले ।

हिन्दी टीका सहित

२-५०

४९९५ गणिकावृत्तसङ्ग्रहः । डा० स्टर्नवाक संगृहीत

२०-००

३९९६ गद्यपद्यमुक्ताहारस्य प्रथमसरः ।

१-००

४९९७ गुरुगुणरत्नाकरः । सोमचारित्र विरचित

०-५६

४९९८ गुर्वाचलि । मुनिसुन्दरसूरि विरचित

०-३१

४८९९ चउप्पन्न महापुरिसचरियं । सिरि सीलंकायरिय विरच्यं । अमृतलाल

मोहनलाल भोजक संपादित

२१-००

*५००० चतुर्वेदिसंस्कृतरचनावलिः । (महामहोपाध्याय विद्यावाचस्पति
पं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी विरचित प्रकाशित अप्रकाशित
यावत् निबन्धों का संग्रह)

२०-००

- *५००१ चन्द्रप्रभाचरितम् । म० म० श्री शङ्करलाल विरचित । यह अत्यन्त सरस हृदयग्राहिणी गद्यकथा है । इसका कथानक सविशेष रोचक है । इसकी शैली दण्डी एवं बाणभट्ट की कोटि की तरह उत्कृष्ट है । अनेक परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत हो जाने के कारण विज्ञ लेखक ने इसका सर्वबोध्य सुगम छात्रोपयोगी नोट्स भी प्रस्तुत कर दिया है । ५—००
- ५००२ चन्द्रमहीपतिः । श्रीनिवासशास्त्रि विरचित । पार्वती त्रिवृति सहित ६—००
- ५००३ चन्द्रापीडकथा । सं० बी० अनन्ताचार्य १—१०
- ५००४ चन्द्रापीडचरितम् । अनन्ताचार्य ०—७५
- *५००५ चारुचर्या । (भारतीय सदाचार) : हिन्दी रूपान्तर । रूपान्तरकारः श्री देवदत्त शास्त्री
महाकवि क्षेमेन्द्र विरचित शतश्लोकात्मक ग्रन्थ का यह हिन्दी रूपान्तर उसी नाम से प्रकाशित किया गया है । इसमें श्लोकार्थ अंकित कर 'तात्पर्य' द्वारा तन्निहित उदाहरण-कथा व्यक्त कर देने से बालकों का बड़ा हित हुआ है । २—००
- *५००६ चिन्तन के नये चरण । श्री देवदत्त शास्त्री । भाषाविज्ञान, मनो-विज्ञान, इतिहास, पुराण-उपनिषद्, नृत्य-नाटक-अभिनय-ये पाँच इस पुस्तक के विषय-स्तम्भ हैं । इस पुस्तक के निबन्धों के सभी विषय सामान्य और व्यापक होने के साथ ही साहित्यकारों एवं अनुसन्धायकों के नित्य उपयोग के हैं । विद्यार्थियों को तो इन निबन्धों में नई दृष्टि, नई चेतना और अनुसन्धान के नये आयाम मिलेंगे ६—००
- ५००७ तिलकमञ्जरी । धनपाल विरचित ४—५०
- ५००८ तिलकमञ्जरी । " शान्त्याचार्य प्रणीत टिप्पणी सहित । १-३ भाग १८—००
- ५००९ दरिद्राणां हृदयम् । श्री नारायणशास्त्रि कृत ०—४८
- *५०१० दशकुमारचरितम् । दण्डी प्रणीत । पं० ताराचरण भट्टाचार्य कृत बालविबोधिनी-बालक्रीडा संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेत । सम्पूर्ण ५—५०
पूर्वपीठिका १—२५, पूर्वपीठिका तथा प्रथम और अष्टम उच्छ्वास २—००
अपहारवर्मचरितपर्यन्त ३—००
- ५०११ दशकुमारचरितं । पदचन्द्रिका-भूषण-लघुदीपिका-पददीपिका व्याख्यासहित ३—५०
- *५०१२ दशकुमारचरितसारः । डॉ० सत्यव्रतसिंह एम० ए० संपादित ०—६५
- ५०१३ दिव्यदृष्टिः । श्री नारायणशास्त्री कृत ०—४०
- ५०१४ द्वासुपर्णा । रामजी उपाध्याय विरचित ३—००
- ५०१५ धर्मोपदेशमालाविवरण । लालचन्द बी० गांधी सम्पादित ९—७५
- ५०१६ नलोपाख्यानसंग्रहः । लक्ष्मणसूरि विरचित ०—५०

- *५०१७ नवसाहसकचरितम् । आचार्य परिमल पद्मगुप्त कृत । शास्त्री जितेन्द्रचन्द्र भारतीय कृत हिन्दी व्याख्या तथा विस्तृत अध्ययन समालोचनादि सहित । इसकी सारगर्भित हिन्दी व्याख्या में ग्रन्थ के भाव, भाषा, छन्द, शैली रस, अलंकार आदि का विशद विवेचन किया गया है । आगरा विश्वविद्यालय की परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत प्रथम सर्ग ०—५५
- सम्पूर्ण ग्रन्थ १०—८०
- ५०१८ नाटककथासंग्रह । वे० अनन्ताचार्य प्रथित १—२५
- ५०१९ नासिकेतोपाख्यानम् । हिन्दी टीका सहित १—५०
- ५०२० निबन्ध-संग्रह (हिन्दी-गुजराती विविध निबन्ध संग्रह) संपादक—
जिन विजय मुनि ५—००
- *५०२१ पञ्चतन्त्रम् । काशीस्थ राजकीय सर्वविध प्रथमा तथा मध्यमापरीक्षा निर्धारित अश्लील अंशवर्जित विषमस्थलबोधिनी विवृति सहित पञ्चम तंत्र ०—१५ सम्पूर्ण २—०२
- *५०२२ पञ्चतन्त्रं मित्रभेदः । (प्रथम तन्त्र) पूर्वमध्यमा परीक्षानिर्धारित अश्लीलांशवर्जित बोधनी विवृति सहित ०—५५
- *५०२३ पञ्चतन्त्रम् । श्री विष्णुशर्म प्रणीत । श्री गोकुल दास गुप्त कृत 'सरला' हिन्दी टीका सहित । संपूर्ण अजिल्द ४—०० सजिल्द ५—८०
- *५०२४ पञ्चतन्त्रं मित्रभेदः (प्रथम तन्त्र) सरला हिन्दी टीकोपेत २—५०
- *५०२५ पञ्चतन्त्रं मित्रसंप्राप्तिः (द्वितीय तन्त्र) सरला हिन्दी टीकोपेत १—००
- *५०२६ पञ्चतन्त्रं काकोलुकीयम्—(तृतीय तन्त्र) सरला हिन्दी टीकोपेत १—२५
- *५०२७ पञ्चतन्त्रं लब्धप्रणाशम् । (चतुर्थतन्त्र) सरला हिन्दी टीकोपेत ०—५५
- *५०२८ पञ्चतन्त्रम् (अपरीक्षितकारक त्रिस्तनी कथादि वर्जित) सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीका टिप्पणी संक्षिप्तकथा, शिक्षासंग्रह, विस्तृत भूमिका आदि विषयों से विभूषित ०—७५
- ५०२९ पञ्चतन्त्रसङ्ग्रहः । २—००
- ५०३० पंचाख्यान बालावबोध । प्रथम भाग—प्रथम तन्त्र १८—६०
- ५०३१ पालिजातकावलिः । पं० बडकनाथशर्मा संपादित ३—००
- *५०३२ पालिजातकरत्नावलिः । पालि भाषा शिक्षार्थियों के लिए जातकर्मी कहानियाँ ही सर्वोत्तम सहायक है । इसीलिए प्रायः सभी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में जातक निर्धारित किया जाता है । विद्यार्थियों के हित का सविशेष ध्यान रखकर संस्कृत छाया, प्राञ्जल हिन्दी अनुवाद विस्तृत भूमिका आदि के साथ ३० जातकों का यह संकलन प्रकाशित किया जा रहा है । सम्पादक—श्रीकान्छेदीलाल गुप्त—श्रीसत्कारिशर्मावक्रीय यन्त्रस्थ
- ५०३३ पालिकथाप्रकाश । पं० बडकनाथ शर्मा संपादित पालिजातकावली का हिन्दी-संस्कृत तथा अंग्रेजी अनुवाद ३—००
- ५०३४ पुरातनप्रबन्धसङ्ग्रहः । ऐतिहासिक प्रबन्ध ८—५०
- ५०३५ पुलकेशिका ऐहोल शिलालेख । ०—६०

- *५०३६ पौराणिक कथाएँ । श्री हृदयराम शर्मा
पुराणों में बिखरे हुए ७५ चरितनायकों का अपूर्व कथासंग्रह
उदात्त चरित्रों से परिपूर्ण इन ७५ पौराणिक आख्यानों से सब को
रुचिपूर्ण उपदेशप्रद सामग्री मिलेगी, सबको सब प्रकार का अलौकिक
ज्ञान प्राप्त होगा, पुराणों का मर्म समझ में आवेगा तथा कहानी कहने-
सुनने की प्रवृत्ति तुष्ट होकर उत्कृष्ट मनोरंजन भी होगा । छात्र-छात्राओं
के लिये अतिशय उपयोगी है । २-५०
- ५०३७ प्रबन्धकोषः । राजशेखरसूरिकृत । आचार्य जिनविजय संपादित ६-५०
- ५०३८ प्रबन्धचिन्तामणिः । मेरुतुङ्गाचार्य कृत । आचार्य जिनविजय संपादित ६-५०
- ५०३९ प्रबन्धचिन्तामणि । मेरुतुङ्गाचार्य विरचित । अंग्रेजी अनुवाद मात्र ३-७५
- *५०४० प्राकृतपुष्करिणी । हिन्दी अनुवाद सहित । डा० जगदीशचन्द्र
जैन । अलंकार ग्रन्थों में उद्धृत प्राकृत की चुनी हुई पाँच सौ
गाथाओं का अभूतपूर्व संकलन । ये गाथाएँ शृङ्गारपरक मुक्तक
काव्य की सर्वोत्कृष्ट रचनाएँ हैं २-००
- ५०४१ बाणचरितसार (बाणभट्ट की आत्मकथा) संक्षेप २-००
- ५०४२ बृहत्कथा । गुणढय विरचित का हिन्दी । नीलम अग्रवाल १२-५०
- ५०४३ भारतविभूतयः । हंसराज अग्रवाल कृत १-१२
- ५०४४ भारतसंग्रहः । (गद्यकाव्य) लक्ष्मणसूरि विरचित २-५०
- ५०४५ भारतीयरत्नचरितम् । रुद्रदत्त पाठक । सम्पादक-विष्णुवल्लभ शास्त्री-
गोविन्द नरहरि वैजापुरकर ८-००
- ५०४६ भासकथासारः । महालिङ्ग शास्त्री प्रणीत । १ व ३ भाग २-००
- ५०४७ भोजचरित्रम् । १-६०
- *५०४८ भोजप्रबन्धः । महाकवि बल्लालसेन विरचित ०-७५
- *५०४९ भोजप्रबन्धः । 'राज्यध्री' हिन्दी टीका डॉ० भोलाशंकर व्यास
संपादित समालोचनात्मक भूमिका सहित १-५०
- ५०५० मत्स्यावतारप्रबन्धः । नारायणभट्ट प्रणीत ०-३०
- *५०५१ मन्दाकिनी । डॉ० देवर्षि सनाढ्य । वाल्मीकि, कालिदास, भर्तृहरि
भारवि, श्रीहर्ष, मयूर, जयदेव आदि महाकवि और उनकी
कविताओं पर विशेष प्रकाश डाला गया है १-२५
- ५०५२ मन्दारमञ्जरी । श्री विश्वेश्वर पाण्डेय विरचित । सव्याख्या ४-५०
- ५०५३ मन्दारवती । (बृहत्कथामञ्जरीवृद्धतामिनवकथा) १-१२
- ५०५४ महिलामणि कीर्तनम् । धर्मदेव कुन । हिन्दी टीका सहित २-५०
- ५०५५ माधवानलकामकन्दला । (प्रबन्ध) गङ्गापति विरचित । मजूमदार संपादित १५-००
- ५०५६ सुन्दाराक्षसनाटककथा । महादेव विरचित । राधवन संपादित २-५०
- ५०५७ सुन्दाराक्षसपूर्वसङ्ग्रहानक । अनन्तराम विरचित १-७५
- ५०५८ यमकिंकर संवाद व्याख्या (विष्णुपुराणस्थ) बालधरवि जगु
वेंकटाचार्य स्वामी ०-७५

- ५०५९ रसिकजीवन । गदाधरभट्टाचार्य विरचित । चौधरी संपादित ७—५०
- ५०६० रामकथा । वासुदेव विरचित ०—५०
- ५०६१ रामविवाह । (चित्रकाव्य) । लक्ष्मणशास्त्री १—००
- ५०६२ लोकमान्यतिलकचरितम् । (सचित्र) के० डण्ड्यू० चितले कृत ५—००
- ५०६३ वर्णकसमुच्चय । वी. जे. सादेसरा संपादित । १-२ भाग १५—७५
- ५०६४ वाल्मीकिविजयः । वैद्योपाध् परशुराम शर्मा विरचित २—५०
- *५०६५ वासवदत्ता । सुवन्धु विरचित । चपला प्रबोधिनी संस्कृत-हिन्दी-टीका समालोचना, कवि की जीवनी आदि आधुनिक विषयों से सुसज्जित ५—००
- ५०६६ वासवदत्ता कथा । सुवन्धु विरचित । डॉ० जयदेव मोहनलाल शुक्ल संपादित ४—५०
- ५०६७ विज्ञप्ति लेख संग्रह (विज्ञप्ति त्रिवेणी-विज्ञप्ति महालेख-आनन्द प्रबन्ध लेखादि समुच्चयात्मक) प्रथम भाग १०—५०
- *५०६८ विदुलोपाख्यानम् । लीला-विलास संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—६५
- *५०६९ विद्वद्विभूति । लेखक-साहित्यरत्न प्रो० श्री रामचन्द्र भ्मा (बिहार-संस्कृत समिति द्वारा नवीन मध्यमा परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) १—२५
- *५०७० विश्रुतचरितम् । (दशकुमारचरित अष्टम उच्छ्वास) दण्डिप्रणीत । आचार्य कृष्णमोहन शास्त्री एम. ए. सम्पादित समालोचनात्मक भूमिका सहित 'बालविबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीकाविभूषित १—००
- ५०७१ विश्वदर्शनम् । हंसराज अग्रवाल कृत १—१२
- *५०७२ वेतालपञ्चविंशतिः । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्या में कथाप्रसंग देते हुए ग्रन्थ के भावों को विशदरूप से स्पष्ट कर दिया गया है । संस्कृत का थोड़ा भी ज्ञान रखने वाले इस संस्करण से विशेष उपकृत होंगे । यन्त्रस्थ
- ५०७३ वेतालपञ्चविंशतिः । जम्भलकथा । दत्त विरचित । गोरे सम्पादित ३—५०
- ५०७४ वेतालपंचविंशतिकथा । १—५०
- ५०७५ शङ्करजीवनाख्यानम् । क्षमाराव २—००
- ५०७६ शंकरविजय । व्यासाचल विरचित ९—१२
- ५०७७ शम्भूचर्योपदेशः । महालिङ्गशास्त्री कृत ०—२५
- ५०७८ शान्तिनाथचरितम् । अजितप्रभाचार्य विरचित ३—००
- ५०७९ शिलालेखललन्तिका । ०—७५
- ५०८० शिवराजविजयः । अम्बिकादत्त व्यास कृत । वैजयन्ती व्याख्या सहित १-४ निश्वास ३—००, ५—८ निश्वास २—२५
- १-८ निश्वास ५—२५, सम्पूर्ण ८—००
- *५०८१ शुकनासोपदेशः । व्याख्याकार—झा-बन्धु । सरल संस्कृत व्याख्या-समास-विग्रहादि, हिन्दी अनुवाद, अलंकार-निर्देश, टिप्पणी, विशद आलोचनात्मक भूमिका आदि सहित ३—००

- *५०८२ शुक्रसप्ततिः । विनोदिनी संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेता । व्याख्याकारः श्री रमाकान्तत्रिपाठी ।
प्रस्तुत कथा ग्रन्थ में उत्तम उपदेशप्रद ७० कहानियाँ हैं । छिष्ट संस्कृत में होने से इसकी व्याख्याओं की नितान्त आवश्यकता थी । बहुत ही सरल तथा प्रवाहमयी प्रस्तुत व्याख्याओं से मूल के प्रतिपद का अर्थ समझा जा सकता है । संस्कृत कथा-साहित्य का वैभव इस ग्रन्थ में स्पष्ट देखने को मिलता है । एक से एक अनूठी कथाएँ हैं । व्याख्याओं सहित यह सर्वप्रथम संस्करण अवश्य पठनीय है । विशद भूमिकादि सहित । १०—००
- *५०८३ शेक्सपियरनाटककथावली । २—७५
- *५०८४ शृङ्गारमञ्जरीकथा । भोजदेव विरचित । आंग्लानुवाद सहित । कुमारी कल्पलता-क० मा० मुन्शी संपादित १२—५०
- *५०८५ श्रीरामावतार प्रकीर्ण प्रबन्धावली । प्रथम खण्ड ११—००
- *५०८६ श्रीसुभाषचरितम् । वी० के० क्षेत्रे कृत २—५०
- *५०८७ संसार-सागर मन्थन । १-२ भाग ४—००
- *५०८८ संस्कृत-गद्य-कलिका । डा० हरीन्द्रभूषण जन सम्पादित १—००
- *५०८९ संस्कृत-गद्यकाव्य-कैरवी । श्री चारुचन्द्र शास्त्री समाप्त
- *५०९० संस्कृत-गद्य-पद्यसंग्रहः (हिन्दी टीका सहित) दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय परीक्षा पाठ्य स्वीकृत । २—५०
- *५०९१ संस्कृत गद्य भारती । डा० हरिदत्त शास्त्री-डा० राजकुमार जैन २—५०
- *५०९२ संस्कृतगद्यमञ्जरी । चन्द्रशेखर पाण्डेय कृत २—५०
- *५०९३ संस्कृत गद्यलहरी । श्री हरिहर झा । संस्कृत के २० निबन्धों की इस पुस्तक में विभिन्न आधुनिक वैज्ञानिक विषयों एवं नवीन प्रगति का पर्याप्त ज्ञान सुरक्षित है । प्रतिपाठ के अन्त में अभ्यास के लिये कुछ प्रश्न तथा आवश्यक स्थलों पर चित्र भी हैं । प्रथम भाग १—५० द्वितीय भाग १—५०
१-२ भाग ३—००
- *५०९४ संस्कृत-सौरभम् (सचित्र : कक्षा ८ के लिये प्रस्तुत) कक्षा ८ के अल्पवयस्क बालकों को अत्यन्त सरल रूप में संस्कृत का ज्ञान कराने के लिये यह पुस्तक लिखी गयी है । पाठों के अन्त में जो अभ्यास दिये गये हैं, उनमें नवीन शैली अपनायी गई है । किं बहुना, पदे-पदे आकर्षक चित्रों द्वारा बालकों के लिये उपयोगी बनाने का भगीरथ प्रयत्न किया गया है १—२५
- *५०९५ सस्कथा मंजरी । वरदाचार्य १—२५
- *५०९६ समस्या समज्या । भागवताचार्य स्वामिकृत २—००
- *५०९७ समीक्षाशास्त्र । श्री सीताराम चतुर्वेदी । विश्वसाहित्य में साहित्य समीक्षा का सब से विशाल ग्रन्थ २१—००
- *५०९८ सावित्र्युपाख्यानम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—२४

- ५०९५ साहित्य सुधा । चारुदेव शास्त्री ३-३७
- ५१०० सिंहासन वत्तिशी । स. आ. जोगलेकर (मराठी) ३-००
- ५१०१ सीता रावण संवाद झरी । चामराज नागराम रामशास्त्री विरचित ।
सञ्चाल्या । १-२ भाग ३-७५
- ५१०२ सुन्दर विरुदावली । १-२५
- ५१०३ सेक शुभोदया । हल्लयुध मिश्र प्रणीत । सुकुमार सेन कृत आंगलानुवाद
सहित ३०-००
- ५१०४ सेठकन्हैयालाल पोद्दार अभिनन्दन-ग्रन्थ । डॉ० वासुदेव शरण अग्रवाल ३०-००
- ५१०५ स्थविरावलीचरितम् । परिशिष्टपर्वण । हेमचन्द्र विरचित ५-००
- *५१०६ THE STORY OF KING UDAYANA AS GLEANED
FROM SANSKRIT, PALI AND PRAKRIT
SOURCES by Dr. Srimati Niti Adauval. In the Press
- *५१०७ स्मृति के हस्ताक्षर । (अतिशय रोचक और प्रेरक संस्मरण)
देवदत्त शास्त्री
प्रस्तुत पुस्तक हिन्दी के संस्मरण-साहित्य का अङ्ग है । इसमें
आए हुए रोमांचकारी यात्राओं तथा मधुराम्ल-लवण-कटु-
कषाय-तिक्त वैयक्तिक घटनाओं के चुटीले प्रसंग जीवन को
गति देने में अपूर्व क्षमता रखते हैं । ५-००
- *५१०८ हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् । सायण भाष्य सहित 'प्रकाश' हिन्दी
व्याख्या विमर्श सहित । व्याख्याकार : उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
उच्च कक्षाओं में निर्धारित इस मनोरम उपाख्यान ग्रन्थ का प्राच्य-
पाश्चात्य उभयविध अध्ययन इसमें प्रस्तुत किया गया है । मूलपाठ के
साथ सायणभाष्य, हिन्दी अनुवाद, भाषाशास्त्रीय टिप्पणियाँ तथा
विशद भूमिका आदि से पुस्तक अधिक उपादेय हो गई है । २-५०
- *५१०९ हर्षचरितम् । बाणभट्ट कृत । संकेत संस्कृत तथा आचार्य जगन्नाथ
पाठक कृत हिन्दी व्याख्या द्वय विस्तृत प्रस्तावनादि सहित ७-००
- ५११० हर्षचरितम् । रत्ननाथ कृत व्याख्या सहित ७-७५
- *५१११ हर्षचरितम् । (प्रथम उच्छ्वास) कथाभट्टी संस्कृत हिन्दीटीकासहित समाप्त
- *५११२ हर्षचरितम् । (पञ्चम उच्छ्वासः) । सुधा-संस्कृत-हिन्दी
व्याख्या सहित । व्याख्याकार श्री शिवनाथ शर्मा पाण्डेय ३-००
- ५११३ हर्षचरित : एक सांस्कृतिक अध्ययन । वासुदेव शरण अग्रवाल ९-५०
- ५११४ हर्षचरित संग्रह । आर० बी० कृष्णामाचारियर २-५०
- ५११५ हर्षचरितसार । मिराशी ४-५०
- ५११६ हर्षचरितसार । (मिराशी) हिन्दी अनुवाद । १-३ उच्छ्वास २-००
- *५११७ हर्षचरितसारः । सं० हरिहर झा । इसमें उपशीर्षकों के प्रयोग-
पूर्वक कथांश का सार भाग लिया गया है । क्लिष्ट गद्य भाग
छोड़ दिया गया है । गद्य-साहित्य से सम्बन्धित सब आव-
श्यक जानकारी विचारपूर्ण भूमिका मात्र से हो जाती है । १-४०

- *५११८ हितोपदेशः । मूलमात्र । सटिप्पण । १—००
 ५११९ हितोपदेशः । नारायण विरचित । पी० पिटर्सन संपादित १—६९
 *५१२० हितोपदेशः । किरणावली संस्कृत-हिन्दी व्याख्या द्वय सहित । इस विश्व प्रसिद्ध नीतिग्रन्थ की अत्यन्त सरल-सहज प्रतिपद बोधिनी विषयानुकूल ये दोनों व्याख्याएँ संस्कृत एवं हिन्दी मात्र जानने वालों के लिये भी अत्यधिक उपयोगी हैं । ३-५०
 *५१२१ हितोपदेश-मित्रलाभः (अश्लीलांश वर्जित) सान्वय-किरणावली टीका, कथासार सहित (प्रथमा परीक्षा पाठ्य-स्वीकृत) १—००
 *५१२२ हितोपदेश-सुहृद्भेदः । 'किरणावली' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतः १-२५
 *५१२३ HISTORICAL AND LITERARY INSCRIPTIONS : By Dr. Rājibali Pandeya, M. A., D. Litt. (Chow. Sans. Studies Vol. XXIII) १५—००

अलङ्कारशास्त्र-ग्रन्थाः

- ५१२४ अकबरसाहिब्रद्वारदर्पण । पद्मसुन्दरविरचित २—००
 ५१२५ अभिनवकाव्यप्रकाशः । सटिप्पण । १-६ उल्लास १—५०
 ५१२६ अभिनवकाव्यप्रकाशः । गिरिधरलाल व्यास संकलित । १-८ उल्लास-प्रथम खण्ड । परिर्वर्द्धित संस्करण ५—००
 ५१२७ अरस्तू का काव्यशास्त्र । डॉ० नगेन्द्र-महेन्द्र चतुर्वेदी ७—००
 ५१२८ अर्थव्यञ्जकताचित्रम् । ०—३०
 ५१२९ अलङ्कृतमणिमाला । जी० वी० देवरथ कृत १—२५
 *५१३० अलङ्कारपीयूष । डॉ० गङ्गासागर राय । परीक्षा में प्रष्टव्य चुने हुए ५२ अलंकारों के लक्षणों तथा उदाहरणों की मार्मिक हिन्दी व्याख्या सहित । वी. ए. तथा एम. ए. छात्रों के लिये परमोपयोगी १—५०
 *५१३१ अलङ्कारप्रदीपः । श्रीविश्वेश्वर पाण्डेय निर्मित १—५०
 ५१३२ अलङ्कारमञ्जरी । वेणीयुक्त कृत । बदरीनाथ झा संपादित २—००
 ५१३३ अलङ्कारमञ्जूषा । देवशङ्करपुरोहित विरचित ३—००
 ५१३४ अलङ्कारमणिहारः । परकालस्वामी प्रणीत । चतुर्थ भाग मात्र २—६१
 ५१३५ अलङ्कार-मीमांसा (अलंकार सर्वस्व के सन्दर्भ में अलङ्कार-सिद्धान्त का अनुसन्धान) डॉ० रामचन्द्र दिवेदी १६—००
 *५१३६ अलङ्कारमुक्तावली । श्रीविश्वेश्वर पाण्डेय निर्मिता १—५०
 ५१३७ अलङ्काररत्नाकरः । शोभाकर मित्र विरचित । देवधर सम्पादित ४—००
 *५१३८ अलङ्कारशेखरः । केशवमिश्र कृत । साहित्याचार्य श्रीअनन्तराम शास्त्रिकृत भूमिकादि विभूषित १—२५
 *५१३९ अलङ्कारसंग्रहः । अमृतानन्दयोगिकृत ६६—००

- *५१४० हिन्दी अलङ्कारसर्वस्व । रुच्यक विरचित । व्याख्याकार-आ० रेवाप्रसाद द्विवेदी
इस ग्रन्थ की प्राञ्जल हिन्दी व्याख्या में लेखक की अलंकार-शास्त्र-विषयक विद्वत्ता प्रति पृष्ठ में भरी हुई है । पाण्डित्यपूर्ण भूमिका से भी एतद्विषयक शास्त्रीय ज्ञान का क्रमबद्ध वर्णन प्राप्त हो जाता है । यन्त्रस्थ
- ५१४१ अलंकारसर्वस्वम् । राजानक रुच्यक-कृत । विद्याचक्रवर्ति-कृत 'संजीवनी' संस्कृत व्याख्या सहित । सम्पादिका—कुमारी स० सु० जानकी ।
संशोधक—डॉ० बी० राघवन । २५—००, ३५—००
- ५१४२ अलङ्कारसर्वस्वम् । संजीविनी संस्कृत तथा हिन्दी व्याख्या सहित १५—००
- *५१४३ अलङ्कारसारमञ्जरी । वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय सर्वविध मध्यमा परीक्षा पाठ्यरूपा । हिन्दी टीका सहित ०—५०
- ५१४४ आचार्य मम्मट और उनका काव्यप्रकाश । आचार्य रामचन्द्र झा २—००
- ५१४५ कर्णभूषणम् । गङ्गानन्द कविराज विरचित १—००
- ५१४६ कविकल्पलता । देवेश्वर विरचित । १-२ खंड १—५०
- *५१४७ काव्यकल्पलतावृत्तिः । अमरचन्द्रयतिनिर्मिता दुष्प्राप्य
- ५१४८ काव्यचन्द्रकला । रामनारायणदास शास्त्री विरचिता १—००
- ५१४९ काव्यदर्पणः । राजचूडामणि दाक्षित विरचित ३—००
- *५१५० काव्यदीपिका । 'मयूख'-'किरण' संस्कृत हिन्दीव्याख्या सहित २—८०
- *५१५१ काव्यदीपिका-अष्टमशिखा । डॉ० भोलाशंकरव्यास सम्पादित
समालोचनात्मक भूमिकादि, 'मयूख' संस्कृत-हिन्दीटीका विभूषित १—२५
- ५१५२ काव्यपरीक्षा । श्रीवत्सलान्धन विरचित । स्वोपज्ञवृत्ति सहित ८—००
- *५१५३ काव्यप्रकाशः । 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या टिप्पणी (नोट्स)
समालोचनात्मक विस्तृत प्रस्तावनादि सहित । व्याख्याकार—
डॉ० सत्यव्रतसिंह एम० ए०, पी-एच० डी० ।
१-३ उच्चास मात्र ३—०० दशम उच्चास मात्र ५—००
तृतीय परिवर्द्धित संस्करण । सम्पूर्ण १०—००
- *५१५४ काव्यप्रकाशः । म० म० श्री गोकुलनाथ उपाध्याय कृत व्याख्या
विभूषित । प्रथमोच्चास १—२०
- ५१५५ काव्यप्रकाशविवरणम् । गोकुलनाथोपाध्याय विरचित । अपूर्ण पञ्चम
उच्चास पर्यंत ८—००
- *५१५६ काव्यप्रकाशः । 'नागेश्वरी' व्याख्यासहितः । तृतीय संस्करण ८—००
- ५१५७ काव्यप्रकाशः । माणिक्यचन्द्र विरचित संकेत व्याख्या सहित ४—७५
- ५१५८ काव्यप्रकाशः । वामनाचार्य झलकीकर प्रणीत व्याख्या सहित १८—००
- ५१५९ काव्यप्रकाशः । श्रीधरकृत काव्यप्रकाशविवेक व्याख्या सहित ।
२यं भाग मात्र २०—००
- ५१६० काव्यप्रकाशः । मट्टसोमेश्वरविरचित काव्यादर्श संकेत सहित । १-२ भा. २०—२५
- ५१६१ काव्यप्रकाशः । विद्याचक्रवर्ति कृत सम्प्रदाय प्रकाशिनी व्याख्या-आंगलानुवाद
सहित । १-६ उच्चास-प्रथम भाग १२—००

अलङ्कारशास्त्र-ग्रन्थाः

१६६

- ५१६२ काव्यप्रकाशखण्डन । खुशफहम् सिद्धिचन्द्रगणि विरचित ४—५०
- *५१६३ काव्यप्रकाशरहस्यम् (काव्यप्रकाश-प्रश्नोत्तरी) नवीन संस्करण २—००
- ५१६४ काव्यप्रदीपः । गोविन्दविरचित । वैद्यनाथ प्रणीत व्याख्या सहित ३—००
- ५१६५ काव्यमञ्जरी । पदुमनदास कृत ३—००
- *५१६६ हिन्दी काव्य-मीमांसा । व्याख्याकार डॉ० गंगासागर राय ।
प्रस्तावना-लेखक, आचार्य बलदेव उपाध्याय । इस संस्करण
में सटिप्पण मार्मिक हिन्दी व्याख्याको तुलनात्मक तथा आलो-
चनात्मक रूप दिया गया है । प्रस्तावना में 'राजशेखर और
शास्त्रीय सम्प्रदाय' के तुलनात्मक विवेचन के उपरान्त राजशेखर
का समय, पूर्ववर्ती आचार्यों की परम्परा तथा उस में राजशेखर
का स्थान, देश-काल, विषय-वस्तु आदि का मार्मिक परिचय
दिया गया है । अन्त में ऐतिहासिक टिप्पणियाँ (नोट्स)
भौगोलिक स्थानों का परिचय, काव्यमीमांसा के उपजीव्य
ग्रंथ आदि कई परिशिष्ट भी हैं ८—५०
- *५१६७ काव्यमीमांसा । राजशेखर विरचित । श्रीमधुसूदनमिश्रकृत संस्कृत
व्याख्या सहित । सम्पूर्ण ४—००
- *५१६८ काव्यमीमांसा । मधुसूदनी-बालक्रीडा संस्कृत-हिन्दी व्याख्या
सहित । १-५ अध्याय १—००
- *५१६९ काव्यमीमांसा । म० म० श्रीनारायण शास्त्री खिस्ते कृत
'काव्यमीमांसा चन्द्रिका' व्याख्या सहित । १-५ अध्याय १—५०
- ५१७० काव्यलक्षणम् । रत्नश्री ज्ञानकृतया रत्नमित्रा टीकया समलंकृतम् १५—००
- ५१७१ काव्य-शास्त्र-दीपिका । डा० विश्वनाथ मट्टाचार्य-रामगोपाल मिश्र संपादित १—५०
- *५१७२ काव्याङ्गनिर्णयः । प्रो० जंगबहादुर मिश्र । समाप्त
- *५१७३ काव्यादर्शः । दण्डिविरचित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र प्रणीत
संस्कृत-व्याख्या, विमर्शाख्य हिन्दी भाष्य, समालोचनात्मक
विस्तृत भूमिकादि विभूषित ६—५०
- ५१७४ काव्यादर्श । प्रेमचन्द्र तर्कवागीश-जीवानन्द विद्यासागर कृत व्याख्याद्वय-
आंगलानुवाद-अंगलानुवाद सहित । प्रथम परिच्छेद ६—५०
- *५१७५ काव्यालङ्कारः । श्रीमामहाचार्यनिर्मित । आंगल भूमिकादि सहित ग्रन्थस्य
५१७६ काव्यालङ्कार । मामह विरचित । देवेन्द्रनाथ शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित ५—००
- *५१७७ हिन्दी काव्यालङ्कार । महाकवि रुद्रट विरचित । व्याख्याकार-
श्रीरामदेव शुक्ल ।
नमिसाधुकृत संस्कृतटिप्पण, सविमर्श 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या, पाण्डित्यपूर्ण
ग्रन्थालोचन, अलङ्कार-समीक्षण तथा शास्त्रीय विचारों से परिपूर्ण प्रस्तावना-
वक्तव्य-परिशिष्ट आदि से सुसज्जित । १०—००
- ५१७८ काव्यालङ्कार । रुद्रट कृत । हिन्दी टीका सहित २१—००

- ५१७९ काव्यालङ्कारसारसङ्ग्रहः । उद्भट्ट विरचित । इन्दुराजकृत लघुवृत्ति,
पन० डी० वनहट्टी प्रणीत अंग्रेजी नोट्स सहित २-५०
- ५१८० काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः । वामन विरचित वृत्ति समेत १-५०
- ५१८१ काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः । वामन विरचित । पंचम अधिकरण ३-००
- ५१८२ काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः । वामन विरचित । कामधेनु टिप्पणी सहित ४-००
- ५१८३ काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी अनुवाद सहित १२-००
- ५१८४ काव्यालङ्कारसूत्राणि । यास्कविरचित व्रतिसङ्गलवृत्ति सहित १-२५
- *५१८५ काव्येन्दुप्रकाशः । कामराजदीक्षित प्रणीत । श्री बाबूलाल
शुक्ल शास्त्री संपादित । शोधपूर्ण संस्करण ३-००
- *५१८६ कुवलयानन्दः । डॉ० भोलाशंकर व्यास कृत 'अलंकारसुरभि'
नामक सुविस्तृत हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी तथा अलंकारशास्त्रीय
इतिहासात्मक बृहत् भूमिकादि सहित ६-८०
- ५१८७ कुवलयानन्दचन्द्रिकाचकोरः । जगू बेंकटाचार्य विरचित १५-००
- ५१८८ गोदवर्मयशोभूषणम् । अरुणगिरि कृत ०-७५
- *५१८९ चन्द्रालोकः । गागाभट्टकृत 'राकागम' टीका सहित ४-००
- *५१९० चन्द्रालोकः । पौर्णमासी, कथाभट्टी-संस्कृत-हिन्दी व्याख्याद्वयोपेत ३-००
- *५१९१ चन्द्रालोक-पंचममयूखः । डॉ० सुरेन्द्रदेव शास्त्री कृत सविमर्श
'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित १-५०
- *५१९२ चन्द्रालोकरहस्यम् (चन्द्रालोकप्रश्नोत्तरी) अभिनव संस्करण १-२५
- ५१९३ चित्रमीमांसा । अप्पय दीक्षित कृत । धरानन्द कृत सुभा संस्कृत
व्याख्या सहित १६-००
- *५१९४ दशरूपकम् । धनञ्जय विरचित । सावलोक । 'चन्द्रकला' हिन्दी
व्याख्योपेत । समालोचनात्मक विस्तृत प्रस्तावनादि विभूषित,
व्याख्याकार-डॉ० भोलाशंकर व्यास ७-००
- *५१९५ ध्वन्यालोकः । लोचन-बालप्रिया टीका दिव्याजनादि सहित समाप्त
- *५१९६ हिन्दी ध्वन्यालोक लोचन । लोचन संस्कृत व्याख्या-प्रकाश विस्तृत
हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार-आचार्य जगन्नाथ पाठक ।
इस संस्करण में ध्वन्यालोक और लोचन के साथ दोनों का व्यवस्थित
हिन्दी अनुवाद, व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ तथा ग्रन्थ-गौरव के अनुकूल
विचारपूर्ण विशद भूमिका आदि उपयोगी सामग्री उपनिबद्ध है ।
प्रथम उद्योत ४-००
संपूर्ण ग्रन्थ १६-००
- *५१९७ ध्वन्यालोकः । कविशेखर पं० बदरीनाथ शर्मा कृत दीधिति
संस्कृत-व्याख्या पं० श्री शोभित मिश्र कृत हिन्दी व्याख्या,
विस्तृत प्रस्तावनादि सहित ६-००
- *५१९८ ध्वन्यालोकः । कविशेखर पं० बदरीनाथ शर्मा कृत 'दीधिति'
संस्कृत व्याख्या, तथा श्री शोभित मिश्र कृत हिन्दी
व्याख्या, विस्तृत प्रस्तावना सहित । प्रथम-द्वितीय उद्योत ३-००

- *५१९९ ध्वन्यालोकः । कुप्पू स्वामिशालि प्रणीत व्याख्या सहित । प्रथम भाग ९—००
- *५२०० ध्वन्यालोकरहस्यम् । (ध्वन्यालोक-प्रश्नोत्तरी) २—००
- *५२०१ ध्वन्यालोकसारः । रचयिता-पण्डित श्री पुरुषोत्तमशर्मा चतुर्वेदी १—२५
- ५२०२ पृथ्वीचन्द्रचरित्रम् । सत्यराजगणिकृत । पत्रात्मक १—५०
- *५२०३ प्रतापहरीयम् । विश्वनाथ विरचित । हिन्दी व्याख्या सहित यन्त्रस्य
- *५२०४ भारतीय साहित्य की रूपरेखा । डॉ० भोलाशङ्कर व्यास ।
भारतीय संस्कृति तथा साहित्यकी परम्परा लगभग पाँच-छः
हजार वर्षों से निरन्तर प्रवहमान रूप में उपलब्ध होती है ।
इस संस्कृति और साहित्य की अट्टालिका के निर्माण का
इतिवृत्त प्रस्तुत करना ही इस ग्रन्थ का मुख्य विषय है । ७—५०
- ५२०५ भारतीय साहित्य रसतरंगिणी । प्रथम खण्ड (गुजराती) ५—५०
- ५२०६ भारतीयसाहित्यशास्त्र । बलदेव उपाध्याय । प्रथम भाग १५—००
- *५२०७ MANUAL OF CLASSICAL SANSKRIT PROSODY : By
Dr. S. N. Shastri. M. A., D. Phil., LL. B. Shortly
- *५२०८ हिन्दी रसगङ्गाधर । 'चन्द्रिका' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । ध्वन्यालोक
के सफल टीकाकार जगतप्रसिद्ध कविशेखर आचार्य बदरीनाथ झा
की अत्यन्त सरल सुबोध संस्कृत व्याख्या के साथ ही आचार्य मदनमोहन
शोस्त्री कृत आधुनिक सुविस्तृत हिन्दी व्याख्या होने से तो सोने में
झुगन्धि पैदा हो गयी है । यह हिन्दी व्याख्या केवल संस्कृत छात्रों के लिए
ही नहीं प्रत्युत हिन्दी-अंगरेजी छात्रों की कठिनाइयों को विशेष ध्यान में
रखकर प्रस्तुत की गयी है । इसकी समालोचनात्मक विशाल हिन्दी
प्रस्तावना भी छात्रों के लिए अधिक उपादेय है । १-३ भाग संपूर्ण ४५—००
- प्रथमानन्त पर्यन्त प्रथम भाग ९—००
द्वितीयान्त का उत्प्रेक्षानिरूपणान्त द्वितीय भाग १६—००
अतिशयोक्त्यलङ्कारादि समासिपर्यन्त तृतीय भाग २०—००
- *५२०९ रसगङ्गाधर । पुरुषोत्तमशर्मा चतुर्वेदी कृत हिन्दी मात्र । १-३ भाग २४—००
- ५२१० रसगङ्गाधर का शास्त्रीय अध्ययन । डॉ० जेम स्वरूप गुप्त १२—००
- ५२११ रसगङ्गाधरमर्मप्रकाश मसौदाटन । जगू वैकटाचार्य विरचित २—५०
- *५२१२ रसगङ्गाधररहस्यम् । (प्रश्नोत्तरी) श्रीमदनमोहनशर्मा विरचित १—००
- *५२१३ रसगङ्गाधरहृदयम् । श्री ज्ञानचन्द्र त्यागी एम० ए०
अति विस्तृत विषय को संक्षिप्त करना सभी छात्रों के लिए कष्टकर होता
है अतः इस पुस्तक में रसगङ्गाधर के सभी प्रश्नों का संक्षेप में ही ज्ञान
कराया गया है जिसके अभ्यास मात्र से परीक्षार्थी परीक्षा में अनायास
सफलता प्राप्त करेंगे । संस्कृत, हिन्दी, अंगरेजी सभी विधविद्यालयीय
छात्रों के लिए यह प्रश्नोत्तरी समान उपयोगी है २—००
- *५२१४ रसचन्द्रिका । श्री विश्वेश्वर पाण्डेय निमित्त १—००
- ५२१५ रसतरङ्गिणी । भातुदत्तमिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित २—५०
- ५२१६ रसतरङ्गिणी । रामानन्द ठक्कुर विरचित ३—००

- ५२१७ रसतरंगिणी । जयदत्त शास्त्री कृत । प्रथम खण्ड (गुजराती) ५—३७
- ५२१८ रसदीर्घिका । विद्याराम विरचित २—००
- *५२१९ रसमञ्जरी । कविशेखर पं० बदरीनाथ झा कृत 'सुरभि' संस्कृत व्याख्या
आचार्य जगन्नाथपाठक कृत सुषमा हिन्दी व्याख्याद्वय सहिता ५—८०
- ५२२० रसमञ्जरी । भानुदत्त विरचित । व्यङ्ग्यार्थ कौमुदी व्याख्या सहित २—००
- *५२२१ रसमीमांसाविवेक । गङ्गाराम जडि विरचित । संस्कृत मूल,
विवेक संस्कृत व्याख्या—आंग्ल—हिन्दी भूमिकादि युक्त ।
व्याख्याकार—डॉ० लाल रमायदुपाल सिंह
म० म० श्रीगङ्गाराम जडि विरचित रसमीमांसा मौलिक रसविवेचन है ।
पाँच पाण्डुलिपियों के आधार पर संशोधित एवं सम्पादित इस संस्करण
में सम्पादक की 'विवेक' व्याख्या, पाण्डित्यपूर्ण अंगरेजी-हिन्दी भूमिका
आदि प्रमुख विशेषतायें हैं । यन्त्रस्थ
- ५२२२ रसरत्नप्रदीपिका । अल्लराज विरचित ३—००
- ५२२३ रसविलासः । भूदेवशुक्ल कृत । श्रीमती प्रेमलता शर्मा संपादित ५—००
- ५२२४ रूपकपरिशुद्धिः । २—००
- *५२२५ हिन्दी वक्रोक्तिजीवित । व्याख्याकार—राधेश्याम मिश्र ।
विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक प्रस्तावना तथा
विविध-परिशिष्ट-विभूषित संग्राह्य संस्करण १५—००
- ५२२६ वक्रोक्तिजीवितम् । राजानक कुन्तकविरचितम् । सव्याख्या एस० के०
दे सम्पादित १५—००
- *५२२७ वाग्भटालङ्कारः । सिंहदेवगणि विरचित संस्कृत टीका,
डा० सत्यव्रतसिंह कृत अभिनव शशिकला हिन्दी व्याख्या
विस्तृत समालोचनादि सहित २—००
- ५२२८ वीरतरंगिणी । म० म० चित्रधर मिश्र विरचित ।
सं० डॉ० त्रिलोकनाथ झा ३—००
- ५२२९ वृत्तिवार्तिकम् । अप्पयदीक्षित विरचित ०—३७
- *५२३० व्यक्तिविवेकः । राजानक महिमभट्ट प्रणीत । श्री राजानक रुय्यक
विरचित व्याख्या तथा मधुसूदनी विवृति सहित दुष्प्राप्य
- *५२३१ हिन्दी व्यक्तिविवेक । राजानक महिमभट्ट प्रणीत राजानक रुय्यक
विरचित संस्कृतटीका सहित । हिन्दी व्याख्याकार—श्रीरेवाप्रसाद द्विवेदी
इस संस्करण में मूलग्रन्थ तथा संस्कृत टीका के साथ विषयानुकूल सरल
एवं सरस हिन्दी में उसका प्राञ्जल अनुवाद देकर 'विमर्श' में विषय का
विशिष्ट विवेचन प्रस्तुत किया गया है । प्रयत्न करके शोधपूर्वक यथाप्राप्त
पाठान्तर भी दिए गए हैं । अपनी कोटि का सर्वप्रथम संस्करण है । १६—००
- ५२३२ शिशुप्रबोधकान्यालङ्कारः । पुञ्जराज विरचित । बी०एल० शंभोग संपादित ८—००
- ५२३३ शृङ्गारप्रकाशः । भोजदेव विरचित । १—२ प्रकाश १—७५
- ५२३४ शृङ्गारप्रकाशः । भोजदेव विरचित । प्रथमादि चतुर्दश प्रकाशात्मकः ।
जी० आर० जोशियर सम्पादित । १—२ भाग ५०—००

- ५२३५ शृङ्गारमञ्जरी । अकबरसाह कृत । ब्रजभाषा । रूपान्तरकार कवि चिन्तामणि ।
डा० भगीरथ मिश्र सम्पादित २—५०
- ५२३६ शृङ्गारवैराग्यतरंगिणी । शिवदत्तकवि कृत ०—२५
- *५२३७ शृङ्गारशतकम् । भर्तृहरिकृत । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या पद्यानु-
वाद सहित १—००
- ५२३८ शृङ्गारशतकम् । वैद्य हरिदास कविराज कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ५—००
- ५२३९ शृङ्गारसारिणी । म० म० चित्रधर विरचित । सं० डा० त्रिलोकनाथशा ४—००
- ५२४० शृङ्गारहारावली । हर्ष विरचित २—७५
- ५२४१ सभ्यालङ्कारणम् । गोविन्दजीत विरचित । चौधरी सम्पादित ३—००
- ५२४२ सरलसाहित्यसङ्कलनम् । प्रो० धर्मचन्द ४—००
- ५२४३ सरस्वतीकण्ठाभरणम् । भोजदेव विरचित । चित्रप्रकरण ०—८०
- ५२४४ साहित्य और सौन्दर्य । लेखक—डॉ० फतह सिंह । हिन्दी १—९०
- *५२४५ साहित्यदर्पणः । 'लक्ष्मी' संस्कृत-व्याख्या-टिप्पणी विभूषित
व्याख्याकार—कृष्णमोहन शास्त्री एम. ए. (परिष्कृत संस्करण) १५—००
- *५२४६ साहित्यदर्पणः । विमर्शाख्य 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या, वक्तव्य,
टिप्पणी (नोट्स) सुविस्तृत प्रस्तावना, दर्पण-समीक्षादि
सहित । व्याख्याकार—डॉ० सत्यव्रत सिंह १२—५०
१-६ परिच्छेद ७-५०, ७-१० परिच्छेद ७-५०
- *५२४७ हिन्दी साहित्यदर्पण । (षष्ठ परिच्छेद) विमर्शाख्य शशिकला
हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकार डा० सत्यव्रत सिंह । छात्रोपयोगी
सर्वाङ्गपूर्ण व्याख्या ४—५०
- *५२४८ हिन्दी साहित्यदर्पण । दशम परिच्छेद । विमर्शाख्य शशिकला
हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकार—डा० सत्यव्रत सिंह ५—००
- ५२४९ साहित्यदर्पणः । रामचरण तर्कवागीश भट्टाचार्य कृत व्याख्या सहित १२—५०
- ५२५० साहित्यदर्पणः । रामचरण तर्कवागीश भट्टाचार्य कृत व्याख्या—बंगला-
नुवाद सहित २०—००
- *५२५१ साहित्यदर्पणादर्शः । (साहित्यदर्पण-प्रश्नोत्तरी) २—००
- *५२५२ साहित्य-निबन्धः । वाराणसी, बिहार एवं पंजाब की साहित्यशास्त्री
तथा आचार्य परीक्षा में निर्धारित निबन्ध ग्रन्थ १—२५
- ५२५३ साहित्यविमर्शः । सोमेश्वरशर्मा २—५०
- *५२५४ साहित्य-शास्त्र-सार । हुंसराज अप्रवाल तथा श्रुतिकान्त जी ।
संस्कृत के लक्षण-ग्रन्थों की तरह अत्यन्त व्यवस्थित तथा संक्षेप में साहित्य
के सभी अंगों की हिन्दी में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह प्रथम ग्रन्थ
है । इसकी शैली बड़ी सुबोध है और विषय के वर्गीकरण में बड़े कौशल से
काम लिया गया है । पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका भी एतद्विषयक उत्तम
विचारों से पूर्ण है । ४—५०
- ५२५५ साहित्यसारः । सर्वेश्वराचार्य विरचित २—५०
- ५२५६ साहित्यसुधाकरः । के० एस्० परमेश्वर शास्त्री संगृहीत १—००

सुभाषित-ग्रन्थाः

- ५२५७ अन्योक्तितरङ्गिणी । मथुराप्रसाद दीक्षित । स्वोपध्याय्या सहित २-५०
- ५२५८ अन्योक्तिमुक्तावली । रामशास्त्री भागवताचार्य विरचित १-२५
- ५२५९ अन्योक्त्यष्टकसङ्ग्रहः । प्रतिभात्रिवेदी सम्पादित २-००
- ५२६० कर्णाभृत प्रपा । भट्ट सोमेश्वर कृत २-२५
- ५२६१ द्रविडार्थासुभाषितसप्ततिः । महालिङ्गशास्त्री कृत १-००
- ५२६२ भर्तृहरिसुभाषित । १-१२
- ५२६३ रामायणसूक्तिसुधाकर । ०-७५
- ५२६४ व्याजोक्तिरत्नावली । महालिङ्गशास्त्री कृत २-००
- ५२६५ संस्कृतलोकोक्तिप्रयोगः । ०-७५
- ५२६६ संस्कृतसूक्तिरत्नाकर । डॉ० रामजी उपाध्याय । हिन्दी अनुवाद सहित २-५०
- ५२६७ संस्कृतसूक्तिसागरः । नारायण स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित । २१-००
- सौताराम चतुर्वेदी सम्पादित २१-००
- ५२६८ सदुक्तिकर्णाभृतम् । श्रोधरदास प्रणीत । रानावतार शर्मा सम्पादित । १-२ खंड १-५०
- ५२६९ सदुक्तिकर्णाभृतम् । श्रोधरदास प्रणीत । सुरेशचन्द्र बनर्जी संपादित ४०-००
- *५२७० समयोचितपद्यरत्नमालिका । अक्षरादिक्रम से सुभाषित पद्यों का अनुपम संग्रह ०-५५
- ५२७१ सारुक्तावली । सूक्तावली सहित ०-३७
- ५२७२ सुभाषितत्रिशतिः । भर्तृहरि प्रणीत । रामचन्द्र कृत व्याख्या सहित २-५०
- ५२७३ सुभाषितरत्नकोषः । विद्याकर ग्रथित । कोशाम्बी संपादित नेट ४५-००
- ५२७४ सुभाषितरत्नभाण्डागारः । सटिप्पण १५-००
- ५२७५ सुभाषित सप्तशती । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री २-५०
- ५२७६ सुभाषितसुधारत्नभाण्डागारः । १२-००
- ५२७७ सुभाषितावलिः । वल्लभदेव संगृहीत २०-००
- ५२७८ सूक्तावली । गुरुप्रसाद संगृहीत । सारुक्तावली । हरदयाल कृत ०-३७
- *५२७९ सूक्तिमञ्जरी । आचार्य बलदेव उपाध्याय । इस ग्रन्थ में विशाल संस्कृत-साहित्य से सूक्तियाँ चुनकर उनकी इतनी रोचक भाषा में ललित हिन्दी व्याख्या की गयी है कि संस्कृत से अनभिज्ञ भी इस ग्रन्थ के अनुशीलन से अपनी रसपिपासा शान्त कर सकता है । ५-२०
- ५२८० सूक्तिमाला । Gems from Sanskrit Literature. १-५०
- ५२८१ सूक्तिमुक्तावली । गोकुलनाथोपाध्याय विरचित । भूपनारायण झा संपादित ७-५०
- ५२८२ सूक्तिमुक्तावली । हरिहर प्रणीत । रमानाथ झा सम्पादित ८-००
- *५२८३ सूक्तिशतकम् । सम्पादक-श्रीहरिहर झा
- दैनिक जीवन में व्यवहार्य रीति-नीति से सम्बन्धित सौ-सौ सूक्तियाँ चुनकर उन्हें मनोवैज्ञानिक दृष्टि से एक विशेष क्रम में रखकर इस पुस्तक को दो भागों में सजाया गया है । १-२ भाग । १-५०
- *५२८४ सूक्तिसंग्रहः । श्रीराक्षसकविकृत । प्राज्ञविनोदिनीव्याख्यासंवलित । २०-२०

५२८५ सूक्तिसागर । रमाशंकर गुप्त । हिन्दी	१०—००
५२८६ सूक्तिसुधाकरः । सानुवाद अजित	०—७५ सज्जिन्द १—२०
५२८७ सूक्तिसुधातरङ्गिणी । १-२ भाग	१—७५
५२८८ सूक्तिसुन्दरः । सुन्दरदेव विरचित । चौधरी सम्पादित	२—५०

चम्पू-ग्रन्थाः

- ५२८९ आनन्दकन्दचम्पूः । मित्रमिश्र विरचित ३—५०
- ५२९० आनन्दरङ्गचम्पूः । श्रीनिवास विरचित । राघवन् सम्पादित । सव्याख्या ४—५०
- ५२९१ आनन्द-वृन्दावन-चम्पू । कवि कर्णपूर कृत का हिन्दी-भावानुवाद ।
डॉ० बाँकेविहारी ४—००
- ५२९२ उषापरिणयप्रबन्धः । ०—६०
- ५२९३ कविमनोरञ्जकचम्पूः । सीतारामसूरि विरचित १—७०
- ५२९४ कुमारसम्भवचम्पूः । साराभोजी महाराज कृत १—००
- ५२९५ कुवलयमाला । उद्योतन सूरि विरचित । प्रथम भाग १५—५०
- ५२९६ कुवलयमाला कथा संचेप । प्रथम भाग-परिशिष्टात्मकग्रन्थ ५—५०
- ५२९७ कृष्णोद्भासः । पा० रा० सुब्रह्मण्य शास्त्री विरचित ५—००
- ५२९८ गुणेश्वरचरितचम्पूः । वदरीनाथ झा कृत ४—५०
- *५२९९ चम्पूभारतम् । (भारतचम्पू) अनन्तभट्टविरचित । 'प्रकाश'
संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत प्रस्तावनादि सहित ।
व्याख्याकार—आचार्य श्रीरामचन्द्र मिश्र ८—००
- *५३०० चम्पूरामायणम् । भोजराज विरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-
हिन्दी व्याख्योपेत । व्याख्याकार—आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र ६—००
- *५३०१ चम्पूरामायणम् । (बालकाण्डम्) 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी
व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र ३—००
- ५३०२ चोलचम्पूः । विरुपाक्षकवि विरचित १—००
- ५३०३ जीवनधरचम्पूः । हरिचन्द्र विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८—००
- ५३०४ द्रौपदीपरिणयः । चक्रकवि विरचित ०—७५
- *५३०५ नलचम्पूः । चण्डपाल कृत विषमपद 'प्रकाश' संस्कृत व्याख्या
तथा श्री कैलाशपति त्रिपाठी कृत विमर्शाख्य हिन्दी
व्याख्या, समालोचनात्मक बृहत् भूमिका सहित ।
प्रथम उद्भास २—०० १-२ उद्भास ३—०० संपूर्ण ११—००
- ५३०६ निम्बादित्यदशश्लोकी । कुसुमाञ्जलि भाष्य संवलित ०—५०
- *५३०७ नीलकण्ठविजयचम्पू । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकार—
आचार्य रामचन्द्र मिश्र । संस्कृत काव्यानन्द हिन्दी जानने
वालों को भी प्राप्त हो एतदुद्देश्यक हिन्दी व्याख्या सहित यह
संस्करण प्रस्तुत किया गया है । व्याख्या की भाषा का शुष्क
इस कौशल के साथ किया गया है कि मूल न पढ़ने पर भी
वैरस्य न उत्पन्न हो । ४—००

- ५३०८ नृगमोक्षप्रबन्धः । नारायणभट्ट प्रणीत ०—८५
- *५३०९ नृसिंहचम्पूः । डा० सूर्यकान्तशास्त्री सम्पादित समालोचनात्मक भूमिका विभूषित संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २—५०
- *५३१० पारिजातहरणचम्पूः । शेषकृष्णविरचिता । सान्वय-श्रद्धा व्याख्यो-
पेता । हिन्दी व्याख्याकारः—आचार्य त्रिनाथ शर्मा एम० ए० ३—५०
- ५३११ पुरुदेवचम्पूः । अहंदास विरचित ०—७५
- ५३१२ पूर्वभारतचम्पूः । मानवेदप्रणीत । सटिप्पण ११—२५
- ५३१३ भागवतचम्पूः । अभिनव कालिदास विरचित २—००
- ५३१४ भागवतचम्पूः । रामपाणिवादकृत ४—५०
- ५३१५ भागीरथीचम्पूः । अच्युत शर्मा विरचित ३—००
- ५३१६ भारतीयसिद्धान्तादेशः । ०—३७
- ५३१७ मन्दारमरन्दचम्पूः । कृष्णकवि विरचित । सव्याख्या २—००
- ५३१८ यशस्तिलकचम्पूमहाकाव्यम् । सोमदेव सूरि विरचित । पूर्वाह्न—हिन्दी टीका सहित १६—००
- ५३१९ यान्नाप्रबन्धः । समरपुङ्गव दीक्षित विरचित २—००
- ५३२० रामानुजचम्पूः । रामानुजाचार्य कृत । सव्याख्यानम् ३—००
- *५३२१ वरदाम्बिकापरिणयचम्पूः । आंगलानुवाद सहित । डा० सूर्यकान्त सम्पादित यन्त्रस्थ
- ५३२२ विक्रमाङ्काभ्युदयम् । सोमेश्वरदेव विरचित । मुरारीलाल नागर सम्पादित ६—५०
- ५३२३ विरूपाक्षवसन्तोत्सवचम्पूः । ३—५०
- *५३२४ विश्वगुणादर्शचम्पूः । श्री वेङ्कटाध्वरिप्रणीत । श्री बालकृष्ण शास्त्री विरचित 'पदार्थ-चन्द्रिका' संस्कृत-व्याख्या, जटाशंकर पाठक कृत सान्वय-‘प्रभा’ हिन्दी व्याख्या भूमिकादि सहित
इस ग्रन्थ में नाटकीय शैली में भूलोक-वर्णन-पूर्वक भारतान्तर्गत समस्त प्रमुख नगर-नगरियों, नदियों, आश्रमों, अरण्यों तथा विविध विषयों के अध्येताओं का अति ललित तथा सरस वर्णन सरल भाषा में उपनिबद्ध है । १०—००
- ५३२५ वीरभद्रचम्पूकाव्यम् । पद्मनाभ मिश्र विरचित । चौधरी सम्पादित ६—००
- ५३२६ शाकिनीसहकारचम्पूः । गोपालकवि विरचित २—२५
- ५३२७ श्रीनिवासविलासचम्पूः । धरणीधर प्रणीत व्याख्या सहित १—२५
- ५३२८ श्रीप्रतापचम्पूकाव्यम् । दिलीपदत्त शर्मापाध्याय विरचित १—५०
- ५३२९ श्रीबालरामविजयचम्पूः । सीताराम कवि विरचित ०—८५
- ५३३० सर्वदेवविलासचम्पूकाव्यम् । बी० राघवन् सम्पादित ४—००
- ५३३१ सावित्रीपरिणयचम्पूः । मण्डिकल् वरदाचार्य विरचित १—८७

माण-प्रहसन-ग्रन्थाः

- ५३३२ अनङ्गजीवनमाणः । कोच्चुणिभूपालक प्रणीत ०—६०
- ५३३३ उभयरूपकम् प्रहसनम् । महालिंग शास्त्री ३—००
- ५३३४ भगवदञ्जुकम् । बोधायन विरचित ०—६०

- *५३३५ मत्तविलासप्रहसनम् । श्री महेन्द्र विक्रमवर्म विरचित ।
 श्री कपिलदेव गिरि कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित १-२५
 ५३३६ मदनकेतुचरितम् । रामपाणिवाद विरचित ०-८५
 ५३३७ रससदनभाण । युवराजकवि विरचित १-००

*५३३८ लटकमेलकम् । (प्रहसन) श्री कपिलदेवगिरि कृत प्रकाश
 हिन्दी टीका सहित १-२५

५३३९ लीलाविलासप्रहसनम् । ०-५०

५३४० शृङ्गारतिलकभाण । रामभद्रदीक्षित विरचित ०-५०

५३४१ शृङ्गारमूषणभाण । वामनभट्टवाण विरचित ०-३७

५३४२ शृङ्गारसर्वस्वभाण । बल्लालकवि विरचित ०-६२

५३४३ शृङ्गारसुधाकरभाण । आश्विनरामवर्म प्रणीत ०-४५

५३४४ शृङ्गारसुन्दरभाणः । ईश्वरशर्म विरचित २-२५

*५३४५ हास्यार्णवप्रहसनम् । श्री जगदीश्वर भट्टाचार्य विरचितम् । हिन्दी
 व्याख्या सहित । व्याख्याकार-श्री ईश्वर प्रसाद चतुर्वेदी
 प्रस्तुत संस्करण में मूल के साथ विषयानुसूल मुद्रावरेदार सरल हिन्दी
 भाषा के माध्यम से संस्कृत साहित्य का हास्यरस प्रस्तुत किया गया है । २-५०

नाट्य-नाटक-ग्रन्थाः

५३४६ अक्षनापवनंजयनाटक-सुभद्रानाटिका । इस्तिमल्ल विरचित ३-००

५३४७ अद्भुतदर्पणनाटकम् । महादेव विरचित १-००

५३४८ अद्भुतपञ्जरम् । नारायण दीक्षित प्रणीत ४-५०

*५३४९ अनर्घराघवम् । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी व्याख्या, समालोचना,
 पात्रालोचन, कथासार, ग्रन्थकार का जीवनवृत्त, नोट्स आदि
 से विभूषित ८-००

५३५० अभिज्ञानशाकुन्तलम् । एस० के० वेलवलकर सम्पादित ५-००

*५३५१ ABHIJNANA SAKUNTALA : Text with Literal English
 Translation of All Metrical Passages and Notes By
 Monier Williams. (Chow. Sans. Studies Vol. XII) 15-00

*५३५२ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । किशोरकेलि संस्कृत-हिन्दी व्याख्या
 विस्तृत प्रस्तावना, नोट्स सहित । परिष्कर्ता-प्रोफेसर
 कान्तानाथ शास्त्री तेलङ्ग एम० ए० । अभिनव संस्करण ७-००

*५३५३ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । (चतुर्थ अंक) श्री देवदत्त शास्त्री । छात्रों के
 लिये परीक्षोपयोगी 'अनुशोलनान्वयार्थ' संस्कृत हिन्दी व्याख्या,
 विशद भूमिकादि सहित १-००

५३५४ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । शंकर-नरहरिकृतटीकाद्वयसनाथीकृतं
 मिथिलापाठानुगम १५-००

*५३५५ अभिनयदर्पण । आचार्य नंदिकेश्वर रचित । आलोचनात्मक
 परिचय तथा स्वतन्त्र हिन्दी व्याख्या सहित यन्त्रस्थ

- ५३५६ अभिनव नाट्यशास्त्र । सीताराम चतुर्वेदी । प्रथम भाग २५-१०
- *५३५७ अभिषेकनाटकम् । महाकवि भास विरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-
हिन्दी व्याख्या समालोचनादि सहित । व्याख्याकार-आचार्य
रामचन्द्र मिश्र २-४०
- *५३५८ अमृतोदयनाटकम् । म. म. गोकुलनाथ उपाध्याय विरचित ।
आचार्य रामचन्द्रमिश्र कृत संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । ५-४०
- *५३५९ अविमारकम् । महाकवि भास विरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-
हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक भूमिका सहित । व्याख्याकार-
आचार्य रामचन्द्र मिश्र ३-००
- ५३६० आणंद-सुन्दरी । घण्टासाम-विरचिता (प्राकृत नाटक) मट्टनाथ
विरचित संस्कृत व्याख्या सहित ५-००
- ५३६१ आदिकाव्योदयम् । महालिङ्ग शास्त्री ६-००
- ५३६२ आनन्दराधम् । डॉ० यतीन्द्र विमल चौधरी ४-००
- ५३६३ आनन्दविजयनाटिका । १-२५
- *५३६४ आश्चर्यचूडामणिः । शक्तिमद्र विरचित । आचार्य रमाकान्त
ज्ञा कृत 'रमा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या समालोचनादि सहित ४-४०
- ५३६५ आषाढस्य प्रथम दिवसे—महाश्वेता । डॉ० वे० राघवन ०-६५
- ५३६६ उत्तररामचरितम् । घनश्याम कृत व्याख्या-पी० वी० काणे कृत नोट्स-
भूमिका-सी० वी० जोशी कृत आंग्लानुवाद सहित १०-००
- *५३६७ उत्तररामचरितम् । चन्द्रकला-विद्योतिनी-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या,
प्रो० कान्तानाथ शास्त्री तेलंग एम. ए. सम्पादित विशेष विवरण
(नोट्स) सहित । अभिनव सुसंस्कृत संस्करण ४-४०
- ५३६८ उत्तररामचरितम् । मूलमात्र । डा० वेलवलकर सम्पादित २-५०
- ५३६९ उद्गात्रीदशाननम् । महालिङ्ग शास्त्री ४-००
- ५३७० उन्मत्तराघवनामप्रेक्षाणकम् । भास्करकवि विरचित ०-५०
- ५३७१ उल्लाघराघवनाटकम् । सोमेश्वर कृत । मुनि पुण्यविजय-सादेसरा संपादित १२-००
- ५३७२ उपारागोदया । रुद्रचन्द्रदेव प्रणीत । सं० बाबूलाल शुक्ल शास्त्री ३-००
- *५३७३ ऊरुभङ्गम् । महाकवि भास विरचित । 'प्रकाश' नामक संस्कृत-हिन्दी
व्याख्या, आलोचना, कथासार सहित । व्याख्या० श्री कपिलदेवगिरि १-४०
- ५३७४ कंसवधनाटकम् । शेषकृष्ण विरचित ०-७५
- ५३७५ कपालकुण्डला-रूपकम् । विष्णुपद भट्टाचार्येण विरचितम् १-७५
- ५३७६ कमलिनीकलहंसम् । नीलकण्ठ प्रणीत २-२५
- ५३७७ कर्णकुतूहलं—श्रीकृष्णलीलासृतकान्तम् । भोलानाथ विरचित १-५०
- *५३७८ कर्णभारम् । प्रकाश संस्कृत हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का
इतिवृत्त, ग्रन्थालोचन आदि विषयों से विभूषित । व्याख्याकार-
रामजी मिश्र एम. ए. १-२५
- ५३७९ कर्णभूषण । १-००
- ५३८० कर्णसुन्दरीनाटिका । चिह्ण कृत १-२५

- *५३८१ कर्पूरमञ्जरी । आचार्य रामकुमार एम. ए. कृत 'मकरन्द' संस्कृत-
हिन्दी व्याख्या, नोट्स, समालोचनात्मक प्रस्तावनादि सहित ३—००
- ५३८२ कलिप्रादुर्भावम् । महालिङ्गशास्त्री विरचित १—००
- ५३८३ कामशुद्धिर्नाम एकाङ्करूपकम् । डॉ० बी० राघवन ०—६५
- ५३८४ कालिदास के नाटक । अनुवादक रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री ८—००
- ५३८५ कालिदासीयोपरूपकाणां समुच्चयः । ५—००
- ५३८६ काश्मीरसन्धानसमुच्चयः । (रूपकम्) निपजेर्भीमभट्ट कृत १—००
- *५३८७ कुन्दमाला । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या समालोचनादि सहित यन्त्रस्थ
- ५३८८ कुन्दमाला । दिङ्नाग विरचित । काली कुमारदत्त संपादित २२—५०
- ५३८९ कुवल्यावली । (रत्नपांचालिका) शिंगभूपाल विरचित १—७०
- *५३९० कृषकाणां नागपाशः । पं० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी (बागेशशास्त्री)
विरचित । रेडियो द्वारा प्रसारित आधुनिक शिक्षाप्रद, बालको-
पयोगी सरल सुबोध एकांकी नाटक ०—५०
- ५३९१ COMIC ELEMENTS IN SANSKRIT DRAMA (Theory
and Practice) By Dr. Lal Rama Yadupal Singh In the Press
- *५३९२ कौमुदीमहोत्सवनाटकम् । विज्जिका विरचित । हिन्दी व्याख्या
विस्तृत भूमिकादि सहित यन्त्रस्थ
- ५३९३ घोषयात्रा । युधिष्ठिर नृशंसयं ०—५०
- *५३९४ चण्डकौशिक । आर्यक्षेमेश्वरविरचित । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी
व्याख्या समालोचनादि सहित । व्याख्याकार-पं० जगदीशमिश्र ।
जनसाधारण केअनुकूल भाषा-प्रयोग आदि में सरलता का ध्यान
रखा गया है । विस्तृत भूमिका तथा परिशिष्टादि में इतिहास,
समीक्षा, लक्षण, आलोचन आदि विविध उपयोगी विषय दिए
गये हैं । ४—००
- ४३९५ चण्डकौशिकम् । आर्य क्षेमेश्वर विरचित । आङ्गलानुवाद सहित
शिवानी दाशगुप्त संपादित १५—००
- ५३९६ चतुर्भागी । अनु० व संपादक-डा० मोतीचन्द-वासुदेव शरण अप्रवाल २५—००
- *५३९७ चन्द्रकला नाटिका । 'प्रभावली' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-
श्रीबाबूलाल शुक्ल शास्त्री ।
नाट्यशास्त्र के अधिकारी विद्वान् श्री शुक्ल जी द्वारा रचित हिन्दी व्याख्या के
साथ यह इसका सर्वप्रथम संस्करण है । व्याख्या विषयानुकूल मुहावरेदार
भाषा में है, पढ़ने पर अपूर्व आनन्द प्राप्त होता है, फिर भी मूल से कहीं
भी संग-विच्युति नहीं है । विस्तृत भूमिका पद्यानुक्रमणिकादि सहित ६—५०
- ५३९८ चन्द्रशेखरविलासनाटकम् । तक्षपुराधीश श्रीमच्छाह जी भूपाल विरचित १—००
- ५३९९ चाणक्य-विजयम् नाम नाटकम् । विश्वेश्वर विद्याभूषण विरचित ३—००
- *५४०० चारुदत्तम् । प्रकाश-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत भूमिकादि
सहित । व्याख्याकार-श्री कपिलदेवगिरि २—५०

- *५४०१ चैतन्यचन्द्रोदयम् । कविकर्णपूरविरचितम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—आचार्य पं० रामचन्द्रमिश्र
संस्कृत साहित्य के इस अलौकिक नाटक में वेदान्तादि गम्य ब्रह्मतत्त्व और उसकी प्राप्ति के विषय में अति सरस विवेचन और मार्गदर्शन प्राप्त होता है । 'बहुजनहिताय' हिन्दी व्याख्या के साथ प्रकाशित होने से हिन्दी मात्र पठित व्यक्ति भी इसमें लाभ उठा सकते हैं । भूमिकानुक्रमिकादि सहित ७—००
- ५४०२ छायाशाकुन्तलम् । जीवनलाल पारिख २—२५
- ५४०३ जीवन्मुक्तिकल्याणनाटक । नल्लदीक्षितर विरचित १—५०
- ५४०४ जीवानन्दम् । आनन्दरायमखि प्रणीत १—५०
- ५४०५ जीवानन्दम् । आनन्दरायमखिप्रणीत । संस्कृत व्याख्या सहित ३०—००
- ५४०६ जीवानन्दम् । हिन्दी टीका सहित ४—००
- ५४०७ डमरुकम् । घनश्याम विरचित ०—५०
- *५४०८ DRAMAS Or A COMPLETE ACCOUNT OF THE
DRAMATIC LITERATURE OF THE HINDUS:
By H. H. Wilson. (Chow. Sans. Studies Vol. XVIII) 4-00
- ५४०९ तापसवत्सराजनाटकम् । अनङ्गहर्ष मटरराज विरचित ५—००
- ५४१० दीनदासरघुनाथम् । यतीन्द्रविमलचतुर्थरीणविरचितम् ४—००
- ८४११ दुर्गाभ्युदयनाटकम् । छज्जूराम शास्त्री कृत । हिन्दी टीका सहित २—००
- ५४१२ दुर्योधनवधकाव्यम् । वंशीधरशर्मप्रणीत हिन्दी टीका सहित १—००
- *५४१३ दूतघटोत्कचम् । रामजी मिश्र एम. ए. विरचित 'प्रकाश'
संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का जीवनवृत्त,
ग्रन्थपर्यालोचन आदि आधुनिक विषयों से विभूषित १—२५
- *५४१४ दूतवाक्यम् । रामजी मिश्र एम. ए. विरचित 'प्रकाश'
संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, महाकवि भास का इतिवृत्त,
समालोचना आदि सहित १—५०
- *५४१५ दूताङ्गदं-नाटकम् । 'दूताङ्गदचन्द्रिका' नामक संस्कृत हिन्दी टीका
क्यासार सहित १—००
- ५४१६ धनञ्जयविजयः । काञ्चनाचार्य विरचित ०—३७
- ५४१७ धर्मविजयनाटकम् । भूदेवशुक्ल विरचित १—२५
- ५४१८ धीरनैषधम् । रामावतारशर्मा संपादित ३०—००
- ५४१९ नरकासुरविजयव्यायोगः । धर्मसूरि विरचित ३—००
- ५४२० नलचरित्रनाटकम् । नीलकण्ठदीक्षित प्रणीत १—००
- ५४२१ नवग्रहचरितम् । घनश्याम प्रणीतम् । सं० बाबूलाल शुक्ल शास्त्री १—८७
- *५४२२ नागानन्दनाटकम् । पं० बलदेव उपाध्याय एम. ए. कृत भावार्थदीपिका
संस्कृत-हिन्दी-टीका, नवीन प्रस्तावनादि सहित ४—००
- ५४२३ नागानन्द । तिब्बती अनुवाद तथा विधुशेखर मट्टाचार्य कृत भूमिका
नोट्स सहित १५—००
- ५४२४ नागानन्द : एक अध्ययन । सुधीरकुमार गुप्त ३—००
- ५४२५ नागेशः (एकाङ्की रूपक) ०—४०

- *५४२६ नाटक-चन्द्रिका । श्री रूपगोस्वामी प्रणीत । हिन्दी व्याख्या
टिप्पणी आदि सहित । अनुवादक-श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री
वैष्णव आचार्य रूपगोस्वामी की यह नाट्यकृति सर्वप्रथम मूल, सुबोध
हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी, विचारपूर्ण आमुख तथा परिशिष्ट आदि के
साथ प्रकाशित की गई है । इसमें उदाहरण भी वैष्णव रचनाओं से
संगृहीत हैं । मध्यप्रदेशशासन द्वारा पुरस्कृत । ७—५०
- *५४२७ नाटकलक्षणरत्नकोशः । श्रीसागरनन्दी-प्रणीत । हिन्दी व्याख्या
सहित । अनुवादक-श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री
यह इसका परिशुद्ध एवं व्याख्यासहित सर्वप्रथम संस्करण है जिसमें
टिप्पणी-भूमिका आदि संलग्न कर सर्वजनोपयोगी बनाने का पूर्ण प्रयत्न
किया गया है । यन्त्रस्थ
- ५४२८ नाट्यदर्पणम् । रामचन्द्र गुणचन्द्र कृत । सव्याख्या १५—००
- ५४२९ नाट्यदर्पणम् । रामचन्द्र गुणचन्द्र कृत । हिन्दी व्याख्याकार आचार्य
विश्वेश्वर २२—००
- ५४३० नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक । धनिक की वृत्ति
सहित । हजारीप्रसाद द्विवेदी-पृथ्वीनाथ द्विवेदी १०—००
- *५४३१ नाट्यशास्त्रम् । (शोधपूर्ण संस्करण) 'प्रदीप' हिन्दी व्याख्या
सहित । व्याख्याकार-श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री
इसकी सारगर्भित सरल सुबोध व्याख्या में आमक मत-मतान्तरों के
निरासपूर्वक इस कौशल से विषय का यथार्थ स्वरूप प्रतिपादित किया
गया है कि एक बार पढ़ लेने मात्र से हृदय पटल पर विषय अंकित-सा
हो जाता है । यथास्थान सभी नाट्यमुद्राओं के शताधिक चित्रों से
सुसज्जित, सुविस्तृत भूमिका, पाठान्तर आदि से विभूषित शोधपूर्ण
संस्करण । १-७ अध्याय प्रथम भाग शीघ्र प्राप्त होगा
द्वितीय भाग यन्त्रस्थ
- ५४३२ नाट्यशास्त्रम् । भरतमुनि प्रणीत । मूलमात्र । मनमोहन बोध संपादित ।
१-२७ अध्याय प्रथम भाग ४०—००
- ५४३३ नाट्यशास्त्रम् । भरतमुनिप्रणीत । अष्टाविंशाध्यायादारभ्य षट्त्रिंशा-
ध्यायान्तो भागः । मनमोहनबोधेण संपादितः १५—००
- ५४३४ नाट्यशास्त्रम् । भरतमुनि प्रणीत । अभिनव गुप्ताचार्य प्रणीत व्याख्या
सहित । चतुर्थ भाग मात्र २५—००
- *५४३५ नाट्यशास्त्रम् । (प्रथम-द्वितीय अध्याय) 'मयूख' हिन्दी टीका ०—६५
- ५४३६ नाट्यशास्त्रसंग्रहः । १-२ भाग १९—००
- *५४३७ नारीजागरण-नाटकम् । लेखक—पं० गोपाल शास्त्री दर्शनकेसरी
भारतीय महिलाओं को उनके गरिमामय स्वरूप का बोध कराने के
लिये लिखा गया यह सरल, सरस एवं मनोरंजक संस्कृत नाटक स्त्री-
पुरुष सभी के पढ़ने योग्य है । ४—००
- ५४३८ निष्किञ्चनयशोधरम् । डॉ० यतीन्द्रविमल चौधरी विरचित ५—५०
- *५४३९ पञ्चरात्रम् । आचार्य श्री रामचन्द्रमिश्र कृत प्रकाश संस्कृत हिन्दी
व्याख्या विस्तृत प्रस्तावनादि सहित २—५०

- *५४४० पाणिनीयनाटकम् । पं० गोपालशास्त्री दर्शनकेसरी
‘त्रिमुनि व्याकरणम्’ इस नाटक की भित्ति है। महर्षि पाणिनि के
इतिवृत्त के माध्यम से व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास ही इस
नाटक का प्रतिपाद्य विषय है। अपनी मौलिक विशेषताओं के आधार
पर ही यह डॉ० सम्पूर्णानन्द, आचार्य ब्रह्मदत्त जिज्ञासु आदि विद्वानों
द्वारा बहुशः प्रशंसित हुआ है। २—००
- ५४४१ पार्वतीपरिणयनाटकम् । महाकविवाण विरचित ०—७५
- ५४४२ पृथ्वीराजरासो । मथुराप्रसाद दीक्षित १—००
- ५४४३ पुनरुन्मेषः । डॉ० वे० राघवन ०—६५
- ५४४४ पुरज्जनचरित । श्रीकृष्णदत्त मैथिल प्रणीत ५—००
- ५४४५ पुरज्जनचरितनाटकम् । सदाशिव लक्ष्मीधर कात्रे संपादित ३—००
- ५४४६ प्रकृतिसौन्दर्यम् । मेघाव्रत विरचित । हिन्दी टीका सहित १—२५
- *५४४७ प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् । ‘प्रकाश’ संस्कृत-हिन्दी व्याख्या,
आलोचनात्मक टिप्पणी तथा भूमिकादि सहित २—००
- *५४४८ प्रतिमानाटकम् । डॉ० सत्यव्रत सिंह एम० ए० संपादित
समालोचनात्मक प्रस्तावनादि विभूषित ‘प्रकाश’ संस्कृत-
हिन्दी टीका, नोट्स, नाटकीय विषय आदि सहित २—५०
- ५४४९ प्रतिराजसूयं नाटकम् । महालिंग शास्त्री प्रणीत ६—००
- *५४५० प्रबोधचन्द्रोदयम् । आचार्य श्री रामचन्द्रमिश्र कृत ‘प्रकाश’-संस्कृत-
हिन्दी टीका, नोट्स (विवरण) विस्तृत प्रस्तावनादि सहित २—५०
- ५४५१ प्रबोधचन्द्रोदय और उसकी हिन्दी परम्परा । डॉ० श्रीमती सरोज
अग्रवाल १६—००
- ५४५२ प्रभावतीहरणम् । ०—६२
- *५४५३ प्रसन्नराघवम् । जयदेव विरचित । ‘चन्द्रकला’ संस्कृत हिन्दी
व्याख्या समालोचना, नोट्स सहित । व्याख्याकार-आचार्य
श्री शेषराज शर्मा शास्त्री ४—५०
- *५४५४ प्रियदर्शिका । आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र कृत ‘प्रकाश’ संस्कृत-
हिन्दी टीका, नोट्स (विवरण) विस्तृत प्रस्तावनादि सहित २—००
- ५४५५ प्रेक्षणकन्नयी (विजयाङ्गा-भिकटनितम्भा-अवन्तिमुन्दरी) डॉ० वे० राघवन २—२५
- ५४५६ बाणचरितसार । श्रीलङ्कुकृत २—५०
- *५४५७ बालचरितम् । श्री रामजी मिश्र एम. ए. विरचित ‘प्रकाश’
संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । पर्याय, समास, कोश, अलङ्कार,
हिन्दी नोट्स, हिन्दी समालोचना, महाकवि भास की जीवनी,
कथासार और गवेषणापूर्ण पात्रालोचन से सुसज्जित २—५०
- ५४५८ बालचरितम् । भास विरचित । हिन्दी टीका सहित । डॉ० एस० आर०
सहगल संपादित १२—५०
- ५४५९ भक्तसुदर्शननाटक । मथुराप्रसाद दीक्षित २—००
- ५४६० भक्तिविष्णुप्रियम् । यतीन्द्रविसलचौधरी १—५०

नाट्य-नाटक-ग्रन्थाः

२१३

- ५४६१ भरतनाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप । डॉ० रायगोविन्दचन्द्र ५—००
- ५४६२ अर्जुनचरित-विन्दनाटकम् । हरिहरोपाध्याय विरचित ०—३१
- ५४६३ अर्जुनचरित-विन्दनाटकम् । महाकवि हरिहरविरचित । हिन्दीटीका सहित १—००
- ५४६४ भारतविजयनाटकम् । म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित २—५०
- ५४६५ भारतहृदयारविन्दम् । यतीन्द्र विमल चौधरी विरचित ५—००
- ५४६६ भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण । वाचस्पति गैरोला ११—५०
- ५४६७ भास की भाषा सम्बन्धी तथा नाटकीय विशेषताएँ ।
डॉ० जगदीशदत्त दीक्षित १५—००
- *५४६८ भासनाटकचक्रम् । आचार्य बलदेव उपाध्याय सम्पादित
'महाकवि भास' नामक सुविस्तृत भूमिकादि विभूषित 'प्रकाश'
संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । १-२ भाग २२—००
- ५४६९ भास्करोदयम् । यतीन्द्रविमल चौधरी विरचित । आंग्लानुवाद सहित १२—००
- ५४७० भीमपराक्रमः । शतानन्द कर्बान्दसूनु विरचित १—१५
- ५४७१ भीमविक्रमव्यायोगः । व्यासमोक्षादित्य विरचित । धर्मोद्वरणम् नाम
नाटकम् । दुर्गेश्वर पण्डित विरचित । उमाकान्त प्रेमचंद शाह सम्पादित ७—००
- ५४७२ भूभारोद्वरणम् । मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित ०—५०
- ५४७३ भूमिकन्या (भागवतराम विठ्ठल वरेकर कृत 'भूमिकन्या सीता' का संस्कृत) ।
डा० रत्नमयी देवी दीक्षित २—५०
- ५४७४ भैरवविलासः । (प्रेक्षाणकम्) ब्रह्मत्र-वैद्यनाथ-प्रणीत । सम्पादक—
श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री ३—००
- ५४७५ अमर काहली । प्रभाकराचार्य प्रणीत ०—६०
- ५४७६ मणिमञ्जरी । गोम्मकण्ठ रामलिंग शास्त्री कृत २—००
- *५४७७ मध्यमठ्यायोगः । श्री रामजी मिश्र एम. ए. विरचित
'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या-भास की जीवनी, पात्रा-
लोचन आदि सहित १—२५
- ५४७८ मनोनुरञ्जननाटकम् । अनन्तदेव विरचित १—००
- ५४७९ मलयजाकल्याणम् । (नाटिका) वीरराघव प्रणीत । सम्पादक-श्रीबाबूलाल
शुक्ल शास्त्री ३—२५
- ५४८० महाप्रभुहरिदासम् । डॉ० यतीन्द्रविमल चौधरी विरचित ३—००
- *५४८१ महावीरचरितम् । भवभूतिप्रणीत । आचार्य रामचन्द्र मिश्र कृत
'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या-समालोचना-कथासार-नोट्स
नाटकीय विविध विषय विभूषित ५—००
- ५४८२ महावीरचरितम् । आंग्ल-भूमिका-नोट्स-सहित । टोडरमल—ए. ए.
मैकडानेल सम्पादित ७५—००
- ५४८३ महिममयभारतम् । डॉ० यतीन्द्रविमल चौधरी विरचित ३—००
- ५४८४ माणवक-गौरवम् । कालीपद तर्काचार्य प्रणीतम् २—५०
- *५४८५ मालतीमाधवनाटकम् । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका,
समालोचना, पात्रालोचन, कथासार आदि विषयों से सुसज्जित ।
टीकाकार-साहित्यसुधाकर श्री शेषराज शास्त्री ५—००

- ५४८६ मालतीमाधवम् । पूर्णसरस्वती विरचित रसमंजरी व्याख्या सहित ५—५०
- *५४८७ मालविकाग्निमित्रम् । कालिदास कृत । 'प्रकाश' नामक संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेत । टीकाकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र ३—५०
- ५४८८ मुदितकुमुदचन्द्रप्रकरणम् । यशचन्द्र विरचित ०—५०
- *५४८९ मुद्राराक्षस-नाटकम् । 'शशिकला' संस्कृत-हिन्दी टीका, सविशेष टिप्पणी, नोट्स, समालोचना आदि से विभूषित । सम्पादक—
डॉ० सत्यव्रत सिंह एम० ए०, पी-एच० डी० ३—२५
- ५४९० मृगाङ्कलेखानाटिका । विश्वनाथदेवकवि विरचित १—००
- *५४९१ मृच्छकटिकम् । प्रो० कान्तानाथशास्त्री तैलंग एम० ए० सम्पादित नोट्स, समालोचनादि सहित 'प्रबोधिनी'-
'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका विभूषित ६—००
- ५४९२ रघुनाथविलासनाटकम् । यशनारायण दीक्षित विरचित २—२५
- ५४९३ रतिविजय । के० एस० रामस्वामी शास्त्रिगल विरचित ०—२५
- *५४९४ रत्नावली-नाटिका । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स प्रस्तावनादि सहित । टीकाकार—आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र ३—००
- ५४९५ रत्नेश्वरप्रसादननाटकम् । गुरुरामकवि प्रणीत १—१२
- ५४९६ राजविजयनाटकम् । डा० रमेशचन्द्र मजूमदार सम्पादित २—००
- ५४९७ रामलीलानाटकम् । कुन्दनलाल साह विरचित ५—४०
- ५४९८ रामलीलारामायणम् । हिन्दी टीका सहित ७—२०
- ५४९९ रासलीला नाम प्रेक्षाणकम् । डॉ० वे० राघवन ०—६५
- ५५०० लक्ष्मीस्वयंवरो नाम प्रेक्षाणकम् । डॉ० वे० राघवन ०—६५
- *५५०१ ललितमाधवम् । श्रीरूपगोस्वामिप्रणीतम् । नारायणप्रणीत-संस्कृतटीका-
सहितम् । सम्पादकः—श्रीबाबूलालशुक्ल शास्त्री ।
नारायण प्रणीत संस्कृत टीका के साथ श्री शुक्ल जी द्वारा संपादित समीक्ष-
णात्मक टिप्पणियों, विस्तृत पाण्डित्यपूर्ण प्रस्तावना तथा परिशिष्ट आदि के
सहित इस उत्कृष्ट अति प्राचीन ग्रन्थ का प्रकाशन शीघ्र होने जा रहा है । यन्त्रस्थ
- *५५०२ LAWS AND PRACTICE OF SANSKRIT DRAMA :
By Dr. S. N. Shastri, M. A., D. Phil., LL. B. Vol. I.
(Chow. Sans. Studies Vol. XIV) २५—००
- ५५०३ लीलावतीवीथी । रामपाणिवाद कृत ०—६०
- ५५०४ वसुमतिचित्रसेनियम् । अप्पयदीक्षित विरचित ३—२५
- ५५०५ वाक्मीक्सिखर्बनम् । विश्वेश्वरविद्याभूषण विरचित ३—००
- *५५०६ विक्रमोर्वशीयम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, नोट्स, परिशिष्ट,
समालोचना, कथासार आदि अनेक विषयों से विभूषित ।
व्याख्याकार—आचार्य श्री रामचन्द्रमिश्र ३—५०
- ५५०७ विक्रमोर्वशीयम् । एच० डी० वेलङ्कर संपादित ६—००
- ५५०८ विक्रमोर्वशीयम् । रंगनाथ कृत प्रकाशिका-कोणेश्वर कृत तोटकविवेक
काटयवेम भूपकृत कुमारगिरिराजीय व्याख्या त्रय सहित ८—००
- ५५०९ विक्रान्तभारतम् । डॉ० बी० आर० शास्त्री संपादित ४—८०

- ५५१० विदग्धमाधवः । रूपगोस्वामि विरचित । सव्याख्या २—००
- *५५११ विद्धशालभञ्जिका । राजशेखर विरचित । सटिप्पण 'प्रकाश'
हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक विस्तृत भूमिकादि सहित ३—००
- *५५१२ विद्यापरिणयनम् । आनन्दराममखि विरचित । 'प्रकाश' हिन्दी
व्याख्या सहित । व्याख्याकार-आचार्य रामचन्द्र मिश्र ।
इस नाटक में मानव आत्मा के शाश्वत संघर्ष का नाटकीय चित्र अद्वैत
वेदान्त एवं विष्णु-भक्ति की समन्वयात्मक पृष्ठभूमि में मनोहर ढंग
से चित्रित की गई है । सरल हिन्दी व्याख्या, विचारपूर्ण भूमिका तथा
परिशिष्टादि समन्वित उत्तम संस्करण है । ४—५०
- ५५१३ विवेकचन्द्रोदयनाटकम् । शिवकथि विरचित ५—००
- ५५१४ विश्वमोहननाटकम् । ताडपत्रीकर कृत ३—७५
- ५५१५ वीणावासवदत्तम् । के० वी० शर्मा विरचित । परिवर्द्धित संस्करण ९—००
- ५५१६ वीरप्रतापनाटकम् । मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित । सव्याख्या ३—००
- ५५१७ वीरपृथ्वीराजविजयनाटकम् । मथुराप्रसाद दीक्षित १—२५
- *५५१८ वेणीसंहारनाटकम् । 'प्रबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका विस्तृत
प्रस्तावना, कथासारादि सहित । परिष्कृत संस्करण ३—५०
- ५५१९ शंकरविजयनाटकम् । मथुराप्रसाद दीक्षित कृत १—००
- ५५२० शक्तिसारदम् । यतीन्द्र विमल चौधरी विरचित ५—००
- ५५२१ शङ्खपराभवव्यायोगः । हरिहर विरचित । भोगीलाल जयचन्द भाई
मांदेशरा सम्पादित ४—००
- ५५२२ शिवमङ्गलम् नाम गेयनाटकम् । कुमारसंभवप्रसाधित ०—५०
- ५५२३ श्रीहर्षज प्लेज (नागानन्द-रत्नावली-प्रियदर्शिका) आंग्लानुवाद सहित ४५—००
- ५५२४ संस्कृत नाटकों के हिन्दी अनुवाद । डा० देवेन्द्र कुमार १३—००
- ५५२५ संकल्पसूर्योदयनाटकम् । वेङ्कटनाथकृतम् । प्रभाविलास-प्रभावली
व्याख्याद्वय सहित । १-२ भाग ४५—००
- ५५२६ संवादमाला (संस्कृत भाषयोपनिबद्धास्त्रयोदशदैनन्दिनसंवादाः)
आनन्दवर्धन रामचन्द्र रत्न पारखी कृत ३—००
- *५५२७ सत्यहरिश्चन्द्रनाटक । (छात्र-संस्करण) समालोचना, टिप्पणी
सहित । शुभाशंसक-पं० बाबूराव विष्णुपराङ्कर । (हिन्दी) ०—६५
- ५५२८ सरस्वतीनाटिका । सदाशिव दीक्षित प्रणीत १—००
- ५५२९ सावित्रीनाटकम् । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत ०—३१
- ५५३० सीताराघवम् । रामपाणिवाद प्रणीत २—२५
- *५५३१ सुभद्राहरणम् । माधवभट्ट प्रणीत । सान्वय प्रकाश हिन्दी व्याख्यो-
पेतम् । व्याख्याकार—आचार्य त्रिनाथ शर्मा एम० ए० १—२५
- ५५३२ सेवन्तिकापरिणयनाटकम् । चोक्कनाथ विरचितम् २—८१
- *५५३३ सौगन्धिकाहरणम् । विश्वनाथकृत । प्रकाश-हिन्दी टीका-
भूमिकादि सहित । व्याख्याकार-श्री कपिलदेव गिरि २—००
- *५५३४ स्वप्नवासवदत्तम् । प्रो० कान्तानाथ शास्त्री तेलंग एम० ए० संपादित
आधुनिक विस्तृत समालोचनात्मक प्रस्तावनादि विभूषित
प्रबोधिनी-प्रकाश संस्कृत हिन्दी टीका सहित । अभिनव संस्करण ३—००

५५३५ हनुमन्नाटकम् । 'विभा' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित ।

इसकी संस्कृत व्याख्या में अनावश्यक विस्तार न कर सुबोध व्याख्या प्रस्तुत की गई है तथा हिन्दी व्याख्या में सरलता लाने का प्रयास किया गया है । पाण्डित्यपूर्ण विचारों से पूर्ण लेखक की विशद भूमिका में ग्रन्थ के गंभीर अध्ययन एवं शोध के परिणाम उपन्यस्त हैं ।

६-५०

५५३६ हिन्दी अभिनवभारती (अभिनवगुप्त विरचित नाट्यशास्त्र विवृति १, २, ६ अध्याय) हिन्दी अनुवाद एवं विशद व्याख्या सहित । आचार्य विश्वेश्वर २५-००

*५५३७ हिन्दी के पौराणिक नाटक । डॉ० देवर्षि सनाढ्य—संस्कृत, हिन्दी, बंगाला, मराठी, गुजराती आदि भारतीय भाषाओं में पौराणिक नाटकों की परंपरा का इतिवृत्त १०-००

कोश-ग्रन्थाः

५५३८ अद्वैतग्रन्थकोशसंग्रहः । सं० इष्ट सिद्धोन्द्र सरस्वती स्वामी के शिष्य १०-००

५५३९ अनेकार्थतिलकम् । महीप विरचित ६-००

*५५४० अनेकार्थध्वनिमञ्जरी । द्विरूपकोश-एकाक्षरकोश सहित ०-२०

५५४१ अनेकार्थमञ्जरी । नाममाला ०-५४

*५५४२ अनेकार्थसंग्रहकोशः । हेमचन्द्र विरचित यन्त्रस्थ

५५४३ अभिधर्मकोष । वसुबन्धु कृत । अनुवादक-आचार्य नरेन्द्रदेव १२-००

*५५४४ अभिधानचिन्तामणिः । हेमचन्द्र कृत । 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या विमर्श सहित । व्याख्याकार-पं० हरगोविन्द मिश्र प्रस्तुत कोशग्रन्थ सारपूर्ण विस्तृत हिन्दी टीका एवं अपूर्व कोशकला से परिपूर्ण है । इसकी विस्तृत भूमिका, विषयसारिणी, नव-शब्द-योजना तथा अन्तिम शब्दानुक्रमणिका अत्यन्त ही उपादेय और प्रशस्त है । २०-००

५५४५ अभिधानराजेन्द्रकोशः । विजयराजेन्द्र सूरेश्वर विरचित । (अर्ध मागधी प्राकृत संस्कृत कोश) १-७ भाग ३००-००

*५५४६ अमरकोशः । मूल । केवल प्रथम काण्ड मात्र ०-२५

*५५४७ अमरकोशः । मूल । केवल द्वितीय काण्ड मात्र ०-४०

*५५४८ अमरकोशः । तृतीय काण्ड मात्र । प्रभा टीका सहित ०-५०

*५५४९ अमरकोशः । [गुटका सम्पूर्ण] परीक्षोपयोगी प्रभा टीका सहित १-५०

५५५० अमरकोशः । शब्दकोष सहित । मूलमात्र १-५०

५५५१ अमरकोशः । संक्षिप्त माहेश्वरी व्याख्या सहित ३-००

*५५५२ अमरकोशः । 'मणिप्रभा' नामक हिन्दी टीका सहित । प्रथमकाण्ड ०-७५

*५५५३ अमरकोशः । 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका 'अमरकौमुदी' टिप्पणी सहित द्वितीय काण्ड मात्र २-००, शब्दसूची सहित संपूर्ण ६-००

५५५४ अमरकोष । कुलचन्द्र गौतम कृत संक्षिप्त टिप्पण-परिशेष सहित (नेपाली) ६-००

५५५५ अमरकोशः । (तिब्बती भाषा रूपान्तर) । अनु०—महावैयाकरण सी-तू० ।

सम्पादक—डॉ० लोकेशचन्द्र । सुविस्तृत अँगरेजी भूमिका सहित ३०-००

*५५५६ अमरकोश-रामाश्रमी । 'प्रकाश' नामक हिन्दी व्याख्या विभूषित
(क्षेपक श्लोकों सहित शोधपूर्ण संस्करण)

पूर्व प्रकाशित संस्करणों में प्रमापक वचन या ग्रन्थ नाम आदि को अशुद्धियाँ दूर कर प्रस्तुत संस्करण तैयार किया गया है । इसके मूल में सब क्षेपक श्लोक भी दे दिए गए हैं तथा उनकी भी हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है । प्रमाण तथा उदाहरण के लिये उद्धृत वचनों में मूल ग्रन्थ के अध्याय श्लोकांक आदि भी जोड़े गए हैं । साथ ही यथास्थान उपयुक्त टिप्पणियाँ, पाठ-भेद, अकारादिक्रम से शब्दा-नुक्रमणिका आदि देकर इस संस्करण को पूर्णतया शुद्ध एवं परमोपयोगी बनाया गया है । शोध प्राप्त होगा

*५५५७ अर्द्धभाषा-इंग्लिश, इंग्लिश-अर्द्धभाषा डिक्शनरी । पी० बी०
पाठक सम्पादित

३—००

*५५५८ आख्यातचन्द्रिका नाम क्रियाकोशः । श्रीभट्टमल्ल विरचित यन्त्रस्थ

*५५५९ आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोशः । (संस्कृत स्नेही संसार के लिए अपूर्व उपहार) इसमें लगभग ४० सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के लिंगादि निर्देश पूर्वक संस्कृत पर्याय दिये गये हैं । संपादक—प्रे० रामसरूप शास्त्री १२—५०

*५५६० ENGLISH-SANSKRIT DICTIONARY by Sir M. Monier

Williams. (Ohow. Sans. Studies Vol. XIII) 32—00
Library Edition 75—00

*५५६१ उणादिकोष । महादेव वेदान्ती विरचित ११—२५

*५५६२ उपनिषद् वाक्यकोष । कर्नल जी० ए० जेकब सम्पादित १९—४०

*५५६३ उपनिषद्वाक्यमहाकोशः । २५—००

*५५६४ A Trilingual Dictionary (संस्कृत-बंगला-अंग्रेजी) सं० गोविन्द
गोपाल मुखोपाध्याय-गोपिका मोहन भट्टाचार्य १०—००

*५५६५ एकाक्षरनाम-कोषसंग्रह । सं० मुनि रमणीक विजय ९—००

*५५६६ एकार्थनाममाला-द्व्यक्षरनाममाला । सौमरी विरचित ४—००

*५५६७ ऐतरेयब्राह्मण-आरण्यक कोषः । केवलानन्द सरस्वती सम्पादित ८—००

*५५६८ कविकर्पटिका । वादीन्द्रकवि विरचित ०—२५

*५५६९ काश्मीर शब्दासूत्र । ईश्वरकौल कृत । १-२ भाग ५—००

*५५७० कोशकल्पतरुः । विश्वनाथ कृत । मधुकर मंगेश पाटकर-के० बी०
कृष्णमूर्ति शर्मा सम्पादित । १-२ भाग ५०—००

*५५७१ कोशकौमुदी । रामदत्तत्रिपाठी शास्त्री ०—५०

*५५७२ कोषसङ्ग्रहः । १—५०

*५५७३ कोषावतंसः । राघवकवि विरचित २—५०

*५५७४ कौषीतकि-ब्राह्मण-आरण्यक-विषयकोष । ६—००

*५५७५ गणितीयकोश (गणितीय परिभाषा तथा गणितीय शब्दावली)

[The Technical Language of Mathematics
& Mathematical Terminology]

डॉ० ब्रजमोहन एम. ए., एल. एल. बी., पी-एच. डी. ६—००

५५७६ गोज्ञान कोश । १-२ भाग	१२-००
५५७७ जिनरत्नकोश ।	१२-५०
५५७८ Dictionary of Sanskrit Grammar by K. V. Abhyankar	२५-००
५५७९ तिङन्तार्णवतरणिकोशः । (सि० कौमुदी के धातुओं का अकारादि- क्रम से प्यन्तादि सहित धातुरूप संग्रह)	दुष्प्राप्य ५०-००
५५८० त्रिकाण्डशेषकोशः ।	६-००
५५८१ देशीनाममाला । हेमचन्द्र विरचित	४-५०
५५८२ दोहाकोश । सिद्ध सरहपाद कृत । राहुल सांकृत्यायन विरचित हिन्दी व्यायानुवाद सहित	१३-२५
५५८३ धर्मकोशः । (व्यवहारकाण्ड) श्रीलक्ष्मण शास्त्री संपादित १-३ भाग	८०-००
५५८४ धर्मकोशः । (उपनिषद्काण्ड) " " " १-४ भाग	१५०-००
५५८५ धर्मकोशः (संस्कारकाण्डम्) । प्रथम भाग	४५-००
५५८६ नानार्थमञ्जरी । राघवविरचित	१५-००
५५८७ नानार्थरत्नमाला । इरुगपदण्डधिनाथ विरचित	१५-००
५५८८ नाममाला । धनञ्जय विरचित । अमरकीर्ति भाष्य सहित	३-५०
५५८९ नाममालिका । भोज संगृहीत	६-००
५५९० नृत्यरत्नकोश । कुम्भकर्ण प्रणीत । प्रथम भाग	३-७५
५५९१ पाङ्गल-लच्छीनाममाला अर्थात् हिन्दी में तथा अंग्रेजी में अर्थ सहित प्राकृत भाषा का शब्द कोश । धनपाल प्रणीत	१०-००
५५९२ पाङ्गल-सद्-महण्णवो । हरगोविन्ददास विरचित । प्राकृत-हिन्दीकोश	३०-००
५५९३ Practical Sanskrit-English Dictionary by Vaman Shivaram Apte. Vols. I-III. Edited by Gode & Karve.	१२०-००
५५९४ बकारविवेकः । दानबन्धु शर्मा	०-१९.
५५९५ ब्राह्मणोद्धार कोषः । विश्वबन्धु संपादित	६०-००
५५९६ भारतवर्षीयप्राचीनचरित्रकोशः । म० म० सिद्धेश्वर शास्त्री चित्राव	६०-००
५५९७ भारतीयराजनीतिकोषः । (कालिदासखण्ड) वैकटशास्त्रीजोशी सम्पादित	१०-००
५५९८ भारतीय व्यवहार कोश । (सोलह भाषाओं का शब्दकोष) सं० विश्वनाथ दिनकर नरवणे	४०-००
५५९९ भोटसंस्कृताभिधानम् । १-१२ भाग (Tibetan-Sanskrit Dictionary) डॉ० लोकाचन्द्र सम्पादित	३४०-००
*५६०० महाभारतकोश । महाभारत के नामों और विषयों की व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका । रचनाकार-डा० रामकुमार राय, प्रोफेसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय :- प्रस्तुत ग्रन्थ में अकारादि क्रमसे महाभारत के नामों तथा विषयों की सर्वाधिक विस्तृत, वैज्ञानिक तथा व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत की गई है । व्याख्यायें इतनी विस्तृत हैं कि उनके बाद मूल ग्रन्थ पढ़ने की कोई आवश्यकता नहीं होगी । सन्दर्भ संकेत पर्व, अध्याय और श्लोकसंख्याओंमें दिये गये हैं । १-२ भाग	४०-०० शेष भाग शीघ्र ही प्राप्त होगा

- ५६०१ महाराष्ट्रवाक्यसम्प्रदायकोश । १-२ भाग ३५—००
- ५६०२ मीमांसाकोषः । केवलानन्द सरस्वती संपादित । १-७ भाग २५०—००
- *५६०३ मेदिनीकोशः । मेदनिकर विरचित यन्त्रस्थ
- ५६०४ रघुकोष । रघुनाथदत्त बन्धु ३—००
- *५६०५ राजतरङ्गिणी-कोश । डा० रामकुमार राय ।
कछण कृत राजतरङ्गिणी का यह कोश हिन्दी में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया गया है । इसमें राजतरङ्गिणी में आये सभी नामों और विषयों की ससन्दर्भ व्याख्या प्रस्तुत की गई है । साथ ही लेखक ने एक विस्तृत भूमिका में कछण के व्यक्तित्व और कृतित्व का विवेचन करते हुये विभिन्न विषयों, जैसे राजनीति, समाजशास्त्र, धर्म, और नीति आदि से सम्बद्ध उनके विचारों को प्रस्तुत किया है । राजतरङ्गिणी में आये विभिन्न राजाओं की वंशावलिओं तथा कालिक्रमागत तालिकाओं का भी भूमिका के अन्तर्गत समावेश किया गया है । १५—००
- ५६०६ वस्तुतत्त्वकोश । अज्ञात विद्वत्कृत । सम्पादिका-डॉ० प्रियवाला शाह ४—००
- ५६०७ वाङ्मयार्णवः (संस्कृत पद्य बद्ध विश्वकोश) म० म० पांडेय रामावतार शर्मा विरचित १००—००
- *५६०८ वाचस्पत्यम् । बृहत्संस्कृताभिधानम् । तर्कवाचस्पति-श्रीतारानाथ-भट्टाचार्येण सङ्कलितम् । वृत्ति-उदाहरण-सहित पाणिनीय लिंगानुशासन, पाणिनीयप्रत्यय-उणादि-प्रत्यय-परिनिष्ठ रूप, पूर्वोत्तरपदों में परिवृत्तिसहत्वासहत्व आदि यथेष्ट सामग्री भूमिका रूप में देकर चार्वाक आदि समस्त दर्शन, समस्त श्रौतसूत्र-गृह्यसूत्र-स्मृति-पुराण आदि, रामायण-महाभारत, ज्योतिष, आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, राजशास्त्र, शकुनशास्त्र, तन्त्रशास्त्र, नीतिशास्त्र, पाकशास्त्र, धनुर्वेद, गान्धर्ववेद, छन्दो-लंकारादि शास्त्रों में प्रयुक्त शब्दों के लिंग, विग्रह, व्युत्पत्ति, विभिन्न अर्थों में पर्याय, उदाहरण तथा तत्तत् शब्द के सम्बन्ध में यथाशक्य अधिकतम ज्ञातव्य सामग्री प्रस्तुत की गई है । विश्व में इससे बड़ा कोई दूसरा संस्कृत कोश नहीं है । संपूर्ण ग्रन्थ बड़े सार्ज के १-६ भाग में छपा है । २७५—००
- *५६०९ वाल्मीकीय रामायण कोश । डा० रामकुमार राय । वाल्मीकीय रामायण के नामों और विषयों की सर्वप्रथम और विस्तृत व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका जिसमें इस रामायण में आने वाले सभी नामों और प्रसङ्गों का व्याख्या सहित ससन्दर्भ उल्लेख है । २०—००
- ५६१० विनीत कोश । (गुजराती-गुजराती) ८—५०
- *५६११ विश्वप्रकाशकोशः । नानार्थशब्दानां प्रसिद्धमिदमभिधानं नचतुल्लकशब्दसंग्रहान्तम् यन्त्रस्थ

*५६१२ वैदिक इण्डेक्स । मैकडौनेल और कीथ (हिन्दी रूपान्तर)

अनुवादक-डॉ० रामकुमार राय ।

अनुवाद की सर्वाधिक विशेषता यह है कि इसमें सन्दर्भ, संकेत, संख्यायें तथा फुटनोट में उनकी व्यवस्था का क्रम बढ़ी दिया गया है जैसा कि मूल ग्रन्थ में है । इस व्यवस्था के कारण जो निःसन्देह अत्यन्त कठिन और कहीं-कहीं असम्भव-सा कार्य था, अनुवाद की उपयोगिता और विषय-व्यवस्था की प्रामाणिकता अत्यन्त बढ़ गई है । १-२ भाग सम्पूर्ण ४०-००

५६१३ वैदिककोश (वैदिक विषयों एवं नामों का) डा० सूर्यकान्त

२२-५०

५६१४ वैदिकपदानुक्रमकोषः । विश्वबन्धु शास्त्री ।

१-१६ भाग । साधारण संस्करण ३२०-००

१-१६ भाग । विशिष्ट संस्करण सजिल्द ६४०-००

*५६१५ शब्दकल्पद्रुमः । राजा राधाकान्तदेव बहादुर विरचितः ।

संस्कृताभिधान ग्रन्थः ।

इस देश के समस्त बोशों और सम्पूर्ण शास्त्रों में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों की व्युत्पत्ति, विग्रह वाक्य, पर्याय, कौन शब्द कहाँ किस अर्थ में प्रयुक्त है इसका सोदाहरण विवेचन आदि सर्वविध शब्दज्ञान से परिपूर्ण । यह सूचित करते हुए दर्प होता है कि हमने कतिपय विशिष्ट विद्वानों के आग्रह पर इस भीषण महर्षता के समय में भी इस ग्रन्थ का द्वितीय संस्करण पूर्ववत् ही प्रकाशित किया है । प्रत्येक वर्ग का ग्राहक लाभान्वित हो सके इस दृष्टि से मूल्य बढ़ी रखा है जो पढ़ले था । प्रतियाँ अवश्य कम छपी हैं जो क्रमशः बिकती जा रही हैं अतः ग्राहकों से निवेदन है कि अपनी प्रति शीघ्र मंगा लें । १-५ भाग सम्पूर्ण

१५०-००

५६१६ शब्दमेदप्रकाशः । (शब्दद्वैकोश) एकाक्षरकोश युक्त

०-२५

५६१७ शब्दरत्नप्रदीप । सं० डॉ० हरिप्रसाद शास्त्री

१-००

५६१८ शब्दरत्नाकरः । वाणभट्ट विरचित । डॉ० वेङ्कट रामचन्द्र शर्मा संपादित

२७-००

*५६१९ शब्दस्तोममहानिधिः । श्री तारानाथ तर्कवाचस्पति भट्टाचार्य विरचित ।

प्रायः एक शताब्दी से दुर्लभ यह ग्रन्थरत्न संस्कृत का उत्तम कोशग्रन्थ है । इसमें संस्कृत के प्रायः सभी शब्दों के पर्यायों के साथ आवश्यक व्युत्पत्ति-विवरण—धातु-प्रत्यय, विग्रहवाक्यादि, उद्धरण आदि—भी दिए गए हैं । विवरण संक्षिप्त होने से बहुसंख्यक शब्दों का समावेश हो गया है । संस्कृत भाषा के प्रचार एवं प्रसार कार्य में इस कोश का प्रथम स्थान है ।

४५-००

५६२० शब्दार्थकल्पतरुः । आचन्त्योरक्षरानुक्रमसमेतः । संस्कृत-संस्कृतान्ध-निघण्टुः । श्री मामिडि वैकटार्य रचित

२०-००

५६२१ शारदीयाख्या नाममाला । हर्षकीर्ति विरचित । पाटकर संपादित

५-००

५६२२ शास्वतकोशः ।

५-००

५६२३ शिवकोशः । शिवदत्त विरचित । हर्ष संपादित

१२-००

हिन्दी-कोश-ग्रन्थाः

२२१

- *५६२४ श्रीकोशः । (हिन्दी से संस्कृत) तृतीय संस्करण १-२५
 ५६२५ श्रौतकोशः । बापट सी० दातार, डा० वी० नाने, सी० जी० काशीकर
 संपादित । १-३ भाग ११५-००
 ५६२६ Sanskrit-English Dictionary by Monier Williams.
 Foreign edition 147-00 Indian edition 100-00
 ५६२७ संस्कृत गुजराती शब्दकोष । (नर्मद) नर्मदाशंकर ज० शास्त्री १-००
 ५६२८ संस्कृत धातुकोष । गुजराती अर्थ सहित ५-००
 ५६२९ संस्कृत पारसीक पदप्रकाशः । महाकवि कर्णपूर विरचित १-००
 ५६३० संस्कृतशब्दार्थकौस्तुभः । द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी १५-००
 *५६३१ संस्कृतसाहित्यकोश । प्रो० राजवंशसहाय 'हीरा'
 हिन्दी में संस्कृत वाङ्मय की सभी प्रमुख शाखाओं, ग्रन्थों, ग्रन्थकारों,
 विधाओं, प्रवृत्तियों एवं चिन्तन-धाराओं तथा तत्सम्बन्धी अद्यतन अनु-
 सन्धानों एवं गवेषणाओं का एक साथ प्रामाणिक विवरण प्राप्त करने के
 लिये यह अभिनव कोश एकमात्र साधन है । तीन विशाल खण्डों में
 पूर्ण हुआ यह कोशग्रन्थ अध्यापक, छात्र तथा शोधकार्यार्थी सभी के
 लिये अनुपम सहायक है । यन्त्रस्थ
 ५६३२ सार्थ लघुअमरकोष । गणेश पांडुरंग शास्त्री लोढे ०-२५
 ५६३३ सिद्धशब्दार्णवः । सहजकीर्ति विरचित । एम० जी० पंसे संपादित २०-००
 ५६३४ सुलभविश्वकोश । १-६ भाग १५०-००

हिन्दी-कोश-ग्रन्थाः

- ५६३५ अंग्रेजी-हिन्दी पर्यायवाची कोश । सम्पादक—वदरीनाथ कपूर ९-००
 ५६३६ अभिनव अंग्रेजी हिन्दी कोश । केदारनाथ भट्ट ७-५०
 ५६३७ अभिनव हिन्दी कोश । हरिशंकर शर्मा ८-००
 ५६३८ अवधीकोश । रामाज्ञा द्विवेदी ७-५०
 ५६३९ आंग्ल-भारतीय पक्षि-नामावली । डा० रघुवीर १५-००
 ५६४० ऑर्थेटिक जूनियर डिक्शनरी । ऐंग्लो-हिन्दी । बी० सी० पाठक ४-००
 ५६४१ ऑर्थेटिक सीनियर डिक्शनरी । ऐंग्लो-हिन्दी । बी० सी० पाठक—
 सी० एस० पाठक १४-००
 ५६४२ आदर्श हिन्दी शब्दकोश । (संक्षिप्त) रामचन्द्र पाठक ६-०० बढ़ा १२-००
 *५६४३ आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोश । (संस्कृत स्नेही संसार के
 लिए अपूर्व उपहार) इसमें लगभग ४० सहस्र हिन्दी-
 हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के लिगादि निर्देश पूर्वक
 संस्कृत पर्याय दिये गये हैं । संपादक-प्रो० रामसरूप शास्त्री १२-५०
 ५६४४ उर्दू-हिन्दी कोश । सं० मुहम्मद मुस्तफा ख़ाँ 'महाह' १६-००
 ५६४५ उर्दू-हिन्दी कोश । केदारनाथ भट्ट संपादित ८-००
 ५६४६ उर्दू-हिन्दी कोश (देवनागरी) । रामचन्द्र वर्मा ६-००
 ५६४७ कहावत कोष । मुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव'-विक्रमादित्य मिश्र १५-००
 ५६४८ कृषक जीवन सम्बन्धी ब्रजभाषा शब्दावली । डॉ० अम्बाप्रसाद
 'सुमन' । १-२ भाग ३२-५०

५६४९ कृषिकोश । डॉ० विश्वनाथप्रसाद । प्रथम खण्ड 'अ' से 'घ' तक	३-००
५६५० कृषिज्ञान कोश । नारायण दुलीचन्द व्यास	७-००
५६५१ खनिज अभिज्ञान । डा० रघुवीर	१०-००
५६५२ ग्रामोद्योग और उनकी शब्दावली ।	६-००
५६५३ चिकित्सा विज्ञान कोश । एस० पी० सेन गुप्त	७-५०
५६५४ जीवरसायनकोश । ब्रजकिशोर मालवीय	६-००
५६५५ जेम करेन्ट डिक्शनरी ।	३-००
५६५६ ज्ञान शब्दकोश । मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव	१५-००
५६५७ तुलसीशब्दसागर । भोलानाथ तिवारी	१२-००
५६५८ नालंदा अद्यतनकोश ।	९-००
५६५९ नालन्दा करेन्ट डिक्शनरी । अंग्रेजी-हिन्दी	१६-५०
५६६० नालन्दा कान्साइज डिक्शनरी ।	१०-५०
५६६१ नालन्दा विशाल शब्दसागर ।	२५-००
५६६२ नालंदा स्ट्रुडेण्ट्स डिक्शनरी ।	९-७५
५६६३ पारिभाषिकशब्दसंग्रह । अंग्रेजी-हिन्दी	१२-००
५६६४ पुस्तकालय-विज्ञानकोश । प्रमुनारायण गौड़	४-५०
५६६५ प्रचारक हिन्दी शब्दकोश । लालधर त्रिपाठी प्रवासी	गुटका ३-००
५६६६ प्रत्यक्ष शारीर कोश । एस० सी० सेन गुप्त	८-००
५६६७ प्रसादकान्यकोश । सुधाकर पाण्डेय	१६-००
५६६८ प्रसादसाहित्यकोश । डॉ० हरदेव बाहरी	१०-००
५६६९ प्रारंभिक आंग्ल-भारतीय वैज्ञानिक शब्दकोश । डा० रघुवीर	४-७५
५६७० बाल हिन्दी शब्दकोश । रामचन्द्र पाठक	३-००
५६७१ ब्रजभाषा रीतिशास्त्र ग्रन्थ कोश । जवाहरलाल चतुर्वेदी	६-५०
५६७२ बृहत् पर्यायवाची कोश । डॉ० भोलानाथ तिवारी	१५-००
५६७३ बृहत् हिन्दी कोश । कालिकाप्रसाद	३०-००
५६७४ बृहद् सुहाविरा कोश । रामदहिन मिश्र । प्रथम भाग	१२-५०
५६७५ बृहद् हिन्दी ग्रन्थ सूची । यशपाल महाजन-कृष्णा महाजन । १-२ भाग ४८-००	३-००
५६७६ भारत ज्ञान कोष ।	३-००
५६७७ भारतीय भाषाएँ और वैज्ञानिक शब्दावली । अनुवादक ओमप्रकाश शर्मा	१२-८५
५६७८ भारतीय भूमिति-चित्रों के लिये हिन्दी शब्द । डा० रघुवीर	१-००
५६७९ भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश । (बड़ा)	१२-००
५६८० भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश । गुटका	४-५०
५६८१ भार्गव हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश । (बड़ा)	१२-००
५६८२ भार्गव हिन्दी अंग्रेजी शब्दकोश । गुटका	४-५०
५६८३ भाषा शब्दकोश । रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'	१२-००
५६८४ भाषा विज्ञान कोश । भोलानाथ तिवारी	२५-००
५६८५ भाषाशास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश । राजेन्द्र द्विवेदी	१०-००
५६८६ भूतत्त्व विज्ञानकोश । एस० सी० गुप्त	२-५०
५६८७ भौगोलिक शब्दकोश और परिभाषायें । डॉ० कपूर	१०-००
५६८८ मगही व्याकरण कोश । डॉ० सम्पत्ति अयाणी	७-५०

हिन्दी-कोश-ग्रन्थाः

२२३

५३८९ मानक हिन्दी कोश । सं० रामचन्द्र वर्मा । १-५ भाग	१२५—००
५६९० मानविकी पारिभाषिक कोष । (साहित्यदर्शन खण्ड)	२५—००
५६९१ मानसशब्दसागर । बद्रीदास अग्रवाल संकलित	२०—००
५६९२ राजस्थानी शब्दकोश । सीताराम । प्रथम खंड	५०—००
५६९३ राष्ट्रभाषा हिन्दी-मराठी कोश । सं० कृष्णलाल वर्मा-रहमण वार्ड पेणकर	८—००
५६९४ रूप निघण्टु । सं० रूपलाल वैश्य	३—००
५६९५ रूसी-हिन्दी शब्दकोश । सं० धीर राजेन्द्र ऋषि	३५—००
५६९६ लघु हिंदी शब्दसागर । कर्णापति त्रिपाठी संपादित	११—००
५६९७ लघुत्तर हिंदी शब्दसागर । कर्णापति त्रिपाठी संपादित	६—००
५६९८ वाणिज्य शब्द-कोष । डा० रघुवीर	२—००
५६९९ वाणिज्य शब्दकोष । कान्तानाथ गर्ग	१—५०
५७०० विद्यार्थिकोश । दामोदर स्वरूप गुप्त	३—००
५७०१ विधिशब्दसागर । जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी	२२—५०
५७०२ विश्व-इतिहास-कोष । चन्द्रराज मण्डारी । १-४ भाग	५०—००
५७०३ वैज्ञानिक पारिभाषिक कोष । बदरीनाथ कपूर	१२—००
५७०४ ब्रजभाषा सूरकोश । १ से १० भाग दो जिल्द में । डा० दीनदयालु	४०—००
५७०५ शब्दार्थक ज्ञानकोश । रामचन्द्र वर्मा	१२—५०
५७०६ शिक्षा विज्ञान कोश । सीताराम जायसवाल	१६—००
५७०७ श्याम गुटका हिन्दी कोश ।	२—५०
५७०८ श्रीकोशः । (हिन्दी से संस्कृत) तृतीय संस्करण	१—२५
५७०९ संक्षिप्त ऑक्सफोर्ड हिन्दी साहित्य परिचायक । गंगाराम गर्ग	१२—५०
५७१० संक्षिप्त हिन्दी कोश । भोलानाथ तिवारी	३—००
५७११ संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर (ना० प्र० सभा)	१८—००
५७१२ समाचारपत्र शब्दकोष । सत्यप्रकाश	१—७५
५७१३ सांख्यिकी शब्दकोष । डा० रघुवीर	२—००
५७१४ सामान्य अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोष । राममूर्ति सिंह	१२—००
५७१५ साहित्य शास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोष । राजेन्द्र द्विवेदी	८—००
५७१६ साहित्यिक पारिभाषिक शब्दावली । सं० डॉ० प्रेमनारायण टंडन	३—५०
५७१७ साहित्यिक शब्दावली । प्रेमनारायण टंडन	१०—००
५७१८ सुलभ हिन्दी मराठीकोश । यशवंत रामकृष्ण दाते	७—५०
५७१९ सूरसागर शब्दावली ।	१२—००
५७२० स्ट्रुडेण्ट्स प्रैक्टिकल डिक्शनरी । अंग्रेजी-हिन्दी	८—००
५७२१ स्ट्रुडेण्ट्स प्रैक्टिकल डिक्शनरी । उर्दू-इंग्लिश	८—००
५७२२ हिन्दी कथाकोश ।	३—००
५७२३ हिन्दी मुहावरा कोश । भोलानाथ तिवारी	१२—५०
५७२४ हिन्दी रूसी शब्दकोष ।	२५—००
५७२५ हिन्दी विश्वकोश (खंड २-८) संपादक—धीरेन्द्र वर्मा, भगवतशरण उपाध्याय, गोरखप्रसाद आदि	१७५—००, २१०—००
५७२६ हिन्दी शब्दार्थ पारिजात । द्वारकाप्रसाद शर्मा	६—००
५७२७ हिन्दी शब्द सागर । सं० श्यामसुन्दरदास । १-२ भाग । नवीन संस्करण	३६—००
५७२८ हिन्दी साहित्य कोश । १-२ भाग । डा० धीरेन्द्र वर्मा	४५—००
५७२९ हिन्दुस्तानी कोश । हरिशंकर शर्मा	६—००

नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः

- ५७३० अक्षयनीतिसुधाकरः । ६-००
- *५७३१ अपराध और दण्डशास्त्र । श्री कौशलकुमार राय । यह विषय प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में स्वीकृत है । इस पर हिन्दी में कुछ पुस्तकें निकली भी हैं परन्तु उनमें किसी में भी दण्डशास्त्र पर सामग्री उपलब्ध नहीं है । इसी कमी की पूर्ति के लिए इस पुस्तक की रचना हुई है । उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत ८-००
- ५७३२ अभिलषितार्थचिन्तामणिः । सोमेश्वरदेवकृत २-५०
- ५७३३ अर्थशास्त्र-राजसिद्धान्त । योगधमनामाचार्य विरचित । नीतिनिर्णीति-कौटिलीय-राजसिद्धान्त व्याख्या सहित ४-४०
- ५७३४ अर्थशास्त्रव्याख्या जयमङ्गला । सम्पादक—जी० हरिहरशास्त्री । कौटिल्य के अर्थशास्त्र पर यह व्याख्या अत्यन्त सरल, सुबोध तथा प्रामाणिक है । ३-००
- ५७३५ ईसबनीतिकथा । १-२ भाग १-७५
- ५७३६ उद्योगप्रारब्धविचार । हिन्दी ३-००
- *५७३७ कथा-संवर्तिका । बालकोपयोगी शिक्षाप्रद लोक-कथाओं का सरल सुबोध संस्कृत में अनूदित संग्रह ०-७५
- ५७३८ कहावतकल्पद्रुम । हिन्दी १-५०
- ५७३९ कहावतरत्नाकर । हिन्दी-अँग्रेजी-संस्कृत १०-००
- ५७४० कामन्दकीयनीतिसारः । हिन्दी टीका सहित २-४०
- ५७४१ कामन्दकीयनीतिसारः । सव्याख्या : १-३ भाग १६-००
- ५७४२ कौटिलीयार्थशास्त्रम् । विष्णुगुप्त विरचित । सटिप्पण । एन्० एस्० वैकटनाथाचार्य सम्पादित १७-५०
- *५७४३ कौटिलीयम्-अर्थशास्त्रम् । सुसंस्कृत हिन्दी व्याख्या समालोचना, पारिभाषिक संस्कृत-हिन्दी शब्दकोश सहित । व्याख्याकार—श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला २०-००
- *५७४४ कौटिल्य का अर्थशास्त्र । (शोधपूर्ण हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तर-कार—श्रीवाचस्पति शास्त्रीगैरोला । आलोचनात्मक मनोवैज्ञानिक विमर्श, पारिभाषिक संस्कृत-हिन्दी शब्दकोश ऐतिहासिक प्रस्तावनादि सभी विषयों से विभूषित १०-००
- ५७४५ कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् । आर० पी० कांगले सम्पादित । प्रथम भाग १०-००
- ५७४६ कौटिल्य की राज्य व्यवस्था । श्यामलाल पाण्डेय ८-००
- *५७४७ KAUTILYA'S POLITICAL IDEAS AND INSTITUTIONS : By Prof. Radha Krishna Choudhary. In the Press ५-००
- ५७४८ चाणक्यकथा । रविनर्तक विरचित ०-५०
- ५७४९ चाणक्यनीतिः । व्यवहारसारसंग्रह ०-७५
- ५७५० चाणक्यनीतिदर्पणः । हिन्दी टीका सहित ०-७५
- ५७५१ चाणक्यनीति-शास्त्रा-संग्रहाय । एल० स्टर्नबक संपादित । १-२ भाग ६०-००

नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः

२२५

- ५७५२ चाणक्यराजनीति । एल० स्टर्नवक संपादित १६—००
- ५७५३ चाणक्यराजनीतिशास्त्रम् । ईश्वरचन्द्रशास्त्री संपादित ५—००
- ५७५४ चाणक्यराजनीतिशास्त्रम् । संस्कृत टिक्टेन टेक्स्ट सहित । सुनीति कुमार पाठक संपादित ५—००
- ५७५५ चाणक्यसप्ततिः । के० बी० शर्मा संपादित ४—००
- *५७५६ चाणक्यसूत्र । अनुवादक-वाचस्पति गैरोला । अर्थशास्त्र पर चाणक्य के लगभग ५०० परमोपयोगी सूत्रों का व्यवस्थित भाषानुवाद ०—७५
- *५७५७ चाणक्यसूत्रम् । (प्रथमोऽध्यायः) 'बालबोधिनी' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—४५
- ५७५८ चाणक्यसूत्राणि । श्रीरामावतार कृत हिन्दी टीका सहित १२—००
- *५७५९ चारुचर्या । महाकवि श्री क्षेमेन्द्रविरचित मूल श्लोक तथा 'प्रकाश' हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकार-श्री देवदत्त शास्त्री १—००
- *५७६० चारुचर्या । (भारतीय सदाचार, शिष्टाचार) । क्षेमेन्द्रकृत । हिन्दी रूपान्तरकार—पं० देवदत्तशास्त्री । यह ग्रन्थ भारतीय सदाचार एवं शिष्टाचार का कोष है । समाज में रहते हुए व्यक्ति जिन आचरणों और व्यवहारों से सामाजिक अभ्युदय प्राप्त कर जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है—उनका एकत्र समुच्चय इस पुस्तक में है । २—००
- ५७६१ दण्डनीतिः । केशव पण्डित कृत ४—५०
- ५७६२ धर्मचौर्यरसायन । गोपालयोगीन्द्रकृत २—२५
- ५७६३ नीतिकल्पतरुः । व्यासदेव क्षेमेन्द्र । बी० पी० महाजन संपादित ५—००
- ५७६४ नीतिचन्द्रिका । स्वामी दयानन्द ०—७५
- ५७६५ नीति प्रवेशिका । जे० एस० मेकेंजी । अनु०—डॉ० गोवर्द्धन भट्ट-आदि १०—००
- ५७६६ नीतिमञ्जरी । समाध्या द्वादिवेदविरचिता । भूमिका-टिप्पणी-परिशिष्टादिभिः संयोज्य संपादिता ४—५०
- ५७६७ नीतिवाक्यामृतम् । सोमदेवसूरि विरचित । सव्याख्य ३—००
- *५७६८ नीतिशतकम् । 'ललिता' 'बाला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—२५
- ५७६९ नीतिशतकम् । हरिदास कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ५—००
- ५७७० नीतिशास्त्रम् । मसूराक्ष प्रणीत । संस्कृत-टिक्टेन-आंग्लानुवाद सहित । सुनीतिकुमार पाठक संपादित ४—००
- ५७७१ नीतिशास्त्र । लालजीराम शुक्ल ५—००
- ५७७२ नीतिशास्त्र । सुश्री शान्ति जोशी ८—००
- *५७७३ नीति-शृंगार-चैराग्यशतकत्रयम् । भर्तृहरिविरचितम् । सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या पद्यानुवाद सहित ३—००
- *५७७४ पञ्चतन्त्रम् । वाराणसीस्थ राजकीय सर्वविध 'प्रथमा' तथा 'मध्यमा' परीक्षा निर्धारित अश्लील-अंश-वर्जित विषमस्थल बोधिनी विवृति सहित । पञ्चम तन्त्र ०—१५ सम्पूर्ण २—००

१५ वि०

- *५७७५ पञ्चतन्त्रम्-मित्रभेदः (प्रथमतन्त्र) पूर्वमध्यमापरीक्षा निर्धारित
अश्लील अंश वर्जित 'बोधिनी' नामक विवृति सहित ०—७५
- *५७७६ पञ्चतन्त्रम्-मित्रभेदः । (प्रथमतन्त्र) श्री गोकुलदास गुप्त
कृत सरला हिन्दी टीका सहित २—५०
- *५७७७ पञ्चतन्त्रम्-मित्रसम्प्राप्तिः । (द्वितीयतन्त्र) श्री गोकुलदास
गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका सहित १—००
- *५७७८ पञ्चतन्त्रम्-काकोल्लकीयम् । (तृतीयतन्त्र) श्री गोकुलदास
गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका सहित १—२५
- *५७७९ पञ्चतन्त्रम्-लब्धप्रणाशम् । (चतुर्थतन्त्र) श्री गोकुलदास
गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका सहित ०—७५
- *५७८० पञ्चतन्त्रम्-अपरीक्षितकारकम् । (पञ्चमतन्त्र) त्रिस्तनी कथादि
वर्जित । सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीका, टिप्पणी, संक्षिप्त-कथा,
शिक्षासंग्रह, विस्तृत भूमिकादि विभूषित ०—७५
- *५७८१ पञ्चतन्त्रम् । (संपूर्णम्) श्री गोकुलदास गुप्त कृत सरला हिन्दी
टीका विस्तृत भूमिकादि सहित अजिल्द ४—०० सजिल्द ५—००
- ५७८२ पञ्चतन्त्रम् । (हिन्दी) अनुवादक—मोर्ताचन्द्र ५—२५
- ५७८३ पाश्चात्त्य नीतिशास्त्रम् । विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि विरचित ४—००
- ५७८४ पुरुषपरीक्षा । विद्यापति कृत ०—७५
- ५७८५ पुरुषपरीक्षा । हिन्दी टीका सहित ३—१२
- ५७८६ पुरुषपरीक्षा । (हिन्दी) मैथिलकोकिल विद्यापति कृत १—५०
- ५७८७ प्रतापकण्ठाभरण । कविराज प्रताप सिंह १—५०
- ५७८८ प्राचीन भारत की दण्डनीति । डॉ० योगेन्द्रनाथ बागची । अनुवादक—
दुर्गादत्त त्रिपाठी शास्त्री १०—००
- ५७८९ प्रियदर्शिप्रशस्तयः । (Edicts of Asoka) १२—००
- *५७९० बार्हस्पत्य राज्य-व्यवस्था । डॉ० राघवेन्द्र वाजपेयी । राजनीति
के प्रमुख आचार्य बृहस्पति ने राज्य-शासन तथा राज्य-प्रबन्ध
के लिये जिन विधि-विधानों का आदेश दिया है, उन पर
पाण्डित्यपूर्ण आलोचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत पुस्तक में दर्शनीय
है । इससे वर्तमान भारतीय राज्य-व्यवस्था के गुण-दोषों पर
अनजाने ही पर्याप्त प्रकाश पड़ जाता है । राजनीति के क्षेत्र में
यह अमिनव ग्रन्थ है । १८—००
- ५७९१ बुद्धभूषण । शंभु विरचित १—५०
- *५७९२ भर्तृहरिशतकत्रयम् । नीति-शृङ्गार-चैराग्य शतक । हिन्दी
टीका सहित ३—००
- ५७९३ भर्तृहरिशतकत्रयम् । गोपीनाथ कृत हिन्दी टीका तथा अंग्रेजी अनुवाद ८—४०
- ५७९४ भारतराष्ट्रसंघटना । सी० कन्हन राजा २—००
- ५७९५ भारतीय नातिशास्त्र का इतिहास । डॉ० भीखनलाल आत्रेय २०—००

नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः

२२७

- *५७९६ राजनय के सिद्धान्त और व्यवहार । श्रीमती कृष्णाराय ।
इस पुस्तक में प्रायः भारतीय विश्वविद्यालयों के एम० ए० के
इतिहास और राजनीति शास्त्र के पाठ्यक्रम में सम्मिलित
सभी विषयों का समावेश है । ५-००
- *५७९७ राजनीतिरत्नाकरः । चण्डेश्वरकृत । हिन्दी टीका सहित ५-००
५७९८ राजनीतिरत्नाकरः । चण्डेश्वर विरचित । जायसवाल सम्पादित ५-००
- *५७९९ विदुरनीतिः । 'तत्त्वार्थदर्शिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २-००
५८०० विदुरनीति । आंग्लानुवाद सहित ४-५०
५८०१ वैशम्पायननीतिप्रकाशिका । सीताराम कृत तत्त्वविवृति सहित ४-१२
- *५८०२ शुक्रनीति । 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्या सहित ५-४०
५८०३ शुक्रनीतिः । हिन्दी टीका सहित २-००
५८०४ सदाचार और नीति । लक्ष्मीधर वाजपेयी ५-७५
५८०५ सदाचारशास्त्र (विदुर-शुक्र चाणक्य एवं भर्तृहरि प्रणीत नीतिओं का
सटीक संग्रह) देवदत्त शास्त्री । प्रथम भाग ६-५०
५८०६ हरिहरचतुरङ्गम् । गोदावरी मिश्र प्रणीत १-००
- *५८०७ हितोपदेशः । सटिप्पण । सम्पूर्ण १-००
- *५८०८ हितोपदेशः । 'किरणावली' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या द्वय सहित ।
इस विश्व प्रसिद्ध नीतिग्रन्थ की अत्यन्त सरल-सरस प्रतिपद
बोधिनी विषयानुकूल ये दोनों व्याख्याएँ संस्कृत एवं हिन्दी
मात्र जानने वालों के लिये भी अत्यधिक उपयोगी हैं । ३-५०
- *५८०९ हितोपदेश-मित्रलाभः । सान्वय किरणावली हिन्दी व्याख्या सहित १-००
- *५८१० हितोपदेश-सुहृद्भेदः । किरणावली संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १-२५
५८११ हीरों का खजाना । प्रथम भाग । दामोदरलाल शानचन्द्र जैन (पद्यात्मक) १-२५

संगीत-ग्रन्थाः

- ५८१२ अग्रकाशित राग १-३ भाग ६-००
- ५८१३ अभिनव गीतमंजरी । ना० रातंजनकर १-३ भाग १८-५०
- ५८१४ अभिनव प्रकाशिका । आंग्लानुवाद सहित १५-००
- ५८१५ अभिनव भरतसारसंग्रह । मुम्मडिचिक्क भूपाल कृत १७-००
- ५८१६ अभिनव संगीत शिक्षा । प्रथम भाग । श्री कृष्णनारायण रातंजनकर ।
१-२ भाग ९-००
- ५८१७ अर्जुनसंगीतिका । अर्जुनलाल १ प्रथम भाग ४-००
- ५८१८ आवाज सुरीली कैसे करें ३-५०
- ५८१९ आसावरी थाट अंक ३-००
- ५८२० Evolution of Songs and Lives of Great Musicians by S.
Bandyopadhyaya. ३-३७
- ५८२१ उत्तर-भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास । २-५०
- ५८२२ उत्तरीयसंगीतशास्त्र । पतञ्जलदेव शर्मा १-५०

५८२३ औमापत्तम् ।	२-१२
५८२४ कथक नटवरीनृत्य ।	३-५०
५८२५ कथक नृत्य । प्रकाशनारायण	२-५०
५८२६ कथकनृत्य । लक्ष्मी नारायण	८-००
५८२७ कथकलि नृत्यकला ।	३-००
५८२८ कर्नाटक संगीत अंक ।	४-००
५८२९ कलावन्तों की गायकी ।	३-५०
५८३० कल्याण थाट अंक ।	३-००
५८३१ काकदूत खण्ड काव्य	२-५०
५८३२ काका की कचहरी (हास्यरस)	२-५०
५८३३ काका की फुलझड़िया ।	२-००
५८३४ काका के कारतूस ।	२-५०
५८३५ काका के ग्रहसन ।	२-५०
५८३६ काफी थाट अंक ।	३-००
५८३७ कायदा और पेशकार ।	२-००
५८३८ किताब ई नौरस । इब्राहीम आदित्यशाह द्वितीय । हिन्दी उर्दू में अंग्रेजों अनुवाद सहित	१५-००
५८३९ क्रमिकपुस्तकमालिका । १-६ भाग	६९-२५
५८४० खमाज थाट अङ्क ।	३-००
५८४१ ख्यालगायकी । यशवन्त सदाशिव पंडित । १-३ भाग	१२-००
५८४२ गान्धर्व संगीत प्रवेशिका ।	३-५०
५८४३ गिटार मास्टर ।	२-००
५८४४ गीतमञ्जरी ।	१-००
५८४५ गीतागायन ।	१-००
५८४६ गीतालंकार ।	०-७५
५८४७ गीतालङ्कार । भरत कृत । मूल तथा फ्रान्सीसी अनुवाद । सं० आले दानियेल-एन० आर० भट्ट	१४-२५
५८४८ चतुर्थ वर्ष प्रश्नोत्तर ।	२-००
५८४९ चित्रकाव्यकौतुकम् । रामरूप पाठक प्रणीत । स्वोक्त व्याख्या सहित । संपादिका-प्रेमलता शर्मा	१२-००
५८५० ठुमरी अङ्क ।	३-००
५८५१ ठुमरी गायकी ।	३-५०
५८५२ तबलासृदङ्गवादन पद्धति । १-२ भाग	४-५०
५८५३ तबलावादन । गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव	२-५०
५८५४ तानसंग्रह । ना० रातंजनकर तृतीय भाग मात्र	६-००
५८५५ ताल अङ्क ।	५-००
५८५६ तालप्रकाश ।	६-००
५८५७ तालमञ्जरी । तीसरा भाग	०-४८
५८५८ तालमार्तण्ड ।	६-००
५८५९ तालमालिका । राजामैया पूँछवाले	२-६२
५८६० तोड़ी थाट अङ्क ।	३-००

संगीत-ग्रन्थाः

२२६

५८६१ दत्तिलम् । हिन्दी टीका सहित	२-५०
*५८६२ दत्तिलम् । हिन्दीव्याख्या सहित । व्याख्याकार-देवदत्त शास्त्री	यन्त्रस्थ
५८६३ हुलत्ती । 'काका हाथरत्ती'	२-५०
५८६४ ध्रुपद धमार अंक ।	४-००
५८६५ ध्वनि और संगीत । ललितकिंशोर सिंह	४-५०
५८६६ नलद्वन्द्वन्तीरास । महीराजकृत । भोगीलाल जे. सादेसरा संपादित	४-२५
५८६७ नाट्यप्रयोगशिल्प । जशवंत ठाकर (गुजराती)	५-००
५८६८ नादरूप । कु० प्रेमलता शर्मा	७-००
५८६९ नायक नायिका भेद और राग-रागिणी वर्गीकरण-तुलनात्मक अध्ययन । डा० प्रदीपकुमार दीक्षित	१२-००
५८७० नृत्य अङ्क ।	३-५०
५८७१ नृत्य प्रश्नपत्र (प्रयाग संगीत समिति) । २रा, ४था वर्ष	०-५०
५८७२ नृत्यप्रश्नोत्तरी (१९५६-६०) । प्रकाशनारायण	१-००
५८७३ नृत्यभारती । प्रथम भाग । आचार्य सुधाकर	४-००
५८७४ नृत्यरत्नकोश । कुंभकर्णप्रणीत । प्रथम भाग	३-७५
५८७५ नृत्यशाला ।	२-००
५८७६ नृत्य शिक्षा । मिथिलेश कुमारी गुप्त	२-५०
५८७७ नृत्य शिक्षा । विमला देवी	०-५०
५८७८ नृत्यसंग्रहः । अज्ञातकर्तृक	१-७५
५८७९ पाश्चात्य संगीत शिक्षा । भगवतशरण शर्मा । सं० लक्ष्मीनारायण गर्ग	७-००
५८८० पिह्ला (हास्यरस)	२-५०
५८८१ प्रणवभारती । ओंकारनाथ ठाकुर	९-००
५८८२ प्रभाकर प्रश्नोत्तर । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	४-००
५८८३ प्राचीन भारत में संगीत । धर्मावती श्रीवास्तव	१५-००
५८८४ पूर्वी थाट अंक ।	३-००
५८८५ फिह्रमसेमिनार रिपोर्ट ।	१०-००
५८८६ बालसंगीत शिक्षा १-२भाग	३-००
५८८७ बिलावल थाट अंक ।	२-५०
५८८८ बेलाविज्ञान ।	५-००
५८८९ बेंजोमास्टर ।	२-००
५८९० भजनसंगीत । प्रथम भाग	१-२५
५८९१ भरत का संगीत-सिद्धान्त । कैलाशचन्द्र देव दृष्टिपति	६-५०
५८९२ भरतभाष्यम् । नान्यभूपाल रचित । चैतन्य देसाई कृत हिन्दी टीका सहित । प्रथमखण्ड अध्याय १-५	८-००
५८९३ भरतार्णवः । नन्दिकेश्वर विरचित । के० वासुदेव शास्त्रि सम्पादित ।	
आंगलानुवाद सहित	१५-००
५८९४ भातखण्डे संगीत पाठमाला । प्रथम भाग	१-५०
५८९५ भातखण्डे संगीतशास्त्र । १-४ भाग	३६-००
५८९६ भातखण्डे स्मृति अंक ।	१-२५
५८९७ भारत के लोकनृत्य ।	५-००
५८९८ भारतीय नृत्यकला । केशवचन्द्र वर्मा	५-००
५८९९ भारतीय संगीत । उत्तमराम शुक्ल	१२-००

*५९०० भारतीय संगीत का इतिहास । श्री शरदचन्द्रश्रीधर परांजपे ।

ऐतिहासिक दृष्टि से संगीत में शोधकार्य का फल प्रस्तुत ग्रन्थ है । यह
हिन्दी साहित्य में अपने त्रिषय का पहला ही ग्रन्थ है । वैदिक काल से
आरम्भ कर गुप्तकाल तक में का इतिहास बड़ी सूक्ष्म दृष्टि से चिन्तित
तथा विद्वत्ता पूर्ण ढंग से सप्रमाण वर्णित है ।

	यन्त्रस्थ
५९०१ भारतीय संगीत का इतिहास । उमेश जोशी	१२-५०
५९०२ भारतीय संगीत विज्ञान	३-५०
५९०३ भैरव अंक ।	३-००
५९०४ भैरव थाट अंक ।	३-००
५९०५ मणिपुरीनर्तन । गोवर्धनपञ्चाल (गुजराती भाषा)	७-००
५९०६ मणिपुरी नृत्य ।	१-००
५९०७ महिला हारमोनियम गाइड	१-५०
५९०८ मारवा थाट अंक ।	३-००
५९०९ मारिफुन्नगमात । १-३ भाग	१५-५०
५९१० मीरा संगीत । स० आ० महाडकर	१-६२
५९११ मृदंग अंक ।	४-००
५९१२ मृदंग तबला प्रभाकर । १-२ भाग	५-५०
५९१३ मृदंगवादन । माधवराम अलकुटकर । प्रथम भाग	२-५०
५९१४ मृदङ्गसागर ।	५-००
५९१५ मेहरागमालिका । महावैद्यनाथशिव कृत	५-००
५९१६ म्याऊँ (हास्यरस)	२-५०
५९१७ म्यूजिक मास्टर ।	२-५०
५९१८ Music Mirror 1-6 Parts	7-50
*५९१९ UNIVERSAL HISTORY OF MUSIC by Raja S. M. Tagore (Chow. Sans. Studies Vol. XXXI)	20-00
५९२० रविशंकर के आरकेस्ट्रा ।	६-००
५९२१ रवीन्द्र संगीत ।	३-५०
५९२२ रसकौमुदी । श्रीकण्ठ विरचित । ६० एन० जानी संपादित	१३-००
५९२३ राग अङ्क ।	४-००
५९२४ राग अने रास । ओंकारनाथ ठाकुर (गुजराती)	१-३५
५९२५ राग आलापन तथा थायमस	६-००
५९२६ राग कोष ।	१-२५
५९२७ रागतत्त्वविबोध । श्रीनिवास विरचित	४-००
५९२८ रागतरङ्गिणी ।	६-७५
५९२९ रागनिर्णय ।	२-५०
५९३० रागपरिचय । १-४ भाग	१२-७५
५९३१ रागप्रवीण । गणेशप्रसाद शर्मा	५-००
५९३२ रागरत्नाकर । (हिन्दी)	८-४०
५९३३ रागविज्ञान । १ से ७ भाग	२८-००
५९३४ रागविबोधः । सोमनाथ कृत स्वकृत विवेक व्याख्या सहित	१५-००
५९३५ राजस्थान का लोक संगीत । देवीलाल सामर	३-००
५९३६ राष्ट्रिय संगीत अंक ।	३-५०

५९३७ रुक्मिणी मङ्गल ।	
५९३८ वंशीमञ्जरी । ३-४ भाग	१-००
५९३९ वाद्यशास्त्र ।	२-००
५९४० वाद्य संगीत अङ्क ।	२-५०
५९४१ वायलिन वादन । प्रकाश नारायण	३-५०
५९४२ वितत वाद्य शिक्षा । प्रथम सोपान	२-२५
५९४३ विलावल थाट अंक ।	१-२५
५९४४ वीणालक्षण-वीणाप्रपथक । जे० एस० पादे संपादित	३-००
५९४५ शास्त्र परिचय । १-२ भाग	३-५०
५९४६ श्री रामकथामंदाकिनी । स्वरकार-श्रीगोदावरी बाई साठे	१-२५
५९४७ संकीर्तन सुधा । प्रथम खंड	३-६०
५९४८ संगीत अंक ।	९-००
५९४९ संगीत अर्चना(तान आलाप)	१-२५
५९५० संगीत अलि । ओंकारनाथ ठाकुर	६-००
५९५१ संगीत अष्टछाप ।	८-००
५९५२ संगीत कादम्बिनी ।	६-००
५९५३ संगीतकिशोर ।	६-००
५९५४ संगीत की कहानी ।	१-७५
५९५५ संगीत चिन्तामणि । अ.चार्य डॉ० वृहस्पति-श्रीमती सुमित्रा कुमारी	१-२५
५९५६ संगीतचूडामणि । जगदेकमल प्रणीत	२०-००
५९५७ संगीतदर्पणः । चतुरदामोदर प्रणीत । संस्कृत	६-५०
५९५८ संगीतदर्पणः । हिन्दी टीका	३-००
५९५९ सङ्गीत दामोदर । शुभङ्कर विरचित	२-५०
५९६० संगीत निबन्धमाला ।	१५-००
५९६१ संगीत निबन्ध संग्रह । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	३-००
५९६२ संगीत निबन्धावली । प्रथम भाग	३-००
५९६३ संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन ।	२-५०
५९६४ संगीतपारिजातः । हिन्दी टीका सहित	३-००
५९६५ संगीत प्रभाकर प्रश्नपत्र ।	५-००
५९६६ संगीत प्रवेशिका । १-२ भाग	०-५०
५९६७ संगीत प्रश्न पत्रिका ।	३-००
५९६८ संगीत प्रश्नोत्तर (हाई स्कूल) । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	४-००
५९६९ संगीतमालिका । महम्मदशाहकृत । जे० वी० चौधरी सम्पादित	१-५०
५९७० संगीत रजत जयन्ती अंक ।	५-००
५९७१ संगीत रत्नाकर । प्रथम भाग	७-००
५९७२ संगीतरत्नाकरः । शार्ङ्गदेव कृत । चतुरकलिनाथ-सिंहभूपालकृत व्याख्यान- द्वयसहित १-४ भाग	५५-००
५९७३ संगीतरहस्य । श्रीपदवन्धोपाध्याय	२-२५
५९७४ संगीतराजः । (पाठ्यरत्नप्रवेशः) कालसेन महारानाकुम्म कृत । क्रन्धनराजा संपादित । प्रथम भाग	५-००
५९७५ संगीतराजः । नृपति कुम्भकर्ण प्रणीत । डा० प्रेमलता शर्मा संपादित । प्रथम खण्ड	४०-००

५९७६ संगीतलहरी । संग्रहकर्त्री—देवी मेहता	१—००
५९७७ संगीत विशारद ।	६—००
५९७८ संगीतन्यायाम । नारायणराय	३—००
५९७९ संगीतशास्त्र । प्रथम भाग	१—२५
५९८० संगीतशास्त्र । के० वासुदेव शास्त्री	६—५०
५९८१ संगीतशास्त्रदर्पण । १-२ भाग	५—२५
५९८२ संगीतशास्त्रपरिचय । १-२ भाग	१—२५
५९८३ संगीतशास्त्र मीमांसा ।	४—००
५९८४ संगीत शिक्क । वसन्तकुमार	२—००
५९८५ संगीत शिक्का । मिथिलेशकुमारी गुप्त	२—५०
५९८६ संगीतसागर ।	७—००
५९८७ संगीतसीकर ।	६—००
५९८८ संगीत सुधासागर । प्रथम खंड	२—००
५९८९ संगीतसोपान ।	३—००
५९९० संगीताक्षलि । ओंकारनाथ ठाकुर	३—००
५९९१ संगीतोपनिषत्सारोद्धारः । वाचनाचार्य सुधाकलश विरचित	१२—००
५९९२ संग्रहचूडामणि । गोविन्दाचार्यकृत	१५—००
५९९३ सन्तसंगीत अङ्क ।	३—५०
५९९४ सप्तरंजनी । (सितारसाधना) १-४ भाग ('गला')	१४—५०
५९९५ सहगल संगीत ।	३—००
५९९६ सारेगम ।	२—५०
५९९७ सितार अङ्क ।	२—५०
५९९८ सितार मार्ग । १-३ भाग	१५—००
५९९९ सितारमालिका ।	६—००
६००० सितार वादन । सतीशचन्द्र । प्रथम भाग	२—००
६००१ सितार शिक्का । बलदाऊजी श्रीवास्तव	२—००
६००२ सितार शिक्का	४—००
६००३ सितार शिक्का । प्रथम भाग	२—००
६००४ सितार सुधा । विक्रमादित्य सिंह निगम । प्रथम भाग	५—२५
६००५ सितार सुबोधिनी । पाँचवाँ भाग	४—००
६००६ सिने संगीत । प्रथम भाग	४—००
६००७ सुर संगीत । १-२ भाग	४—००
६००८ स्वर मालिका	२—५०
६००९ स्वरमेलकलानिधिः । हिन्दी टीका सहित	१—२५
६०१० स्वरलिपि । रवीन्द्रनाथ ठाकुर के सौ गीतों का स्वरलिपि-बद्धसंकलन । प्रथम खण्ड	२०—००
६०११ हमारे संगीत रत्न	१५—००
६०१२ हमारे संगीतज्ञ । प्रकाश नारायण	३—००
६०१३ हरिदास अंक ।	१—२५
६०१४ हाई स्कूल संगीत शास्त्र ।	२—००
६०१५ हारमोनियम ज्ञानसागर । नन्दलाल शर्मा	२—५०
६०१६ हारमोनियम-तबला पुण्ड बाँसुरी मास्टर ।	२—५०

शिल्पशास्त्र-ग्रन्थाः

२३३

* ६०१७ HINDU MUSIC FROM VARIOUS AUTHORS. Compiled by Raja Sir Sourindro Mohun Tagore (Chow. Sans. Studies Vol. XLIX).

25—00

पाकशास्त्र-ग्रन्थाः

* ६०१८ नलपाकः । (पाकदर्पण) नलविरचितः ।	समाप्त
६०१९ पाकचन्द्रिका ।	६—००
६०२० पाकप्रदीप और पुष्टिप्रकाश । हिन्दी टीका सहित	१—३२
६०२१ पाक विज्ञान ।	४—००
६०२२ पाक विद्या । नगिराम शर्मा	१—००
६०२३ पाकविलास । विधि सहित	१—२०
६०२४ पाकावली । मूल	०—६२
६०२५ बृहत्पाकसंग्रह । कृष्णप्रसाद	४—००
६०२६ बृहत्पाकावली । हिन्दी टीका	१—२५
६०२७ स्वादिष्ट अचार ।	२—५०

शिल्पशास्त्र-ग्रन्थाः

६०२८ अपराजितपृच्छा । भुवनदेवाचार्य विरचित । मनकड सम्पादित	२५—००
६०२९ काश्यपशिल्पम् । महेश्वरोपदिष्टम्	४—७५
६०३० प्रासाद-मंजरी (सूत्रधारनाथ विरचित वास्तुमञ्जर्यान्तर्गत) हिन्दी टीका सहित	६—५०
६०३१ प्रासादमण्डनम् ।	१—००
६०३२ प्रासाद मंडन (देवालय निर्माण शास्त्र) सूत्रधार 'मंडन' विरचित । भगवानदास जैन कृत हिन्दी टीका सहित	१६—००
६०३३ भारतीय वास्तुशास्त्र । (प्रतिमा विज्ञानी) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल	१५—००
६०३४ भारतीयवास्तुशास्त्र (प्रतिमाविज्ञान-प्रतिमालक्षण) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल	१२—००
७०३५ भारतीय वास्तुशास्त्र । (वास्तु विद्या तथा पुरनिवेश) द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल	८—५०
६०३६ भारतीय वास्तुशास्त्र हिन्दूप्रासाद (चतुर्गुंही पृष्ठभूमि) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल	३—००
६०३७ रूपमण्डन । सूत्रधारमण्डन विरचित । हिन्दी टीका सहित । सं० डॉ० वलराम श्रीवास्तव	७—००
३०३८ विश्वकर्मप्रकाशः । मिहिरचन्द्र कृत हिन्दी टीका सहित	३—००
६०३९ विश्वकर्मवास्तुशास्त्रम् । सव्याख्या	१५—००
६०४० शिल्पप्रकाश । रामचन्द्र कौलाचार्य प्रणीत । एलिस वोनर-सदाशिवरथ शर्मा कृत आंग्लानुवाद सहित । सचित्र	३३७—५०
६०४१ समराङ्गण-सूत्रधारः । भोजदेव विरचित । यासुदेवशरण अग्रवाल संपादित	३०—००
६०४२ समराङ्गण-सूत्रधार-वास्तुशास्त्र । (भवननिवेश-प्रथम भाग । हिन्दी टीका वास्तु पदावली सहित) डॉ० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल	३६—००
६०४३ सम्यक्सम्बुद्धभाषितं प्रतिमालक्षणम् । सव्याख्या	१—२५

कामशास्त्र-ग्रन्थाः

६०४४ अनङ्गरङ्ग । कल्याणमल्लविरचित	१-२५
*६०४५ अनङ्गरङ्गः । कल्याणमल्लविरचितः । हिन्दी टीका सहित	यन्त्रस्य
६०४६ अनङ्गरङ्गः । हिन्दी टीका सहित	३-००
६०४७ कामकला । विजय वहादुर सिंह	४-५०
६०४८ कामकुञ्ज । सन्तराम वी. ए.	२-५०
६०४९ कामकुञ्ज । विजय वहादुर सिंह	८-००
*६०५० कामकुञ्जलता । सं० आचार्य ढुण्डिराज शास्त्री ।	
श्रीमीननाथ, भरत, पुरुरवा, दैवज्ञ सूर्य आदि द्वादश राजर्षियों द्वारा विरचित इस ग्रन्थ की द्वादश मंजरियों में कामशास्त्र के पोषक विभिन्न प्रकार के प्राचीन रसपूर्ण उपाख्यान, इस शास्त्र से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के मोहन-वशीकरणादि सिद्ध तन्त्र तथा अनुभवसिद्ध लेप, तैल, पोटली, कण्ठौषधि, रसौषधि आदि का विषयानुसार सरस संस्कृत में विशद वर्णन है । अपने विषय का सर्वश्रेष्ठ आनन्ददायी तथा उपयोगी ग्रन्थ है ।	
६०५१ कामविज्ञान । दीनानाथ व्यास	२०-००
*६०५२ हिन्दी कामसूत्र । (जयमङ्गला टीका सहित) व्याख्याकार :	४-००
श्री देवदत्त शास्त्री	
शास्त्रार्थ के दुर्दृष्ट स्थलों पर इतना सुविस्तृत और गंभीर विवेचन किया गया है कि यह हिन्दी व्याख्या कामसूत्र की एक स्वतंत्र मौलिक रचना ही बन गई है ।	
६०५३ कामसूत्र । हिन्दी भाषा मात्र	१६-००
६०५४ कामसूत्र परिशीलन । वाचस्पति गैरोला	५-५०
६०५५ कुचिमारतन्त्रम् । हिन्दी टीका	१६-००
६०५६ केलिकुतूहलम् । म० म० मथुराप्रसाद दोक्षित विरचित । मूलमात्र	०-५०
६०५७ केलिकुतूहलम् । हिन्दी टीका सहित	२-००
६०५८ कोकशास्त्र । (हिन्दी)	४-००
६०५९ कोकशास्त्र । जैनाचार्य नर्बुदाचार्य विरचित	४-००
६०६० कोकसार । (हिन्दी) विद्याधर विद्यालङ्कार	११-००
६०६१ नागरसर्वस्वम् । हिन्दी टीका सहित	२-२५
*६०६२ पञ्चसायकः नर्मकेलिकौतुकसंवादश्च । कविशेखरश्रीज्योती-	५-१०
श्वराचार्येण तथा कविराजमुकुटेन दण्डिना विरचितः	
६०६३ पञ्चसायकः । हिन्दी टीका सहित	१-००
६०६४ मदनसन्देशः । आचार्य श्री आनन्द । हिन्दी टीका सहित	४-२०
*६०६५ रतिमंजरी । हिन्दीगद्य-पद्यानुवाद सहित	०-६२
*६०६६ रतिरत्नप्रदीपिका । श्रीप्रौढदेवराज विरचित	०-४०
६०६७ रतिरत्नप्रदीपिका । हिन्दी टीका सहित	१-००
६०६८ रतिरहस्यम् । काञ्चीनाथ कृत दीपिका टीका टिप्पणी सहित	३-००
६०६९ रतिरहस्यम् । हिन्दी टीका सहित	४-००
	५-००

*६०७० वात्स्यायन के योग । श्री केदारनाथ पाठक रासायनिक ।

श्री-पुरुषों के स्वास्थ्य-सौन्दर्यादि की वृद्धि के लिये इस पुस्तिका में कामसूत्रकार महर्षि वात्स्यायन के अनुभवसिद्ध कथ-चूर्ण-घृत-तैल-लेप-पोटली-उपपन-मञ्जन आदि के अनेक गोपनीय नुस्खे दिये गये हैं । ०—७५

बौद्ध-ग्रन्थाः

*६०७१ A MANUAL OF BUDDHISM, In its Modern

Development. Translated from Singhalese Mss. by Lt.

Spence Hardy. (Chow. Sans. Studies Vol. LVI.) 30—00

६०७२ अङ्गुत्तरनिकाय । १-२ भाग । अनुवादक-भदन्त आनन्द कौसल्यायन १७—००

६०७३ अङ्गुत्तरनिकाय पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित १-४ भाग ३०—००

६०७४ अष्टसालिनी । धम्मसंगणि की टीका ८—००

६०७५ अभिधम्मस्य संग्रहो । अनुरुद्धाचरिय विरचित । भदन्त आनन्द कौसल्यायन कृत हिन्दी टीका सहित ३—००

६०७६ अभिधम्मस्यसङ्ग्रहो । अनुरुद्धाचरिय विरचित । धम्मनन्द कृत नवनीत टीका सहित ४—००

६०७७ अभिधम्मस्यसङ्ग्रहो । अनुरुद्धाचरिय विरचित । भदन्त सुमङ्गल सामिस्थेर कृत अभिधम्मस्य विभावनी टीका सहित । भदन्त रेक्त धम्मस्थेर संपादित ८—००, १०—००

६०७८ अभिधर्मदीपः । विभाषाप्रभावृत्ति सहित १२—००

६०७९ अभिधर्मसमुच्चयः । असंगकृत । प्रह्लादप्रधान संपादित ६—००

६०८० अम्बट्टसुत्त । राहुल सांकृत्यायन-भिक्षु जगदीश काश्यप ०—५०

६०८१ अर्थपादसूत्र । अंग्रेजी अनुवाद सहित । बापट संपादित ७—००

*६०८२ अवदानकल्पलता । (तृतीयपल्लवः) श्री क्षेमेन्द्र विरचित ०—२५

६०८३ अवदानकल्पलता । क्षेमेन्द्र विरचित । १-२ भाग २५—००

६०८४ अवदानशतकम् । परशुरामशर्मणा संस्कृतम् १२—५०

६०८५ अवदानशतकम् । J. S. Speyer संपादित १०८—००

६०८६ अशोकावदानम् । सुजीत कुमार मुखोपाध्याय संपादित १८—००

६०८७ अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता । हरिभद्र विरचित आशोक व्याख्या सहित २०—००, २५—००

६०८८ आगमशास्त्रम् । गौडपादाचार्य कृत । भदन्त आनन्द कौसल्यायन १—५०

६०८९ आचार्य बुद्धघोष । भिक्षु धर्मरक्षित १—००

६०९० आदर्श बौद्ध महिलायें । विद्यावती मालविका १—५०

६०९१ आर्य अंगुलिमाल सूत्र । रिगजिन लुनडुव लामा ०—५०

६०९२ आर्यशालिस्तम्बसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पादविमङ्गनिदेशसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पादगाथासूत्रम् । ९—००

६०९३ इतिवृत्तक । भिक्षुधर्म रक्षित ०—७५

६०९४ इति-वृत्तकं (सुत्तपिटक-सुत्त खड्गनिकाय) मूलमात्र पालीपाठ २—५०

६०९५ उत्तर-प्रदेशमें बौद्धधर्म का विकास । डॉ. नलिनाक्षर-कृष्णदत्त वाजपेयी ६—००

६०९६ उद्दान । भिक्षु जगदीश काश्यप अनुवादित १—२५

६०९७ उपसंपदाज्ञप्ति । डॉ० बी० जिनानंद संपादित	३-००
६०९८ ऊहापोह । शान्तिमिश्र शास्त्री	१-००
*६०९९ AN INTRODUCTION TO BUDDHIST ESOTERISM by Dr. Benoytosh Bhattacharya (Chow. Sans. Studies Vol. XLVI.)	30-00
६१०० कथावस्तु पालि (अभिधम्म पिटके) । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित	७-५०
६१०१ कालामसूत्र । जी० प्रज्ञानन्द	०-२५
६१०२ कुशीनगर का इतिहास । भिक्खु धर्मरक्षित	२-५०
६१०३ कुशीनगर दिग्दर्शन । भिक्खु धर्मरक्षित	०-२५
६१०४ खुदकनिकाय । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित । १-७ भा. ९ जिल्दों में	६७-५०
६१०५ खुदकपाठ । भिक्खु धर्मरत्न	०-३७
६१०६ गण्डव्यूहसूत्रम् । परशुराम शर्मा वैद्य संपादित	२०-००
६१०७ गांधारी धम्मपद । सम्याख्या-रोमन आग्लानुवाद सहित । जोन ब्राउन सम्पादित	८४-००
६१०८ गांधीजी और धर्म । सुखलाल संघवी-इलसुखमालवगिया लिखित । हिन्दी	०-६२
६१०९ गुह्यसमाजतन्त्रम् । (तथागतगुह्यक) शोतांशुशेखर वागची सम्पादित	१०-००, १२-५०
६११० गृहीचिन्तय ।	१-२५
६१११ गौतमबुद्ध । बंगला	१-५०
६११२ चरियापिटक । भिक्खु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवादसहित	१-८०
३११३ चरियापिटक । डा० विमलाचरण सम्पादित	५-००
६११४ चर्यागीतिकोषः बौद्धसिद्धानाम् । प्रबोधचन्द्र वागची-शान्तिमिश्र शास्त्री कृत टिप्पणी सहित	१५-००
६११५ चित्तविशुद्धिप्रकरणम् । आर्यदेव कृत । पटेल सम्पादित	५-००
६११६ चीनवर्षीया अहिंसा पञ्चाशिका । रघुवीरेण आंग्ले संस्कृते चानूदिता	२०-००
६११७ चीनी बौद्धधर्म का इतिहास । डॉ० चाउसिआंग कुआंग । आत्मन् अनुवादित	१०-००
६११८ चुल्लनिहेस पालि । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित	७-५०
६११९ चुल्लवग्ग । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादित	७-५०
६१२० जातक । १-६ भाग । भदन्त आनन्द कौसल्यायन अनुवादित	५८-००
६१२१ जातक पालि । भिक्खु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-२ भाग	१५-००
६१२२ जातकट्ठकथा । पठमो भाग । भिक्खुधर्मरक्षित सम्पादित । एकनिपातवर्णना	९-००
६१२३ जातकमाला तथा सुभाषित रत्नकरण्डक कथा । आर्यशूर विरचित	१२-५०
६१२४ जातकमाला । आर्यशूरकृत । डा० कर्न सम्पादित । अमेरिका	४८-००
६१२५ जातकमाला । मध्यमा परीक्षा निर्धारित । सटीक	२-२५
६१२६ जातकमाला । हिन्दी टीका सहित । १-२० जातक	३-००
६१२७ जातकमाला । आंग्लानुवाद-हिन्दी अनुवाद सहित	८-००
६१२८ जातकसङ्ग्रहः । तुङ्गर सम्पादित	१-५०
६१२९ जातिभेद और बुद्ध । भिक्खु धर्मरक्षित	१-००
६१३० ज्ञानप्रस्थानशास्त्र । कात्यायनी पुत्र विरचित	१२-००
६१३१ ज्ञानश्रीमित्रनिबन्धावलि । अनन्तलाल ठकुर संपादित	२५-००

६१३२ तथागत का प्रथम उपदेश । मिश्र धर्मरक्षित	०—३७
६१३३ तथागत गर्भसूत्र । भदन्त मंगल हृदय	०—३७
६१३४ तान्त्रिक बौद्ध साधना और साहित्य । नगेन्द्रनाथ उपाध्याय	५—००
६१३५ तिब्बत में बौद्धधर्म । राहुल सांकृत्यायन	१—२५
६१३६ तेलकटाहगाथा । मिश्रधर्मरक्षित	०—३७
६१३७ थेरगाथा । मूलमात्र पालीपाठ	१—५०
६१३८ थेरगाथा । अनुवादक—मिश्र धर्मरक्ष	३—००
६१३९ थेरीगाथा । मूलमात्र पालीपाठ	१—२५
६१४० दिव्यावदान । पी० एल० वैद्य सम्पादित	१६—००, २०—००
६१४१ दीघनिकायः । मूलमात्र-पालीपाठ । १-२ भाग	५—००
६१४२ दीघनिकायः । मिश्र जगदीश काश्यप सम्पादित । १-३ भाग	२२—५०
६१४३ धम्मपदं । (शोधपूर्ण संस्करण) सटिप्पण 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । अनुवादक—श्री कनछेदिलाल गुप्ता ।	
टिप्पणीकार—श्री सत्कारिशर्मा वज्जीय	
सिंहली, बर्मी आदि पाठों तथा टीकाओं के आधार पर प्रस्तुत विशुद्ध पाठ, भाषाविज्ञानसम्मत संस्कृत छाया, प्राञ्जल हिन्दी व्याख्या सभी मर्यादपूर्ण शब्दों पर पूर्णतया विवेचन, गाथासूची, शब्दकोश आदि अनेकविध शोधपूर्ण नवीनताओं से मण्डित यह संस्करण सर्वोत्तम है । यन्त्रस्थ	
६१४४ धम्मपद । वंशनारायण लाल सम्पादित (कविता)	०—५०
६१४५ धम्मपद । मूलपाली, संस्कृत-छाया, हिन्दी टीका सहित । राहुल सांकृत्यायन अनुवादित	२—००
६१४६ धम्मपद । हिन्दी अनुवाद-संस्कृतछाया-व्याकरणात्मक टिप्पणी आदि से समन्वित । सं० डा० रामजी उपाध्याय	३—००
६१४७ धम्मपद । मिश्रधर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवाद	२—००
६१४८ धम्मपद । त्रिपिटकाचार्य मिश्रधर्मरक्षित विरचित टीका सहित	३—००
६१४९ धम्मसंगणि । वापट कृत	५—००
६१५० धम्मसंगणिपालि । मिश्र जगदीश काश्यप संपादित	७—५०
६१५१ धम्मचक्कप्पवत्तनसुत्त ।	०—५०
६१५२ धातुकथा पुगलपञ्जत्ति पालि । मिश्र जगदीश काश्यप संपादित	७—५०
६१५३ ध्यान-सम्प्रदाय । डा० भरतसिंह उपाध्याय	१०—००
६१५४ नवनालन्दा महाविहार शोध ग्रन्थ । डॉ० एस० मुकजी संपादित १-२ भाग	३०—००
६१५५ नारायण परिपृच्छा । संस्कृत-तिब्बती	०—७५
६१५६ नालन्दा-देवनागरी-पालि-ग्रन्थमाला । देवनागरी लिपि में सम्पूर्ण पालित्रिपिटक । ४१ जिल्दों में सम्पूर्ण । साधारण संस्करण	२०५—००
लाहोरीसंस्करण	३०७—५०
६१५७ निदानकथा । मिश्र धर्मरक्षित अनुवादित	१—२४
६१५८ निदानकथा (जातकट्टकथा) एन० के० भागवत संपादित	१—६२

६१५९ निदान कथा । अनुवादक—डा० महेशतिवारी

भदन्त बुद्धभोज कृत जातकट्टकथा का यह भूमिका भाग पालि साहित्य के विद्यार्थियों के लिए विशेष महत्वपूर्ण है । विद्यार्थियों के उपयोग को ध्यान में रखते हुए यह शोधपूर्ण संस्करण विभिन्न देशीय संस्करणों के आधार पर प्रस्तुत किया गया है, और उसी के साथ त्रिभुज प्राञ्जल हिन्दी अनुवाद भी दिया गया है । इससे विद्यार्थी विशेष लाभ उठा सकेंगे ।

यन्त्रस्थ

६१६० नेपालयात्रा । भिक्षुधर्मरक्षित

४—५०

*६१६१ न्यायविन्दुः । श्रीधर्मोत्तराचार्य कृत संस्कृतटीका तथा पं० चन्द्रशेखर

शास्त्री कृत हिन्दीटीका—समालोचनात्मक विस्तृतभूमिका विभूषित ५—००

६१६२ पञ्चशील और बुद्ध-चन्दना । भदन्त बोधानन्द, महास्थविर

०—१३

६१६३ पट्टानपालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित । १-६ भाग

४५—०६

६१६४ परिवार पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित

७—५०

६१६५ पाइय-पज्ज-संगहो । पठमो भाग

१—५०

६१६६ पाचित्ति पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित

७—५०

६१६७ प्रातिमोक्षसूत्रम् । आर० डी० वडेकर विरचित

१—००

६१६८ पाराजिक पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित

७—५०

*६१६९ पालि जातकरत्नावलिः । सम्पादक—श्री कनछेदीलाल गुप्ता

श्रीसत्कारिशर्मा वङ्गीय । पलिभाषा के शिक्षार्थियों के लिए जातक की रोचक तथा उपदेशप्रद कहानियाँ विशेष उपयोगी हैं । इसलिए प्रायः प्रत्येक विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में जातकों के कुछ अंश निर्दिष्ट किया जाता है । विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लाभ की दृष्टि से इस संकलन में ४० जातकों का संग्रह संस्कृत छाया तथा प्राञ्जल हिन्दी अनुवाद के साथ किया गया है । पालिभाषा का प्रारंभिक अध्ययन करने वालों के लिये यह बहुत उपयोगी है ।

यन्त्रस्थ

६१७० पालिजातकावलिः । बटुकनाथशर्मा विरचित संस्कृतछाया सहित

३—००

६१७१ पालिकथाप्रकाश (पालिजातकावलि का हिन्दी संस्कृत तथा अंग्रेजी में अनुवाद) डॉ० नरेन्द्रदेव सिंह शास्त्री—डॉ० हरदत्तशास्त्री

३—००

६१७२ पालिधातुरूपावली ।

१—२५

६१७३ पालिपाठमाला । भिक्षु धर्मरक्षित

१—००

६१७४ पालिपाठसंगहो । पठमो भागो । महेशतिवारी संपादित

२—५०

६१७५ पालिप्राकृतव्याकरण । मथुरानाथ दीक्षित विरचित

१—५०

६१७६ पालिमहाव्याकरण । भिक्षु जगदीश काश्यप

१०—००

६१७७ पालिव्याकरण । भिक्षु धर्मरक्षित

२—५०

६१७८ पालिशब्दरूपावली ।

०—२५

६१७९ पालिसाहित्य का इतिहास । भरतसिंह उपाध्याय

१५—००

६१८० पालिसाहित्य का इतिहास । राहुल सांकृत्यायन

५—००

६१८१ पाली प्रबोध । आद्यादत्त ठाकुर

२—५०

*६१८२ THE STORY OF KING UDAYANA AS GLEANED FROM SANSKRIT, PALI & PRAKRIT SOURCES
by Dr. Niti Adaval.

In the Press

६१८३ पाली साहित्य का इतिहास । राजकिशोर	२—५०
६१८४ पूर्णिमा । (कविता) कुमारी विद्यावती 'मालविका'	०—६२
६१८५ प्रज्ञाप्रदीप ।	१—००
६१८६ प्रतीत्यसमुत्पादीय विभङ्ग नाम निर्देश सूत्रम् । रिगजिन लुनडुव लामा	०—३७
६१८७ प्रमाणवार्तिकान्तर्गत स्वार्थानुमान परिच्छेद । आचार्य धर्मकीर्ति	
विरचित । दलसुख भाई मालवणिया सम्पादित	१५—००
६१८८ प्रमाणवार्तिकम्-स्वार्थानुमान परिच्छेदः । धर्मकीर्ति कृत । स्वोपबृष्टि	
आंगलानुवाद सहित । १-५१ कारिका सं० एस० मुकर्जी-इजुननागासाकि	४—००
६१८९ प्रातिमोक्षसूत्रम् । (मूल सर्वास्तिवाद)	४—००
६१९० प्रातिमोक्षसूत्रम् । महासाधिकानां । डब्ल्यू० पचाऊ-रमाकान्तमिश्र संपादित	५—००
६१९१ बुद्ध और उनके अनुचर । आनन्द कौसल्यायन	१—२५
६१९२ बुद्ध और क्राइस्ट । जिनराजदास	०—७५
६१९३ बुद्ध और बौद्धसाधक । भरतसिंह उपाध्याय	१—५०
६१९४ बुद्धकालीन भारत का भौगोलिक परिचय ।	१—००
६१९५ बुद्धकालीन भारतीय भूगोल ।	११—००
६१९६ बुद्ध की देन । भदन्त डॉ० शासन श्री महास्थविर	२—००
६१९७ बुद्धकीर्तन । प्रेमसिंह चौहान 'दिव्यार्थ'	१—५०
*६१९८ बुद्धचरितम् । अश्वघोषकृतम् । हिन्दी अनुवाद सहित ।	
अनुवादक-महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री । हिन्दी	
ज्ञाताओं को काव्यानन्द के साथ भगवान् बुद्ध के मार्मिक	
एवं करुण जीवनचरित द्वारा शान्तरस का आनन्द सुलभ	
कराने की दृष्टि से यह संस्करण प्रस्तुत है । इसमें हिन्दी	
टीका विषयानुकूल प्रवाह-युक्त तथा सरल एवं सरस है ।	
संपूर्ण ग्रन्थ १-२ भाग में	५—५०
प्रथम भाग (सर्ग १ से १४)—महाकवि अश्वघोष रचित	
संस्कृत मूल के साथ हिन्दी टीका सहित	२—५०
द्वितीय भाग (सर्ग १५ से २८)—शास्त्री जी द्वारा स्व-	
परिश्रम-पूर्वक रचित संस्कृत मूल के साथ हिन्दी टीका सहित	३—००
६१९९ बुद्धचरितावली । रामचन्द्रलाल	१—५०
६२०० बुद्धचर्या । राहुल सांकृत्यायन	१०—००
६२०१ बुद्धचित्रावली । आनन्द कौसल्यायन	२—५०
६२०२ बुद्धजीवनी ।	१—२५
६२०३ बुद्धदेव । शरत्कुमारराय	१—७५
६२०४ बुद्धधर्म के उपदेश । मिश्र धर्मरक्षित	२—००
६२०५ बुद्धमीमांसा । योगिराज शिष्य मैत्रेय रचित । अनु०—विश्वनाथप्रसाद मिश्र	३—००
६२०६ बुद्धवचन । भदन्त आनन्द कौसल्यायन	०—७५
६२०७ बुद्धवचनामृत । भदन्त डॉ० शासन श्री महास्थविर	१—५०
*६२०८ BUDDHISM by Monier Williams (Chow. Sans.	
Studies Vol. XLV)	३५—००

*६२०९ BUDDHIST PHILOSOPHY IN INDIA AND CEYLON :

By A. B. Keith (Chow. Sans. Studies Vol. XXVI) 15—00

६२१० बृहस्पतितत्त्व । श्रीमती डॉ० सुदर्शन देवी ३०—००

६२११ बोधिचर्यावतार । त्रिभुशेखर भट्टाचार्य संपादित २५—००

६२१२ बोधिचर्यावतार । शान्तिदेव विरचित । प्रभाकरमति कृत पञ्जिका
व्याख्या सहित १२—५०

६२१३ बोधिचर्यावतार । आचार्य शान्तिदेव कृत । अनु०—शान्तिभिक्षु शास्त्री १०—००

६२१४ बोधिद्रुम । सुमन वात्स्यायन ०—३७

६२१५ बोधिपथ-प्रदीपम् । रिगजिन लुनडुब लामा ०—५०

६२१६ बोधिसत्त्वचरितम् । प्रणेता सत्यव्रत शास्त्री ६—५०

६२१७ बोधिसत्त्वभूमिः । डॉ० नलिनाक्ष दत्त संपादित १५—००

६२१८ बौद्ध कला कृतियाँ । ३—००

६२१९ बौद्धकहानियाँ । व्यथितहृदय १—५०

६२२० बौद्धचर्याविधि । भिक्षु धर्मरक्षित ०—५६

६२२१ बौद्धदर्शन । राहुल सांकृत्यायन ५—००

६२२२ बौद्धदर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन । भरतसिंह । १-२ भाग २०—००

*६२२३ बौद्धदर्शन-मीमांसा । पं० बलदेव उपाध्याय साहित्याचार्य,

एम० ए० (उत्तरप्रदेश की सरकार तथा डालमिया

पुरस्कार से पुरस्कृत) द्वितीय संस्करण ६—००

६२२४ बौद्धदर्शनविन्दुः । डॉ० सातकडि मुखोपाध्याय १—००

६२२५ बौद्धधर्म । मूल लेखक-एनीवेसेट । अनुवादिका-कौशल्यादेवी मोहता । ०—७५

६२२६ बौद्धधर्म के विकास का इतिहास । गोविन्दचन्द्र १२—००

६२२७ बौद्धधर्म के २५०० वर्ष । ३—००

६२२८ बौद्ध धर्म दर्शन । आचार्य नरेन्द्रदेव १७—००

*६२२९ बौद्ध न्याय । मूल लेखक : एफ० टी० शर्बाट्स्की । हिन्दी

अनुवाद : डॉ० रामकुमार राय

यद्यपि इधर कुछ वर्षों में बौद्धदर्शन के अध्ययन की दिशामें पाठकों की रुचि में पर्याप्त वृद्धि हुई है, तथापि आज भी बौद्धदर्शन, तथा विशेषरूप से बौद्ध न्याय के प्रायः सभी ग्रन्थों के केवल मूल पाठ में ही उपलब्ध होने से पाठकों को बहुधा कठिनाई का अनुभव करना पड़ता था । बौद्धन्याय पर कोई विवेचनात्मक पुस्तक का अभाव तो न केवल हिन्दी तक ही सीमित था, वरन अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं तक में ऐसी एकमात्र कृति शर्बाट्स्की के प्रस्तुत ग्रन्थ के अतिरिक्त अन्य कोई नहीं है । यह वस्तुतः बौद्धन्याय के क्षेत्र में आज तक प्रकाशित सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथा प्राच्य अनुसन्धान का एक युगान्तकारी ग्रन्थ है । लेखक ने दिङ्नाग तथा उनके अनुयायियों, विशेषतः धर्म कीर्तिद्वारा प्रवर्तित महायान सम्प्रदाय के बौद्ध न्याय का एक सर्वाङ्गपूर्ण इतिहास तथा विवेचन प्रस्तुत किया है ।

ग्रन्थ यन्त्रस्थ है और प्रथम भाग

अत्यन्त शीघ्र प्रकाशित होगा ।

बौद्ध-ग्रन्थाः

२४१

६२३० बौद्धभारत । टी० डब्लू० रीज़ डेविड्स । अनु०—भुवनाथ चतुर्वेदी	५—००
६२३१ बौद्धविभूतियाँ । भिक्षु धर्मरक्षित	१—००
६२३२ बौद्धशिशुबोध । भिक्षु धर्मरक्षित	०—२५
६२३३ बौद्धसंग्रहः । नलिनाक्षदत्त संपादित	७—५०
६२३४ बौद्धसंस्कृति । राहुल सांकृत्यायन	२०—००
६२३५ बौद्धसाधना विधि । भदन्त रेवत धर्म	०—७०
६२३६ बौद्ध साहित्य की सांस्कृतिक झलक ।	३—५०
६२३७ बौद्धसिद्धान्तसार (बालमतिनयनोन्मीलक सुभाषित) दलाई लामा । भाषान्तरकार—भिक्षु शुवतन छोगडुब	४—००.
६२३८ बौद्धागमार्थसंग्रह । परशुराम शर्मा संपादित	२०—००.
६२३९ भगवान् गौतमबुद्ध । भदन्त बोधानन्द महास्थविर	१—५०.
६२४० भगवान्बुद्ध । भदन्त आनन्द कौसल्यायन	०—१२.
६२४१ भगवान्बुद्ध की शिक्षा । देवमिच्छ धर्मपाल	०—३७
६२४२ भगवान् हमारे गौतमबुद्ध । मनोरञ्जन प्रसाद	०—१५.
६२४३ मज्झिमनिकाय । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित । १-३ भाग	२२—५०.
६२४४ मञ्जुश्री-नाम-संगीतिः । मंगोलियन-टिवेटन-संस्कृत-चाइनीज । सेकोदेशः । टिवेटन मोंगोलियन । डॉ० रघुवीर संपादित	३०—००.
६२४५ मध्य कालीन हिन्दी साहित्य पर बौद्धधर्म का प्रभाव । डॉ० सरला त्रिगुणायत	१३—५०.
६२४६ मध्यमकशास्त्रम् । नागार्जुन विरचित । चन्द्रकांति कृत प्रसन्नपद व्याख्या सहित	१०—००, १२—५०.
६२४७ मध्यान्तविभागसूत्रभाष्यटीका । स्थिरमति कृत (मैत्रेयनाथकृत मध्यान्त- विभाग सूत्रपर वसुबन्धुभाष्य की टीका)	१२—००.
६२४८ महाकाव्य तथ्यागत । वेदराजप्रसाद	०—७५.
६२४९ महापरिनिब्बानसुत्तं । मूलपालि-हिन्दी अनुवाद तथा अट्टकथासार सहित । भिक्षु धर्मरक्षित	३—५०.
६२५० महापरिनिर्वाणसूत्र । राहुल सांकृत्यायन संपादित	२—००.
६२५१ महामानव बुद्ध । राहुल सांकृत्यायन	२—५०.
६२५२ महायान । भदन्त शान्ति भिक्षु कृत हिन्दी	३—००.
६२५३ महायानविश्वक । नागार्जुन विरचित । विधुशेखर मट्टाचार्य संपादित	५—००.
६२५४ महायानसूत्रसंग्रह । १-२ भाग	४५—००.
६२५५ महावग्ग पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप	७—५०.
६२५६ महावग्गो । (विनयपिटक) मूलपाली पाठ । १-२ भाग	७—००.
६२५७ महावदानसूत्रम् प्रथमम् । राहुल सांकृत्यायन अनूदित	२—००.
६२५८ महावंश । आनन्द कौसल्यायन कृत हिन्दी अनुवाद	५—५०.
६२५९ महावंसो । मूलमात्र पालीपाठ	३—७५.
६२६० महावंसो । भिक्षु धर्मरक्षित	०—७५.
६२६१ महावस्तु अवदानं । राधागोविन्द बसाक संपादित । १-२ खण्ड	६५—००.
६२६२ माध्यमिककारिकाः । नागार्जुन प्रणीत । सुबोधिनी व्याख्या सहित	२—५०.

६२६३	मिलिन्दपन्हो (मिलिन्दप्रश्नः) मूलपालि-संस्कृत छाया संवलित । विमतिच्छेदपर्यन्त	४-००
६२६४	मूलमाध्यमिककारिका । नागार्जुन कृत । षष्ठ-सप्तम प्रकरण । चन्द्रकीर्ति तथा विषभूषण कृत व्याख्या द्वय, आंग्ला-बंगलानुवाद सहित	१०-००
६२६५	यमक पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित । १-३ भाग	२२-५०
६२६६	यशोधरा । मैथिलीशरण गुप्त	३-००
६२६७	योगाचारभूमिः । आचार्य असङ्ग । विधुशेखर भट्टाचार्य संपादित प्रथम भाग	१०-००
६२६८	रत्नगोत्रविभागोमहायानोत्तरतन्त्रशास्त्रम् । जान्स्टन-चौधरी सम्पादित	८-००
६२६९	राष्ट्रपाल परिपृच्छानाम महायानसूत्र । एल० फीनाट सम्पादित	१२-००
६२७०	ललितविस्तरः । पी. यल. वैद्य संपादित	१२-५०
६२७१	लोकनीति ।	१-००
६२७२	वज्रसूची उपनिषद् । प्रज्ञानन्द	०-५०
६२७३	वज्रसूची । अश्वघोष विरचित । सुजीतकुमार मुकर्जी संपादित	३-५०
६२७४	वज्जालम्गम् । जुलियस लेवर सम्पादित । २-३ खण्ड	२-२५
६२७५	वज्जालम्गम् । (१-२००) गोरे सम्पादित	३-००
६२७६	विग्रहव्यावर्त्तनी । नागार्जुन विरचित । स्वोपबृत्ति समेत	५-००
*६२७७	विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः । विंशति-त्रिंशिकाभिधानप्रकरणद्वयात्मिका भाषानुवादसमुल्लसिता । अनु०-डॉ० महेश तिवारी । विज्ञानवाद के इस आधार ग्रन्थ का मूल पाठ देशी-विदेशी दुर्लभ प्राण्डुलिपियों के आधार पर निश्चित किया गया है, तदनुसार सरल- सुबोध हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है जो जटिलता से रहित स्पष्टी- करण के लिये यत्र-तत्र कोष्ठक में कुछ शब्द या वाक्यांश जोड़ भी दिये गए हैं । सरल दार्शनिक विचारों से युक्त भूमिका तथा अन्त में शब्दा- नुक्रमणिका आदि उपयोगी सामग्री भी दी गई है ।	६-००
६२७८	विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः । वसुबन्धु प्रणीत । पञ्चाशतिका-संवृत्तिका त्रिंशतिका कारिका । स्थिरमति प्रणीत । त्रिंशिका भाष्य सहित	२-००
६२७९	विभङ्गपालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित	७-५०
६२८०	विशुद्धिमग्गदीपिका । धर्मानन्दकोशाम्बी	३-५०
६२८१	विशुद्धिमार्ग । अनुवादक—भिक्षु धर्मरक्षित । १-२ भाग	२२-००
६२८२	विश्व में बौद्धधर्म । गौरीशंकर द्विवेदी	१-२५
६२८३	शाक्यमुनि । गंगाप्रसाद	०-५०
६२८४	शार्दूलकर्णाचदानम् । सुजीतकुमार मुखोपाध्याय सम्पादित	१०-००
६२८५	शिक्षासमुच्चयः । शान्तिदेव विरचित	१२-५०
६२८६	शिक्षासमुच्चयः । शान्तिदेव संगृहीत । सेसिल बेंडाल सम्पादित	३५-००
६२८७	श्लोकान्तारा । श्रीमती डॉ० शारदारानी	३०-००
६२८८	संयुक्तनिकाय । भिक्षु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-४ भाग	३०-००
६२८९	संयुक्तनिकाय । भिक्षु जगदीश काश्यप, त्रिपिटकाचार्य भिक्षु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवाद । १-२ भाग	१८-००
६२९०	संयोजन । भदन्त आनन्द कौसल्यायन	०-३५

६२९१ सद्धम्मसङ्गहो । धम्मकित्ति महासामीकृत । डॉ० महेश तिवारी संपादित	३—००
६२९२ सद्धर्मपुण्डरीकसूत्रम् । परशुराम शर्मा वैद्य संशोधित	१२—५०
६२९३ सद्धर्मलङ्कावतारसूत्रम् । डॉ० पी० एल० वैद्य परिष्कृत	१०—००, १२—५०
६२९४ समन्तपासादिका नाम विनयट्टकथा । वीरवल शर्मा संशोधित ।	
१-२ भाग	३०—००
६२९५ समन्तभद्रचर्याप्रणिधानराजम् । सुपमादेवी संपादित	२५—००
६२९६ समाधिराजसूत्रम् ।	१६—००
६२९७ सम्मोहविनोदिनी नाम विभङ्गट्टकथा । डॉ० यू० धर्मरत्न संपादित	१५—००
६२९८ साम्यसूत्र । विनोवा	०—३७
६२९९ सारनाथदिग्दर्शन । भिक्षु धर्मरक्षित	०—३७
६३०० सारनाथ चाराणसी । भिक्षु धर्म रक्षित	१—५०
६३०१ सारसमुच्चयः । रघुवीरेण संपरिष्कृत्य पाठान्तरानुवादटिप्पणोपसहितः	४०—००
६३०२ सारिपुत्त तथा मोग्गल्लान । विश्वनाथ शास्त्री	०—७५
६३०३ सासनवंसो । डॉ० च० सि० उपासको	६—००
६३०४ सिंगालोवादसुत्त । राहुल सांकृत्यायन	०—५०
६३०५ सिङ्गालसुत्तम् । भिक्षुकित्तिमा	०—५०
६३०६ सिद्धार्थ (गौतमबुद्ध की जीवनी)	३—००
६३०७ सुत्तनिपात । भिक्षु धर्मरत्न कृत । हिन्दी	६—००
६३०८ सूत्रद्वयं दीर्घागमस्य । (महावदान-महापरिनिर्वाणसूत्रे) राहुल	
सांकृत्यायन अनूदित	६—००
*६३०९ सौगतसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः (बौद्धदर्शन) हिन्दी अनुवाद सहित ।	
सम्पादक-डॉ० चन्द्रधर शर्मा	५—००
६३१० सौगतसूत्रव्याख्यानकारिका । कुमारिल कारिकावलं । कुमारिल स्वामिपाद	
विरचित	—००
६३११ सौन्दरानन्दकाव्य । अश्वघोषकृत । डा० हरप्रसाद सम्पादित	३—००
६३१२ सौन्दरानन्दकाव्य । हिन्दी टीका सहित	३—००
६३१३ हिन्दी सन्त साहित्य पर बौद्ध धर्म का प्रभाव ।	२०—००
६३१४ HISTORY AND PALAEOGRAPHY OF MAURYAN	
BRAHMI SCRIPT by Dr. C. S. Upasak, M. A.,	
Ph. D.	१२-००
६३१५ हेतुतत्त्वोपवेश । जितारि विरचित	१—८७
६३१६ हेतुबिन्दुटीका । श्रीमदचैत विरचित । सुखलाल संघवी संपादित	२०—००

जैन-ग्रन्थाः

६३१७ अंगविज्ञा । पुत्रवायरियविरचया [मणुस्सविहिचेड्डाङ्गिरिक्खणदारेण	
भविस्साइफलणाणाविण्णणरूवा] मुनि पुण्यविजय सम्पादित	२१—००
६३१८ अकलङ्कग्रन्थत्रयी । भट्टाकलङ्कदेव कृत (लघोयल्लयम्-न्यायविनिश्चयः-	
प्रमाणसङ्ग्रहश्च) महेन्द्रकुमारकृत हिन्दी प्रस्तावना-संस्कृत टिप्पणी सहित	६—५०
६३१९ अध्यात्मकमलमार्तण्ड । मल्लविरचित । हिन्दी टीका सहित	१—७५
६३२० अध्यात्मकलपद्रुम । मुनि सुन्दरसूरि कृत । गुजराती भावार्थ सहित	७—७५

६३२१ अध्यात्म पदावली । सं० डॉ० राजकुमार जैन	४-५०
६३२२ अध्यात्म विचारणा । सुखलाल संघवी	२-००
६३२३ अनुभवप्रकाश ।	०-६२
६३२४ अनेकान्त और स्याद्वाद ।	०-२५
६३२५ अनेकान्तजयपताका । हरिभद्रसूरि विरचित । मुनिचन्द्र प्रणीत व्याख्या सहित । द्वितीय भाग मात्र	२०-००
६३२६ अनेकान्तव्यवस्थाप्रकरणम् । (जैनतर्कपरिभाषा) यशोविजय विरचित । विजयलावण्यसूरि कृत संस्कृत टीका सहित । १-२ भाग	१०-००
६३२७ अन्तगडदसाओ । अणुत्तरोववाइयदसाओ । अभयदेव कृत टीका सहित	३-२५
६३२८ अन्तर्निरीक्षण । सुखलालसंघवी कृत	०-३७
६३२९ अपभ्रंश प्रकाश । डा० देवेन्द्रकुमार जैन	३-००
६३३० अभिषेकपाठ । माधनंदिसूरि विरचित	०-२५
६३३१ अमृतभजनमाला । अमृतलालजैन	०-३७
६३३२ अर्थागम कल्पसूत्र । सं० पुष्प भिक्षू प्रथम भाग । हिन्दी	१-७५
६३३३ अर्थागम पञ्चपरमेष्ठी । सं० पुष्प भिक्षू	१-५०
६३३४ अर्हंत-धर्मप्रकाश । कीर्ति विजय गणिवर विरचित	०-५०
६३३५ अर्हंत प्रवचन । सं० चैनसुखदास	३-५०
६३३६ अष्टक प्रकरण । हरिभद्रसूरि कृत । गुजराती अनुवाद सहित	०-५०
६३३७ आख्यानकमणिकोशः । नेमिचन्द्र सूरि विरचित । आम्रदेव सूरि कृत वृत्ति सहिता । मुनि पुण्य विजय संपादित	२१-००
६३३८ आचारांगसूत्र । सं० पुष्पभिक्षू । १-२ भाग । हिन्दी	९-५०
६३३९ आचार्य श्रीविजय वल्लभसूरि स्मारक ग्रन्थ ।	१७-५०
६३४० आत्मतत्त्व-विचार । विजय लक्ष्मण सूरेश्वर कृत	५-००
६३४१ आत्ममीमांसा । दलसुख मालवणिया (हिन्दी)	२-००
६३४२ आत्मानुशासन । गुणभद्र कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	५-००
६३४३ आदर्श विभूतिः । उपाध्याय मंगल विजय	३-००
६३४४ आदिपुराण । जिनसेनाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०-००
६३४५ आधुनिक जैनकवि । श्रीमती रमारानी जैन । हिन्दी	३-७५
६३४६ आनन्दघन जी का पद । शब्दार्थ, भावार्थ-विवेचन सहित । १-३ भाग (गुजराती)	२७-००
६३४७ आसपरीक्षा । विद्यानन्दि विरचित । हिन्दी टीका सहित	८-००
६३४८ इष्टोपदेशः । टीकात्रय एवं पद्यानुवाद	१-५०
६३४९ उक्तिरत्नाकर । साधुसुन्दर गणि विरचित । जिन विजयमुनि संपादित	५-००
६३५० उक्तिव्यक्तिप्रकरण । पण्डित दामोदर कृत	८-००
६३५१ उज्ज्वलप्रवचन ।	०-६२
६३५२ उत्तरपुराण । गुणभद्र विरचित	१०-००
६३५३ उत्तराध्ययनसूत्रम् । वैद्यसम्पादित	३-००
६३५४ उत्तराध्ययनसूत्रम् । कमलसंयमोपाध्याय विरचित सर्वार्थसिद्धि टीका सहित । ३-४ भाग	१०-००

६३५५ उत्तराध्यायनसूत्र । वंगाक्षर मूल-शब्दार्थ-वंगानुवाद-पाठान्तर पाद टीका-शब्दसूची पाद-टीका-सूची व भूमिका सहित	१२—००
६३५६ उपासकाध्ययन । सोमदेव सूरि कृत । हिन्दी टीका सहित	१२—००
६३५७ कथाकोषप्रकरणम् । जिनेश्वर सूरि विरचित । जिनविजय संपादित	१२—५०
६३५८ कन्नडप्रान्तीय ताडपत्रीय ग्रन्थसूची ।	१३—००
६३५९ करकंडचरित । मुनिकनकामर विरचित । हिन्दी-आंगलानुवाद सहित	१०—००
६३६० करलक्षण । (सामुद्रिकशास्त्र) हिन्दी अनुवाद सहित	०—७५
६३६१ कर्मप्रकृति । हीरालाल	६—००
६३६२ कलकत्ते की जैन कार्तिक रथयात्रा का महोत्सव ।	०—२५
६३६३ कल्पसूत्र (हिन्दी काव्य) रामचन्द्र कृत	१—५०
६३६४ कल्याणमंदिरस्तोत्र । कुमुदचन्द्राचार्य विरचित । कमलकुमार जैन कृत हिन्दी टीका सहित	३—००
६३६५ कविकल्पद्रुमः । (व्याकरण) । हर्षकुल विरचित	०—५०
६३६६ कसायपाहुडसूक्त । गुणधर विरचित । यतिवृषभ कृत संस्कृत तथा हारालाल सिद्धान्तशास्त्री रचित हिन्दी टीका सहित	२०—००
६३६७ कातन्त्ररूपमाला । श्रीमच्छर्ववर्म प्रणीत	२—५०
६३६८ कान्हडदेवबन्ध ।	९—५०
६३६९ काव्यशिक्षा । विनयचन्द्र सूरि कृत	१०—००
६३७० कुन्द-कुन्द प्राभृत संग्रह । हिन्दी अनुवाद सहित । सं०-कैलाशचन्द्र शास्त्री	६—००
६३७१ कुन्दकुन्दाचार्य के तीन रत्न । गोपालदास जीवाभाई पटेल । हिन्दी	२—००
६३७२ केवलज्ञानप्रश्नचूडामणिः । हिन्दी टीका सहित	४—००
६३७३ क्या धर्म बुद्धिगम्य है । आचार्य तुलसी	२—००
६३७४ क्षत्रचूडामणि ।	२—५०
६३७५ खवरा-सेढी (क्षपक-श्रेणिः) । स्वोपज्ञ वृत्ति संवलित	२१—००
६३७६ गणधरवाद । (गुजराती) दलसुख मालवणिया	१०—००
६३७७ गुजरात का जैनधर्म । मुनि जिनविजय । हिन्दी	०—७५
६३७८ गुरुगुणरत्नाकर । (काव्य) । सोमचारित्र विरचित	०—५०
६३७९ गुर्वावलिः । (काव्य) । मुनि सुन्दरसूरि विरचित	०—२५
६३८० गोम्मटसारः (जीवकाण्ड) नेमिचन्द्राचार्य कृत । संस्कृत छाया हिन्दी टीका सहित	६—००
६३८१ चन्द्रप्रभचरित । वीरनन्दि विरचित । संपूर्ण	२—५०
*६३८२ चन्द्रप्रभचरित । परोक्षोपयोगी 'सुधा' हिन्दी टीका सहित ।	
तृतीय सर्ग	०—४५
६३८३ चौबीसठाणा (चर्चा) । गुटका	०—७५
६३८४ चौलुक्य कुमारपाल । लक्ष्मीशङ्कर व्यास	४—५०
६३८५ छहढाला । मोहनलाल शास्त्री कृत मनोरमा टीका सहित	०—६०
६३८६ छहढाला । दौलतराम कृत । विजया टीका सहित	०—५०
६३८७ छहढाला । दौलतराम कृत । सरला टीका सहित	०—४०
६३८८ जंबुचरियं । गुणपाल विरचित (प्राकृत भाषा निबद्ध)	८—५०
६३८९ जंबूदीव-पण्णत्ति संगहो । पञ्चमण्डिकजो । हिन्दी टीका सहित	१६—००

६३९०	जम्बूस्वामिचरितम् । राजमल्ल विरचितम् । अध्यात्मकमल्ल मार्त्तण्डश्च	१-५०
६३९१	जयन्तप्रबन्ध । हिमांशु विजय विरचित । गुजराती टीका सहित	०-१९
६३९२	जयन्तविजय । अभयदेव विरचित	१-५०
६३९३	जयपायड-निमित्त शास्त्र । पूर्वाचार्य विरचित । सन्याख्या	६-६०
६३९४	जिनदत्ताख्यानद्वयम् । (प्राकृत) अमृतलाल मोहनलाल भोजक संपादित	३-५०
६३९५	जिनसहस्रनाम । आशाधर विरचित । श्रुतसागरसूरि प्रणीत व्याख्या हिन्दी टीका सहित	४-००
६३९६	जिनसहस्रनामस्तोत्र । गुजराती टीका सहित	०-३१
६३९७	जीवन दर्शन । गोपीचन्द्र धार्ढीवाल	३-००
६३९८	जीवन में स्याद्वाद । चन्द्रशङ्कर प्राणशङ्कर शुक्ल । हिन्दी	०-७५
६३९९	जीवनधरचम्पू । हरिचन्द्र विरचित । संस्कृत हिन्दी टीका सहित	८-००
६४००	जैन अध्ययन की प्रगति । दलसुख मालवणिया	०-२५
*६४०१	जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज । डॉ० जगदीश- चन्द्र जैन । भारतीय समाज की जैनागम साहित्य में प्राप्त ऐतिहासिक स्थिति का—शैली और कौशल की दृष्टि से उनका-वर्णन प्राप्त करने के लिए यह एक ही ग्रन्थ है ।	२५-००
६४०२	जैन आचार । डा० मोहनलाल मेहता	५-००
६४०३	जैन आरती भजन संग्रह	०-३७
६४०४	जैन गारी संग्रह । १-२ भाग	०-४४
६४०५	जैन ग्रन्थ और ग्रन्थकार । फतेहचन्द्र बेलानी सम्पादित	१-५०
६४०६	जैन ग्रन्थप्रशस्तिसंग्रह । परमानन्द जैन शास्त्री । १-२ भाग	१६-५०
६४०७	जैन जागरण के अग्रदूत । अयोध्याप्रसाद गोयलीय	५-००
६४०८	जैन तर्कभाषा । यशोविजयोपाध्यायकृत । सुखलालप्रणीत व्याख्या	३-५०
६४०९	जैनदर्शन । महेंद्रकुमार जैन	७-००
६४१०	जैनदर्शन और आधुनिक विज्ञान ।	४-००
६४११	जैन दर्शनसार । चैनसुखदास	२-२५
६४१२	जैनदार्शनिक संस्कृति पर एक विहंगम दृष्टि । शुभकरण सिंह बोथरा	०-७५
६४१३	जैन दार्शनिक साहित्य का सिंहावलोकन । दलसुखभाई । हिन्दी	०-६२
६४१४	जैन दार्शनिक साहित्य के विकास की रूपरेखा । दलसुखभाई । हिन्दी	०-२५
६४१५	जैन दृष्टि में योग । मोतीचन्द गिरधरलाल कापडिया	२-५०
६४१६	जैन धर्म । कैलाशचन्द्र शास्त्री	४-५०
६४१७	जैन धर्म आणि वाङ्मय । डॉ० परशुराम लक्ष्मण वैद्य (मराठी)	१-५०
६४१८	जैनधर्म का अद्वितीय कर्मविज्ञान । भानुविजय जी गणिवर विरचित	०-२५
६४१९	जैन धर्म का प्राण । सुखलाल संघवी । हिन्दी	०-३७
६४२०	जैनधर्म का सरल परिचय । भानुविजय गणिवर कृत	२-००
६४२१	जैन धर्म प्रवेशिका । (सरल) १-४ भाग	१-१२
६४२२	जैन धर्मसिन्धुः ।	६-००
६४२३	जैन धर्मावृत्त । सं० हीरालाल जैन	३-००
६४२४	जैनन्याय । कैलासचन्द्र शास्त्री हिन्दी	९-००

*६४२५ जैनन्यायखण्डखाद्यम् । आचार्यशोविजरसूरिकृत । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल कृत विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या सहित । यह जैन दर्शन का अत्यन्त महत्वपूर्ण प्रामाणिक ग्रन्थ है । इसमें विभिन्न दर्शनों के अनेक सिद्धान्तों की गम्भीर आलोचना के साथ जैनदर्शन के सभी प्रमुख सिद्धान्तों का बड़ा विशद विवेचन किया गया है ।

८—००

६४२६ जैन पुस्तकप्रशस्तिसङ्ग्रहः । आचार्य जिनविजय सम्पादित । प्र० भाग १०—००

६४२७ जैन पूजापाठ (सरल) । २—००

६४२८ जैन फिल्मी गायन । (वर्षों जी की अमर कहानी) ०—३७

६४२९ जैन-भक्तिकान्य की पृष्ठभूमि । डॉ० प्रेमसागर जैन ६—००

६४३० जैन भजन आरती संग्रह । ०—३७

६४३१ जैन भजन संग्रह (सरल) । ०—३७

६४३२ जैन विधान संग्रह । १—५०

६४३३ जैन विवाह विधि । मोहनलाल शास्त्री ०—५०

६४३४ जैन शिलालेखसंग्रह । विजयमूर्ति संगृहीत । १-३ भाग २०—००

६४३५ जैन संस्कृति का हृदय । सुखलाल संघवी । हिन्दी ०—२५

६४३६ जैन सम्प्रदायशिक्षा । पालचन्द्र विरचित । हिन्दी ६—००

६४३७ जैन साहित्य और इतिहास । जुगलकिशोर कृत लेखों का संग्रह ६—००

६४३८ जैन साहित्य और इतिहास । नाथूराम प्रेमी ८—००

६४३९ जैन साहित्य का इतिहास-पूर्वपीठिका । कैलाशचन्द्र शास्त्री १०—००

६४४० जैन साहित्य का बृहद् इतिहास । १-२ भाग ३०—००

६४४१ जैन साहित्य की प्रगति १९४९-५१ । सुखलाल संघवी । हिन्दी ०—५०

६४४२ जैनस्तोत्रसंग्रहः । ०—५०

६४४३ जैनस्तोत्रसंग्रहः । द्वितीय भाग ०—७५

६४४४ जैनस्तोत्रसंदोह । प्रथम भाग १५—००

द्वितीय भाग-मंत्राधिराज चिन्तामणि १०—००

६४४५ जैनस्तोत्रसमुच्चयः । १२२ स्तोत्र २—००

६४४६ जैनैन्द्रमहावृत्तिः । आचार्य देवनन्दि प्रणीत १५—००

६४४७ ज्ञानपञ्चमीकथा । महेश्वर विरचित ७—२५

६४४८ ज्ञानपीठ-पूजाञ्जलि । डॉ० ए० एन० उपाध्याय-फूलचन्द्र सिद्धान्त शास्त्री ४—००

६४४९ ज्ञानार्णवः । (योगप्रदीप) शुभचन्द्राचार्य विरचित । पन्नालाल बाकलीवाल ८—००

कृत हिन्दी टीका सहित

६४५० ठिङ्-बंधो (बंधविहाणं तत्थ मूलपयडि) मूलप्रकृति स्थितिबन्धः ।

प्रेमप्रभा संस्कृत व्याख्या सहित २१—००

६४५१ तत्कालगणित गुरुपद्यावली । प्रथम भाग ०—३७

६४५२ तत्त्वसमुच्चय । हीरालाल जैन संपादित ४—००

६४५३ तत्त्वार्थत्रिसूत्रीप्रकाशिका । विजय लावण्य सूरि विरचित ५—००

६४५४ तत्त्वार्थवार्तिक (राजवार्तिक) अकलङ्कदेवकृत । हिन्दीसार सहित १-२ भाग २४—००

६४५५ तत्त्वार्थवृत्तिः । उमास्वामीकृत । श्रुतसागरसूरि टीका । महेंद्रकुमार सम्पादित १६—००

६४५६ तत्त्वार्थसूत्र । फूलचन्द्र कृत हिन्दी ५—००

६४५७ तत्त्वार्थसूत्रम् । भास्करानन्द विरचित सुखबोध व्याख्या सहित	२-७५
६४५८ तत्त्वार्थाधिगमसूत्रम् । उमास्वामिकृत मूलसूत्र संस्कृतटीका-खूबचन्द्रकृत हिन्दी टीका सहित	३-००
६४५९ तिलकमञ्जरी । धनपाल विरचित	४-५०
६४६० तिलकमञ्जरी । शान्त्याचार्य कृत टिप्पणी सहित । १-३ भाग	१८-००
६४६१ तिलोपपण्णत्ति । (त्रिलोकप्रज्ञप्ति) यतिवृषभाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	३२-००
६४६२ तीर्थकल्प । जिनप्रभसूरि विरचित	३-७५
६४६३ त्रिषष्टिस्तुतिसार । आशाधर विरचित	०-५०
६४६४ त्रैविद्यगोष्ठी ।	०-५०
६४६५ द्योदयचम्पू । मुनि ज्ञानसागर । हिन्दी टीका सहित	१-५०
६४६६ दर्शनकथा । भारामल्ल कृत	०-५०
६४६७ दानकथा । वस्तावरमल रतनलाल कृत	०-२५
६४६८ दिग्विजयमहाकाव्यम् । मेघविजयोपाध्याय विरचित	८-००
६४६९ दीक्षाविधान ।	०-३१
६४७० द्रव्यसंग्रह । नेमिचन्द्रसैद्धान्तिकदेव विरचित । हिन्दी टीका सहित	०-५०
६४७१ द्रव्यसंग्रह भाषा वचनिका । जयचन्द्र छावड़ा । नेमिचन्द्र सिद्धान्तिकदेव प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	२-५०
६४७२ द्वादशव्रतकथा । पत्रात्मक	०-५८
६४७३ द्वादशारनयचक्रम् । श्रीमच्छादिस्मृतिकृत । सिंहसूरिप्रणीत व्याख्या सहित	१२-७५
६४७४ धर्म और संस्कृति । जमनालाल जैन संपादित	१-२५
६४७५ धर्म और समाज । मुखलाल संघवी	१-५०
६४७६ धर्ममहोदयः । रत्नविजय प्रणीत	८-२५
६४७७ धर्मबिन्दुः । हरिभद्रसूरि विरचित । मुनिचन्द्र प्रणीत व्याख्या सहित	४-००
६४७८ धर्मशर्माभ्युदयः । हरिचन्द्रकवि विरचित	२-००
६४७९ धर्मशर्माभ्युदयः । (धर्मनाथचरित) पन्नालालजैन लिखित हिन्दी अनुवाद मात्र ३-००	
६४८० धर्मोपदेशमालाविवरणम् । जयसिंहसूरि विरचित	९-७५
६४८१ धातुरत्नाकरः । १-२ तथा ४-५ व ७-८ भाग	३६-००
६४८२ नम्मयासुन्दरी कहा ।	४-४०
६४८३ नन्दीश्वर विधान । ५२ पूजा	३-००
६४८४ नन्दिसूत्रचूर्णि । नन्दीमुत्तमिरि देववायग विरचित । सिरि जिगशासगणि महत्तर विरच्यस्त चुण्णी सहित । मुनि पुण्य विजय संपादित	१०-००
६४८५ नन्दिसूत्रटीकावृत्ति । नन्दिसूत्रम्-देववाचक विरचित । चन्द्राचार्य कृत दुर्गापद व्याख्या-अज्ञात कर्तृक विषमपद-पर्याय-हरिभद्र सूरि कृत वृत्ति सहित	१५-००
६४८६ नलकहा । (कुमारपालप्रतिबोधात्) सोमप्रभाचार्य कृत	३-००
६४८७ नलकहा-चरुणकहा । (कुमारपालप्रतिबोधात् उद्धृता) गोरे संपादित	४-००
६४८८ नलचरित-चरुणकहा । १-२ सर्ग	४-००
६४८९ नलायन-कुवेरपुराण । माणिक्यदेवसूरि विरचित । पत्रात्मक	९-००
६४९० नाममाला । धनञ्जय विरचित । अमरकीर्ति भाष्य सहित	३-५०
६४९१ नाममाला । धनञ्जय विरचित । हिन्दी टीका सहित	०-७५

६४९२ नामाङ्कित नागरिक । गुजराती अर्थ सहित	२—५०
६४९३ नायाधम्मकहा । एन० वी० वैद्य सम्पादित	७—५०
६४९४ (जैन) नित्यपूजासंग्रह ।	०—३२
६४९५ निरयावलियाजो । वी० जे० चोकशी कृत टीका सहित	४—२५
६४९६ निशि भोजन कथा । भारामल्ल कृत	०—२५
६४९७ नीतिरत्नाकर ।	१—००
६४९८ नूतन जिनस्तवनावली । कीर्ति विजय गणिवर विरचित	०—२५
६४९९ नेमिनिर्वाणकान्य । वाग्भट्ट प्रणीत	१—५०
६५०० न्यायकुमुदचन्द्रः । प्रभाचन्द्रकृत (भट्टकलङ्कदेव कृत लघीयख्यस्य व्याख्या) महेन्द्रकुमार संपादित । द्वितीय भाग मात्र	८—५०
६५०१ न्यायविनिश्चयः । अकलङ्कदेवकृत । वादिराजकृतविवरणसहित १-२ भाग	३०—००
६५०२ न्यायसंग्रहः ।	४—००
६५०३ न्यायावतारः । सिद्धसेन विरचित । शान्त्याचार्य प्रणीत वार्त्तिक वृत्ति । दलसुख मालवणिया कृत हिन्दी टीका सहित	१६—५०
६५०४ न्यायावतारः । सिद्धविंशति की संस्कृतटीका का हिन्दीभाषानुवाद	५—००
६५०५ पठमचरिउ । कविराज स्वयंभूदेव विरचित । (विद्याधर-अयोध्या-सुन्दर- युद्ध-उत्तरकाण्ड) । १-३ भाग	३३—५०
६५०६ पठमचरिउ (पञ्चचरित) स्वयंभूदेव विरचित । विद्याधर-अयोध्या- काण्ड । हिन्दी अनुवाद सहित । १-३ भाग	९—००
६५०७ पठमचरियं । विमलसूरि विरचित । हिन्दी अनुवाद सहित । प्रथम भाग	१८—००
६५०८ पठमचरियं । विमलसूरि विरचित । १ से ४ अध्याय	४—००
६५०९ पञ्चपरमेष्ठी ।	१—५०
६५१० पञ्चप्रतिक्रमणसूत्रम् । सार्थ (गुजराती) विवेचन सहित	२—००
६५११ पंचविंशति । पद्मानन्दि कृत । संस्कृत टीका-हिन्दी अनुवाद सहित	१०—००
६५१२ पञ्चसंग्रहः । संस्कृत व्याख्या, प्राकृतवृत्ति, हिन्दी टीका सहित । सं० हीरालाल जैन	१५—००
६५१३ पञ्चसंग्रहः । अमितगति सूरि विरचित	०—८१
६५१४ पञ्चसुत्त । संस्कृत छाया सहित	१—५०
६५१५ पञ्चस्तोत्रसंग्रह । संस्कृत व्याख्या-हिन्दी पद्यानुवाद-अन्वयार्थ- भावार्थ सहित	३—००
६५१६ पञ्चाध्यायी । राजमल्ल विरचित । देवकीनन्दन अनुवादित	९—००
६५१७ पञ्चचरितम् । रविषेण विरचित । १-३ भाग	५—५०
६५१८ पञ्चपुराण (जैन) रविषेण कृत । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग	३०—००
६५१९ परमात्मप्रकाश-योगसार । योगेन्दुदेव कृत । संस्कृत हिन्दी टीका सहित	९—००
६५२० परीक्षामुख । माणिक्यनन्दिस्वामि विरचित । हिन्दी टीका सहित	१—२५
६५२१ परीक्षामुखसूत्रम् । माणिक्यनन्दि विरचित । प्रथम खण्ड	२—००
६५२२ पर्वकथासंग्रहः । पत्रात्मक	०—३७
६५२३ पाद्मसङ्ग्रहमहणवो । हरगोविन्ददास कृत	२०—००, ३०—००
६५२४ पाक्षिक आचरण-प्रतिक्रमण । चुन्नीलाल देसाई लिखित । भाषा	०—७५
६५२५ पाण्डवपुराणम् । शुभचन्द्राचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित	१२—००

- ६५२६ पासनाहचरीज । पासणाह चरिउ-आयरिय सिरि पउम कित्ति विरइत्त ।
प्रफुल्ल कुमार मोदी संपादित । हिन्दी अनुवाद-कोष टिप्पणी सहित २५-००
- ६५२७ पुण्यास्रवकथाकोशम् । रामचन्द्र मुमुक्षु विरचित । हिन्दी टीका सहित १०-००
- ६५२८ पुराणसार संग्रह । दामनन्दि विरचित । हिन्दी टीका सहित १-२ भाग ४-००
- ६५२९ पुरातन जैनवाक्यसूची । विस्तृत प्रस्तावना सहित १७-००
- ६५३० पुरातनप्रबन्धसंग्रहः । ऐतिहासिक प्रबन्ध ८-५०
- ६५३१ पुरुदेवचम्पू । अर्हदास विरचित ०-७५
- ६५३२ पुरुषार्थसिद्धयुपाय । अमृतचन्द्रसूरिकृत । नाथूरामप्रेमी कृत हिन्दी टीका ३-२५
- ६५३३ प्रद्युम्नचरित । महासेनाचार्य विरचित ०-५०
- ६५३४ प्रबन्धकोषः । राजशेखरसूरि विरचित ६-५०
- ६५३५ प्रबन्धचिन्तामणिः । मेरुतुङ्ग विरचित ६-५०
- ६५३६ प्रभावकचरितम् । डा० हीरानन्द सम्पादित ३-००
- ६५३७ प्रमाणप्रमेयकलिका । नरेन्द्र सेन कृत १-५०
- ६५३८ प्रमेयकमलमार्तण्डः । प्रभाचन्द्राचार्य विरचित ८-००
- *६५३९ प्रमेयरत्नमाला । अनन्तवीर्याचार्यप्रणीत । अनु०-पं० हीरालाल जैन ।
जैन-दर्शन के प्रवेशार्थियों तथा शास्त्री-परीक्षार्थियों के लिये यह ग्रन्थ
उपयोगी है । प्राचीन संस्कृत टिप्पण और अत्यन्त सरल हिन्दी अनुवाद
के साथ प्रथम बार प्रकाशित किया गया है । १५-००
- ६५४० प्रमेयरत्नालङ्कारः । अभिनवचारुकीर्ति पण्डिताचार्य विरचितः ३-५०
- ६५४१ प्रवचनसार । कुन्दकुन्दाचार्य कृत । अमृतचन्द्राचार्य-जयसेनाचार्य विरचित
संस्कृत व्याख्याद्वय-बालाबोध हिन्दी टीका, आंग्लानुवाद सहित १५-००
- ६५४२ प्रशमरतिप्रकरणम् । उमास्वातिविरचित । हरिभद्रसूरि कृत संस्कृतव्याख्या
राजकुमारशास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ६-००
- ६५४३ प्राकृतमार्गोपदेशिका । वेचरदास ४-५०
- ६५४४ प्राकृतशब्दानुशासनम् । त्रिविक्रमदेव विरचित । परशुरामशर्मासंपादित १०-००
- *६५४५ प्राकृत साहित्य का इतिहास । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन ।
वेद से लेकर प्राचीनतम शिलालेख, नाटक, कथाग्रन्थ आदि के व्यापक
समीक्षण एवं समालोचना के साथ हिन्दी में अपने विषय का
प्रथम ग्रन्थ २०-००
- ६५४६ बंभदत्तचरिय । नेमिचन्द्रसूरि कृत । १-५०
- ६५४७ बंभदत्तो । एन० वी० वैद्य कृत आंग्लानुवाद सहित ३-००
- ६५४८ बारहमासा । श्रीनेमिनाथ राजुल । नयनसुखदास 'यति' (हिन्दी पद्य) ०-३०
- ६५४९ बीकानेर के दर्शनीय जैन मन्दिर । अगरचन्द नाहटा ०-२५
- ६५५० बृहद् द्रव्यसंग्रहः । नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव विरचित । ब्रह्मदेव कृत वृत्ति-
जवाहर शाली कृत हिन्दी टीका सहित ५-५०
- ६५५१ बृहत् कल्पसूत्रम् । निर्युक्ति-लघुभाष्य वृत्ति सहित । षष्ठ भाग मात्र २५-००
- ६५५२ बुद्ध और महावीर तथा दो भाषण । कि० घ० मशरूवाला १-२५
- ६५५३ बौद्ध और जैन आगमों में नारी जीवन । डॉ० कोमलचन्द्र जैन १५-००
- ६५५४ भक्तामर महाकाव्य । मण्डल-पूजा-पद्यानुवाद-हिन्दी टीका सहित १-००
- ६५५५ भक्तामरसार्थ । ०-३१

६५५६ भक्तामर स्तोत्र । मान तुङ्गाचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित	०—३२
६५५७ भगवतीसूत्रम् । (पञ्चदशशतकम्) वृत्ति सहित	२—५०
६५५८ भगवान् महावीर । दलमुखभाई मालवणिया	०—१२
६५५९ भगवान् महावीर और उनका साधना मार्ग । ऋषभदास रौंका	०—२५
६५६० भट्टारक सम्प्रदाय । बी० पी० जोहरापुरकर सम्पादित	८—००
६५६१ भद्रबाहुसंहिता । ज्योतिष	५—७५
६५६२ भद्रबाहुसंहिता । हिन्दी टीका सहित	८—००
६५६३ भव्यजनकण्ठाभरणम् । अर्हदास विरचित । कैलाशचन्द्र अनुवादित	१—२५
६५६४ भारत के प्राचीन जैनतीर्थ । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन	२—००
६५६५ भाषा अभिपेक पाठ । जन्मकल्याणक पूजा, फूलमाल-आरती सहित	०—२५
६५६६ भोजचरित्र । राजवल्लभ कृत । अंग्रेजी प्रस्तावना, नोट्स परिशिष्ट सहित । सं० डॉ० बी० सी० एच० छावड़ा-एस० शंकरनारायणन्	८—००
६५६७ मंगलमन्त्र णमोकार : एक अनुचिन्तन । नेमिचन्द्र शास्त्री	३—००
६५६८ मगध । (इतिहास और संस्कृति) वैजनाथ सिंह 'विनोद'	१—००
६५६९ मणिमद् । सुशील लिखित । उदयलाल काशलीवाल अनुवादित	१—२५
६५७० मदनपराजयः । नागदेव विरचित	६—००
६५७१ मन्दिर-वेदोप्रतिष्ठा-कलशारोहणविधि । सं० पन्नालाल वसंत	१—२५
६५७२ मयणपराजयचरित । हरिदेव कृत । हिन्दी टीका सहित	८—००
६५७३ महापुराण । (आदिपुराण) १-२ भाग	२०—००
६५७४ महापुराण । (उत्तरपुराण) पन्नालाल जैन संपादित	१०—००
६५७५ महापुराणम् । पुष्पदन्त विरचित । डा० वैद्य सम्पादित । २-३ भाग	१६—००
६५७६ महाबन्धः । भूतबलिभट्टारकविरचित । हिन्दीटीका सहित । १-७ भाग	७८—००
६५७७ महामात्य वस्तुपाल का साहित्य मण्डल और संस्कृत साहित्य में उसकी देन । डा० भोगीलाल जी सादेसरा	४—००
६५७८ महावीर का जीवन दर्शन । ऋषभदास रौंका	०—३७
६५७९ महावीर गुटका । सम्पादक मोहनलाल शास्त्री	२—००
६५८० महावीर वर्द्धमान । जगदीशचन्द्र जैन	१—२५
६५८१ महावीर वाणी । बेचरदास दोशी संपादित	२—००
६५८२ मुक्तिदूत । वीरेन्द्रकुमार जैन	५—००
६५८३ मुदितकुमुदचन्द्रप्रकरण । यशचन्द्र विरचित	०—५०
६५८४ मेरी जीवन गाथा । गणेशप्रसादवर्णी । १-९ भाग	१०—२५
६५८५ मेरी भावना । जुगलकिशोर मुस्तार	०—०६
६५८६ मेरे साथी । महात्मा भगवान्द्वीन	१—२५
६५८७ मोक्षमार्ग की सच्ची कहानियाँ । बुद्धिलाल जैन	०—७५
६५८८ मोक्ष मार्ग प्रकाश ।	१०—००
६५८९ मोक्षमार्ग प्रकाश । टोडरमल विरचित । भाषा	३—००
६५९० मोक्षशास्त्र ।	२—००
६५९१ मोक्षशास्त्र (तत्त्वार्थसूत्र) । भक्तामर स्तोत्र	०—३२
६५९२ मोहनशास्त्र, भक्तामर । सहस्रनाम सहित	०—४०
६५९३ यशस्तिलकचरणू महाकान्यम् । सोमदेवसूरि विरचित । विस्तृत हिन्दी टीका सहित । पूर्वाई	१६—००

६५९४ युक्त्यनुशासन । समन्त भद्राचार्य विरचित । जुगलकिशोर मुल्तार कृत हिन्दी टीका सहित	१—५०
६५९५ योगशतक । आचार्य हरिभद्र कृत । स्वोपज्ञ वृत्ति सहित । ब्रह्मसिद्धान्त समुच्चय ।	५—००
६५९६ योगशास्त्र । हेमचन्द्रसूरि कृत । गुजराती अनुवाद सहित	१—५०
६५९७ योगसार । अपभ्रंश मूल-संस्कृत छाया-हिन्दी टीका सहित	०—७५
६५९८ रत्नकरण्डक श्रावकाचारः । समन्तभद्रस्वामि विरचितः । प्रभाचन्द्राचार्यं निर्मित व्याख्या	२—००
६५९९ रत्नकरण्ड श्रावकाचार । समन्तभद्रस्वामि रचित	५—००
६६०० रत्नकरण्ड श्रावकाचार । हिन्दीटीका सहित	०—६९
६६०१ रत्नकरण्ड श्रावकाचार पद्यानुवाद । गिरिधर शर्मा अनुवादित	०—२५
६६०२ रत्नत्रय विधान । टेकचन्द कृत	१—००
६६०३ रत्नाकरावतारिका । रत्नप्रभ सूरि कृत । प्रथम भाग	८—००
६६०४ रत्नाकरावतारिकाद्यष्टोक्त शतार्थी । जिनमाणिक्य गणिविरचित	८—००
६६०५ रविव्रतकथा । पूजा । भाऊकवि कृत	०—२०
६६०६ राजर्षिकुमारपाल । मुनि जिनविजय	०—५०
६६०७ राजलनेत्र का बारहमासी ।	०—१२
६६०८ रामायणम् । पुष्पदन्त विरचितम् (अपभ्रंशभाषानिबद्धं) पी० पल० वैद्य संपादित	२—५०
६६०९ रिष्टसमुच्चयः । दुर्गादेव विरचित । संस्कृतछाया सहित	१०—००
६६१० लाटीसंहिता । राजमल्ल विरचित	०—५०
६६११ लोक-विभाग । सिंह सूरर्षि विरचित । हिन्दी टीका सहित	१०—००
६६१२ वरुणकथा । (कुमारपालप्रतिबोधे परधनहरणे वरुणकथा)	१—२५
६६१३ वर्ण जाति और धर्म ।	३—००
६६१४ वर्णावाणी । १-२ व ४ । भाग	११—००
६६१५ वर्द्धमान । अनूपशर्मा लिखित	६—००
६६१६ वसुनन्दिश्रावकाचारः । आचार्यवसुनन्दि कृत । भाषानुवाद सहित	५—००
६६१७ वारस-अणुवेक्खा (द्वादशानुमेक्षा) । कुन्दकुन्दाचार्य विरचित । हिन्दी टीका-हिन्दी पद्यानुवाद-गुर्जरानुवाद सहित	०—७५
६६१८ विवागसुयम् । सटीक	३—२५
६६१९ विविधतीर्थकल्प । जिनभद्रसूरि विरचित	६—५०
६६२० विश्वतत्त्वप्रकाश । भावसेन-त्रैविद्य विरचित । हिन्दी टीका सहित	१२—००
६६२१ विशेषावश्यक भाष्य । स्वोपज्ञवृत्ति सहित । प्रथम भाग	१५—००
६६२२ विश्वशान्ति और अपरिग्रहवाद ।	०—२५
६६२३ वीर स्वयं ही है भगवान् ।	१—००
६६२४ वीरादेवकाव्य ।	५—००
६६२५ वैराग्यशतक ।	०—२५
६६२६ व्रततिथिनिर्णय । नेमिचन्द्र शास्त्री संपादित	३—००
६६२७ शब्दानुशासनं । आचार्य मलयगिरि विरचित । स्वोपज्ञ वृत्ति युत	३०—००
६६२८ शान्तिनाथचरितम् । अजितप्रभाचार्य कृत	३—००
६६२९ शान्तिप्रकाश ।	०—२५

६६३० शास्त्रवार्तासमुच्चय । हरिमद्र सूरि विरचित । विजय लावण्यसूरि कृत संस्कृत टीका सहित । १-३ भाग	१२-००
६६३१ शास्त्रवार्तासमुच्चय । सवृत्ति । पत्रात्मक	३-००
६६३२ शीलकथा । भारामल्ल कृत	०-५०
६६३३ शीलदूत ।	०-२५
६६३४ शृङ्गारचैराग्यतरङ्गिणी । शिवदत्तकवि कृत	०-२५
६६३५ श्रावक धर्मप्रदीप । कुन्थुसागर । हिन्दी संस्कृत टीका सहित । जगन्मोहनलाल शास्त्री	४-००
६६३६ श्रावक धर्मसंग्रह ।	१-५०
६६३७ श्रावक प्रतिक्रमण । मोहनलाल जैन संपादित	०-१९
६६३८ श्रीजैनाचार्य ।	०-५०
६६३९ श्रीपञ्चप्रतिक्रमणसूत्र । प्रबोध टीकानुसारी-शब्दार्थ अर्थसङ्कलना तथा सूत्रपरिचय सहित	२-००
६६४० श्रीमन्त्रराजगुणकल्पमहोदधि । (श्रीपञ्चपरमेष्ठिस्तोत्र नमस्कार व्याख्या)	३-५०
६६४१ सन्तवर्णी जी ।	४-५०
६६४२ संस्कृत प्राचीन स्तवन संदोह । विशाल विजय प्रणीत	०-१९
६६४३ सत्यशासन परीक्षा । गोकुलचन्द्र जैन	५-००
६६४४ सन्मति-प्रकरण । सिद्धसेन दिवाकर कृत । अनुवादक शान्तिलाल म० जैन	६-००
६६४५ सभाष्यरत्नमञ्जुषा । छन्दःशास्त्र	२-००
६६४६ समराइच्चकहा । अध्याय २ । गोरेसम्पादित अंग्रेजी अनुवाद सहित	३-७५
६६४७ समाज और जीवन । जमनालाल जैन संपादित	१-२५
६६४८ समाधितन्त्र-दृष्टोपदेश । हिन्दी टीका सहित	३-५०
६६४९ समीचीन धर्मशास्त्र । समन्तभद्राचार्य विरचित रत्नकरण्ड उपासकाध्ययन । जुगलकिशोर मुख्तार कृत हिन्दी टीका सहित	३-५०
६६५० सम्मतितर्क ।	१-००
६६५१ सम्मत्याख्यप्रकरण । सिद्धसेन दिवाकर विरचित सव्याख्या	२-००
६६५२ सर्वार्थसिद्धिः । हिन्दी अनुवाद सहित	१२-००
६६५३ सर्वार्थसिद्धिः । पुण्यपाद कृत । आंग्लभूमिका-नोटस् सहित	५-००
६६५४ सलोना सच । प्रथम भाग । महात्मा भगवानदीन	०-६२
६६५५ सागारधर्माभूत । आशाधर विरचित । उत्तरार्ध । मोहनलाल जैन कृत हिन्दी टीका सहित	२-५०
६६५६ सिद्धहेमशब्दानुशासनम्	०-३१
६६५७ सिद्धहेमसूत्र अकारादिक्रमः ।	०-२५
६६५८ सिद्धान्तसारसंग्रह । नरेन्द्रसेनाचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित	१०-००
६६५९ सिद्धान्तसारादिंसंग्रहः (पञ्चविंशतिसंस्कृतप्राकृतग्रन्थानां गुच्छः)	१-५०
६६६० सिद्धिविनिश्चयटीका । अकलंक देवकृत । अनन्तवीर्य टीका । १-२ भाग	३०-००
६६६१ सुगन्ध-दशमी कथा । पाँच भाषाओं में । सं० डॉ० हीरालाल जैन	११-००
६६६२ सुगन्ध दशमी व्रत कथा । खुशालचन्द्र विरचित	०-१२
६६६३ सुत्तागमे । सं० पुष्पमिक्खू । १-२ भाग	४४-००
६६६४ सुदर्शनोदय काव्य । मुनि ज्ञानसागर । हिन्दी टीका सहित	२-५०
६६६५ सुवर्णभूमि में कालकाचार्य । डा० उमाकान्त शाह	१-००

६६६६ सूत्रकृताङ्गसूत्रम् । १-२ भाग सटीक	७-००
६६६७ सूत्र भक्तामर ।	०-२५
६६६८ सोलहकारण भावना । महात्मा भगवानदीन । हिन्दी	२-००
६६६९ स्तुति विद्या । भद्राचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित	१-७५
६६७० स्थविरावलीचरितम् । (परिशिष्टपर्वण) हेमचन्द्रकृत	५-००
६६७१ स्थानांग-समवायांग । दलसुख मालवणिया । गुजराती	१०-००
*६६७२ स्याद्वादमञ्जरी । श्रीमल्लिषेणनिर्मिता । श्रीमदार्हतधुरन्धर श्रीसिद्ध- हेमचन्द्रनिर्मित वीतरागस्तुतिव्याख्या । सम्पूर्ण	समाप्त
६६७३ स्याद्वादमञ्जरी । मल्लिषेण विरचित । हेमचन्द्रसूरि निर्मित अन्ययोग- व्यवच्छेद-द्वात्रिंशिकास्तवन टीका सहित । ५० वी० ध्रुव सम्पादित	११-००
६६७४ स्याद्वादसिद्धिः । वादीभसिंहसूरि विरचिता	१-५०
६६७५ स्वप्नसारसमुच्चय । हिन्दी-अंग्रेजी	२-५०
६६७६ स्वप्नभूस्तोत्र । समन्त भद्राचार्य विरचित । जुगलकिशोर मुस्तार कृत हिन्दी टीका सहित	२-२५
६६७७ स्वाध्याय । महात्मा भगवान दीन	२-००
६६७८ स्वामिकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा । स्वामि कार्त्तिकेय । संस्कृत हिन्दी टीका सहित	१४-००
६६७९ हरिवंशपुराणम् । जिनसेनसूरि कृत । १-२ भाग	३-५०
६६८० हरिवंशपुराणम् । पुष्पदन्तविरचितम् । (अपभ्रंशभाषानिवद्धं) पी० एल० वैद्य संपादित	२-५०
६६८१ हरिवंशपुराणम् । आचार्य जिनसेन कृत । हिन्दी टीका सहित	१६-००
६६८२ हिन्दी जैन भक्ति काव्य और कवि ।	१२-००
६६८३ हिन्दीजैनसाहित्य का संचिस इतिहास । कामताप्रसाद जैन	२-८८
६६८४ हिन्दी जैनसाहित्य परिशीलन । नेमिचन्द्र शास्त्री । १-२ भाग	५-००
६६८५ हिन्दू जैन और हरिजनमन्दिरप्रवेश । पृथ्वीराज जैन	०-४४
६६८६ हीरों का खजाना । (पद्यमय-नीतिग्रंथ) प्रथम भाग	१-२५
*६६८७ हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र । (सचित्र) अनु०-कस्तूरमल बाँठिया । आचार्य हेमचन्द्र के जीवन के विषय में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह एक मात्र ग्रन्थ हिन्दी में सर्व प्रथम प्रकाशित हुआ है । मानव की आत्मा के निकट रहकर उसके हित में अपना जीवन अर्पित कर देनेवाले सिद्ध महापुरुष के प्रति समुचित सम्मान प्रकट न करने का ऋण इसे पढ़कर भी दूर किया जाय तो उचित होगा । विविध परिशिष्टों तथा विचारपूर्ण भूमिका, शब्दानुक्रमणिका आदि से अलंकृत ।	७-००

साराभाई नवाब के जैनादि प्रकाशन

६६८८ अनेकार्थ साहित्य संग्रह ।	३-००
६६८९ अष्टाद्विका कल्प-सुबोधिका । २२५ चित्रों । पत्राकार	३०-००
६६९० अष्टाद्विका कल्प-सुबोधिका । (व्याख्यान पुस्तक) गुजराती । सजिन्द	३१-००
६६९१ आनन्दघन पद्य रत्नावली ।	०-६३
६६९२ कथामञ्जरी । गुजराती । भाग १-३	९-०१
६६९३ कल्पसूत्र । मुनि पुण्यविजय संपादित	१६-०१

साराभाई नवाब के जैनादि प्रकाशन

२५५

६६९४ कल्पसूत्र के १५ स्वर्णाक्षरी पृष्ठ और ८ चित्रों । गुजराती	२०
६६९५ कालककथासंग्रह । चित्र संख्या ८८	६५—००
६६९६ कुमारपालभूपालचरित्र ।	५—००
६६९७ कोशशास्त्र (सचित्र) । जैनाचार्य नरुदाचार्य विरचित	११—००
६६९८ चित्रमय श्रीपालरास । चित्र २१७ । गुजराती	२५ ०
६६९९ जैन चित्रकल्पद्रुम । चित्र संख्या २८३ । गुजराती	५०—००
६७०० जैन चित्रकल्पलता । चित्र संख्या ६५ । गुजराती	२५—००
६७०१ जैन चित्र-पटावलि । ९ चित्रों	५—००
६७०२ जैन चित्रावली । ३० चित्रों	५—००
६७०३ जैन सामुद्रिक ना पाँच ग्रन्थ ।	१६—००
६७०४ जैनस्तोत्र संदोह । प्रथम भाग	१५—००
६७०५ जैसलमेर नी चित्र समृद्धि । ३५ चित्रों	२५—००
६७०६ नमस्कारचित्रावली । १० चित्रों	९—००
६७०७ पवित्र कल्पसूत्र । चित्र संख्या ३७३	२००—००
६७०८ पुरिसादाणी पार्श्वनाथ ।	४—००
६७०९ भारतीय जैन श्रमण संस्कृति अने लेखनकला । गुजराती	२५—००
६७१० महाचमत्कारी वीशायंत्र कल्प ।	५—००
६७११ महाप्राभाविक नवस्मरण । संस्कृत-गुजराती	५२—००
६७१२ लाकेट साईज का नवस्मरण ।	२—००
६७१३ वैद्य मनोत्सव और कोकसार ।	५—००
६७१४ श्री घंटाकर्ण मणिभद्र मंत्रतंत्र कल्पादि संग्रह । गुजराती	७—५०
६७१५ श्री चित्रकल्पसूत्र (वारसासूत्र) । चित्र संख्या ६५ । प्राकृत	२५—००
६७१६ श्री जिन देवदर्शन चौबीसी । चित्र संख्या ३८	१—००
६७१७ श्रीजिन-देव-देव्याधिष्ठित श्रीनमस्कार महामन्त्र चित्रावलि ।	९—००
६७१८ श्री जैन यंत्रावली । विधि सहित	५—००
६७१९ श्रीपाल कथा । चित्रों के साथ	३—००
६७२० संगीत नाट्य रूपावलि । ४१८ चित्र	४२—००
६७२१ सज्जायसंग्रह ।	१—५०
६७२२ सूरिमंत्र कल्प संदोह ।	३०—००
६७२३ हीरकलश जैन ज्योतिष ।	२०—००

काशी आदि के प्रसिद्ध पण्डितों के पञ्चाङ्ग-जन्त्री

(नवोन संवत् के पञ्चाङ्ग कार्तिक मास से प्राप्त होते हैं । मूल्य घटते-बढ़ते रहते हैं)

६७२४ चिन्ताहरण जन्त्री ।	१—५०
६७२५ पञ्चवर्षीयमानव पञ्चाङ्ग । सं० २०२६ से २०३०	२—५०
६७२६ पञ्चाङ्ग दशवर्षीय । संवत् २०२१ से २०३०	५—००
६७२७ पञ्चाङ्ग । (बड़ा) पं० गणेशआपाजी	१—२५ छोटा ०—५०
६७२८ पञ्चाङ्ग । पं० गणेशदत्त ज्योतिषी बड़ा	१—२५ छोटा ०—६२
६७२९ पञ्चाङ्ग । पं० बापूदेवशास्त्री	१—१३
६७३० पञ्चाङ्ग । पं० हृषीकेशोपाध्याय	१—२५
६७३१ पञ्चाङ्ग । नेपाली बड़ा	१—०० छोटा ०—५०

६७३२ विश्वपञ्चांग (विश्वविद्यालय का)	१-१२
६७३३ शतवार्षिक श्रीसरस्वती-पञ्चाङ्गम् । संवत् २००१ से २१०० तक	३०-००
६७३४ शुद्ध मकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्ग । संवत् २०२३ से २०२२	८-००
६७३५ श्री वैकुण्ठेश्वर शताब्दि पंचांग । (संवत् २००१ से २१०० तक) नेट	३५-००

तुलसीकृत रामायण आदि ग्रन्थ

६७३६ कंब रामायण । १-२ भाग। अनुवादक-न० वी० राजगोपालन	२०-५०
६७३७ कृत्तिवासी-वंगला-रामायण और रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० रमानाथ त्रिपाठी	१०-००
६७३८ कवितावली । गीता प्रेस	०-६५
६७३९ कवितावली । लाला भगवानदीन कृत बालबोधिनी टीका सहित	२-७५
६७४० गीतावली । गीता प्रेस	१-२५, १-६५
६७४१ जानकीमंगल । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	०-८८
*६७४२ तुलसीकृत रामायण सुन्दरकाण्ड । विजयश्री भाषाटीका 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । बिहार मध्यमा परीक्षोपयोगी	१-२५
६७४३ तुलसी कृत रामायण एवं संस्कृत साहित्य में समन्वय । सं० भ्रुवदास	१-००
६७४४ तुलसीदासकृत रामायण । लवकुशकाण्ड सहित । ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित स्थूलाक्षर	३०-००
६७४५ दोहावली । गीता प्रेस	०-६०, १-००
६७४६ दोहावली । श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्ततिलक हिन्दी टीका सहित	५-००
६७४७ पंजाबी रामायण । देवनागरी लिपि में । लेखक रामल भाया आनन्द 'दिलशाद'	१०-००
६७४८ पार्वतीमंगल । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	०-५०
६७४९ प्रपत्ति रहस्य । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	३-५०
६७५० बरवैरामायण । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	०-७५
६७५१ भरतचरितम् । रामकिंकर उपाध्याय	३-००
६७५२ मानस अनुशीलन । शंभुनारायण चौबे । सं० सुधाकर पांडेय	१६-७५
६७५३ मानस और वर्तमान युद्ध । संत छोटे जी	०-५०
६७५४ मानस का कथा शिल्प । श्रीधर सिंह	४-५०
६७५५ मानस का जप योगामृत । संत छोटे जी	०-५०
६७५६ मानस की रामकथा । परशुराम चतुर्वेदी	३-५०
६७५७ मानस की रूसी भूमिका ।	३-५०
६७५८ मानसपञ्चरत्न । विजयानन्द त्रिपाठी कृत	१-००
६७५९ मानसपीयूष । अंजनीनन्दन शरण कृत । सम्पूर्ण	यन्त्रस्थ
बालकांड १-३ भाग	३४-००
अरण्य-किष्किन्धाकांड	८-५०
अयोध्याकांड	१४-००
सुन्दर-लंकाकांड	१४-००
उत्तरकांड	१०-५०
६७६० मानस मंथन । डॉ० स्वामीनाथ शर्मा	१२-६०
६७६१ मानसमाधुरी । डॉ० बलदेव प्रसाद मिश्र	८-००
६७६२ मानस में राम और सीता । द्वारकाप्रसाद मिश्र	२-५०

तुलसी कृत रामायण आदि ग्रन्थ

२५७

६७६३ मानसरहस्य ।	१—५०,	१—९०
६७६४ मानस विजय ।		१२—००
६७६५ मानसशङ्कासमाधान ।		०—६०
६७६६ मानसशब्दसागर । वद्रीदास अग्रवाल संकलित		२०—००
६७६७ राम-चरित-नवनीत । दण्डी स्वामी दत्तपादाचार्याश्रम		४—५०
६७६८ रामचरितमानस । मूलमात्र । गीताप्रेस । गुटका ०—९०, मशाला साइज		२—००
६७६९ रामचरितमानस । आठकाण्ड मूल काशी ३—०० गुटका ग्लेज		२—००
६७७० रामचरितमानस । मूलमात्र । पाठभेद सहित सचित्र । गीता प्रेस		३—७५
६७७१ रामचरितमानस । मूलमात्र । सचित्र । मोटा टाइप । गीता प्रेस		५—००
६७७२ रामचरितमानस । (रामायण) मूलमात्र । मध्यमाक्षर । काशी		८—००
६७७३ रामचरितमानस । माताप्रसाद गुप्त		५—००
६७७४ रामचरितमानस । शम्भूनारायण चौवे		८—७५
६७७५ रामचरितमानस । संपादक—विश्वनाथ प्रसाद मिश्र । काशिराज संस्करण कागज की जिल्द ६—५० राज संस्करण		१५—००
६७७६ रामचरितमानस । हिन्दी टीका सहित । मशाली साइज । गीता प्रेस		४—००
६७७७ रामचरितमानस । रामेश्वर भट्ट कृत अमृतलहरी हिन्दी टीका सहित		६—००
६७७८ रामचरितमानस । हिन्दी टीका सहित । मोटाटाइप । गीता प्रेस		८—५०
६७७९ रामचरितमानस । हिन्दी टीका सहित । स्थूलाक्षर । गीता प्रेस		१८—००
६७८० रामचरितमानस । देवनारायण द्विवेदी कृत देवदीपिका टीका सहित स्थूलाक्षर		३०—००
६७८१ रामचरितमानस । देवनारायण द्विवेदी कृत देवदीपिका टीका सहित	१२—००,	१६—००
६७८२ रामचरितमानस । डा० श्यामसुन्दरदास कृत टीका सहित		१२—००
६७८३ रामचरित-मानस । विजयानन्द त्रिपाठी कृत 'विजया' हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग		३०—००
६७८४ रामचरितमानस । श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्तभाष्य हिन्दी टीका सहित । १-४ भाग		५०—००
६७८५ रामचरितमानस । अयोध्याकाण्ड । सटिप्पण		३—५०
६७८६ रामचरितमानस और साकेत । परमलाल गुप्त		५—५०
६७८७ रामचरितमानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन । डॉ० राजकुमार पाण्डेय		१६—००
६७८८ रामचरित मानस का तत्त्वदर्शन । डॉ० श्रीशकुमार		१०—००
६७८९ रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन । डा० शिवकुमार शुक्ल		१५—००
६७९० रामचरितमानस का मनोवैज्ञानिक अध्ययन । डॉ० जगदीश प्रसाद शर्मा		१०—००
६७९१ रामचरितमानस की भूमिका । रामदास गौड		५—५०
६७९२ रामचरितमानस में लोकवार्त्ता । चन्द्रभान रावत		३—५०
६७९३ रामचरित मानस में शिवतत्त्व । रामकिंकर उपाध्याय		१—७५
६७९४ रामाज्ञाप्रश्न । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित		१—२५
६७९५ रामलला नहछू । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित		०—२५
६७९६ रामायण । गोस्वामी तुलसीदासकृत । आठो काण्ड क्षेपक सहित । लखनऊ		८—००
६७९७ रामायण । गोस्वामी तुलसीदास कृत । आठकाण्ड सूर्यदीनसुकुल कृत 'बालबोधिनी' टीका सहित । मध्यमाक्षर	१४—००,	२५—००

६७९८ रामायण आठों काण्ड । मूल-पुटका लखनऊ १-५०	बड़ा	७-००
६७९९ रहानी तशरीह-चालकाण्ड के मुतअल्लिक । महात्मा रामचन्द्र जी		०-२०
६८०० रहानी तशरीह-अयोध्याकाण्ड व अरण्यकाण्ड कुल व निरुफ ।		
महात्मा रामचन्द्र जी		०-२०
६८०१ वाल्मीकिरामायण एवं रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन ।		
डा० विद्या मिश्र		१६-००
६८०२ विनयपत्रिका । गीताप्रेस	१-२५,	१-६५
६८०३ विनयपत्रिका । लालाभगवानदीन कृत टीका सहित		३-५०
६८०४ विनयपत्रिका । श्री विष्णोः हरि कृत 'हरि-तोषिणी' व्याख्या सहित ।	५-५०,	६-५०
६८०५ विनयपत्रिका । देवनारायण द्विवेदी कृत सरल व्याख्या, भावों का स्पष्टीकरण और विश्लेषण-अन्तर्कथाओं और उदाहरणों से अलंकृत		६-००
६८०६ विनयपत्रिका । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित		११-००
६८०७ विनय पत्रिका की समुचित समालोचना । सन्त छोटे जी		२-००
६८०८ वैराग्य संदीपिनी । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित		०-५०
६८०९ सुश्लोक दोहावली । मूल-मराठी श्लोकानुवाद सहित		३-००
६८१० सुश्लोक मानस । (रामचरितमानस का मराठी श्लोकानुवाद)		१५-००
६८११ हनुमान बाहुक । श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्ततिलक हिन्दी टीका सहित		१-७५

मानस-संघ के ग्रन्थ

६८१२ अनसुइयाचरित । विहारीदास		०-३०
६८१३ अनुरागी केवट । रामरक्षित रामायणी		०-४४
६८१४ जरठ जटायु । सुदर्शन सिंह		०-३१
६८१५ तुलसीमुक्तावली । शम्भूप्रसाद बहुगुना । १-२ किरण		१-५६
६८१६ दिव्य दशमी । चक्र		०-३७
६८१७ देवर्षि नारद । सुदर्शन सिंह		०-३१
६८१८ धर्मरथ । रामकुमारदास रामायणी		०-७५
६८१९ प्रभु आवत । सुदर्शन सिंह 'चक्र'		०-४०
६८२० भगवत्कीर्तन । विहारीदास		०-१२
६८२१ भगवन्नाम संकीर्तन । सुदर्शन सिंह		०-१०
६८२२ महात्मा बाली । सुदर्शन सिंह		०-३१
६८२३ महाभागवतचरित । बालकराम विनायक । १-२ भाग		२-००
६८२४ मानवता के चरण । डॉ० मगवानदास सफ़दिया		०-५०
६८२५ मानसपारायणपूजनपद्धति । रामकुमारदास रामायणी		०-४४
६८२६ मानसप्रणेता शंकर । राधवाचार्य स्वामी		०-१९
६८२७ मानस प्रसंग । विजयानन्द त्रिपाठी		३-५०
६८२८ मानस महत्त्व । भैरवानन्द		१-००
६८२९ मानसमूल । विजयानन्द त्रिपाठी		०-५०
६८३० मानस व्याकरण । विजयानन्द त्रिपाठी		२-००
६८३१ मानस सिद्धान्त । रामकुमारदास रामायणी		२-५०

कबीरपन्थी ग्रन्थ

२५६

६८३२ मानस हिलोर ।	०—३७
६८३३ रामचरितमानस में मिथिलाधाम । अवधकिशोरदास वैष्णव	०—२५
६८३४ रामचरितमानस में विवेकी विभीषण । सुदर्शनसिंह	०—५०
६८३५ रामचरितमानस में वेदान्तदर्शन । हीरालाल वर्मा	१—२५
६८३६ रामचरितमानस में स्वस्वरूपदर्शन । हीरालाल वर्मा	१—००
६८३७ वाल्मीकि तुलसी भये । डा० भगवानदास सफ़डिया	०—७५
६८३८ विधाता विश्वामित्र । सुदर्शन सिंह	०—५०
६८३९ विश्वसाहित्य में रामचरितमानस । काव्यसमोक्षा । राजबहादुर लमगोड़ा	१—१२
६८४० वीरवधू उर्मिला । विहारीदास	०—१५
६८४१ वेदों में रामकथा ।	४—००
६८४२ व्यंगोपदेश । विहारीदास	०—३७
६८४३ शतपंच चौपाई । विजयानन्द त्रिपाठी	२—७५
६८४४ शबरी मङ्गल । शम्भूप्रसाद बहुगुना	०—७५
६८४५ सखी गीता । रामकुमारदास रामायणी	०—३७
६८४६ सचिव सुमन्त । सुदर्शन सिंह	०—३१
६८४७ सन्त वाणी । रामदास नागा	०—२०
६८४८ सब ग्रंथन को रस । हीरालाल वर्मा	१—२५
६८४९ सुखशान्ति के दो मन्त्र । विहारीदास	०—३०
६८५० हनुमान चरित । सुदर्शन सिंह	३—२५
६८५१ हनुमान साठिका । बलदेवदास	०—१५

कबीरपन्थी ग्रन्थ

६८५२ कबीर उपदेश । ठाकुरदास कृत	०—६०
६८५३ कबीर और कबीर पन्थ ।	१२—००
६८५४ कबीरकसौटी	०—६०
६८५५ कबीरकृष्णगीता ।	२—४०
६८५६ कबीरबीजक । महात्मा पूरनसाहब की टीका सहित	१३—२०
६८५७ कबीर भजनमाला । शम्भुदास कृत	०—६०
६८५८ कबीरमहिमा । शिवनारायण तोसनीवाल संगृहीत	०—२४
६८५९ कबीरसागर । प्रथम खण्ड (ज्ञानसागर)	२—४०
६८६० कबीरसागर । द्वितीय खण्ड (अनुरागसागर)	४—२०
६८६१ कबीरसागर । तृतीय खण्ड । अम्बुसागर, विवेकसागर-सर्वज्ञसागर	३—००
६८६२ कबीरसागर । चतुर्थ खण्ड (बोधसागर प्रथम भाग) ज्ञानप्रकाश, अमरसिंह बोध, बोरसिंह बोध	२—४०
६८६३ कबीरसागर । पञ्चम खण्ड (बोधसागर द्वितीय भाग) भोगाल, जगजीवन, गरुड, हनुमान-लक्ष्मणबोध	३—००
६८६४ कबीरसागर । षष्ठ खण्ड (बोधसागर) महम्मद, काफिर, सुलतानबोध	२—७०
६८६५ कबीरसागर । सातवाँ खण्ड (बोधसागर) निरञ्जन, ज्ञान, भवतारण, मुक्तिबोध, चौका, स्वरोदय, आलिफनामा, कबीरवानी ।	५—४०

६८६६ कबीरसागर । अष्टम खण्ड (बोधसागर) उग्रगीता, ज्ञानस्थिति, सन्तोष- बोध, कायापांजी, पञ्चमुद्रा	४-८०
६८६७ कबीरसागर । नवम खण्ड (बोधसागर) आत्म, जैनधर्म, स्वसंवेद, धर्मबोध	४-२०
६८६८ कबीरसागर । दशम खण्ड (बोधसागर) कमाल, श्वासगुञ्जार, आगमनिगम, सुमिरनबोध	५-४०
६८६९ कबीरसागर । ग्यारहवाँ खण्ड (बोधसागर) कबीरचरित्रबोध, गुरुमाहात्म्य, जीवधर्मबोध	५-४०
६८७० कबीरोपासनापद्धति ।	२-४०
६८७१ निर्णयसार । पूरनसाहब कृत	०-४८
६८७२ पञ्चग्रन्थी ।	५-४०
६८७३ राजनीतिधर्मग्रन्थ ।	१-८०
६८७४ विवेकसार । नारायणदास कृत	१-२०
६८७५ वैराग्यरत्नाकर । साहबदास कृत	१-८०
६८७६ सत्यनाम कबीरपन्थी बालोपदेश ।	०-३६
६८७७ सद्गुरु श्री कबीर चरितम् । हिन्दी टीका सहित	१२-००

स्वसंवेद कार्यालय के कबीरपन्थी ग्रन्थ

६८७८ गुरुमहिमा ।	०-१०
६८७९ गुरुमहिमा पूर्णो माहात्म्य ।	१-५०
६८८० चौकाचन्द्रिका अर्थात् कँडिहारी भेद ।	१-५०
६८८१ चौकाविधान । वंसूदास	०-२५
६८८२ ज्ञान स्वरोदय ।	०-५०
६८८३ तत्त्वार्थ दोहावली । हनुमानदास	२-५०
६८८४ तीसा यंत्र ।	०-१०
६८८५ बीजक सुरहस्य ।	२-५०
६८८६ मिथ्याप्रलापमर्दन अर्थात् रैदास रामायण का मुँहतोड़ उत्तर । वंसूदास	०-२५
६८८७ मूल संध्यापाठ ।	०-२५
६८८८ वंशपांजी का वास्तविक तत्त्व अथवा मोक्ष सोपान । मूरतदास	१-५०
६८८९ संकीर्तन सरोज । खूबचंद	०-१५
६८९० संध्यापाठ । टीका सहित	०-७५
६८९१ संस्कृत बीजक । श्लोकवद्ध पद्यानुवाद-श्लोकार्थ । हनुमानदास शास्त्री । प्रथम भाग	७-००
६८९२ सत्कबीरपदामृतम् (चेतन शब्दावली)	२-००
६८९३ सचचे उपदेश । प्रथम भाग	१-५०
६८९४ सद्गुरु कबीर भजनमाला	१-२५
६८९५ सद्गुरु कबीर साहेब और उनका सिद्धान्त । हज़ूर प्रकाशमणि नाम साहेब	१-००
६८९६ सद्गुरुप्रदेश मणिमाला शंभुदास	०-१५
६८९७ साखी ग्रन्थ । कबीर साहब के साखियों का संग्रह । विचार दास (हज़ूर प्रकाश मणि नाम) कृत टीका टिप्पणी सहित	४-५०

मैथिल-साम्प्रदायिक-ग्रन्थाः

६८९८ अतिचारनिर्णय । सीताराम झा	०—२४
* ६८९९ अनन्तचतुर्दशीव्रतपूजाकथा	०—२०
६९०० अम्बचरित महाकाव्य । सीताराम झा । प्रथम भाग	२—००
६९०१ अलंकारदर्पण । सीताराम झा । १-२ भाग	०—८०
* ६९०२ अशौचनिर्णयः । म० म० वाचस्पति-रुद्रधर उभय विरचित	०—५०
६९०३ आत्ममर्यादा (एकांकी) । कृष्णकान्त मिश्र	०—५०
६९०४ आनन्द विजय नाटिका । रामदास (सरसराम)	१—२५
६९०५ आमक जलखरी । योगानन्द झा	२—००
* ६९०६ आह्निक पञ्चदेवपूजापद्धतिः ।	०—०५
६९०७ उगना ।	१—२५
६९०८ उनटावसात । सीताराम झा	०—२०
* ६९०९ उपनयनपद्धतिः । (छन्दोगानां) मैथिली टीका	१—७५
* ६९१० उपनयनपद्धतिः । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका	१—७५
* ६९११ एकादशीव्रतोद्यापनपद्धतिः । सपरिष्कृत	०—३५
६९१२ एकावली परिणय महाकाव्य । बदरीनाथ झा	३—००
* ६९१३ एकोद्दिष्टपद्धतिः । (छन्दोगानां) मैथिली टीका	०—२५
* ६९१४ एकोद्दिष्टपद्धतिः । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका	०—५०
६९१५ कन्दर्पोघाट की लड़ाई ।	०—२५
६९१६ कन्यादान । प्रो० हरिमोहन झा	१—७५
६९१७ कला । चतुरानन १—०० । ६२९६ कविताकुसुम । रमानाथ झा	१—८७
६९१८ कविवर पं० चन्दा झा । बलदेव मिश्र	१—००
* ६९१९ कार्तिक-तुलसी-आकाशदीप-व्रतोद्यापनविधिः ।	०—३५
६९२० कालविचार । उमेश मिश्र	१—५०
६९२१ काव्यमीमांसा । जयधारी सिंह । प्रथम भाग	३—००
६९२२ कीर्तिपताका । विद्यापति । सं० डॉ० उमेश मिश्र	७—००
६९२३ कीर्तिलता । विद्यापति । सं० डॉ० उमेश मिश्र	३—००
* ६९२४ कूपोत्सर्गपद्धतिः ।	०—१५
* ६९२५ कृततत्त्वसंग्रहः—दैवज्ञ श्रीतुफानी झा विरचितः	
एहि निबन्ध मे कालनिरूपण-प्रकरण, त्याज्यप्रकरण, षोडशसंस्कार-प्रकरण, शान्तिप्रकरण, बधूप्रवेशादिप्रकरण, द्विरागमनप्रकरण, वास्तु-प्रकरण, गृहप्रवेशप्रकरण, यात्राप्रकरण तथा मिश्रप्रकरण में व्यवहारो-पयोगी समस्त विषयक धर्मशास्त्रीय समीक्षा ज्योतिष ग्रन्थ क आधार पर कयल गेल अछि ।	८—००
६९२६ कृत्यमंजरी । हिन्दी टीका	०—६२
६९२७ कृत्यशिरोमणि । सटिप्पण	४—००
* ६९२८ कृत्यसारसमुच्चयः । पं० गंगाधर मिश्र कृत परिशिष्ट सहित	५—००
६९२९ कृष्णजन्म । मनबोध रचित । डा० उमेशमिश्र संपादित	२—५०

६९३० क्रान्तिगीत । राघवाचार्य	०—५०
६९३१ खट्टरझाक अखाड़ा । प्रो० हरिमोहन झा	०—३५
६९३२ खट्टरझाक तरंग । प्रो० हरिमोहन झा	४—००
६९३३ गद्यचन्द्रिका । ईशानभ झा	२—२५
६९३४ गपशप विवेक । बलदेव मिश्र	१—५०
६९३५ गप्पक फोड़न (गल्प संग्रह) । हरिमोहन झा	०—२५
६९३६ गरीबक बख्तारी । केंदारनाथ मिश्र	०—६२
६९३७ गान्धर्वविवाह नाटक । पं० दामोदर झा साहित्याचार्य विरचित	१—००
६९३८ गीता । सीताराम झा । १-६ अध्याय	०—४०
६९३९ गीतिसुधा ।	०—२२
*६९४० गुहोत्सर्गपद्धतिः ।	०—२०
६९४१ गोपीश्वरविनोद ।	२—२५
६९४२ गौरीस्वयंवर नाटिका ।	०—६२
६९४३ चण्डीचरित । लालदास	१—२५
६९४४ चन्द्रपद्यावली । कवीश्वर	२—७५
६९४५ चयनिका । कृष्णकान्त मिश्र	१—२५
६९४६ चानो-दाइ (उपन्यास) । सोमदेव	१—००
६९४७ चित्रा । श्री यात्रां	२—५०
६९४८ छात्रजीवन । बलदेव मिश्र	१—२५
६९४९ जनकपुर परिचय ।	१—२५
६९५० जानकीपूजापद्धतिः	०—१६
*६९५१ जीमूतवाहनव्रतपूजाकथा । व्रतनिर्णय सहित	०—२०
*६९५२ जूटिकाबन्धन-मातृकापूजापूर्वक आभ्युदयिकश्राद्धपद्धतिः । (वाजसनेयिनां-छन्दोगानां च) मैथिली टीका	०—५०
६९५३ ठंडी छाया ।	३—००
६९५४ तन्त्राह्निकम् । श्री रजे मिश्र संकलित	२—२५
*६९५५ दशगात्रपिण्डदानपद्धति । मैथिली टीका सहित । पं० रामचन्द्र झा सम्पादित	यन्त्रस्थ
*६९५६ दुर्गापूजा-श्यामापूजा-पद्धतिः । (परिष्कृत द्वितीय संस्करण)	०—५५
*६९५७ दुर्गासप्तशती । पं० कनकलाल ठक्कुर संपादित (स्थूलाक्षर)	२—००
६९५८ इष्टिकोण । नगेन्द्र कुमार	१—००
६९५९ देवीचरित	१—८७
६९६० दोहावली ।	०—५०
६९६१ द्विरागमन । प्रो० हरिमोहन झा	२—५०
६९६२ नरेन्द्रविजय	०—५०
६९६३ नवतुरिया । वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'	१—००
६९६४ नाट्यकथासार । तंत्रनाथ झा-दुर्गानाथ झा	१—९०
६९६५ निर्मला (उपन्यास) । विद्याधर मिश्र	०—३७
६९६६ पञ्चामृत । जयधारी सिंह	१—२५

मैथिलसाम्प्रदायिकग्रन्थाः

२६३

६९६७ पद्मशा चरित्र तथा पूर्वापर व्यवहार । साताराम झा	०—२०
६९६८ पर्व्वमाला ।	०—१२
६९६९ पारिजातहरण नाटक । मैथिली	१—००
*६९७० पार्वणपद्धतिः । (छन्दोगानां) मैथिली टीका	०—४०
*६९७१ पार्वणपद्धतिः । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका	०—४०
*६९७२ पितृकर्मनिर्णयः । पं० त्रिलोकनाथ मिश्र विरचित	३—००
*६९७३ पौरोहित्यकर्मसारः । १-२ भाग । परिष्कृत तृतीय संस्करण	१—६५
६९७४ प्रणम्यदेवता । प्रो० हरिमोहन झा	५—००
६९७५ प्रतिबिम्ब । कीर्त्यानन्द कुमार	१—००
*६९७६ प्रतिहारषष्ठी (विवस्वतषष्ठी) व्रत कथा ।	०—१५
६९७७ प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन । दरभंगा- परिचय पात	१—५०
६९७८ प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन । दरभंगा- विभागीय सभापति सभक भाषण	२—००
६९७९ प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन । दरभंगा- रचना संग्रह	५—००
६९८० प्रबोधचन्द्रोदय नाटक । (मैथिली) आनन्द झा	०—५०
६९८१ प्रभावतीहरणम् ।	०—५०
६९८२ फलेना जामुन । नगेन्द्र कुमार	०—७५
६९८३ फेरार । शारदानन्द झा	१—५०
६९८४ वसात नाटक । गोविन्द झा	१—५०
*६९८५ बहुलाचतुर्थीव्रतकथा ।	०—२०
*६९८६ बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धतिः—दशगात्रपिण्डदानपद्धतिः ।	०—४०
*६९८७ भाद्रशुक्लचतुर्थीचन्द्रपूजा । चतुर्थी चन्द्रव्रतकथासहित	०—१५
६९८८ भारतशिखा । बलदेव मिश्र ।	१—००
६९८९ भुवन भारती ।	२—७५
६९९० मनमोहनलङ्घू । रूपनारायण झा	०—२०
६९९१ मिथिलाक इतिहास । डा० उपेन्द्रठाकुर । अंग्रेजी	१७—५०
६९९२ मिथिला क संचिप्त राजनैतिक इतिहास (प्राचीन कालसँ अद्य पर्यन्त) । राधाकृष्ण चौधरी	१—५०
६९९३ मिथिला का इतिहास । कृष्णकान्त मिश्र	१—७५
६९९४ मिथिलागीतसंग्रहः । १-४ भाग	१—२५
६९९५ मिथिलातत्त्वविमर्श । म० म० परमेश्वर झा	३—७५
६९९६ मिथिलाभाषाप्रकाश । रमानाथ झा	२—००
*६९९७ मिथिलाभाषामयइतिहास । म० म० मुकुन्दमा बल्शी	४—००
६९९८ मिथिलाभाषारामायण । कवीश्वर कृत	१—५०
६९९९ मिथिला में उद्योग और व्यापार । विद्यापति सिंह	१—५०
७००० मिथिला राज्यप्राप्ति कवितावली ।	०—५०
७००१ मिथिलारामायण । गुटका	२—७५
	बड़ा ६—७५

७००२	मैथिलारामायण । लाल दास	५—२५
७००३	मैथिलपरिचयदर्पण । सीताराम झा	०—२०
७००४	मैथिलसंस्कृति और सभ्यता । डा० उमेश मिश्र	२—००
७००५	मैथिलीकुसुमाञ्जलि । लक्ष्मीपति सिंह	१—५०
७००६	मैथिली गद्यसंग्रह । सं० रमानाथ झा-सुभद्र झा । तृतीय भाग मात्र	६—००
७००७	मैथिली-गीता । मैथिली पद्यानुवाद । अनुवादक—सुरेश झा । गीतासार तथा गीता-समीक्षादि सहित	१—२५
७००८	मैथिली गीति रत्नावली । बदरीनाथ झा	१—७५
७००९	मैथिली रामायण । उत्तर काण्ड । चन्द्रा झा	०—६९
७०१०	मैथिली (विवाह) मङ्गल-संचित । लाङ्गिलेश्वर	१—२५
७०११	मैथिली विवेक विभाकर ।	०—५०
७०१२	मैथिली साहित्य सुमन ।	०—९४
७०१३	मैथिली साहित्यिक इतिहास । कृष्णकान्त मिश्र	५—००
७०१४	मैथिली साहित्यिक निबन्धावली । राधाकृष्ण चौधरी	१—००
७०१५	मृच्छकटिक नाटक । ईशनाथ झा	३—७५
७०१६	रङ्गशाला । प्रो० हरिमोहन झा	२—००
७०१७	रमेश्वरचन्द्रिका ।	४—००
७०१८	रागतरङ्गिणी । लोचन कृत	६—७५
७०१९	राघव विजयावली ।	०—३१
*७०२०	रामनवमीव्रतपूजापद्धतिः—जानकीनवमीव्रतपूजा सहित	०—४०
७०२१	रामायणशिक्षा । बलदेव मिश्र	२—००
*७०२२	रामार्चापद्धतिः । (शिवपुराणोक्त)	०—४०
७०२३	राली (उपन्यास) । प्रमशंकर खरे	१—५०
७०२४	रेखाचित्र । उमानाथ झा	२—००
७०२५	लक्ष्मीश्वर विलास ।	१—५०
७०२६	वर्णरत्नाकरः । ज्योतिरीश्वरकवि-शेखराचार्य विरचित	५—००
*७०२७	वर्षकृत्य-प्रथमभागः । म० म० रुद्रधर कृत । पर्वनिर्णयात्मक 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । अनेकानेक व्रतपूजाकथा और व्रतनिर्णयादि से परिचर्चित अभिनव सुसंस्कृत द्वितीय संस्करण	५—००
*७०२८	वर्षकृत्य-द्वितीयभागः । परिशिष्टरूपकः । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित	६—००
७०२९	वसन्त ।	१—५०
*७०३०	वास्तुपूजापद्धतिः—गृहे गृधादिपतनशान्तिपद्धतिः, गृहप्रवेशपद्धतिश्च ।	०—७५
७०३१	विचारमाला । रमादत्त झा	१—५०
७०३२	विद्यापति । खगेन्द्रनाथ मजुमदार	१५—००
७०३३	विरुदावली ।	१—२५
७०३४	विलक्षणप्रभावतीहरणनाटक । दैवश्व मानुनाथ (माना झा) कृत	०—६२
७०३५	विवस्वत् षष्ठी व्रतकथा पद्धति ।	०—१५
*७०३६	विवाहपद्धतिः । (छन्दोगानां) मैथिली टीका	१—७५

मैथिलसाम्प्रदायिकग्रन्थाः

२६५

*७०३७ विवाहपद्धतिः । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका	१—२५
७०३८ विवेक प्रभाकर । (सुभाषित कुण्डलियों) रामकिशोर झा 'विमल'	०—५०
७०३९ विवेचना । 'शेखर' सम्पादित	१—००
००४० व्यवहारदीपिका ।	०—५०
७०४१ व्यवहारमञ्जुषा ।	०—१९
७०४२ व्यवहारविज्ञान ।	३—००
७०४३ शिकार । नगेन्द्रकुमार	१—००
७०४४ शृङ्गारतिलक । सुन्दर झा शास्त्री	०—२५
*७०४५ श्राद्धपद्धतिः । म० म० वाचस्पति मिश्र विरचित । सटिप्पण	यन्त्रस्थ
*७०४६ श्रीकृष्णजन्माष्टमीव्रतपूजाकथा ।	०—३५
७०४७ श्रीमत्करमहासुकुलकीर्तिकौमुदी । खण्डकाव्यम्	०—७५
*७०४८ श्रीमत्खण्डबलाकुलप्रशस्तिः । मैथिलभ्रोत्रियाणां खण्डकाव्यम्	१—५०
७०४९ श्रीमत्खण्डबलाकुलविनोद ।	३—५०
*७०५० षडङ्गशतरुद्रियपद्धतिः । स्नपनादि विधान सहित	यन्त्रस्थ
*७०५१ संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः । तुलादानपद्धति सहित	०—००
७०५२ संक्षिप्त मैथिली व छन्दशास्त्र । गोविन्द झा	१—६५
*७०५३ संक्षिप्ताह्निकपद्धतिः । (छन्दोगानां) मैथिली टीका	०—४०
*७०५४ संक्षिप्ताह्निकपद्धतिः । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका	०—४०
७०५५ संस्कृत व्याकरण कला ।	०—३८
७०५६ संस्कृति । बलदेव मिश्र	२—००
*७०५७ सत्यनारायणपूजापद्धतिः । 'इन्दुमती' नामक मैथिली टीका	०—७५
*७०५८ सत्यनारायणपूजापद्धतिः । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित मूल	समाप्त
*७०५९ सन्ध्यातर्पणपद्धतिः (छन्दोगानां) मैथिली टीका	०—१५
*७०६० सन्ध्यातर्पणपद्धतिः (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका	०—१५
*७०६१ सरस्वतीपूजापद्धतिः । (अभिनव संस्करण)	०—२५
७०६२ सामवती पुनर्जन्म । पं० जीवनाथ झा विरचित धार्मिक नाटक	०—५०
*७०६३ सिद्धिविनायकचतुर्थीव्रतपूजाकथा ।	०—२०
७०६४ सीतापरिणय । (नाटक) डाकुरप्रसाद झा	१—००
७०६५ सीताराम फुलवाड़ी लीला-संक्षिप्त । लाङ्गिरीशरण	०—२५
७०६६ सुन्दर विरुदावली ।	१—२५
७०६७ सुन्दरसंयोग नाटक । पं० जीवनाथ झा विरचित शिक्षाप्रद नाटक	०—६२
७०६८ सूक्तिसुधा । प्रथम विन्दु समाप्त, द्वि० विन्दु ०—२०, तृ० विन्दु ०—२०, च० विन्दु (भूकम्पवर्णन) ०—२०, पंचम विन्दु ०—२०, २-५ विन्दु ०—८०	
*७०६९ सूर्यादिद्वादशस्तवी-अन्नपूर्णोदिस्तोत्र सहित ।	०—२०
*७०७० हरितालिकाव्रतपूजाकथा ।	०—१५
७०७१ हर्षनाथ-कान्य ग्रन्थावली । ऋद्धिनाथ झा-अमरनाथ झा	१—३७

कालिपय श्रेष्ठ हिन्दी ग्रन्थ

['हिन्दी साहित्य और बाङ्गय' नामक पृथक् छपा विस्तृत सूचीपत्र मंगवा कर अवलोकन करें]

७०७२ अकबर महाद् । आशीर्वादोलाल श्रोवास्तव । अनुवादक-

डॉ० भगवानदास गुप्त । प्रथम भाग

२०-००

*७०७३ अक्षर असर रहें । (निबन्ध संग्रह) श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला

यह निबन्ध-संग्रह संस्कृत-हिन्दी के सामान्य विद्यार्थियों तथा शोधकार्य में लगे हुए छात्रों के लिए पुरातत्त्व, इतिहास, साहित्य, शोध और कला की दृष्टि से विशेष उपयोगी है ।

५-००

७०७४ अच्छी हिन्दी । विश्वनाथ टण्डन । १-२ भाग

३०-००

७०७५ अत्यधिक हिन्दी साहित्य । डॉ० कुमार विमल

९-००

*७०७६ अथर्ववेद एवं गोपथ-ब्राह्मण । अनु०-डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री ।

वैदिक विद्वान् एम० ब्लूमफील्ड-विरचित बहुमूल्य अँगरेजी ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत संस्करण है जिसमें मूल ग्रन्थ के क्रमांक और सन्दर्भ सर्वथा सुरक्षित रखे गए हैं । टिप्पणी में वैदिक मन्त्रों की व्यवस्था मूल के अनुसार ही है । मुद्रण, कागज, आवरण आदि सब मनोरम हैं ।

२५-००

७०७७ अद्भुत भारत । ए० एल० वाशम । अनुवादक वैकटेशचन्द्र पाण्डेय-

३०-००

७०७८ अधूरा स्वप्न । संजय

४-५०

७०७९ अधूरा स्वर्ग । भगवतीप्रसाद वाजपेयी

६-००

७०८० अधूरे साक्षात्कार । नेमिचन्द्र जैन

८-००

७०८१ अध्ययन और अन्वेषण । सं० डॉ० देवराज उपाध्याय

७-५०

७०८२ अनबूझे सपने । उमाशंकर

५-५०

७०८३ अनाम यात्री । स्टेनवैक । अनुवादक रमानाथ शास्त्री

५-००

७०८४ अपराजिता । कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह

६-००

*७०८५ अपराध और दण्डशास्त्र । ले०-श्री कौशल कुमार राय । यह

विषय प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में स्वीकृत है । इस पर हिन्दी में कुछ पुस्तकें निकली भी हैं परन्तु उनमें किसी में भी दण्डशास्त्र पर सामग्री उपलब्ध नहीं है । इसी कमी को पूर्ति के लिए इस पुस्तक की रचना हुई है ।

८-००

७०८६ अपराधिनी । यशदत्त शर्मा

७-००

७०८७ अपभ्रंश प्रवेश । डॉ० विपिनत्रिहारी त्रिवेदी

६-७५

*७०८८ अभिनव निबन्धावली । श्री श्यामलकान्त वर्मा । इसमें प्रायः सभी प्रकार के लगभग १०० हिन्दी निबन्धों का संग्रह किया गया है । भाषा, शैली, कौशल आदि सभी दृष्टियों से इसकी उत्तमता स्वीकृत की गई है तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में यह निर्धारित भी है

४-५०

- ७०८९ अभिनव पर्यायवाची कोश । सत्यपाल गुप्त ६—५०
- ७०९० अमरीका की श्रेष्ठ कहानियाँ । सं० बालकृष्ण ६—००
- ७०९१ अमरीकी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । मर्क्स कान्लिफ ।
अनुवादक-ओमप्रकाश दीपक ८—००
- ७०९२ अमावस और पूनस । भगीरथ शुक्ल 'योगी' ५—००
- *७०९३ अमृतमन्थन (जीवन का दिव्य पक्ष) । डा० मंगलदेव शास्त्री ।
हिन्दी अनुवाद के साथ रोचक छंदों में निर्मित । छात्र,
अध्यापक, गृहस्थ, साधु, सबके लिए उपयोगी । ४—५०
- ७०९४ अर्थशास्त्र का स्वरूप और महत्व—एक निबन्ध । निओनेल रॉबिंस ।
अनुवादक-जगदीशचन्द्र वर्मा ८—००
- ७०९५ अर्पण । डॉ० सर्वानन्द पाठक ।
इस पुस्तक में काव्य सम्बन्धी हास्य, शृङ्गार, करुण आदि विविध रसभक्ति-
योग, विवेकानन्द, शंकराचार्य, बालयोगिनो, कुण्डलिनीयोग, अन्तर्लोक
आदि रोचक विषयों का सम्मिश्रण हुआ है । १—५०
- *७०९६ हिन्दी अलङ्कारसर्वस्व । राजानक रुच्यकविरचित । (विद्याचक्र-
वर्तिकृत संजीविनी संस्कृत टीका सहित) व्याख्याकार-आचार्य
रेवाप्रसाद द्विवेदी ।
इस ग्रन्थ की सुविशद किन्तु सरल और सरस प्रवाहयुक्त प्राञ्जल हिन्दी
व्याख्या में लेखक की अलङ्कार-शास्त्र-विषयक विद्वत्ता प्रति पृष्ठ में भरी
हुई है । शास्त्रीय विचारों से युक्त पाण्डित्यपूर्ण भूमिका से ही पतद्विषयक
शास्त्रीय ज्ञान का क्रमबद्ध वर्णन प्राप्त हो जाता है । यन्त्रस्थ
- *७०९७ अलङ्कारानुशीलन । श्री राजवंश सहाय 'हीरा' एम्० ए० ।
इसमें लगभग ११० अलङ्कारों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया गया
है । प्रत्येक अलङ्कार का स्वरूप-निरूपण, ऐतिहासिक दृष्टि से विवेक्षण,
प्रत्येक उदाहरण, विभिन्न अलङ्कारों का परस्पर अन्तर तथा सूक्ष्म भेद
आदि देने हुए यह अध्ययन पूर्ण किया गया है । सरल एवं सरस भाषा
शैली में लिखा यह अलङ्कारों के विषय में अभिनव प्रामाणिक हिन्दी
ग्रन्थ है । यन्त्रस्थ
- ७०९८ अलबेरूनी का भारत । अलबेरूनी । अनुवादक-रजनीकान्त शर्मा २५—००
- ७०९९ अवधी कृष्ण काव्य और उसके कवि । मुरारीलाल शर्मा 'सुरस' १५—००
- ७१०० अवधी व्रत कथायें । इन्दुप्रकाश पाण्डेय ६—००
- *७१०१ अवन्तिकुमारियाँ । श्री देवदत्त शास्त्री । इस पुस्तक में तीन
अवन्तिकुमारियाँ (अवन्तिमुन्दरी, मालविका, सरस्वती) के
जीवन की मर्मस्पर्शी कहानियों के बीच लेखक ने उस युग की
सांस्कृतिक, धार्मिक एवं नैतिक स्थितियों का बड़ा ही सुन्दर
गवेषणात्मक चित्र प्रस्तुत किया है । २—००
- ७१०२ आकाश पक्षी । अमरकान्त ७—००
- ७१०३ आज का हिन्दी उपन्यास । इन्द्रनाथ मदान ४—५०

७१०४ आज के साये । मोहन राकेश

५-००

*७१०५ असामान्य मनोविज्ञान । डॉ० रामकुमार राय । इस अद्वितीय पुस्तक में सभी विश्वविद्यालयों के बी० ए० तथा एम० ए० के असामान्य मनोविज्ञान के पाठ्यक्रमों में सम्मिलित विषयों का समावेश है । सम्पूर्ण पुस्तक उपयुक्त रेखा-चित्रों से सुसज्जित है; जिससे इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ गयी है ।

तृतीय परिवर्धित संस्करण १०-००

*७१०६ आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री । प्रस्तुत ग्रन्थ एक प्रकार से संस्कृत व्याकरण शास्त्र का तुलनात्मक इतिहास है । हैम के साथ-साथ अन्य शब्दानुशासनों का भी विवेचन यथास्थान होता चला है । व्याकरण के विद्यार्थी, अध्यापक एवं शोध-कर्त्ताओं के लिये यह ग्रन्थ अत्यन्त उपयोगी है ।

१५-००

७१०७ आजकल की हिन्दी । बदरीनाथ कपूर

३-००

७१०८ आत्महत्या के विरुद्ध । रघुवीर सहाय (काव्य)

५-००

*७१०९ आदर्श हिन्दी-संस्कृतकोशः । प्रो० रामसरूप शास्त्री ।

इस कोश में लगभग चालीस सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के संस्कृत पर्याय दिये गये हैं । प्रत्येक शब्द का लिंगनिर्देश भी किया गया है । हिन्दी क्रियापदों के संस्कृत धातुओं के गण, पद, सेट्, अनिट्, वेट्, णिजन्त आदि के रूप भी दिये गये हैं । कोश की उपयोगिता पर डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री, श्रीविश्वबन्धु शास्त्री, महामहोपाध्याय श्री परमेश्वरानन्द शास्त्री, आदि-आदि विद्वानों ने अपनी-अपनी अमूल्य सम्मतियाँ प्रदान की हैं ।

१२-५०

७११० आदिम रात्रि की महक । फणीश्वरनाथ रेणु

५-००

७१११ आधा गाँव । राही मासूम रजा

१०-५०

७११२ आधुनिक कवि । गुरुभक्त सिंह 'भक्त'

५-००

७११३ आधुनिक कवि । रामेश्वर सिंह 'अंचल'

४-००

७११४ आधुनिक कविता और युग दृष्टि । डॉ० शिवकुमार मिश्र

१०-००

७११५ आधुनिक ब्रजभाषा काव्य । डॉ० जगदीश बाजपेयी

१२-५०

७११६ आधुनिक राजनीतिक चिन्तन । इरिदत्त वेदालंकार

१६-५०

७११७ आधुनिक राजनीतिक चिन्तन । फ्रान्सिस डब्ल्यू कोकर

१५-००

७११८ आधुनिक राजनीतिक विचारधाराएँ । डॉ० आर० सी० गुप्त

८-००

७११९ आधुनिक हिन्दी आलोचना । डॉ० हरिमोहन मिश्र

२०-००

७१२० आधुनिक हिन्दी काव्य-प्रवृत्तियाँ । करुणापति त्रिपाठी

६-००

७१२१ आधुनिक हिन्दी काव्य में प्रतीक विधान । डॉ० नित्यानन्द शर्मा

१५-००

७१२२ आधुनिक हिन्दी काव्य में यथार्थवाद । डॉ० परशुराम शुक्ल 'विरही'

१५-००

७१२३ आधुनिक हिन्दी काव्य शिल्प (१९००-१९४०) डॉ० मोहन अवस्थी

८-००

७१२४ आपेक्षिकता की मूल संकल्पनाएँ । वर्टेण्ड रसेल

६-००

७१२५ आर्थिक भूगोल के मूलतत्त्व । काशीनाथ सिंह-जगदीश सिंह

२५-००

*७१२६ हिन्दी आर्यासप्तशती। गोवर्धनाचार्य विरचित। व्याख्याकार—
पं० रमाकान्त त्रिपाठी एम० ए०। अकारादि क्रम से
रचा गया प्रस्तुत ग्रन्थ अनेकविध शृङ्गार तथा नीति
सूक्तियों का भण्डार है जिसे सरल सुबोध-हिन्दी व्याख्या
और विमर्श के साथ प्रकाशित किया गया है। १०—००.

७१२७ आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य।

डॉ० शिवकरण सिंह

१५—००.

७१२८ आलोचना प्रकृति और परिवेश। डॉ० तारकनाथ वाली

१२—००.

७१२९ इतिहास एक अध्ययन। आरनाल्ड जे० ट्वायनकी।

अनुवादक—कृष्णदेव प्रसाद गौड़

१२—००.

७१३० इन्सानियत जिन्दाबाद। रामचरणमहेन्द्र

५—००.

७१३१ उड़ते पत्ते। प्रकाश शंकर

६—००.

७१३२ उत्तरी अमेरिका। डॉ० महेशनारायण निगम-रमेशचन्द्र दीक्षित

२०—००.

७१३३ उत्तरी अमेरिका की भौगोलिक समीक्षा। कृपाशंकर गौड़

१५—००.

७१३४ उधार के पंख। आरिगपूडि

५—००.

७१३५ उपन्यासकार गुरुदत्त : व्यक्तित्व एवं कृतिरत्न। डॉ० मनमोहन सहगल

१२—००.

७१३६ उपन्यासकार भगवतीप्रसाद वाजपेयी : शिखर और चिन्तन।

डॉ० ललिता शुक्ल

६—००.

७१३७ ऊँचा पर्वत गहरा सागर। विष्णुप्रभाकर

५—५०.

*७१३८ हिन्दी ऋग्वेदभाष्य-भूमिका। व्याख्याकार—श्री जगन्नाथ पाठक।

सायणाचार्य के 'ऋग्वेदभाष्य-भूमिका' की यह हिन्दी व्याख्या बहुत
ही उपयोगी और ग्राह्य शैली में प्रस्तुत की गई है, जिससे विद्यार्थी और
इस विषय के जिज्ञासु लाभान्वित होंगे। एम० ए० के विद्यार्थियों के
लिये तो यह संस्करण विशेष उपयोगी बन गया है। इसकी विस्तृत
भूमिका में सायणाचार्य के जीवन तथा साहित्य पर भी विचार
किया गया है। ३—००.

७१३९ एक औरत का चेहरा। हेनरी जेम्स। अनुवादक—मोहन राकेश

६—००.

७१४० एक टूटा हुआ आदमी। जवाहर सिंह

५—००.

७१४१ एक दुनिया : समानान्तर। सं० राजेन्द्र यादव

१२—५०.

७१४२ एक व्यक्ति एक संस्था (क्षेमचन्द सुमन अभिनन्दनग्रन्थ)

४०—००.

७१४३ एक सूनी नाव। सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

५—००.

७१४४ एक स्वर आँसू का। भगवतीप्रसाद वाजपेयी

५—००.

*७१४५ ऐतिहासिक उपन्यासों में कल्पना और सत्य।

बी० एम० चिन्तामणि।

लेखक ने इस नवीन कृति में हिन्दी के उपन्यासों, विशेषकर ऐतिहासिक
उपन्यासों की बहुत सुन्दर समीक्षा प्रस्तुत की है। नयी सूझ-बूझ और
गम्भीर मन्थन की परिचायक यह रचना हिन्दी के आलोचना-क्षेत्र में
महत्वपूर्ण देन है। ३—००.

७१४६ ओ अजन्मा सुनो । डॉ० वचनदेवकुमार

५-५०

७१४७ ओटक्कुपल (बांसुरी) । जी० शंकर कुरूप । रूपान्तरकार-

जी० नारायण पिल्ल

८-००

*७१४८ औचित्य सम्प्रदाय का हिन्दी-काव्यशास्त्र पर प्रभाव
(प्रत्यक्ष तथा परोक्ष) । डॉ० चन्द्रहंस पाठक ।

छह अध्यायों में विभक्त यह शोध-प्रबन्ध सर्वथा मौलिक विषय पर मौलिक रचना है । यह सुगठित वैज्ञानिक शैली में लिखा गया है । प्राचीन और नवीन उभयविध विचारकों में औचित्य-मत के प्रभाव की चर्चा करने के हेतु इसमें व्यापक भूमिका और सन्दर्भों का उपयोग किया गया है ।

२५-००

*७१४९ कलाविलासिनी वासवदत्ता । श्रीदेवदत्त शास्त्री ।

महाराज उदयन और महारानी वासवदत्ता की कला-विलासिताओं तथा भारतीय नागरिक की दिन-रात्रिचर्याओं के माध्यम से उस काल की संस्कृति का अन्तः दर्शन ।

२-५०

७१५० कविता और कविता । (भारतेन्दु से लेकर आजतक)

सं० डॉ० इन्द्रनाथ मदान

२०-००

७१५१ कविता और हिन्दी कविता । श्री नरेश

५-००

*७१५२ कविवर डॉ० रामकुमार वर्मा और उनका काव्य ।

प्रो० दशरथराज ।

बहुमुखी प्रतिभासम्पन्न डॉ० वर्मा जी का आलोचक रूप जितना अधिक विकसित रहा है; उतना कवि रूप नहीं । किन्तु प्रस्तुत पुस्तक में अधिकारपूर्वक कविरूप में उनके व्यक्तित्व का विवेचन और उनके काव्यों का दिग्दर्शन कराया गया है ।

३-००

७१५३ कविवर बनारसीदास । डॉ० रवीन्द्रकुमार जैन

१०-००

७१५४ कहानी : अनुभव और शिल्प । जैनेन्द्रकुमार

७-००

*७१५५ कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन ।

डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ।

यह ग्रंथ सम्पूर्ण कादम्बरी का व्यवस्थित आलोचनात्मक हिन्दी रूपान्तर है । कादम्बरी के विषय में इस एक ग्रंथ को लेकर आप अन्य किसी ग्रंथ की अपेक्षा नहीं रखेंगे । साहित्यप्रेमियों को इस ग्रंथ का अवश्य संग्रह करना चाहिए ।

१५-००

*७१५६ हिन्दी कादम्बरी : महाश्वेतावृत्तान्त । व्या०-प्रद्युम्न पाण्डेय ।

स्पष्ट, सरस एवं सुबोध हिन्दी व्याख्या । आरम्भ में महाकवि बाण तथा महाश्वेता की आलोचनात्मक विशेषताएँ । अन्त में छिट्ट शब्दों तथा वाक्यों की हिन्दी व्याख्या तथा दो विशद बहुमूल्य परिशिष्ट ।

४-००

*७१५७ हिन्दी कादम्बरी : शुकनासोपदेश । व्या०-झा-बन्धु ।

अत्यन्त सरल भाषा में व्यवस्थित अनुवाद, टिप्पणी में छिट्ट शब्दों की व्याख्या । अलंकार-निर्देश तथा सुविशद भूमिका में वागसंवन्धी सभी आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर ।

३-००

कतिपय श्रेष्ठ हिन्दी ग्रन्थ

२७१

७१५८ काम-धंधा—व्याज और मुद्रा के सामान्य सिद्धान्त । केन्स । अनु०—

डॉ० दयाशङ्कर नाग

७—००

*७१५९ हिन्दी कामसूत्र । (जयमंगला टीका सहित) । व्याख्याकार : देवदत्तशास्त्री ।

वात्स्यायन का कामसूत्र और उसकी 'जयमंगला' टीका जैसे महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ पर यह हिन्दी व्याख्या अपनी निजी विशेषताएँ रखती है । व्याख्याकार ने शास्त्रार्थ के दुरूह स्थलों पर विमर्श लिखकर इतना गंभीर विवेचन किया है कि यह व्याख्या कामसूत्र की एक स्वतन्त्र मौलिक रचना ही बन गई है ।

१६—००

७१६० कामायनी—इतिहास और रूपक । सुशीला भारती

८—००

७१६१ कामायनी में नाटकीय पात्र । कु० इन्दुप्रभा पाराशर

७—००

*७१६२ कालिदास (महाकवि कालिदास) । डा० रमाशंकर तिवारी ।

अब तक उपलब्ध सम्पूर्ण सामग्री का विवेकपूर्ण उपयोग कर कालिदास का देश-काल तथा उनकी सौन्दर्य भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों की १८ अध्यायों में प्रामाणिक विवेचना की गई है ।

८—००

७१६३ कालिदास । डॉ० वासुदेव विष्णु मिराशी

१२—००

*७१६४ कालिदास : एक अनुशीलन । पं० देवदत्त शास्त्री ।

कालिदास के जीवन, जन्मभूमि और स्थिति पर ठोस प्रमाणों सहित ऐसी नई स्थापनाएँ आपको इस ग्रन्थ में मिलेंगी जिनपर मत प्रकट करने या विचार करने की उत्सुकता आप में अवश्य उत्पन्न होगी ।

२—५०

*७१६५ काव्य-कदम्ब । सम्पादक—श्रीमुवनेश्वर प्रसाद पाण्डेय । इस

पुस्तक में वीरकाव्य, निर्गुणकाव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य, रीतिकाव्य, नीतिकाव्य, छायावाद और नवचेतना के अग्रदूत : इन आठ स्तम्भों में रोचक हिन्दी कविताओं का संकलन किया गया है ।

२—५०

*७१६६ काव्य-चिन्ता । डा० रमाशंकर तिवारी ।

प्रस्तुत ग्रन्थ के दो खण्डों में काव्य के मूल स्वरूप तथा जीवन के साथ उसके सम्बन्ध एवं काव्य के प्रयोजन का जो मार्मिक विश्लेषण सम्पन्न हुआ है, वह सर्वथा मौलिक एवं विचारोत्तेजक है । काव्य-चिन्तन की आधुनिक परम्परा में इससे निश्चित ही परिष्कार का प्रवेश होगा ।

६—००

*७१६७ हिन्दी काव्यप्रकाश (उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत) ।

व्याख्याकार—डॉ० सत्यव्रत सिंह ।

संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी में समानरूप से इस ग्रन्थ की व्यापकता को देखकर तदनुकूल ही इसकी व्याख्या की गयी है । व्याख्या के साथ-साथ टिप्पणी (नोट्स) में वे सभी विषय दिये गये हैं जो वामनी, काव्यादर्श, ध्वन्यालोक-लोचन आदि में बिखरे पड़े हैं । परिष्कृत तृतीय शोधपूर्ण संस्करण । १-३ उल्लास ३—०० दशम उल्लास ५—००

संपूर्ण १०—००

७१६८ काव्यविम्ब । डॉ० नगेन्द्र

४—००

- *७१६९ हिन्दी काव्य-मीमांसा । डॉ० गंगासागर राय । इस संस्करण में सटिप्पण मार्मिक हिन्दी व्याख्या की गई है। व्याख्या को अन्य सिद्धान्तों के परिवेश में उपस्थित कर तुलनात्मक तथा आलोचनात्मक रूप दिया गया है। आचार्य बलदेव उपाध्याय विरचित प्रस्तावना में राजशेखर का मार्मिक परिचय आदि तथा अन्त में कई परिशिष्ट भी दिए गए हैं ८—५०
- ७१७० काव्यशास्त्र । डॉ० भगीरथ मिश्र १०—००
- ७१७१ काव्य समीक्षा । डॉ० विक्रमादित्य राय १२—००
- *७१७२ काव्यात्ममीमांसा । डॉ० श्रीजयमन्त मिश्र
 इस ग्रन्थ में काव्यात्म-सम्बन्धी विचारों का आलोचनात्मक शोधपूर्ण विश्लेषण, रस-अलंकार-रीति-ध्वनि-चक्रोक्ति-औचित्य आदि तत्त्वों का स्वरूप-निर्देश, ऐतिहासिक क्रम से सांगोपांग विवेचन तथा उनके तात्त्विक रहस्यों का समुद्घाटन किया गया है । १६—००
- *७१७३ हिन्दी काव्यादर्श । व्याख्याकार-आचार्य रामचन्द्र मिश्र
 सरल सुबोध हिन्दी भाष्य के साथ इस संस्करण की प्रस्तावना में लगभग ७० अलंकारशास्त्रियों का समय, रचनाएँ तथा उनकी विशेषताओं का वर्णन है । साथ ही अलंकारशब्दार्थ एवं अलंकारशास्त्र का क्रमविकास नामक प्रसंग भी प्रस्तावना में अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं । ६—५०
- *७१७४ हिन्दी काव्यालंकार । महाकवि रुद्रट विरचित ।
 व्याख्याकार—श्रीरामदेव शुक्ल ।
 नमिसाधुकृत संस्कृत टिप्पण, सविमर्श हिन्दी व्याख्या, पाण्डित्यपूर्ण ग्रन्थालोचन, अलंकार-समीक्षण तथा शास्त्रीय विचारों से परिपूर्ण प्रस्तावना, वक्तव्य, परिशिष्ट आदि से सुसज्जित । १०—००
- ७१७५ काव्यालोचन । डॉ० ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री ६—००
- *७१७६ काशीदर्शन । पं० केदारनाथ शर्मा । इसके पढ़ने से समस्त काशी के नवीन एवं प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों एवं घाट, मन्दिर, भवन, कला तथा शिक्षालयों आदि का सम्पूर्ण परिचय सहज में हो जाता है । ०—३५
- ७१७७ किरण वीणा । सुमित्रानन्दन पंत ८—००
- ७१७८ किशोरीलाल गोस्वामी के उपन्यासों का वस्तुगत और रूपगत विवेचन । कृष्णनाग १६—००
- ७१७९ कृषि अर्थशास्त्र । धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा ५—५०
- ७१८० कृषि कोश । १-२ भाग । स० डॉ० विश्वनाथप्रसाद-वैद्यनाथ पाण्डेय-श्रुतिदेवशास्त्री ९—५०
- ७१८१ कृषिदीपिका । डॉ० नारायण दुलीचंद व्यास १०—००

- ७१८२ कुणाल की आँखें । आनन्दप्रकाश जैन ७—००
- ७१८३ कुमाऊँनी (हिन्दी की उपभाषा) के कवियों का विवेचनात्मक
अध्ययन । डॉ० नारायणदत्त पालीवाल २०—००
- ७१८४ कुरआन मजीद । हिन्दी अनुवाद 'अरबी मूल ग्रन्थ के साथ' १०—८०
- *७१८५ हिन्दी कुवलयानन्द । (उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत)
व्याख्याकार-डॉ० भोलाशंकर व्यास । अनेक आलंकारिकों के
मतों के तुलनात्मकसंकेत, रसगंगाधरमें पंडितराजकृत आक्षेपों
के उपन्यास, बृहत्तर भूमिका तथा आलंकारसंबन्धी अन्य
आवश्यक सूक्ष्म विवेचन सहित । ६—००
- ७१८६ कृष्णभक्ति साहित्य में रीतिकाव्य परम्परा । डॉ० राजकुमारी मिश्र १२—००
- *७१८७ कृष्णभक्ति काव्य में सखीभाव । (सचित्र) श्रीशरण बिहारी गोस्वामी
गोपीतत्त्व और सखीतत्त्व पर गम्भीर विचार, उपास्य तत्त्व का विस्तृत
विवेचन तथा सखी-सम्प्रदाय की उपासना पद्धति का संयोजन आदि इस
ग्रन्थ के प्रमुख प्रतिपाद्य विषय हैं । सखीभाव-विषयक हिन्दी-साहित्य
की सामग्री का परिचय एवं समीक्षा, रस-परिपाटी का विवेचन,
लगभग ५० वैष्णवसम्प्रदायाचार्यों के सदुपदेशों का सचित्र वर्णन तथा
कवियों और काव्यों का परिचय, समीक्षण आदि अत्यन्त सरल भाषा
और शैली में विवेचित हैं । यह ग्रन्थ अत्यन्त रसपूर्ण और
उपादेय है । २५—००
- ७१८८ केशव और रामचन्द्रिका-पुनर्मूल्यांकन । डॉ० रामगोपाल सिंह चौहान ६—००
- ७१८९ कोयले का टुकड़ा । वरदराजन । अनुवादक-एन० सुन्दरम् ५—५०
- *७१९० कौटिल्य का अर्थशास्त्र । शोधपूर्ण हिन्दी रूपान्तर । रूपान्तरकार-
श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला । आलोचनात्मक मनोवैज्ञानिक
विमर्श, पारिभाषिक हिन्दी शब्दकोष, ऐतिहासिक प्रस्तावनादि
विविध विषयों से विभूषित । १०—००
- ७१९१ खण्डहर बोल रहे हैं । गुरुदत्त ८—५०
- ७१९२ खुर्जा तथा बुलन्दशहर तहसीलों की बोलियों का सांकेतिक
अध्ययन । डॉ० महावीर शरण जैन ९—००
- ७१९३ खेल और खिलौने । गुरुदत्त ५—००
- *७१९४ गणितीय कोश । (गणितीय परिभाषा और शब्दावली) डॉ० ब्रजमोहन
वर्तमान हिन्दीकरण के युग में उच्चस्तरीय गणित-विज्ञान के हिन्दी
ग्रन्थ-लेखकों के सामने अब पारिभाषिक शब्दों के हिन्दी अनुवाद में
कोई कठिनाई नहीं रह गई । इसमें बी० एस० सी० तक के गणित
विज्ञान की प्रत्येक शाखा के आंग्ल पारिभाषिक शब्दों के हिन्दी
पर्याय तथा सांकेतिक विवरण हिन्दी में दिए गए हैं । इस सन्दर्भ में
गवेषणापूर्ण तथा कालोचित बहुमूल्य गम्भीर विचार भी आरम्भ में
प्रस्तुत किए गए हैं । इस क्षेत्र के नवीन हिन्दी लेखकों तथा छात्रों
एवं अध्यापकों को इस ग्रन्थ से लेखन तथा पठन-पाठन में अनुपम
साहाय्य प्राप्त होगा । ९—००

- ७१९५ गङ्गा की गोद में । वृजपाल खत्री ७-००
 ७१९६ गंगा से पवित्र । अभयकुमार यौधेय ६-००
 ७१९७ गढ़ । ओमीलाल इलाहाबादी १८-१०
- *७१९८ हिन्दी गाथासप्तशती । व्याख्याकार— श्रीनर्मदेश्वर चतुर्वेदी
 पारिवारिक जीवन की तीव्र अनुभूतियों की झाँकी के साथ नायक-
 नायिकादि की चेष्टाओं एवं मनोभावों का विशद सरस विवरण । ५-००
- ७१९९ गुजरात के कवियों की हिन्दी काव्य-साहित्य को देन । डॉ०
 नटवरलाल अम्बालाल व्यास १२-००
- ७२०० गुजरात के हिन्दी गौरव ग्रंथ । अम्बाशङ्कर नागर ८-००
 ७२०१ गुप्त जी की काव्यसाधना । डॉ० उमाकान्त १०-००
 ७२०२ गुप्त साम्राज्य । डॉ० राधाकुमुद मुखर्जी ७-५०
 ७२०३ गुरु गोपालदास वैश्य स्मृति-ग्रन्थ । कैलाशचन्द्र शास्त्री २०-००
 ७२०४ गुर्जरेश्वर कुमारपाल । धूमकेतु ६-५०
 ७२०५ गोदान सौन्दर्य और समीक्षा । रामकृष्ण मिश्र ७-५०
- *७२०६ गोस्वामी तुलसीदास । आचार्य श्री सीताराम चतुर्वेदी ।
 तुलसीदासजी के जन्मकाल, जन्मस्थान, जीवन की अनेक घटनाओं
 और उनकी रचना के विषय में पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिये यह
 एक ही ग्रन्थ है । इसमें कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं जिनकी ओर
 सामान्य समीक्षकों का ध्यान अब तक नहीं पहुँच पाया था । ३-००
- ७२०७ गोस्वामी तुलसीदास । विश्वनाथप्रसाद मिश्र १२-५०
 ७२०८ ग्रामीण हिन्दी बोलियाँ । डॉ० हरदेव बाहरी ७-५०
 ७२०९ घन आनन्द । डॉ० कृष्णचन्द्र वर्मा १०-००
 ७२१० चन्द्रभानुगुप्त अभिनन्दन ग्रंथ । सं० दीनदयालु गुप्त ६०-००
 ७२११ चम्पारन में महात्मा गान्धी । डॉ० राजेन्द्रप्रसाद ७-७५
- *७२१२ चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन ।
 डॉ० छविनाथ त्रिपाठी । इसमें वर्ण्य वस्तु और चम्पू-काव्यों के
 मूल स्रोतों का अन्वेषण करके २४५ चम्पू-काव्यों का सविवरण
 आलोचनात्मक परिचय, उनका वर्गीकरण आदि उपयोगी सामग्री
 प्रस्तुत की गई है । १२-००
- ७२१३ चरित्र निर्माण की पगडंडियाँ । श्रीनारायण अग्निहोत्री ६-०
 ७२१४ चौदायन और मृगावती । डॉ० माताप्रसाद गुप्त २०-००
- *७२१५ चारुचर्या । (भारतीय सदाचार, शिष्टाचार) पं० देवदत्त शास्त्री ।
 यह ग्रन्थ भारतीय सदाचार एवं शिष्टाचार का कोष है ।
 समाज में रहते हुए व्यक्ति जिन आचरणों और व्यवहारों से
 सामाजिक अभ्युदय प्राप्त कर जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है
 उनका एकत्र समुच्चय इस पुस्तक में है । २-००

- *७२१६ चार्वाक दर्शन की शास्त्रीय समीक्षा । डॉ० सर्वानन्द पाठक ।
चार्वाक दर्शन के इस सर्वांगपूर्ण ग्रन्थ में १. चार्वाकों के विविध सम्प्रदाय, २. चार्वाक दर्शन की उत्पत्ति, ३. दार्शनिक मान्यताओं में प्रत्यक्षतर प्रमाणों का खण्डन, ४. परलोक आदि अतीन्द्रिय तत्वों का खण्डन, ५. वेद का खण्डन, ६. अनात्मवाद, ७. निरीश्वरवाद, ८. जैन तथा बौद्ध सम्प्रदायों में नास्तिकवाद और ९. उपलब्धमान सम्पूर्ण चार्वाक साहित्यों का विवेचन किया गया है । १२-५०
- *७२१७ चित्र और चिन्तन । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी । इस पुस्तक में चित्र : जीवन के दैनिक अनुभवों के हैं तथा चिन्तन : सामयिक परिस्थितियों, समस्याओं और नवनिर्माण के हैं । इसमें का प्रत्येक वाक्य अपने अनुष्ठेपन से हृदय को स्पर्श कर लेता है । २-५०
- ७२१८ चिद्बिन्दु विद्या तथा अन्य दार्शनिक कृतियाँ । लाइब्ररिस ।
अनुवादक शिवानन्द शर्मा ५-५०
- *७२१९ चिन्तन के नये चरण । श्री देवदत्त शास्त्री । भाषा-विज्ञान, मनो-विज्ञान, इतिहास, पुराण-उपनिषद्, नृत्य-नाटक-अभिनय ये पाँच इस पुस्तक के विषय-स्तम्भ हैं । पाठकों को इन निबन्धों में नई दृष्टि, नई चेतना और अनुसन्धान के नये आयाम मिलेंगे । ६-००
- ७२२० चेतना के बिम्ब । डॉ० नगेन्द्र ५-००
- ७२२१ छायावाद । सं० उदयमानु सिंह ९-००
- ७२२२ छायावादी कान्य और निराला । डॉ० कुमारी शान्ति श्रीवास्तव १५-००
- ७२२३ छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य । डॉ० विश्वनाथ तिवारी १५-००
- ७२२४ जगन्नाथ प्रसाद तिवारी अभिनन्दन ग्रन्थ (पं०) ।
सं० हजारीप्रसाद द्विवेदी २०-००
- ७२२५ जमनालाल बजाज । टी. बी. परवटे ५-००
- ७२२६ जवाहर भाई : उनकी आत्मीयता और सहृदयता । राय कृष्णदास ११-००
- ७२२७ जवाहर से लाल तक । (सचित्र) 'नजीर' बनारसों ५-१०
- ७२२८ जाग्रत-ग्राम । सावित्री देवी ७-५०
- ७२२९ जीवन के चार अध्याय । डॉ० भुवनेश्वर नाथ 'माधव' ७-००
- ७२३० जीवन के स्वर । वीरेन्द्र 'रुद्र' ५-००
- *७२३१ जीवनदर्शन । डॉ० मुंशीराम शर्मा । इस ग्रन्थ में जीवन के भौतिक तथा आध्यात्मिक परिशीलन के साथ साथ जीवन में त्याग, बलिदान, ज्ञान, कर्म, आनन्द और प्रकाश किन स्तरों को आलोकित करते हैं, इनका मनोवैज्ञानिक विवेचन किया गया है । नवीन परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण । ३-००

- *७२३२ जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज । डॉ० जगदीश-
चन्द्र जैन । हर्ष, शोक, विस्मयादि नाना भाव-धाराओं में
अवगाहन करते हुए शैली और कौशल की दृष्टि से
भारतीय समाज की जैन-आगम साहित्य में प्राप्त ऐतिहासिक
स्थिति का, वर्णन प्राप्त करने के लिए यह एक ही ग्रन्थ है । २५—००
- ७२३३ जैन साहित्य का बृहद् इतिहास । १-२ भाग ३०—००
- ७२३४ जोहर के अक्षर । सन्तोष 'शैलजा' ५—००
- ७२३५ ज्ञान और सत् । यशदेव शर्मा ६—००
- ७२३६ ज्योति पुरुष । सं० रमेशचन्द्र गुप्त १५—००
- ७२३७ डंगवै कथा तथा चक्रव्यूह कथा । डॉ० शिवगोपाल गुप्त ६—२५
- ७२३८ डॉ० नगेन्द्र के श्रेष्ठ निबन्ध । सं० भारत भूषण अग्रवाल ५—००
- ७२३९ डोलता हिमालय । रामजन्म चतुर्वेदी ४—००
- ७२४० डोला मारुता दूहा : एक विवेचन । कृष्ण बिहारी सहल ५—००
- *७२४१ हिन्दी तर्कभाषा । व्याख्याकार : आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त
शिरोमणि । पं० केशव मिश्र प्रणीत इस ग्रन्थ की हिन्दी व्याख्या
२६४ पृष्ठों में पूर्ण हुई है । ४६ पृष्ठ की भूमिका में लिखित
न्यायशास्त्र का इतिहास छात्रों के लिए अधिक उपयोगी है ७—००
- ७२४२ तुलनात्मक साहित्य शास्त्र—इतिहास और समीक्षा ।
'विष्णुदत्त 'राकेश' १२—५०
- ७२४३ तुलसी काव्य मीमांसा । उदय भानु सिंह १८—००
- ७२४४ तुला और तारे । सावित्री सिन्हा ८—००
- ७२४५ तूफान के बाद । यशदत्त शर्मा ५—००
- ७२४६ त्याग का भोग । (जिप्सी) इलाचन्द्र जोशी १२—५०
- ७२४७ दरबारी कवि और मुक्तक । डॉ० त्रिभुवन सिंह ६—५०
- *७२४८ हिन्दी दशरूपक । व्याख्याकार : डा० भोलाशंकर व्यास ।
संस्कृत तथा हिन्दी के अधिकारी विद्वानों और सम्मेलन-पत्रिका
(प्रयाग), 'आज' (वाराणसी) तथा 'हिन्दी-वाङ्मय' पत्र-
पत्रिकाओं द्वारा भूरिशः प्रशंसित । परिष्कृत संस्करण ७—००
- ७२४९ दिनकर । सं० सावित्री सिन्हा ६—५०
- *७२५० दिनकर की उर्वशी । डॉ० रमाशंकर तिवारी
'दिनकर' की नवीन काव्य कृति 'उर्वशी' के अत्यन्त सूक्ष्म परिशीलन,
मार्मिक समीक्षात्मक अध्ययन, प्रौढ़ चिन्तन एवं आधिकारिक मीमांसा ३—००
से संयुक्त संग्रहणीय ग्रन्थ है । १०—००
- ७२५१ दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय भावना । सुनीति
- *७२५२ दिव्य जीवन दर्शन । ले०-पथिक । ज्ञान, भक्ति और कर्मयोग
का समन्वय जिसके जीवन में हुआ हो ऐसे ज्ञानी भक्तयोगी
द्वारा सरल एवं मौलिक शब्दों में कपिल के सांख्य, भगवान
श्रीकृष्ण की गीता तथा विविध शास्त्रों के सिद्धान्तों का
सारभूत सङ्ग्रह इस पुस्तिका में निहित है । ०—५०

कतिपय श्रेष्ठ हिन्दी ग्रन्थ

२७७

७२५३ दीनबन्धु पण्डित । मार्जरी साक्षस-वनारसीदास चतुर्वेदी	१०—००
७२५४ दीवार ढह गई । शत्रुघ्नलाल शुक्ल	८—००
७२५५ देव ग्रन्थावली (लक्षण ग्रन्थ) । लक्ष्मीधर मालवीय । प्रथम खण्ड	२०—००
७२५६ देहरी के आर-पार । केशव प्रसाद मिश्र	५—००
७२५७ देहान्त से हट कर । कैलाश वाजपेयी	६—००
७२५८ द्विवेदी युग का हिन्दी काव्य । डॉ० रामसकल राम शर्मा	१८—००
७२५९ धर्म और समाजवाद । गुरुदत्त	६—००
*७२६० हिन्दी ध्वन्यालोक-लोचन । व्याख्याकार-आचार्य जगन्नाथ पाठक ।	
इस संस्करण में व्याख्यात्मक विशद विवेचन के साथ लोचन को भी सुस्पष्ट कर दिया गया है । सम्बद्ध विषयों के विचार से परिपूर्ण विशद भूमिका भी ग्रन्थ-गौरव के अनुकूल प्रस्तुत की गई है ।	
प्रथम उद्घोत ४—००, सम्पूर्ण ग्रन्थ १६—००	
७२६१ नई कहानी-दशा दिशा सम्भावना । श्रीधुरेश	१५—००
७२६२ नई किरण । जगन्नाथ प्रसाद मिलिन्द	५—००
*७२६३ नगरीय समाजशास्त्र । श्री कौशलकुमार राय । प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में नगरीय समाजशास्त्र का पठन-पाठन आरंभ हो गया है । लेकिन इस विषय पर हिन्दी में कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं थी । इसी अभाव की पूर्ति के हेतु प्रस्तुत पुस्तक की रचना की गई है ।	
	८—००
७२६४ नदी यशस्वी है । नरेश मेहता	९—००
७२६५ नन्ददास । रमेश कुमार खहर	१५—००
७२६६ नन्ददास । जीवनी और काव्य । डॉ० भवानीदत्त उग्रैती	१२—००
७२६७ नयी कहानी की भूमिका । कमलेश्वर	८—००
७२६८ नरेन्द्र शर्मा और उनका काव्य । लक्ष्मी नारायण शर्मा	६—००
*७२६९ हिन्दी नलचम्पू । व्याख्याकार—श्री कैलाशपति त्रिपाठी ।	
इसकी विमर्शपूर्ण हिन्दी व्याख्या में श्लोकों की व्याख्या के साथ चण्डपाल की संस्कृत व्याख्या की भी सविमर्श व्याख्या की गई है । अनेकार्थ श्लोकों की व्याख्या भी विविध रूप से प्रस्तुत है । इसकी समालोचनात्मक लगभग १०० पृष्ठ की बृहत् भूमिका छात्रों के लिए अधिक उपयोगी है । प्रथम उच्छ्वास २—००, १-२ उच्छ्वास ३—००	
	सम्पूर्ण ११—००
७२७० नव्य हिन्दी नाटक । डा० सावित्री स्वरूप	१५—००
*७२७१ नागरिकशास्त्र । (सचित्र) हनुमानप्रसाद शर्मा ।	
नागरिक शास्त्र की सर्वाङ्गपूर्ण जानकारी उत्तम क्रम से दी गई है । भाषा एवं विषय-प्रतिपादन-शैली अत्यन्त सरल है ।	
	०—७५
७२७२ नायक-नायिका भेद और राग-रागिणी वर्गीकरण—तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० प्रदीप कुमार दीक्षित	१२—००
७२७३ नारी का मन । विश्वम्भर 'मानव'	५—५०
७२७४ निबन्ध और निबन्ध । डॉ० इन्द्रनाथ मदान	१५—००

७२७५ निबन्ध-शेखर । श्री महेशचन्द्र गर्ग

परीक्षार्थी छात्रों की निबन्ध-कला-विषयक कठिनाई इस पुस्तक से दूर हो गई है। इसमें दिए गए निबन्ध आधुनिकतम विचारों तथा साहित्यिक मनोरंजन से परिपूर्ण हैं और निबन्ध-लेखन-कला के लिये अभिनव दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

५-००

*७२७६ निबन्ध-सौरभ । ले० श्री वावूलाल मिश्र । इसमें लघुकाय निबन्ध अत्यन्त सरल भाषा और ऋजु शैली में लिखे गए हैं। इनसे निबन्ध के विषय में छात्रों का मार्ग अधिक प्रशस्त होगा।

१-२५

७२७७ निमाड के सन्त कवि सिंगाजी । डॉ० रमेशचन्द्र गङ्गराडे

८-००

७२७८ निराला काव्य का अध्ययन । मगीरथ मिश्र

४-००

*७२७९ हिन्दी निरुक्त । व्याख्या०—प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' ।

सुविशद व्याख्या अनुसन्धानात्मक टिप्पणियाँ, अन्त में वैदिक मन्त्रों का हिन्दी अनुवाद तथा आदि में सर्वाङ्गपूर्ण सुविशद समालोचनात्मक भूमिका । १ से ४ तथा ७वाँ अध्याय

७-५०

*७२८० हिन्दी न्यायकुसुमाञ्जलि । हरिदासी टीका सहित । व्याख्याकार : आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि । इसकी विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या में शास्त्रार्थ के दुरूह स्थलों पर इतना गंभीर विवेचन किया गया है कि यह व्याख्या न्यायकुसुमाञ्जलि पर हिन्दी में एक मौलिक रचना बन गई है।

६-००

*७२८१ हिन्दी न्यायदर्शन । (वात्स्यायनभाष्य सहित) व्याख्याकार—पं० डुँडिराज शास्त्री । इस ग्रन्थ में सरल हिन्दी भाषा में मूल ग्रन्थ तथा भाष्य की जो व्याख्या की गई है उससे न्यायदर्शन में प्रथम बार ही इतनी सरलता आ सकी है।

ग्रन्थस्य

७२८२ पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य का इतिहास । चन्द्रकान्त वाली

१५-००

*७२८३ पञ्चामृत । सम्पादक : प्रो० गौतम हंसवंशी । सुर-तुलसी-केशव-बिहारी-भूषण—के काव्यों के अंश इसमें वृत्त, शब्दार्थ, भावार्थ, टिप्पणी आदि सहित उपनिबद्ध हैं

३-००

७२८४ पथ के पुनीत पाँव । मुकुल

५-५०

*७२८५ पथचिह्न । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ।

इस ग्रन्थमें भाषा और शैली के साथ भावुकताके अनुपम दर्शन होते हैं

१-५०

*७२८६ परिक्रमा । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ।

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी जी के शब्दों में—भारतीय साहित्य और जीवन की इस परिक्रमा में कालिदास, रवीन्द्र, पन्त, महादेवी आदि का समालोचना एवं संस्मरणों का मणिकांचन योग है। शैली प्राञ्जल, प्रवाहपूर्ण एवं सरस है। अभिनव प्रकाशन

४-००

७२८७ पलकों की ढाल । आनन्दप्रकाश जैन

५-००

७२८८ पशु अभिजनन एवं सुधार । राणा-वर्मा

१०-००

- ७२८९ पशु पालन । एस० एस० चौधरी ८—००
- ७२९० पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया । डॉ० मिथिलेश कान्ति-
डॉ० विमलेश कान्ति १०—००
- *७२९१ पाणिनिकालीन भारतवर्ष । (पाणिनिकृत अष्टाध्यायी का
सांस्कृतिक अध्ययन) डा० वासुदेवशरण अग्रवाल ।
अष्टाध्यायी के साथ ही महर्षि पाणिनिकालीन भारतीय जीवन तथा
संस्कृति का भी विस्तृत प्रामाणिक अध्ययन । ग्रन्थान्त में ३०००
शब्दों की अकारादि क्रमसूची । १५—००
- ७२९२ पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा । डॉ० सावित्री सिन्हा १०—००
- ७२९३ पाश्चात्य काव्य शास्त्र—सिद्धान्त और वाद । सं० राजकुमार कोहली २५—००
- *७२९४ पुराण विमर्श । ले० आचार्य बलदेव उपाध्याय । इसमें
ऐतिहासिक पद्धति से पुराण की आलोचना विद्यमान है
तथा साथ ही साथ परम्परा पद्धति से पुराण विषयक
मननीय सामग्री भी संकलित है । पुराण के अनुशीलन में
यह एक नवीन दृष्टिकोण को अप्रसर करता है जो एकदम
नवीन तथा पूर्णतया विश्लेषणात्मक है । २०—००
- ७२९५ पुरातत्त्व का रोमांस । भगवतशरण उपाध्याय ६—००
- *७२९६ पुरुषार्थ । भारतरत्न डॉ० भगवानदास (शोधपूर्ण द्वितीय संस्करण) ।
मनीषी लेखक के आध्यात्मिक एवं भौतिक चिंतन का सार इस ग्रन्थ में
आज के मानव के लिये सर्ववैधोपयुक्त शैली में उपनिबद्ध है । इससे मानव-
मात्र को श्रेय : सम्पादन के लिए यथार्थ दिशा एवं प्रेरणा प्राप्त होती है ।
सम्पूर्ण वाङ्मय का सार ही इसे समझना चाहिए । १२—५०
- ७२९७ पोरस । दीमबन्धु पाण्डेय ५—००
- ७२९८ पौ फटने से पहले । सुमित्रानन्दन पन्त ८—००
- *७२९९ पौराणिक कथायें । सम्पादक—श्री हृदयराम शर्मा । पुराणों में
बिखरे हुए ७५ चरितनायकों का अपूर्व कथा-संग्रह । २—५०
- ७३०० प्रगतिशील हिन्दी कविता । डॉ० दुर्गाप्रसाद शाला १२—५०
- *७३०१ प्रतिभा-दर्शन (भाषा-तत्त्वशास्त्र) । आचार्य हरिशंकर जोशी ।
भूमिका लेखक—म. म. डॉ० गोपीनाथ कविराज । इस ग्रन्थ में
भारतीय भाषाओं के क्रमिक विकास के साथ-साथ अर्वाचीन
भाषाओं तक के भाषातत्त्वों का विशद विवेचन तीन बड़े भागों
में किया गया है । प्रत्येक विषय को सुगम बनाने के लिये स्थान-
स्थान पर चित्र और मानचित्र भी दिये गये हैं । २५—००
- ७३०२ प्रभातकुमार मुकुर्जी की कहानियाँ । अनुवादक—मदनलाल जैन ६—५०
- ७३०३ प्रमंडल अधिनियम एवं सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस । जे० पी० रस्तोगी १०—००
- ७३०४ प्रमुख शासन प्रणालियाँ । डॉ० बी० एम० शर्मा डॉ० एल० पी०
चौधरी १२—५०

- ७३०५ प्रमुख स्मृतियों का अध्ययन । लक्ष्मीदत्त ठाकुर ६-५०
- ७३०६ प्रयोगवाद और नयी कविता । डॉ० शम्भुनाथ सिंह ९-००
- *७३०७ प्रयोगवादी काव्य-धारा (तथोक्त नई कविता) । डा० रमाशंकर तिवारी
प्रस्तुत ग्रन्थ में 'नई कविता' कहीं जानेवाली प्रयोगवादी काव्य-
धारा का तटस्थ एवं पूर्वाग्रह-विमुक्त, विस्तृत एवं प्रामाणिक
विवेचन प्रथम बार प्रस्तुत किया गया है । इससे प्रयोगवादी धारा
को समझने तथा उसके प्रति समुचित एवं सन्तुलित न्याय बरतने
की सम्भावनाएँ निश्चित ही परिष्कृत एवं परिपुष्ट होंगी । १२-५०
- *७३०८ हिन्दी प्राकृतप्रकाश । भामहकृत ।
म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित कृत 'चन्द्रिका' नामक हिन्दी
व्याख्या में ग्रन्थ का आशय इतना सुस्पष्ट हो गया है कि उच्च कक्षा
के छात्र स्वयं ग्रन्थाशय का अनुशीलन कर सकते हैं । ५-००
- *७३०९ प्राकृत प्रबोध । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री । हिन्दी माध्यम से
प्राकृत व्याकरण के ज्ञान के लिए सर्वांगपूर्ण यह संस्करण
प्रस्तुत किया गया है । अनुवाद और निबन्ध के लिए
यह ग्रन्थ सर्वोत्तम है । ८-००
- *७३१० प्राकृत व्याकरण । श्रीमधुसूदनप्रसाद मिश्र ।
प्राकृत के सभी अङ्गों पर प्रकाश डालने वाला सर्व प्रथम प्रकाशन ५-००
- *७३११ प्राकृत साहित्य का इतिहास । प्रो० जगदीशचन्द्र जैन । वेद से
लेकर प्राचीनतम शिलालेख, प्राचीन नाटक, कथाग्रन्थ आदि के
व्यापक समीक्षण और समालोचनापूर्वक अपने विषय का यह
ग्रन्थ हिन्दी साहित्य में प्रथम बार अवतरित हुआ है । २०-००
- ७३१२ प्राचीन कवि केशवदास । सं० ए० चन्द्रहासन ९-००
- ७३१३ प्राचीन भारत का भौगोलिक स्वरूप । डॉ० अवध बिहारीलाल
अवस्थी १०-००
- *७३१४ प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड । डॉ० हरिहरनाथ
त्रिपाठी । वैदिक काल से लेकर आज तक के एतद्विषयक सम्पूर्ण
भारतीय साहित्य के पर्यालोचन के साथ ही विदेशी व्यव-
स्थाओं और मान्यताओं का भी परिचय इस पुस्तक में
प्राप्त होता है । ६-००
- ७३१५ प्राचीन भारत में जनतंत्र । डॉ० देवीदत्त शुक्ल ५-५०
- ७३१६ प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ । परमात्माशरण १८-००
- ७३१७ प्राचीन भारत में संगीत । धर्मावती श्रीवास्तव १५-००
- *७३१८ प्राचीन भारतीय मिट्टी के वर्तन । डॉ० रायगोविन्दचन्द्र । भारत
के विभिन्न स्थलों पर खोदाई में जो मिट्टी के वर्तन प्राप्त हुए हैं
उनके कलात्मक आकारों के आधार पर भारतीय सभ्यता के
विकास का आरम्भ से लेकर गुप्तकाल तक का इतिहास इस
पुस्तक में वर्णित है । १२-००

*७३१९ प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति। डॉ० राजबली पाण्डेय।

प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति का सर्वांगीण विवेचन तथा भारतीय जीवन एवं मान्यताओं का एक सन्तुलित चित्र अधिकारी विद्वान् द्वारा इस ग्रन्थ के सीमित आकार में प्रस्तुत किया गया है। तथ्य और विचार की प्रधानता होते हुए भी शैली अति सरस है।

यन्त्रस्य

७३२० प्राचीन यूनान का इतिहास। शैलेन्द्रप्रसाद। प्रथम भाग १०—००

७३२१ प्राच्य धर्म और पाश्चात्य विचार। डॉ० राधाकृष्णन। अनुवादक—उमापतिराय चन्द्रेल १५—००

७३२२ प्रायोगिक मौक्तिकी। डॉ० निहालकरण मेठी-डॉ० बनारसीलाल कुलश्रेष्ठ १२—००

*७३२३ प्रारम्भिक भूगोल। (सचित्र) भूगोल का प्रारम्भिक ज्ञान कराने

में इसके समान दूसरी कोई सरल पुस्तक नहीं है। २—५०

७३२४ प्रारम्भिक मनोविज्ञान। एस० एन० मोहसिन ५—५०

७३२५ प्रेमचन्द : एक कृति—व्यक्तित्व। जैनेन्द्र कुमार १२—००

७३२६ प्रेमचन्द और उनका युग। रामविलास शर्मा ७—५०

७३२७ प्रेमचन्द प्रतिभा। सं० डॉ० इन्द्रनाथ मदान १०—००

७३२८ प्रेमदान। करणादान ७—००

७३२९ चर्चन का परवर्ती कान्य। डॉ० श्यामसुन्दर घोष ६—००

७३३० बदलती करवटें। मनमोहन सहगल १२—००

७३३१ बनते बिगड़ते संदर्भ। निहालचन्द वर्मा ६—००

७३३२ बबूल। विवेकीराय ५—००

७३३३ बाँदी। गुलाम कुदूस ६—००

*७३३४ बार्हस्पत्य राज्य व्यवस्था। डा० राघवेन्द्र वाजपेयी।

राजनीति के प्रमुख आचार्य बृहस्पति ने राज्य-शासन

तथा राज्य-प्रबन्ध के लिये जिन विधि-विधानों का आदेश

दिया है उन पर पाण्डित्यपूर्ण आलोचनात्मक दृष्टिकोण

प्रस्तुत पुस्तक में दर्शनीय है। इससे वर्तमान भारतीय

राज्य-व्यवस्थाके गुण-दोषों पर अनजाने ही पर्याप्त प्रकाश

पड़ जाता है। राजनीति के क्षेत्र में यह अभिनव ग्रन्थ है। १०—००

७३३५ बाबूमीकि और तुलसी—साहित्यिक मूल्यांकन। डॉ० रामप्रकाश २५—००

अग्रवाल

६—५०, ८—००

७३३६ बिहारी। सं० ओमप्रकाश

२०—००

७३३७ बीमस्स रस और हिन्दी साहित्य। डॉ० कृष्णमोहन शारी

१२—००

७३३८ बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य : नए संदर्भ। लक्ष्मीसागर वाण्येय

७—५०

७३३९ बुन्देलखण्ड की प्राचीनता—भाषावैज्ञानिक, ऐतिहासिक एवं

५—००

भौगोलिक अनुशीलन। भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री'

८—००

७३४० बूँद नेह की दीप हृदय का। महेन्द्र भटनागर

६—००

७३४१ बे बात की बात। डॉ० आत्मानन्द मिश्र

- ७३४२ बैसाखियों वाली इमारत । रमेश वक्षी ५—००
- ७३४३ बौद्ध और जैन आगमों में नारी जीवन । डॉ० कोमल चन्द्र जैन १५—००
- *७३४४ बौद्ध-दर्शन-मीमांसा । बलदेव उपाध्याय । सरल भाषा में बौद्ध-दर्शन का आद्योपान्त परिचय । द्वितीय परिष्कृत संस्करण ६—००
- *७३४५ बौद्ध न्याय । (हिन्दी रूपान्तर) मूल लेखक : एफ० टी० शर्माटुस्की । रूपान्तरकार- डॉ० रामकुमार राय ।
प्रस्तुत ग्रन्थ में दिङ्नाग तथा उनके अनुयायियों, विशेषतः धर्मकीर्ति द्वारा प्रवर्तित महायान सम्प्रदाय के बौद्ध न्याय का एक सर्वाङ्गपूर्ण इतिहास तथा विवेचन प्रस्तुत है । प्रथम भाग में भारतीय न्यायशास्त्र, मध्य एशिया में उसके प्रचार-प्रसार का विवेचन तथा दिङ्नाग के प्रामाण्यवाद आदि का अध्ययन है । द्वितीय भाग प्रमुखतः धर्मकीर्ति के न्याय बिन्दु तथा उस पर धर्मोत्तर की टीका का अनुवाद है । इस भाग में कुछ परिशिष्टों में तिब्बती भाषा के न्यायशास्त्रीय ग्रन्थों तथा हिन्दू नैयायिकों के बौद्धन्याय पर किये गये आक्षेपों से सम्बद्ध संस्कृत न्यायग्रन्थों के उद्धरणों का भी अनुवाद है ।
प्रथम भाग शीघ्र प्राप्त होगा।
- ७३४६ ब्रज और ब्रजयात्रा । सम्पादक—सेठ गोविन्ददास-रामनारायण अग्रवाल । वैदिक युग से लेकर वर्तमान समय तक के ब्रज का परिचय इस ग्रन्थ में उपलब्ध है । ब्रजयात्रा की परम्परा का इतिहास इसी ग्रन्थ द्वारा पहली बार प्रकाश में आया है । ५—५०
- ७३४७ ब्रज साहित्य का इतिहास । डॉ० सत्येन्द्र ३५—००
- *७३४८ हिन्दी ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य (चतुःसूत्री) ।
व्याख्याकार—आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि ।
हिन्दी-अंग्रेजी के छात्रों तथा पारमार्थिक ज्ञान के इच्छुक जनों के लिये यह उपयोगी संस्करण है । ५—००
- *७३४९ हिन्दी ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय
विरचित प्राच्य-पाश्चात्य-उभय-मत-समन्वयात्मक सुविशद भूमिकादि सहित । व्याख्याकार—स्वामी हनुमानप्रसाद षट्शास्त्री ।
प्राचीन विद्वत्ता तथा कठोर तपस्या के साधिकार योग से प्रसूत प्रस्तुत व्याख्या बड़ी सहज तथा सरल है । ऐसा कोई पद नहीं छूटा है जिसकी स्पष्ट व्याख्या न हुई हो । ग्रन्थ लगाने के लिये यह सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है । छात्र, अध्यापक, जिज्ञासु, सुमुख सभी वर्ग के व्यक्तियों के लिये अत्यन्त उपयोगी है । विश्वविद्यालयीय परीक्षार्थियों के लिये इसकी भूमिका मात्र ही पर्याप्त है । प्रथम भाग १-२ अध्याय १५—००
द्वितीय भाग ३-४ अध्याय १५—०० संपूर्ण १-२ भाग ३०—००
- ७३५० ब्रिटिश संविधान की रूपरेखा । शुभदा तैलंग ६—००

***७३५१ भक्ति का विकास । डॉ० मुंशीराम शर्मा**

परमपुरुषार्थरूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में जितना कुछ जानना आवश्यक है वह सब मनोवैज्ञानिक दृष्टि से इस ग्रंथ में वर्णित है। इसके अध्ययन से आत्मकल्याण का सर्वसम्मत मार्ग अनायास सुलभ होगा।

२०—००

७३५२ भक्तिकाव्य में माधुर्य भाव का स्वरूप । डॉ० जयनाथ नलिन

२५—००

***७३५३ भक्तितरंगिणी । डॉ० मुंशीराम शर्मा ।**

भक्ति-भाव से ओतप्रोत वेदमन्त्रों का सरस हिन्दी गीतों में अनुवाद। भक्ति-तरंगिणी अध्यात्म पथ के यात्रियों के लिये अनुपम सम्बल सिद्ध होगी।

३—००

७३५४ भातखण्डे स्मृति खण्ड । सं० प्रभाकर नारायण चिंचोरे

२५—००

***७३५५ हिन्दी भामिनी-विलास । पण्डितराज जगन्नाथ विरचित ।**

व्याख्याकार—श्री राधेश्याम मिश्र ।

प्रस्तुत ग्रन्थ में कवि की अनूठी प्रतिभा का विलास दर्शनीय है। प्रायः सभी विषयों पर एक-से एक बढ़कर उपदेशप्रद मार्मिक उक्तियाँ इसमें आद्यन्त हैं। 'व्याख्या' के अन्तर्गत जितना कुछ उस पथ के सम्बन्ध में विशेष ज्ञेय है, सब विस्तार से दिया गया है। विस्तृत भूमिका में पुस्तक से सम्बन्धित काल-विशेष की सम्पूर्ण सांस्कृतिक झाँकी प्राप्त हो जाती है। पद्यानुक्रमिका भी संलग्न है। अन्योक्तिविलास मात्र

४—००

सम्पूणे १०—००

***७३५६ भारत का भूगोल (सचित्र) । प्रो० रामस्वरूप ।**

प्रस्तुत संस्करण में भारत के भूगोल के साथ विश्व भूगोल भी सम्मिलित है। सभी विषय छात्रों की ग्रहण-योग्यतानुसार ही संग्रहित किए गए हैं तथा भूगोलसम्बन्धी नवीनतम सूचनाओं को भी स्थान दिया गया है।

१—००

७३५७ भारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास । देवनारायण अंतोपा

१०—००

७३५८ भारत की आधुनिक आर्थिक प्रगति । डॉ० पा० सी० जैन

५—५०

***७३५९ भारतीय इतिहास (सचित्र) । प्रो० रामस्वरूप ।**

३९ अध्यायों में विभक्त इस पुस्तक में वैदिक सभ्यता से लेकर अब तक का विशद इतिहास इस कौशल से उपनिबद्ध है कि कोई विषय छूटने नहीं पाया है।

१—५०

***७३६० भारतीय इतिहास की रूपरेखा । डॉ० बलराम श्रीवास्तव ।**

इसमें भारतीय इतिहास के प्रमुख तथ्य ही सूक्ष्म रूप में व्यवस्थित किए गये हैं। यथावसर चित्र और नक्शे भी दिये गए हैं।

२—५०

***७३६१ भारतीय इतिहास के स्रोत : सिक्के । (ई० जे० रैप्सन के**

'इंडियन कॉयन्स' का हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तरकार—
डॉ० रामकुमार राय ।

भारतीय सिक्कों के आधार पर विदेशी लेखक ने अनुसन्धान को क्या वैज्ञानिक रूप दिया है और कैसे चमत्कारपूर्ण निष्कर्ष निकाल कर हमें दिए हैं, यह इस ग्रन्थ को देखने से ही स्पष्ट होगा। ग्रन्थ को सर्वाङ्गपूर्ण बनाने के लिये मूल ग्रन्थ के फलकज्यों के त्यों छापे गए हैं।

११—००

*७३६२ भारतीय इतिहास-परिचय । डॉ० राजबली पाण्डेय ।

इसमें भारतीय ऐतिहासिक परम्परा का समुचित आदर के साथ उपयोग किया गया है । साथ ही इस देश के उत्थान और पतन तथा जय और पराजय को भारतीय दृष्टि से देखने का प्रयास किया गया है । भारत के प्रामाणिक, सजीव और क्रमवद्ध इतिहास के परिचय के लिये यह पुस्तक अत्यन्त उपयोगी है ।

१०—१०

७३६३ भारतीय और विदेशियों की दृष्टि में जवाहरलाल नेहरू ।

१०—००

७३६४ भारतीय कटाई सिलाई विज्ञान । शकुन्तला वर्मा

६—५०

*७३६५ भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि-सिद्धान्त । ले०—श्री राजवंश सहाय 'हीरा' ।

प्रस्तुत ग्रन्थ में रस, ध्वनि एवं अलंकार को प्रतिनिधि-सिद्धान्त मान कर उन्हीं का विवेचन किया गया है । काव्य के स्वरूप, कारण, हेतु एवं भेद, शब्दशक्ति, ध्वनि, रस, गुण एवं दोषों का वर्णन प्रमुख है । दूसरे खण्ड में अलंकारों का विश्लेषण, विशेषतः ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक दृष्टि से किया गया है । शब्दशक्तियों के वर्णन में शास्त्रार्थ वाले स्थानों पर तथा अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना के विषय में विस्तृत एवं निर्भ्रान्त विवेचन है । ग्रन्थ अपने में पूर्ण है ।

१५—००

७३६६ भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त । डॉ० कृष्णदेव शारी

८—००

७३६७ भारतीय कृषि का विकास । डॉ० मामोरिया-डॉ० उपाध्याय

१०—००

७३६८ भारतीय खेती—नया युग । शक्ति त्रिवेदी

८—००

७३६९ भारतीय ग्राम सांस्थानिक परिवर्तन और आर्थिक विकास ।

डॉ० पूरनचन्द्र जोशी

९—५०

७३७० भारतीय तत्त्वचिन्तन । श्री ब्रजभूषण पाण्डेय ।

अत्यन्त बोधगम्य भाषा एवं शैली में भारतीय मनीषियों के चिन्तनों को पल्लवित किया गया है । दर्शन के गूढ़ सिद्धान्तों की सुन्दर एवं मार्मिक व्याख्या इस ग्रन्थ की अपनी विशेषता है ।

३—५०

७३७१ भारतीय दर्शन । डॉ० वी० पी० वर्मा

१०—००

७३७२ भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण । वाचस्पति गैरोला

११—५०

*७३७३ भारतीय प्रज्ञा । (मोनियर विलियम्स कृत इण्डियन विज़डम का हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तरकार—डॉ० रामकुमार राय ।

पुस्तक में हिन्दुओं के धार्मिक, दार्शनिक और नैतिक विचारों तथा सिद्धान्तों के उदाहरणों का समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । साथ ही संस्कृत साहित्य के प्रमुख विभागों का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते हुए भारत की अतीत तथा वर्तमान नैतिक और बौद्धिक स्थिति का भी विवरण दिया गया है ।

३५—००

७३७४ भारतीय भाषाएँ और वैज्ञानिक शब्दावली । सं० ओमप्रकाश शर्मा १२—८५

*७३७५ भारतीय भाषाविज्ञान । किशोरीदास वाजपेयी । भारतीय भाषाओं का मौलिक पद्धति पर विवेचन-विरलेषण और वर्गीकरण इस ग्रन्थ का मुख्य विषय है ।

६—२५

- ७३७६ भारतीय विज्ञान के कर्णधार । सत्यप्रकाश ३०—००
- *७३७७ भारतीय व्रतोत्सव । आचार्य पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी ।
परम्परावद्ध भारतीय व्रतों के काल, विधि और फल का
धर्मशास्त्र, विज्ञान एवं युक्तिसंगत निर्देश और विवेचन । ३—००
- ७३७८ भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ । जौहरी-पाठक ९—००
- ७३७९ भारतीय शिक्षा के आयोग । पाठक-त्याग ६—००
- ७३८० भारतीय शिक्षा सिद्धान्त । सुशोध अदावल ८—००
- *७३८१ भारतीय संगीत का इतिहास । श्री शरदचन्द्र श्रीधर परांजपे ।
ऐतिहासिक दृष्टि से संगीत में शोधकार्य का फल प्रस्तुत ग्रन्थ है । यह
हिन्दी साहित्य में अपने विषय का पहला ही ग्रन्थ है । वैदिक काल से
आरम्भ कर गुप्तकाल तक का इतिहास बड़ी सूक्ष्म दृष्टि से चिन्तित तथा
विद्वत्पूर्ण ढंग से सप्रमाण वर्णित है । यन्त्रस्थ
- *७३८२ भारतीय साहित्य की रूपरेखा । डॉ० भोलाशंकर व्यास ।
वेदों से लेकर अब तक के समस्त भारतीय साहित्य—वैदिक, संस्कृत,
पालि-प्राकृत तथा अपभ्रंश साहित्य—की रूपरेखा के अलावा भारत
की सभी आधुनिक भाषाओं—हिन्दी, उर्दू, बँगला, मराठी, गुजराती,
तामिल, तेलगु, आदि—के प्राचीन तथा अद्यतन साहित्य की
गतिविधि का सुन्दर परिचय इसी एक ग्रन्थ से प्राप्त हो जाता है । ७—५०
- *७३८३ भारतीय साहित्य शास्त्र और काव्यालंकार । डॉ०
भोलाशंकर व्यास । नवीन दृष्टि से पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
के गम्भीर अध्ययन के साथ ही भारतीय साहित्यशास्त्र
की प्राचीन स्थापनाओं का प्रामाणिक तथा आधिकारिक
विवेचन प्रथम बार प्रस्तुत ग्रन्थ में उपनिबद्ध है । प्रथम भाग ८—००
- ७३८४ भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका । फतह सिंह ७—५०
- ७३८५ भारतीय स्वातन्त्र्य आन्दोलन और हिन्दी साहित्य । डॉ० कीर्तिलता १५—००
- *७३८६ भारवि काव्य में अर्थान्तरन्यास । ले० उमेश प्रसाद
रस्तोगी । प्रस्तुत ग्रन्थ में भारवि के जन्मकाल, स्थान तथा
काव्य का परिचय देते हुए प्रवाहपूर्ण भाषा तथा मार्मिक
शैली में उनके अर्थान्तरन्यास सम्बन्धी काव्य, कवित्व
तथा प्रतिभा का समुचित विवेचन तथा यथार्थ विश्लेषण
किया गया है । ६—००
- ७३८७ भावी भारत की रूपरेखा । बी० जी० वर्गीज १२—५०
- *७३८८ भाषाविज्ञान (भारतीय) पं० किशोरीदास बाजपेयी ।
भारतीय भाषाओं का मौलिक पद्धति पर विवेचन-
विश्लेषण और वर्गीकरण । ६—२५
- *७३८९ भाषावैज्ञानिक संस्कृत व्याकरण । डॉ० लालरमायदुपाल सिंह यन्त्रस्थ
- ७३९० भास की भाषा सम्बन्धी तथा नाटकीय विशेषताएँ ।
दो० जगदीशदत्त दीक्षित १५—००

- ७३९१ भू-रूप विज्ञान एवं भू स्वरूप विधान । प्रताप सिंह १०—००
- ७३९२ अमरगीत का काव्य वैभव । डॉ० मनमोहन गीतम ५—००
- ७३९३ अमरगीत सार । विशदभाष्य । राजनाथ शर्मा १०—००
- ७३९४ मंत्र-विद्ध । राजेन्द्र यादव ३—५०
- *७३९५ मधुपर्क । श्री देवीरत्न अवस्थी 'करील' ।
 ब्रजभाषा के ललित पद्यों में कृष्णचरित दर्शन के माध्यम से यह काव्य जनतन्त्र की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है तथा भारतीयों के मन में देशप्रेम एवं वीर-भावों को उदबुद्ध कर सकने में पूर्ण समर्थ है । यह अभिनव ललित काव्य बड़े कौशल से रचा गया है । यन्त्रस्थ
- ७३९६ मधुर स्वप्न । राहुल सांकृत्यायन ६—००
- ७३९७ मध्यकालीन भारतीय संस्कृति । आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव ७—५०
- *७३९८ मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद । डॉ० कपिलदेव पाण्डेय
 भू० ले०-डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।
 इस ग्रन्थ में वैदिक साहित्य से लेकर उत्तर-मध्यकालीन साहित्य तक के अवतारवादी रूपों और प्रवृत्तियों का विशद विवेचन किया गया है । एकत्र ही वेद, ब्राह्मण, उपनिषद्, महाकाव्य, पुराण, गीता, आगम तथा बौद्ध, जैन, नाथ, शैव, शाक्त, सन्त, सूफी, भागवत, पांचरात्र आदि साम्प्रदायिक साहित्यों के विभिन्न अवतारवादी तत्त्वों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है । साथ ही दशावतार, चौबीस अवतार, राम, कृष्ण, अर्चा, आचार्य, भक्त आदि विविध अवतारों का भी मौलिक विवेचन हुआ है । अन्त में अवतारवाद के मानवशास्त्रीय (एन्थ्रोपोजिकल), ऐतिहासिक, दार्शनिक, साहित्यिक तथा मनोवैज्ञानिक अध्ययन की विभिन्न विचारधाराओं पर भी यथेष्ट विचार किया गया है । समस्त ग्रन्थ में अवतारवाद और भक्ति से सम्बद्ध सैकड़ों पारि-भाषिक शब्दों पर स्वतन्त्र शोधपूर्ण विस्तृत निबन्ध लिखे गये हैं, प्राचीन एवं मध्यकालीन शोधकों के लिए यह सन्दर्भ ग्रन्थ अत्यन्त महत्त्वपूर्ण और उपादेय है । ३०—००
- ७३९९ मध्य पहाड़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन । गोविन्दचातक १०—००
- ७४०० मध्ययुगीन कृष्ण काव्य में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति । हरगुलाल १८—००
- ७४०१ मनुष्य की उत्पत्ति और मानव जातियाँ । भूपेन्द्रनाथ सन्याल ५—००
- ७४०२ मनोमती । रजनिकान्त वर्दलै । अनुवादक-लोकनाथ भराली ५—००
- *७४०३ मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य । डॉ० शिवशङ्कर अग्रवस्थी ।
 इस ग्रंथ में तान्त्रिक शब्द-दर्शन की स्पष्ट एवं मार्मिक व्याख्या की गई है । शैव-शाक्त तन्त्रों, सम्बद्ध टीकाओं, रहस्यमयी स्तुतियों, व्याकरणागम तथा सूतसंहितादि ग्रन्थों के मूल उद्धरण द्रष्टव्य हैं । चार सुविशद परिशिष्टों में अतिरिक्त उपयोगी सामग्री दी गई है । हिन्दी भाषा का यह सर्वप्रथम ग्रन्थ है जिसमें तन्त्र जैसे दुर्लभ विषय का व्यवस्थित और बोधगम्य स्वरूप देखने को मिलेगा । १६—००

*७४०४ मन्दाकिनी । डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री

संस्कृत-साहित्य से सम्बन्ध रखने वाली वार्ताओं और प्राचीन
महाकवियों की रचनाओं का पठनीय और मननीय संग्रह ।

१—२५

७४०५ मराठी का आधुनिक साहित्य (१८०५-१९६०) डॉ० गो० देशपाण्डे १२—५०

*७४०६ मराठी का भक्ति साहित्य । प्रो० भी० गो० देशपाण्डे ।

मराठी के भक्तिसाहित्य के विभिन्न काव्यरूपों के मूलस्रोत और विकास
का मनोवैज्ञानिक ढङ्ग से पल्लवित हिन्दी संस्करण ।

साधारण संस्करण ८—०० राजसंस्करण १०—००

*७४०७ महाकवि कालिदास । (देव-पुरस्कार से पुरस्कृत) डॉ० रमाशंकर

तिवारी । अब तक उपलब्ध सम्पूर्ण सामग्री का विवेकपूर्ण उप-
योग कर कालिदास का देश-काल तथा उनकी सौन्दर्य भावना,
प्रेम भावना, काव्यादर्श, लोकादर्श आदि विषयों की १८
अध्यायों में प्रामाणिक विवेचना की गई है ।

८—००

*७४०८ महाकवि भवभूति । डॉ० गङ्गासागर राय । इस ग्रन्थ में

महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व तथा कृतियों का साङ्गोपाङ्ग
विवेचन तथा उनकी रससिद्ध वाणी का यथार्थ मूल्याङ्कन
प्रस्तुत किया गया है । अनुसन्धानपूर्ण परिशिष्ट बड़े श्रम
से संकलित किए गए हैं ।

५—००

*७४०९ महाकवि भास : एक अध्ययन । आचार्य बलदेव उपाध्याय

इसमें भास के नाटकों का परिचय, समीक्षण, तत्कालीन देश-
काल की स्थिति, भास के समय आदि का प्रामाणिक तथा साङ्गोपाङ्ग
विवेचन किया गया है ।

४—००

*७४१० महाकवियों की अमर रचनाएँ (सचित्र) श्री चक्रधर शर्मा ।

हिन्दी में संस्कृत के विशिष्ट महाकवियों का परिचय और उनकी प्रमुख
रचनाओं का आस्वाद कराने के उद्देश्य से विद्वान् लेखक ने जो अपनी
रसमयी प्रतिभा का कौशल दिखाया है वह वस्तुतः देखने योग्य है

२—००

*७४११ महाकवि शूद्रक । आचार्य रमाशंकर तिवारी ।

प्रस्तुत पुस्तक में शूद्रक सम्बन्धी अद्यावधिक सम्पूर्ण अध्ययन का
विवेचनात्मक आलोचन कर, मृच्छकटिक के रचयिता के ऊपर पहली
बार विशद एवं प्रामाणिक प्रकाश डाला गया है । उपपादन की शैली
नितांश तर्कपूर्ण एवं व्यवस्थित है तथा शूद्रक सम्बन्धी अनेक कल्पनाओं
एवं मान्यताओं का अत्यन्त सुन्दर तथा सन्तुलित विवेचन इसमें
उपलब्ध है ।

१२—५०

*७४१२ महाकवि सुब्रह्मण्य 'भारती' एवं महाकवि सूर्यकान्त त्रिपाठी
'निराला' के वाक्यों का तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० पी० जयरामन २०—००

*७४१३ महाकवि सूरदास और अमरगीत । डॉ० शंकरदेव अवतरे १०—००

*७४१४ महादेवी संस्मरण ग्रन्थ । सं० सुमित्रानन्दन पन्त-शान्ति जोशी १८—००

*७४१५ महाभारतकोष (महाभारत के नामों और विषयों की व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका ।) रचनाकार : डॉ० रामकुमार राय । प्रस्तुत ग्रंथ में महाभारत के नामों तथा विषयों की सर्वाधिक विस्तृत, वैज्ञानिक तथा व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत की गई है । सन्दर्भ संकेत पर्व, अध्याय, और श्लोक-संख्याओं में दिए गए हैं ।

प्रथम भाग (अ-क)

२०—००

द्वितीय भाग (ख-द) २०—००

१-२ भाग ४०—००

शेषभाग शीघ्र प्राप्त होंगे ।

७४१६ महारास (महाकाव्य) नरेशचन्द्र मिश्र 'भञ्जन'

यह काव्य हिन्दी काव्य साहित्य में एक अनूठी कृति है । प्रत्यक्ष रूप से गोपियों और श्रीकृष्णचन्द्र के रास का कवित्वपूर्ण हृदयग्राही वर्णन किया गया है, जिसमें दार्शनिक विचार अन्तर्निहित हैं । काव्य प्रेमियों और भक्तों को इससे अवश्य ही आनन्द प्राप्त होगा ।

५—००

७४१७ माटी के लोहा सोने की नैया । माथानन्द मिश्र

६—००

*७४१८ मानक हिन्दी व्याकरण । आचार्य रामचन्द्र वर्मा । इस व्याकरण का उद्देश्य राष्ट्रभाषाप्रेमियों को बहुत सहज में और मनोरंजक

ढंग से शुद्ध हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना है ।

२—००

७४१९ मानचित्रकलाप्रकाश । विश्वनाथ तिवारी

१०—००

७४२० मानव और संस्कृति । डॉ० इयामाचरण दुवे

७—५०

७४२१ मानवभूगोल । डॉ० रामस्वरूप वशिष्ठ

१०—००

७४२२ मानवीय ज्ञान के सिद्धान्त । जार्ज वर्कले । अनुवादक-मगवान बल्शसिंह । प्रथम भाग तान संवाद

८—५०

७४२३ मानस अनुशीलन । शंभुनारायण चौबे

१६—७५

७४२४ मानस मंथन । डॉ० स्वामीनाथ शर्मा

११—६०

*७४२५ मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल ।

प्राध्यापक : वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय ।

इस ग्रन्थ में अध्यायक्रम से मार्कण्डेय पुराण का सम्पूर्ण कथा-सूत्र पूर्ण से सुरक्षित रखा गया है; कथा की परम्परा में कहीं भी त्रुटि नहीं आने पाई है । कथावाचक और अनुसंधानकर्ता दोनों के लिए यह ग्रन्थ समान रूप से उपयोगी है ।

४—५०

७४२६ मुकद्दमा-ए-शेर ओ-शायरी । मौलाना अस्ताफ़ हुसैन 'हाली' ।

अनुवादक-हंसराज रङ्गवर

७—५०

७४२७ मुख्यमंत्री । चाणक्य सेन

८—००

*७४२८ मूल संस्कृत उद्धरण (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) ।

मूल लेखक-प्रो० जे० मूडर । सम्पादक और अनुवादक :

डॉ० रामकुमार राय । १-५ भागों में संपूर्ण । प्रथम से

चतुर्थ भाग प्रस्तुत है । मूल्य प्रत्येक भाग

२०—००

पञ्चम भाग शीघ्र प्राप्त होगा

- ७४२९ मेरी जीवन यात्रा । राहुल सांकृत्यायन । २-५ भाग ३८-००
- *७४३० मोहन की वंशी (भजन संग्रह) । डॉ० ब्रजमोहन । कृष्ण-भक्ति की तन्मयता में साधक के हृदय की सहज गति से विगलित भाव-धारा इस पुस्तक में अत्यन्त सरल एवं स्वाभाविक पदों के रूप में आवद्ध की गई है । ०-७५
- ७४३१ रंग-जंग और व्यंग । गोपाल प्रसाद व्यास ५-००
- ७४३२ रमण महर्षि । आर्थर आस बोन ५-००
- *७४३३ हिन्दी रसगंगाधर । व्याख्याकार—आचार्य मदनमोहन शास्त्री । इसकी आधुनिक सुविस्तृत हिन्दी व्याख्या होने से सोने में सुगन्धि पैदा हो गयी है । यह हिन्दी व्याख्या केवल संस्कृत छात्रों के लिए ही नहीं प्रत्युत हिन्दी अंग्रेजी छात्रों की विशेष कठिनाइयों को ध्यान में रख कर प्रस्तुत की गयी है । इसकी समालोचनात्मक विशाल हिन्दी प्रस्तावना भी छात्रों के लिए अधिक उपादेय है । प्रथमानुस पर्यन्त प्रथम भाग ९-००
द्वितीयानुस का उत्प्रेक्षा निरूपणान्त द्वितीय भाग १६-००
अतिशयोक्त्यलङ्कारादि समाप्ति पर्यन्त तृतीय भाग २०-००
सम्पूर्ण १-३ भाग ४५-००
- *७४३४ हिन्दी-रसमञ्जरी । 'सुरभि' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । आचार्य बदरीनाथ झा विरचित संस्कृत व्याख्या के साथ पं० जगन्नाथ पाठक कृत सुविस्तृत सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या छात्रों के लिये अत्यन्त उपयोगी है । ५-००
- *७४३५ रसराम । कविवर मतिराम । आचार्य रामजी मिश्र रचित हिन्दी व्याख्या सहित । ७-५०
- ७४३६ रस सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र । निर्मला जैन ३०-००
- *७४३७ राजतरंगिणी-कोश । डॉ० रामकुमार राय । कल्हण कृत राजतरङ्गिणी का यह कोश हिन्दी में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया जा रहा है । इसमें राजतरङ्गिणी में आये प्रायः सभी नामों और विषयों की ससन्दर्भ व्याख्या प्रस्तुत की गई है । साथ ही लेखक ने एक विस्तृत भूमिका में कल्हण के व्यक्तित्व और कृतित्व का विवेचन करते हुये विभिन्न विषयों, जैसे राजनीति, समाजशास्त्र, धर्म, और नीति आदि से सम्बद्ध उनके विचारों को प्रस्तुत किया है । राजतरङ्गिणी में आये विभिन्न राजाओं की वंशावलियों तथा कालक्रमगत तालिकाओं का भी भूमिका के अन्तर्गत समावेश किया गया है । १५-००
- *७४३८ राजनय के सिद्धान्त और व्यवहार । श्रीमती कृष्णा राय । आज अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में फैली विषमताओं और शान्ति समस्याओं को देखते हुए इस विषय की जानकारी और भी आवश्यक हो गयी है । अतः सरल एवं सुस्पष्ट उदाहरणों द्वारा इसे अधिकाधिक बोधगम्य बनाने की चेष्टा की गयी है । ५-००

- ७४३९ राजनीति और इतिहास के निबन्ध । डॉ० पी० आर० साहनी ७—१०
- ७४४० राजनीति विज्ञान एवं संगठन के मूल सिद्धान्त ।
गुरुमुख निहाल सिंह १२—५०
- ७४४१ राजनीति शास्त्र के प्रमुख निर्माता । डॉ० वी० एम० शास्त्री—
डॉ० एल० पी० चौधरी ६—००
- ७४४२ राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन (भारतरत्न) व्यक्तित्व एवं संस्मरण । ९—००
- ७४४३ राजस्थान : स्वतंत्रता के पहले और बाद । सं० चन्द्रगुप्त वर्ण्य २५—००
- ७४४४ राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा । अगरचन्द नाहटा ७—५०
- ७४४५ राज्य की दार्शनिक विचारधारा । डॉ० बर्नार्ड बोसांके । अनुवादक—
कृष्णचन्द्र जोशी ६—००
- ७४४६ रामजन्म । सन्त सुरजदास कृत । सं० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी ४—५०
- *७४४७ राष्ट्रभारती । श्री कृष्णापति त्रिपाठी । वाराणसी की प्रथमा, परीक्षा
में पाठ्य स्वीकृत उत्तम संकलन । १—५०
- ७४४८ राष्ट्रभारती—हिन्दी का मिशन । काका साहेब कालेलकर २०—००
- ७४४९ राष्ट्रभाषा का शुद्ध रूप । निगमानन्द परमहंस ६—००
- *७४५० राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण । पं० केदारनाथ शर्मा ।
राष्ट्रभाषा के व्यापक प्रचार और प्रसार की दृष्टि से हिन्दी का यह
व्याकरण गण्यमान्य विद्वानों की नवीनतम शैली से लिखा गया है १—२५
- ७४५१ रासलीला : एक परिचय । सम्पा०—सेठ गोविन्ददास-रामनारायण
अग्रवाल । रासलीलाओं के प्राचीन रंगमंच पर यह एक
महत्वपूर्ण परिचय ग्रन्थ है जिसमें साहित्य, संगीत और कलाक्षेत्र
के अधिकारी विद्वानों ने शोधपूर्ण मौलिक निबन्ध लिखे हैं । २—५०
- ७४५२ राहुल सांकृत्यायन का कथा साहित्य । डॉ० प्रभाशंकर मिश्र १५—००
- ७४५३ रीछ । विश्वम्भर नाथ उपाध्याय १६—००
- ७४५४ रीतिकाल और आधुनिक हिन्दी कविता । डॉ० रमेशकुमार शर्मा ८—००
- ७४५५ रीतिकालीन काव्य में लक्षणा का प्रयोग : एक आलोचनात्मक
अध्ययन । डॉ० अरविन्द पाण्डेय १७—५०
- ७४५६ रुकोगी नहीं, राधिका ! उपा प्रियम्बदा ५—००
- ७४५७ रेयन तथा सिन्थेटिक फाइबर्स । डॉ० अभय सिन्हा ११—००
- ७४५८ रेवती । मिश्र ६—००
- ७४५९ लक्षणा और उसका हिन्दी काव्य में प्रचार । डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी १६—००
- ७४६० लहर और किनारा । श्यामलाल 'मधुप' ६—००
- ७४६१ लाख और चपड़ा । फूलदेव सहाय वर्मा १०—००
- ७४६२ लाल गुलाब । श्यामलाल 'मधुप' १०—००
- ७४६३ लोक प्रशासन । अवस्थी-माहेश्वरी १५—००
- *७४६४ लौकिक संस्कृत साहित्य । (Classical Sanskrit Lite-
rature by A.B. Keith) अनुवादक : चारुचन्द्र शास्त्री ।
अनुवाद में स्थान-स्थान पर मूल ग्रंथों के उद्धरण देकर बड़े श्रम
के साथ ग्रन्थ का सम्पादन हुआ है । ७—५०

- *७४६५ लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । मूल लेखक :
डॉ० गौरीनाथ शास्त्री, उपकुलपति, वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय ।
प्रस्तुत संस्करण लेखक के मूल अंग्रेजी 'A Concise History of
Classical Sanskrit Literature' ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद है ।
अंग्रेजी संस्करण अपना संक्षिप्त सीमा में लौकिक संस्कृत साहित्य के
एक अत्यन्त व्यापक तथा यथातथ्य विवेचन के कारण विद्यार्थियों में
अत्यन्त लोकप्रिय रहा है । इसे हिन्दीभाषी विद्यार्थियों को सुलभ बनाने
के उद्देश्य से ही हम हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत कर रहे हैं । एक बार ग्रन्थ
के अवलोकन से इसकी उपयोगिता का लाभ स्वयं स्पष्ट हो जायगा । ९—००
- *७४६६ हिन्दी वक्रोक्तिजीवित । व्याख्याकार—श्री राधेश्याम मिश्र ।
विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, समालोचनात्मक प्रस्तावना
विविध-परिशिष्ट-विभूषित संग्राह्य संस्करण । १५—००
- ७४६७ वनस्पति कोश । डॉ० सुधांशुकुमार जैन १०—००
- *७४६८ वन्दनीय भारतीय । ले०—श्री व्यथितहृदय । छात्रों में
चरित्र के भाव दृढ़ करने के उद्देश्य से लिखी गई इस पुस्तक
में अतीत के १२ वन्दनीय भारतीयों के चरित्रों का मनन,
चिन्तन तथा उनकी जीवन-क्रियाओं का अनुशीलन
घटनाओं के माध्यम से किया गया है । छात्रों के लिये यह
सर्वाधिक आवश्यक पुस्तक है । २—८५
- ७४६९ वन्देमातरम् । रवीन्द्रनाथ बहोरे 'अज्ञात' १२—००
- *७४७० वरद पुत्र । ले०—श्री व्यथितहृदय । भारत माता के
जिन स्व-नामधन्य पुत्रों ने नवीन भारत के निर्माण के लिये
शूलियों पर शैया, कारागारों में देवमंदिरों और विदेशों
की गलियों में स्वदेश के सुखों की अनुभूतियाँ संजोई हैं
उन्हीं का त्याग, उनका स्वदेशप्रेम और उनका साहस ही
प्रस्तुत पुस्तक में विचित्र कलमों द्वारा अंकित है ।
छात्रों के लिये यह निश्चित रूप से बहुमूल्य कृति है । २—१५
- ७४७१ वाग्धारा । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ४—००
- ७४७२ वापसी । मुत्तराज आनन्द ८—००
- *७४७३ वाल्मीकि रामायण कोश । डॉ० रामकुमार राय ।
वाल्मीकीय रामायण के नामों और विषयों की सर्वप्रथम
और विस्तृत व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका, इसमें
रामायण में आने वाले प्रायः सभी नामों और प्रसङ्गों का
व्याख्या सहित स-सन्दर्भ उल्लेख है । २०—००
- ७४७४ विकासात्मक मनोविज्ञान । माई योगेन्द्र जीत ६—००

- *७४७५ विक्रमादित्य । (संवत्-प्रवर्तक) डॉ० राजवली पाण्डेय ।
सम्राट् विक्रमादित्य को ऐतिहासिक सिद्ध करनेवाला यह बहुत ही शोधपूर्ण
प्रामाणिक ग्रंथ है । इसमें वह सभी सङ्गत सामग्री एकत्र की गई है जिससे
पूर्वाग्रह रहित कोई भी पाठक अपना निष्कर्ष निकाल सकता है । १०-००
- विजय । गंगाप्रसाद विमल ५-००
- ७४७६ विज्ञान और विश्वविद्यालय । डी० एम० कोठारी ५-००
- ७४७७ विद्यापति । खगेन्द्रनाथ-विमान विहारी २५-००
- *७४७८ विद्वद्धिभूति । पं० रामचन्द्र झा ।
इस ग्रन्थ में संस्कृत भाषा के उत्कृष्टतम प्राचीन तथा नवीन, भारतीय एवं
विदेशी विद्वानों के जीवन-वृत्त सुललित हिन्दी भाषा में दिये गये हैं १-२५
- *७४७९ विविधार्थ । ले०—डा० भगवानदास । विद्वान् लेखक ने अपने
जीवन में भारतीय संस्कृति, धर्म और दर्शन का जो
सार मथकर प्राप्त किया वही अति सरल और स्पष्ट
शब्दों में इस ग्रन्थ के १२ लेखों में भरा हुआ है ।
लेखक के जीवनकाल में ही प्रकाशित हुए इस ग्रंथ का यह
दूसरा संस्करण है । ६-००
- *७४८० विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान । अरविन्द वसावड़ा । डॉ० सी०
जी० युंग के मनोविज्ञान पर लिखित इस प्रारंभिक पुस्तक में
उनकी जीवनी की पृष्ठभूमि में विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान के
आधारभूत सिद्धान्तों का विवेचन प्रस्तुत किया गया है । २-००
- ७४८१ विश्व के महान् वैज्ञानिक । अनुवादक—लाजपत राय १०-००
- ७४८२ विश्व सभ्यताओं का इतिहास । राय गोविन्दचन्द १५-००
- *७४८३ विष्णुपुराण का भारत । ले०—श्री सर्वानन्द पाठक ।
प्रस्तुत ग्रन्थ में विष्णुपुराण के आधार पर भौगोलिक आधार, समाजव्यवस्था,
राजनैतिक संस्थान, शिक्षा-साहित्य, संग्रामनीति, आर्थिकदशा, धर्म आदि
विषयों पर प्रामाणिक रूप से तत्कालीन भारत की जीवन शैली प्रस्तुत
की गई है । ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से इसका प्रमुख महत्व है । २०-००
- *७४८४ वेदकालीन समाज । डॉ० शिवदत्त ज्ञानी ।
भारत में वैदिक संस्कृति का भी एक समय था । प्रस्तुत ग्रन्थ में उस काल
की भौगोलिक स्थिति, समाज में पारिवारिक जीवन, शिक्षा, वर्णव्यवस्था,
राजनैतिक तथा आर्थिक विकास, धर्म, दर्शन, साहित्य, कला, विज्ञान,
मनोरंजन आदि से संबन्धित विस्तृत विवेचन प्रवाहपूर्ण प्राञ्जल भाषा में
प्रस्तुत किया गया है । प्रमाणार्थ वैदिक मंत्र तथा असंग टिप्पणी में
संकेतित हैं । २५-००
- *७४८५ हिन्दी वेदान्तपरिभाषा । आचार्य गजानन शास्त्री । इस ग्रन्थ की
अत्यन्त सरल तथा सरस हिन्दी व्याख्या इतनी उत्तम शैली में
प्रस्तुत की गई है कि सम्प्रदाय-पुरस्सर अध्ययन करने का लाभ
आप प्राप्त कर सकेंगे । इसकी पाण्डित्यपूर्ण विस्तृत भूमिका अधिक
उपयोगी है १०-००

*७४८६ वेदार्थचन्द्रिका । डॉ० मुंशीराम शर्मा ।

प्रस्तुत ग्रन्थ के २५ भावपूर्ण निबन्धों में कुछ प्रमुख प्रकाशदाता वेद-मन्त्रों का यथार्थ हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है । लेखक वेद के मर्मज्ञ हैं । उनके हृदय का सम्पूर्ण श्रद्धा इस पुस्तक की प्रत्येक पंक्ति में व्याप्त मिलेगी । प्रकाश प्राप्ति के लिये स्वाध्याय के प्रति प्रेरणा, उत्साह एवं दिशा प्रदान करने में यथार्थता और श्रद्धापूर्ण भावुकता का यह दुर्लभ संयोग पूर्ण प्रभावकारी है ।

६—००

७४८७ वैज्ञानिक उद्घाटनों का इतिहास । जगपति चतुर्वेदी

५—५०

७४८८ वैज्ञानिक परिवृष्टि । बर्ट्रैंड रसेल

१०—००

*७४८९ वैदिक आख्यान । डॉ० गङ्गासागर राय । इस पुस्तक में वैदिक आख्यानों का गुम्फन बहुत ही सरल, रोचक तथा सरस भाषा एवं शैली में किया गया है

२—००

*७४९० वैदिक इण्डेक्स । मैकडोनेल और कीथ (हिन्दी रूपान्तर) रूपान्तरकार-डॉ० रामकुमार राय । अनुवाद की सर्वाधिक विशेषता यह है कि इसमें सन्दर्भ, संकेत, संख्यायें तथा फुटनोट में उनकी व्यवस्था का क्रम बही दिया गया है जैसा कि मूल ग्रंथ में है । इस व्यवस्था के कारण, जो निःसन्देह अत्यन्त कठिन और कहीं-कहीं असम्भव सा कार्य था, अनुवाद की उपयोगिता और विषय-व्यवस्था की प्रामाणिकता अत्यन्त बढ़ गई है ।

संपूर्ण ग्रंथ १—२ भाग ४०—००

*७४९१ वैदिक निबन्धावली । डॉ० मुंशीराम शर्मा । इस निबन्ध संग्रह में वेदों की एक स्वल्प झॉंकी प्रस्तुत करने वाले २५ निबन्ध हैं । यह निबन्ध उच्च कक्षा के विद्यार्थियों, शोध-छात्रों एवं वैदिक-साहित्य-प्रेमियों के लिए अत्यन्त उपादेय हैं ।

४—००

*७४९२ वैदिक माइथोलोजी (वैदिक पुराकथाशास्त्र) प्रो० ए० ए० मैकडोनेल । हिन्दी रूपान्तरकार-डॉ० रामकुमार राय । यह ग्रन्थ वेद की आत्मा का भासमान प्रदीप है । वैदिक देवताओं का रहस्य जानना यदि अभीष्ट हो तो इस ग्रन्थरत्न को अवश्य पढ़कर लाभ उठाइये

१५—००

*७४९३ वैदिक युग के भारतीय आभूषण । डॉ० राय गोविन्दचन्द्र । वैदिक युग में मनुष्य कौन-कौन से आभूषण किस प्रकार धारण करता था, किस आभूषण के कितने भेदोपभेद या प्रकार थे, आदि का प्रामाणिकतया सूक्ष्म विवेचन प्रस्तुत ग्रन्थ का विषय है

१५—००

*७४१४ वैदिक योगसूत्र । श्री हरिशंकर जोशी ।

प्रस्तुत ग्रन्थ में वेद-पुराणादि में विकीर्ण तथा व्याप्त प्राचीन योगदर्शन का चूडान्त विवेचन किया गया है। इसे जाने बिना हम अपनी संस्कृति, दर्शन और ज्ञान-सम्पत्ति का न तो उचित मूल्यांकन कर सकते, न उनके रहस्यों की अनुभूति हो पा सकती है। सोमयोग, अग्नियोग आदि का विवेचन तो इस ग्रन्थ के अतिरिक्त कहीं मिलेगा ही नहीं। २०-००

*७४२५ हिन्दी वैदिक व्याकरण । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय । बी० ए० तथा एम० ए० परीक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार नव निर्मित इस ग्रंथ में वेद के सुबोध व्याकरण, स्वरचिह्न, पद-पाठ आदि के विषय में समाधान तथा क्रिया रूपों का एक लघु कोश भी प्रकाशित किया गया है। २-००

*७४९६ वैदिक साहित्य की रूपरेखा । प्रो० हंसराज अग्रवाल । इस पुस्तक में वैदिक साहित्य के आदि से अन्त तक के प्रत्येक महत्त्वपूर्ण अङ्ग की जानकारी पाठक को संक्षेप से करा दी गई है। २-००

*७४९७ हिन्दी वैशेषिक दर्शन । (प्रशस्तपादभाष्य तथा उपस्कार सहित) व्याख्याकार, श्री दुण्डिराज शास्त्री । इस संस्करण में मूलग्रन्थ के साथ तथा भाष्य के प्रतिपद का विभागशः अति सरल अनुवाद एवं विशद हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है। १५-००

७४९८ व्यक्ति और समाज । पी० गोस्वामी । प्रथम भाग ६-७५

*७४९९ हिन्दी व्यक्तिविवेक । आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी । इस संस्करण की प्रमुख विशेषता यह है कि आधुनिक शोधशैली तथा प्राचीन विचारों के समन्वय से इसका महत्त्व और भी बढ़ गया है। विस्तृत भूमिका में विद्वान् लेखक ने काव्यशास्त्र के अनेक विषयों पर ऐसे विचार दिए हैं जो क्रान्तिकारी कहे जा सकते हैं जिससे विचारों को नवीन दिशा भी मिलती है। १६-००

*७५०० व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास । श्री रमाकान्त मिश्र । वैदिक काल से लेकर व्याकरण शास्त्र का इतिहास क्रमशः पूर्व पाणिनि-काल, त्रिमुनि-काल, व्याख्या-काल और प्रक्रिया काल के क्रम से सुव्यवस्थित रूप में वर्णित है। प्रायः सभी सम्प्रदायों का वर्णन इसके अन्तर्गत हो गया है। अत्युपयोगी संस्करण है। ४-००

*७५०१ व्यावहारिक मनोविज्ञान की रूपरेखा । डॉ० रामकुमार राय । प्रस्तुत पुस्तक इण्टर श्रेणी के नवीन पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर लिखी गई है। इस पुस्तक में जिन मनोवैज्ञानिकों के सिद्धान्तों का उपयोग किया गया है उनके नाम, सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची, प्रत्येक अध्याय के अन्त में सारांश और प्रश्नावली, अनेक चित्र और रेखाचित्र, अंग्रेजी-हिन्दी तथा हिन्दी-अंग्रेजी शब्दसूची आदि विविध सामग्री उपन्यस्त है। ५-००

*७५०२ व्यावहारिक मनोविज्ञान । डॉ० रामकुमार राय

प्रस्तुत पुस्तक बी. ए. श्रेणी के नवीन पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर लिखी गई है। आरम्भिक छात्र सरलता से विषय समझ सकें, पदार्थ लेखक का यह प्रयास सफल है। जिन मनोवैज्ञानिकों के सिद्धान्तों का उपयोग किया गया है उनके नाम, सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची, प्रत्येक अध्याय के अन्त में सारांश और प्रश्नावली, अनेक चित्र और रेखाचित्र, अंग्रेजी-हिन्दी तथा हिन्दी-अंग्रेजी शब्दसूची, पृथक्-पृथक् नामों और विषयों की अनुक्रमणिका आदि को देखते हुए छात्रों के लिए यह अत्यधिक उपयोगी संस्करण है।

८-००

७५०३ व्यवसाय प्रशासन । डॉ० बी० आर० सक्सेना १०-००

७५०४ व्यास (श्रीगोपालप्रसाद) अभिनन्दनग्रन्थ । सं० हजारीप्रसाद द्विवेदी-दिनकर-अक्षयकुमार जैन २०-००

७५०५ शब्दार्थक ज्ञानकोश । रामचन्द्र वर्मा १२-५०

७५०६ शरत्चन्द्र । ले० श्रीमती लावण्यप्रभा राय । प्रस्तुत पुस्तक में शरच्चन्द्र के जीवन पर इस प्रकार प्रकाश डाला गया है कि छोटी से छोटी भी मार्मिक घटना छूटी नहीं है।

२-००

७५०७ शान्तिनिकेतन से शिवालिक । शिवप्रसाद सिंह २०-००

७५०८ शिक्षणकला । डॉ० आत्मानन्द मिश्र ७-५०

७५०९ शिक्षा के दार्शनिक सिद्धान्त । पी० डॉ० पाठक-जी० एस० डॉ० त्यागी ७-००

७५१० शिक्षा विज्ञान । लक्ष्मीनारायण गुप्त ८-९०

७५११ शिक्षा विज्ञान कोश । सीताराम जायसवाल १६-००

७५१२ शिलान्यास । यशदत्त शर्मा ११-००

*७५१३ हिन्दी शिवमहिम्नस्तोत्र । राधेलाल त्रिवेदी कृत पद्यानुवाद सहित ०-७५

७५१४ शिवसिंह सरोज । डा० शिवसिंह सेंगर ९-००

७५१५ शुद्ध कविता की खोज । रामधारी सिंह 'दिनकर' १०-००

*७५१६ शृङ्गार रस का शास्त्रीय विवेचन । डा० इन्द्रपाल सिंह ।

इस ग्रन्थ में शृङ्गार रस से सम्बन्धित सम्पूर्ण शास्त्रीय विवेचन एवं तत्त्व-संचयन पाण्डित्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत कर दिया गया है। काम और शृङ्गार के व्युत्पत्तिपरक अर्थ के अनन्तर उनकी सर्वव्यापकता और अन्योन्याश्रयता का अनूठा विवेचन इस ग्रन्थ की प्रमुख विशेषता है।

१५-००

७५१७ शोध और समीक्षा । डॉ० सुरेशचन्द्र गुप्त ६-००

७५१८ रयामाप्रसाद मुकर्जी : एक जीवनी । बलराज मधोक ८-००

७५१९ अक्षराराम ग्रन्थावली । सं० डॉ० सरनदास मनोह ६-००

७५२० आवणी । नीहारंजन गुप्त । अनुवादक-वीरेन्द्रनाथ मिश्र

*७५२१ श्री सत्यनारायण शास्त्री (पद्मभूषण) अभिनन्दन ग्रन्थ । सचित्र ।

१५-००

८-५०

७५२२ श्रेष्ठ और साधना । श्री योगेश्वर

- *७५२३ संक्षिप्त सामाजिक ज्ञान । श्री जगदीशसहाय विसारिया । सामा-
जिक विषयों को क्रम से सजाकर आवश्यक स्थलों पर चित्र देते
हुए अत्यन्त सरल भाषा में यह पुस्तक लिखी गई है १-२५
- ७५२४ संगीत चिन्तामणि । आचार्य बृहस्पति-श्रीमती सुमित्राकुमारी २०-००
- ७५२५ संत पल्लूदास और पल्लू पंथ । डॉ० राधाकृष्ण सिंह १५-००
- ७५२६ संसार का इतिहास । एलिस मैजेनिस-जॉन कौन हेड ऐप्रल ।
अनुवादक-बी० आर० जोवार १२-५०
- ७५२७ संस्कृत कविता में रोमाण्टिक प्रवृत्ति । डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा २०-००
- *७५२८ संस्कृत-कवि-दर्शन । डॉ० भोलाशङ्कर व्यास ।
प्रस्तुत ग्रन्थ संस्कृत के चुने हुए बीस कवियों पर प्रामाणिक, गवेषणा-
पूर्ण, आलोचनात्मक निबन्धों का संग्रह है । ६-००
- *७५२९ संस्कृत भाषा । मूल लेखक—टी० वरो । रूपान्तरकार—
डॉ० भोलाशंकर व्यास । इस ग्रंथ में अद्यतन गवेषणाओं
को आत्मसात् करते हुए प्राचीन भारत-यूरोपीय भाषा-
संस्कृत तथा तत्संबन्ध भाषाओं का आधिकारिक तुलनात्मक
अनुशीलन प्रस्तुत किया गया है । ३०-००
- *७५३० संस्कृत रचना । श्री आप्टे रचित Students' Guide
to Sanskrit Composition का हिन्दी रूपान्तर ।
रूपान्तरकार—श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय ४-००
- *७५३१ संस्कृत साहित्य का इतिहास । श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला ।
इस इतिहास में महाकवि भवभूति आदि आचार्यों के इतिवृत्त के साथ
साथ आर्यों के आदि देश एवं आर्य भाषाओं के उद्भव से लेकर उन्नीसवीं
सदी तक की सहस्राब्दियों में संस्कृत-साहित्य की जिन विभिन्न विचार-
वीथियों का निर्माण हुआ और भारत के प्राचीन राजवंशों के प्रश्रय से
संस्कृत भाषा को जो गति मिली उसका भी इतिवृत्त देखने को मिलेगा ।
आधुनिक शोधपूर्ण यह इतिहास अब तक के प्रकाशित इतिहासों में बेजोड़ है २०-००
- *७५३२ संस्कृत साहित्य का इतिहास (वैदिक साहित्य की
रूपरेखा सहित) । ले० प्रो० हंसराज अग्रवाल । इस
पुस्तक का विषय प्रमुखतया संस्कृत साहित्य के गौरवपूर्ण
इतिहास का संक्षिप्त वर्णन है । बी० ए० के छात्रों की
आवश्यकता पूर्ण करने वाला और संस्कृत-साहित्य के
अध्ययन में उनकी सहायता करने वाला ऐसा दूसरा
अन्य कोई ग्रंथ नहीं है । संशोधित परिचक्षित संस्करण ७-५०
- *७५३३ संस्कृत साहित्य का इतिहास । मेकडानल । अनुवादक-
श्री चारुचन्द्र शास्त्री । वैदिक काल तक । प्रथम भाग ७-५०
द्वितीय भाग यन्त्रस्थ

*७५३४ संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास । मूल लेखक, कृष्ण चैतन्य । अनुवादक, डॉ० विनयकुमार राय । प्रस्तुत ग्रन्थ कृष्णचैतन्य के मूलग्रन्थ 'A New History of Sanskrit Literature' का हिन्दी अनुवाद है, लेखक ने इसमें आरम्भिकतम सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आरम्भ करते हुए वैदिक साहित्य से लेकर अब तक के संस्कृत साहित्य की समीक्षा की है ।

२०-००

*७५३५ संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । श्रीवाचस्पति गैरोला । इस छात्रोपयोगी द्वितीय संस्करण में विभिन्न संस्कृत-हिन्दी विश्वविद्यालयों की उच्च कक्षा के पाठ्यक्रम में निर्धारित इतिहास विषयक ज्ञान के लिए वैज्ञानिक दृष्टि से संक्षिप्त रूप में इतिहास का संशोधन-परिवर्धन किया गया है और साथ ही संस्कृत के वृहद् बाण्य का ऐतिहासिक संक्षिप्त अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया है ।

१३-००

७५३६ संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्गम एवं विकास । ले०-डा० प्रभाकर नारायण कवठेकर । पंचतन्त्र के पूर्व भारतीय नीतिकथा का उद्गम किन परिस्थितियों में हुआ, उसका वेदकालीन रूप क्या रहा होगा, जातक में लोककथा का आदान, उसके प्रसार के कारण विदेशों में उसका निर्गमन तथा महाभारत में नीतिकथा का राजनीतिक प्रज्ञा के निदर्शन के लिए प्रयोग आदि तथ्यों की गवेषणा इस प्रबन्ध की मुख्य विशेषता है । परिशिष्टों में सम्पूर्ण विश्व के नीति-कथा-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है ।

ग्रन्थस्थ

*७५३७ संस्कृत साहित्य में मौलिकता एवं अनुहरण । ले०-डा० उमेशप्रसाद रस्तोगी । प्रस्तुत प्रबन्ध में 'मौलिकता और अनुहरण' की दृष्टि से संस्कृत साहित्य के विशिष्ट स्थलों का अध्ययन करते हुए संस्कृत काव्य-पाठकों के सम्मुख मौलिकता और अनुहरण विषयक नई वस्तु प्रस्तुत की गई है । भाषा-शैली आदि सभी विषयानुरूप हैं ।

८-००

*७५३८ संस्कृत सुकविसमीक्षा । आचार्य बलदेव उपाध्याय । विक्रमपूर्व पंचम शती से लेकर बारहवीं शती तक के मान्य संस्कृत के कवियों की यह अनमोल समीक्षा छात्रों, अध्यापकों तथा सामान्यजनों के लिए भी समभावेन उपयोगी है ।

२०-००

- *७५३९ सतरंगी कहानियाँ । ले० उदयन । बालकों के लिए मनोरञ्जक सात शिक्षाप्रद कहानियाँ । सचित्र १-४०
- *७५४० सत्यहरिश्चन्द्र नाटक । समालोचना, टिप्पणी सहित । शुभाशंसक-पं० बाबूराव विष्णुपराङ्कर ०-६५
- *७५४१ सदाचार-सोपान । रामबालक शास्त्री ।
इस पुस्तक में सदाचारसम्बन्धी वे अनुभूत नियम बताए गए हैं जो शरीर और मन को सदा स्वस्थ और पवित्र बनाए रख सकते हैं । ०-५०
- *७५४२ सब धर्मों की बुनियादी एकता । डॉ० भगवानदास ।
इस ग्रन्थ में संसार भर के धार्मिक मजहबों और उनके श्रेष्ठ धर्मग्रन्थों की बारीक जानकारी देते हुए यह समझाया गया है कि सब धर्मों-मजहबों का उद्देश्य भौतिक और आध्यात्मिक कल्याण पाना ही है १२-००
- ७५४३ समकालीन दार्शनिक समस्याएँ । यशदेव शल्य १३-००
- ७५४४ समकालीन भारतीय दर्शन । सं०-सच्चिदानन्द मूर्ति १२-००
- ७५४५ समन्वय । डॉ० भगवानदास । परिवर्धित संस्करण ५-००
- ७५४६ समय का शिला पर । डॉ० शम्भुनाथ सिंह ६-००
- ७५४७ समसामयिक हिन्दी साहित्य : उपलब्धियाँ । सं० सुपमा प्रियदर्शिनी-रमेशचन्द गुप्त १३-५०
- ७५४८ समसामयिक हिन्दी साहित्य : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का समीक्षामक सर्वेक्षण । सं० हरिवंश राय 'वचन' १०-००
- ७५४९ समाज और राज्य—भारतीय विचार । डॉ० सुरेन्द्रनाथ मिश्र १५-००
- ७५५० समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों की विवेचना । बुद्धसेन चतुर्वेदी ७-५०
- ७५५१ समीक्षामक निबन्ध । डॉ० सुरेशचन्द्र गुप्त १२-५०
- ७५५२ समीक्षा-शास्त्र । सीताराम चतुर्वेदी २१-००
- ७५५३ समृद्ध समाज । जान कैनेथ गैलब्रथ ६-००
- ७५५४ सरोज सर्वेक्षण । डॉ० किशोरीलाल गुप्त २५-००
- *७५५५ हिन्दी सर्वदर्शनसंग्रह । प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि । इस दर्शन ग्रन्थ पर इतनी सरल तथा सुविस्तृत विशुद्ध प्रामाणिक व्याख्या प्रथम बार ही छपी है । शास्त्रीय विषयों तथा पाण्डित्यपूर्ण विचारों से युक्त यह अपने विषय का विशिष्ट संस्करण है । इसकी दार्शनिक विशद भूमिका मनन करने योग्य है २५-००
- *७५५६ सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार । आचार्य हरिशङ्करजोशी ।
(सांख्ययोगदर्शन का सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन) ।
इस ग्रन्थ में दर्शनों के मूलस्रोत का विशद विवेचन, स्मृति, पुराण, धर्मशास्त्रादि साहित्य तथा वर्तमान दर्शनों में सांख्यदर्शन का प्रभाव, सृष्टिप्रवाह की पूर्ण झोंकी तथा ज्ञानोत्पत्ति प्रकार आदि महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रामाणिक, तर्कपूर्ण एवं अश्रुतपूर्व विचार देखने को मिलेंगे । १५-००

- ७५५७ साठ के बाद की कहानियाँ । सं० विजयमोहन सिंह-नधुकर सिंह ७—००
- ७५५८ साधुदर्शन तथा सत्प्रसंग । म० म० गोपीनाथ कविराज १०—००
- ७५५९ सामाजिक अनुसन्धान । ओमप्रकाश शर्मा १२—५०
- ७५६० सामाजिक विधान और सुधार । मरला दुवे १५—००
- *७५६१ सावित्री-सत्यवान् । श्री राजनारायण शुक्ल
इस संस्करण में औपन्यासिकरूप से भावुकतापूर्ण कथा का सृजन करके
विद्वान् लेखक ने सावित्री-रहस्य का नवीन उद्घाटन किया है । २—००
- *७५६२ साहित्य और सिद्धान्त । प्रो० श्यामलकान्त वर्मा
हिन्दी-साहित्य एवं कान्य-शास्त्र के ज्ञातव्य विषयों का सार-सङ्कलन रूप
यह ग्रन्थ छात्रों, अध्यापकों और अनुसन्धायकों के लिए उपयोगी है ३—००
- *७५६३ हिन्दी साहित्यदर्पण । व्याख्याकार-डॉ० सत्यव्रत सिंह ।
व्यवस्थित अनुवाद, सविमर्श हिन्दी व्याख्या, विस्तृत समालो-
चनात्मक भूमिका सहित । अनेक साहित्यमर्मज्ञों के मतों की सहायता
से भ्रामक मत मतान्तरों के निरासपूर्वक विषय का यथार्थ स्वरूप
प्रतिपादित किया गया है । १२—५०
- *७५६४ साहित्य-शास्त्र-सार । प्रो० हंसराज अग्रवाल तथा श्रुतिकान्त जी ।
संस्कृत के लक्ष्य-ग्रन्थों की तरह अत्यन्त व्यवस्थित तथा संक्षेप में
साहित्य के सभी अंगों की हिन्दी में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह
प्रथम ग्रन्थ है । इसकी शैली बड़ी सुवोध है और विषय के वर्गीकरण में
बड़े कीशल से काम लिया गया है । पाण्डित्यपूर्ण विशद भूमिका भी
एतद्विषयक उत्तम विचारों से पूर्ण है । ४—५०
- ७५६५ साहित्य सौरभ । सं० बनारसीदास चतुर्वेदी १२—५०
- ७५६६ साहित्यालोचन के प्राचीन-नवीन सिद्धान्त ।
डॉ० रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' ६—५०
- ७५६७ साहित्यिक शोध के सिद्धान्त और समस्याएँ ।
सं० रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' ५—५०
- ७५६८ सिन्दूर की लाज । शंकर सुस्तानपुरी १०—००
- ७५६९ सिन्धु सीमान्त । कन्हैयालाल ओझा १—४०
- *७५७० सुनो कहानी । ले० उदयन । शिक्षाप्रद कहानियों का संग्रह । सचित्र ८—५०
- ७५७१ सुनो कान में । सावित्री देवी वर्मा ८—००
- ७५७२ सुनो बेटी । सावित्री देवी वर्मा ८—००
- ७५७३ सुबह अँधेरे पथ पर । सुरेश सिन्हा १४—००
- ७५७४ सूना आसमान । बलवन्त सिंह ६—५०, ८—५०
- ७५७५ सूरदास । सं० हरिवंशलाल शर्मा ५—००
- ७५७६ सूर संचयन । डॉ० मुंशीराम शर्मा ८—५०
- ७५७७ सूरसागर में लोक जीवन । डॉ० हरगुलाल
- *७५७८ सौगतसिद्धान्तसारसंग्रह । डॉ० चन्द्रधर शर्मा ।
यह ग्रन्थ संक्षेप में बौद्ध-दर्शन के सारभूत तत्त्वों का संग्रह है । हिन्दी
अनुवाद द्वारा पारिभाषिक शब्दों का अर्थ एवं भावार्थ स्पष्ट किये जाने
से ग्रन्थ की उपयोगिता बढ़ गई है । ५—००

*७५७९ सोमेश्वर कृत मानसोल्लास : एक सांस्कृतिक अध्ययन ।

डॉ० शिवशेखर मिश्र । चालुक्य कुलोत्पन्न महाराज सोमेश्वर विरचित धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ मानसोल्लास के परिशीलन के माध्यम से तत्कालीन संस्कृति एवं रीति-नीति का सुस्पष्ट परिचायक ग्रन्थ ।

२५—००

७५८० सुर साहित्य : नव मूल्याङ्कन । चन्द्रभान रावत

२०—००

७५८१ सेठ गोविन्ददास अभिनन्दन ग्रन्थ । सं० डॉ० नगेन्द्र

२५—००

७५८२ सेतुबंध । केदारनाथ मिश्र

६—५०

७५८३ सौन्दर्य शास्त्र के तत्त्व । डॉ० कुमार विमल

१२—५०

*७५८४ स्मृति के हस्ताक्षर । श्री देवदत्त शास्त्री । लेखक के व्यक्तिगत जीवन में घटी मधुर-अम्ल-लवण-कटु-कषाय-तित्त घटनायें पाठक में प्रेरणा, स्फूर्ति एवं संघर्षों से जूझने की अदम्य भावना उत्पन्न करती हैं । इस संस्करण के माध्यम से अज्ञात भारतीय भूगोल का रोचक अध्ययन भी हो जाता है ।

५—००

*७५८५ स्मृतियाँ और कृतियाँ । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ।

पुस्तक में १० निबन्ध संस्मरणात्मक हैं तथा १५ समक्षात्मक । लेखक की सरलता तथा सूक्ष्म दृष्टि पुस्तक के पृष्ठों में सुस्पष्ट झलकती है । प्रत्येक हिन्दी पढ़ने-जानने वाले व्यक्ति के लिये इस पुस्तक का अवलोकन निश्चित ही उपयोगी होगा ।

४—००

*७५८६ स्वतन्त्र कलाशास्त्र । ले०—श्री कान्तिचन्द्र पाण्डेय । प्रथम भाग भारतीय व्यापकदृष्टि रखकर कला शब्द पर कितना विशद अध्ययन प्रस्तुत किया जा सकता है यह इस एक ही ग्रन्थ को देखकर समझा जा सकता है । भारतीय मनीषी का प्रौढ़पाण्डित्य और बहुज्ञत्व इस ग्रन्थ के एक-एक शब्द से परिलक्षित होता है । कला को विचारों की कसौटी में कस देने पर जो ज्ञान की चिनगारियाँ प्रस्फुटित हुई हैं उन्हीं ने ग्रन्थ का रूप धारण कर लिया है । यह सचमुच अपने विषय का पूरा शास्त्र ही है ।

३५—००

७५८७ स्वर लिपि । रवीन्द्रनाथ ठाकुर के सौ गीतों का स्वर लिपि-चक्र संकलन ।

प्रथम खण्ड

२०—००

७५८८ हमारी परम्परा । सं० वियोगी हरि

२०—००

*७५८९ हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ । श्री व्यथितहृदय ।

इसमें सरल और सुवोध ढङ्ग से हिन्दी के उन सर्वमान्य कवियों और उनकी कविताओं की आलोचना की गई है, जो उच्च कक्षाओं में अध्ययन के लिए सर्वत्र स्वीकृत हैं ।

३—५०

७५९० हरिऔध शती स्मारक ग्रन्थ । सं० विश्वनाथलाल शैदा-

डॉ० किशोरीलाल गुप्त

१६—००

- *७५९१ हिन्दी हरिश्चन्द्रोपाख्यान । (सायणभाष्यसहित) प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' । ग्रन्थ का कोई भी अंश ऐसा नहीं छूटा है जिस पर विवेचनात्मक प्रकाश न डाला गया हो । विशद भूमिका में शास्त्रीय विषयों तथा ग्रन्थ से सम्बन्धित पाण्डित्यपूर्ण विचार प्रदर्शित किए गए हैं । २-५०
- *७५९२ हिन्दी हर्षचरित । (मूलपाठ सहित हिन्दी रूपान्तर)
इसमें पाठकों को प्रत्येक संस्कृत पद का मूल के क्रम से व्यवस्थित अनुवाद प्राप्त होगा तथा कथावस्तु, कान्यसौष्ठव, पदलालित्य आदि के साथ औपन्यासिक धारा का भी आनन्द प्राप्त होगा ७-००
- ७५९३ हास्य बत्तीसी । कन्हैयालाल कपूर ४-५०
- ७५९४ हिन्दी उपन्यास का परिचयात्मक इतिहास ।
डॉ० प्रतापनारायण टण्डन २६-५०
- ७५९५ हिन्दी उपन्यास : पृष्ठभूमि और परम्परा । डॉ० बदरीदास २०-००
- ७५९६ हिन्दी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप ।
डॉ० अम्बाप्रसाद 'सुमन' १०-००
- ७५९७ हिन्दी और गुजराती नाट्य साहित्य । डॉ० रणधीर उपाध्याय २०-००
- ७५९८ हिन्दी और तेलुगु के मध्यकालीन राम साहित्यों का तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० चावल सूर्यनारायण मूर्ति १५-००
- *७५९९ हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्तकाव्य । डा० प्रभाकर माचवे । दक्षिण और उत्तर के आरम्भिक भक्तिसाहित्य के सान्य और विभेद पर सामाजिक, ऐतिहासिक तथा साहित्य-शास्त्रविषयक मान्यताओं के परिपार्श्व में प्रामाणिक अध्ययन तथा १२वीं से १५वीं सदी के भारतीय वाङ्मय का एक रेखाचित्र । १२-००
- ७६०० हिन्दी कथा साहित्य के विकास में महिलाओं का योग ।
उर्मिला गुप्ता १६-००
- ७६०१ हिन्दी कवि कौमुदी । गौरीशंकर चतुर्वेदी ८-५०
- ७६०२ हिन्दी कहानी उद्भव और विकास । डॉ० सुरेश सिनहा २०-००
- ७६०३ हिन्दी का गद्य साहित्य । डॉ० रामचन्द्र तिवारी १२-५०
- *७६०४ हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका । डॉ० शम्भुनाथ सिंह ।
हिन्दी साहित्य के अनेक इतिहास प्रकाशित हो चुके हैं । पर केवल हिन्दी काव्य का कोई इतिहास प्रकाशित नहीं है । इसमें आदि काल से लेकर अब तक के हिन्दी काव्य के इतिहास का समाजशास्त्रीय विवेचन किया गया है । हिन्दी काव्य की युग-सापेक्षता का ज्ञान जितना इस पुस्तक से हो स्यता है, उतना अब तक प्रकाशित अन्य किसी इतिहास-ग्रन्थ से नहीं हो सकता । ७-५०
- ७६०५ हिन्दी काव्य में अन्योक्ति । डॉ० संसारचन्द्र १४-००
- ७६०६ हिन्दी काव्य में प्रतीकवाद का विकास (१६००-१६४०) ।
डॉ० वीरेन्द्र सिंह १६-००

- *७६०७ हिन्दी काव्य मञ्जूषा । आचार्य रमाशंकर पाण्डेय ।
इसमें चन्द्रबरदायी से दिनकर तक के २६ कवियों की रचनाओं के राष्ट्र
शक्ति के विकास में योगप्रद अंशों का संकलन किया गया है । ३-००
- ७६०८ हिन्दी काव्य शास्त्र में शृंगार रस विवेचन । डॉ० रामलाल शर्मा २०-००
- *७६०९ हिन्दी के पौराणिक नाटक । डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री ।
भारत की विविध भाषाओं में पौराणिक नाटकों की परम्परा का इतिवृत्त
तथा हिन्दी के पौराणिक नाटकों का आलोचनात्मक इतिहास । १०-००
- *७६१० हिन्दी निबन्धादर्श । आचार्य रमाशंकर शास्त्री । इसमें
परीक्षा में प्रष्टव्य लगभग ४० आधुनिक सरल संक्षिप्त
हिन्दी निबन्धों का संग्रह किया गया है । प्रायः सभी
विश्वविद्यालयों में भाषा, शैली, कौशल आदि की दृष्टि
से इस संस्करण की उत्तमता स्वीकृत की गई है । २-२५
- ७६११ हिन्दी शब्द रचना । माई दयाल जैन ६-००
- ७६१२ हिन्दी साहित्य-एक आधुनिक परिदृश्य । सच्चिदानन्द वात्स्यायन ९-००
- ७६१३ हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ । डॉ० जयकिशन प्रसाद ८-००
- ७६१४ हिन्दी साहित्य : प्रकीर्ण विचार । डॉ० शान्ति स्वरूप गुप्त ८-००
- *७६१५ हिन्दी साहित्य सरोवर । चक्रधर शर्मा ।
इस पुस्तक में हिन्दी के नवीन एवं प्राचीन विद्वानों के संक्षिप्त जीवन वृत्त
एवं उनकी उपयोगी गद्य-पद्यात्मक रचनाएँ हैं । शब्दार्थ और भावार्थ
देकर विषय को अधिक से अधिक सुबोध बनाने का प्रयत्न किया गया है २-५०
- *७६१६ हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ । लेखक-थि० गोल्डस्टुकर ।
अनुवादिका-सुश्री डॉ० रमा शास्त्री । वैदिक कालीन आर्यों की संस्कृति,
सभ्यता और उनके आचार-विचार का विशद वर्णन इस पुस्तक में
किया गया है ४-००
- *७६१७ हिन्दू-संस्कार । डॉ० राजवली पाण्डेय ।
गर्भवास से लेकर मृत्युत्तर संस्कारों के माध्यम से हिन्दू जीवन की
सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं के विविध अङ्गों को समझने के लिए
यह एक ही ग्रन्थ है । द्वितीय संशोधित संस्करण १६-००
- *७६१८ हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र । (सचित्र) अनुवादक—
कस्तूरमल बाँठिया ।
युगपुरुष कहलाने के अधिकारी आचार्य हेमचन्द्र के जीवन के विषय
में प्रामाणिक जानकारी देनेवाला यह एक मात्र ग्रन्थ हिन्दी में सर्व
प्रथम प्रकाशित हुआ है । इसके अतिरिक्त इस विषय में जर्मन और
अँगरेजी प्रतियाँ ही कठिनाता से देखने को मिल सकेंगी । विविध
परिशिष्टों तथा विचारपूर्ण भूमिका आदि से अलंकृत । ७-००



चिकित्सा-ग्रन्थाः



[चिकित्सा-संबन्धी सभी स्थान की छपी पुस्तकों के लिए 'चिकित्सा साहित्य'

(प्राच्य-पाश्चात्य) नामक विशाल सूचीपत्र पृथक् छपा

मंगवा कर अवलोकन करें ।]

*७६१९ अंग्रेजी-हिन्दी मेडिकल डिक्शनरी । (चौखम्बा चिकित्सा

विज्ञान-कोश) सं० डॉ० गंगा सहाय पाण्डेय

२०-००

*७६२० अगदतंत्र—डॉ० रमानाथ द्विवेदी एम. ए., ए. एम. एस.

०-७५

*७६२१ अखननिदानम्—सान्वय विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित

१-००

७६२२ अनुभूतयोग चर्चा । १-२ भाग । बंसरीलाल साहनी

६-००

*७६२३ अभिनन्दन-ग्रन्थ : सत्यनारायण शास्त्री जी ।

१५-००

*७६२४ अभिनव वूटी दर्पण (सचित्र)—श्री रूपलाल वैश्य

यन्त्रस्थ

*७६२५ अभिनव चिकित्सा विज्ञान (सचित्र)—आचार्य श्रीरघुवीर

प्रसाद त्रिवेदी ए० एम० एस०

२२-००

*७६२६ अभिनव शरीर क्रिया विज्ञान (सचित्र) आ० प्रियव्रत शर्मा

१०-००

७६२७ अज्ञोक्त । श्रीरमेश वेदी

१-००

*७६२८ अष्टाङ्गसंग्रह—आयुर्वेद बृहस्पति श्रीगोवर्द्धनशर्मा छांगाणी कृत

'अर्थप्रकाशिका' हिन्दी टीका वक्तव्य सहित । सूत्रस्थान

६-००

शेष स्थान शीघ्र प्रकाशित होंगे

*७६२९ अष्टाङ्गहृदय (गुटका) भागीरथी बृहद् टिप्पणी सहित

४-००

*७६३० अष्टाङ्गहृदय—विद्योतिनी हिन्दी टीका विमर्श सहित ।

टीकाकार—श्री अत्रिदेव गुप्त विद्यालङ्कार । सम्पादक—

वैद्य यदुनन्दन उपाध्याय बी. ए., ए. एम. एस. संशोधित,

परिवर्द्धित, सपरिशिष्ट अभिनव द्वितीय संस्करण

१५-००

*७६३१ आयुर्वेद की कुछ प्राचीन पुस्तकें (आयुर्वेद वाक्य-शोध का

एक विवरण) आचार्य प्रियव्रत शर्मा एम० ए०, ए० एम० एस०

१-००

*७६३२ आयुर्वेदप्रकाश । आयुर्वेदाचार्य श्रीगुलराज शर्मा कृत अर्थ-

विद्योतिनी संस्कृत अर्थप्रकाशिनी हिन्दी व्याख्याद्वय सहित ।

परिष्कृत द्वितीय संस्करण संपूर्ण

१२-५०

*७६३३ आयुर्वेद प्रदीप (आयुर्वेदिक-पलोपेथिक गाइड)

ले० श्री राजकुमार द्विवेदी । सम्पादक—आयुर्वेदाचार्य श्री गङ्गासहाय

पाण्डेय ।

द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण

१२-००

*७६३४ आयुर्वेद विज्ञान—विद्योतिनी हिन्दी टीका परिशिः सहित

२-००

- ७६३५ आयुर्वेद शिक्षा पर विचार । डॉ० चारोकर । भाषा ०-४०
- *७६३६ आयुर्वेदीय परिभाषा—अभिनव प्रकाशिका हिन्दी टीका विस्तृत परिशिष्ट सहित । टीकाकार—आयुर्वेदाचार्य श्रीगिरिजादयालु शुक्ल ए. एम. एस. १-२५
- *७६३७ आयुर्वेदीय यन्त्रशास्त्र परिचय—सुरेन्द्र मोहन वी० ए० १-७५
- *७६३८ आसुवाचरिष्ट-विज्ञान । श्री पक्षधर झा । ग्रन्थगत दो खण्डों में विद्वान् लेखक के अध्यापन तथा प्रत्यक्ष कर्मभ्यास के अनुभवों से संपुटित इतनी विशद, प्रामाणिक तथा उपयोगी सामग्री हिन्दी में आप प्रथम बार ही देखेंगे । छात्र-चिकित्सक तथा पठित व्यक्तिमात्र के लिये यह अमूल्य निधि है । ३-००
- *७६३९ इंजेक्शन (सचित्र) डा० शिवनाथ खन्ना ११-००
- *७६४० एल्लोपैथिक चिकित्सा विज्ञान । श्री अवधविहारी अग्निहोत्री । सचित्र । प्रथम खण्ड यन्त्रस्थ
- *७६४१ एल्लोपैथिक पाकेट प्रेस्क्राइबर (एल्लोपैथिक गाइड) डा० शिवनाथ खन्ना ५-००
- *७६४२ एल्लोपैथिक मिफथ्र्स—डा० राजकुमार द्विवेदी नवीन संस्करण २-५०
- ७६४३ औपसर्गिक रोग—डा० चारोकर । १-२ भाग २२-००
- ७६४४ औषध गुण धर्म विवेचन । अजित्द ३-०० सजित्द ४-५०
- *७६४५ काकचण्डीश्वरकल्पतंत्रम्—हिन्दी टीका सहित २-००
- *७६४६ कामकुञ्जलता—मूलमात्र २०-००
- *७६४७ कामसूत्रम् । 'जयमंगला' टीका सहित विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, समालोचनादि सहित । व्याख्याकार, देवदत्त शास्त्री १६-००
- *७६४८ कायचिकित्सा । प्रथम भाग आयुर्वेदीय चिकित्सा के मूलभूत सिद्धान्त तथा उनका क्रियात्मक स्वरूप । कविराज रामरक्ष पाठक १२-५०
- द्वितीय भाग ज्वर चिकित्सा । १२-५०
- तृतीय भाग यन्त्रस्थ
- *७६४९ काय-चिकित्सा—आयुर्वेदाचार्य गङ्गासहाय पाण्डेय २५-००
- *७६५० काश्यपसंहिता—श्री सत्यपाल आयुर्वेदालंकारकृत विद्योतनी हिन्दी टीका एवं राजगुरु हेमराजजी कृत संस्कृत-हिन्दी विस्तृत उपोद्घात सहित १६-००
- *७६५१ कौमारभृत्य (नव्यबालरोग सहित)—लेखक-श्री रघुवीरप्रसाद त्रिवेदी ए. एम. एस । नवीन संशोधित परिर्वर्द्धित संस्करण ८-००
- *७६५२ काथमणिमाला—हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
- *७६५३ क्रियात्मक औषधि परिचय विज्ञान । श्रीविश्वनाथ द्विवेदी सचित्र १२-००

चिकित्सा-ग्रन्थाः

*७६५४ क्लिनिकल पैथोलॉजी (बृहत् मल-मूत्र-कफरक्तादि परीक्षा) [Clinical Pathology (including Laboratory Technique, Parasitology & Bacteriology.)]

डॉ० शिवनाथ खन्ना । सचित्र

१०-००

*७६५५ गदनिग्रहः । शोढल विरचित । विद्योतिनी हिन्दीव्याख्या सहित

प्रथम भाग १५-००

उत्तरार्द्ध यन्त्रस्थ

*७६५६ गर्भरक्षा तथा शिशु-परिपालन—डा० मुकुन्दस्वरूप वर्मा

४-५०

*७६५७ गूलर गुण विकासः—वैद्यभूषण श्री चन्द्रशेखरधर मिश्र

१-००

७६५८ गृहविज्ञान । कालेडा

०-५०

*७६५९ चक्रदत्त—नवीन वैज्ञानिक भावार्थसन्दीपनी हिन्दीटीका एवं विविध परिशिष्ट सहित । टीकाकार—श्री जगदीश्वरप्रसाद त्रिपाठी ए. एम. एस.

अजिल्द १०-००,

कपड़े की पक्की जिल्द १२-००

*७६६० चरकसंहिता—मूल । भागीरथी टिप्पणीसहित

समाप्त

*७६६१ चरकसंहिता । सविमर्श 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्योपेता ।

व्याख्याकार :—पं० काशीनाथ शास्त्री, डॉ० गोरखनाथ चतुर्वेदी ।

सम्पादक :—पं० राजेश्वरदत्त शास्त्री, पं० यदुनन्दन उपाध्याय,

डा० गंगासहाय पाण्डेय, पं० ब्रह्मशंकर मिश्र । संपूर्ण १-२ भाग ३६-००

(सूत्रस्थानादि इन्द्रियस्थानपर्यन्तः) प्रथम भाग १६-००

(चिकित्सादिग्रन्थसमाप्तिपर्यन्तः) डा० बनारसीदास गुप्ता

कृत बृहत् परिशिष्ट युक्त ।

द्वितीय भाग २०-००

*७६६२ चरकसंहिता का निर्माण-काल (काश्यपसंहिता निर्माण

काल सहित) वैद्य रघुवीरशरण शर्मा

२-००

७६६३ चिकित्सा तत्त्वप्रदीप । प्रथम भाग अजिल्द ९-०० सजिल्द ११-००

द्वितीय भाग अजिल्द १०-०० सजिल्द १२-००

७६६४ चिकित्सादर्श—वैद्य राजेश्वरदत्त शास्त्री । १-३ भाग १८-००

*७६६५ चौखम्बा-चिकित्सा-विज्ञान-कोश । डा० गंगासहाय पाण्डेय २०-००

७६६६ जीवाणु विज्ञान—ले० डा० चाणेकर १३-००

७६६७ ज्वर विज्ञान । अजिल्द ३-०० सजिल्द ४-५०

७६६८ ज्वरविवेचन (ज्वर निदान चिकित्सा) लीलाधर शास्त्री १०-००

*७६६९ तापमापन (थर्मामीटर)—ले० डा० राजकुमार द्विवेदी ०-२५

७६७० तुलसी । श्री रमेश वेदी । २-००

*७६७१ तुलसीविज्ञान—विविध रोगों पर तुलसी के ३४३ सफल सुलभ

०-७५

प्रयोगों का संग्रह

२० वि०

७६७२	तुवरक और चालमोग्रा। श्री रमेश वेदी।	०-७५
*७६७३	त्रिदोषविज्ञानम्। कविराज श्री उपेन्द्रनाथदास (चतुर्थ संस्करण)	४-००
*७६७४	त्रिदोषसंग्रह। वैद्य धर्मदत्त आयुर्वेदाचार्य	यन्त्रस्थ
७६७५	त्रिफला। श्री रमेश वेदी	३-२५
७६७६	देहात की दवाएँ। श्री रमेश वेदी।	०-७५
७६७७	देहाती इलाज। श्री रमेश वेदी।	१-००
*७६७८	दोष-कारणत्व-मीमांसा—हिन्दी टीका सहित। पं० प्रियव्रत शर्मा एम. ए., ए. एम. एस.	१-००
*७६७९	द्रव्य-गुण-मंजूषा। आचार्य शिवदत्त शुक्ल एम. ए., ए. एम. एस.। प्रथम भाग	२-००
*७६८०	द्रव्यगुण-विज्ञान (१-३ भाग)	
	आचार्य प्रियव्रत शर्मा एम. ए., ए. एम. एस.	१९-००
*७६८१	नलपाक—पाकदर्पणम्—नल विरचित। संस्कृत	यन्त्रस्थ
*७६८२	नव परिभाषा—कविराज श्री उपेन्द्रनाथदास कृत हिन्दी टीका सहित	१-७५
*७६८३	नव्यचिकित्सा विज्ञान। डा० मुकुन्दस्वरूप वर्मा। १-२ भाग	१६-००
*७६८४	नव्य रोग निदानम् (माधवनिदान-परिशिष्टम्)	०-७०
*७६८५	नाड़ी परीक्षा—श्री ब्रह्मशंकरमिश्र कृत वैद्यप्रिया हिन्दी टीका सहित	०-३५
*७६८६	नाड़ीविज्ञान—आयुर्वेदाचार्य प्रयागदत्त जोशी कृत विबोधिनी विस्तृत हिन्दी टीका सहित	०-३५
*७६८७	निघण्टु आदर्श। संस्कृत-गुजराती का हिन्दी रूपान्तर। वैद्य बापालाल गं० शाह। १-२ भाग	यन्त्रस्थ
७६८८	नित्योपयोगी काथसंग्रह।	१-२५
७६८९	नित्योपयोगी गुटिकासंग्रह।	२-००
७६९०	नित्योपयोगी चूर्णसंग्रह।	१-२५
७६९१	नीम : वकायन। श्री रमेश वेदी।	२-००
७६९२	नेत्र रोग विज्ञान—(सचित्र) श्री विश्वनाथ द्विवेदी	१०-००
७६९३	नेत्र सुधार। सचित्र। डॉ० आर० एस० अग्रवाल	४-००
*७६९४	पंचभूतविज्ञानम्। कविराज उपेन्द्रनाथ दास कृत हिन्दी टीका सहित	४-००
*७६९५	पञ्चविध कषायकल्पना विज्ञान। डा० अवधविहारी अमिहोत्री	१-५०
७६९६	पदार्थविज्ञानम्। आचार्य श्री सत्यनारायण शास्त्री। संस्कृत	३-००
*७६९७	पदार्थविज्ञानम्। श्री वागीश्वर शुक्ल बी. ए., ए. एम. एस.	८-००
*७६९८	परिभाषाग्रन्थ—ले० आयुर्वेद बृहस्पति पं० जगन्नाथ प्रसाद शुक्ल	२-५०
*७६९९	पेटेण्ट प्रेस्क्राइबर या पेटेण्ट मेडिसिन्स—डा० रमानाथ द्विवेदी एम. ए., ए. एम. एस.	८-००
७७००	पेठा-कदुदू। श्री रमेश वेदी।	०-७५

- ७७०१ पेनिसिलिन व स्ट्रेप्टोमाइसीन विज्ञान तथा सूत्रपरीक्षा १-२५
- ७७०२ प्रत्यक्षशारीरम् (संस्कृत) गणनाथसेन कृत । प्रथम भाग यन्त्रस्थ,
तृतीय भाग यन्त्रस्थ, द्वितीय भाग १-७५
- *७७०३ प्रत्यक्षशारीरम् । गणनाथसेन कृत । हिन्दी । प्रथम भाग १०-००
द्वितीय भाग १५-०० १-२ भाग २५-००
- *७७०४ प्रसूति विज्ञान-ले०-डा० रमानाथ द्विवेदी एम. ए., ए. एम. एस. १०-००
- *७७०५ प्रारम्भिक उद्भिद् शास्त्र-प्रो० बलवंत सिंह एम. एस-सी. ४-५०
- *७७०६ प्रारम्भिक भौतिकी-लेखक-श्री निहालकरण सेठी ५-५०
- *७७०७ प्रारम्भिक रसायन-प्रो० श्री फूलदेवसहाय वर्मा ४-५०
- *७७०८ मीढा के रोग और उनकी चिकित्सा-लेखक-कविराज
ब्रह्मानन्द चन्द्रवंशी ०-३५
- *७७०९ फलसंरक्षण विज्ञान (Fruit Preservation)—
डा० युगलकिशोर गुप्त आयुर्वेदाचार्य १-००
- ७७१० बरगद । श्री रमेश वेदी । १-००
- *७७११ बस्तिशलाकाप्रवेश (एनीमा और कैथेटर) ०-४०
- *७७१२ बीसवीं शताब्दी की औषधियाँ-डा० मुकुन्दस्वरूप वर्मा ८-००
- ७७१३ भारतीय जनता का स्वास्थ्य तथा आयुर्वेद । ०-७५
- *७७१४ भारतीय रसपद्धति-कविराज अग्निदेव गुप्त १-५०
- *७७१५ भावप्रकाश । मूल । पूर्वार्द्ध ३-८०
- *७७१६ भावप्रकाश-नवीन वैज्ञानिक विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित
पूर्वार्द्ध भाग १२-०० मध्यमोत्तर खण्ड १५-०० संपूर्ण २६-००
- *७७१७ भावप्रकाश-ज्वराधिकार-नवीन वैज्ञानिक विद्योतिनी हिन्दी
टीका परिशिष्ट सहित ५-००
- *७७१८ भावप्रकाशनिघण्टु-संपादक-आयुर्वेदाचार्य गंगासहाय पाण्डेय
ए. एम. एस. । डा० श्रीकृष्णचन्द्र चुनेकर विरचित विमर्शाख्य
हिन्दी व्याख्या, वनौषधियों के सुविस्तृत परिचय, गुण-धर्म
आदि से विभूषित आयुर्वेदिक कालेज के छात्रों व आधुनिक
चिकित्सकों के लिए नवीन मौलिक संस्करण । परिशिष्ट
सहित । १-००
- *७७१९ मिषक्कर्मसिद्धि । डा० रमानाथ द्विवेदी २०-००
- ७७२० भूलोक में अमृत-गाय का दूध । ०-७५
- *७७२१ भेलसंहिता । सटिप्पण शोधपूर्ण सम्पादित नवीन संस्करण १०-००
- *७७२२ भैषज्य कल्पना विज्ञान । डॉ० अवधविहारी अग्निहोत्री ५-००

- *७७२३ भैषज्यरत्नावली—विद्योतिनी हिन्दी टीका विमर्श टिप्पणी परिशिष्ट सहित । टीकाकार—कविराज अम्बिकादत्त शास्त्री ए. एम. एस. १६-००
- ७७२४ मदनपाल निघण्टु—मूल टिप्पणी सहित १-००
- *७७२५ मर्म-विज्ञान-सचित्र—ले० श्री रामरक्ष पाठक आयुर्वेदाचार्य ३-५०
- *७७२६ माधवनिदानम्—सुधालहरी संस्कृत टीका सहित यन्त्रस्थ
- *७७२७ माधवनिदानम्—संपादक—वैद्य यदुनन्दन उपाध्याय, बी० ए०, ए० एम० एस० । मधुकोष संस्कृत तथा विद्योतिनी हिन्दी टीका, वैज्ञानिक विमर्श परिशिष्ट सहित । टीकाकार—आयुर्वेदाचार्य श्रीसुदर्शन शास्त्री ए. एम. एस. । १-२ भाग १४-००
- *७७२८ माधवनिदानम्—मधुकोष संस्कृत व्याख्या मनोरमा हिन्दी टीका सहित ६-००
- *७७२९ माधव-निदानम्—सर्वांगसुन्दरी हिन्दी टीका सहित ४-५०
- ७७३० मिर्च । श्री रमेश वेदी १-००
- ७७३१ मूत्र के रोग—ले० डा० घाणेकर । ६-००
- *७७३२ यकृत के रोग और उनकी चिकित्सा—लेखक—वैद्य श्री समाकान्त झा २-००
- *७७३३ योग-चिकित्सा—लेखक—अत्रिदेव गुप्त विद्यालंकार ३-५०
- *७७३४ योगरत्नाकर—मूल गुटका संस्करण ६-००
- *७७३५ योगरत्नाकर—विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित १८-००
- ७७३६ रक्त के रोग—ले० डा० घाणेकर । नवीन आवृत्ति १०-००
- *७७३७ रतिमञ्जरी । गद्य-पद्यात्मक हिन्दी अनुवाद सहित ०-४०
- *७७३८ रसकौमुदी—ज्ञानचन्द्र शर्मा विरचित । हिन्दी टीका सहित १-५०
- *७७३९ रसचिकित्सा—लेखक—कविराज प्रभाकर चट्टोपाध्याय ६-००
- ७७४० रसतत्त्वविवेचन । हिन्दी टीका सहित ३-५०
- ७७४१ रसतन्त्रसार व सिद्धप्रयोग संग्रह । प्रथम भाग अजिल्द १०-००
सजिल्द १२-००
द्वितीय भाग अजिल्द ६-०० सजिल्द ८-००
- *७७४२ रसरत्नसमुच्चय—मूल टिप्पणी सहित । सुलभ संस्करण ३-००
उत्तम संस्करण ३-७५
- *७७४३ रसरत्नसमुच्चय—नवीन सुरभोजवला-विस्तृत हिन्दीटीका परिशिष्ट सहित । टीकाकार—आचार्य श्री अम्बिकादत्त शास्त्री ए. एम. एस १०-००
- ७७४४ रसशास्त्र प्रवेशिका । बद्रीनारायण शर्मा अनुवादित २-००
- ७७४५ रसहृदयतंत्र । संस्कृत-हिन्दी टीका । प्रथम भाग अजिल्द ५-००
सजिल्द ६-५०

- *७७४६ रसादि परिज्ञान—ले०-आ० बृहस्पति पं० जगन्नाथप्रसाद शुक्ल २-५०
- *७७४७ रसाध्याय—संस्कृत टीका सहित १-००
- *७७४८ रसायनखण्ड (रसरत्नाकर का चतुर्थ खण्ड) ०-७५
- *७७४९ रसार्णवं नाम रसतंत्रम्—सविवरण भागीरथी टिप्पणी से युक्त ३-००
- *७७५० रसेन्द्रसारसंग्रह—बालबोधिनी-भागीरथी टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ
- *७७५१ रसेन्द्रसारसंग्रह—(सचित्र) गूढार्थसंदीपिका संस्कृत टीका सहित । टीकाकार—आयुर्वेदाचार्य अम्बिकादत्त शास्त्री ए. एम. एस. ५-००
- *७७५२ रसेन्द्रसारसंग्रह—(सचित्र) नवीन वैज्ञानिक रसचन्द्रिका हिन्दी टीका विमर्श परिशिष्ट सहित । टीकाकार—श्री गिरिजादयालु शुक्ल ए. एम. एस.
- ७७५३ रसेन्द्रसारसंग्रह—वैद्य घनानन्द कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित ११-००
- ७७५४ रसोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित । प्र. भाग अजित् ५-०० सजित् ६-५०
- *७७५५ राजकीय औषधियोग संग्रह—श्री रघुवीर प्रसाद त्रिवेदी समाप्त
- *७७५६ राजमार्तण्डः—भोजराज विरचित । विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित २-५०
- *७७५७ राष्ट्रीय चिकित्सा सिद्ध योग संग्रह—लेखक-आयुर्वेदाचार्य श्री रघुवीर प्रसाद त्रिवेदी ए. एम. एस. १-५०
- *७७५८ रोगनामावली कोष—लेखक डा० दलजीतसिंह आयुर्वेदबृहस्पति ३-५०
- ७७५९ रोग निवारण । डा० शिवनाथ खन्ना १४-००
- *७७६० रोग परिचय (Clinical Medicine) ले० डा० शिवनाथ खन्ना एम. बी. बी. एस. १५-००
- *७७६१ रोगिपरीक्षाविधि—(सचित्र) ले० आचार्य प्रियव्रत शर्मा एम. ए., ए. एम. एस. ६-००
- *७७६२ रोगिरोग-विमर्श । डा० रमानाथ द्विवेदी ए. एम. एस. २-००
- *७७६३ रोगीपरीक्षा । डा० शिवनाथ खन्ना ६-००
- ७७६४ लहसुन प्याज । श्री रमेश वेदी २-५०
- *७७६५ लोहसर्वस्वम्—सुरेश्वर विरचित । हिन्दी टीका सहित २-००
- *७७६६ वनौषधिचन्द्रोदय—विशाल निघण्टु ग्रन्थ । पृथक्-पृथक् प्रत्येक भाग का मूल्य ५-०० तथा सम्पूर्ण ग्रन्थ १-१० भाग का ४०-००
- ७७६७ वनौषधिदर्शिका—वनस्पतिविशेषज्ञ प्रोफेसर बलवन्त सिंह ४-००
- *७७६८ वाग्भट्ट विवेचन । (शास्त्रीय विवेचन) श्री प्रियव्रत शर्मा कृत । यन्त्रस्थ प्रथम खण्ड
- *७७६९ विषविज्ञान और अगदतंत्र—लेखक—डा० युगलकिशोर गुप्त एवं डा० रमानाथ द्विवेदी २-००

- *७७७० वैद्यजीवन—अभिनव सुधा हिन्दी टीका टिप्पणी सहित ।
टीकाकार—श्री कालिकाचरणशास्त्री ए. एम. एस. १-२५
- *७७७१ वैद्यक परिभाषा प्रदीप—प्रदीपिका हिन्दी टीका सहित ।
टीकाकार—श्री प्रयागदत्त जोषी आयुर्वेदाचार्य । द्वितीय संस्करण १-५०
- *७७७२ वैद्यकीय सुभाषित साहित्य । डॉ० भास्कर गोविन्द घाणेकर २०-००
- *७७७३ वैद्यकीय सुभाषितावली—लेखक—डा० प्राणजीवन मारौकचन्द
मेहता । मूल संस्कृत, अंग्रेजी अनुवाद सहित २-००
- ७७७४ वैद्य सहचर—श्री विश्वनाथ द्विवेदी ३-००
- ७७७५ वैद्योद्बोधन । गिरजादत्त पाठक वैद्य ०-७५
- *७७७६ व्यवहारायुर्वेद-विषयविज्ञान-अगदतंत्र—लेखक—डा० युगल
किशोर गुप्त एवं डा० रमानाथ द्विवेदी ५-००
- ७७७७ शल्यतन्त्र में रोगी परीक्षा—ले० डा० पी० जे० देशपांडे ७-००
- *७७७८ शल्यप्रदीपिका (सचित्र) डॉ० मुकुन्दस्वरूप वर्मा । परिवर्द्धित संस्करण १५-००
- ७७७९ शब्दतूत । श्री रमेश वेदी ०-४०
- ७७८० शब्द । श्री रमेश वेदी । ३-००
- ७७८१ शारीरतत्त्वदर्शनम् । हिलेकर शर्मा । संस्कृत टीका हिन्दी अनुवाद
सहित ६-००
- *७७८२ शार्ङ्गधरसंहिता—सुबोधिनी हिन्दी टीका, वैज्ञानिक विमर्श, लक्ष्मी
नामक टिप्पणी तथा पथ्यापथ्यादि निविध परिशिष्ट सहित ५-००
- *७७८३ शालाक्यतंत्र (निमित्तंत्र) । डा० रमानाथ द्विवेदी
एम. ए., ए. एम. एस. । द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण १-००
- *७७८४ शिलाजीत विज्ञान—डा० जाह्नवी प्रसाद जोशी ०-७५
- ७७८५ संक्षिप्त औषध-परिचय । कालेड़ा ०-६२
- ७७८६ सन्दिग्ध द्रव्यविज्ञान । पं० राजितराम पाण्डेय १-५०
- ७७८७ सन्निपातज्वरचिकित्सा । कविराज चक्रपाणि शर्मा ६-००
- *7788 SURGICAL ETHICS IN AYURVEDA : By Dr. G. D.
Singhal and Pt. Damodar Sharma Gaur. (Chow.
Sans. Studies Vol. XL) 5-00
- *७७८९ सामान्य रोगों की रोकथाम । डा० प्रियकुमार चौवे ३-५०
- ७७९० सिद्ध परीक्षा पद्धति । प्रथम भाग ८-००
- *७७९१ सिद्धभैषज संग्रह—लेखक—आयुर्वेदाचार्य श्री युगलकिशोर गुप्त ।
मुख्य सुलभ संस्करण ७-०० उत्तम संस्करण ८-०० राज संस्करण ९-००

- *७७९२ सिद्धान्तनिदानम् । गणनाथसेन कृत । संस्कृत । १-२ भाग १४-००
- *७७९३ सुश्रुतसंहिता । सुदामा मिश्र शास्त्री कृत सुधा संस्कृत टीका सहित यन्त्रस्थ
- *७७९४ सुश्रुतसंहिता—'आयुर्वेद तत्त्वसंदीपिका' हिन्दी व्याख्या वैज्ञानिक
विमर्श सहित । व्याख्याकार-डा० कविराज अम्बिकादत्त शास्त्री
एम. ए., ए. एम. एस. । १-२ भाग । संपूर्ण २४-००
१ सूत्र-निदानस्थान ७-०० २ शारीरस्थान ३-५०
३ चिकित्सा-कल्पस्थान ६-०० ४ उत्तरतन्त्र १२-५०
- *7795 SUSRUTA SAMHITA : With a full and Comprehensive
Introduction, English Translation and Different
Readings etc., with Plates by Kaviraja Kunjalal
Bhishagratna, M. R. A. S. 3 Vols. (Chow. Saus. Studies
Vol. XXX) 60-00
- *७७९६ सुश्रुतसंहिता-शारीरस्थान—नवीन वैज्ञानिक 'प्रभा'-'दर्पण'
विस्तृत हिन्दी टीका सहित ३-५०
- *७७९७ सूचीवेध-विज्ञान (Injection Therapy)—
लेखक-डा० राजकुमार द्विवेदी-नवीन परिवर्द्धित संस्करण २-५०
- *७७९८ सौश्रुती—लेखक-आयुर्वेद बृहस्पति डा० रमानाथ द्विवेदी १०-००
- *७७९९ स्टेथिस्कोप तथा नाडी परीक्षा—डा० जाह्नवीप्रसाद जोशी ०-७५
- *७८०० स्त्रीरोग विज्ञान (सचित्र) डा० रमानाथ द्विवेदी ३-५०
- ७८०१ स्वस्थवृत्त-समुच्चय—श्री राजेश्वरदत्तशास्त्री कृत
हिन्दी टीका सहित ७-००
- *७८०२ स्वास्थ्यविज्ञान (सचित्र) डा० भास्कर गोविन्द घाणेकर ७-५०
- *७८०३ स्वास्थ्यशिक्षापाठावलि । डा० भास्कर गोविन्द घाणेकर ३-५०
- *७८०४ स्वास्थ्य संहिता—हिन्दी टीका सहित । रचयिता-आयुर्वेदाचार्य
कविराज नानकचन्द्र वैद्य शास्त्री २-५०
- ७८०५ हमारी आँखें । सचित्र । डॉ० एम० एस० अग्रवाल ५-००
- *७८०६ द्वैजा (चिसूचिका) चिकित्सा—डा० जाह्नवी प्रसाद ०-७५

—१३६—



CHARAKA SAMHITA

(*Text in Sanskrit with A New English Translation*)

By

Dr. Ramkaran Sarma

and

Dr. Bhagavan Das

The Charaka Samhita occupies a very important place in the History of world's medical science. But this work is quite difficult to understand to those who are not well accustomed with the particular style of Sanskrit in which it is written. Hence an authentic translation was a desideratum.

The present Translation is not only the result of plainful labour of two renowned scholars, but it comprises valuable extracts from the famous Commentary of Chakrapanidatta, rendered into English.

Sutra Sthana

In the Press

Rest

Shortly



(The Chowkhamba Sanskrit Studies Vol. XXX)

English Translation of

SUSRUTA SAMHITA

By

Kaviraj Kunja Lal Bhisagratna

Sushruta Samhita which is the most representative work on Ayurveda, not only deals with the essentials of Indian therapeutics but also embraces the whole range of Science of Ayurveda.

The purpose of this English Translation is to make this important work accessible to the English knowing world. The Translation of Kaviraj Kunja Lalji is authentic and, at the same time, throws sufficient light on many intricate and obscure facts of the original. Complete in 3 Vols. Rs. 60-00

THE

CHOWKHAMBA VIDYABHAWAN

Post Box 69,

VARANASI-1 (India)

Phone : 3076

कतिपय नवीनतम प्रकाशित ग्रन्थ

1 A Critical Study of the Philosophy of Raman
Dr. Anima Sen Gupta.

2 Agni Puranam : A prose English Translation
Annotations : By Manmatha Nath Dutt.

3 The Hunas in India : By Dr. Upendra Thakur

४ औचित्य सम्प्रदाय का हिन्दी-काव्य-शास्त्र पर प्रभाव ।

डॉ० चन्द्रहंस पाठक

५ कामकुञ्जलता । पण्डितराज श्री दुण्डिराज शास्त्री सम्पादित

६ कृतितत्त्वसंग्रहः । पं० तूफानी शर्मा । सम्पादक—पं० रामचन्द्र

७ चौखम्बा-चिकित्सा-विज्ञान-कोश । सम्पादक—डा० गंगासहाय

८ हिन्दी नलचम्पू । (चण्डपाल प्रणीत 'प्रकाश' व्याख्या सहित
श्री कैलासपति त्रिपाठी ।

९ प्रबन्धरत्नाकरः । डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल

१० भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधिसिद्धान्त । श्री राजवंश सह

११ मूल संस्कृत उद्धरण (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) प्रो० जे०
अनुवादक : डॉ० रामकुमार राय । १-४ भाग

१२ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । विज्ञानेश्वर कृत 'मिताक्षरा' संस्कृत तथा डॉ०
पाण्डेय कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित

१३ राजतरंगिणी कोश । डॉ० रामकुमार राय

१४ लौकिक संस्कृत साहित्य का संचित इतिहास । डॉ० गौरीनाथ
अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय

१५ विद्यापरिणयनम् । आनन्दराय मखि विरचित । 'प्रकाश' हिन्दी

१६ विष्णुपुराण का भारत । डॉ० सर्वानन्द पाठक

१७ वेदार्थ-चन्द्रिका । डॉ० मुंशीराम शर्मा

१८ वादक योगसूत्र—(वैदिक वाङ्मय का योगात्मक दर्शन) हिन्दी
सहित । पं० हरिशंकर जोशी

१९ व्याकरणमहाभाष्यम् । कैयट विरचित 'प्रदीप' संस्कृत तथा श्री
मिश्र कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । १-५ आदि

२० शब्दस्तोममहानिधिः । तारानाथ तर्कवाचस्पति भट्टाचार्य विरा

२१ शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम् । (वाजसनेयि-प्रातिशाख्यम्) कात्यायन
श्रीमती इन्दु रस्तोगी कृत आंग्लानुवाद सहित

२२ मङ्गल रस का शास्त्रीय विवेचन । डॉ० इन्द्रपाल सिंह

२३ समबन्धमातृका । क्षेमेन्द्र विरचित । डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी कृत 'प्र'
हिन्दी टीका सहित

२४ स्वतन्त्रकलाशास्त्र । प्रथम भाग-भारतीय । डॉ० कान्तिचन्द्र पाण्डेय

२५ हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र । (हिन्दी रूपान्तर) डा० जी बूडर

प्राप्तिस्थानम्—चौखम्बा विद्याभवन, चौक, वाराणसी

(THE CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES WORK No. 93)

SHABDA-KALPADRUM*(The most Stupendous Encyclopaedic Sanskrit Lexicon)*

Compiled By

Raja Sir Radhakanta Deva Bahadur

Demy 4to

Total Pages 3213.

Third Edition. Complete in Five Big Volumes Rs. 150-00

Shabdakalpadrum as an Encyclopaedic Dictionary is so well-known that it needs no fresh introduction. Besides the Etymology, Gender and Synonyms of a word it quotes profusely from all the major sources of the vast Sanskrit Literature on every particular subject matter. It serves the purpose of a Kosa in the traditional sense and also of a critical dictionary and an oriental encyclopaedia, prepared with the most modern ideas. So this work was welcomed by the renowned Oriental scholars and institutions all over the world.

Such an important work remained out of print for a pretty long time till we published our first reprint edition, in 1967, in sheer spirit of dedication to the cause of Sanskrit learning. Our first edition was completely sold out in a very short time. Due to the persistent pressure of demand from many of our patrons, viz., students, scholars and institutions, we had to ultimately issue a second edition. Though the production costs have, by this time, been enhanced considerably, we are offering the set at the same price (i.e., Rs. 150-00) which was fixed for the first edition, so that Sanskrit loving public may easily procure it. As we have been compelled to print only a limited number of copies, interested scholars are requested to procure their sets at their earliest to avoid disappointment.

शब्द-कल्पद्रुमः**(बृहत् संस्कृताभिधानम्)****राजा सर-राधाकान्तदेवबाहुर विरचितः****तृतीय संस्करण****सम्पूर्ण १-५ भाग****मूल्य रु० १५०-००**

विद्वानों के विशेष आग्रह से प्रकाशित इस तृतीय संस्करण का मूल्य पूर्ववत् रु० १५०-०० कमीशन बाद कर रु० १२०-०० नेट रखा गया है, किन्तु अत्यन्त सीमित संख्यक प्रतियाँ छपी है, अतः कृपालु ग्राहकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रति आज ही मंगवाने की कृपा करें। क्योंकि यह संस्करण भी समाप्त हो जाने पर यह अवश्य संभव है इस मूल्य में यह ग्रन्थ रत्न प्राप्त होना असंभव है।

THE CHOWKHAMBA VIDYABHAWAN**VARANASI-1 (India)****Phone : 3076**